# राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक : 7] बारहवीं विधान सभा के सातवें सत्र का बारहवां दिवस [संख्या : 8

**सोमवार,**

**12 मार्च, 2007**

**राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे**

**विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।**

**(श्रीमती सुमित्रा सिंह, अध्यक्ष, पदासीन)**

## तारांकित प्रश्नोत्तर

**श्री अध्यक्ष:** आज सख्या इतनी क्षीण कैसे है?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैंने बजट रखा तब भी कहा था कि सब लोग सन्निपात में हैं अभी इनको होश आने वाला नहीं है, थोड़ा समय लगेगा।

**श्री अध्यक्ष:** तमिलनाडु विधान सभा की एक कमेटी आने वाली है और वो अभी यहां पर बैठेगी और इतनी संख्या कम है तो अपने बारे में क्या सोचेंगे?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): हमारे बारे में नहीं अध्यक्ष महोदय, उनके बारे में सोचेंगे।

**श्री कालूलाल गुर्जर** (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): अध्यक्ष महोदय, बजट इतना अच्छा था कि उससे आहत हो गये और उठकर आने में असमर्थ हो रहे हैं।

**श्री अमराराम** (धोद)? (व्यवधान) इधर वाले काहे से आहत हैं? वो भी बता दो।

**श्रीजीवाराम चौधरी** (सांचौर): उनको यह समझ में नहीं आ रहा है कि क्या जवाब दें, कैसे जाएं अन्दर।

**श्री अध्यक्ष:** श्री केसर देव बाबर।

### प्रधानमंत्री सड़क योजनान्तर्गत ठेकेदारों का लम्बित भुगतान

**113. श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) राज्य में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गत तीन वर्षों में कुल कितनी सड़कें बनाई गईं एवं उन पर कितनी राशि व्यय की गयी?

(श्री केसर देव बाबर)

(2) कितनी लम्बाई की सड़कों का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है एवं यह कब तक पूर्ण हो जाएगा?

(3) क्या यह सही है कि राज्य में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत ठेकेदारों का भुगतान बकाया है? यदि हां, तो कितनी राशि का एवं क्यों? विवरण सदन की मेज़ पर रखें।

(4) क्या सरकार ठेकेदारों का बकाया भुगतान शीघ्र करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, आपकी आज्ञा से (1) राज्य में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत दिसम्बर, 2003 से फरवरी, 2007 तक कुल 4490 सड़कें बनाई गई एवं उन पर कुल राशि रुपये 2380.07 करोड़ व्यय किये गये।

(2) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 10767.76 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों का कार्य प्रगति पर है एवं इन्हें मार्च, 2008 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

(3) जी नहीं।

(4) इस योजना में वर्तमान में ठेकेदारों का कोई भुगतान बकाया नहीं है।

**श्री अध्यक्ष:** वो प्रस्तावित ही है या कर भी देंगे पूर्ण?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): निश्चित तौर पर अध्यक्ष महोदय।

**श्री अध्यक्ष:** तो आपने तो कहा है कि प्रस्तावित है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): नहीं, पूर्ण होना प्रस्तावित है।

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया कि ठेकेदारों का कोई भुगतान बकाया नहीं है इसके लिए तो इनका धन्यवाद। मैं इस तथ्य से जुडे तीन-चार सवाल पूछना चाहूंगा मंत्री महोदय से, बताने की कृपा करें कि प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना में केन्द्र से अब तक कितना अंश मिला और कितना बकाया है? क्या यह सही है कि ढाई सौ की आबादी वाले गांव, ढाणियों को सड़क से जोड़ा जाएगा? यदि हां, तो कब तक? मंत्री महोदय, कृपया जवाब दें।

**श्री अध्यक्ष:** आपने अपने क्षेत्र का तो अलग से पूछा नहीं है आपने तो कुल पूछा है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना में अब तक केन्द्र से 2847 करोड़ रुपये मिले हैं। अध्यक्ष महोदय, राजस्थान पहला प्रदेश है जिसने प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना का प्रथम चरण से लेकर चतुर्थ चरण तक पूरा कर लिया है और पांचवें और छठे चरण का कार्य चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मार्च, 2008 तक हम राजस्थान के वो सारे गांव जिनकी आबादी पांच सौ तक है उनको जोड़ देंगे। ढाई सौ तक की आबादी जिसके बारे में माननीय सदस्य ने जानना चाहा, ट्राइबल और डैजर्ट के अन्दर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत ढाई सौ तक की आबादी को जोड़ने के लिए हमने 1764 गांवों के प्रस्ताव बनाकर केन्द्र सरकार को भेजे हैं और हमें उम्मीद है कि जल्दी ही हमें इसकी जब स्वीकृति मिलेगी तो हम इनको भी जोड़ देंगे।

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में ...

**श्री अध्यक्ष:** आपने अपने का पूछा कहां है? आपने तो जनरल पूछा है पूरे राजस्थान का।

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): अध्यक्ष महोदय, यह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुडा मुद्दा है इसलिए मैं पूछ रहा हूं प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत ग्राम मनासिया विधान सभा क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ के सड़क के टेण्डर हो गये थे लेकिन इसका कार्य अभी रुका हुआ है, यदि कार्य रुका हुआ है तो सार्वजनिक निर्माण विभाग इसमें क्या प्रयास कर रहा है? कब शुरू कर देंगे? दूसरा माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि पीएम.जी.एस.वाई. में भारत सरकार अथवा राजस्थान सरकार की जो गाइड लाइंस हैं इनमें ऐसे कई गांव और ढाणियां जिनकी आबादी आठ सौ या हजार है लेकिन ये राजस्व गांव नहीं हैं। ऐसे गांव बहुत हैं जिनकी मूल गांवों से दूरी लगभग दो या तीन किलोमीटर तक की है लेकिन अभी ये गांव प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना से नहीं जुड सके हैं।

**श्री अध्यक्ष:** यह अलग से प्रश्न है ।

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): मैं उदाहरण के तौर पर माननीय अध्यक्ष महोदय, निवेदन करूं कि एक ग्राम देवरा जो कि सौ वर्ष पुराना गांव है और नागौर और सीकर जिले...

**श्री अध्यक्ष :** आप भाषण दे रहे हो कि आप प्रश्न पूछ रहे हो?

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): प्रश्न पूछ रहा हूं अध्यक्ष महोदय।

**श्री अध्यक्ष :** मूल में नहीं लिखा हुआ है। आप प्रश्न पूछें।

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): नागौर जिले और सीकर जिले के बॉर्डर पर एक गांव हैं उस गांव का नाम देवरा है और वहां पर देवनारायण भगवान का मंदिर भी है और उस गांव की आबादी लगभग आठ सौ है, सौ वर्ष पुराना गांव है लेकिन...

**श्री अध्यक्ष:** आप प्रश्न पूछ लीजिये भाषण का समय नहीं है यह।

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): अध्यक्ष महोदय, यह भाषण नहीं है यह प्रश्न है।

**श्री अध्यक्ष:** तो भाषण नहीं है तो क्या है? आप प्रश्न पूछिये।

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़): क्या इस गांव को, ग्राम देवरा को सड़क से जोड़ने का सरकार विचार रखती है या ऐसे गांव जिनकी आबादी पांच सौ से अधिक है लेकिन वो गांव तीन या चार किलोमीटर दूर हैं इन गांवों को जोड़ने का क्या प्रयास करेंगे?

**श्री अध्यक्ष:** मिस्टर बाबर, आप प्रश्न पूछिये।

**श्री केसर देव बाबर** (लक्ष्मणगढ़)? (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, पहले मैंने जो पूछा है उसका जवाब आ जाए।

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): अध्यक्ष महोदय, एक प्रश्न इसी से जुड़ा हुआ है।

**श्री अध्यक्ष :** नहीं, आप पूछेंगे।

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): निवेदन यह है कि ढाई सौ और उससे ज्यादा की आबादी की ढाणियों को...

**श्री अध्यक्ष:** श्री जयराम जाटव पूछेंगे।

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली):.... क्या राजस्व गांव बनाकर सड़क से जोड़ने का विचार रखती है सरकार? जब तक वो राजस्व गांव नहीं बनेंगे, सरकार नहीं जोड़ेगी तो माननीयमंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या ढाई सौ से ऊपर की आबादी की ढाणियों को राजस्व गांव बनाकर उनको सड़कों से जोड़ने का विचार रखते हैं?

**श्री अध्यक्ष:** श्री जयराम जाटव।

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): माननीय अध्यक्षजी, आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहता हूं माननीय मंत्रीजी से कि कुछ गांव जो क्राइटेरिया में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में आते हैं वो जुड़ गये, कुछ रोड्स को इस तरह से जोड़ दिया गया है कि चाहे वो ग्राम पंचायत से, किसी से आधा किलोमीटर या कहीं कुछ थोड़ा चौथाई सी.सी. रोड बना दी और सार्वजनिक निर्माण विभाग ने उनको प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़ा दिखा रखा है ऐसे कुछ गांव हैं जिनकी लम्बाई एक-एक किलोमीटर बच गयी और वो गांव सड़क से वंचित हैं, तीसरा...

**श्री अध्यक्ष:** मिस्टर जाटव, यह अलग से प्रश्न है।

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): कुछ ढाणियां ऐसी हैं माननीय अध्यक्षजी, जो गांव से अधिक बड़ी ढाणी है क्या उनको भी जोड़ने का विचार रखते हैं? (व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना में संवेदक को...

**श्री अध्यक्ष:** श्री टीकमचन्द कांत। (व्यवधान) मैंने नाम टीकमचन्दजी कांत का पुकार लिया।

**श्री टीकम चन्द कांत** (सिवाना): अध्यक्ष महोदय, रेवेन्यू विलेज की बात नहीं है वहां संख्या और हैबिटेट लिखा हुआ है या वो जगह जहां पांच सौ की आबादी है वो राजस्व ग्राम में लिखी हुई है उस पर इसलिए मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि जो भी पांच सौ की आबादी वाली जगह है उस आबादी को जोड़ने वाली बात है। माननीय मंत्रीजी इसको क्लियर करें नहीं तो हमारे यहां राजस्व गांव की तो लिस्ट है इनके पास लेकिन आबादी नहीं है। पीएचइडी ने ऐसा किया था कि आइडेंटीफाइड ढाणीज उनकी जनसंख्या थी वगैरह थी यदि पीडब्ल्यूडी भी आइडेंटीफाइड आबादी कर दे ये जो पांच सौ की है ढाई सौ की है तो वो सारा क्षेत्र जुड़ सकता है जो इस संख्या में आ सकते हैं।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना ये भारत सरकार की जो गाइड-लाइंस हैं, जो दिशा-निर्देश उन्होंने जारी किये उसके अनुसार चलती है । अध्यक्ष महोदय, यह सही है कि उसके अन्दर हैबीटेशन की बात नहीं है परन्तु उसके, मैं पढ़कर सुनाना चाहता हूं जो गाइड-लाइन हमें मिली है उसका पैरा 3.4 "…..the above reference, the population size of the habitations, the population has recorded in the census 2001….."

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

2001 के अन्दर अध्यक्ष महोदय, जनसंख्या के जो आंकड़े प्रकाशित हुए हैं जो पुस्तिका प्रकाशित हुई है उसमें जिन गांवों को, जिन रेवेन्यू विलेजेज को, जिन ढाणियों को, जिनको सम्मिलित किया गया है उसी के आधार पर ये योजना बनी है। अध्यक्ष महोदय, लक्ष्मणगढ़ से आने वाले माननीय सदस्य ने एक गांव के बारे में पूछा है ये जो मानेशिया गांव की सड़क थी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में स्वीकृत हुई परन्तु वहां पास में मोदी इंस्टीटयूट है उन्होंने कोई न्यायालय से स्थगन लिया है इसकी तारीख 19 मार्च है अध्यक्ष महोदय, हम कोशिश करेंगे कि ये जो स्थगन आया है इसमें उसका प्रतिवाद करके जल्दी से जल्दी स्थगन खारिज हो और उसके बाद इस सड़क के निर्माण कार्य को हम पूरा करेंगे। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** नैक्स्ट क्वेश्चन? (व्यवधान) अब सारी बात आ गयी। श्री अमराराम (धोद)।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): नहीं-नहीं, एक दो महत्वपूर्ण बातें हैं साहब।

**डा. सी. एस. बैद** (तारानगर): अध्यक्ष महोदय? (व्यवधान) इससे जुड़ी हुई बात है। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** मैंने श्री अमराराम (धोद) का नाम पुकार लिया। मैंने नाम पुकारा है श्री अमराराम।

**श्री अमराराम** (धोद): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के संवेदकों को यह पाबंदी है कि वह पांच साल में अगर वह सड़क टूटेगी तो उसको वापस मेनटेन करने की जिम्मेदारी उनकी होगी। आपने पत्र भी लिखे हैं लेकिन मैंने डेढ साल पहले मंगरानी की जो सड़क इस योजना में बनी थी उसके टूटने के बाद आज तक वह नहीं बनी है ऐसे अधिकारी और ऐसे संवेदकों के खिलाफ आप क्या कार्यवाही कर रहे हो? बाकी राजस्थान में भी जो सडकें इस योजना में बनी हैं जिनको पांच साल तक मेनटेन करने की जिम्मेदारी है उन अधिकारी और संवेदकों के खिलाफ आप क्या कार्यवाही कर रहे हैं?

**श्री अध्यक्ष:** आपकी बात आ गई, बताइए ।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना में जो सड़कें राजस्थान में बनी हैं वह खास मानक की

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

बनी हैं। इसके लिये वर्ल्ड बैंक ने कई-कई बार अपनी टीम भेज कर इसको इंसपेक्ट करवाया है । भारत सरकार के जो सड़कों के बारे में गुण नियंत्रक हैं उनका एक मिशन भी आया जिसने चार जिलों में लगभग सात दिन तक अलग-अलग आकस्मिक दौरे किये और उन सब ने यह कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत राजस्थान में निर्मित सडकें जो 15 लाख रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से बन रही हैं वह सर्वश्रेष्ठ हैं और इसके साथ-साथ उन्होंने यह भी कहा कि कार्य ठीक चल रहा है।

**श्री अध्यक्ष:** सर्वश्रेष्ठ वाली बात तो मान ली आपकी, आप तो मेंटीनेंस की बात बता दो, मेंटीनेंस की जिम्मेदारी उनकी है या नहीं और है तो कितने दिनों तक?

**श्री अमराराम** (धोद): और जो टूट गई उनका क्या होगा?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): मैं मेंटीनेंस की बात बता रहा हूं ।

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): अध्यक्ष महोदय, जो सडकें उधड गई हैं, जो सडकें टाइम पीरियड के पहले खतम हो गई हैं उनके लिये सरकार क्या कर रही है?

**श्री अध्यक्ष:** आप प्रश्न का जवाब आने दीजिए ।

**श्री अमराराम** (धोद): अभी मेरे विधान सभा क्षेत्र में जगतपुरा में सड़क बनी है और आप मानक की बात कर रहे हैं, बनने के 10 दिन बाद में वह पूरी की पूरी वापस उधड़ गई ।

**श्री अध्यक्ष:** आप प्रश्न का जवाब आने दीजिए ।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैंने स्वयं ने सभी माननीय विधायकों को पत्र लिखे हैं और पत्र लिख कर उनको यह भी अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में जो संवेदक हैं, पांच साल तक सड़क को मेनटेन करने की जिम्मेदारी उनकी है। मैंने राजस्थान के सारे प्रधानों को भी पत्र लिखे हैं। अध्यक्ष महोदय, धोद से आने वाले माननीय सदस्य जिस सड़क का जिक्र कर रहे हैं अगर वह मुझे पत्र लिखते तो मैं क्वालिटी कंट्रोल की पूरी टीम भेजकर उसको इंसपेक्ट करवाता और मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं और सदन के सभी माननीय सदस्य को निवेदन करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

या दूसरी योजना जो बाकी है उनमें तीन साल की गारंटी है और प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना में पांच साल की है । अगर कहीं कोई सड़क बने और सड़क उसी पीरियड में टूट जाये तो निश्चित तौर पर न केवल उसको ठीक करवाया जायेगा और उसकी रिपोर्ट अगर आप करोगे संबंधित जे.ईएन, ए.ईएन जिसने रिपोर्ट नहीं की उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जायेगी । हमारे सब की मंशा है कि राजस्थान का सड़क तंत्र ठीक हो और सड़क अच्छी बने ।

**श्री अध्यक्ष:** नैक्स्ट क्वेश्चन, श्री हेमराज मीणा ।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): माननीय मंत्रीजी, 2001 के बाद जो राजस्व ग्राम बने हैं उनकी आबादी अगर 500 से ज्यादा है तो आप उनको लेंगे या नहीं लेंगे? 2001 के बाद जो राजस्व ग्राम बने हैं उनके बारे में आप क्या विचार करते हैं क्योंकि 2001 की जनसंख्या में उनका नाम नहीं है ।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में जो स्वीकृति हुई है उनमें फोरेस्ट विभाग ने कई जगह रोक लगा रखी है।

**श्री अध्यक्ष:** मैंने नैक्स्ट क्वेश्चन पुकार लिया है ।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): गांवों से जुडा हुआ महत्वपूर्ण प्रश्न है। आधे घंटे से हम हाथ खड़ा कर रहे हैं आप बोलने की इजाजत नहीं देतीं। 2001 के बाद जो रेवेन्यू विलेज बने हैं उन गांवों का क्या होगा क्योंकि वह 500 की आबादी में नहीं आते हैं और 2000 की जनसंख्या की लिस्ट में भी उनका नाम नहीं है ।

**श्री अध्यक्ष:** अंकित नहीं हो ।

**श्री सी. डी.** देवल (रायपुर): ×××

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): ×××

**श्री अध्यक्ष:** नेक्स्ट क्वेश्चन श्री हेमराज मीणा । अंकित नहीं हो ।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली):×××

**श्री अध्यक्ष:** श्री हेमराज मीणा।

## किशनगंज में सहरिया विकास परियोजनान्तर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा ट्यूब-वैलों पर व्यय

**114. श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): क्या जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(श्री हेमराज मीणा)

(1) विधान सभा क्षेत्र किशनगंज में सहरिया विकास परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह द्वारा विगत 3 वर्षों में कहां-कहां पेयजल हेतु ट्यूबवैल स्थापित किये गये और किन-किन ग्रामों को पानी सुलभ हुआ ? सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) स्थापित ट्यूबवैलों में से कितने ट्यूबवैल वर्तमान में चालू हैं व कितने खराब हैं? इन पर कितनी-कितनी राशि व्यय की गई व इनका भौतिक सत्यापन किसके द्वारा किया गया? विवरण सदन की मेज पर रखें ।

(3) क्या यह भी सही है कि इन ट्यूबवैलों से पूर्ण पानी आज तक सुलभ नहीं हो पा रहा है? यदि हां, तो क्यों ?

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): (1) विधान सभा क्षेत्र किशनगंज में सहरिया विकास परियोजना के अंतर्गत विगत तीन वर्षो में संलग्न परिशिष्ट 'अ' पर अंकित 31 ग्रामों में सहरिया विकास समितियों के माध्यम से पेयजल हेतु ट्यूबवैल स्थापित किये गये हैं।

(2) स्थापित किये गये 31 ट्यूबवैल वर्तमान में चालू हैं । इन ट्यूब वेलों की स्थापना पर व्यय की गई राशि का विवरण परिशिष्ट 'ब' पर संलग्न है ।

इनका भौतिक सत्यापन संयुक्त भौतिक सत्यापन समिति द्वारा किया गया है जिसमें सहायक अभियंता, जन स्वास्थ्य अभीयान्त्रिकी विभाग शाहाबाद, संबंधित अध्यक्ष सहरिया ग्राम विकास समिति एवं सहरिया प्रतिनिधि श्री मोरपाल सहरिया शामिल हैं।

(3) जी हां । संयुक्त भौतिक सत्यापन कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार उक्त 31 ट्यूबवैल चालू हैं जिनसे पूर्ण पानी सुलभ हो रहा है ।

**(विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट-1 देखें)**

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि पिछले तीन साल में कुल कितने ट्यूबवैल स्वीकृत हुए और जो यह ट्यूबवैल लगे हैं इनमें कौन से मार्का की मोटर, कौनसा जनरेटर, कौन से मार्का के पाइप डले यह भी मैं आपसे जानना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, 35 ट्यूबवैल मेरी जानकारी में हैं, इस सरकार के द्वारा 35 ट्यूबवैल मंजूर हुए थे लेकिन 31 ट्यूबवैल लगे हैं और चार ट्यूबवैलों का भुगतान ऊपर के ऊपर उठ गया मेरे पास उसकी फोटोग्राफी भी है। केवल

(श्री हेमराज मीणा)

मात्र बोरिंग हुई है, ढक्कन लगे हुए हैं, उसकी मेरे पास फोटोग्राफी भी है। मंत्री महोदय बता रहे हैं 31 ट्यूबवैलों से पेयजल मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन करना चाहूंगा सारे ट्यूबवैल खराब पड़े हुए हैं और एक भी ट्यूबवैल से पेयजल सुलभ नहीं है। मैं यह कहना चाहूंगा कि जिन ट्यूबवैलों का फर्जी भुगतान हुआ है उसके लिये कौन-कौन अधिकारी दोषी है, कौन से समिति के लोग दोषी हैं, कौन ठेकेदार दोषी है उनके खिलाफ कब तक कार्यवाही करेंगे? अध्यक्ष महोदय, भुगतान उठाने की मेरे पास सूची भी है ।

**श्री अध्यक्ष:** आप प्रश्न पूछिए भाषण नहीं ।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): मैं आपको नाम बताना चाहूंगा निवाडी, माधोपुरा, बालदा और खिरीया। मैं इन चारों की फोटो टेबल पर फाइल करना चाहूंगा। चारों में केवल ट्यूबवैल के डंडे-डंडे खड़े हैं और वहां पर सहरिया परियोजना से पूरा भुगतान हो गया लेकिन वहां पर ट्यूबवैल चालू नहीं है, न मोटर लगी है न जनरेटर लगा है और न पेयजल सुलभ हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह चाहूंगा कि जिन लोंगों ने इसमें पैसा खाया है जिन्होंने पैसा उठाया है, जो अधिकारी इसमें दोषी है अध्यक्ष महोदय, सहरिया परियोजना का अध्यक्ष जिला कलक्टर है और ए.डी.एम. परियोजना के प्रोजेक्ट आफिसर हैं उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही हो, उनको निलम्बन किया जाना चाहिये ।

**श्री अध्यक्ष:** भाषण नहीं प्रश्न पूछिए।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): दो साल हो गये इन पैसों को उठे लेकिन कार्यवाही नहीं हुई है। मैं चाहूंगा कि इन चार ट्यूबवैलों का जो भुगतान उठा है ...

**श्री अध्यक्ष:** आपने प्रश्न तो पूछा कुछ और है और आप इस समय बोल कुछ और रहे हैं। 31 ट्यूबवैल खोदे वह कह रहे हैं 31 में पानी आ रहा है, आप कह रहे हैं पानी नहीं आ रहा है।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अध्यक्ष महोदय, मैं फोटो पेश करना चाहूंगा।

**श्री अध्यक्ष:** अगर वह गलत जवाब दे रहे हैं तो आप नियम में आइए कौन मना करता है आपको।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय को अधिकारियों ने गलत जानकारी दी है। मैं तो फोटो पेश करना चाहता हूं। इनमें न कोई मोटर लगी हुई है न कोई ट्यूबवैल लगे हैं।

**श्री अध्यक्ष:** गलत सूचना दे रहे हैं तो आप नियमों में आइए ।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का जो प्रश्न है उसमें कुछ तथ्य है । केन्द्र सरकार से हमको 38 हैंड पम्प लगाने के लिये 57 लाख रुपये, प्रति हैंडपम्प डेढ़ लाख के हिसाब से स्वीकृत हुए।

**श्री अध्यक्ष :** नहीं, हैंडपम्प का तो सवाल ही नहीं है ।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री):जी, हां। ट्यूबवैल का पैसा स्वीकृत हुआ । उसमें से तीन ट्यूबवैल यह जो भू-सर्वेक्षण विभाग है उसने फिजीबल नहीं माना । उसके बाद 35 ट्यूबवैल रहे उसमें से 31 तो बिलकुल तैयार हो कर उनका सत्यापन सर्टिफ़िकेट है वह सारा वहां की जो कमेटी है जो मेम्बर बने हैं इसमें और जो ए.ईएन. इसमें है उसके द्वारा मिला है । यह जो 4 ट्यूबवैल हैं इनकी पहली किश्त जारी हुई थी 13.5.2006 को एक लाख रुपया और यह उप निदेशक, उदयपुर के आदेश से इन 4 ट्यूबवैल का पैसा स्वीकृत हुआ। दूसरी किश्त भी इनकी फिर जारी हुई और वह सातवें महीने में 25.7.2005 को हुई। लेकिन चूंकि इसका सत्यापन का सर्टिफिकेट न तो वहां की लोकल एजेंसी ने दिया न इसको प्राप्त हुआ। जो 6 लाख रुपये उनको देना था उसमें 5 लाख 50 हजार का पेमेंट निश्चित रूप से इन ट्यूबवैल के अगेंस्ट हुआ । पहली किश्त और दूसरी किश्त दोनों मिलाकर पेमेंट हो गया । फाइनल पेमेंट इसका नहीं हो पाया क्योंकि इसका सत्यापन होना था और जिस कमेटी के द्वारा होकर आना था वह प्राप्त नहीं हुआ उसके कारण से हुआ और इसलिए यह विषय कि निश्चित रूप से पहली किश्त तो सामान्यत: जब भी सेंक्शन करते हैं तो जारी कर देते हैं लेकिन दूसरी किश्त जारी करने के पहले ए.ईएन. से रिपोर्ट जरूर लेनी चाहिये थी और उस रिपोर्ट के आधार पर दूसरी किश्त जानी चाहिये थी ।

**श्री अध्यक्ष :** आप जवाब तो कुछ और ही दे रहे हैं ।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): निश्चित रूप से जिसने भी बिना ए.ईएन. की रिपोर्ट के यह दूसरी किश्त जारी की है उसके लिये जो भी व्यक्ति दोषी है, उसके लिए जो भी आवश्यक कार्यवाही होगी वह हम निश्चित रूप से करेंगे। यह बात सच है कि चार टयूबवैल, जिनका नाम आपने लिया, आज भी कमीशन नहीं हुए हैं। उनसे पानी प्राप्त नहीं हो रहा है, यह बात सच है लेकिन यह जांच का विषय रहेगा कि दूसरी किश्त जारी करने का अधिकार

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

किसको था और बिना सूचना प्राप्त हुए क्यों जारी की, इतनी-सी इसमें कमी है। यह जो चार टयूबवैल हैं, अभी तक भी कमीशन नहीं हुआ है। ( व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** ठीक है।

**श्री कैलाश त्रिवेदी** (सहाड़ा): क्या सुपरवीजन किया?

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि जो 31 टयूबवैल लगे हुए हैं, जिनसे मंत्री महोदय बता रहे हैं पानी नहीं मिल रहा लेकिन इसमें कौनसी मार्का की मोटर, आई.एस.आई. मार्का नहीं है।

**श्री अध्यक्ष :** यह आपने नहीं पूछा कि कौन से मार्का की मोटर है। आपने पूछा पानी मिल रहा है कि नहीं मिल रहा।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अध्यक्ष महोदय, यह पूरा टयूबवैल, मैं यह पूछ रहा हूं कि जो बोरिंग हुआ है पेयजल सुलभ कराने के लिए.. (व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): भ्रष्टाचार की बात भी पूछने दीजिए। यह तो पूछने दीजिए कम से कम। (व्यवधान)

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज) : पेयजल सुलभ कराने के लिए मोटर भी डाली होगी, उसमें जनरेटर भी लगाया, कौनसे मार्का का है, आई.एस.आई. मार्का का है कि नहीं है ? (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, सारा फर्जीवाड़ा हुआ है। 31 टयूबवैल, मंत्रीजी को जो सूचना अधिकारियों ने दी है वह बिलकुल गलत दी है। सारे 31 टयूबवैल, मैं एक -एक टयूबवैल का फोटो खिंचवाकर लाया हूं। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आप तो प्रश्न पूछिये...(व्यवधान)

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): सारे टयूबवैल बिलकुल बंद हो चुके हैं, किसी से भी पेयजल सुलभ नहीं हो रहा। सभी में लोकल मेड की मोटर, लोकल मेड का जनरेटर, लोकल मेड की टंकी रखी हुई है। एक को भी पेयजल सुलभ नहीं है। ठेकेदारों ने, अधिकारियों ने मिलकर, पूरा पैसा भुगतान हो गया, मैं चाहूंगा चार टयूबवैल का पैसा भुगतान हो गया, कमीशन में(व्यवधान) उनके खिलाफ मंत्रीजी क्या कार्यवाही करेंगे, कौन-कौन अधिकारी इसमें दोषी हैं?

अध्यक्ष महोदय, सहरिया परियोजना का अध्यक्ष कलक्टर होता है, कोई छोटा-मोटा अधिकारी नहीं है। सहरिया परियोजना का अध्यक्ष कलक्टर है, प्रोजेक्ट आफिसर एडीएम है। ( व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** बीच में नहीं।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): दोनों आफिसर आई.ए.एस., आर.ए. एस. आफिसर होने के बाद घोटाला हो गया। साढ़े पांच लाख रुपये का भुगतान हो गया, ट्यूबवैल कमीशन नहीं हुए। (व्यवधान) आप इस संबंध में क्या कार्यवाही करेंगे?

**श्री अध्यक्ष :** आप प्रश्न पूछिये।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): अध्यक्ष महोदय, एक प्रश्न मेरा भी है ।

**श्री अध्यक्ष :** पहले उनका जवाब आने दीजिए। मूल प्रश्नकर्ता का जवाब आने दीजिए।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): ठीक है साहब।

**श्री कैलाश त्रिवेदी** (सहाड़ा): अध्यक्ष महोदय, जितनी मोटर, जनरेटर लगे हुए हैं आई.एस.आई है कि नहीं ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** पूछ लिया उन्होंने, आपको पूछने की आवश्यकता नहीं है। पूछ चुके वह।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): अध्यक्ष महोदय, इस योजना के तहत सहरिया पर, स्वयं सहायता समूह उसी पंचायत का गठित होता है, उसका एक अध्यक्ष होता है, एक कोषाध्यक्ष होता है एक मंत्री होता है और दो मैम्बर उसी गांव के होते हैं। कलक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तर पर कमेटी बनी हुई है यह सीधा पैसा स्वयं सहायता समूह को चैक के द्वारा पेमेंट करते हैं और सारा पेमेंट चैक के द्वारा हुआ है।

इसकी जांच के लिए भी, जैसा मैंने कहा कि सैकण्ड किश्त प्राप्त होने के लिए पहली किश्त तो पहले ही दिन, जिस दिन इसका आदेश करते हैं, एक लाख के चैक उस समिति के खाते में जमा हो जाता है। सैकण्ड किश्त देने के पहले एक राइडर है इसका कि उसकी रिपोर्ट ए.ईएन. के द्वारा प्राप्त हो, उसके बाद सैकण्ड किश्त जारी हो चाहे वह 40 की हो, 50 की हो या 60 की। जितनी भी उसकी कीमत होती है वह सैकण्ड किश्त उसके बाद जारी होती है।

31 में से प्रत्येक, जो गांव की स्वयं सहायता समूह का है उनका प्रत्येक का सर्टिफिकेट इसमें है, इसमें किसी भी गवर्नमैंट एजेंसी ने काम नहीं किया। वहां का जो स्वयं सहायता समूह बना हुआ है पांच लोगों का, उसी गांव के प्रमुख लोगों को मिलाकर बनाया है, उन्होंने ही काम करवाया है, उनके द्वारा ही राजकीय अधिकारी ए.ईएन. है वह अपने साथ कमेटी की रिपोर्ट देने के

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

बाद, उसके सत्यापित होने के बाद, यहां जो ऊपर की एजेंसी है उसका काम केवल पैसे का भुगतान करने का काम है। पी.एच.ई.डी.. के द्वारा जो अधिकारी है वह उसको वैरिफाई करते है, इतना ही काम है। मैं सोचता हूं कि इसमें न तो कलक्टर का बैड इन्टेशन है न इसमें स्वयं सहायता समूह, यह केन्द्र की योजना है और योजना के पीछे भी भावना यह है कि उस पंचायत में लगने वाला टयूबवैल उसी पंचायत के पांच लोगों की कमेटी के द्वारा ही, सारा का सारा लगाना भी, जितना लगाया उसकी रिपोर्ट देना और कमीशन होना यह सारा काम स्वयं सहायता समूह की, जो उस पंचायत की है, पांच लोगों की है वह बनी हुई है उसी के आधार पर चैक के द्वारा पैसा सरकार की तरफ से उनको गया, उनके द्वारा उसको पेमेंट किया ।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): इंस्टालेशन का वेरीफिकेशन ... (व्यवधान) इंस्टालेशन का वेरीफिकेशन जिस अधिकारी ने किया, चाहे कलक्टर ने किया, दूसरे ने किया, वह दोषी नहीं है क्या, वहां सही हुआ कि नहीं हुआ? (व्यवधान)

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): कलक्टर और एडीएम ने अपने आपको बचाने के लिए ए.ईएन. को, उसमे वेरिफिकेशन (व्यवधान) में लगा दिया।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आप कह रहे हैं पांच आदमी से...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** Your mike is not working. पहले आप माइक देख लिया करो।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध हैं कि इस मामले पर अध्यक्षीय व्यवस्था दीजिए। माननीय सदस्य, एजीटेटेड है। सरकार के वक्तव्य को वह गलत बता रहे हैं। वह दूसरे तथ्य दे रहे हैं। होम मिनिस्टर साहब दूसरे बोल रहे हैं। स्पष्टीकरण होना चाहिये सरकार की तरफ से। आप कह रहे हैं कि पांच आदमियों के द्वारा हुआ है, वह कहते हैं कि किसी के द्वारा भी हुआ (व्यवधान) रुपया खर्च नहीं हो पाया, बेईमानी हुई है। सरकार के उत्तर को चैलेंज कर रहे हैं। किसी में पानी नहीं मिल रहा।

**श्री अमराराम** (धोद): पानी नहीं मिल रहा।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आप यह प्रमाण पत्र क्यों दे रहे हैं बार-बार?

**श्री अध्यक्ष:** गलत जवाब दिया तो दूसरे नियम में आइये ना, कौन ना करता है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): नियम क्या...(व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): यह नियम नहीं है ?

**श्री अध्यक्ष:** चर्चा कराओ ना। (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): नियम, आप बैठे है ना।

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): माननीय अध्यक्षजी, क्या संबंधित कलक्टर और ए.डी.एम. को हटाकर सरकार कार्यवाही करने का विचार रखती है? जांच करवाये। उनके रहते हुए जांच कैसे होगी, कैसे जांच होगी?

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): लाखों रुपये आदिवासियों के उद्धार के लिए...(व्यवधान)

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): उनके रहते हुए कैसे जांच होगी, यह कैसे सम्भव हो सकता है?

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): राजस्थान सरकार दुरुपयोग कर रही है। केन्द्र सरकार के द्वारा दिये गये पैसों का सही ढंग से काम सहरिया में नहीं हुआ। करोड़ों रुपये का सरकार दुरूपयोग कर रही है। जो अधिकारी जिम्मेदार है उनको बचाने की कोशिश कर रही है। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आपके नेता बोल रहे हैं, आपके लिए फिर आवश्यक है बोलना?

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): विधान सभा के सदस्यों की कमेटी बनाकर इनको निर्देश दें। इसकी जांच कराये, आखिर सहरिया विकास के लिए वर्षों से...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** अंकित नहीं हो।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): ×××

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री अध्यक्ष :** कृपया अपना स्थान ग्रहण कर लें, वह पूछ चुके हैं।

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री अध्यक्ष:** कृपया स्थान ग्रहण करें। अंकित नहीं हो।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर):×××

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री अध्यक्ष:** आपके नेता बोल चुके हैं।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर):×××

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री कैलाश त्रिवेदी** (सहाड़ा):×××

**श्री अध्यक्ष :** आपके लिए बोलना आवश्यक है ? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): इस पर व्यवस्था दी जाये। कन्सर्न मंत्री है...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आप खड़े हुए, आपने पूछ लिया, मंत्रीजी खड़े होते उससे पहले तो आपके सदस्य खड़े हो-होकर अपनी विद्वत्ता का प्रदर्शन करने लगे, क्या किया जाए। आपकी बात का जवाब तो आने ही नहीं दिया वह तो अपने आपको आपसे ज्यादा बुद्धिमान समझते हैं इसीलिए आपके बाद खड़े होते हैं और आपके ही प्रश्न को दोहराते हैं।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): ×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): कन्सर्न मंत्री आज नहीं है और एवज में होम मिनिस्टर जवाब दे रहे हैं, जिनको जानकारी का अभाव है इसलिए इस पर आप व्यवस्था दीजिए। (व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): ×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): एवजी है।

**श्री अध्यक्ष :** दे रहे हैं ना जवाब।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): एवजी है।

**श्री अध्यक्ष :** आप बैठें तो सही, देंगे जवाब। आप बिराजें तब देंगे जवाब।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): इन्होंने तो विभाग की कुछ समय के लिए चूडी पहन रखी है। इन्होंने तो विभाग की कुछ समय के लिए... (व्यवधान) चूडी पहन रखी है कुछ समय के लिए। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** हा, उनको छूट है इसलिए आप नहीं कह सकते।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): अध्यक्ष महोदय, यह जो कहा जा रहा है कि करोड़ों रुपये का गड़बड हो गया, कुल सैंक्शन, 38 टयूबवैल के लिए केन्द्र सरकार से 52 लाख रुपये कुल प्राप्त हुए...(व्यवधान) इसमें कोई भी चीज नहीं छिपाई, जहां कमी रही वह मैंने आपके सामने बता दी। 31 हैण्डपम्प व्यवस्थित रूप से लगे। तीन लोगों की जो कमेटी है, टयूबवैल वेरीफाई किये और वेरीफाई करने के बाद उनका पूरा पेमेंट हुआ। केवल चार टयूबवैल ऐसे थे जिनका पहली किश्त तो सामान्यतया जिस दिन सैंक्शन करते हैं उसके साथ ही, वहां जो ग्राम, पंचायत की, स्वयं सहायता समूह होता है उसके अकाउण्ट में ट्रान्सफर हो जाता है। उसके बाद सैकण्ड किश्त देने के पहले जरूर यह राइडर लगा रखा है कि वह सत्यापित होकर आए उसके बाद लगे, यहां यह भूल हुई है। चार अभी तक कमीशन नहीं हुए हैं वह अधूरे पड़े है वह निश्चित रूप से सैकण्ड किश्त उनको नहीं जानी थी जब तक इसका वेरीफिकेशन नहीं होता। यह कमी रही है। मैंने पहले ही कह दिया इस कमी के लिए जो भी उत्तरदायी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही होगी।

**श्री अध्यक्षः** मंत्रीजी...(व्यवधान)

**श्री देवीसिंह भाटी** (कोलायत): नहीं अध्यक्ष महोदय, सहरिया परियोजना...(व्यवधान) पानी नहीं आ रहा...(व्यवधान)

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अध्यक्ष महोदय, सहरिया परियोजना का अभी पानी नहीं आ रहा है। उसमें ए.डी.एम. और कलक्टर, दोनों शामिल हैं तो आप जांच किससे करवायेंगे? क्या कलक्टर को हटाकर जांच करवाएंगे? (व्यवधान) क्या कलक्टर और ए.डी.एम. को हटाकर जांच करवाएंगे क्या। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** स्थान ग्रहण करें। कृपया स्थान ग्रहण करें। (व्यवधान)

**श्री देवीसिंह भाटी** (कोलायत): 31 में से एक में भी पानी नहीं आ रहा है। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** स्थान ग्रहण करें। माननीय मंत्रीजी, जब वे चुनौती दे रहे हैं कि हैण्डपम्प, टयूबवैल, जो हैं यह टयूबवैल काम नहीं कर रहे हैं, पूरा पानी नहीं दे रहे हैं तो पूरे मामले की जांच कराने में क्या दिक्कत है? आप करवाइये।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): विधान सभा सदस्यों से। ...(व्यवधान) उस कलक्टर और एस.पी. से जांच नहीं होनी चाहिए, अध्यक्ष महोदय। वह अधिकारी क्या जांच करेंगे जिन्होंने पैसा दिया है। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** स्थान ग्रहण करें।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): ऐसा है, जोर से बोल लेने से कोई गलत चीज को सही नहीं कर सकते हैं। मैं बिलकुल खुला हूं और आप यहां जोर से बोलकर के अगर यह। ...(व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): मंत्रीजी, गलत काम। (व्यवधान) माननीय सदस्य, यह कह रहे हैं 31 में भी पानी नहीं मिल रहा है। (व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): हमने यह नहीं कहा कि आप भ्रष्टाचार कर रहे हो। हमने यह कभी नहीं कहा कि आप भ्रष्टाचार कर रहे हो। (व्यवधान) लेकिन सहरिया क्षेत्र में जो भ्रष्टाचार हो रहा है उसके बारे में सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। हमने कभी नहीं कहा कि आप भ्रष्ट हैं। लेकिन वहां के जो अधिकारी भ्रष्टाचार कर रहे हैं उसको रोकने की जवाबदारी भी राजस्थान सरकार की है।

**श्री अध्यक्ष :** कृपया स्थान ग्रहण करें।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): अब यह ट्यूबवैल कहां, अब यह ट्यूबवैल की जगह भी मालूम है कहां है। (व्यवधान) यह ट्यूबवेल कौन से जिले में हैं। (व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): यह तो एक झांकी है, इसके अलावा सहरिया क्षेत्र में जितना भ्रष्टाचार हुआ है उसकी विधान सभा की। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** स्थान ग्रहण करें। आप इनके बैठने के बाद दीजिये जवाब। सुनते तो हैं नहीं। (व्यवधान)

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): मैं कह रहा हूं। आपका सम्मान करते हुए, जो 31 लगे हुए हैं वह भी अगर ठीक ढंग से काम नहीं कर रहे हैं तो निश्चित रूप से अधिकारियों को भेजकर उसकी जांच करवा लूंगा कि वह वास्तव में चल रहे हैं कि नहीं चल रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** ठीक है। श्री भरतसिंह।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह था। (व्यवधान) नहीं, अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब पूरा नहीं आया। नहीं, अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब पूरा नहीं आया। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** नहीं, बात हो गयी, अब नहीं, अब नहीं। श्री भरतसिंह।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): सारे मैं फोटो लेकर आया हूं। मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** जब जांच करने की बात कह दी।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): उसमें कलक्टर और ए.डी.एम. दोनों शामिल हैं। कुछ तो बतायें मंत्रीजी, जांच किससे करवाएंगे? ए.डी.एम. और कलक्टर, दोनों शामिल हैं तो जांच किससे करवाएंगे। या तो विधान सभा की कमेटी से जांच करायें। (व्यवधान) या कलक्टर से ऊपर की कमेटी बनायें। या गवर्नमैंट से अधिकारी भेजकर जांच करायें। (व्यवधान) मैं कह रहा हूं यह पूरा भुगतान सबका उठ गया। एक भी ट्यूबवैल चालू नहीं है। अध्यक्ष महोदय, सबके फोटो पेश कर रहा हूं। मंत्रीजी यह तो बतायें कि कलक्टर और ए.डी.एम. दोनों शामिल हैं उसमें तो जांच किससे कराएंगे। या विधान सभा की कमेटी बनाएंगे। या कोई गवर्नमैंट, राज्य सरकार किससे जांच कराएगी। इतना तो मेरे को बतायें। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): लगातार आपकी सरकार के गुणगान करते रहे हैं, उनकी वाजिब बात तो मान लो आप। इनकी वाजिब बात तो मानो।

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, जब आप कलक्टर और एस.डी.एम. दोनों पर आरोप लगा रहे हैं तो यह मानकर चलिये कि इनसे हायर आफिसर से जांच कराई जाएगी। यह मानकर चलिये, आप।

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): मंत्रीजी इस बात को कहें।

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, आप इनको यहां दो।

**(माननीय सदस्य श्री हेमराज मीणा (किशनगंज) द्वारा फोटो माननीय अध्यक्ष महोदय को दिये गये)**

माननीय सदस्य, आप यह मानकर चलिये कि यदि आपका आरोप कलक्टर और एस.डी.एम. पर है। (व्यवधान) आसन पांवों पर है और आप भाग रहे हैं, यहां सदन में। कमाल करते हैं।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अध्यक्ष महोदय, आप यह बतायें कलक्टर और ए.डी.एम., दोनों शामिल हैं उसमें।

**श्री अध्यक्ष :** नो, मैंने कहा, स्थान ग्रहण करें। जब कह दिया मंत्रीजी ने तो यह मानकर चलिये जब कलक्टर और एस.डी.एम. दोनों को आप इसमें इन्वाल्व मान रहे हैं तो आप यह मानकर चलिये कि इनसे हायर आफिसर से ही जांच कराई जाएगी।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): घोषणा करें मंत्रीजी। मंत्रीजी अनाउंस करें।

**श्री अध्यक्ष :** मतलब यही है और क्या है।

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): इनके रहते कैसे जांच होगी।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): अनाउंस तो करें मंत्रीजी, किससे जांच कराएंगे।

**श्री अध्यक्ष :** आसन ने कह दिया तो इसके बाद कोई आवश्यकता रह गयी, आवश्यकता रह गयी? श्री भरत सिंह।

## कोटा नगर निगम क्षेत्र की गौशालाओं में व्याप्त अनियमितताएं

**115. श्री भरत सिंह** (दीगोद): क्या स्वायत्त शासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) नगर निगम कोटा में कुल कितने स्थाई व अस्थाई कर्मचारी हैं तथा उनके वेतन व भत्तों पर प्रतिवर्ष कुल कितनी राशि व्यय की जा रही है?

(2) क्या यह सही है कि नगर निगम द्वारा संचालित गौशालाओं में बड़ी संख्या में पशुओं की मृत्यु हुई है? यदि हां, तो इस वर्ष कोटा की विभिन्न गौशालाओं में कितनी गायों की मृत्यु हुई है?

(3) क्या यह सही है कि कोटा की गौशालाओं में अव्यवस्था के कारण ताला तोड़कर गायें चुराने की घटना भी घटित हो चुकी है? यदि हां, तो कब-कब तथा इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई?

(4) सरकार द्वारा कोटा में गौशालाओं के संचालन पर प्रतिवर्ष कुल कितनी राशि व्यय की जाती है?

**राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय** (श्री प्रताप सिंह सिंघवी): (1) नगर निगम कोटा में कुल 2560 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिसमें 2540 स्थाई एवं 20 अस्थाई कर्मचारी हैं। इनके वेतन-भत्तों पर वर्ष 2005-06 में 29.64 करोड़ रुपये की राशि व्यय हुई है।

(2) नगर निगम, कोटा द्वारा दो गौशालाएं क्रमश: किशोरपुरा व बंधा धर्मपुरा संचालित की जाती हैं। चालू वर्ष 2007 में 28 फरवरी तक बंधा धर्मपुरा गौशाला में 212 एवं किशोरपुरा में 40 पशु, कुल 252 पशुओं की मृत्यु हुई है।

(3) यह सही है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा निगम कर्मचारियों

(श्री प्रताप सिंह सिंघवी)

के ड्यूटी पर होते हुये भी दिनांक 19.09.2006 को किशोरपुरा से 338 व गौशाला से 52 एवं दिनांक 06.12.2006 को किशोरपुरा गौशाला के पिछले गेट का ताला तोड़कर 35 जानवर बाहर निकाले गये थे। इस सम्बन्ध में प्रथम सूचना रिपोर्ट पुलिस थाना किशोरपुरा में क्रमशः 230, दिनांक 21.09.2006 व 267, दिनांक 09.12.2006 द्वारा दर्ज करवाई गई है। नगर निगम द्वारा उक्त घटनाओं के घटित होने के कारण 2-2 सुरक्षा गार्डों की ड्यूटी तीन पारियों में और लगाई जा कर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की गई है।

(4) नगर निगम कोटा द्वारा संचालित गौशालाओं पर वर्ष 2005-06 में 51.74 लाख रुपये व्यय किये गये हैं। चालू वर्ष 2006-07 में 28 फरवरी तक 31.34 लाख रुपये व्यय हुए हैं।

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): माननीय अध्यक्षजी, जो उत्तर प्रदान किया गया है, मैंने उनसे पूछा था कि इस वर्ष कितनी गायें कोटा की गौशालाओं में मरी हैं। वित्तीय वर्ष अभी चालू है, पूरे साल का मैंने इनसे फिगर मांगा था। इन्होंने 2007 का फिगर दिया है दो महीनों का और उसका आप औसत देखेंगे तो प्रतिदिन गौशाला में एक दिन में 4 गायें मर रही हैं। आज 13 तारीख है, आज के 13 दिन अगर और जोड़ लें तो 50 गायें और मर गयीं जब तक यह उत्तर आया उसके अन्दर। मैंने इस गम्भीर विषय पर सदन का ध्यान दिलाया है और मैं माननीय मंत्रीजी से पूछना चाहूंगा कि क्या यह सही है कि कोटा में गौशालाओं की बिगड़ी स्थिति के ऊपर 6 महीने पहले आपका ध्यान दिलाया गया था। कोटा की गौशालाओं में 2 गौशालाओं में जहां आप 50 लाख रुपये साल का खर्च कर रहे हैं, उस नगर निगम में जहां 30 करोड़ रुपये साल का खर्च हो रहा है व्यवस्था के ऊपर, उसमें एक हजार से अधिक गायें, एक साल के अन्दर मर चुकी हैं।

आपने जो खण्ड दो में उत्तर दिया है उसके बारे में भी मैं आपसे जानना चाहूंगा कि जिनको आप असामाजिक तत्वों का नाम देकर पुकार रहे हैं क्या ये असामाजिक तत्व, उस सम्बन्धित बंधा धर्मपुरा क्षेत्र की पंचायत समिति के सदस्य और सरपंच को तो नहीं संबोधित कर रहे हैं आप। क्योंकि यह पंचायत समिति सदस्य और वहां के सरपंच जो हमारे एक माननीय सदस्य के भाई हैं उन्होंने इस अव्यवस्था को लेकर गौशाला का ताला तोड़ा है, जिसका आप असामाजिक तत्व, आप यह बताइये कि आप कोटा सम्भाग होने

(श्री भरत सिंह)

के बावजूद, आपने इन गौशालाओं का अवलोकन किया? क्या आपने हालात को जाकर समझा और क्या उसके अन्दर स्थिति में सुधार के लिये आपने प्रयास किये। 6 महीने पहले आपको इस सम्बन्ध में सूचित किया गया था? और अगर सूचित किया गया था तो क्या कारण रहे कि उस टाइम 3 गायों का औसत था मरने का और अब 2 महीने के बाद 4 गायें एक महीने में मर रही हैं। क्या कारण है कि यह सरकार जो गौ-माता के संरक्षण का नाम ले रही है, अपनी गौशालाओं में ही गायों को बचाने में असमर्थ रही है। आप इसका जवाब दीजिये।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से माननीय सदस्य ने कहा कि किसी माननीय सदस्य के भाई हैं और वह पंचायत समिति के सदस्य हैं, यह तो मैं नहीं कह सकता हूं। पर जिस प्रकार से उनकी वहां गौशालाओं की चोरी हुई, हमने तुरन्त वहां पर एफ.आई.आर. दर्ज करा दी। अब कौन चोर था, कौन चोर नहीं है, इसका तो मैं खुलासा नहीं कर सकता हूं, न मैं बता सकता हूं। यह पुलिस का काम है। पुलिस ही इसकी इंक्वायरी कर रही है और पुलिस ने इंक्वायरी करने के बाद इसमें अदम-पता एफ.आर. लगा दी है जो कि न्यायालय से भी मंजूर हो चुकी है।

दूसरा, आपने जिस प्रकार का निवेदन किया कि यह इतने पशुओं के मरने का क्या कारण रहा, इसमें अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि पशुओं के मरने का कारण विशेषकर पोलीथिन की थैलियां रहीं और वृद्ध पशु, जो बीमार और आवारा पशु जो सड़कों पर मरते हैं उनको हम देखरेख के लिये गौशालाओं में ले जाते हैं। वह पशु जो बीमार हैं और वृद्ध अवस्था के पशु थे, वह मरे हैं। इस प्रकार की हमने व्यवस्था की है, वहां पर ग्रीन फोडर की भी व्यवस्था की है। उनको बांटें की भी व्यवस्था करते हैं, चारे-पानी की भी व्यवस्था करते हैं। सरकार की तरफ से गौशालाओं को संरक्षण देने में किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जा रही है। कोटा नगर-निगम द्वारा भी गौशालाएं ढंग से संचालित की जा रही हैं। परन्तु जो वृद्ध पशु हैं, हर आदमी की एक उम्र होती है, वैसे ही जानवर की उम्र होती है। उम्र आने पर सब समाप्त होते ही हैं। विशेषकर पोलीथिन एक कारण रहा है, माननीय अध्यक्ष महोदय।

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): माननीय अध्यक्षजी, मैं माननीय मंत्रीजी से यह जानना चाहूंगा कि एक हजार गायें मरी हैं, क्या गायों का पोस्टमार्टम करवाया है। और कराया है तो कितनी गायें पोलीथिन से मरी हैं और अगर पोलीथिन से मरी हैं तो पोलीथिन के संबंध में जो आपने कानून बनाये, कितने लोगों के खिलाफ कार्यवाही करी आपने कोटा में, आप यह बताइये। (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): हां, बताता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, कोटा में जो गायों का, जिस प्रकार से कोटा का जिक्र किया है और भी हमारी नगरपालिकाओं द्वारा या नगर निगमों द्वारा संचालित गोशालाएं हैं इनका टाइम-टाइम पर इस प्रकार की जब गायों की मौतें होती हैं तो उनका पोस्टमार्टम कराया गया है।

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): एक हजार में से कितनी मरीं? पोस्टमार्टम में क्या रिपोर्ट आयी है? कितनी थैलियों से मरी हैं, यह बताइये, मंत्रीजी। गोलमाल जवाब नहीं। कितनी गायें मरी हैं? आपने कैसे कह दिया है कि जो मरी हैं उनका पोस्टमार्टम करवाया है? क्या आपने करवाया है तो रिपोर्ट दीजिए कि एक हजार में से इतनी ? (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): अब मैंने कारण बता दिया कि पोस्टमार्टम ? (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इसलिए कह रहा हूं कि वहां पर हमने चिकित्सा की व्यवस्था करवायी हुई है। वहां पर डाक्टर लगाये हुए हैं। समय-समय पर जो गायें मरती हैं उनका पोस्टमार्टम भी करवाया जाता है। माननीय अध्यक्ष महोदय? (व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): मंत्रीजी, यह बताइये कि एक हजार में से... (व्यवधान)

**श्री बृजकिशोर शर्मा** (जयपुर ग्रामीण): डाक्टर लगाने के बाद भी एक हजार गायें मर गयीं। डाक्टर लगाने के बाद भी एक हजार गायें मर गयीं तो ऐसे डाक्टरों के खिलाफ आपने क्या कार्यवाही की? क्यों नहीं उन डाक्टरों ने उनको ठीक प्रकार से ट्रीट किया? ...(व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): जो पोलीथिन खाने से मरी हैं उनको किसी प्रकार से...(व्यवधान)

**श्री बृजकिशोर शर्मा** (जयपुर ग्रामीण): पोलीथिन खाने से है तो वह रिपोर्ट दीजिए। रिपोर्ट दीजिए पोस्टमार्टम की। रिपोर्ट दीजिए और आपन? (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): किसी को नहीं छिपाया है। (व्यवधान)

**श्री बृजकिशोर शर्मा** (जयपुर ग्रामीण): आपके अगर कोटा में पोलीथिन खाने से मरीं तो और जगह आपने क्या व्यवस्था की, यह बताइये। ... (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** अब आप बैठिये तो वह जवाब दे रहे हैं।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि पशु चिकित्सा हेतु एक डाक्टर, डाक्टर सत्येन्द्र कुमार राजोरिया, सेवानिवृत्त पशु चिकित्सक व एक कम्पाउंडर श्री मोहनलाल गौतम को नगर निगम, कोटा द्वारा गोशालाओं हेतु लगाया हुआ है जो सप्ताह में दो बार विजीट करके पशुओं की चिकित्सा की व्यवस्था करता है और आवश्यकता पड़ने पर... (व्यवधान)

**श्री बृजकिशोर शर्मा** (जयपुर ग्रामीण): इसके बावजूद भी गायें मर रही हैं। (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): और आवश्यकता पड़ने पर दो विजीट अतिरिक्त कराये जाते हैं। उनके द्वारा प्रायोजित औषधियां यथा-समय पर्याप्त मात्रा में पशुओं को दी जाने की पूर्ण व्यवस्था की हुई है। (व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट... (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे मंत्रीजी से यह अनुरोध कर रहा हूं कि सिर्फ मुझे मेरे प्रश्न का उत्तर दे दीजिए कि एक हजार गायों का पोस्टमार्टम करवाया क्या? और कितनी गायें पोलीथिन थैली खाने से मरी हैं। क्या रिपोर्ट है? कितनी गायें मरी हैं और यह एक बहुत गम्भीर शहरों की समस्या है कि अगर पोलीथिन से गायें इतनी संख्या में मर रही हैं तो उसके संबंध में क्या कार्यवाही करी है इन्होंने? पोलीथिन से कितनी मरी हैं? यह बता रहे हैं कि पोलीथिन खाने से मर रही हैं, हम भी यह स्वीकार करते हैं कि मरी होगी। कितनी गायें मरी हैं इसमें, यह उसका उत्तर बतायें और...(व्यवधान) कराते नहीं तो यह...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** नहीं, आपने यह जो 300 बताया है यह ? (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, जो गायें पकड़ी जाती हैं, अवारा, ज्यादातर अवारा गायें पकड़ी जाती हैं।

**श्री अध्यक्ष :** 338 निकाल दी, यह उत्तर में है इनका। (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): इनका सेम्पल पोस्टमार्टम करवाते हैं, उनमें ज्यादातर यह रिपोर्ट आयी है कि पोलीथिन की थैलियां खाने से मरी हैं।

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): आपने कितने सेम्पल पोस्टमार्टम करवाये हैं?

**श्री सुरेश मीणा** (करौली): उनके खाने की व्यवस्था करो। भूख से मरती हैं। गायें भूख से मर रही हैं। चारे की व्यवस्था करें वे भूख से मर रही हैं। (व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): कितनी भूख से मरी हैं?

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): माननीय अध्यक्ष महोदय, गाय से जुड़ा हुआ मुद्दा है। सम्माननीय अध्यक्ष महोदय, एक सवाल मैं पूछना चाहता हूं कि गाय किस कारण से मरी? आज से तीन साल पहले पूर्व सरकार ने गायों की कोई व्यवस्था नहीं की। गली-गली में गायें घूमती रहीं, इस कारण से गायों ने पोलीथिन खायी। भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद गायों को एक जगह इकट्ठी की, गायों की सेवा की, मेन कारण है कि आपके कार्यकाल में गायें घूमती रहीं, इस कारण से मरी हैं यह गायें। (व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): तीन साल तक गायें तो गोशालाओं में रही हैं। यह कार्यवाही आपने की है। यह क्या है? कोटा के माननीय दिलावर साहब को इनकी पूरी नालेज है कि इन्होंने क्वेश्चन लगाया था, वह बतायें कि क्या हुआ? बताइये आप। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** माननीय सदस्य, इन्होंने मान लिया कि पिछली जो गायें मरी हैं उनका पोस्टमार्टम नहीं करवाया।

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): माननीय अध्यक्ष महोदय, क्यों नहीं करवाया?

**श्री अध्यक्ष :** लेकिन फ्यूचर के अन्दर वे कह रहे हैं कि आइन्दा यदि कोई गाय मरेगी तो उसका पोस्टमार्टम करवाएंगे लेकिन यह सही बात है कि लोग-बाग जैसे पालक के पत्ते कर लिये और उसके पीछे जो डंठल छोड़ करके प्लास्टिक की थैली में डालकर बाहर डाल दिये और प्लास्टिक की थैली समेत

(श्री अध्यक्ष)

उसे वह खा जाती है क्योंकि वह निगल तो पाती नहीं है और उसको ही चबा लेती है तो वह प्लास्टिक की थैलियां खाने से य? (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): वह गायें तो गोशाला में बंद थीं । गोशालाएं इन्तजाम करती थी। गोशाला के अन्दर थी। गोशाला के अन्दर पोलीथिन की थैलियां कहां से चली गयीं। कौन लाया गोशाला में पोलीथिन की थैलियां? पोलीथिन की थैलियां गोशाला में कौन लेकर आया है? वह तो गोशाला के अन्दर थी? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): गोशाला के अन्दर प्लास्टिक की थैली लेकर कौन आया है?

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): यह पोलीथिन की थैलियां कहां से आयी वहां प? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** स्थान ग्रहण करें। (व्यवधान)

**श्री मदन दिलावर** (समाज कल्याण मंत्री) : अवारा गायों को उठाकर, सम्भालकर सरकार वहां पर लायी थी गोशाला में। यह तो आपके कारनामे ? (व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): इन्होंने डाली है ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** गोशाला में जाने से पहले भी प्लास्टिक खा सकती है और प्लास्टिक की कोई एक थैली खाने से नहीं मरती है। जब थैलियां काफी हो जाती है जब जाकर गाय मरती है। (व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य :** क्या यह सही है कि अनेक गायें गुड़ खाने से भी मरी हैं? गुड़ की अधिकता से मरी हैं। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** मैं कोई जस्टिफिकेशन नहीं दे रही हूं। हां, यह जस्टिफिकेशन नहीं दे रही हूं कि एक हजार गायें मर गयीं थैली खाने से लेकिन थैली, एक थैली खाने से नहीं मरती है। कई थैलियां खाएगी जब जाकर मरेगी। (व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक प्रश्न करना चाहता हू? (व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): चारे की व्यवस्था करनी चाहिए। भूख से मर रही हैं। (व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): भूख से भी मरी हैं। (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): यह गाय के नाम पर वोट मांगने वाले महानुभावों, आप लोगों को कुछ तो रहम आनी चाहिए। आपकी सरकार है। सरकार ने गायों को बांधकर वहां भूखा मार दिया। सरकार से अनुदान लेते हो और वहां व्यापारियों से भी आप सब सहायता लेते हो और गायों को इस तरह से भूखा मारते ? (व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): चारा चर गये। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): करेक्ट।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आप माफी मांगिये इस सदन से। ...(व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह माननीय प्रतिपक्ष के नेता को मैं निवेदन करना चाहूंगा कि आपके समय जब सरकार थी त? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आप छोड़िये न बात। आप अपनी बात करिये न। (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): जानवरों के लिए पूरा अनुदान तक नहीं दिया गया और लोगों न? (व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): कितनी मरी हैं? ...(व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप तो रिकार्ड कायम करो भ्रष्टाचार में ? (व्यवधान)

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): गायें तीन-तीन साल से गोशाला में हैं व? (व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): अब तो सरकार आपकी है। ...(व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): हमको जो इन्तजाम करना पड़ रहा है वह करेंगे। (व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): अब तो आपकी सरकार में मर रही हैं। यह सपना मत लेओ। उनकी नहीं, आपकी सरकार है और तीन साल से आप हो। ...(व्यवधान)

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): तीन-तीन साल से गोशालाओं में है। माननीय अध्यक्ष महोदय, और ऐसी-ऐसी गायें मरी हैं। भूख की वजह से मरी हैं। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** दूदू से आने वाले माननीय सदस्य। अब आप जब चाहे खड़े हो जाते हैं। आप सब लोग खड़े हो जाते हैं। दूदू से आने वाले माननीय सदस्य।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): गायों के संरक्षण के लिए यह सरकार प्रतिबद्ध है और सारी व्यवस्था हम कर रहे हैं।

**श्री अध्यक्ष :** दूदू से आने वाले माननीय सदस्य।

**श्री खुशवीर सिंह जोजावर** (खारची): मंत्रीजी, आप तो यह बताइये कि भूख से कितनी मरीं और पोलीथिन से कितनी मरीं?

**श्री अध्यक्ष :** मूल प्रश्नकर्ता। मूल प्रश्नकर्ता।

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस तथ्य को हमने मान लिया कि पोलीथिन से मरी हैं। मैं मंत्रीजी से एक प्रश्न कर रहा हूं कि जहां 30 करोड़ रुपया हम सफाई की व्यवस्था पर खर्च कर रहे हैं इन्होंने पोलीथिन की एक जो निर्धारित आपकी थिकनैस है, उससे कम की जो पोलीथिन की थैलियां हैं, उसमें कितने लोगों के खिलाफ कार्यवाही की इस बेकग्राउंड में कि इससे गायें मर रही हैं? इन्होंने एक आदमी के खिलाफ कार्यवाही नहीं की और पोलीथिन की बात कर रहे हैं जब नियम बनाया है इन्होंने पोलीथिन का इसमें बिल पास किया है कि इस थिकनैस से कम साइल की उसकी पोलीथिन यूज करेंगे तो, एक हजार गायें मरने के बाद भी, यह मंत्रीजी, जो सेंसेटिव नहीं है इस इश्यू के प्रति कि हम उन लोगों के खिलाफ चालान करें जो थैलियां फेंक रहे हैं और जिससे गायें मर रही हैं, यह एक प्रश्न है मेरा और इसका जवाब दें, मंत्रीजी। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** हां, यह एक हजार आपने किस आधार पर कहा? आप यह बताइये पहले। (व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): यह विधान सभा के उत्तर में, यह छह महीने पहले इन्होंने उत्तर दिया था उसमें 700 मर चुकी हैं। 250 यह है। 13 दिन और निकल गये, चार का औसत जोड़ लें आप। एक हजार से अधिक हो गया।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): पूरा हिसाब है।

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): पूरा हिसाब है।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): आप पूरा राजस्थान का बता दें। गोशालाओं में गायें मर रही हैं। एक ही इस गोशाला का नहीं है, यह जोधपुर का पूछ लीजिए, यह सांगसिंहजी बैठे हैं। पोकरण का पूछ लीजिए। इनको पूरे का बताइये। ...(व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह पहला प्रश्न है। छह महीने पहले भी...(व्यवधान) मर चुकी थीं। 250 अब मर गयीं। 50 और मर गयीं। यह एक हजार से ऊपर हो गयीं। चार के हिसाब से औसत लगा लीजिए आप। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** विराजिये।

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): गो-हत्या का पाप लग रहा है।

**श्री अध्यक्ष :** नेता प्रतिपक्ष।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आप भी मान चुकी हैं कि इतनी गायें पोलीथिन खाने से लगातार, एक हजार नहीं मरती हैं। आप भी गो-पालक हो। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आपने कह दिया है न कि माफी मांगो सदन से। आपने सुझाव दे दिया न इनको कि माफी मांगो सदन से। (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, आप भी गो-पालक हो। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप भी गो-पालक हैं। आपके भी गायें हैं। ...(व्यवधान) आपने व्यवस्था दे दी कि इतनी एक साथ नहीं मर सकती। ....(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** इसीलिए मैं जानती हूं गाय के बारे में। ....(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): उसके बाद भी मंत्री महोदय कोई उत्तर नहीं दे रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): आप चाहे तो मैं इसक? (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): मैं उत्तर बराबर दे रहा हूं। उत्तर में कहीं कोई कमी नहीं है। माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार अभी मूल प्रश्नकर्ता ने पूछा कि आपने पोलीथिन की थैलियों का कचरा व्यवस्था हटाने के लिए क्या कार्यवाही अब

(श्री प्रताप सिंह सिंघवी)

तक नगर निगम ने की है तो मैं माननीय सदस्य को निवेदन करना चाहूंगा कि कोटा नगर निगम क्षेत्र में पोलीथिन और सफाई के बारे में निर्देश का उल्लंघन करने वाले 101 मामलों को हमने दर्ज करवाया है। ...(व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): चालान कितने पेश करे?

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): करेंगे पेश। दर्ज करवाये हैं तो पेश भी करेंगे। ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): पुन: आप इसकी जांच करवाइये कि एक हजार गायें कैसे मरीं? गोशाला में एक हजार गायें, गोशाला में कैसे मरीं इसका क्या कारण रहा, इसकी जांच करवाइये। ...(व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): मैंने आपको निवेदन किया है कि मरने का कारण एक तो पोलीथिन की थैलियां खाना और एक वृद्धावस्था होना और बीमार होना है। हम उन गायों को पकड़ते हैं जो अवारा पशु होते हैं, जो सड़कों पर घूमते हैं उन जानवरों को पकड़ कर हम गोशालाओं में ? (व्यवधान) में डालते हैं।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आप अनुमान से बता रहे हैं। (व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य :** तीन साल तक इलाज हमने करवाया लेकिन सरकार बचा नहीं पायी। ...(व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): माननीय अध्यक्ष महोदय, वे भूख से मरी हैं। उनके लिए चारे की व्यवस्था करवाओ।

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): उस टाइम इतनी ज्या? (व्यवधान)

**श्री बंशीलाल खटीक** (राजसमन्द): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय, क्या वे गायें मरी हैं उनका मेडिकल करवाया है आपने? ...(व्यवधान)

**श्री भरत सिंह** (दीगोद): माननीय मंत्रीजी, आप गायों के बारे में कहते हो...(व्यवधान)

**श्री अमराराम** (धोद): गाय का चारा तो...(व्यवधान) गायें भूख से मर गयीं। ...(व्यवधान)

**श्री बंशीलाल खटीक** (राजसमन्द): मेडिकल करवाया आपने कि वह गायें कैसे मरीं? वह बीमार होकर मरीं या वृद्धावस्था से मरीं, आपने यह करवाया क्या? ...(व्यवधान) यह प्रमाण दें आप। ...(व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): सैम्पल पोस्टमार्टम करवाया है। पोलीथिन का खाना पाया गया है।

**श्री खुशवीर सिंह जोजावर** (खारची): माननीय मंत्री महोदय, जयपुर में ही नगर निगम की गोशाला में चालीस गायें परसों मर गयीं, उसकी आपने कोई, कोई रिपोर्ट है आपके पास में? ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आप जांच करवाइये। माननीय अध्यक्ष महोदय, कोटा गोशाला की जांच होनी चाहिए। लगातार एक हजार गायें मरने का क्या कारण रहा है? होम मिनिस्टर साहब, आप गौ-भक्त हो । गऊ के नाम पर आप लोगों ने वोट मांगे हैं। आपका कर्म और धर्म दोनों बनता है कि आप इसकी जांच कराइये।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि हमारा कर्म और धर्म दोनों बनता है कि गायों की रक्षा की जाये और सरकार गायों की रक्षा में कभी पीछे नहीं हटेगी, धन्यवाद।

**श्री खुशवीर सिंह जोजावर** (खारची): अध्यक्ष महोदय, भूख से कितनी मरी हैं, यह बताइये। ...(व्यवधान) पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भूख से कितनी गायें मरीं ?

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): चारे का भुगतान हुआ, नगर निगम में कितने चारे का भुगतान हुआ ? यह गायों का चारा कौन खा गया, यह तो बता दें आप। भूख से कितनी मरीं, पालिथिन से कितनी मरीं? यह बता दें आप और बीमारी से कितनी मरीं ?

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): किशनगंज से आने वाले माननीय सदस्य ने कहा कि यह चारा घोटाला हो रहा है और चारा कौन खा गया ? अगर आपके पास स्पेसिफिक जानकारी हो तो आप बता दें। आप स्वयं इसकी जांच कर लेना और कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कार्यवाही करूंगा।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): नहीं-नहीं, यह कहना गलत है कि चारा खा गये। यह सरकार चारा नहीं खाती, यह 90 'बी' में खाती है। ...(व्यवधान)

**डा. ओ. पी. महेन्द्रा** (सरकारी उप मुख्य सचेतक): माननीय अध्यक्ष महोदय, रिप्लाई तो आ गयी है। ...(व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, इस

(डा. ओ. पी. महेन्द्रा)

प्रश्न की रिप्लाई आ गयी है, अगला प्रश्न आप पुकारें। ...(व्यवधान) रिप्लाई आ गयी है, नैक्स्ट पुकारें। ...(व्यवधान)

**श्री वीरेन्द्र बेनीवाल** (लूणकरणसर): मंत्री महोदय, आप यह बताने का कष्ट करें कि क्या पालिथिन खाने के अलावा किन्हीं और कारणों से भी गौशालाओं में गायों की मृत्यु पिछले समय में हुई है। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** पोस्टमार्टम ही नहीं कराया तो क्या बतायेंगे ।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): बताया है न। मैंने बताया है और भी कारण रहे हैं पालिथिन के अलावा बीमारी भी कारण रहा है, उनकी उम्र भी कारण रही है। ...(व्यवधान)

**श्री वीरेन्द्र बेनीवाल** (लूणकरणसर): क्या यह सही है कि जिला बीकानेर में गुड़ अधिक मात्रा में खिलाये जाने से गायों की मौत हुई है?

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह मूल प्रश्न से अलग प्रश्न है। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, बात कोटा की चल रही है, बीकानेर की नहीं चल रही है। ...(व्यवधान)

**श्री वीरेन्द्र बेनीवाल** (लूणकरणसर): बताइये, बताइये मंत्री महोदय, कारण बताइये। कमजोरी है या गुड़ खाने से मरी हैं। ...(व्यवधान)

## प्रश्न संख्या-116

**श्री अध्यक्ष :** श्री अर्जुन लालजीनगर। (अनुपस्थित)

**(अनुपस्थित : कृपया आगे देखें)**

नैक्स्ट क्वेश्चन । श्री संयम लोढ़ा ।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): गायें मर रही हैं और गौ ...(व्यवधान) जांच का आश्वासन तो कम से कम दें, इतनी गायें मर रही हैं।

**श्री अध्यक्ष :** श्री संयम लोढ़ा ।

## जैसलमेर तहसील में भू-आबंटन प्रकरण

**117. श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) तहसील जैसलमेर में वर्ष 2006 में सरकार द्वारा कितनी भूमि का

(श्री संयम लोढ़ा)

आबंटन किस-किस के नाम किया गया एवं इसके लिये क्या प्रक्रिया अपनाई गई? प्रत्येक आबंटित भूमि के लिये किस-किस के कितने आवेदन थे ? प्रत्येक आबंटन की आवेदकों की सूची सहित एवं आबंटन आदेशों की प्रति सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) किस-किस आबंटन को लेकर सरकार को शिकायतें प्राप्त हुईं एवं उनकी किनके द्वारा जाचं करवाई गई ?

**राजस्व मंत्री** (श्री रामनारायण डूडी) : (1) तहसील जैसलमेर में वर्ष 2006 में 6391.08 बीघा भूमि का आबंटन तत्समय प्रचलित नियमों के अन्तर्गत किया गया है। प्रत्येक आबंटन के लिये प्राप्त आवेदनों की नामवार सूची परिशिष्ट 'क' एवं आबंटन आदेशों की प्रतियां परिशिष्ट 'ख' संलग्न है।

(2) राज्य सरकार के स्तर पर कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। जिला कलक्टर जैसलमेर को श्रीमती ऋतु राठी, प्रो. गोल्डन ड्यून्स कैम्प रिसोर्ट द्वारा उनका आबंटन हेतु आवेदन राज्य सरकार को न भेजे जाने का एक शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसकी जांच जिला कलक्टर जैसलमेर के स्तर से अतिरिक्त जिला कलक्टर, जैसलमेर द्वारा करवाई जा रही है।

**(विवरण विस्तृत होने के कारण पुस्तकालय में रखा गया)**

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्रीजी से निवेदन करना चाहता हूं कि जैसलमेर के सम क्षेत्र में अस्थाई टैण्ट लगाकर पर्यटन का कारोबार चलता है। मैं सिर्फ, आपने जो उत्तर दिया है, उसमें तीन इकाइयों का जो लैण्ड अलाटमैंट आपने किया है 22, 23 और 24- अभिषेक रिसोर्ट, भादरिया रिसोर्ट एवं मनोहर रिसोर्ट, मैं आपके माध्यम से सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि जिला कलक्टर, जैसलमेर ने इन तीनों रिसोर्टों को अस्थाई आबंटन के लिये राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा था, फिर वह कौनसे कारण हैं कि अस्थाई आबंटन के प्रस्ताव भेजे जाने के बाद भी राज्य सरकार ने इन तीनों रिसोर्टों को स्थाई आबंटन कर दिया। दूसरा, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि क्या जिला कलक्टर, जैसलमेर ने राज्य सरकार को यह भी लिखा है कि इस क्षेत्र में स्थाई आबंटन करने के लिये कोई स्पष्ट नीति बनाये जाने की आवश्यकता है और माननीय अध्यक्ष महोदय, किसी तरह की स्पष्ट नीति बनाये जाने के

(श्री संयम लोढ़ा)

बिना कौनसे कारण हैं जिससे सरकार ने स्थाई आबंटन करने का फैसला किया और दूसरा प्रश्न के क्रम- दो में जो आपने जवाब दिया है जिसमें आपने गोल्डन ड्यून्स कैम्प रिसोर्ट की कम्प्लेंट का जिक्र किया है, क्या यह सही है कि गोल्डन ड्यून्स कैम्प रिसोर्ट द्वारा जो एप्लीकेशन लगायी गयी थी, उसको नहीं भेजकर इसके स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक के बेटे के प्रस्ताव भेजकर, जो कि अस्थाई भेजा गया था और लैण्ड अलाट कर दिया गया।

**श्री अध्यक्ष:** आप प्रश्न पूछिये।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): प्रश्न है। प्रश्न ही है यह। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** प्रश्न नहीं है, भाषण है। ...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): भाषण कैसे है? तीनों स्पेसिफिक क्वेश्चंस पूछे हैं। क्या यह सही है कि अस्थाई आबंटन के प्रस्ताव भेजे गये थे उसके बाद स्थाई अलाटमैंट कर दिया। क्या इस संबंध में जिला कलक्टर, जैसलमेर ने स्पष्ट नीति के लिये राज्य सरकार को लिखा था । कौन से कारण हैं कि बिना नीति बनाये आपने आबंटन कर दिया और क्या यह सही है कि इन तीनों आवंटन में एक आबंटन भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक के बेटे को किया गया था नियमों के विपरीत?

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने जो माननीय सदस्य को प्रत्युत्तर दिया था और जिन तीन महानुभावों को हमने अलाटमैंट किया है, वह नियम 1959 के आधार पर किया है और अध्यक्ष महोदय, नियम 1959 यह कहता है, कलक्टर के पास अस्थाई तौर पर कैम्प के लिये उन्होंने प्रस्ताव भेजे थे मगर अस्थाई आबंटन के कोई रूल्स नहीं बने थे और मैं यह निवेदन करना चाहूंगा जो कलक्टर ने हमारे पास 13 आवेदन भेजे थे और उनमें तीन व्यक्तियों ने, जो आवेदक थे और जब नियमों में अस्थाई का प्रावधान नहीं था तो उन्होंने यह कहा, हमने तो स्थाई तौर पर एप्लीकेशन दी और अध्यक्ष महोदय, उन्होंने अपना प्रोजेक्ट चेंज करवाया और चेंज करवाने पर कि स्थाई भू-आबंटन किया जाये हमें और नियमों में स्पष्ट प्रावधान है कि इनको हमने स्थाई किया है, जो भी फोरमैलिटी वगैरह कम्प्लीट की थी। जहां तक माननीय सदस्य ने जो अभी कहा है कि माननीय विधायकजी के लड़के को कर दी होगी। अब विधायकजी के लड़के को की है या हमारे सामने जो पत्रावली आई है और जो तीन पत्रावलियां थीं, उसमें कौन विधायक का बेटा है और कौन विधायक का जंवाई है और कौन मंत्रीजी का

(श्री रामनारायण डूडी)

बेटा है, यह तो मैंने देखा नहीं है और मैंने केवल नियमों के अन्तर्गत जो भी आ रहा था, उससे एक इंच भी इधर-उधर न होते हुए हमने इनको आबंटन किया है और इनकी शंका जो है अध्यक्ष महोदय, यह जिस व्यक्ति के लिये, आवेदक के लिये बता रहे हैं श्रीमती रीतु के लिये, उनका राज्य स्तर पर आवेदन आया ही नहीं तो उन पर विचार करने का सवाल ही पैदा नहीं होता और वह भी उन नियमों में आतीं कि हमें परमानेंट चाहिये, टैम्परेरी नहीं चाहिये तो आप हमें यह बता देते तो हम उनका भी कर देते और हमारे पास उनका भी आवेदन पत्र होता, मगर यह आया नहीं और मैं यह निवेदन करना चाहता हूं...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** आपने बाकी जो किये हैं वह सारे किये हैं सीमा चौकियों को, विंड फार्म के लिये तो आप प्राइवेट को क्यों करते? आपको करना ही नहीं चाहिये था। आता तो भी नहीं करना चाहिये था। ...(व्यवधान) यह क्या बात हुई, क्यों करते आप?

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): उसमें अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं न तो हमारे दाल में काला है और न दाल काली है।...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): दाल में काला नहीं, आपके पूरी दाल ही काली है। पूरी दाल काली है। राजस्थान में तहसीलदारों के तबादलों में आपने जो किया है, पूरा राजस्थान जानता है आपको मंत्रीजी। ...(व्यवधान) आप क्या काली दाल की बात कर रहे हो, पूरा राजस्थान जानता है । ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): मुझे तो पूरा राजस्थान जानता है अध्यक्ष महोदय, मगर आपको भी सब जानते हैं। ...(व्यवधान) यहां हल्ला करने से कुछ भी बात नहीं है । ...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): आप से तो पटवारी सीधे काम करवा कर ले जाते हैं। ...(व्यवधान)

**डा. भंवर लाल राजपुरोहित** : अध्यक्ष महोदय, विधायक के लड़के की एक अलग इकाई है। उसको लैण्ड अलाट होना कोई प्राब्लम है क्या? ...(व्यवधान)

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): माननीय अध्यक्ष महोदय, आरोप लगाया गया है बिना नोटिस दिये। ...(व्यवधान) यह हटाया जाये । या नोटिस देकर आरोप लगाया जाये। ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): आवेदक ने स्थाई के लिये एप्लीकेशन पेश की और नियमों के अंदर दिया है। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्षः** आप बोलने दीजिये न मंत्रीजी को। ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): रूपान्तरण के अदंर दिया है। एक भी गलत नहीं किया । ...(व्यवधान) और हमने दिया है विंड फार्म को दिया है। (व्यवधान) टेलीफोन एक्सचेंज को दिया है। स्कूल को दिया है, कालेजों को दिया है, जो भी किसने मांगा है उनको हमने इसमें नियमों के आधार प? (व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह कोई पहली दफा थोड़ी हो रहा है। ...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन ? (व्यवधान) यह कोई साधारण आबंटन नहीं है, अन्तरराष्ट्रीय स्तर प? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): इनके राज ? (व्यवधान) इन्होंने जो दी जमीन, उनको पढ़ कर सुनाओ न। ...(व्यवधान) 1959 के रूल का फायदा जितना कांग्रेस के राज में आप लोगों ने किया उतना किसी ने नहीं किया। दुरुपयोग कि? (व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): कांग्रेस राज में हुआ आज तक किसी ने नहीं कि? (व्यवधान) इसका दुरुपयोग किया है आप लोगों ने? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न काल समाप्त हुआ। ...(व्यवधान) प्रश्न काल समाप्त हुआ। प्लीज सिट डाउन। प्लीज सिट डाउन। ...(व्यवधान) प्रश्न काल समाप्त हुआ। ...(व्यवधान)

**(शेष तारांकित प्रश्नोत्तर तथा अतारांकित प्रश्नोत्तर के लिए कृपया आगे देखें)**

स्थान ग्रहण करें। स्थान ग्रहण करें प्लीज Please resume your seats. स्थान ग्रहण करें। प्लीज, आप स्थान ग्रहण कर लें। स्थान ग्रहण करें, माननीय सदस्य। ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे पर आरोप लगाया गया है, मैं दो सवाल पूछना चाहता हूं, सिर्फ दो सवाल।

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, आसन पांवों पर।

(श्री अध्यक्ष)

# सूचना

## तमिलनाडुं विधान सभा की पुस्तकालय समिति का सदन में स्वागत

माननीय सदस्य, On behalf of the house I welcome the Library Committee of Tamil Nadu head by Mr. EAP Shivaji. मैं आप सब लोगों की ओर से तमिलनाडु की जो लाइब्रेरी कमेटी आयी है, पूरे सदन की ओर से उनका स्वागत करती हूं। ...(व्यवधान)

# स्थगन प्रस्तावों पर अध्यक्षीय व्यवस्था

मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है :-

(1) श्री जुबेर खान, सदस्य की ओर से नगरीय पेराफेरी में आने वाले ग्रामों की सरकारी भूमि को स्थानीय नगर विकास न्यासों के नाम रिकार्ड में दर्ज करने से जनता में व्याप्त रोष के सम्बन्ध में।

(2) श्री रामनारायण मीणा एवं दो अन्य सदस्यों की ओर से तहसील नोहर के ग्राम बोगियों की ढाणी में दिनांक 05.03.2007 को हुई बस दुर्घटना में सात बच्चों की मृत्यु एवं 27 व्यक्तियों के घायल होने के सम्बन्ध में।

(3) श्री हेमाराम चौधरी, सदस्य की ओर से नगरपालिका, बाड़मेर की कच्ची बस्ती को बेदखल किये जाने की कार्यवाही से कई वर्षों से आबाद परिवारों के बेदखल होने के सम्बन्ध में।

(4) श्री बाबूलाल नागर, सदस्य की ओर से तहसील मोजमाबाद, फुलेरा, फागी, बस्सी व जमवारामगढ़ में अकाल राहत कार्य खोलने व पीने के पानी की व्यवस्था के सम्बन्ध में।

उपरोक्त प्रस्ताव ऐसे नहीं हैं कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोक कर इन पर विचार किया जाए। सदन में बजट पर आम चर्चा हो रही है, अनुदान की मांगों पर भी चर्चा का अवसर मिलेगा। माननीय सदस्यों को अपने विचार रखने का पूरा अवसर उपलब्ध है। अत: मैं अनुमति देने में असमर्थ हूं।

(5) श्री हरिमोहन शर्मा एवं 11 अन्य सदस्यों की ओर से विधान सभा क्षेत्र छबड़ा के ग्राम लक्ष्मीपुरा में दिनांक 04.03.2007 को शराब ठेकेदार के व्यक्तियों द्वारा सरेआम गोलियां चलाने के सम्बन्ध में।

(6) श्री संयम लोढ़ा, सदस्य की ओर से पीपाड़ शहर (जोधपुर) में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित कार्यालय सहायक को आत्महत्या करने पर विवश करने के सम्बन्ध में।

(श्री अध्यक्ष)

उपरोक्त प्रस्ताव भी ऐसे नहीं हैं कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोक कर इन पर विचार किया जाए अत: इन पर अनुमति देने में तो असमर्थ हूं। फिर भी माननीय सदस्य श्री हरिमोहन शर्मा और श्री संयम लोढ़ा, संयम लोढ़ा का तो यदि वो बोलेंगे तो आगे की जो इन्वेस्टीगेशन है वो भी प्रभावित होगी फिर भी चूंकि आपने इस तरह से लिखा है कि वो आत्महत्या करने को विवश, तो मैं आपको दो मिनट का समय अपनी बात को कहने के लिए दूंगी।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): दो मिनट का मतलब दो ही मिनट। प्रक्रिया

**श्री अध्यक्ष:** दो ही मिनट। दो मिनट का मतलब दो ही मिनट।

## प्रक्रिया नियम 295 के अन्तर्गत प्राप्त विशेष उल्लेख की सूचनाएं

(1) श्री प्रभुलाल वर्मा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र पीपल्दा के कस्बा खातोली में नायब तहसील कार्यालय खोलने के सम्बन्ध में।

(2) श्री जोगाराम पटेल, सदस्य की ओर से माननीय उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ का नवीन भवन बनाने के सम्बन्ध में।

(3) श्री भंवरलाल राजपुरोहित, सदस्य की ओर से मकराना परबतसर उपखण्ड क्षेत्र में महाविद्यालय खोलने के सम्बन्ध में।

(4) श्री बीरूसिंह राठौड़, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र बनीपार्क की चार आवासीय कालोनी में जन-सहभागिता योजना में पाइप लाइन का कार्य प्रारम्भ करने के सम्बन्ध में।

(5) श्री रामलाल शर्मा, सदस्य की ओर से कालाडेरा स्थित कोका कोला प्लांट द्वारा अत्यधिक जल दोहन करने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

(6) श्रीजीवाराम चौधरी, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र सांचोर की बाढ़ एवं अतिवृष्टि से टूटी सड़कों की मरम्मत करवाने के सम्बन्ध में।

(7) श्री राकेश मेघवाल, सदस्य की ओर से राज्य के आयुर्वेद विभाग के साथ किये जा रहे सौतेले व्यवहार के सम्बन्ध में।

(8) श्रीमती लक्ष्मी बारूपाल, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र

देसूरी में नहरों की मरम्मत एवं वितरिकाओं का पक्का निर्माण करने के सम्बन्ध में।

(9) श्री मुरारीलाल मीणा, सदस्य की ओर से राजमार्ग संख्या 11 में बालाहेड़ा से बालाहेड़ी सड़क पर पड़ने वाली बाणगंगा नदी पर सब-मर्सिबल ब्रिज या वेन्टेड काजवे बनाने के सम्बन्ध में।

(10) श्री सुभाष चन्द शर्मा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र कोटपूतली के 1000 से अधिक आबादी वाले गांवों को पेयजल योजना से जोड़ने के सम्बन्ध में।

(11) श्री मांगीलाल गरासिया, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र गोगुन्दा की कतिपय महत्वपूर्ण सड़कों को पक्का करने के सम्बन्ध में।

(12) श्री हरिसिंह रावत, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र भीम की ग्राम पंचायत जैतगढ़, दुदालिया, दातड़ा व कतिपय अन्य को आसीन्द पंचायत समिति में शामिल करने के सम्बन्ध में।

माननीय सदस्यों को उनके द्वारा दी गयी सूचना को पढ़ने की अनुमति होगी।

श्री हरिमोहन शर्मा।

## स्थगन प्रस्ताव आदि पर चर्चा

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): माननीय अध्यक्ष महोदय।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): माननीय अध्यक्ष महोदय, स्थगन प्रस्ताव पर दो मिनट का बोलने का हमें ही मौका दे देते, दो मिनट में क्या फर्क पड़ता?

**श्री अध्यक्ष:** ऐसा है, दो मिनट में आप मानते तो हैं नहीं और आपको पूरा मौका मिलेगा, डिमाण्ड पर बोलने का भी मिलेगा, जनरल डिस्कशन पर बोलने का भी मिलेगा उस समय आप अपने विचार रखियेगा। ...(व्यवधान)

**श्रीमती ममता शर्मा** (बूंदी): माननीय अध्यक्ष महोदय।

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): माननीय अध्यक्ष महोदय, भयंकर अकाल पडा हुआ है।

**श्री अध्यक्ष:** आपको क्या हो गया? ...(व्यवधान)

**श्रीमती ममता शर्मा** (बूंदी): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे कुछ निवेदन करना चाह रही हूं।

**श्री अध्यक्ष:** आपका न स्थगन प्रस्ताव है न 295 है। ...(व्यवधान)

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): पलायन कर रहे हैं लोग, पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। (व्यवधान)

**श्रीमती ममता शर्मा** (बूंदी): मैंने सात तारीख को एक बलात्कार केस भरतपुर जिले के लिए स्थगन प्रस्ताव लगाया था। माननीय अध्यक्ष महोदय, सात तारीख को लगाया था। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** दूदू से आने वाले माननीय सदस्य, नौ, नौ। हरिमोहन शर्मा Please begin your speech. बोलना शुरू करें।

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत होगी जब बोलें? (व्यवधान)

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): दूदू हमेशा अकाल से ग्रसित रहा है। ...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आप आसन की व्यवस्था नहीं मानेंगे? ...(व्यवधान)

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): प्रभारी मंत्रीजी दूदू विजिट में आये थे, माननीय अध्यक्ष महोदय, सारे लोगों ने प्रभारी मंत्रीजी को कहा कि हमारे साथ बहुत बड़ा अन्याय हो गया है।

**श्री अध्यक्ष:** आप स्थान ग्रहण करें। अंकित नहीं हो।

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री अध्यक्ष :** नहीं, आप सुनें। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी):×××

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्रीमती ममता शर्मा** (बूंदी): ×××

**श्री अध्यक्ष:**...(व्यवधान) माननीय सदस्य, आपका न तो कोई स्थगन प्रस्ताव है न आपका कोई ...

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री अध्यक्ष :** क्या मतलब? अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय क्या?

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री अध्यक्ष :** स्थान ग्रहण करें। स्थान ग्रहण करिये।

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री अध्यक्ष :** दूदू से आने वाले माननीय सदस्य, बूंदी से आने वाली माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। स्थान ग्रहण करें, दूदू से आने वाले माननीय सदस्य। अंकित नहीं हो रहा है।

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू):×××

**श्री अध्यक्ष :** हां, बिलकुल जाइये, शौक से पधारिये आप। पधारिये, पधारिये।

**(माननीय सदस्य, श्री बाबूलाल नागर द्वारा सदन से बहिर्गमन)**

**श्रीमती ममता शर्मा** (बूंदी):×××

**श्री अध्यक्ष :** आप चैम्बर में आकर मिलें। सात तारीख की बात आप चैम्बर में आकर बात करें, अभी नहीं।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी):×××

**श्रीमती ममता शर्मा** (बूंदी):×××

**श्री अध्यक्ष :** आपका कोई प्रस्ताव नहीं है। आपका कोई स्थगन प्रस्ताव नहीं है।

**श्रीमती ममता शर्मा** (बूंदी):×××

**श्री अध्यक्ष :** सात तारीख की बात सात तारीख को चली जाती है। आप जानती हैं इस बात को, आप पहली बार नहीं आयी हैंजीत कर। आपको भी मालूम है सात तारीख के बाद ...

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): ×××

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी):×××

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। स्थान ग्रहण करें, माननीय श्री हेमारामजी।

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां):×××

**श्री अध्यक्ष :** आप एक बार स्थान ग्रहण कर लें। नहीं, आप स्थान ग्रहण करें।

अभी क्वेश्चन आवर में किशनगंज से आने वाले माननीय सदस्य ने बड़े जोर-शोर से यह बिलकुल चल नहीं रहा है ट्यूबवैल, यह नहीं चल रहा, तीन जो उन्होंने फोटो दिये हैं यह कहीं भी नहीं हैं, 31 की उस लिस्ट के अन्दर नहीं हैं जिनको देकर के और एक सनसनी सारे सदन में इन्होंने फैला दी। ...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रताडित करो इनको। ...(व्यवधान)

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): माननीय अध्यक्ष महोदय, इन चारों का पैसा उठ गया पांच लाख रुपया, मंत्रीजी ने हां भी भरी है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मंत्रीजी ने हां भी भरी है, पांच लाख रुपया उठाया है इसका, माननीय अध्यक्ष महोदय।

**श्री अध्यक्ष :** न तो छिछरोनी है शाहबाद में..(व्यवधान) 31 की लिस्ट में नहीं है।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): इसका पैसा उठ गया, माननीय अध्यक्ष महोदय।

**श्री अध्यक्ष :** न 31 की लिस्ट में निवाड़ी, शाहबाद है। ...(व्यवधान)

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): माननीय अध्यक्ष महोदय, जितने भी ट्यूबवैल सेंक्शन हुए हैं ...

**श्री अध्यक्ष :** न 31 की लिस्ट में खियावदा, किशनगंज है। ...(व्यवधान)

यह तीन फोटो देकर के जो 31 में है नहीं, जिनका नाम नहीं है एक सनसनी फैला दी कि जैसे जाने क्या हो ग? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): प्रताड़ित करो इनको।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं ...

**श्री अध्यक्ष:** अब कुछ नहीं, मंत्रीजी ने देखे ही नहीं फोटो, मंत्रीजी ने कौन से फोटो देखे, गलत बात है। अंकित नहीं होगा।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज):×××

**श्री अध्यक्ष:** आपका दिया हुआ रिकार्ड यह भी ? (व्यवधान)

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज):×××

**श्री अध्यक्ष:** और अब आप बात कर रहे ? (व्यवधान) यह फोटो 31 में शामिल नहीं हैं और आप बात कर रहे हैं, सिट डाउ? (व्यवधान)

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज):×××

**श्री अध्यक्ष :** अब आप बैठ जाएं। बहुत सुन लिया, बहुत कर लिय? (व्यवधान) आप गलत इन्फार्मेशन देते ? (व्यवधान) 31 में शामिल ही नहीं है यह।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): ×××

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां):×××

**श्री अध्यक्ष :** यह 31 में शामिल ही नहीं है जो फोटो आपने दी है।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज):×××

**श्री अध्यक्ष :** यह तीन तो नहीं है जो आपने दी ? (व्यवधान) हां, तो नियमों में आइये।

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां):×××

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़):×××

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज):×××

**श्री अध्यक्ष :** अंकित नहीं हो रहा है। आपने जो फोटो दी है और यह कहा कि यह मेरे पास वह ट्यूबवैल हैं जिनमें पानी नहीं है, यह 31 में शामिल नहीं है, मुझे यही कहना है कि यह 31 में शामिल नहीं है। फोटो देकर सदन में आपने एक सनसनी फैला दी।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज):×××

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण कर लें, अंकित नहीं हो रहा है, अंकित नहीं हो रहा है।

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): ×××

**श्री अध्यक्ष :** आप भी विराज जाएं, हरिमोहन शर्मा का नाम पुकार लिया, बैठ जाएं आप प्लीज।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): माननीय अध्यक्ष महोदय, वर्तमान समय में शराब माफियाओं....

**श्री अध्यक्ष :** 12 बजकर 12 मिनट, योअर टाइम स्टा? (व्यवधान) दुःखी हो रहे हैं इसीलिए कह रही हूं 12.12 हो रहे हैं, यू स्टार्ट।

## छबड़ा में शराब माफियाओं द्वारा आतंक फैलाने विषयक

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में शराब माफियाओं का रेड पार्टी का गिरोह राजनीतिक संरक्षण की आड़ में और राजनेताओं से संरक्षण प्राप्त होने के कारण इस प्रकार का जघन्य अपराध कर रहा है जिसकी घटना का विवरण मैं 4.3.2007 को ग्राम छबड़ा जहां पर माननीय स्वायत्त शासन मंत्रीजी का निवास स्थान है वहां से यहजीतकर आते

(श्री हरिमोहन शर्मा)

हैं। वहां पर शराब माफियाओं के एक गिरोह ने, एक लड़का जो मोटर साइकिल पर जा रहा था, उस लड़के कोजीप से टक्कर मारकर नीचे गिराकर उसके बाद फिर उसके साथ मारपीट की। यही नहीं माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके पश्चात एक रेड पार्टी पूरी दोजीपें लेकर होली के अवसर पर ग्राम लक्ष्मीपुरा में पहुंची और लक्ष्मीपुरा में पहुंचकर उन्होंने वहां पर खुली फायरिंग की, आदमियों के साथ मारपीट की, आदमियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया और इस प्रकार आतंक का वातावरण पूरे गांव छबड़ा में और वहां पर उन्होंने बना दिया। माननीय अध्यक्ष महोदय, उसमें चूंकि राजनीतिक दृष्टिकोण से वहां के पूर्व चेयरमैन और वर्तमान चेयरमैन के पति, वहां के पार्षद, वहां के पार्षदों के पति इस प्रकार का एक राजनीतिक गिरोह है जिसका संरक्षण स्वायत्त शासन मंत्रीजी से उनको प्राप्त है। आज तक भी उन लोगों को वहां पर छबड़ा बंद हुआ और इतिहास में भारतीय जनता पार्टी का छबड़ा गढ़ होने के बाद यह इतने वर्षो के बाद इस जघन्य अपराध के खिलाफ छबड़ा बंद हुआ, पूरा का पूरा बाजार बंद हुआ।

**श्री अध्यक्ष:** वहां गोली कब चलाई ?

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): माननीय अध्यक्ष महोदय, बाजार इसलिए बंद हुआ कि इन्होंने मुलजिमान को नहीं पकड़ा, मुलजिमान को गिरफ्तार नहीं किया और उन मुलजिमान को राजनीतिक संरक्षण देकर के अपने घरों तक ले आए और दूसरी जगहों पर छिपा दिया। यह राजनीतिक संरक्षण के कारण जिस प्रकार की स्थिति छबड़ा में और वहां के लक्ष्मीपुरा गांव में हुई वहां के निवासी आंदोलित हैं और अभी तक माननीय गृह मंत्रीजी, यह स्थगन प्रस्ताव लगने के बाद, माननीय अध्यक्ष महोदय, यहां से स्थगन प्रस्ताव जाने के बाद उन्होंने पुलिस ने कुछ कार्यवाही करके एक दो आदमियों को इधर-उधर से गिरफ्तार किया और जिनको राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिनको इधर-उधर छिपाया गया है, जिनको जयपुर बुला लिया गया और जिनको इधर-उधर छिपाकर के उनको परिश्रय दिया जा रहा है, मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि तत्काल प्रभाव से जो राजनीतिक संरक्षण दे रहे हैं उनके खिलाफ भी और जो इसमें मुलजिम हैं उनको तत्काल गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ समुचित कार्यवाही की जाए।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सीधा-सीधा मेरा नाम ले रहे हैं- 'स्वायत्त शासन

मंत्री', इसलिए मैं कहना चाहूंगा यह जो बात कर रहे हैं कुछ इस प्रकार का झगड़ा जरूर हुआ है लक्ष्मीपुरा में सांसी जाति के लोग रहते हैं।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): यह अपना स्पष्टीकरण दे सकते हैं, झगड़े की बात गृह मंत्रीजी बतायेंगे। आपने उनको छिपा रखा है।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): आपने मेरा नाम लिया है ।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आपने उनको संरक्षण दे रखा है वह वर्तमान नगरपालिका चेयरमैन का पति ? (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): छबड़ा बंद नहीं हुआ ह? (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): पूर्व चेयरमैन है नगरपालिका का सदस्य है, नगरपालिका की भारतीय जनता पार्टी की महिला सदस्य का पति है और आपने उनको छिपा रखा है, आप उनको राजनीतिक संरक्षण दे रहे हो, सारा वातावरण वहां का दूषित कर रहे हो और आप उनको गिरफ्तार नहीं होने दे रहे हो।

**श्री अध्यक्ष:** स्थान ग्रहण कर लें।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, जब मैंने इनकी बात को शांति से सुना है तो यह भी मेरी बात को शांति से सुनें।

**श्री अध्यक्ष:** आप दे दीजिए अपना स्पष्टीकरण।

# स्पष्टीकरण

## श्री प्रताप सिंह सिंघवी, राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग का व्यक्तिगत स्पष्टीकरण

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि ना तो किसी प्रकार का मैंने किसी भी, आज तक के इतिहास में ना तो मेरे खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज है ? (व्यवधान) न आज तक मेरे खिलाफ कोई एफ.आई.आर. दर्ज ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** बीच में नहीं बोलें।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): मैंने इनके खिलाफ थोड़े ही मुकदमा दर्ज करवाया है, मैं थोड़े ही कह रहा हूं आपके खिलाफ मुकदमा दर्ज है।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): आप मेरी बात सुन लीजिए।

**श्री अध्यक्ष:** आपकी बात सुनी है तो आप उनकी बात तो सुन लीजिए।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): ना मेरी इस प्रकार की आदत है मैंने कभी भी इस तरह के बदमाश लोगों को जो हिस्ट्रीशीटर हैं, या जो लड़ाकू किस्म के आदमी हैं इनको मैंने कभी संरक्षण दिया हो या मेरे परिवार ने कभी संरक्षण दिया हो।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): गिरफ्तार क्यों नहीं किया?

**श्री अध्यक्ष:** बीच में नहीं बोलें।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): जहां तक इनका सवाल है, यह मैं मानता हूं कि इसमें झगड़ा हुआ है। झगड़ा सांसी जाति के लोगों के साथ और एक हमारा पार्षद है भगवती, उसके साथ झगड़ा हुआ है। झगड़े की बात सही है। आप कह रहे हैं कि कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, सेम डे छह गिरफ्तारियां हुई हैं जिसमें हमारा पार्षद भी शामिल है। अगर माननीय अध्यक्ष महोदय, हरिमोहनजी तो क्या और भी कोई उतरकर आ जाते अगर मैं चाहता तो एक भी गिरफ्तारी नहीं होती।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): और इसलिए चेयरमैन के पति को आपने बचा रखा है, वहां के पार्षद को आपने बचा रखा है, आप गिरफ्तारी नहीं होने देना चाहते और आप अपने मिशन में कामयाब हैं, आपने खुद ने कह दिया।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): आप अपने गिरेबान में झांककर देखो।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): माननीय अध्यक्ष महोदय, इन्होंने खुद ने स्वीकार कर लिया कि मैं चाहता तो मैं वहां राज करता था, सब कुछ कर सकता था इन्होंने ही नगरपालिका के वर्तमान चेयरमैन के पति को और जो पूर्व चेयरमैन हैं इन्होंने गिरफ्तार नहीं होने दिया और सदस्य को गिरफ्तार नहीं होने दिया जो इनकी पार्टी से संबंधित हैं। यह वहां के मंत्री हैं और इस प्रकार के कारनामें यहां...

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): हरिमोहनजी, आप अपने गिरेबान में झांककर देखो।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): जहां 307 के जघन्य अपराध के मुकदमें हैं, जहां खुलेआम गोलियां चलाई जा रही हों उन माफियाओं का यह समर्थन करते है? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** हिण्डौली से आने वाले माननीय सदस्य ने बात कह ? (व्यवधान) अपना प्रश्न उठा दिया।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य अपने गिरेबान में झांक कर देखें, बूंदी का मुकदमा है 157/6 उसमें आपके पुत्र ने क्या-क्या किया है, यह पूरी बात मैं बताना नहीं चाहता वरना जितनी गरमी से बोलते हो, सारी गर्मी, हवा निकल जाएगी सारी।

**श्री अध्यक्ष :** जब वह आपकी बात बता सकते हैं तो आप इनकी बात क्यों नहीं बता सकते?

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप क्यों नहीं बताते? मैं यही कहता हूं आप क्यों नहीं बताते? यह घोड़ा और यह मैदान।

**श्री अध्यक्ष :** चलिए, चलिए आगे चलिए। श्री संयम लोढ़ा ।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): नहीं बताते, क्यों नहीं बताते? आप बताओ ना।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): इनके पुत्र के खिलाफ 420, 467,468, 471, 120 में मुकदमा दर्ज है इसलिए यह अनर्गल आरोप लगा रहे ? (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली):जी, हां। वह मुकदमा दर्ज है।

**श्री कैलाश त्रिवेदी** (सहाड़ा): गृह मंत्रीजी, आपके ऊपर माननीय मंत्रीजी ने सवालिया निशान लगा दिया है।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली):जी, हां। वह मुकदमा दर्ज है जो राजनीतिक द्वेष के कारण चलाया गया है और कोर्ट ने, अदालत ने तत्काल... (व्यवधान) बैन लगने के बाद भी अदालत ने कहा कोई मुकदमा नहीं बनता और उसमें सब जो आदमी थे उनको एंटीसिपेटरी बेल विदिन 24 आवर्स कर दिया। यह आपका राजनीतिक षडयन्त्र है और मैं इससे दबने वाला नहीं हूं अगर मैं बताऊंगा तो ए.सी.बी. में नंगा कर दूं? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, माननीय सदस्य, हिण्डौली से आने वाले माननीय सदस्य ....

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आपकी स्थितियां क्या हैं उसमें नंगा कर दूंगा, आपने भ्रष्टाचार कर रखा है उसमें नंगा कर दूंगा आप अपने गिरेबान में झांककर देखें मंत्रीजी आपका चेहरा क्या है और पूरे राजस्थान की जनता आपको क्या देख रही ? (व्यवधान) करोड़ों रुपए का घपला करने वाले मंत्री अगर इस प्रकार की बात करते हैं तो शर्म की बात है ।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): आप गलत बात कर रहे ? (व्यवधान) मैंने भ्रष्टाचार किया है तो सामने ला? (व्यवधान) इनके पुत्र के ऊपर मामला है, इनकी सम्पत्ति का है ।

**डा. ओ. पी. महेन्द्रा** (केसरीसिंहपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, बिना तथ्यों के आधार पर किसी प्रकार का कोई आरोप नहीं लगाया जा सकता। माननीय मंत्रीजी पर आरोप लगाया है। कोई तथ्य है तो पेश करें, बिना तथ्यों के आधार पर कोई आरोप नहीं लगाया जा सकता।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): सारा राजस्थान जानता है 90बी में और जे.डी.ए. में क्या हो रहा है, खुला भ्रष्टाचार का नक्शा है पूरा राजस्थान जानता है।

**श्री अध्यक्ष:** सारा राजस्थान जानता है आप बहुत जोर से बोलते हो।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): पूरे राजस्थान की जनता जानती है।

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): 90बी में हो रहा है तो कुछ बताओ तो सही कि ये हो रहा ? (व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य :** यह आरोप सदन की कार्यवाही से निकाला जाए।

**श्री अध्यक्ष :** आप स्थान ग्रहण कर लें। माननीय सदस्य, मंत्रीजी खड़े हैं। लूणी से आने वाले माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): एक मिनट का निवेदन है मेरा... (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** एक मिनट की बात नहीं है। आपका जरूरी, आवश्यक नहीं है कि आप बोलें। नो-नो। बैठ जाएं। अब आप स्थान ग्रहण करें। प्लीज स्थान ग्रहण करें। आप भी बैठें। नहीं-नहीं, बैठें आप। मंत्री खड़े हैं... (व्यवधान) मंत्री खड़े हैं। मंत्रीजी कुछ कहना चाह रहे हैं। लूणी से आने वाले माननीय

(श्री अध्यक्ष)

सदस्य, आवश्यक नहीं है कि हर बात पर आप बोलें। It is not necessary आप चाहे जब खड़े हो जाते हैं। माननीय मंत्रीजी।

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): मंत्रीजी को बोलने दो। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** झूठे लगा। इस सदन में झूठे भी लगते हैं और सच्चे भी लगते हैं। झूठे लगते हैं तो आपको मौका है पर्सनल एक्सप्लेनेशन का। आप अपना पर्सनल एक्सप्लेनेशन दे दें। क्या बात है ?

# स्थगन प्रस्ताव आदि पर चर्चा

## छबड़ा में शराब माफियाओं द्वारा आतंक फैलाने विषयक

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सोचता हूं कि जिस घटना को लेकर हिण्डौली से आने वाले माननीय सदस्य बहुत उत्तेजित हो रहे थे सच यह है कि जिनको मोटर साइकिल के पीछे टक्कर लगायी सांसी समाज के थे। उन्होंने दो मुकदमे दर्ज कराये 25/7, 27/7, दोनों में वही मुलजिम थे और उसमें उसी दिन श्री ओमप्रकाश, श्री सोमनाथ, श्री ओमप्रकाश भील, श्री लड्डू लाल, श्री बबलू चालत और भगवती प्रसाद को सेम डे गिरफ्तार कर लिया। अब यह दोनों केस में मुलजिम हैं 25/7 में भी और 27/7 में भी। इन्होंने भी अपनी तरफ से एक मुकदमा दर्ज कराया है 26/7 जिसमें तफतीश जारी है। मैं सोचता हूं जिन्होंने भी अपराध किया है उनको उसी दिन पकड़ा गया है। यह केवल राजनैतिक आधार बनाकर के आरोप-प्रत्यारोप करना, मैं सोचता हूं उचित नहीं है और मैं बहुत दावे के साथ और बड़ी ईमानदारी से कह रहा हूं कि इस घटना के बारे में मंत्रीजी ने मुझे कभी टेलीफोन भी नहीं किया कि ऐसी कोई घटना हुई है। कभी टेलीफोन पर चर्चा ही नहीं हु? (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आपको टेलीफोन करने की कोई जरूरत नहीं है वह खुद ही सक्षम हैं कि मैं सबको चाहता तो सबको ही बचा लेता। आपके टेलीफोन की आवश्यकता नहीं ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आप बीच में न बो? (व्यवधान) माननीय सदस्य, बीच में न बो? (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): सदन में कहा ? (व्यवधान)

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): कोई मतलब नहीं है। किसी भी

आदमी ने मुझे नहीं कहा। किसी भी व्यक्ति ने नहीं किया। वहां के किसी कार्यकर्ता ने टेलीफोन नहीं कि? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** आप चाहे जब खड़े होते हैं और इधर भी देख रहे हैं आ? (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप तो इन सब मुलजिमान को कब तक गिरफ्तार कर लोगे यह बता? (व्यवधान)

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): यह झूठे आरोप लगाने का कोई मायने नहीं ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** हिण्डौली से आने वाले माननीय सदस्य, बीच-बीच में खड़े होते हैं आ? (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): झूठा आरोप लगाने से क्या मतलब है ? सुनी सुनायी बात कर रहे हो आप। आप जाकर आए हो क्या वहां ? छबड़ा बंद हुआ है, छबड़ा कोई आप खुद साल भर रह कर बंद करा के देख ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** माननीय मंत्रीजी? (व्यवधान) आप भी खड़े हो ग? (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): यह छबड़ा बंद के सारे अखबार भरे पड़े हैं। छबड़ा बंद के सारे अख़बार भरे पड़े हैं। अखबार बताऊं। सारे अखबार भरे पड़े हैं छबड़ा बंद ? (व्यवधान)

**श्री प्रताप सिंह सिंघवी** (राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवासीय): इन अखबारों से क्या होता है? यह अखबारों के आधार पर ही बोल रहे हो क्या ? ...(व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): ऐसे मुलजिमान को संरक्षण देने से इस प्रकार से काम चलने वाला नहीं ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** हिण्डौली से आने वाले माननीय सदस्य, आपको दो मिनट का समय दिया था और दो मिनट के बजाय आधा घण्टा ले लिया आप? (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): नहीं लेंगे साहब।

**श्री अध्यक्ष:** क्या बात है ? यह गलत बात है। श्री संयम लोढ़ा।

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): मैं तो अपनी बात एक ही मिनट में निवेदन करना चाहता हूं आप इजाजत दे दें। हिण्डौली से आने वालों ने ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** आपको पुलिस की डिमाण्ड के ऊपर पूरा समय मिलेगा सबसे पहले बोलिये। अटक नहीं आयेग? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): वह मेरी पार्टी ने कह दिया कि पुलिस की डिमाण्ड में नहीं बोलेंगे। पार्टी ने कह दिया कि पुलिस की डिमाण्ड पर नहीं बोलेंगे। मैं तो आपसे अनुरोध कर रहा हूं...(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** पुलिस की डिमाण्ड आयेगी और पुलिस की डिमाण्ड एक जनरल डिस्कशन भी है। उसमें भी चाहो तो आप कह सकते हो। पुलिस की डिमाण्ड पर कहना अपनी बा? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): आप स्वयं मौका दोगे तो ठीक है मेरी पार्टी वालों ने तो टाइम ही बांट दिया अलग-अलग सदस्यों को। उसमें हम लोगों को कहा ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** ऐसे कोई ठेका है क्या आ? (व्यवधान) आप जनरल डिस्कशन पर तो बहस करना नहीं चाहते हो और इसजीरो आवर को ले जाना चाहते हो चार बजे तक बढ़वाना चाहते हो कि आप बोलते रहो और जनरल डिस्कशन जो जरूरी है उस पर आप बोलना नहीं चाहते ? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): एक मिनट की इजाजत चाहता ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** क्या बात हुई यह ? नहीं, अब गलत बात है। संयम लोढ़ा।

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): इनके बाद मुझे मौका दे ? (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): माननीय अध्यक्ष महोदय, आप पार्टी के उप नेता भी हैं और पार्टी की शिकायत यहां कर रहे हैं। यह संसदीय पार्टी की शिकायत यहां सदन में अध्यक्ष महोदय के मार्फत कर रहे हैं इससे ज्यादा शर्म की बात नहीं हो सक? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): आप ही से ज्यादा...(व्यवधान) होती है। आप क्या कर रहे हो ? मैं तो सही कह रहा हूं यहां सदन की जानकारी... (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): आपने कहा कि मेरी पार्टी मेरी सुन नहीं रही है। आपको उप नेता ही नहीं रहना चाहि? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): नहीं, सुन नहीं रही है। आप झूठ बोल रहे हो। असत्य कथन कर रहे हो...(व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): अभी आपने कहा है समय बांट दिया है, मेरे लिये समय नहीं है। अभी कहा आप? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): मेरी पार्टी ने सबको समय बांट दिया है। आप सिफारिश कर दो ना। मैं तो भ्रष्टाचार पर बोलना चाहता हूं। आप क्या कर रहे हो यह कहना चाहता हूं ... (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): आप भ्रष्टाचार पर बोलो, कोई भी बोलो। फिर यह अटैची निकाल-निकालकर वापस क्यों रख रहे हैं ? ब्लेकमेल करना चाहते हैं क्या? ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): आप पर्सनल एक्सप्लेनेशन करने की स्थिति में नहीं ? (व्यवधान) आप कृपा है तो करो...(व्यवधान)

**(समय : 12.25 बजे)**

**(श्री रामनारायण विश्नोई, उपाध्यक्ष, पदासीन)**

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): रात साक्षात्कार में तो बहुत दब कर बोल रहे थे आप और यहां बहुत कड़क बोल रहे थे। रात आपको जो इंटरव्यू था ई टी वी में वहां तो बहुत दबे हुए थे। बहुत दब्दब कर बोल रहे थे।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): क्या दब-दब कर बोल रहा था? किस बात से दब रहा था ? किस बात से दब रहा था ? ...(व्यवधान) अब यह हरिमोहनजी उस अटैची को कभी बाहर निकाल रहे हैं, कभी नीचे रखते हैं। ब्लेकमेल कर रहे हैं क्या ? मेरी समझ में नहीं आ रहा है।

**श्री उपाध्यक्ष :** छोड़ो उस बात को आप। श्री संयम लोढ़ा। ...(व्यवधान) माननीय सद? (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): आपको किसी ने रोका हुआ है

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): आप तो पहलवान नजर आते हो, डरते क्यों हो?

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): यह विधान सभा तो प्रिविलेज है इनको...(व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): आप सदन में आ गये सबको पता चल गया...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण मीणा** (नैनवां): आप तो पहलवान नजर आते हो डरते क्यों हो?

## पीपाड़ शहर में कार्यालय सहायक द्वारा आत्महत्या करने विषयक

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपकी आज्ञा से मैं निवेदन करना चाहता हूं कि 10 मार्च को जोधपुर जिले का पीपाड़ शहर, कस्बा बंद रहा। तमाम दुकानें वहां की बंद रहीं और इस सरकार के खिलाफ वहां के नागरिकों ने अपनी नाराजगी जाहिर की। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मुरलीधर पुरोहित जो पीपाड़ नगर पालिका के एक कर्तव्य-निष्ठ कार्यालय सहायक थे, इनको तत्कालीन भैरोंसिंहजी शेखावत की सरकार ने 15 अगस्त, 1996 को उनकी बेहतरीन सेवाओं के लिये सम्मानित किया था। इतना ही नहीं मुरलीधरजी पुरोहित को 2001 में भारत के राष्ट्रपति के रजत पदक से भी सम्मानित किया गया। पिछले महीने की आखिरी तारीख को अपनी सालों-साल की कर्तव्य परायण सेवाओं के बाद, कर्तव्य-निष्ठ सेवाओं के वह सेवानिवृत्त हो गये। सेवानिवृत्त होने के बाद पीपाड़ शहर की भारतीय जनता पार्टी के पालिका अध्यक्ष के बेटे उन पर लगातार दबाव बनाये हुए थे। उनका उत्पीड़न कर रहे थे। नगर पालिका की आलमारियों से कई पत्रावलियां भारतीय जनता पार्टी के उन नेताओं ने गायब कर दी और उस सबको लेकर मुरलीधरजी पुरोहित का लगातार उत्पीड़न कर रहे थे। उस उत्पीड़न से परेशान होकर, व्यथित होकर राष्ट्रपति पदक से सम्मानित उस कार्यालय सहायक मुरलीधर पुरोहित ने अपने गले में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने मरने से पहले एक डैथ नोट छोड़ा जिसमें भारतीय जनता पार्टी के इन नेताओं का जिक्र किया गया है। आज वहां की जनता आक्रोशित है लगातार वहां के पुलिस प्रशासन से। मुरलीधरजी पुरोहित के परिवार वालों ने, पीपाड़ शहर के नागरिकों ने, राजनैतिक संगठनों ने बराबर इस बात की फरियाद की कि मुरलीधरजी पुरोहित की मृत्यु के लिये जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाए। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, 306 के अन्दर मुकदमा दर्ज किया गया है 7 तारीख को और उसके बाद लगातार वहां के लोगों का संघर्ष चल रहा है। प्रदर्शन चल रहे हैं। पीपाड़ शहर बंद किया गया है और अब वहां संघर्ष समिति का गठन भी किया गया है जो उस मसले को लेकर आन्दोलन तेज करेगी और जो वहां पर

(श्री संयम लोढ़ा)

पुलिस प्रशासन राज सत्ता के दवाब में घुटने टेक कर बैठा हुआ है अन्याय के खिलाफ वहां के लोग संघर्षरत हैं लेकिन अपराधियों को गिरफ्तार करने के बजाय जोधपुर जिले का पुलिस प्रशासन जयपुर में बैठे हुए नेताओं के इशारे पर, सरकार के इशारे पर अपराधियों को गिरफ्तार नहीं कर रहा है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अत्यन्त खेद का विषय है कि वहां से निर्वाचित होकर आने वाले इस सरकार के राजस्व मंत्री रामनारायणजी डूडी का अपराधियों को संरक्षण प्राप्त ? (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्षः** माननीय सद? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): और इनकी वजह से वहां के पुलिस प्रशासन की हिम्मत नहीं पड़ रही है कि भारतीय जनता पार्टी के उस पालिका अध्यक्ष के बेटे ? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): आपके पास क्या सबूत है? आरोप लगाने का कारण क्या है? आपके पास कोई सबूत है जो आरोप लगा रहे हो?

**श्री उपाध्यक्षः** माननीय सदस्य, आप बीच में न? (व्यवधान) आप बैठे -बै? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): और गलत आरोप लगाना... (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): यहां आरोप नियम के आधार पर लगा? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): क्या सबूत है आरोप लगा रहे हो आप? आपने सिरोही में कितने गुण्डे पाल रखे ? (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): यह आरोप लगा रहे हैं, नियम के आधार पर लगाइ? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): नाकारा के नाकारा साबित हो रहे हैं... (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): इस तरीके से बैठे हुए कैसे भी बोल दिया कि रामनारायणजी डूडी की वजह से मुलजिमों को गिरफ्तार नहीं किया ग? (व्यवधान)

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सुसाइड नोट में स्पष्ट लिखा हुआ है एक अधिकारी ? (व्यवधान)

**श्री भंवरलाल शर्मा** (सरदारशहर): उपाध्यक्ष महोदय, एक अधिकारी ने दु:खी होकर के आत्महत्या की ? (व्यवधान) गृह मंत्रीजी निष्पक्ष जांच करायें।

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): महत्वपूर्ण कुर्सी पर बैठे हुए, विधायक के रहते आपने जो सिरोही में गुंडे और बेईमान बैठा रखें हैं, उसकी कोई खबर है आपके पास मे? (व्यवधान)

**श्री भंवरलाल शर्मा** (सरदारशहर): आत्महत्या की है, कोई व्यक्ति ऐसे आत्महत्या नहीं करता ह? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): कितने गुंडे आपने पाल रखे हैं यह बतायें आप ? (व्यवधान)

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत बड़ी नाइंसाफी ? (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, आप बिराजें।

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): उपाध्यक्ष महोदय, सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य से यह पूछना चाहता हूं कि सिरोही में आपने कितने गुंडे, बेईमान पाल रखे हैं जिनकी कोई सीमा ही नहीं ? (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, बिराजें।

**श्री भंवरलाल शर्मा** (सरदारशहर): यह सिरोही का प्रश्न नहीं है, यह मुरलीधर पुरोहित का मामला ? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): यह गुंडों का दादा बैठा है बीच ? (व्यवधान)

**श्री भंवरलाल शर्मा** (सरदारशहर): आप बता दीजिये, अगर आप दोषी नहीं हैं तो छोड़ि? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): मैंने अगर गुंडे पाल रखे हैं तो आपके गृह मंत्रीजी ने क्या चूडियां पहनी हुई हैं? ...(व्यवधान) करें उन पर कार्यवाही अगर मैंने गुंडे पाल रखे हैं ? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): समय आने दें, वह भी आपका इलाज हो जाये? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): गृह मंत्रीजी को किसने रोका है? दम आपमें है तो कु? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): वह भी इलाज हो जायेगा सामने आने दो, कोई देर नहीं ? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): बोलें, कहां इलाज करना चाहते ? (व्यवधान) अभी तो आपका इलाज करूंगा यहां बैठकर ? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): अपनी गिरेहबान में झांकें फिर दूसरों पर आरोप लगायें? (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, अपना स्थान ग्रहण करें? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): आपके पास कोई सबूत है तो आरोप लगायें।

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य आरोप लगा रहे हैं नाम से, इनको नियमों में आकर के लगाना चाहिए। ऐसे ही अनर्गल जब चाहे तब किसी पर नाम लेकर के आरोप लगायें यह तरीका ठीक नहीं है। यह व्यवस्था के विपरीत है।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, बिराजें। आप स्थान ग्रहण कीजिये ... (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): इस प्रकार का आरोप यदि इनको लगाना है तो नियमों में आकर के लगायें।

**डा. भंवरलाल राजपुरोहित** (मकराना): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यह कहा है ... (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): आप बचा रहे हैं, अपराधियों को बचा रहे हैं।

**डा. भंवरलाल राजपुरोहित** (मकराना): इनकी आंखें फूटी हुई हैं यह शब्द उन्हों? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): आज आप सत्ता के घमंड में चूर हैं... (व्यवधान) बैठे हुए हैं, लेकिन वह जनता इंतजार कर रही है आपका... (व्यवधान) आज नहीं तो कल यह घमंड चूर-चूर कर देगी। आज आप सत्ता के नशे में हैं ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): हां, मैं जानता हूं आप सब लोगों को ...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): लोगों की भावनाओं की कद्र नहीं कर रहे हैं, सुन नहीं रहे हैं। ...(व्यवधान)

**डा. भंवरलाल राजपुरोहित** (मकराना): सदन का इस तरह से उपयोग नहीं किया जा सकता है ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** स्थान ग्रहण कीजिये।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): इन्होंने यह कहा है कि आंखें फूटी हुई ? (व्यवधान) इस तरह से आरोप लगाये जा रहे हैं ...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): उपाध्यक्ष महोदय, यह केवल अकेली घटना नहीं है ...(व्यवधान)

**डा. भंवरलाल राजपुरोहित** (मकराना): इनको माफी मांगनी चाहिये ... (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा पाइंट ऑफ आर्डर है ...(व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): उपाध्यक्ष महोदय, यह चाहें जिस पर आरोप लगा दें, यह ठीक नहीं है, यह इनका अभ्यास बना हुआ ...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): I am on a point of order.

**श्री उपाध्यक्ष:** स्थान ग्रहण करें ...(व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): जब चाहें किसी के खिलाफ आरोप लगा दें, किसी विधायक के खिलाफ आरोप लगा दें, कभी मंत्री के खिलाफ आरोप लगा दें। यह ठीक नहीं ? (व्यवधान) यह नियमों में आने चाहिए, यह नियमों की पालना नहीं कर रहे हैं ...(व्यवधान)

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): या तो सूचना दें, नहीं तो माफी मांगे।

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): नियमों की पालना करना सीखिये, ऐसे अनर्गल आरोप कैसे लगा रहे हैं?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है?

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): नहीं तो माफी मांगे ...(व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): उपाध्यक्ष महोदय, सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य की जो पीड़ा है वह यह है कि जैसलमेर के अंदर आज

(श्री सांगसिंह भाटी)

के तीन साल पहले रिसोर्ट बनाने के लिए वहां पधारे थे, वह रिसोर्ट की जमीन अलाटमैंट नहीं हुई, वह पीड़ा है मंत्री महोदय के खिलाफ ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्षः** माननीय सदस्य, बिराजें ...(व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): बाकी कोई पीड़ा नहीं है इसलिए आरोप लगा रहे हैं मंत्री महोदय के ऊप? (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्षः** अपना स्थान ग्रहण करें ...(व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): उपाध्यक्ष महोदय, यह कहना कि गृह मंत्री की आंखें फूटी हुई हैं, यह लब्ज कहना, सदन में माफी मांगे, सदन से यह व्य? (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्षः** मंत्री महोदय जवाब दे रहे हैं, आप सुनें ... (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): मैंने आंखें फूटी हुई नहीं कहा है, आंखें तो सलामत रहें उनकी ...(व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): आपने यह कहा है कि आंखें फूटी हुई हैं गृह मंत्री की, आपने यह कहा ह? (व्यवधान) सदन से माफी मांगनी चाहि? (व्यवधान) सदन में ऐसे शब्द कहना हमारे गृह मंत्रीजी के लिए, सरे आम कहना है इन्होंने ...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): उपाध्यक्ष महोदय, यह पीपाड़ की घटना एक नहीं हुई है, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जिस तरह से बेलगाम होकर के राजस्थान में नौकरशाही का उत्पीड़न कर रहे हैं, यह आबू रोड की घटना आप लीजिये ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्षः** माननीय सदस्य, आप बिराजें ...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): जो अपराध भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता कर रहे हैं उनको कैसे संरक्षण दिया जाये, उनको कैसे बचाया जाये और पूरी सरकार इस बात में लगी हुई है। यह एक मामला नहीं है।

**श्री उपाध्यक्षः** माननीय सदस्य, आप बिराजें।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): अपनी स्वार्थ पूर्ति नहीं होने के कारण, पीपाड़ में सात बार चुनाव हारने से इनके कार्यकर्ताओं ? (व्यवधान) इससे कुंठित होकर के मंत्री के ऊपर झूंठा आरोप लगा रहे हैं। मंत्रीजी पर प्रभाव डालने के लि? (व्यवधान) कोई प्रभाव में आने वाले नहीं हैं। इनके गुंडों से पीपाड़ इनके कब्जे में आने वाला नहीं है।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, बिराजें। माननीय सदस्य, आप स्थान ग्रहण कीजिये।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): उपाध्यक्ष महोदय, यह पीपाड़ की घटना एक नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा जो अधिकारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है, आबू रोड में जूनियर स्पेशलिस्ट डा. अग्रवाल जो आरएसएस का कार्यकर्ता था उसको आत्महत्या करनी पड़ी।

**श्री उपाध्यक्ष:** अंकित नहीं होगा, माननीय सद? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** अंकित नहीं हो? (व्यवधान) अंकित नहीं हो रहा है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री):×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): ×××

**श्री उपाध्यक्ष:** कृपया स्थान ग्रहण कीजिये।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): ×××

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): ×××

**श्री उपाध्यक्ष:** पहले बात सुनिये आप। माननीय सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य ...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): ×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): ×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): यह मेरा निर्वाचन क्षेत्र है, इस प्रकार से कैसे नाम ले रहे हैं? ...(व्यवधान) आप थोड़ी बहुत तो शर्म करो।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, बिराजें।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): ×××

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर):×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** आपकी कोई बात अंकित नहीं हो रही ? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): ×××

**श्री उपाध्यक्ष:** अंकित नहीं होने दिया मैंन? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): ×××

**श्री नरपत सिंह राजवी** (उद्योग मंत्री): ×××

**श्रीमती ममता शर्मा** (बूंदी): ×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): ×××

**श्री उपाध्यक्ष:** सदन का सम? (व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): ×××

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): ×××

**श्री उपाध्यक्ष:** आप स्थान ग्रहण करिये माननीय सदस्य। आप किसकी परमिशन से बोल रहे हैं? (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): ×××

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर): ×××

**श्री उपाध्यक्ष:** बीच में नहीं बोलें माननीय सदस्य।

**श्री नरपत सिंह राजवी** (उद्योग मंत्री): ×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री नरपत सिंह राजवी** (उद्योग मंत्री):×××

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री):×××

**श्री भंवरलाल शर्मा** (सरदारशहर):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** बिना परमिशन के जो बोल रहे हैं उनकी बात अंकित न हो। सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य, आपको दो मिनट स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से समय दिया गया था और आपने पीपाड़ के मुद्दे के साथ में कोई आबू का है, कोई कहीं का है, इस तरह से फालतू का समय बरबाद किया है। ...(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** अंकित नहीं होगा।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर):×××

**श्री बद्रीलाल जाट** (कपासन):×××

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री):×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री):×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

## स्पष्टीकरण

### श्री रामनारायण डूडी, राजस्व मंत्री का व्यक्तिगत स्पष्टीकरण

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, पहले मुझे मौका दिया जाए क्योंकि इन्होंने पर्ची के माध्यम से पीपाड़ की घटना के सम्बन्ध में मेरे ऊपर आरोप लगाए हैं, मेरा नाम लिया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह सही है कि पीपाड़ सिटी मेरी कांस्टीट्यूएंसी में है और इस संदर्भ में आप मुझे इस बात के लिए नामजद करना चाहते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, इनके टीस दूसरी है, मेरे लिए कह रहे हैं कि संरक्षण दे रहे हैं। मैं कहता हूं कि राजस्थान की कोई भी एजेंसी उस मामले के अंदर निष्पक्ष जांच करे और दूध का दूध और पानी का पानी करे। मैं यही चाहता हूं लेकिन जिस प्रकार से यह कह रहे हैं पीपाड़ के अंदर राजनीतिक दबाव होने के कारण वहां पुलिस प्रशासन दबा हुआ है और मेरा इसमें नाम ले रहे हैं। संयम लोढ़ाजी, मैं कतई यह नहीं चाहता हूं लेकिन अगर यह आप लोग जिस प्रकार की राजनीति खेलना चाहते हैं, आप जिस प्रकार की बात कहना चाहते हैं वह नहीं होगा।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** स्पष्टीकरण दे दिया आपने।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी):×××

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर):×××

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री):×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य आप बैठो। ...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री):×××

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री):×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय मंत्रीजी ने स्पष्ट कर दिया।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय मंत्रीजी, विराजो।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** गृह मंत्रीजी स्पष्ट कर देंगे। (व्यवधान)

**श्री बाबूलाल नागर** (दूदू): ×××

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़):×××

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री):×××

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** बिलकुल स्पष्ट शब्दों में कह दिया न। (व्यवधान)

## स्थगन प्रस्ताव आदि पर चर्चा

### पीपाड़ शहर में कार्यालय सहायक द्वारा आत्महत्या करने विषयक

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, निश्चित रूप से मुरलीधर की आत्महत्या हुई। इसमें कोई दो राय नहीं। 28 तारीख को उसका रिटायरमैंट हुआ था, दो को, यह घटना सात तारीख की है, रस्सी पर लटक कर उनकी डेथ हुई। हमने तुरन्त पुलिस ने उनकी एफ एस एल जांच के लिए विसरा भी दिया और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई उसमें एक तो यह था कि हैंगिंग के कारण से मरे हैं तथा दाग देकर वापस लौटे तो उसके लड़के को एक सुसाइड नोट भी मिला वह सुसाइड नोट भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया। यह 7 तारीख की बात है, 8 तारीख को मुझे इसमें वहां के महेन्द्र कच्छावा कोई मण्डल अध्यक्ष हैं उन्होंने मुझे टेलिफोनिक कहा कि चूंकि यह केस सारी जनता की भावना उद्वेलित कर रहा है इसमें कहीं किसी लेवल पर कोई गड़बड़ न हो इसके लिए आप इसकी कोई पुख्ता व्यवस्था करो। मैं सोचता हूं कि रेड्डी, आई.जी., जोधपुर अपनी ईमानदारी की दृष्टि से राजस्थान में नम्बर वन पर आते हैं। मैंने तुरन्त 9 तारीख के दिन ही यह जांच आई.जी., रेड्डी को व्यक्तिगत रूप से दे दी कि आप इसकी सही जांच करें और इसकी हैण्डराइटिंग के लिए जो एफ एस एल को भेजा है तुरन्त इसकी रिपोर्ट मंगवाकर इसमें जो भी मुलजिम हो, दोषी हो, जो भी हो, यह जरूर है कि उसने सुसाइड नोट में दो लोगों का नाम लिखा है, इसमें कोई दो राय नहीं पर सुसाइड नोट उनका है यह तो कम से कम वेरीफिकेशन हो जाए, बिना वेरीफिकेशन हुए अगर हम किसी के साथ करेंगे तो यह न्याय नहीं होगा।

मैं आपको और सदन को विश्वास दिलाता हूं कि जोर से बोलने से समस्या का समाधान नहीं होगा जो भी दोषी होगा वह निश्चित रूप से दण्ड पाएगा उसके लिए मैंने पहले से ही पुख्ता व्यवस्था की है। मैंने किसी के भरोसे या आपके यहां उठाने के बाद व्यवस्था नहीं की है। मैंने घटना के दूसरे

(श्री गुलाब चन्द कटारिया)

दिन ही केवल टेलिफोनिक सूचना मिलने के बाद 10 तारीख को बंद हुआ, मैंने यह सारा काम 9 तारीख को कर लिया। मैं आपको और सदन को विश्वास दिलाता हूं कि अगर इसमें किसी का भी दोष निकला, वह सज़ा पाएगा, इसमें हल्ला करने, चिल्लाने की इतनी आवश्यकता क्या है? आरोप-प्रत्यारोप लगाकर आप यह दबाकर मुझसे कोई जांच करवाना चाहेंगे तो मरे ही नहीं करूंगा इस बात का सोच लेना, जो करूंगा वह सही करूंगा और सही करने के लिए मेरा धर्म है उसके अनुसार मैं निश्चित रूप से करूंगा, आप निश्चित रहें। न कोई राजनीतिक दबाव है, न किसी का कुछ है। वास्तव में उसने हैंगिंग की है और सवेरे उससे दो लोग उसके घर मिलने गए हैं, जैसा उसके लड़के ने एफ.आई. आर. में लिखा है, उन सब चीजों को देख रहे हैं और इसके लिए इतने सीनियर अधिकारी को दिया इसीलिए है कि इसमें किसी प्रकार की कोई गड़बड़ न हो।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): होम मिनिस्टर साहब, आप सात्विक, महान मंत्री होने के बाद भी धमकी देते हो, बहुत तगड़ी धमकी दी है।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): धमकी नहीं दी।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आपने कहा इस तरह से शोरगुल करके जांच करवा लोगे क्या? तो आप शोरगुल किये बगैर जांच नहीं करते हो। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष :** धमकी देने की इनकी आदत नहीं है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): भलमनसाहत तो इस राज के अंदर कोई है ही नहीं। ...(व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): ×××

**श्री उपाध्यक्ष :** धमकी देने की इनकी आदत नहीं है।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक):×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): इन्होंने क्या कहा उसको नहीं सुना आपने। इन्होंने कहा इस तरह शोरगुल करके, दबाकर मुझसे जांच नहीं करवा सकते। ऐसा कहने का कोई अधिकार नहीं था।

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी):×××

**श्री भंवरलाल शर्मा** (सरदारशहर):×××

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक):×××

**श्री खुशवीर सिंह जोजावर** (खारची):×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): महावीर प्रसादजी, मर्यादा का तकाजा है कि आप बैठ जाएं।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक):×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): मर्यादा का तकाजा है कि आप बैठ जाएं। आप मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं गवर्नमेंट चीफ व्हिप होकर। ...(व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक):×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): क्या कर रहे हैं, आप बोलने ही नहीं दे रहे हैं।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक):×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): मेरी जिम्मेदारी निभा रहा हूं। मेरी जिम्मेदारी का आपको ज्ञान कराने की जरूरत नहीं है।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य ..(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): उपाध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट्री अफेयर मिनिस्टर साहब ने पाइंट आफ आर्डर उठाया कि माननीय संयम लोढा ने मंत्री महोदय पर आरोप लगाया है। मंत्री महोदय पर इन्होंने कोई आरोप नहीं लगाया और यह कोई पाइंट आफ आर्डर नहीं बनता। पूनम चन्दजी विश्नोई जब अध्यक्ष थे, व्यवस्था दी हुई है कि अगर मंत्री महोदय सामने बैठे हैं तो उनके ऊपर आरोप लगाया जा सकता है और वे तुरंत उसका उत्तर दे सकते हैं। यह व्यवस्था है। आपके चीफ व्हिप साहब को पूछ हो ...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): आप 273 पढ़ लें। अध्यक्षीय व्यवस्था इसके बारे में है, यह नियम और प्रक्रिया की किताब है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): यह सब पुराने हो गये। इसके बाद में व्यवस्थाएं हो गईं। ...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): राजस्थान विधान सभा प्रक्रिया और कार्य संचालन संबंधी नियम, इलेवन्थ एडिशन है। यह पुराना कहां हो गया? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): इसके बाद में जो व्यवस्थाएं होती हैं स्पीकर की तरफ से वे भी इतनी ही प्रभावी होती हैं जितना आपका

(श्री रामनारायण चौधरी)

नियम है और उन्होंने व्यवस्था दी थी कि अगर कोई माननीय सदस्य बोलते वक्त पासिंग रेफरेंस में किसी मंत्री के बारे में कुछ एलिगेशन लगाता है तो उसको लगाने का अधिकार है, आप रेफरेंस बुक मंगा लीजिए। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष :** माननीय नेता प्रतिपक्ष, आपका कहना उचित है, ऐसा कोई चलते के अंदर आक्षेप लगाया जाता है तो मंत्री मौजूद है तो उस आक्षेप का जवाब भी दे सकता है ..(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): पीपाड़ के मामले पर होम मिनिस्टर साहब का वक्तव्य दिला दीजिए। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष :** मंत्री महोदय ने जवाब दे दिया और भी कुछ कहना चाहें तो मैं उनसे कहूंगा इस बारे में कहें ..(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): पीपाड़ वाले मामले में स्टेटमैंट दिलवा दीजिए।

**श्री उपाध्यक्ष :** दे दिया स्टेटमैंट ..(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): पीपाड़ वाली दुर्घटना हुई है यह हमारे पूर्व मुख्य मंत्री भैरोंसिंहजी के जमाने में उन्होंने राष्ट्रपति पद दिलवाया था और उसको प्रमाण-पत्र दिया था। उस आदमी को आप लोगों ने मरवा दिया।

**श्री उपाध्यक्ष :** क्या बात कर रहे हो? (व्यवधान) काहे के लिए मरवा दिया? ऐसी क्या बात थी? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): प्रेरित किया है, बाध्य किया है उनको। यह पढ़ लो आप।

**श्री उपाध्यक्ष :** माननीय नेता प्रतिपक्ष, ऐसी कौनसी ..(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): इनके राज ने मरवा दिया।

**श्री उपाध्यक्ष :** ऐसा कौनसा राजनैतिक नेता था, क्या बात थी, काहे के लिए मरवा दिया? (व्यवधान) क्या इंट्रेस्ट था मराने में ..(व्यवधान) मर जाते हैं, पता नहीं किस प्रकार की बात है? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आत्महत्या करवाते हैं .. (व्यवधान) सुसाइड नोट लिखकर गया है उसकी कहते हैं मैं जांच करवा लूंगा। सुसाइड नोट की कभी जांच हुई है क्या? (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** हो रही है। जांच हो रही है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): मरते वक्त भी आदमी किसी पर कर सकता है क्या?

**श्री उपाध्यक्ष:** जांच हो रही है।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): सुसाइड नोट की एफएसएल में जांच होती है कि उसी का लिखा हुआ है या बाद में दाह संस्कार के बाद किसी ने लिखकर उसके तकिये के नीचे रखकर वह बरामद करवाया। क्योंकि वह उसी समय नहीं मिला, दाह संस्कार करके लौटकर आने के बाद तकिये के नीचे सुसाइड नोट मिला इस कारण से उस सुसाइड नोट का वेरिफिकेशन एफएसएल की टीम ही कर सकती है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): वह सुसाइड नोट उसी का है, आप देख लें, उसी का है। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** उसी की जांच हो रही है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): बहाने मत बनाओ, जो दोषी है उन पर केस बनाओ और चालान करो। दोषियों का चालान करो, उनको सज़ा दिलाने की व्यवस्था करो।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): बाकी व्यवस्था करने के लिए ही आईजी स्तर के अधिकारी, रेड्डी जैसे ईमानदार व्यक्ति को सारी तफ्तीश इसीलिए दी है किसी प्रकार का कोई दबाव इसमें काम नहीं आए। जिसका दोष है उसको लिया जाए। (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): इतना बड़ा ईमानदार कौनसा अधिकारी है जिसका आप जिक्र कर रहे हो?

**श्री उपाध्यक्ष :** उच्च अधिकारी है आईजी, जोधपुर। विश्वास है उन पर ..(व्यवधान) माननीय सदस्य बीच में नहीं।

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, अभी स्थगन प्रस्ताव के जरिये सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य ने पीपाड़ सिटी में घटना घटी, मुरलीधर व्यास ..(व्यवधान) पुरोहितान व्यास, अलग-अलग है, लेकिन वह मुरलीधर है, हमारे नगरपालिका का कर्मचारी या अधिकारी है। पीपाड़ सिटी व बिलाड़ा नगर पालिका बिलाड़ा निर्वाचन क्षेत्र की दो नगरपालिकाएं हैं और दोनों में बीजेपी का बोर्ड है और मैंने ..(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** पहले ही स्पष्टीकरण दे दिया।

**श्री भंवरलाल शर्मा** (सरदारशहर): ×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): इन्होंने कहा राजनैतिक दबाव के कारण ..(व्यवधान) संरक्षण दे रहे थे।

**श्री उपाध्यक्ष:** वह सरासर गलत है। (व्यवधान)..

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): पीपाड़ सिटी के अंदर बंद हुआ 10 तारीख को, अब सफल हुआ या असफल हुआ उस संदर्भ में नहीं जाना चाहता, मेरा खामख्वाह ..(व्यवधान) तकलीफ कहीं दूसरी जगह है सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य को और मेरे को बार-बार आज नहीं काफी समय से इनका एक टार्गेट है रामनारायण डूडी, मैं तो 1989 इलेक्ट्रोल पावटा से संयम लोढ़ाजी, मैं आपको जान रहा हूं, उस वक्त से आप जान रहा हूं जिस वक्त से कटिंग कर रहे थे इन अखबारों की। (व्यवधान) समझे ना आप। अखबारों की कटिंग अपने नेताओं को खुश करने के लिए कर रहे थे, उस वक्त से मैं इनको अच्छी तरह से जान रहा हूं। मैं यह नहीं कह रहा हूं ..(व्यवधान) बैठिए-बैठिए आप। आप बैठिए।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही निवेदन किया था इन्होंने जब कहा तो मैंने कहा प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाए और हमारा कहीं भी इस मामले के अंदर ..(व्यवधान)

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): राजनैतिक रूप से बंद करते हैं और कहते हैं क्या होता है, क्या नहीं होता है, ये राजनैतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। उसकी राजनैतिक रोटियां सिकी नहीं और हमारे गृह मंत्रीजी ने उस जांच को दूसरे दिन आईजी, जोधपुर को कर दी इसलिए ये छटपटा रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** धन्यवाद, हो गया।

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): इनको तकलीफ जैसलमेर से है .. (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष :** यह कोई नहीं। कोई स्पष्टीकरण नहीं, कोई एक्सप्लेनेशन नहीं ..(व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): यह मिनिस्टर के ऊपर आरोप है। आपके ऊपर आरोप है उसका आप खण्डन कर लीजिए।

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): मैं खण्डन कर रहा हूं बिलाड़ा कांस्टीट्युएंसी में पीपाड़ सिटी में जो घटना हुई है हमारा कहीं भी उसके अंदर मुलजिम जो बनने वाले हैं, बनेंगे, आफ्टर इंक्वायरी या पहले, उनको हमारा कोई भी संरक्षण नहीं है, यह मैं कहना चाहता हूं।

**श्री उपाध्यक्ष :** धन्यवाद।

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): इनको तकलीफ है जैसलमेर में ऋतु को रिसोर्ट अलोटमैंट नहीं हुआ, ये सुबह से फिराकर यह कहना चाहते थे ..(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** नेता प्रतिपक्ष ..(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आप बात सुनिए। यह बात नहीं है ..(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य, बीच में नहीं।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): उपाध्यक्ष महोदय, यह एक सच्चाई है कि आज के दिन पीपाड़ शहर की गली-गली में इस बात का शोर है कि रामनारायणजी डूडी इसमें दोषी हैं, गली-गली में शोर है।

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, यह सदन का दुरुपयोग है। गली-गली के अन्दर क्या है, क्या नहीं है ?

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): ×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): इस प्रकार से, मैं वहां से एम.एल.ए. हूं, गली-गली में क्या है, क्या नहीं है और इस केस के अन्दर जैसा कि .....

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): मेरा कोई अपराधबोध नहीं है।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): आप कैसे कह सकते हैं ? आपकी कांस्टीट्यूएंसी के अन्दर कोई होता नहीं है क्या ? क्या मतलब है ? इस प्रकार से कोई कांस्टीट्यूएंसी से संबंध जोड़ दो।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): सभी कांग्रेस पार्टी के पूरे शामिल होकर पीपाड़ आ जाना, मैं जा सकता हूं या नहीं जा सकता हूं। समझे कि नहीं समझे और किसको चेलेंज कर रहे हो ? मैं, उपाध्यक्ष महोदय, यह कहना चाहूंगा।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर):×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): उप पीपाड़ के अन्दर घटना हुई, हिन्दू मुस्लिम बात हुई और अशांति हो, अपनी राजनीति रोटियां सेकेंगे, वह मामला होने नहीं दिया और इन्क्वायरी चेंज करके, वह भी रिजल्ट और मैं तो कहता हूं, जो दोषी होगा वह भुगतेगा।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री भंवरलाल शर्मा** (सरदारशहर):×××

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): मंत्री मण्डल के सदस्य की जांच आईजी नहीं कर सकता। आप मंत्री मण्डल के माननीय सदस्य हैं, रेवेन्यू मिनिस्टर हैं, उनकी जांच आईजी नहीं कर सकता।

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना):×××

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** मंत्री के खिलाफ आरोप था ही नहीं ।

**श्री सांगसिंह भाटी** (जैसलमेर):×××

**श्री रामप्रताप कासनिया** (पीलीबंगा):×××

**श्री श्रवणकुमार** (पिलानी): ×××

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, मैंने दूसरा विषय ले लिया है। प्रक्रिया के नियम 295 पर चर्चा। श्री प्रभुलाल वर्मा। अंकित नहीं हो रहा है।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** रिकार्ड पर कोई चीज नहीं आएगी, आप नहीं पूछ सकते सवाल। माननीय सदस्य, आप काहे के लिए कर रहे हैं ?

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना):×××

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** इस पर चर्चा हो जाएगी।

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना):×××

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी):

**श्री उपाध्यक्ष:** नियमों के अनुसार कार्यवाही हो रही है।

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना):××× (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** गिरदावरियां बराबर हो रही हैं और इसका जवाब आपको समय पर दे दिया जाएगा। नियम 295 पर चर्चा । श्री प्रभुलाल वर्मा।

माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण कीजिए, मैंने दूसरा आइटम ले लिया है।

श्री प्रभुलाल वर्मा।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष):×××

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना):×××

**श्री श्रवणकुमार** (पिलानी):×××

**श्री रामप्रताप कासनिया** (पीलीबंगा):×××

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना):×××

**श्री रामप्रताप कासनिया** (पीलीबंगा):×××

**श्री श्रवणकुमार** (पिलानी):×××

**श्री उपाध्यक्ष:** अध्यक्ष महोदय ने व्यवस्था दे दी है।

**श्री श्रवणकुमार** (पिलानी): ×××

**श्री उपाध्यक्ष:** इस पर चर्चा होगी। अकाल राहत के अन्दर, इससे संबंधित जिला कलक्टर वगैरह सब जगह कर रहे हैं।

# नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख

## पीपल्दा के खातोली में नायब तहसील कार्यालय की स्थापना

**श्री प्रभुलाल वर्मा** (पीपल्दा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान

सभा क्षेत्र में तहसील हैडक्वार्टर पीपल्दा है जो तहसील पीपल्दा के ग्राम बागली, रामपुरिया धाबाई, जटवाड़ी, जटवाड़ा, बालूपा, छापोल, देलोद, गोठड़ा, उदयभनपुरा, नयागांव, ढीबरी चम्बल, ठीकरदा, गुडला आदि करीब 20 ग्राम तहसील पीपल्दा से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर हैं। इन ग्रामवासियों को तहसील कार्य से 30 से 50 किलोमीटर दूरी पर आना जाना पड़ता है। उक्त 20 ग्रामों में से 15 ग्राम ऐसे हैं, जहां कमाई का कोई जरिया नहीं है, सिंचाई के साधन भी उपलब्ध नहीं हैं, अत्यन्त गरीब लोग इन ग्रामों में निवास करते हैं तथा आवागमन के साधन भी समय पर उपलब्ध नहीं होते। इन गरीबों के पास बस के किराये के पैसे भी नहीं होते हैं। इधर-उधर करके प्रात: 7.00 बजे चलकर तहसील हैडक्वार्टर पीपल्दा पहुंचने में करीब 5 घंटे लग जाते हैं। और जब तहसील पहुंचते हैं तो पता चलता है आज तहसीलदार साहब कोटा या मीटिंग से अन्य काम से गये हुए हैं तो दूरदराज गांव से आये निराश होकर देर रात्रि को घर पहुंच पाते हैं। यदि तहसीलदार साहब का सायंकाल तक इंतजार करे तो इन्हें पीपल्दा में रहना पड़ता है क्यों शाम होने के बाद उन ग्रामों में वापस आने का कोई साधन नहीं है।

ऐसी स्थिति में गरीब किसान भूखे प्यासे रात्रि विश्राम पीपल्दा में करते हैं और अनावश्यक खर्चा हो जाता है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में यह 18वां क्षेत्र कहलाता है। यह क्षेत्र भा.ज.पा. का गढ़ माना जाता है। इस क्षेत्र की जनता ने पंचायत राज चुनावों में पंच से लेकर जिला प्रमुख तक भा.ज.पा. के चुने हैं। इनके विकास की अभी तक किसी भी सरकार ने नहीं सोची है। उक्त ग्रामों को भा.ज.पा. की सरकार से उम्मीद है और आशा करते हैं कि इनके विकास की गंगा भा.ज.पा. सरकार ही बहायेगी। इनकी भी मांग है कि पीपल्दा से 25 किलोमीटर दूर खातोली है जहां तक आने के साधन भी उपलब्ध हो जाते हैं। नायब तहसील खोलने की कृपा करावें जिससे कि उक्त ग्रामीणों को राहत मिलेगी एवं अनावश्यक खर्चे से बचेंगे।

अत: महोदया से मेरा निवेदन है कि उक्त परेशानी को ध्यान में रखते हुए मेरे विधान सभा क्षेत्र के कस्बा खातोली में नायब तहसील कार्यालय खोलने की कृपा करावें।

आदर सहित।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री जोगाराम पटेल।

## राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के नये परिसर हेतु आबंटित झालामण्ड स्थित भूमि पर कार्य का शीघ्र समापन

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जोधपुर शहर राजस्थान की न्यायिक राजधानी है। राजस्थान की स्थापना के साथ ही जयपुर को राजधानी और जोधपुर को न्यायिक राजधानी प्राप्त हुई थी। राजस्थान के माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर में है। मुख्य पीठ के भवन का निर्माण सन् 1937 में तत्कालीन राज मारवाड़ द्वारा करवाया गया था तदोपरांत दिनों दिन जनसंख्या वृद्धि, व्यावसायीकरण के कारण मुकदमों में अत्यधिक वृद्धि हुई है और उसी अनुसार न्यायिक अधिकारियों व माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपतियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है परन्तु माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपतियों की संख्या के अनुसार बैठने हेतु न्यायालय परिसर उपलब्ध नहीं है। इस हेतु झालामण्ड के पास स्थित सरकारी भूमि का आबंटन करने के सम्बन्ध में राजस्थान की यशस्वी मुख्य मंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे द्वारा प्रयास किये उसके लिए उनको बहुत-बहुत, कोटि-कोटि धन्यवाद। परन्तु उक्त कार्य अभी पूर्ण रूप से सम्पन्न नहीं हुआ है। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के भवन के विस्तार, मुकदमों की संख्या, पक्षकारान की रोजाना न्यायालय में आने की संख्या, आधुनिक उपयोग किये जाने वाले वाह्नों की संख्या, पक्षकारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ के लिए जो वर्ष 1937 में भवन बना था वह अपर्याप्त है और इस हेतु सरकारी जमीन जो झालामण्ड के पास उपलब्ध है, उपलब्ध करवाई जानी आवश्यक है।

हमारी सरकार से मांग है कि इस हेतु जो प्रयास किया उसके लिए कोटि-कोटि धन्यवाद, परन्तु इस कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण किया जावे।

**श्री उपाध्यक्ष:** आ गई आपकी बात। डा. भंवरलाल राजपुरोहित।

## मकराना में महाविद्यालय की स्थापना

**डा. भंवरलाल राजपुरोहित** (मकराना): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, नागौर जिले में नागौर, मेड़ता, कुचामन, डीडवाना, लाडनूं सभी उपखण्ड क्षेत्रों में महाविद्यालय कई वर्षों से खोले जा चुके हैं जबकि मकराना, परबतसर उपखण्ड क्षेत्र में चार लाख से ऊपर जनता, गरीब किसान मजदूर निवास करते हैं। ये ही इस अभागे क्षेत्र में उच्च शिक्षा सुलभता से प्राप्त करने में उपेक्षित एवं वंचित रहते जा रहे हैं। मान्यवर, यह क्षेत्र राजस्थान सरकार को सर्वाधिक

राजस्व आय जिले में सबसे ज्यादा देता आ रहा है। इस क्षेत्र में यदि महाविद्यालय खोला जाए तो मकराना की गरीब अल्पसंख्यकों की बच्चियों एवं मजदूरों की कन्याओं को सर्वाधिक फायदा होगा।

अत: सभी पहलुओं पर राज्य सरकार गौर कर इसी बजट सत्र में महाविद्यालय अथवा कन्या महाविद्यालय खोलने के आदेश प्रदान करे तो इस क्षेत्र की जनता सदैव आभारी रहेगी एवं इस सरकार ने तीन वर्षों में भरपूर शालाएं खोली हैं उसको फीडबैक भी भरपूर मिल सकेगा।

**श्री उपाध्यक्ष:** प्रो. बीरूसिंह राठौड़।

## बनीपार्क में सहभागिता से दो जलप्रदाय योजनाओं की स्वीकृति

**प्रो. बीरूसिंह राठौड़** (बनीपार्क): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियमों के नियम 295 के अन्तर्गत विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्रस्तुत है:-

महोदय, आपका ध्यान वित्त समिति की 537वीं बैठक दिनांक 10.4.06 में (उत्पादन एवं वितरण खण्ड दक्षिण) के कार्यक्षेत्र की दो जल प्रदाय योजनाएं, सहभागिता योजनाओं की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति की ओर आकर्षित है। दीपक कालोनी अनुमानित लागत 8.44 लाख व श्रीपुरम् कालोनी अनुमानित लागत 7.80 लाख है। वित्त समिति की बैठक द्वारा स्वीकृत उपरोक्त योजनाओं में योजना की लागत की 40 प्रतिशत राशि कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भू-खण्डधारियों द्वारा जमा करने का निर्णय लिया गया है। इस सम्बन्ध में मेरा निवेदन है कि इन योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ होने के बाद अनेक भू-खण्डधारियों द्वारा राशि जमा करवा दी जाती है किन्तु पाइप लाइन डालने से पूर्व राशि संकलित करने में कठिनाई आती है। ऐसी स्थिति में पूर्ण राशि जमा नहीं होने पर उक्त योजना क्रियान्वित नहीं हो पाती है जबकि सहभागिता योजनाओं में सभी भू-खण्डधारियों से पेयजल कनेक्शन लेने पर योजना की कुल लागत 10 प्रतिशत राशि जमा करके योजना पर कार्य आरम्भ किया जाता रहा है। इस सम्बन्ध में पूर्व में इसी तरह के आदेश मुख्य अभियंता, मुख्यालय के पत्र क्रमांक 2197 दिनांक 17.6.03 के द्वारा दिशा-निर्देश जारी किये हुए थे किन्तु बैठक में लिये गये निर्णय से उक्त योजना क्रियान्वित नहीं हो पा रही है। इससे आम नागरिकों में आक्रोश व्याप्त है।

(प्रो. बीरूसिंह राठौड़)

इसके अतिरिक्त दिनांक 1.7.06 की बैठक में एजेण्डा आइटम नं. 2 में भी राइडर लगाया गया है कि आवासीय कालोनी जयपुर विकास प्राधिकरण से अनुमोदित होनी चाहिए जब ही पाइप लाइन डाले जाने बाबत जन सहभागिता योजना लागू होगी इससे विधान सभा क्षेत्र बनीपार्क की स्वीकृत शेष 4 आवासीय कालोनी में जन-सहभागिता योजना में पाइप लाइन का कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका है।

अत: मेरी सदन से जनहित में मांग है कि कृपया उक्त आदेशों में पूर्व की भांति योजनाओं को क्रियान्वित किये जाने बाबत् शिथिलता प्रदान करने का कष्ट करें।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री रामलाल शर्मा।

## कालाडेरा स्थित कोका-कोला प्लाण्ट द्वारा जल दोहन

**श्री रामलाल शर्मा** (चौमूं): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान विधान सभा की प्रक्रिया के नियम 295 के अन्तर्गत विशेष उल्लेख का प्रस्ताव ''कालाडेरा स्थित कोका-कोला'' प्लांट द्वारा जलदोहन के संदर्भ में।

महोदय, निवेदन है कि एक ओर राजस्थान में पीने के पानी के लिए सैकड़ों कि.मी. दूर से पाइप लाइनों द्वारा योजना बनाकर जनता को पानी उपलब्ध कराया जा रहा है लेकिन राजस्थान में कुछ क्षेत्र ऐसा है जहां पर भूमि में जल उपलब्ध है।

महोदय, चौमूं तहसील में भी भूगर्भ में पर्याप्त पानी के स्रोत हैं लेकिन 1998 में कालाडेरा गांव में कोला-कोला का प्लांट लगने के बाद कालाडेरा, सांडसर, अनोपपुरा, घिनोई, जयसिंहपुरा, कल्याणपुरा, भोलपुरा आदि गांवों का जल स्तर दिन-प्रतिदिन तीव्र गति से गिर रहा है।

महोदय, जल हीजीवन है, इस ध्येय को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त गांवों के किसानों को खेती, पीने व पशुओं के लिए पानी सुरक्षित रह सके इसके लिए आवश्यक है कि इस फैक्ट्री के द्वारा किये जा रहे जल दोहन की अविलम्ब जांच करवाकर इस प्लांट पर प्रतिबंध लगाने का श्रम करें।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्रीजीवाराम चौधरी।

## सांचौर में बाढ़ से टूटी सड़कों की मरम्मत

**श्री जीवाराम चौधरी** (सांचौर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान

विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन सम्बन्धी नियम 295 के तहत विधान सभा क्षेत्र सांचौर में बाढ़ एवं अतिवृष्टि में टूटी सड़कों की मरम्मत करने के सम्बन्ध में।

महोदय, निवेदन है कि सांचौर से रानीवाड़ा की मुख्य सड़क सांचौर चार रास्ते से रानीवाड़ा की ओर जाने वाली 27 किलोमीटर सड़क बारिश में जगह-जगह से इतनी टूट गई है कि उस पर आवागमन मुश्किल हो गया है। सांचौर जिला मुख्यालय जालौर जाने वाली यह सड़क मुख्य सड़क है। मेरा माननीय सड़क मंत्रीजी से नम्र निवेदन है कि उपरोक्त सड़क की तुरंत मरम्मत कराई जाए ताकि वहां की जनता को आवागमन की सुविधा बहाल हो सके। ठीक उसी प्रकार जो सड़कें पी.एम.जी.एस.वाई. स्कीम में बनी हैं और वो भी बारिश से टूट गई हैं उनको भी नियमानुसार व्यवस्था करवाकर मरम्मत करवाने का कष्ट करें। धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री राकेश मेघवाल।

## आयुर्वेद को सरकारी सुविधा

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन का ध्यान राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन सम्बन्धी नियम 295 के अन्तर्गत विशेष उल्लेख प्रस्ताव के माध्यम से आकर्षित कर निवेदन करना चाहूंगा कि पूरे देश की सबसे प्राचीन चिकित्सा विधि जो आयुर्वेद चिकित्सा के नाम से जानी जाती है, को वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा पूर्ण सुविधा उपलब्ध नहीं करवाये जाने के कारण गर्त में जा रही है। सर्वप्रथम तो राज्य सरकार द्वारा इस विभाग के लिए न तो भवन बनाये जा रहे हैं, न ही इनके लिए बने पुराने भवनों की मरम्मत हेतु कोई राशि आबंटित की जा रही है। राज्य के लगभग सभी आयुर्वेद चिकित्सालयों के लिए या तो भवन उपलब्ध है ही नहीं और हैं भी तो बिलकुल जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं जहां चिकित्सक एवं उनके सहकर्मियों के बैठने का भी उचित स्थान नहीं है। आयुर्वेद औषधालयों में फर्नीचर बिलकुल टूटा-फूटा ही मिलेगा जिन पर बैठ कर चिकित्सक को स्वयं को भी कुण्ठाग्रस्त होते देखा जा सकता है। इन औषधालयों में चिकित्सा के उपकरण, स्टेशनरी एवं दवाओं का हमेशा अभाव बना रहता है। साथ ही आयुर्वेद चिकित्साकर्मियों के निवास की भी कोई उचित व्यवस्था नहीं होती है। न ही इन औषधालय भवनों में विद्युत व्यवस्था, पेयजल

(श्री राकेश मेघवाल)

कनेक्शन, टेलीफोन कनेक्शन, सफाई कर्मचारी की व्यवस्था होती है। ग्रीष्म काल में इन आयुर्वेद चिकित्सकों को कागज के पुट्टे से हवा खाते भी देखा जा सकता है।

मैं इस सदन का ध्यान इस ओर भी आकर्षित करना चाहूंगा कि भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् ने डिग्रीधारी आयुर्वेद चिकित्सकों को उनके आधुनिक चिकित्सा पद्धति के पर्याप्त अध्ययन एवं ट्रेनिंग के आधार पर तथा राज्य सरकार द्वारा घोषित अधिसूचनाओं सन् 1966, 1982 एवं 1986 के द्वारा भी ऐलोपैथी चिकित्सा का अधिकार प्रदान किये जाने के बावजूद भी इन्हें ऐलोपैथी चिकित्सा का अधिकार नहीं होने के कारण उन स्थानों पर जहां आयुर्वेदिक चिकित्सालय तो हैं लेकिन ऐलोपैथिक चिकित्सालय नहीं होने के कारण उस क्षेत्र की एक ए.एन.एम. जो इनके मुकाबले कुछ भी नहीं जानती, वह भी इनके अधिकारों को हनन कर मरीज को आगे तक रैफर कर देती है जबकि इन्हें रैफर तक करने का अधिकार भी नहीं होता है। उपरोक्त कारणों से आयुर्वेद चिकित्सक कुंठाग्रस्त होकर कार्य कर रहे हैं जिससे वे अपने कार्य को ठीक से अंजाम देने में असफल रह जाते हैं।

अत: मैं इस विशेष उल्लेख प्रस्ताव के माध्यम से राज्य सरकार से यह निवेदन करना चाहूंगा कि राज्य के आयुर्वेद विभाग को पूर्ण आर्थिक सहायता एवं आयुर्वेद चिकित्सकों को ऐलोपैथी चिकित्सा के अधिकार प्रदान करवाने की कृपा करायें ताकि मानसिक कुंठा से ग्रस्त ये चिकित्सक अपने आपको कुंठा से बाहर निकाल कर अपने कार्य को सही तरीके से कर सकें एवं राजस्थान की एक बहुत पुरानी चिकित्सा पद्धति को लागू किया जाये। आपने समय दिया, उसके लिए धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्रीमती लक्ष्मी बारूपाल (अनुपस्थित) श्री मुरारीलाल मीणा।

## बाणगंगा नदी पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-11 पर पुल का निर्माण

**श्री मुरारीलाल मीणा** (बांदीकुई): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमावली के नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख के प्रस्ताव की सूचना देना चाहता हूं।

मेरे विधान सभा क्षेत्र बांदीकुई व महुवा विधान सभा क्षेत्र की सीमा में

होकर बाणगंगा नदी गुजरती है। इस नदी को बालाहेड़ा, बालाहेड़ी होकर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-11 तक जाने वाली सड़क क्रास करती है। यह सड़क बांदीकुई से गोलाडा, निहालपुरा, बैजूपाड़ा, बालाहेड़ा, बालाहेड़ी गांव होकर जाते हुए महुवा तहसील मुख्यालय को जोड़ती है। विधान सभा क्षेत्र बांदीकुई के लगता हुआ क्षेत्र राजगढ़ है। यहां से राजगढ़, रेणी, करणपुरा होते हुए बालाहेड़ा जंक्शन पर सड़क मिलती है। इस प्रकार इस सड़क से तीन विधान सभा क्षेत्र महुवा, बांदीकुई व राजगढ़ की जनता का आवागमन होता है। लम्बे समय से बालाहेड़ा से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-11 वाया बालाहेड़ी सड़क पर पड़ने वाले बाणगंगा ब्रिज की जनता द्वारा मांग की जा रही है। वर्षा ऋतु में यह रास्ता पूर्णरूपेण अवरूद्ध हो जाता है जिसके कारण तीनों विधान सभा क्षेत्रों का आपस में आवागमन बन्द हो जाता है। अत: इस नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज या वेन्टेड काजवे बनाने के अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर मैं माननीय सार्वजनिक निर्माण मंत्रीजी का ध्यान दिलाना चाहता हूं। धन्यवाद।

**श्री अध्यक्ष:** श्री सुभाष चन्द्र शर्मा।

## कोटपूतली के विभिन्न गांवों में पेयजल योजना

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया एवं कार्य संचालन सम्बन्धी नियम 295 के अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र कोटपूतली के विभिन्न गांवों में पेयजल योजना से जोड़ने के सम्बन्ध में विशेष उल्लेख करना चाहता हूं।

मेरे विधान सभा क्षेत्र कोटपूतली में 1000 से अधिक आबादी वाले 106 ग्राम हैं जिनमें से 42 गांवों में पेयजल योजना चालू है। अन्य गांवों में अभी भी सरकार द्वारा किसी प्रकार की कोई पेयजल की योजना लागू नहीं की गई है। कई गांवों में तो भू-जल भी उपलब्ध नहीं है तथा कई गांवों में भू-जल का स्तर नीचे चले जाने से इन गांवों में हैण्डपम्प भी पानी खींच पाने में सक्षम नहीं है जिसके कारण इन गांवों में पीने के पानी की गम्भीर समस्या बनी हुई है। गर्मी के मौसम में तो बहुत से गांवों तथा ढाणियों में पेयजल की गम्भीर स्थिति पैदा हो जाती है। भू-जल उपलब्ध नहीं होने वाले गांवों में तो योजनाओं को प्राथमिक आधार पर स्वीकृत किया जाना चाहिए। इन गांवों में पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

अत: प्रक्रिया एवं कार्य संचालन सम्बन्धी नियम-295 के अन्तर्गत यह निवेदन करता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र कोटपूतली के 1000 से अधिक

(श्री सुभाष चन्द्र शर्मा)

आबादी वाले गांवों जिनमें सरकार द्वारा किसी प्रकार की पेयजल योजना नहीं बनाई गई है, उन गांवों में पेयजल की योजना बनाई जाये तथा जिन गांवों में भू-जल अत्यधिक नीचे चला गया है, उन गांवों को पाइप लाइन के माध्यम से जोड़कर पेयजल उपलब्ध कराया जाये। धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्षः** श्री मांगीलाल गरासिया।

## गोगुन्दा की प्रमुख सड़कों का निर्माण

**श्री मांगीलाल गरासिया** (गोगुन्दा): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं विधान सभा संचालन प्रकिया नियम 295 के तहत महत्वपूर्ण सड़क पक्की कराये जाने के सन्दर्भ में निवेदन करना चाहता हूं।

विधान सभा क्षेत्र गोगुन्दा के अन्तर्गत बहुत ही महत्वपूर्ण सड़कें एक जिले से दूसरे जिले को मिलाने तथा एक तहसील से दूसरे तहसील मुख्यालय को जोड़ने वाली प्रमुख सड़कें हैं जो बहुत ही कम दूरी को पार कर एक जिले से दूसरे जिले तक आने-जाने में सुगमता होगी। जो निम्न तरह से हैं :-

1. सड़क :- विसमा, पांबा से गोरिया
2. सड़क :- कड़ेच (चित्रावास) से कोयलवाव
3. सड़क :- चांपा की नाल (मेवाड़ों का मठ) से भीमाणा
4. सड़क :- तिलरवा (सामोली) से बोरी सिमा
5. सड़क :- सेनवाड़ा (गोगुन्दा) से माडा खेत (झाड़ोल फलासिया)
6. सड़क :- बोखाड़ा, कुर्रा से गोरिया
7. सड़क :- कुकावास (कोटड़ा) से पोसिना (गुजरात)
8. सड़क :- छणावल (गोगुन्दा) से आत्री, बारा (केलवाड़ा)
9. सड़क :- समीजा से लादेन घाटा, जुडा (कोटड़ा)
10. सड़क :- समीजा (कोटड़ा) से आमरी, सेनवाड़ा (गोगुन्दा)
11. सड़क :- नाथिया थल (नाल) से मादड़ी (पड़ावली कलां)

इस तरह से ये महत्वपूर्ण सड़कें हैं। इन्हें पक्की कराये जाने के लिए मैं सार्वजनिक निर्माण मंत्रीजी का ध्यान आकर्षित कर अनुरोध करता हूं कि इन्हें प्राथमिकता के आधार पर बनवाया जाये। बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्षः** श्री हरीसिंह रावत।

## भीम के कतिपय गांवों का आसीन्द पंचायत समिति में विलय

**श्री हरीसिंह रावत** (भीम): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन सम्बन्धी नियम 295 के तहत मेरे विधान सभा क्षेत्र के जैतगढ़ ग्राम पंचायत एवं दुदालिया, दातड़ा व अन्य गांवों को आसीन्द पंचायत समिति जिला भीलवाड़ा से जोड़ने के सम्बन्ध में पंचायती राज मंत्रीजी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

मेरे विधान सभा क्षेत्र भीम के जैतगढ़ पंचायत, माद पंचायत के दातड़ा, दुदालिया व काकरोद के रलायता, बटेरी गांवों को आसीन्द एवं माण्डल पंचायत समिति जिला भीलवाड़ा में सम्मिलित किये जाने से इन गांवों की जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है जिसके तहत जिला कलक्टर एवं मुख्य मंत्री महोदया एवं पंचायती राज मंत्रीजी को भी ज्ञापन दिया गया था। जिस के फलस्वरूप माननीय मुख्य मंत्रीजी का प्रत्युत्तर भी आया था कि मैंने पंचायती राज विभाग को आप द्वारा भेजा गया ज्ञापन कार्यवाही हेतु भेज दिया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, लेकिन आज ही मेरे विधान सभा क्षेत्र से फोन आया है कि ग्राम पंचायत जैतगढ़ को आसीन्द तहसील में जोड़ा जा रहा है। अगर यह ग्राम पंचायत उक्त तहसील में जोड़ी गया तो सभी ग्रामवासी आन्दोलन करने को बाध्य हो जायेंगे। कारण कि अगर यह पंचायत, पंचायत समिति आसीन्द में सम्मिलित होती है तो तहसील का कोई कार्य होगा तो 20 किलोमीटर आसीन्द जाना पड़ेगा। पुलिस उप अधीक्षक एवं उपखण्ड अधिकारी से कार्य होगा तो 45 किलोमीटर गुलाबपुरा जाना पड़ेगा। पुलिस स्टेशन एवं उप तहसील सम्बन्धित कार्य होगा तो 10 किलोमीटर बदनोर जाना पड़ेगा। इसी प्रकार काकरोद पंचायत का रलायता एवं बटेरी को भी माण्डल तहसील से जोड़ा जायेगा तो उनको भी वही परेशानी का सामना करना पड़ेगा जबकि मेरे क्षेत्र भीम में सभी कार्य एक ही छत के नीचे होते हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि उक्त परेशानियों को मध्यनजर रखते हुए उपरोक्त गांवों एवं ग्राम पंचायतों को यथा स्थान ही रखकर होने वाली तकलीफों से निजात दिलायें। धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्ष:** पर्ची के माध्यम से उठाये जाने वाले विषय। श्री दाताराम गुर्जर।

# पर्ची के माध्यम से उठाये गये मुद्दे

## गिरते जल-स्तर के चलते पेयजल की कमी

**श्री दाताराम गुर्जर** (खेतड़ी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, गिरते जल स्तर से पीने के पानी की कमी से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में। वर्षा की कमी के कारण से निरन्तर भूमि का जल स्तर नीचे गिरता जा रहा है जिसके कारण गांवों में पहले जहां हैण्डपम्प का पानी उपलब्ध हो जाता था, आज स्थिति यह आ गई है कि पानी का स्तर करीबन 400-500 फुट नीचे चला गया और ट्यूबवैल से भी पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है। सरकार ने इसके लिए काफी बजट खर्च किया, इसके बावजूद भी आज के जो संसाधन हैं, उससे जल स्तर के नीचे जाने से पूर्णतया पीने का पानी उपलब्ध नहीं हो सकता है। इसमें जल के स्तर को निरन्तर बनाये रखने के लिए पहले पूर्ववर्ती केन्द्र की सरकार, एन.डी.ए. की सरकार के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारीजी वाजपेयी ने नदियों को जोड़कर और पूरे देश का जल स्तर निरन्तर बनाये रखने का एक प्रयोग शुरू किया था लेकिन वर्तमान की केन्द्र की सरकार ने उस नीति को बिलकुल ठंडे बस्ते में डाल दिया और उसका परिणाम यह है कि आज पूरे देश में पानी का स्तर निरन्तर नीचे गिरता जा रहा है। कहीं पर बाढ़ की स्थिति होती जा रही है, कहीं सूखे की स्थिति है।

हमारी सरकार ने वर्तमान बजट में एक लाख एनीकट जो राजस्थान में बनाने के लिए प्रावधान रखा है, निश्चित रूप से यह प्रशंसा के योग्य है और सरकार का एक कदम आगे बढ़कर सोच इससे स्पष्ट हुआ है। मैं, उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्मय से यह निवेदन करना चाहता हूं कि यह सारे एनीकट्स शीघ्र बनें और जल के स्तर को निरन्तर बनाये रखने के उपयोग में यह उपयोगी साबित हों। हमारी सरकार ने पिछली बार 15 मई से 15 जून तक जल चेतना का कार्यक्रम चलाया, निश्चित रूप से पूरे देश में यह कार्यक्रम बहुत अच्छा साबित हुआ और जनता में जल के प्रति जाग्रति पैदा करने का अच्छा कदम भी यह माना गया है। इस कदम के तहत इस वर्ष भी सरकार जल चेतना का कार्यक्रम पुन: चलाये और जनता में जब तक जाग्रति नहीं आयेगी तब तक जल का स्तर कभी रूक नहीं सकता और जल का अधिक दोहन जो अनावश्यक रूप से भी किया जाता है उस पर कंट्रोल किया जाना जरूरी है। सरकार उसके लिए वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर डवलप करे और इसमें अच्छा पैसा लगाये। अब कई गांवों में मेरे क्षेत्र में ही 85 राजस्व गांव हैं

(श्री दाताराम गुर्जर)

जिनमें से क्षेत्रीय योजना के 11 गांव हैं और पाइप्ड योजना में 16 गांव हैं, टीएसएस के 38 गांव हैं, बाकी के 20 गांव बचे हुए हैं उनकी आबादी करीबन 1500 से अधिक की है और उनमें हैण्डपम्प स्कीम हैं। आज हैण्डपम्प से जनता के पानी की व्यवस्था की पूर्ति नहीं हो सकती इसलिए सरकार एक नीति बनाकर, जिस प्रकार से सड़क से गांवों को जोड़ने की हमारे पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयीजी ने पूरे देश में सड़कों से जोड़ने की नीति बनाई, उसी प्रकार से, उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहूंगा और मेरा सुझाव रखना चाहूंगा कि राजस्थान में भी मुख्य मंत्री जल योजना नाम की कोई स्कीम चालू करके और आबादी के हिसाब से जो 1500 से अधिक की आबादी के हैं, एक हजार की आबादी के हैं और उससे नीचे की आबादी के जो भी गांव हैण्डपम्प स्कीम में हैं उनको नीतिगत तय करके सरकार उसमें कोई इस प्रकार की स्कीम बनाये ताकि सभी गांव पेयजल से जुड़ सकें और इस प्रकार से जो भूमि का जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है, ऐसे ही गिरता रहा और पानी के सोर्सेज स्थापित नहीं किये गये तो निश्चित रूप से पीने के पानी की भयंकर समस्या उत्पन्न हो जायेगी। इसलिए इन गांवों में, जो 1500 से अधिक की आबादी के हैं, सरकार नीतिगत कोई तय करके उनको एक हजार तक की आबादी के गांवों में पेयजल स्कीम से जोड़कर और अभी इस गर्मी तक तो नहीं हो सकता लेकिन सरकार इस बार यह तय कर ले तो अगली गर्मी से पहले पीने के पानी की पूरे राजस्थान में व्यवस्था करवा सकती है। उपाध्यक्ष महोदय, इस संबंध में आपने जो समय दिया इसके लिए धन्यवाद, जय हिन्द।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री शंकर सिंह राजपुरोहित।

**श्री सांवर लाल** (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने पर्ची के माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है। राजस्थान अपने देश का सबसे बड़ा प्रदेश है, दस प्रतिशत एरिया है और पानी जो बरसात का है, 1.16 प्रतिशत है। भू-जल केवल 1.7 प्रतिशत है और वह भी खारा और फ्लोराइड का। ऐसे में गिरते जल स्तर के संबंध में जो चिंता प्रकट की है, पूरे सदन की और राज्य की जनता की चिंता है। बरसात होना, नहीं होना, कहां होना, यह सब नेचर के ऊपर, प्रकृति के ऊपर निर्भर है माननीय उपाध्यक्ष महोदय और इस बार हमने देखा भी है कि जहां हिन्दुस्तान में चेरापूंजी में रिकार्डेड बरसात होती थी वहां तो अकाल की स्थिति है और

(श्री सांवर लाल)

बाड़मेर जहां बरसात को तरसते थे वहां पर बाढ़ आ गई। तो ऐसी स्थिति में जो भगवान करेगा, वह तो उनकी कृपा है, प्रकृति की कृपा है पर जो उपलब्ध है उसका ओप्टिमम यूटिलाइजेशन करें, उसके प्रति चिंता करें, यह हमारी सबकी चिंता होनी चाहिए और मैं यह कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्रीजी ने तीन वर्ष में इस वाटर सेक्टर में और जल का महत्व समझाने का जनता को जो प्रयास किया है, निश्चित रूप से एक प्रशंसा का काम है। जल अभियान चलाना, जल चेतना यात्रा और जल चेतना यात्रा भी जब टेम्परेचर लगभग 48 डिग्री पर हो, 16 मई से 15 जून तक, और लगभग राज्य के बीस हजार गांवों में जाने का कोई सरकार साहस करे, यह पहली बार हुआ है और मैं यह कहता हूं कि काफी कुछ लोगों को इस बात का समझ में भी आया कि पानी बहुत महत्वपूर्ण है, प्रकृति की देन है, इस दुनिया में पानी और खून ऐसे हैं जो किसी फैक्टरी में, इण्डस्ट्रियल एरिया में नहीं बनाये जा सकते, इसलिए इसके उपयोग के प्रति चिंता करनी है। तीन साल में तीन सौ करोड़ के एनीकट, सवा सौ के लगभग माइनर इर्रिगेशन प्रोजेक्ट, नहरी क्षेत्र के अंदर काफी कुछ डिसिल्टिंग, मोगे ठीक कराना करके टेल तक पानी पहुंचाना, यह सारी व्यवस्थाएं हुई हैं। तो निश्चित रूप से सवा लाख वाटर स्ट्रक्चर्स जिनको हम कह सकते हैं फार्म पौण्ड राजस्थान में बनाये। इस संबंध में जो दूसरे डिपार्टमैंट्स ने किया, और भी कुछ किया है, माननीय सदस्य ने जो चिंता पीने के पानी के लिए भी की है तो इनको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि सरकार की तरफ से साढ़े छह हजार करोड़ की तो सरफेस वाटर से ड्रिंकिंग वाटर की योजनाएं हमने सैंक्शन की और एक्जीक्यूशन शुरू किया है, यह मिलेगा, बाकी छोटे-छोटे आबादी एरिया में भी हमने आबादी को प्रमुख आधार नहीं मानकर जहां की परिस्थितियां, जहां आवश्यकता है उसके हिसाब से यह पी. एण्ड टी. योजनाएं, दूसरी योजनाएं शुरू की हैं तो मैं यह भरोसा दिलवाना चाहता हूं कि जल के प्रति, गिरते हुए स्तर के प्रति सरकार चिंतनशील है, निश्चित रूप से आप सब के सहयोग से राज्य में वाटर मेनेजमैंट में सबका इन्वाल्वमैंट हो, आम जनता का सहयोग उसके अंदर हो, इस बात का सरकार प्रयास करेगी। इस बार भी जल चेतना यात्रा हम गर्मी के महीने में निकालने जा रहे हैं। माननीय मुख्य मंत्री जल योजना के अन्तर्गत जो आपने मांग रखी है, इस बारे में भी विचार करेंगे, कौन सी योजना शुरू की जा सकती है जिससे गरीबों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाय, इस बारे में भी मैं विश्वास दिलाता हूं कि

(श्री सांवर लाल)

हम विचार करेंगे, कोई कार्यवाही करेंगे। आपने बहुत ही महत्वपूर्ण जो बिंदु है उसकी तरफ ध्यान दिलाया है इसके लिए धन्यवाद भी मैं माननीय सदस्य को देना चाहता हूं।

**श्री उपाध्यक्ष:** धन्यवाद मंत्रीजी। श्री शंकर सिंह राजपुरोहित।

## राज्य में पशुधन की घटती संख्या

**श्री शंकर सिंह राजपुरोहित** (आहोर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान एक कृषि प्रधान प्रदेश है और पशु प्रधान भी। राज्य की जाट, गुर्जर और आदिवासी जनजाति का बहुत बड़ा भाग पशुपालन पर आधारित उनकाजीवन है और पिछले दस वर्षों से जिस तरह से पशुधन राज्य की धरती से लोप होता जा रहा है, यह एक चिंता का विषय है। अगर सीमांत क्षेत्र का विषय ले लें तो सीमा पर रहने वाला हमारा बंधु, उसका मुख्य काम रहता है पशुपालन और वहां से भी अगर पशुधन कम हो गया तो वहां उस सीमा पर रहने वाला हमारा बंधु जो सीमा की सुरक्षा भी करता है वह भी लोप हो जायेगा, इससे सीमा का भी खतरा बढ़ जायेगा, सीमा की सुरक्षा का भी खतरा बढ़ जायेगा। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं कुछ आंकड़ों के माध्यम से, जो राजस्थान पशु चिकित्सा परिषद के आंकड़े हैं, पशुधन की जो भारी कमी हुई है, 1997 में भेड़ लगभग दो करोड़ थी, 2003 में वह डेढ़ करोड़ पर आ गई। गौवंश एक करोड़ 19 लाख था जो 2003 में एक करोड़ से भी नीचे आ गया। ऊंट 6 लाख 70 हजार जो थे, जो रेगिस्तान का जहाज कहलाता है, वह आज पाँच लाख के करीब आ गये। तो यह एक चिंता का विषय है कि हमारे राज्य की एक बहुत बड़ी ग्रामीण आबादी जो पशुधन के ऊपर निर्भर रहती है और उनका कम हो जाना, इसके पीछे के रीजन हमें निकालने पड़ेंगे। इसके साथ ही जैसलमेर सीमांत क्षेत्र के दौरे पर सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक ए.के. मित्रा गये, उनका बयान तो एकदम चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की तरफ अगर सबसे ज्यादा पशुधन की जो तस्करी हो रही है, गौवंश की जो तस्करी हो रही है, वह राजस्थान से जा रहे हैं। यह एक पुलिस अधिकारी का, महानिदेशक का जो बयान है यह हमारे लिए चौंकाने वाला है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार में कुछ पश्चिमी सीमा से ऐसे तस्कर जो जुड़े हुए थे, उनकी सरकार के नुमाइंदों से जुड़े हुए थे, मैं नाम लेना चाहूंगा गाजी फकीर का।

(श्री शंकर सिंह राजपुरोहित)

जो पिछली सरकार के कांग्रेस के छोटे-छोटे नुमाइंदों से जुड़े हुए थे और उनका काम पशुधन की तस्करी करना, हथियारों की तस्करी करना, उसके कारण आज जो पश्चिमी राजस्थान के सभी जिलों में छोटे-छोटे तस्कर उनकी शरण में जाने को हो गये तैयार कि इतनी भारी मात्रा में जो यह तस्करी हो रही है यह हमारे लिए चिंता का विषय है। गौ-शालाओं के माध्यम से सरकार ने, मैं मुख्य मंत्रीजी वसुंधरा राजे को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा कि 50 साल के इतिहास में अगर किसी मुख्य मंत्री ने एक गौशाला के संरक्षण के लिए अपने बजट में प्रावधान किया तो पिछली सरकार के बजट में एक करोड़ सत्ताइस लाख का प्रावधान करके गौशालाओं के, गौ-वंश के लिए बहुत बड़े अभिमान का काम किया। इस बार भी गौ-सेवा आयोग के लिए दो करोड़ था लेकिन वह भी कम है। तो यह घटती हुई गौ-वंश और बाकी पशुओं की जो संख्या हैं, हमारे लिए चिंता का विषय है।

मैं माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से पशुपालन मंत्रीजी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि कहीं-न-कहीं, किसी न किसी प्रकार से नियमों में कहीं-न-कहीं कमजोरी है जिसके कारण से यह पशु-धन की तस्करी होती है। मैं आपका ध्यान माननीय उपाध्यक्ष महोदय कांग्रेस सरकार के समय मंडावर के थाने में गौ-वंश की तस्करी में पकड़ा गया एक ट्रक और दस दिनों के अन्दर वह ट्रक तीन बार पकड़ा गया मतलब पकड़ा जाता है और पैसे देकर छोड़ दिया जाता है की ओर दिलाना चाहूंगा जो कि हमारे लिए यह बड़ी शर्म की बात है। इसलिए मैं आपके माध्यम से पशुपालन मंत्री को निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसे कहीं-न-कहीं इस प्रकार का नियम करें जो पशुपालन के पशुओं की तस्करी में लाया जाने वाला वाहन जैसे मादक पदार्थों की तस्करी में वाहन लाया जाता है उसके लिए जो कड़े कानून बनाये जाते हैं 69-बी का जो आबकारी कानून है वाहन जब्ती का, वह कानून भी पशुपालन मंत्री महोदय इस, जो पशुओं की तस्करी में हो रही है इसकी रोकथाम के लिए ऐसा कानून लाया जाए और उसके बाद मैं ध्यान दिलाना चाहूंगा माननीय गृहमंत्री महोदय का और मैं उनको धन्यवाद देता हूं कि बार्डर पर अच्छे मजबूत थाने और उनके एस.एच.ओ. इस प्रकार के मजबूत किए कि पिछली सरकार की जो बार्डर पर तस्करी के माध्यम से पकड़ी गई दो-दो, चार-चार बार ट्रकें इस बार की घटनाओं में कमी हुई है। मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि सीमान्त जो है हमारा, पश्चिमी सीमा, जो सुरक्षा प्रहरी इस देश की सुरक्षा करता है उस पर

(श्री शंकर सिंह राजपुरोहित)

भी इस प्रकार की निगरानी रखें और उसके लिए जो कोई भी पुलिस की व्यवस्था चाहिए, वह हमें करनी चाहिए और ऐसे जांबाज बहादुर अफसरों को वहां लगाया। जिस सीमांत, मतलब यह एक मंत्रीजी ने एक बयान में कहा है कि सौ से अधिक तस्करों को मारा गया, मतलब मुठभेड़ में मारा गया, मतलब तस्कर ये पशुओं के तस्कर भी होते हैं जो आमने-सामने मुठभेड़ करते हैं तो हमारी जनता, हमारे राजस्थान का जो ग्रामीण बंधु, आदिवासी बंधु जिन पशुओं के भरोसेजीता है, उनकेजीवनजीने का, उनकी रोजी और रोटी का जो सवाल है इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय पशुपालन मंत्री महोदय, एक निवेदन यह करना चाहूंगा कि एक तो यह नियम में कहीं-न-कहीं यह कठोरता आप बयान करेंगे कि उनमें वाहन के मालिक पर भी कार्यवाही, आप बतायें एक भी केस ऐसा हुआ है वाहनों की तस्करी में किसी वाहन के मालिक पर कार्यवाही की हो तो बतायें। आज दिन तक नहीं हुई है, ले-देकर वाहनों को छोड़ दिया जाता है। इसलिए कहीं-न-कहीं तो यह कठोरता लानी पड़ेगी और मैं सरकार से निवेदन करता हूं आपके माध्यम से कि एक ऐसा हिन्दुस्तान के इतिहास में इतिहास बनाये कि ऐसा पशुधन पर तस्करी में लाने वाला वाहन उसको जब्त करके इतना कठोर कानून बनायें और एक इतिहास बने। इसके साथ ही मेरा एक और निवेदन है कि जो पशु वास्तव में, गौ-वंश की जो तस्करी हो रही है उसकी नस्ल के सुधार के लिए गौ-सेवा आयोग को दो करोड़ दिये हैं लेकिन वह भी कम है और दूसरा पश्चिमी राजस्थान के अंदर जो बड़ी गौ-शालाएं हैं जैसे पथमेड़ा गौ-शाला अभी बाड़मेर में कुछ दिनों पहले एक ट्रक पकड़ी गई और उन ट्रक को कौन रखें? तो पथमेड़ा गौ-शाला भेज दिया। अब सरकार अनुदान अभी तक चालू नहीं किया वहां पर, बाड़मेर-जैसलमेर में कर दिया है, जैसलमेर-बाड़मेर में तस्करी जो पकड़े गये पशु गौ-शाला में रख दिए हैं लेकिन अनुदान चालू नहीं किया है। मैं आपके माध्यम से आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि उस गौ-शाला के लिए कहीं-न-कहीं अनुदान की व्यवस्था की जाए और चारे के डिपो की व्यवस्था की जाए क्योंकि अकाल राहत में यह जिला नहीं होने के कारण, लेकिन गौ-शाला के लिए जैसा गत पर किया था, वैसा इस बार भी एक स्पेशल पैकेज देकर और अनुदान की व्यवस्था की जाए। यही मेरा निवेदन है।

**श्री उपाध्यक्ष:** धन्यवाद। श्री राव राजेन्द्र सिंह।

**श्री प्रभुलाल सैनी** (कृषि मंत्री): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आहोर से

(श्री प्रभुलाल सैनी)

आने वाले माननीय सदस्य की चिंता, यह सच है कि 1997 में जब पशुओं की गणना हुई उसमें गौ-वंश एक करोड़ इक्कीस लाख था और जब 2003 में जब गणना हुई तो एक करोड़ आठ लाख गौ-वंश रहे। जहां तक तस्करी का प्रश्न है माननीय उपाध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सदन को जानकारी देना चाहूंगा कि राजस्थान में गौ-वंश (वध) प्रतिषेध एवं अस्थाई प्रवर्जन या निर्यातक विनियमन अधिनियम 1995 बना हुआ है और इस अधिनियम में कई कड़े प्रावधान किए गए हैं। जिसमें गौ-वंश को राजस्थान के बाहर तस्करी ले जाने पर रोक के प्रावधान किये हैं और उसमें धारा-8 में माननीय उपाध्यक्ष महोदय प्रावधान किये गये हैं कि यदि इस प्रकार की तस्करी की जाती है या उसमें वाहन पकड़े जाते हैं तो निश्चित रूप से मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के प्रावधानों के अंतर्गत वाहन को जब्त भी किया जाता है लेकिन माननीय उपाध्यक्ष महोदय जैसा माननीय सदस्य जानते हैं कि आबकारी अधिनियम की भांति इस अधिनियम को और कठोर किया जाए इसके बारे में एक माननीय मुख्य मंत्रीजी के निर्देशन पर एक मंत्री-मण्डलीय उप-समिति बनी है। जिसमें राजस्थान के बछड़ा, बछड़ी जो निर्यात या अस्थाई प्रवर्जन किए जाते हैं उनकी रोकथान के बारे में विचार किया जा रहा है। मैं आपको यह जानकारी देना चाहूंगा कि माननीय उपाध्यक्ष महोदय कि निश्चित रूप से इस अधिनियम की धारा-6 यह प्रावधान करती है कि यदि बिना परमिट के किसी भी गौ-वंश को स्टेट के बाहर ले जाया जाएगा, उसको एक वर्ष से लेकर सात वर्ष तक की सज़ा देने के प्रावधान उसमें किए हुए हैं। जहां तक वाहन के बारे में भी माननीय उपाध्यक्ष महोदय धारा-6 में प्रावधान दिया हुआ है यदि उसका मालिक या उसका कोई भी ड्राइवर जो कि उसका वाहक जो ले जाने वाला है यदि इसमें वह भी पकड़ा जाता है, उसमें लिप्त पाया जाता है तो उस पर भी उतनी ही सज़ा के प्रावधान दिये गये हैं माननीय उपाध्यक्ष महोदय जो धारा-3 के प्रावधानों के अंतर्गत उस अपराधी को दिया जाएगा जो यहां राजस्थान से बाहर उसको लेकर जाएगा दूसरा, प्रश्न माननीय उपाध्यक्ष महोदय आपने जानना चाहा कि राजस्थान में पशुओं की नस्ल के संवर्द्धन के बारे में भी सरकार को कुछ करना चाहिए। इसके बारे में मैं जानकारी देना चाहूंगा कि माननीय मुख्य मंत्रीजी ने अभी बजट में घोषणा की है कि राजस्थान में प्रमुख जो हमारी प्रजाति हैं राठी, थारपारकर, गिर और काकरे। इन गौ-वंश को बचाने के लिए हम लोग एक विशेष अभियान भी चला रहे हैं और राजस्थान में पशु

(श्री प्रभुलाल सैनी)

नस्ल के बारे में हमने एक नीति भी लागू की है, निश्चित रूप से राजस्थान का गौ-वंश संरक्षित होगा, पल्लवित होगा और जहां तक गौ-शालाओ के अनुदान का प्रश्न है माननीय उपाध्यक्ष महोदय अभी 793 गौ-शालाओं का रजिस्ट्रेशन राजस्थान में है और लगभग 2 लाख 86 लाख हजार और पशु उनमें अभी संधारित किए जा रहे हैं। जहां अभावग्रस्त क्षेत्र हैं वहां पर उनको अनुदान देने की व्यवस्था भी दी जा रही हैं और जहां अधिक अनुदान देने का प्रश्न है माननीय उपाध्यक्ष महोदय इस पर सरकार विचार कर रही है। जहां भी जैसी स्थिति होगी सीमित संसाधनों को देखते हुए हम उस पर कार्यवाही करेंगे।

**श्री उपाध्यक्ष:** धन्यवाद। श्री राव राजेन्द्र सिंह। आपकी दुविधा दूसरी है (व्यवधान)

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक छोटा-सा निवेदन कर रहा हूं कि पशुपालन मंत्रीजी, कृषि और पशुपालन में बहुत ही जानकारी रखते हैं और पर्ची के माध्यम से उठाये गये मुद्दों का जवाब दे रहे हैं तो मेरा भी एक निवेदन है कि हमारे जिले में मैं लगातार 15 वर्षों से इस सदन में मांग कर रहा हूं (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** आपकी मांग दूसरी है।

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना): आप तो काश्तकार हैं साहब, दो मिनट आप यह सुन लेंगे मेरी बात तो सदन पर कोई बोझ नहीं आ जाएगा। तीन साल तक के बछड़े को बाहर ले जाने के लिए रोक है और वह कृषि के लिए ले जाते हैं, उसको काटने के लिए नहीं ले जाते हैं। हमारे नागौर के एशिया के प्रसिद्ध मेले बर्बाद हो रहे हैं। नागौरी नस्ल का बैल समाप्त होने जा रहा है। मेरा आपसे निवेदन है कि इस पर भी आप विचार करके इसमें संशोधन करें तो हमारे मेले बच सकते हैं और हमारी नस्ल वापिस तैयार हो सकती है। यह कहना चाहता था मैं माननीय उपाध्यक्ष महोदय। मैं लगातार 15 वर्षों से इस सदन में यह मांग कर रहा हूं।

**श्री उपाध्यक्ष:** आपकी तो शुरू से ही यह डिमाण्ड है। (व्यवधान)

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना): वो कहना चाह रहे हैं, मंत्रीजी कुछ कह रहे हैं सुन तो लो आप।

**श्री उपाध्यक्ष:** वह इस समय क्या कहेंगे?

**श्री प्रभुलाल सैनी** (कृषि मंत्री): नहीं, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जैसा

(श्री प्रभुलाल सैनी)

मैंने कहा कि इस बारे में एक हमारी मंत्रिमंडलीय उपसमिति बनी हुई है हम लोग सभी वर्गों से, किसानों से और इससे जुडे सभी लोगों के विचार हम लोग ले रहे हैं। निश्चित रूप से कोई न कोई ऐसा निर्णय जो समिति उचित समझेगी, हम लोग शीघ्र लेंगे।

**श्री उपाध्यक्ष:** उस कमेटी में आप सदस्य हैं कि नहीं?

**श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना): मैं सदस्य हूं कि नहीं उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है साहब, यह काम सरकार का है सरकार करेगी ।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री रावराजेन्द्र सिंह। भू-माफिया द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति की भूमि हड़पने के संबंध में।

## अनुसूचित जाति-जनजाति की भूमि का हस्तान्तरण

**श्री राव राजेन्द्र सिंह** (बैराठ): सम्माननीय उपाध्यक्ष महोदय, भारतवर्ष के स्वाधीनता प्राप्त करने के उपरांत इस देश के संविधान निर्माताओं ने उन समस्त जातियों को जो कि पिछले कई वर्षों से शोषण का शिकार थीं, संविधान की अनुसूची में डालकर उनको संरक्षण प्रदान करने की कृतज्ञता की है उसी भावनाओं के अनुरूप राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा-42 सैक्शन-2 के प्रावधानों का संस्मरण राजस्थान राज्य में उच्चस्थापित किया गया है। इस धारा के माध्यम से उन समस्त अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को जिनके पास में अपनी कृषि भूमि है उनके हस्तांतरण पर यानी, धन के अभाव और प्रभाव दोनों को संतुलित करने के लिए इस धारा का इस्तेमाल उनके स्वामित्व के संरक्षण के लिए राजस्थान प्रदेश में प्रतिपादित किया हुआ है। पिछले तीन वर्ष से ज्यादा समय में इस कानून का सर्वत्र उल्लंघन करके इन अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को उनकी कृषि भूमि को गैरकानूनी तरीके से खरीद-फरोख्त करके कुछ ऐसे लोग-बाग़ जो इन्हीं जाति के हैं इसका दुरुपयोग करके इन जमीनों का हस्तांतरण कर रहे हैं । उदाहरण के तौर पर मैं अर्ज करना चाहूंगा कि बावरिया जाति के जो लोग-बाग़ हैं उनके रिकार्ड में बावरिया को बागरिया करके और उनकी जमीन का हस्तांतरण करने के लिए बागरिया होने के बाद वो ओबीसी में आ जाते हैं और कोई भी आदमी उस जमीन को ले सकता है। ऐसे-ऐसे लोग-बाग़ हैं जिनके जाति प्रमाण पत्र, जिनके रिश्तेदार, जिनकी धर्मपत्नी, जिनके बच्चे आज भी अनुसूचित जाति में हैं वो ही तहसीलदार, वो ही तहसील और वो ही राजस्व के कर्मचारी उनको जाति

(श्री राव राजेन्द्र सिंह)

प्रमाण-पत्र तो अनुसूचित जाति का दे रहे हैं उसी व्यक्ति की उसी की फोटो और वो अपनी जाति को छिपाकर बागरिया नाम से उनकी भूमि का हस्तांतरण कोई अन्यत्र लोगबाग अपने नाम पर करा रहे हैं। इसी प्रकार विराटनगर तहसील में 15 दिसम्बर को राजस्थान पत्रिका के माध्यम से एक बहुत बड़ा इस तरीके का भू-माफिया का जो वहां काम चल रहा था उसको उजागर किया था। इसके दो पहलू हैं एक तो कानून का उल्लंघन हो रहा है जहां गलत आदमी को लेकर पेश कर रहे हैं अहीर जाति के व्यक्ति को चमार जाति का बताकर या रैगर जाति का बताकर सामने खड़ा किया गया। व्यक्ति हरियाणा का था उसका हस्तांतरण करके सात सौ बीघा जमीन को हस्तांतरण कर दिया गया। दूसरी बात जो लेने वाला है जो उस जाति का जो व्यक्ति जिसको ले रहा है वो एक ऐसा व्यक्ति है एक ऐसा परिवार है जो बी.पी.एल. श्रेणी का परिवार है। सात सौ बीघा जमीन का आदान प्रदान और दो सौ बीघा जमीन अभी भी उसके नाम पर है अगर वो डी.एल.सी. रेट भी देख ली जाए तो करोड़ों में वो डी.एल.सी. रेट आएगी। कहां से आया यह पैसा कौन इन जमीनों की खरीद कर रहा है? हो यह रहा है कि जिस अधिनियम को इसलिए लागू किया गया था कि ये जमीनें इन आदिवासी लोगों को और अनुसूचित जाति के लोगों के पास में रहे, आज न तो उनको पैसा मिल रहा है, उनके ऊपर तो ये और दण्ड है कि तुम्हारी अगर गलत तरीके से हमने जमीन ली है तो तुम्हारे को ये पैसा भी लौटाना पड़ेगा। न तो उनको पूरा पैसा मिल रहा है अपनी संपदा से भी उनको हाथ धोना पड़ रहा है और धीरे-धीरे ये सारी की सारी संपदा किसी कंपनी अधिनियम के तहत किन्हीं कंपनियों के अधीनस्थ हो रही हैं। एक जांच राजस्थान पत्रिका में छपने के उपरांत एस.डी.एम. कार्यालय से कलक्टर ने करायी और कलक्टर ने साफ लिखा है कि कंपनी अधिनियम में यह बात साफ है कि अगर आप, कंपनी की कोई जाति नहीं होती लेकिन अगर कंपनी में एक डाइरेक्टर भी अनुसूचित जाति का है और बाकी डाइरेक्टर स्वर्ण जाति के हैं तो वो इसको हस्तातरण करा रहे हैं। कंपनी अधिनियम ये भी कहता है माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अगर कंपनी को आपने बनाया है और कंपनी को बनाकर सिर्फ एक ट्रेडिंग करने की हैसियत से आपने बनाया है तो कंपनी अधिनियम का भी आप उल्लंघन कर रहे हैं। यह सारी कंपनियां 6 महीने पहले बनती हैं 6 महीने पहले बनने के बाद में इन सारी जमीनों का हस्तांतरण इन कंपनियों के नाम पर होता है और फिर इस कंपनी के डाइरेक्टर्स चेंज हो जाते हैं और

(श्री राव राजेन्द्र सिंह)

दूसरे डाइरेक्टर्स इन कंपनियों में आ जाते हैं । दो चीजों का उल्लंघन हो रहा है कंपनी अधिनियम का दुरुपयोग करके एस.सी./एस.टी. की जमीन कंपनी के नाम पर ले ली जा रहा है। दूसरा कंपनियों के डाइरेक्टर्स हट जाते हैं और दूसरे डाइरेक्टर्स आते हैं। आपके स्टांप ड्यूटी का भी पूरा पूरा उल्लंघन हो रहा है दोनों तरफ से राज्य सरकार को मार पड़ रही है। यहां तो जो गरीब और शोषित वर्ग है वो अपने हाथों से उनकी संपदा जा रही है और वहां से जो रेवेन्यू आनी चाहिए उसकी हानि हो रही है। ठीक इसी प्रकार से कम से कम एक दर्जन तो ऐसे केसेज हैं जो विराटनगर तहसील में हैं सात ऐसे केसेज बावरिया जाति के जो सांभर और दूदू तहसील के हैं श्योराम बावरिया हो या कालूराम बावरिया हो या देवा बावरिया हो इन सबके नाम बावरिया की जगह बागरिया कर दिया गया है और इस बात को बताने में भी अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कंपनी अधिनियम में आने वाले तो धनाढ्य सेठ हैं ही इनके साथ कहीं न कहीं पुलिस के उच्चाधिकारी का भी इसके साथ में तालमेल है। ये जितने हस्तांतरण हुए हैं कहीं न कहीं पुलिस का अधिकारी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में जरूर उसके अन्दर हिस्सेदार है। ये जो बावरिया जाति का हुआ है इसमें तो धर्मपत्नी ही पुलिस अधिकारी की है। खरीदने वाली जो है वो धर्मपत्नी है पुलिस अधिकारी की। बाड़मेर जिले का वो व्यक्ति रहने वाला है और दूदू में आकर उसकी धर्मपत्नी वो चीज कर रही है। बावरिया जाति से वो ले पा रही है ये स्वयं ओबीसी के हैं । विराटनगर में भी यह हुआ अधिकारी वर्ग कहीं का आईपीएस अफसर है कहीं बाहर है जब उनके ऊपर अंकुश कसा गया तो कहा कि हमें प्रताड़ित कर रहे हैं, पूरे शोध में और एस.डी.एम. के शोध में यह जब पता लगा कि वास्तविकता में ये सारा का सारा बेनामी ट्रांजेक्शन है । मेरा आप लोगों से यह आग्रह है कि गृह मंत्रीजी, इसकी जांच करा करके इसका जो आपराधिक षडयंत्र है उस पर तो उनको सज़ा दिलायें लेकिन ये जितनी भी जमीन है ये बेनामी जमीन है इसको सरकार अपने आप अधिग्रहण करे। यह जिस तरीके से पड़ी हुई हैं ये आगे हस्तांतरण हो जाएंगी। जब आपके इंक्वायरी में यह आ गया कि ढाई सौ, तीन सौ बीघा जमीन तो खरीददार जिसके नाम से रजिस्ट्री हुई है उसने यह कह दिया कि मैंने यह जमीन नहीं खरीदी है मेरी गलत फोटो लगायी गयी है मेरे से तो सिर्फ दस्तख्त कराये गये हैं न मैंने जमीन खरीदी है न जमीन के मेरे पास कभी पैसे रहे इसलिए ये जमीन मेरी नहीं है। जब वो कह रहा है बयान आ गया

(श्री राव राजेन्द्र सिंह)

मजिस्ट्रेट के सामने दे दिया, इंक्वायरी में यह साबित हो गया आई.ओ. जो इंवेस्टिगेशन आफिसर है उसने यह साफ कर दिया उसके बावजूद भी आई.ओ. को चेंज कर देना। आई.ओ. चेंज करके फाइल कहीं और हस्तांतरित करा देना, आप दस जगह करायें, आप बोर्ड बनायें, आप विधान सभा की समिति बनाकर इसको करें जो-जो चीजें हैं सत्य हैं, प्रमाणित हैं लेकिन यह हजारों बीघा जमीन को कम से कम राज्य सरकार अपने अधीनस्थ तो लें। वरना आगे यह किसी न किसी को बिक जाएगी और कंपनी कानून का और कंपनी का जो दुरुपयोग हो रहा है उस पर अंकुश लगायें। यह राजस्व मंत्रालय और गृह मंत्रालय दोनों की संयुक्त जिम्मेदारी होती है इस तरीके से जो क्राइम कमिट हो रहा है और लोगों का शोषण हो रहा है उस पर कम से कम हमको विराम लगाना है। यही कहते हुए मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं। जय हिन्द।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, बहुत ही गंभीर विषय है।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): एक मिनट गृह मंत्रीजी, मैं ज्यादा नहीं एक बात आपसे कहना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग है कि शिड्यूल्ड कास्ट की जमीन किसी भी रूप में टांसफर नहीं हो सकती सेटल्ड ला है लेकिन सम्माननीय सदस्य ने एक बहुत महत्वपूर्ण विषय उठाया है। कलक्टर ने मोहर लगा दी कलक्टर ने कह दिया कि कंपनी की कोई जाति नहीं होती और वो टांसफर हो सकती है उसके बोर्ड में एक आदमी शिड्यूल्ड कास्ट का है एक गली निकाली बाद में ...I don't want to go. क्या सरकार इरादा रखती है कि इस मसले में ऐसे मामलों में आप बोर्ड आफ रेवेन्यू को रेफरेंस करना चाहेंगे? अगर आप रेफरेंस करेंगे तो यह कानून हमेशा के लिए सेटल्ड हो जाएगा जो हमारे जिन्होंने निर्माण किया यह कानून बनाया उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचेगी क्योंकि इस प्रकार फिर नयी कंपनियां गठित होंगी कंपनियां गठित होकर पलिता लगाने वाली बात है। जो एग्जस्टिंग कानून है आपका उसके ऊपर पलिता लगायेंगे एक रास्ता खुल गया। कलक्टर, जयपुर ने मोहर लगा दी कि यह हो सकता है तो कृपया मेरा आपसे निवेदन है कि इसमें कानून विभाग वालों से राय मशविरा ले करके इस पर आपको तुरंत कार्यवाही करनी पड़ेगी अन्यथा इस आड़ के अंदर जो शुरूआत है, शुरूआत एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे की तरफ उन्होंने ध्यान आकर्षित किया है ये तो शुरूआत है अन्यथा

(श्री प्रद्युम्न सिंह)

शिड्यूल्ड कास्ट की जमीनों को हड़पने का एक तरीका निकल आएगा, इससे रक्षा करने के लिए सरकार को कारगर कदम उठाने पड़ेंगे। एक चीज आपको और बताना चाहता हूं, मेरे धौलपुर जिले में सपेरे होते हैं, कालबेलियां बगल के गांव में दर्ज हैं एस.सी. में आप चाहो तो लिख लें । आप मंगवा लें, आपके यहां कागज पड़े हुए हैं, फैसला नहीं हो रहा है आपके यहां । कलक्टर के यहां कागज पड़े हुए हैं वह बार-बार मांग कर रहे हैं वह नाथ दर्ज कर लिये गये और नाथ की जमीन ट्रांसफर हो रही है । दूसरे गांव में एस.सी. में दर्ज है, कालबेलिये दर्ज हैं, सपेरे दर्ज हैं और यहां नाथ दर्ज कर दिये हैं । नाथ दर्ज होने के बाद उनकी जमीन ट्रांसफर हो रही है । कम से कम वहां आप करेक्शन आफ रिकार्ड तो करवा दीजिए । कई जगह बावरिया बगरिया बन गये। यह जो खेल हो रहे हैं इसको ठीक करवाइए । कहीं न कहीं इसको रेफरेंस करवाइए राजस्व मंत्रीजी अन्यथा यह प्रक्रिया शुरू हो गई तो एक बहुत बड़ा खतरनाक सिग्नल इस राजस्थान के एस.सी. और एस.टी. के लोगों के लिये होगा, यह सारी जमीनें चली जायेंगी मैं यही आपसे निवेदन करना चाहता हूं ।

**श्री राव राजेन्द्र सिंह** (बैराठ): गृह मंत्री महोदय मैं इसमें एक और निवेदन करना चाहूंगा इसमें ऐसे भी प्रकरण सामने आये हुए हैं जहां आदमी खुद मौजूद नहीं है ...

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय राव साहब, आपको शायद मालूम नहीं होगा बीच में तो यह एक विचार पैदा हुआ था कि सैक्शन 22 में जो बैन लगा हुआ है उसको हटा दिया जाये और एस.सी. के व्यक्ति को नोन एस.सी. को बेचने के लिये उसको स्वतन्त्रता दे दी जाये और उसमें फिर जब विचार आया कि नहीं इससे सारी जमीनें बिक जायेंगी क्योंकि जो कम कीमतें मिल रही हैं, आपका मेन उद्देश्य तो यही है कि एस.सी. के आदमी की जमीन बहुत सस्ती रेट पर कम्पनीज ले रही हैं, बैन की वजह से ले रही हैं, यह भी एक विचार चला था इसमें एस.सी. के लोग एग्री नहीं हुए और वह बात भी सही थी, वास्तव में यह गम्भीर विषय है ।

**श्री राव राजेन्द्र सिंह** (बैराठ): इसमें मैं एक और निवेदन करना चाहूंगा जब तहसीलदार को यह मालूम है, तहसीलदार बार-बार यह कहता है कि तहसीलदार जहां-जहां सब रजिस्ट्रार के दौहरे दायित्व का निर्वहन कर रहा

(श्री राव राजेन्द्र सिंह)

है, आईजी स्टेम्प की तरह यह बिलकुल सीधा मामला है कि कोई भी चीज रजिस्ट्रेशन के लिये आप उसको मना नहीं करेंगे । यह बात सही साबित होती जयपुर के लिये जहां सब रजिस्ट्रार का आफिस अलग है और तहसीलदार का अलग । लेकिन जहां तहसीलदार सब रजिस्ट्रार के दायित्व का निर्वहन कर रहा है, तहसीलदार के दायित्व का भी निर्वहन कर रहा है जब उसको मालूम है कि जो बेचने वाला है वह गलत आदमी है, जो उसके सामने पेश किया हुआ है वह गलत आदमी है । जब तहसीलदार को मालूम है कि बावरिया जाति का यह व्यक्ति या बागरिया जाति का यह व्यक्ति बावरिया है उसके बावजूद अगर वह यह कहता है, सिर्फ यह एक्सप्लेनेशन देता है कि मेरे ऊपर कोई प्रतिबंध नहीं है. He is first a Tehsildar and then a sub-Registrar. As a Tehsildar, he is also a Magistrate. और उसका पहला दायित्व यह बनता है कि ऐसी किसी चीज को वह रोके । जिन-जिन तहसीलदारों ने यह बात कही है जो सब रजिस्ट्रार की हैसियत से भी है और तहसीलदार की हैसियत से भी है उनकी जांच होनी चाहिये और जहां मरे हुए आदमी की जगह किसी दूसरे आदमी को लाकर खड़ा कर दिया और जब यह पता चला तो कुछ केसेज में रजिस्ट्री कैंसिल कर दी. A crime once committed cannot be set aside like that. A crime once committed is always a crime. That person or that member should be penalized. एक तो यह हो रहा है और खास कर ऐसे लोग परिसम्पत्तियां खरीद रहे हैं जो चाहे सवर्ण जाति के ही क्यों न हो जिनका खुद का बैक ग्राउंड भी सही नहीं है। जो आपके थानों में हिस्ट्रीशीटर हैं वह आते हैं रजिस्ट्री करवाते हैं और चले जाते हैं । उनके पास पैसा कहां से आ रहा है और यहां तक कि तीन तीन साल तक स्टेंडिंग वारंट उनके नाम के आगे खडे हैं उसके बावजूद रजिस्ट्रार के यहां आते हैं, रजिस्ट्री करवाते हैं चले जाते हैं । इसका आप रिकार्ड मंगा लें और राजस्व मंत्रीजी आप तो यह बात मंगा लें कि कितनी लैंड अलाट हुई थी एस.सी., एस.टी. को और जयपुर जिले में कितनी एस.सी., एस.टी. की लैंड है जो किसी न किसी प्रकार से स्थानान्तरण हो गई अपने आप में ब्यौरा आ जायेगा और साथ में प्रत्येक थाने में इस बात की जांच जरूर करवायें कि ऐसे कितने लोग हैं जिनके खिलाफ वारंट थे । तीन-तीन साल तक वारंट खडे रहते हैं उसके बाद मजबूरन जो पीड़ित पक्ष हैं वह उनसे घबरा कर उनसे समझौता करते हैं । समझौते अदालतों में पेश होते हैं और उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं होती । अगर हम तीन तीन साल तक पीड़ित पक्ष को मजबूर करेंगे तो डर के मारे वह तो उनसे समझौता करेगा ही करेगा।

(श्री राव राजेन्द्र सिंह)

इन सारी चीजों की जांच करा लें सैक्शन वाइज और मुकदमें वाइज । आधा दर्जन मुकदमें तो सिर्फ एक ही थाने विराटनगर में है । तीन मुकदमें शाहपुरा थाने में दर्ज हैं और अनेक ऐसी शिकायतें या तो किसी न किसी डीआईजी विजीलेंस के यहां हैं या एसीडी में पड़ी हुई हैं। मैं चाहूंगा कि इस पर जरूर कठोर कार्यवाही हो ।

**श्री श्रवणकुमार** (पिलानी): उपाध्यक्ष महोदय, जो राव साहब कह रहे हैं वह बात सही है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि तहसीलदार को मालूम होता है कि गलत हो रहा है उसके बावजूद अपने पेट के लिये, रिश्वत लेने के लिये वह सारा आंख मींच कर काम करता है । यह तो भला हो गुलाब चन्दजी कटारिया साहब का, हमारे भी इसी तरह एक गरीब के पास से 10 लाख रुपये लूट लिये लेकिन यह भले आदमी थे उन्होंने उसकी सही जांच करवा दी वरना जमीन भी ले ली और 10 लाख रुपये भी उससे ले लिये । उसके बाद भी इन्होंने सी.आई.डी. (सीबी) में इसकी जांच करवाई । वरना तो उस पर एफ.आर. लगती उन्होंने तो कह दिया कि हमारे पास तो 10 लाख रुपये आ गये हम तो 2 लाख रुपये दे देंगे । हालत इस तरह की कर दी इसमें जब तक सख्त कानूनी कार्यवाही नहीं होगी और आपके एस.डी.एम. हो चाहे तहसीलदार हो, सारे के सारे 50 हजार से कम लिये बिना तो कुछ नहीं करते । इस पर अंकुश लगाना पड़ेगा, चाहे यह सदन कहे या जिस तरह पानी के ऊपर चर्चा हुई थी उसी तरह भ्रष्टाचार पर भी चर्चा होनी चाहिये । सारे के सारे एस.डी.एम. हो चाहे तहसीलदार हो सब भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और गरीबों की जमीनों को हरियाणा और पंजाब के लोग आकर खरीदते हैं । जो राव साहब कह रहे हैं वह हालत सही है जो लोग इस बात को समझ ही नहीं रहे हैं कि किस की जमीन है, क्या है। इसलिए सबसे ज्यादा जरूरी है इस भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाये और जो भ्रष्ट अधिकारी पाये जायें उसकी तत्काल जांच करवा कर उसको दंडित किया जाये ।

**श्री उपाध्यक्ष:** आ गई आपकी बात ।

**श्रीजीतराम** (मालपुरा): उपाध्यक्ष महोदय, एस.सी. की जमीन जैसे पंजाब और हरियाणा में बिकती है उसी हिसाब से कर दी जाये ताकि उसको भी फायदा होगा । पड़ौस वाली जमीन तो 5 लाख रुपये में बिक रही है और एस.सी. वाली लाख रुपये में ही बिक रही है । इसलिए पंजाब हरियाणा की तरह कर दिया जाये ।

**श्री महीपाल यादव** (बानसूर): उपाध्यक्ष महोदय, एस.सी., एस.टी. पर जो बैन लगा हुआ है हमारे अलवर जिले में 40 लाख रुपये बीघा जमीन हो रही है और इन बेचारे एस.सी., एस.टी. की जिनकी दो चार बीघा जमीन है वह उस पर न कुआं बना सकते हैं । माननीय गृह मंत्रीजी इस पर भी आप कोई विचार करें, संशोधन लाकर ताकि गरीबों को भी फायदा हो । वह बेचारा वहां कुआ बना नहीं सकते, बेच नहीं सकते । जो महंगी बेचते हैं तो रजिस्ट्री नहीं हो सकती । आज 30-40 लाख रुपये बीघा जमीन हो रही है तो एस.सी., एस.टी. पर क्यों पाबंदी है । हरियाणा पंजाब में यह हटाया हुआ है, वह उसमें सिंचाई के साधन भी नहीं कर सकते ।

**श्री उपाध्यक्ष:** आप एस.सी., एस.टी. के सदस्यों को पूछो वह एतराज करते हैं वह समझते हैं कि हमारी सारी जमीन चली जायेगी ।

**श्री महीपाल यादव** (बानसूर): यह सब चाहते हैं ।

**श्री लालचन्द मेघवाल** (रायसिंहनगर): उपाध्यक्ष महोदय, यह कांग्रेस सरकार की नीति है कि एस.सी., एस.टी. के लोगों के पास जमीन नहीं रहे यह चाहते हैं कि यह सर्कुलर तोड़े राजस्व विभाग ताकि एस.सी., एस.टी. के लोगों के पास जमीनें बचे नहीं, यह इनकी सोच है ।

**श्री महीपाल यादव** (बानसूर): मैं प्रेक्टिकल बात बता रहा हूं आप अपने क्षेत्र में पूछो उनसे । एस.टी. एस.सी. वाले साधन कर नहीं सकते । 40 लाख रुपये मिलता है आप लेने नहीं देते उसको, वोट की राजनीति है । आप प्रेक्टिकल बात करो । हरियाणा और पंजाब की तरह संशोधन लाइए ।

**डा. ओ. पी. महेन्द्रा** (केसरीसिंहपुर): उपाध्यक्ष महोदय, यह माननीय सदस्य 'बेचारे-बेचारे' क्या कर रहे हैं । यह एस.सी., एस.टी. वाले कोई 'बेचारे' नहीं है । यह 'बेचारे-बेचारे' क्या कर रखा है ।

**श्री महीपाल यादव** (बानसूर): माननीय राव साहब ने कहा इसीलिए फोरजरीज हो रही है । वह भी तो 40 लाख रुपये ले नहीं सकते, वह उस चार बीघा में साधन ही नहीं कर सकते । बताइए आप किसान क्या करेगा? एक हरिजन को चार बीघा जमीन अलाट हुई ...

**श्री लालचन्द मेघवाल** (रायसिंहनगर): उपाध्यक्ष महोदय, यह हरिजन शब्द को कार्यवाही से निकाला जाये ।

**श्री महीपाल यादव** (बानसूर): मेरा सुझाव है इस पर विचार किया जाये, यह कोई असंसदीय नहीं है । मेरा एक सुझाव है ।

**श्री लालचन्द मेघवाल** (रायसिंहनगर): उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने जिस शब्द को यूज किया है उसको कार्यवाही से निकाला जाये ।

**श्री उपाध्यक्ष:** अभी यह इतना डिटेल में डिस्कस करने का मुद्दा नहीं है इस स्टेज पर ।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बहुत ही गंभीर विषय उठाया है जिस पर सारे सदन के सदस्य स्वयं चिंतित है और मैं स्वयं भी चिंतित हूं । विराट नगर और शाहपुरा का केस तो क्योंकि अख़बार में आने के बाद हमने यह सारी प्रक्रिया कर मुकदमें दर्ज कर के उसके जो मुलजिम थे उन सारे मुलजिमों को हमने गिरफ्तार किया है लेकिन यह जो बावरिया और बागरिया वाला जो दूदू का प्रकरण कह रहे हैं जिसमें मेरे किसी पुलिस अधिकारी की पत्नी के नाम से लिया है, अभी विषय हमारे पास किसी भी मुकदमें के रूप में नहीं आया है । आज इन्होंने जानकारी दी है मैं उसकी जानकारी करके अगर मेरे किसी अधिकारी ने भी बावरिया और बागरिया का भेद करके किसी की जमीन हडपने का प्रयास किया है तो निश्चित रूप से जो भी नियम में मुझे अधिकार प्राप्त है उसके अनुसार उसकी कार्यवाही होगी ।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्रीमती राजकुमारी शर्मा । कुशलपुर में हुए गोली कांड में मृतक की विधवा को नौकरी या राहत प्रदान करने ...

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आपके विभाग से भी संबंधित है श्रीमान, आप भी कुछ फरमायें।

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, यदि कहीं भी कानून का उल्लंघन हो रहा है 42-बी में किसी एस.सी., एस.टी. की जमीन जनरल ले नहीं सकता और एस.सी. की जमीन एस.सी. ले सकता है और बागरिया और बावरिया और इस प्रकार से किया है तो यह जांच का विषय है । मंत्री महोदय ने आपको बता ही दिया है और कोई खरीद-फरोख्त हुई है तो वह बंद करवा दे यदि राजस्थान की जनता चाहती है कि न तो एस.सी. की जमीन कोई एस.सी. वाला ले और न एस.टी. की जमीन एस.टी. वाला ले यह नियमों में तो कोई प्रावधान है नहीं कि उसको रोका जाये । यदि अनलीगल ट्रांजिक्शन होता है तो वह जांच का विषय है ।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): यह लीगल अनलीगल का सवाल नहीं है। आपके कलक्टर ने यह कह दिया, जैसा कि विराटनगर से आने वाले सम्मानीय

(श्री प्रद्युम्न सिंह)

सदस्य ने कहा है कि आपके जयपुर कलक्टर ने यह दे दिया कि कम्पनी कानून के तहत कम्पनी को ट्रांसफर की जा सकती है। मेरा मैन मुद्दा यह है, आपने मेरी बात की तरफ गौर नहीं किया।

**श्री उपाध्यक्ष:** इसमें अभी भ्रम है (व्यवधान) कानून स्पष्ट नहीं है।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आपको इसके बारे में स्पष्ट करना पड़ेगा नहीं तो कम्पनी बना-बनाकर एस.सी. की जमीन खा जाएगी। आज दिन तक आप देखिये, आपके कलक्टर ने मोहर लगा दी, कलक्टर की मोहर लगने के बाद किस तहसीलदार और सब रजिस्ट्रार की हिम्मत है कि वह उस रजिस्ट्री को रोकेगा? आपने इस तरफ गौर नहीं किया। आपने तो बड़े साधारण तरीके से ले लिया। यह सरकार अगर नहीं चाहती गम्भीर समस्या पर ध्यान देना, तो फिर मुझे कुछ नहीं कहना है इस मामले के अंदर।आप चाहते हैं कि एस.सी.,एस.टी. की जमीन बाइपास निकालकर, इस आड के अंदर एस.सी.,एस.टी. की जमीन लोग हड़प जाए तो सरकार की मर्जी है।

**श्री उपाध्यक्ष:** यह स्पष्ट नहीं है।

**श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली): उपाध्यक्ष महोदय, बैराठ से आने वाले माननीय सदस्य ने जो प्रश्न उठाया है, जो संबंधित तहसीलदार है, जो रजिस्ट्री कर रहा है, रजिस्ट्रार भी है उसको जानकारी है कि यह बावरिया नहीं बागरिया है, बागरिया नहीं बावरिया है, तो जब उसको जानकारी है उसके बावजूद वह एस.सी.,एस.टी. की जमीन को ट्रान्सफर कर रहा है, उसके खिलाफ सरकार क्या कार्यवाही कर रही है, यह माननीय रेवेन्यू मिनिस्टर बताएं।

**श्री उपाध्यक्ष:** ऐसा कोई केस आयेगा तो कार्यवाही होगी।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): यह बहस का विषय नहीं है।

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): बहस का नहीं है। पर्ची के माध्यम से आया है और इस प्रकार की कोई कार्यवाही है तो दिखवा लेंगे।

**श्री टीकम चन्द कान्त** (सिवाना): सदन में कुछ सूचनाएं आ जाएं, कोई समाधान आ जाए तो बुरी बात नहीं है। (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): कानून सक्षम है, कार्यवाही करने के लिए। कोई फ्रोड हुआ तो उसके खिलाफ फ्रोड का मुकदमा दर्ज होगा, कहीं कोई षड्यंत्र है...(व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप राजस्व मंत्री है क्या, उनको बोलने दीजिए। (व्यवधान) अधिकृत घोषणा आपकी नहीं हो सकती। अधिकृत घोषणा तो वो ही कर सकते हैं।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): आप विषय को डायवर्ट कर रहे हो। (व्यवधान) जब तक कोई स्पेसिफिक मामला नहीं होगा।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): कोई वेलिडिटी नहीं है (व्यवधान) आपकी घोषणा की वेलिडिटी है...(व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): घोषणा काहे की करेंगे जब कोई स्पेसिफिक मामला ही नहीं है? (व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): स्पेसिफिक मामला अभी बताया उन्होंने। विराटनगर से आने वाले माननीय सदस्य ने स्पेसिफिक मामला अभी बताया, पूछ लीजिए आप उनसे, उनसे पूछिये, अभी बताया है। (व्यवधान)

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी): महावीरजी, आप सदन में नहीं थे। आप आउट आफ स्टेशन थे। (व्यवधान) बैराठ से आने वाले सदस्य ने जो कहा. वह तथ्यात्मक रिपोर्ट है और आप इसमें अनर्गल बातें करेंगे तो पूरे सदन को हानि होगी। (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): मैं यही था, मैं कहीं नहीं गया। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** वह तो गृह मंत्रीजी ने कह दिया आपको।

**श्री टीकम चन्द कान्त** (सिवाना): एक सूचना दे रहा हूं इस विषय में..(व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): राजस्थान पत्रिका का हवाला देते हुए....(व्यवधान)

**श्री राव राजेन्द्र सिंह** (बैराठ): नहीं, इसमें बाकायदा मुकदमा दर्ज हुआ है। सैक्शन है, आन रिकार्ड है, उसमें कोई बात नहीं है। गृह मंत्रीजी...(व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): आन रिकार्ड पर आये हैं (व्यवधान) गृह मंत्रीजी ने कह दिया कि कार्यवाही हुई है।

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी): मुकदमें दर्ज हुए ना...(व्यवधान)

**श्री राव राजेन्द्र सिंह** (बैराठ): जो राजस्व मंत्री से संबंधित बात थी उसमें यह था कि कम्पनी ला का दुरूपयोग करते हुए यह बात हो रही है, तहसीलदार, कम्पनी ला भी यही कहता है। अगर आपने किसी जमीन को

(श्री राव राजेन्द्र सिंह)

किसी वजह से खरीदी है और आप डवलप नहीं कर रहे हैं, वहां कारखाना नहीं लगा रहे एक नैचुरल पीरियड आफ टाइम पर, तो उसको आप ट्रान्सफर कर सकते हैं लेकिन 6 महीने आपने खरीदी, डायरेक्टर निकल गया, दूसरा डायरेक्टर आ गया, आपको स्टाम्प डयूटी नहीं मिल रही, वहां जमीन का हस्तांतरण हो गया, ऐसी कम्पनियां बनती जा रही हैं, जमीन लेती जा रही हैं।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): इसलिए मैं कह रहा हूं कि वह षडयंत्र रचकर कानून को....(व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): इसलिए रेवेन्यू मिनिस्टर साहब को कहना चाहिये।

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी): रेवेन्यू मिनिस्टर साहब को मालूम है, जैसलमेर के अंदर...(व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): इसलिए उनको कहना चाहिये, आप मत कहो। आपकी वेलिडिटी नहीं है कहने की, उनकी है वेलिडिटी।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): (व्यवधान) कोई मामला नहीं आयेगा, कोई इस प्रकार के कूटनीतिक...

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): आपका कोई मामला नहीं है।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): मेरा क्या मामला है? मामले होंगे तो आपके होंगे।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): हमारा तो काम ही यह है कि हम तो आपकी नाक में नकेल डालना चाहते हैं। आप बेइमानी करते हो उसको रोकना चाहते हैं। (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक) : करते होंगे और कुछ करते होंगे, मेरा कोई संबंध नहीं है।

**श्री हेमराज मीणा** (किशनगंज): हमारा तो काम ही है आप जैसे.. (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): कूटनीतिक दस्तावेज तैयार करके जिनके खिलाफ कार्यवाही होगी..(व्यवधान)

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी): बिना तथ्य बोल रहे हैं क्या ?

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): सक्षम है। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** श्रीमती राजकुमारी शर्मा। मृतक की विधवा हेतु...(व्यवधान)

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान में कितना बड़ा घोटाला है...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य..

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी): रेवेन्यू मंत्रीजी...

**श्री टीकम चन्द कान्त** (सिवाना): बहुत महत्वपूर्ण सूचना है वह यह है कि यह जो जमीन की खरीद-फरोख्त है, सरहद पर भी जमीनें खरीदी जा रही हैं। जहां बी.एस.एफ. कैम्प है, वह जमीन कब किसने खरीदी उनको भी मालूम नहीं यह बहुत बड़ा षडयंत्र जालौर, बाड़मेर वगैरह, इसके अंदर चल रहा है। जमीन खरीदने वाला कौन है, जमीन किसके पास से कौन खरीद रहा है, पैसा कौन दे रहा है मालूम नहीं लेकिन रजिस्ट्री हो रही है, इस प्रकार के महत्वपूर्ण मामले समझकर इस पर वास्तव में जांच होनी चाहिये। (व्यवधान) एक बार तहसीलदार को भी बुलवा लिया जाए, मीटिंग बुलाई जाए, उनको पूछा जाए यह जमीन खरीद रहे हैं..(व्यवधान) कोई कह रहा है कम्पनी खरीद रही है, कोई कह रहा है कोई खरीद रहा है1 यहां तक की भी बात है आपके खाते में जमीन है या नहीं, मौके पर मौजूद जमीन है या नहीं, अगर खाते में कही है तो वह कागज ला दीजिए हम जमीन खरीद रहे हैं, यह स्थिति हो रही है इसलिए मैं निवेदन कर रहा हूं।

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): माननीय सदस्य बिराजें आप।

**श्री श्रवण कुमार** (पिलानी): जैसलमेर के अंदर तो यह हालत है...(व्यवधान)

## कुशलपुरा (सीकर) में होली के दूसरे दिन हुए गोलीकांड विषयक

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): उपाध्यक्ष महोदय, होली के दूसरे दिन मेरे क्षेत्र कुशलपुरा में गोली कांड हुआ। उसमें मुन्ना महिपाल नाम का व्यक्ति मारा गया। भार्गव है जिसे अभी-अभी लाइसेंस मिला है। भार्गव को लाइसेंस देने के लिए गांव वालों ने बहुत दिनों से मना कर रखा था कि इसको कोई लाइसेंस न दें क्योंकि न तो उसके कोई खेत है न कोई ऐसा व्यापार है कि आने जाने के लिए उसको लाइसेंस दिया जाए। गांव में अपना दबदबा बना रखा है। उसने होली खेलने के बहाने दस बजे मुन्ना उर्फ महिपाल को अपने घर बुलाया। दस बजे घर बुलाने के बाद उसके छोटी रिवाल्वर थी, कोई आवाज

(श्रीमती राजकुमारी शर्मा)

नहीं, उसके बाई साइड में, कंधे पर दाग दी। उसने कहा मेरे दर्द हो रहा है तो बोला आपके कुछ नहीं हो रहा आप सो जाइये हम अभी डाक्टर को बुलाने जा रहे हैं। इतने में एक बूढी दादी सामने से आ रही थी उसने कहा अरे आप लोगों ने तो इस लड़के को मार दिया, तो बोला कि मारा नहीं अभी इसको डाक्टर को दिखाने के लिए ले जा रहे हैं। वह जोर से चिल्लाई, गांव में थोड़ी भगदड़ मची, भार्गव ने सोचा कि लोग मेरे को पकड़ लेंगे इसलिए वहजीप लेकर भाग गया। उसके पिताजी कुछ भी समझें उसके पहले उसने सब लोगों को इकट्ठा किया कि अपन लोग यहां से निकल चलते हैं। उसके माता-पिता जब तक समझे सारा गांव इकट्ठा हो गया। एक भार्गव महिला थी, उसका आतंक तो था ही उसनेजीप को पत्थर मार दिया और उसको गांव वालों ने पकड़ लिया।

उपाध्यक्ष महोदय, जो बच्चा मरा है मुन्ना महिपाल उसकी पत्नी के न तो माता-पिता हैं, विकलांग है, मात्र तीन साल की एक बच्ची है और मुन्ना महिपाल जो मारा गया है उसके भी माता-पिता नहीं है। पहले कोई पालनहार योजना तो थी नहीं तो इसको चाचा-चाची और दादी ने इसको पाला। अब यह 26-27 साल का कमाने लायक हुआ, न इसकी कोई रंजिश थी। इसको क्यों मारा गया, क्यों घर बुलाया गया, कौनसी साजिश रची गई यह गांव वाले हमसे पूछते हैं।

मैं आपके माध्यम से हमारे गृह मंत्रीजी से निवेदन करना चाहूंगी कि इसकी पूरी जांच कराई जाए। जो महिला है वह कल इतना रोई है, मैं उनके घर तीन घंटे रही। उसके माता-पिता नहीं है वह कहां जाए? पढ़ी लिखी नहीं है, एस.सी.-एस.टी. की महिला है। बहुत छोटी उम्र की बच्ची है, अभी बीस साल की भी नहीं हुई है, उसके एक छोटी बच्ची है इसलिए मैं आपके माध्यम से हमारी मुख्य मंत्री साहिबा को निवेदन करना चाहूंगी कि उसको नौकरी दें। फोर्थ क्लास की दे या उसको विडो में पढ़ा-लिखाकर टीचर की दे। कुछ भी करें उसका और उसकी बच्ची का।

मेरे शब्दों में यही है कि उसको नौकरी दिलवायें। परिवार दुःखी है। उनके कोई बहुत बड़ी जमीन नहीं है। पिताजी उसके अध्यापक हैं। उस बच्ची के माता-पिता नहीं थे लेकिन यह जो चाचा थे उन्होंने उसको बताया ही नहीं कि हम आपके माता-पिता नहीं है। उसको पालपोश कर शादी की। सबको यही मालूम है कि उसके तीन बेटे और तीन बच्चियां थीं। आज उनकी स्थिति ऐसी

दयनीय हो रही है। गांव सहमा-सहमा है कि उसके खिलाफ कोई बात नहीं करना चाहता है, उसने सबको धमकी दे रखी है कि जो भी मेरे खिलाफ बोलेगा उसका मैं मर्डर कर दूंगा इसलिए मैं सदन के माध्यम से, आपके माध्यम से एक निवेदन करूंगी कि उस बच्ची को नौकरी तो दिलवाए ही उसकी जांच करवाकर जितने भी दोषी है, सुनते हैं एक दर्जी की दुकान पर ऐसा षड्यंत्र रचा गया, इसलिये आप उसकी जांच करवाकर और उसको आजीवन कारावास रखिये तो गांव वाले ठीक रहेंगे और उस बच्ची को नौकरी दिलायें, धन्यवाद।

**श्री गुलाब चन्द कटारिया** (गृह मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, वास्तव में यह घटना बहुत दुःखद है और सही है। 4 तारीख के दिन यह वारदात हुई और 28/7 मुकदमा उसी दिन दर्ज हो गया। और उसमें आर्म्स एक्ट का भी, एस.सी., एस.टी. एक्ट का भी है और 302 का भी है। एक मुलजिम तो नाकाबंदी के दौरान, शाम को 4 बजे, 11 बजे की घटना थी, जो मेन मुलजिम था, वह मेन मुलजिम किशोर भार्गव तो पकड़ में आ गया। और बाकी उसके जो 2 साथी और हैं, वह भी नामजद हैं, नरेश मीणा है, प्रहलाद भार्गव है, वह भागे हुए हैं। जब भी, जिस समय भी पकड़ में आएंगे, निश्चित रूप से उनके खिलाफ 302 का मुकदमा, आर्म्स एक्ट है, बाकी सारे जो कानून के तहत जो कुछ भी सज़ा उसे मिल सकती है, वह तो हम केस आफिसर स्कीम में डलवाने का प्रयास करेंगे। एस.सी.,एस.टी. का होने के कारण से इनको जो मुआवजा है, उसके लिये भी फाइल मूव कर दी है। मैं सोचता हूं, बहुत जल्दी उनको जो राहत मिलती है, कानून के तहत वह निश्चित रूप से मिलेगी।

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): माननीय गृह मंत्रीजी, उसने इस तरह का षड्यंत्र रचा था कि इसकी लाश तो बोरे में डाल देंगे। कुशलपुरा में बहुत सारे पहाड़ हैं और उन पहाड़ों की कटाई होती है तो उन्होंने सोचा कि आज होली का दिन है, किसी को पता तो चलेगा नहीं और हम सब लोग भाग जाएंगे। इस तरह से उनका पूरा प्लान था। जो गिरफ्तार हुए हैं, उन्होंने स्वयं ने यह बताया है कि इस तरह का हमारा षड्यंत्र था। उन्होंने पहले से ही टिकटें बुक करवा रखी थीं। इसलिये यह पुन: वारदात न हो, उस परिवार के लिये आप ज्यादा से ज्यादा करें तो आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। उस बच्ची को नौकरी दिलाने का आश्वासन दें, मेरी यह विनती आपसे है।

# सदन पटल पर रखे गये पत्र

## प्रतिवेदन एवं लेखे

### राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का 37वां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा विवरण वर्ष 2005-2006

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री नरपतसिंह राजवी, उद्योग मंत्री राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन लिमिटेड का 37वां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा विवरण वर्ष, 2005-2006 सदन की मेज पर रखेंगे ।

**श्री नरपत सिंह राजवी** (उद्योग मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, मैं कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619-ए के अन्तर्गत राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन लिमिटेड का 37वां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा विवरण वर्ष, 2005-2006 सदन की मेज पर रखता हूं।

## याचिकाओं का उपस्थापन

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री मदन राठौड़, सदस्य विधान सभा चार याचिकाओं का उपस्थापन करेंगे ।

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं निम्नांकित 4 याचिकाएं उप-स्थापित करता हूं :-

### नौवी ग्राम पंचायत (सुमेरपुर) में पशु चिकित्सालय स्वीकृत करने बाबत

I विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर की ग्राम पंचायत नौवी में पशु चिकित्सालय स्वीकृत करने बाबत्, तीन व्यक्तियों से हस्ताक्षरार्थ;

### भांवरी (सुमेरपुर) में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत करने बाबत

II विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर की ग्राम पंचायत भांवरी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत करने बाबत, तीन व्यक्तियों से हस्ताक्षरार्थ ;

### सुमेरपुर में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत करने बाबत

III विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत करने बाबत्, तीन व्यक्तियों से हस्ताक्षरार्थ; एवं

### कोलीवाड़ा ग्राम (सुमेरपुर) में आयुर्वेद औषधालय खोलने बाबत

IV विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर के ग्राम कोलीवाड़ा में आयुर्वेद औषधालय खोलने बाबत् तीन व्यक्तियों से हस्ताक्षरार्थ।

# समिति का प्रतिवेदन

## कार्य सलाहकार समिति का 17वां प्रतिवेदन

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री महावीर प्रसाद जैन, सरकारी मुख्य सचेतक, कार्य सलाहकार समिति के 17वें प्रतिवेदन का उप-स्थापन करेंगे।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): उपाध्यक्ष महोदय, मैं कार्य सलाहकार समिति के 17वें प्रतिवेदन का उप-स्थापन करता हूं।

**श्री उपाध्यक्ष:** सरकारी मुख्य सचेतक यह भी प्रस्ताव करेंगे कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति के 17वें प्रतिवेदन पर अपनी सहमति प्रकट करता है।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (मुख्य सचेतक): उपाध्यक्ष महोदय, मैं पूरा बोल दूं, अगर आप कहें तो?

उपाध्यक्ष महोदय, कार्य सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 9 मार्च, 2007 को मध्यान्ह पश्चात् 2.40 बजे माननीय अध्यक्ष के वैश्म (चैम्बर) में हुई। समिति ने निर्णय लिया कि दिनांक 12 मार्च, 2007 से 30 मार्च, 2007 तक सदन में लिये जाने वाले कार्य का बटवारा निम्न प्रकार किया जाय :-

| | |
|---|---|
| सोमवार, दिनांक 12 मार्च, 2007<br>मंगलवार, दिनांक 13 मार्च, 2007<br>बुधवार, दिनांक 14 मार्च, 2007 | आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2007-2008 पर सामान्य वाद-विवाद |
| गुरूवार, दिनांक 15 मार्च, 2007 | आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2007-2008 पर अग्रेत्तर सामान्य वाद-विवाद एवं राज्य सरकार की ओर से उत्तर |
| शुक्रवार, दिनांक 16 मार्च, 2007 | अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान |
| शनिवार, दिनांक 17 मार्च, 2007<br>रविवार, दिनांक 18 मार्च, 2007 | बैठक नहीं होगी । |
| सोमवार, दिनांक 19 मार्च, 2007 | अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान |

(श्री महावीर प्रसाद जैन्)

| | |
|---|---|
| मंगलवार, दिनांक 20 मार्च, 2007 | बैठक नहीं होगी । |
| बुधवार, दिनांक 21 मार्च, 2007<br>गुरूवार, दिनांक 22 मार्च, 2007<br>शुक्रवार, दिनांक 23 मार्च, 2007 | अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान |
| शनिवार, दिनांक 24 मार्च, 2007<br>रविवार, दिनांक 25 मार्च, 2007 | बैठक नहीं होगी । |
| सोमवार, दिनांक 26 मार्च, 2007 | अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान |
| मंगलवार, दिनांक 27 मार्च, 2007 | बैठक नहीं होगी । |
| बुधवार, दिनांक 28 मार्च, 2007 | अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान |

**(आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2007-2008 से संबंधित अनुदान की शेष मांगें मुखबन्द का प्रयोग किया जाकर दिनांक 28 मार्च, 2007 को मतदान हेतु प्रस्तुत की जायेगी)**

| | |
|---|---|
| गुरूवार, दिनांक 29 मार्च, 2007 | राजस्थान विनियोग (संख्या-2) विधेयक, 2007 पर विचार एवं पारण |
| शुक्रवार, दिनांक 30 मार्च, 2007 | राजस्थान वित्त विधेयक, 2007 पर विचार एवं पारण |

उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति के 17वें प्रतिवेदन पर अपनी सहमति प्रकट करता है।

**श्री उपाध्यक्ष:** प्रश्न यह है कि क्या यह सदन कार्य सलाहकार समिति के 17वें प्रतिवेदन पर अपनी सहमति प्रकट करता है?

**(स्वीकृत)**

सदन द्वारा प्रतिवेदन पर सहमति प्रदान की गयी।

(श्री उपाध्यक्ष)

आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2007-08 पर सामान्य वाद-विवाद

## घोषणा

### आय-व्ययक पर वाद-विवाद हेतु समय का बंटवारा

मुझे सदन को सूचित करना है कि आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2007-08 पर सामान्य वाद-विवाद के लिए लगभग 16 घण्टे उपलब्ध हैं। उपलब्ध समय में सरकार द्वारा उत्तर दिये जाने का समय भी सम्मिलित है। विभिन्न पार्टियों के लिए समय का बंटवारा निम्न प्रकार किया जाता है:-

1. भारतीय जनता पार्टी - 9 घण्टे 40 मिनट
2. इण्डियन नेशनल कांग्रेस – 4 घण्टे 24 मिनट
3. इण्डियन नेशनल लोकदल – 15 मिनट
4. जनता दल (यूनाइटेड) – 10 मिनट
5. बहुजन समाज पार्टी – 10 मिनट
6. भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) – 5 मिनट
7. लोकजन शक्ति पार्टी – 5 मिनट
8. राजस्थान सामाजिक न्याय मंच – 5 मिनट
9. निर्दलीय - 1 घण्टा 3 मिनट

कुल समय : 16 घण्टे।

माननीय श्री सी.पी. जोशी।

## आय-व्ययक पर सामान्य वाद-विवाद

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले, Let me confess it. मैं सन 80 में एम.एल.ए. बना। 80-98 तक I was an MLA. और एक विधायक के रूप में विधान सभा में जो बजट के कागज मिलते थे, वह मैं अपने घर पर ले जाकर रखता था। बाद में परिवर्तन हुआ, बजट को अटेची में रखने की परम्परा प्रारम्भ हुई। आज अच्छी अटेची में पूरे बजट को अच्छे ढंग से माननीय विधायक को दिया जाता है। परन्तु माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यदि मुझे सरकार में मंत्री बनने का अवसर नहीं मिलता तो शायद बजट के सम्बन्ध में हम अपने विचार को ठीक ढंग से नहीं रख सकते। मैं धन्यवाद

(डा. सी. पी. जोशी)

देना चाहता हूं, अध्यक्ष महोदया को भी और ....... संस्था को भी, जिसने हमें इस बात के लिये प्रेरित किया कि जन-प्रतिनिधियों को बजट के बारे में समझना जरुरी है।

**(समय : 14.28 बजे)**

**(श्री सुरेन्द्र गोयल, सभापति, पदासीन)**

जब तक हम बजट के बारे में ठीक ढंग से नहीं समझेंगे तब तक हम प्रभावशाली ढंग से जनता की सेवा नहीं कर सकेंगे। ऐसी मेरी मान्यता है। और इसलिये मैं अपनी बात प्रारम्भ करना चाहता हूं हमारे भारत सरकार के वित्त मंत्री, उन्होंने यह बात कही, "I must caution that the outlays do not necessarily mean outcomes. The people of the country are concerned with the outcomes. The Prime Minister has repeatedly emphasized the need to improve the quality of implementation and enhance the efficiency and accountability of the mechanism." यह हमारे भारत सरकार के वित्त मंत्री के विचार हैं और मैं समझता हूं कि हर सरकार का कर्तव्य होता है, हम आउट-लेज से ज्यादा आउट-कम के बारे में चर्चा करें। और मुझे आज इसी बात से आपका ध्यान आकर्षित करना है, सभापति महोदय, आउट-लेज बड़े इम्प्रेसिव हैं। आउट-लेज इम्प्रेसिव आज से नहीं हैं। जब से यह सरकार सत्ता में आयी है, तब से है, सरकार ने जो बजट रखे हैं मैं उन सबके बारे में भी आपका ध्यान आकर्षित करुंगा और बताऊंगा कि किस तरह से इम्प्रेसिव आउट-ले देकर जनता को यह बताने की कोशिश की कि जो उनके उद्देश्य हैं उनको पूरा करेंगे। जब एक्चुअल्स आये, सभापति महोदय, सी.ए.जी. ने आउट-लेज और आउट-कम में बहुत बड़ा अन्तर है। माननीय मुख्य मंत्रीजी ने भी, सभापति महोदय, आप जानकर आश्चर्य करेंगे, अपने बजट भाषण, 8 मार्च, 2006 में पैरा 21 में कहा, बजट प्रक्रिया में समय के साथ परिवर्तन लाते हुए हमने आउट-कम बजटिंग प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है ताकि हम केवल वित्तीय प्रावधानों का ही नहीं बल्कि योजनाओं के वास्तविक परिणामों का मूल्यांकन कर सकें। आउट-कम बजटिंग के परिणाम प्राप्त होने पर मैं उनको सदन से अवगत कराऊंगी।

**(समय : 14.29 बजे)**

**(श्रीमती सुमित्रा सिंह, अध्यक्ष, पदासीन)**

माननीय अध्यक्ष महोदय, यह वित्त मंत्री के रूप में मुख्य मंत्रीजी का

(डा. सी. पी. जोशी)

भाषण है 08 मार्च, 2006 का और माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे कहते हुए यह तकलीफ है, वही मुख्य मंत्री, वही वित्त मंत्री जब 9 मार्च, 2007 में भाषण दे रही हैं, तब माननीय अध्यक्ष महोदय, वह यह कह रही हैं, आउट कम और आउट ले में, आउट कम को आउट पुट से लिंक कर दिया है भारत सरकार ने इसलिए मैं अभी यह रखने के लिए असमर्थ हूं माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आज भी समझ नहीं पाया, माननीय अध्यक्ष महोदय, कि यह सरकार जिसका 2006 में यह कमिटमैंट था कि हम आउट कम जनता के सामने रखेंगे और आज क्या आवश्यकता बन गयी कि यह सरकार आउट कम बजट हमारे सामने नहीं रखना चाहती? माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि यही सबसे बड़ी एक दुविधा है इस सरकार के साथ में कि कथनी और करनी में इनका कितना अन्तर है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इसका रिलेवेंट पैरा मैं आपको रेफर करके बता दूंगा जिसमें माननीय मुख्य मंत्रीजी ने यह कहा है कि आउट कम बजट रखने की स्थिति उनकी नहीं है क्योंकि आउट कम को आउट पुट से मेजर नहीं किया जा सकता। एक साल बाद मुख्य मंत्री को मालूम पड़ा, माननीय अध्यक्ष महोदय, कि आउट कम को आउट पुट से मेजर नहीं कर सकते। इस पवित्र सदन में एक बार यह कहा गया कि मैं सदन को आउट कम बजट के बारे में सूचना करूंगी और दूसरी ही बार आज सदन में रखा उसमें लिखा है कि मैं आउट कम बजट के संबंध में अपनी बात नहीं कह सकती क्योंकि आउट पुट और आउट कम में अन्तर है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, अंग्रेजी वर्ड तो मुझे आते नहीं हैं क्योंकि अंग्रेजी वर्ड पढ़े-लिखे लोग जो हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय, वे ही, इस भाषण में आप देखिये, माननीय अध्यक्ष महोदय, कितना परिवर्तन हो गया? आज अंग्रेजी वर्ड लिखकर हम इस बजट भाषण में क्या-क्या बातें कहना चाहते हैं? माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं दो-तीन बातों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करके मुख्य मुद्दे पर आऊंगा क्योंकि मैंने कहा, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने कोट किया है चिदम्बरम साहब को और दूसरा चिदम्बरम साहब का एक और मैं कोट करना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, "This Budget has to be judged in the political and economical context." यह बजट को जज किया जाना चाहिए इकानोमिक एण्ड पालिटिकल कांटेक्स्ट में। यह हमारे वित्त मंत्री का विचार है, माननीय अध्यक्ष महोदय, और मैं चाहता हूं कि मेरे जो भाषण का

(डा. सी. पी. जोशी)

सार है वह यही है कि इस बजट को पालिटिकल और इकानोमिक, इसी आधार पर जज किया जाना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्रीजी का यह तीसरा बजट है और माननीय अध्यक्ष महोदय? (व्यवधान) चौथा बजट है। बजट भाषण के दूसरे पैराग्राफ में माननीय अध्यक्ष महोदय, लिखा है कि- 'यह त्यौहार गिले-शिकवे पालने का नहीं भूलने-भुलाने का है। फोरगिव एण्ड फोरगेट का है।' हिन्दी मुझे पता नहीं है। अंग्रेजी में जो उनके विचार हैं वहीं लिखे हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय, क्योंकि अंग्रेजी में कभी-कभी आदमी अपनी बातें सही लिख सकता है जो हिन्दी में अभिव्यक्ति नहीं दे सकता है क्योंकि कुछ आदमियों की अभिव्यक्ति अंग्रेजी में अच्छी होती है। अच्छा है उन्होंने अपनी सब बातें जो उनकी मन की बातें हैं वह अंग्रेजी में ही लिखी हैं उन्होंने। उन्होंने लिखा कि यह 'फोरगिव एण्ड फोरगेट करने का हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय, आपसी प्यार और सम्मान का है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, पहली बात तो इस बजट भाषण में इसलिए मैंने कहा कि पालिटिकल और मैं उसका इकॉनोमिक का भी कहूंगा, माननीय अध्यक्ष महोदय, और आखरी में एक बात अच्छी कही है 233 पैरा में, 'मेरी सरकार ने राजस्थान को एक विकसित प्रदेश बनाने का सपना देखा है। यह 233 पैरा के पहले, माननीय अध्यक्ष महोदय, किसी भी जगह पर मेरी सरकार का वर्णन नहीं है। 'मैं', 'मैं' यह करूंगी, 'मैं' यह दे रही हूं, 'मैं' फलाना करूंगी, 'मैं' यह करूंगी, माननीय अध्यक्ष महोदय, यह इस बात का प्रतीक है कि इस राजस्थान के लोकतंत्र में जिस चुनी हुई सरकार को गुड्स डिलीवर करने हैं, उनकी एग्जिक्यूटिव एजेंसी पालिटिकल गवर्नमैंट से मिनिस्टर होते हैं और मिनिस्टर के नीचे ब्यूरोक्रेसी है। ब्यूरोक्रेसी को काम करवाकर अपने बजट की जो सरकार के नीति निर्णय है, उसको लागू करना है। दुर्भाग्य है। दुर्भाग्य है माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल के अभिभाषण को भी लेकर आया हूं। यह राज्यपाल का अभिभाषण जो रखा है, माननीय अध्यक्ष महोदय, इस राज्यपाल के अभिभाषण का इतिहास भी समझना पड़ेगा कि केबिनेट ने राज्यपाल के अभिभाषण को पास नहीं किया। एक कमेटी बनी। कमेटी बनकर रेफर करके उसको पास करवाया। इस राज्यपाल के अभिभाषण में कहीं शब्द 'मैं' नहीं है। 'मेरी सरकार' 'सरकार' यह 'सरकार' तो लोकतंत्र में होता ही यह है कि सरकार ही काम करती है। मुख्य मंत्री के जो मंत्री लोग साथी हैं, वे

(डा. सी. पी. जोशी)

लोग मिलकर निर्णय करते हैं और निर्णय करने के बाद एग्जिक्यूट करते हैं। यह राज्यपाल का अभिभाषण माननीय अध्यक्ष महोदय, इसमें तो सरकार है और इसमें माननीय अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री है, सरकार नहीं है। 'मैं', 'मैं' का मतलब माननीय अध्यक्ष महोदय, है जितने विभाग हैं, मैं एक-एक विभाग में से खास तौर से कुछ ही विभागों की चर्चा करूंगा। वह विभाग चाहे शिक्षा विभाग हो, वह चाहे शिक्षा, हैल्थ मिनिस्टर हो, चाहे माननीय अध्यक्ष महोदय, इण्डस्ट्रियल मिनिस्टर हो, मैं अलग-अलग विभाग की आपसे चर्चा करके बताऊंगा। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जो पालिटिकली कलेक्टिव गवर्नमैंट है, इन लोगों ने जो पालिटिकल गवर्नेंस किये हैं, उसका एक परसेंट भी रिफलेक्श? (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** Please don't disturb. Please don't disturb.

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आपको मौका मिलेगा। मैं बैठता हूं। अभी सीखो।

**श्री अध्यक्ष:** Don't disturb please. सुमेरपुर से आने वाले माननीय सदस्य, कृपया, स्थान ग्रहण करें। कृपया, उनको पूरा मौका मिलेगा। मुख्य **मंत्रीजी बता देंगी। (व्यवधान)**

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): मैं निवेदन करना चाहता हूं। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** आप बीच में क्यों बोल रहे हैं? कृपया, स्थान ग्रहण करें। (व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आपकी सरकार जवाब देगी। यह गलत बात है, यह प्लीज, आपसे निवेदन है कि आप बैठिये। गलत बात है यह। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत खुशी है कि कुछ आदमी को परफार्मेंस करना पड़ेगा, जरूरी है। जरूरी है कि जिस तरह की बातें कर रहा हूं उसको परफार्म नहीं करेंगे, वेकेंसी भी नहीं होगी और जगह भी नहीं मिलेगी इसलिए कुछ लोग जगह बनाने के लिए करें, कोई तकलीफ नहीं है।

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): नहीं, परफोर्म न? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): अभी टाइम लगेगा आपको। अभी टाइम लगेगा। (व्यवधान) मदनजी, अभी टाइम लगेगा। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** कृपया, स्थान ग्रहण करें। (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): कई जगह पर लिखा है, 'हमारी सरकार', कई जगह पर लिखा है 'हमारी सरकार? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आप कह देना। मौका मिले जब बोल देना। कोट कर देना। मना कर रहे हैं क्या कोई? आपको मौका मिले जब बोल देना आप। करेक्ट कर देना आप। (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): आप पैरा 193 देख लीजिए, 231 देख लीजिए। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** सुमेरपुर से आने वाले माननीय सदस्य।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): बोल देना आप। आपको मौका मिलेगा, आप वकील हो। वकील लोग ऐसे करेंगे क्या? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** गलत बात। यह ठीक नहीं है। उचित नहीं है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इसलिए बड़ी गम्भीरता से कहना चाहता हूं, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं जो कोई बात कहता हूं, मैं माननीय मुख्य मंत्रीजी का, वसुन्धराजी का बहुत सम्मान करता हूं। मुख्य मंत्री के संबंध में मेरी अपनी रिजर्वेशन है इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय, 'मैं' और मुख्य मंत्री के बीच में 'मैं' अन्तर करना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सरकार, यह सरकार का, माननीय मदनजी राठौड़ साहब, पढ़ लीजिए, बहुत विद्वान आदमी हैं, यह आय-व्यय क, एट ए ग्लांस, बजट एट ए ग्लास है, माननीय अध्यक्ष महोदय, यह भी सरकार का डाक्युमैंट है 2007-08 का और माननीय अध्यक्ष महोदय, यह आय-व्यय 2007-08, इसमें भी यह मेंशन है और यही माननीय अध्यक्ष महोदय, भाषण है इसमें। माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे खुशी होगी कि इसके एक भी पैराग्राफ में, what do you mean by Budget-at-a-Glance? एट ए ग्लांस का मतलब होता है कि एक वर्ड व्यू में हमें मालूम पड़ जाती है कि बजट में क्या-क्या होगा। एट एनी स्टेज, यहां पर बता दें कोई भी, एक मैं यह खोलकर बताना चाहता हूं, यह मैं कोट करना चाहता हूं सबसे पहले शिक्षा मंत्रीजी को ही, एजुकेशन का पैरा अंग्रेजी में 6 है, माननीय अध्यक्ष महोदय, " ….. social and community services, education – general education, elementary education, a provision of Rs. 318.27 crore has been

proposed for elementary education." यह बजट एट ए ग्लांस में है और जो माननीय अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्रीजी ने यह जो भाषण दिया है, यहां पर उसमें केवल मात्र कंसोलिडेट अमाउंट दिया है, एलिमेंटरी एजुकेशन का। यह कहा है कि भारत सरकार 75 करेगी, 25 करेगी, 50-50 करेगी, यह जानकारी नहीं है इसलिए कंसोलिडेट फण्ड कर रहा हूं, यह बजट एट ए ग्लांस में माननीय अध्यक्ष महोदय, कहीं यहां पर मेंशन नहीं किया है कि हम एक साथ कंसोलिडेट करेंगे। माननीय अध्यक्ष महोदय, सरकार 1500 स्कूलें खोल रही है। बहुत बड़ा काम है। सैकेण्डरी स्कूल, 600 सीनियर हायर सैकेण्डरी स्कूल खुल रही हैं, बहुत बड़ा काम है। बजट एट ए ग्लांस में माननीय अध्यक्ष महोदय, एक शब्द नहीं है। राठौड़ साहब, पढ़ लीजिए। मुझे ध्यान, जानकारी होगी कि बजट एट ए ग्लांस में एक भी शब्द नहीं है कि सैकेण्डरी स्कूल कितनी खोलेंगे? सीनियर हायर सैकेण्डरी स्कूल कितनी खोलेंगे, माननीय अध्यक्ष महोदय, इसका मतलब यह है कि Budget-at-a-Glance and Budget speech, they are two different documents, which should not be. लोकतंत्र में यह बजट एट ए ग्लांस हम सब सदस्यों को एट ए ग्लांस, एट ए वैरी इम्पोर्टेंट कम समय में हम बजट के जो साइलेंट फीचर्स ? (व्यवधान) आप खड़े होकर बता दो। आप बता दो पढ़कर। जो मैं बोल रहा हूं इस बजट एट ए ग्लांस में कहीं लिखा हुआ है ? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): क्या? बजट एट ग्लांस में तो वही आता है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): क्या आता है? स्कूल खोलेंगे, यह नहीं आता?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): आज जो कह रहे हो, आज तक किसी भी बजट एट ग्लांस में, किसी भी बजट को आप देख लें इसमें अगर लिखा हो कि इतने स्कूल खुलेंगे, इतने चिकित्सालय खुलेंगे, यह तो मोटा-मोटा आकड़ा दिया जाता है कि इस-इस विभाग के लिए इतना-इतना प्रावधान किया जा रहा है। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे तो पार्लियामैंट्री अफेयर मिनिस्टर की चमचागीरी पर दया आती है। चमचागीरी करें, स्टेण्डर्ड की ही करें। एलिमैण्टरी एजुकेशन का हैड पढ़ लें आप, इसमें लिखा है कि "A provision of Rs. 318. .. crore …" इसको पढ़ें आप… (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** आपने यह कहा ज? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): नहीं, माननीय अध्यक्ष महोदय, इसमें चमचागीरी की क्या बात आ गयी?

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): और यह माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्रीजी क? (व्यवधान) आपने कलेक्टिव पास किया है आपने. You are equally responsible for endorsing this Budget speech. You cannot shirk the responsibility.

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): इसमें चमचागीरी की क्या बात आ गयी? आप क्या कहना चाहते हो? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): चमचागीरी की पराकाष्ठा है। कलेक्टिव रेस्पांसिबिलिटी है। (व्यवधान) आपको ऑन करनी चाहिए अपनी मूर्खता को। (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): क्या कहना चाहते हो आप?

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): यह आपके बजट में लिखा हुआ है। इसमें भाषण है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): राजस्थान के इतिहास में सबसे बड़ा वार्षिक बजट बनाकर आपके मुंह पर तमाचा मारा है। राजस्थान के साथ अन्याय आप लोगों ने किया है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): वार्षिक से क्या होता है। आप तो जितने लम्बे हो उतनी ही वार्षिक होगी। वार्षिक से क्या फर्क पड़ता है। कोई लम्बाई होने से आदमी अक्ल वाला हो जाता है क्या? आप बहुत लम्बे हो तो अक्ल ज्यादा थोड़े ही हो सकती है क्या? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): तो कोई छोटा होने से अक्ल वाला होता है क्या?

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): हां, ज्यादा होते हैं। मुख्य मंत्रीजी ? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): आपको खुद को, चार फुट का बनाया। अक्ल वाले हो गये क्या आप? यही भ्रम में हो क्या आप कि आप चार फुट के हो तो अक्ल वाले हो गये?

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): यही कहलवाना चाहता हूं। यही सुनना चाहता हूं। मुझे खुशी हुई कि मुख्य मंत्री को यह कहना चाहते हो कि आप छोटे हो। आप में अक्ल नहीं है, यही तो कहलवाना चाहता हूं मैं आपसे। आपने एण्ड्रोसड किया, उसके लिए धन्यवाद। बोलिये अब? मैं तो यही कहलवाना चाहता हूं धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष महोदय, I wish, मुझे कोई तकलीफ नहीं है, मैंने कहा कि I want ignorant. I was an MLA for 10 years, but I was ignorant. मैं शायद मंत्री नहीं बनता तो मुझे यह बजट और बजट की प्रक्रिया मालूम नहीं है, यह बजट जो यहां लाकर रखा गया है, केबिनेट मीटिंग, दो मिनट में होती है और हाउस में आते हैं, मुझसे क्या कहलवाना चाहते हो कि केबिनेट का क्या मतलब है, किस तरह से केबिनेट में बजट भाषण आता है. Why are you interested that I should speak all these things? मैं तो माननीय अध्यक्ष महोदय, यह कहना चाहता हूं कि बजट एट ए ग्लांस, मैं समझता हूं कि आप भी इतने सीनियर पार्लियामेंटेरियन रहे हैं, Budget-at-a-Glance should reflect what are the provisions in the Budget. एट ए ग्लांस मालूम पड़ना चाहिए। आप इतना बड़ा काम कर रहे हैं। 1500 स्कूलें खोल रहे हैं, आपने अध्यक्ष महोदय, सोशल वायबिलिटी गेप के लिए आप 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर रहे हैं. Hundred crores of rupees! It is a very big achievement. अम्बेडकर के पार्क के लिए आप पीठ बना रहे हैं। अम्बेड़कर का पार्क बना रहे हैं. Have you mentioned anything in this? यह इंडिकेट करता है, माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सरकार भारत सरकार के बजट का इन्तजार कर रही थी। इस सरकार के पास विजन नहीं है। यदि विजन होता, माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जो डाक्युमेंट एट ए ग्लांस है, इसमें कोई न कोई चीज रिफलेक्शन होनी चाहिए थी जो बजट में मुख्य मंत्रीजी ने सदन के सामने रखा। माननीय अध्यक्ष महोदय, जो सबसे पहला मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं, माननीय अध्यक्ष महोदय, कि इस बजट एट ए ग्लांस में जो इम्पोर्टेंट है, मेरी दृष्टि से भी, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं धन्यवाद देना चाहता हूं, मैं कुछ चीजों को मना नहीं करना चाहता, आज सोशल सिक्योरिटी का इतना बड़ा इन्शिएटिव मुख्य मंत्रीजी ने रखा।

अब स्कीम को कंसीव नहीं कर रहे हैं 100 करोड़ रुपये का आपने प्रोविजन कर दिया है सोशल वायबिलिटी गैप के नाम पर, क्योंकि भारत सरकार के मंत्री प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप को इनीशियेट करने के लिये 100 करोड़ का प्रोविजन रखा। आप उनसे दो कदम आगे चलना चाहते थे। आपने

(डा. सी. पी. जोशी)

पब्लिक प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर की जगह सोशल गैप को वाइबल करने के लिये 100 करोड़ का प्रोविजन रखा। माननीय अध्यक्ष महोदय, जब आदमी यह रखता है, 'आदमी' मैंने कहा, अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री, मंत्री और मैं, यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, यह सरकार व्यक्ति की नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के आदर्श गुरु गोलवलकर की है। गुरु गोलवलकरजी के लिये 2004 में आपने प्रोविजन रखा दो करोड़ रुपये का । आप उठाकर देख लें, 2005-06 में कितना खर्च किया? सात करोड़ समथिंग, अब कितना रख रहे हैं, 20 करोड़ रुपये। खुशी होती अध्यक्ष महोदय, गुरु गोलवलकर के नाम से जनसहभागिता की जो आप बात कर रहे हैं, 100 करोड़ का प्रोविजन आप जन सहभागिता में करते और यह जो सोशल गैप है, सोशल गैप कौनसा ? आज राजस्थान में पिछले दस साल से एक भी सैकण्डरी स्कूल को सीनियर हायर सैकण्डरी में साइंस फैकल्टी के साथ नहीं जोड़ा। एक भी नहीं जोड़ा। मैं जिस सरकार में मंत्री था, उसको भी मैं सम्मिलित कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आज 11 लाख बच्चे बैठ रहे हैं ट्वल्थ क्लास में, उसमें साइंस के लड़कों की संख्या 89,000 है। I want to correct myself. आज राजस्थान में 11 लाख बच्चे सीनियर हायर सैकण्डरी में बैठ रहे हैं उसमें साइंस के 89000 हैं। सैकण्डरी स्कूल को सीनियर हायर सैकण्डरी स्कूल में क्रमोन्नत तो किया लेकिन साइंस फैकल्टी नहीं खोलना चाहते हैं। एस.सी., एस.टी. या गरीब आदमी का बच्चा जो पढ़ेगा, वह हिन्दी-अंग्रेजी पढ़कर आगे जाकर कम्प्यूटर में दुनिया को बदलना चाहेगा। हम इसको पार्ट बनाना चाहते हैं लेकिन उन लोगों को एम्पॉवरमैंट नहीं करना चाहते, यह कौनसी फिलोसफी है ? अध्यक्ष महोदय, यदि आपके मन में कल्पना होती कि एस.सी; एस.टी. को एम्पावरमैंट करना है, साइकिल देने से ज्यादा आवश्यकता इस बात की थी कि हम आइडेंटिफाई करते कि ऐसी कौनसी पंचायत समिति है, ऐसे कौनसे जिले हैं, ऐसी कौनसी जगह है, जहां एस.सी., एस.टी. के लोग हैं जहां पर एम्पावरमेंट करने के लिये इंटरवेंशन करने की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, पाँच लाख बच्चियां नहीं हैं क्लास एर्थ में एस.टी. की Are we aware about this Adhekshya Mahodaya? मैं समझता हूं कि मन में कल्पना होती तो सोशल सैक्टर का 100 करोड़ रुपये का क्या लिखा है इसमें, आपने पढ़ा ? हास्टल बनाने के लिये इन्फ्रास्ट्रक्चर देंगे, कैपिटल इन्वेस्टमैंट में खर्च करेंगे और इसमें खर्च नहीं करेंगे 100 करोड़ रुपये । यदि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के मन में कल्पना होती तो 100

(डा. सी. पी. जोशी)

करोड़ गुरु गोलवलकर की शताब्दी में, गुरु गोलवलकरजी के नाम पर वह उन गरीब, एस.सी., एस.टी. को आगे लाने के लिये, उन बच्चों को पढ़ाने के लिये या एक पंचायत समिति में कम से कम दो या तीन सीनियर हायर सैकण्डरी स्कूल में साइंस और कामर्स सब्जैक्ट खोलती, 50 बच्चों का हास्टल बनाते तो एस.सी. का, ट्राइब का बच्चा पढ़ सकता था। वह आठवीं, नवीं में आकर पढ़ सकता था। अध्यक्ष महोदय, सैकण्डरी स्कूल में व्यवस्था करते पर हमारे मन में टोकनिज्म एक गुडविल, आदमी की एक इलाइट इमेज होती है, उस इमेज को सुधारना पड़ता है। 'मिड टर्म करेक्शन', अंग्रेजी में एक वर्ड है 'मिड टर्म करेक्शन' माननीय अध्यक्ष महोदय, बिजनैस में भी करना पड़ता है, घर में भी करना पड़ता है और कभी-कभी जब हम पालिटिकल हमारी स्लाइड करती है, अध्यक्ष महोदय, आप तो बहुत वरिष्ठ हैं। आपको मालूम होना चाहिये कि सरकार आने के बाद लोक सभा के चुनावजीती है, पंचायत के चुनावजीती है। इन्होंने बहुत वाहवाही ली पर अध्यक्ष महोदय, मेड़ता का चुनाव हारे हैं। इन्हें मालूम है डूंगरपुर का चुनाव हारे हैं। पालिटिकल बेस इस सरकार का जब सरकार सत्ता में आई, वह पालिटिकल बेस इनका डिस्टर्ब हो रहा है इसलिए नागौर में जवाहर लाल नेहरू के नाम पर व्यवस्था करेंगे, बाड़मेर में पानी की व्यवस्था करेंगे, झुन्झुनूं में पी.जी. कालेज खोलेंगे। यह पालिटिकल पावर मेड़ता का करेक्शन नहीं होता तो यह बाड़मेर, झुन्झुनूं और सीकर नजर नहीं आते। अध्यक्ष महोदय, डूंगरपुर में पूरी सरकार लगने के बाद हमने तो महाराष्ट्र पैटर्न पर खर्च नहीं किया, इन्होंने तो बहुत पैसा खर्च किया, पैसा बढ़ाया, अनाउंस किया, पूरी सरकार लगी है और काम किया है और अध्यक्ष महोदय, वहां करने के बाद पूरी सरकार, मंत्रिमण्डल लगने के बाद वहां पर 10 हजार वोट से हारे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह छोटी-मोटी घटना नहीं है। मैं भी नहीं मानता था कि वहां बी.जे.पी. हार सकती है। (व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): माननीय सदस्य, मेड़ता के चुनाव के बाद तो पहले एक बजट जा चुका। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): प्रोफेसर साहब, मिड टर्म करेक्शन की बात कही है। (व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): मिड टर्म की नहीं, मेड़ता के पहले की जानकारी दी है। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आप दोनों सुन लें, घनश्यामजी बैठे हैं, मदनजी बैठे हैं, वह भी तो बोल सकते हैं। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** माननीय मंत्रीगण, शांति से सुनें आप। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आप सुन तो सकते हैं । मिड टर्म करेक्शन आपको नहीं करना है, मिड टर्म करेक्शन का रोल आपके पास नहीं है। मिड टर्म करेक्शन तो ऊपर से होगा, आपसे नहीं होगा। वहां कहा गया है इसलिए सब व्यवस्था हो रही है। बाकी आपको पूछता कौन है ? मिड टर्म करेक्शन, मैं इसलिए कहना चाहता हूं, मैंने कहा इस बजट के पीछे पालिटिकल समझ नहीं पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, एस.टी. का जो हमारा वोट बैंक था, उनको मनाने में यह असफल रहे हैं। कटारियाजी जैसे सम्माननीय कमिटेड आदमी चुनाव के इंचार्ज हों, पूरी सरकार वहां लग जाये और माननीय राजेन्द्रजी राठौड़ के नेतृत्व में जो कुछ भी व्यवस्था करनी हो, कर ली जाये, उसके बाद 10 हजार वोट से हार जायें, अध्यक्ष महोदय, यह कोई कम घटना नहीं, इसको समझने की आवश्यकता है।

यह दूसरा पालिटिकल करेक्शन करने के लिये अम्बेडकर की पीठ की व्यवस्था की। अम्बेडकर पार्क की व्यवस्था की, पर इसमें शब्द पढ़े हैं, मुझे जानकर बहुत आश्चर्य हुआ, यह एस.सी., एस.टी. के भाई समझें इस बात को, एक पैसे का प्रोविजन नहीं किया गया है। वैसे ही तालियां बजवाकर यह 'एट ए ग्लांस' में नहीं लिखा और इसमें क्या लिखा 'अपेक्षित सहयोग देंगे' सहयोग किसको देंगे ? आपके मन में यह व्यवस्था होती तो आप करते कि हम अम्बेडकर पार्क के लिये, अम्बेडकर पीठ के लिये 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था करते हैं। यह बात नहीं कही। आपने इसमें यह कहा है कि हम अम्बेडकरजी के सम्मान में पीठ खोलेंगे और पीठ खोलने के बाद अपेक्षित सहयोग देंगे। अपेक्षित सहयोग किसको देंगे ? कोई प्रपोजल आपके पास है, किसी ने कहा पार्क बनायेंगे, किसी यूनिवर्सिटी ने कहा पीठ खोलेंगे, क्या प्रपोजल आपके पास है जिसके ऊपर यहां व्यवस्था करेंगे? आपको पालिटिकल घोषणा करनी थी। यह मैसेज देना था कि राजा का राज नहीं है । इस राज में परिवर्तन हो रहा है और परिवर्तन के लिये अध्यक्ष महोदय, मिड टर्म करेक्शन करने के लिये सबसे पहले यह काम किया गया कि हम माननीय अम्बेडकर साहब की याद में पीठ की व्यवस्था करेंगे। मैं चाहता हूं माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्रीजी, क्योंकि यह शायद शिक्षा मंत्रीजी को मालूम नहीं है उन्होंने घोषणा कर दी। इसलिए शिक्षा मंत्री महोदय की यह जिम्मेदारी हो गयी। मैं जानकारी देना

चाहता हूं इसमें लिखा गया है, इसको समझ लें। मैं करेक्ट नहीं हूं तो आप मुझे करेक्ट कर दें। शिक्षा मंत्रीजी, मैं चाहता हूं कि आप पैराग्राफ को निकालकर देखें, इसमें लिखा हुआ है। (व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह :** शिक्षा मंत्रीजी को अता-पता ही नहीं है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मैंने अध्यक्ष महोदय, पहले यह कहा ...(व्यवधान)

**श्री कालूलाल गुर्जर :** यह छोटी-मोटी बातों पर ध्यान नहीं देते।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): यह छोटी-मोटी बात है। एस.सी; एस.टी. के लिये, अम्बेडकरजी के बारे में आपके विचार छोटे-मोटे हैं। मैं मानता हूं कि इससे तो बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति हो नहीं सकती। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मेरा तारतम्य बिगड़ जायेगा, मैं वापस शुरू करता हूं। आप पैराग्राफ निकाल दें, जिस पैराग्राफ में यह लिखा हुआ है कि हम अम्बेडकरजी के लिये जो उनके मन में है, मैं चाहता हूं कि यह बातें जनता के सामने आनी चाहिये।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): हमने मान लिया, हमने पढ़ा हुआ मान लिया। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): कोई चिन्ता नहीं, आप बहुत अच्छे हैं। आपको पढ़ा हुआ ही मानना पड़ेगा और ऑफ्शन ही क्या है ? आपके पास दूसरा ऑफ्शन है क्या ?

**श्री हीरालाल** (निवाई): अम्बेडकरजी के प्रति चिन्तित होते तो आप हारने के बाद लोक सभा चुनाव में कहीं नोमीनेट करवा देते। कभी सोचा ही नहीं आपने अम्बेडकरजी के लिये । खाली घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं आप।

**एक माननीय सदस्य :** जोशी साहब, आप तैयारी करके नहीं आये।

**एक माननीय सदस्य :** सुनियोजित तरीके से हरवाया है आपने। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आपके समझ में आ जायेगी तैयारी मेरी। मैंने गलत निकाल लिया था, अभी आपके समझ में आ जायेगा।

**श्रीमती ममता शर्मा :** जमुना बारूपाल कौन थी, मूलचन्द मीणा कौन थे?

**श्री प्रद्युम्न सिंह :** जमुना बारूपाल कौन थी, क्या जानकारी है आपको?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): पैरा नम्बर 80 है ।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): नहीं-नहीं, इनको पूरा पढ़कर सुनाना जरूरी है, मैं समझता हूं। (व्यवधान) आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं चाहता हूं आप उसकी लेंग्वेज पढ़ लें । मुझे कम से कम यह ध्यान रहे जो मैं बात कह रहा हूं वह ठीक है। अध्यक्ष महोदय, यह लेंग्वेज है- डा. भीमराव अम्बेडकर ने देश को न केवल संविधान दिया बल्कि वंचित वर्गों को अपने अधिकार मांगने का मार्ग प्रशस्त किया । डा. अम्बेडकर की ज्ञानवर्धन एवं चिन्तन की परम्परा को आगे बढ़ाना आवश्यक है। मैं जयपुर में अम्बेडकरजी के सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक चिन्तन को बढ़ावा देने के लिये एक अम्बेडकर पीठ एवं अम्बेडकर पार्क की स्थापना करने के लिये राज्य सरकार द्वारा अपेक्षित सहयोग देने की घोषणा करती हूं। सहयोग मांगा किसने ? (व्यवधान) कोई प्रस्ताव आपके पास विचाराधीन है ?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): जोशीजी, आप प्रस्ताव लेकर आ जाओ कि इस पैरा को हटाया जाये। (व्यवधान) आप विरोधी हो न ..(व्यवधान) आप अम्बेडकरजी के खिलाफ हो ना। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): बिराजें। बिराजें आप। (व्यवधान) हां, मैं ले आंउगा, सब कर लूंगा।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): यह इनकी भावनाओं के अनुसार है। आप तो खिलाफ में हो।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): इनके वोट पर ही आप राज कर रहे हो। 40 आदमीजीतकर आये हैं और आप जैसा नेता बना हुआ है। दुर्भाग्य है हमारा। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार बताये, यह मंत्रीजी खड़े हो जाते हैं, सरकार के पास कोई प्रपोजल है क्या ? किसको अपेक्षित सहयोग देना चाहते हैं आप ? यह आपने पास किया है, किसने प्रपोजल दिया ? मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने, जोधपुर युनिवर्सिटी ने, उदयपुर युनिवर्सिटी ने, राजस्थान युनिवर्सिटी ने, किसने प्रपोजल दिया है ? जे.डी.ए. ने दिया, किसी नगरपालिका ने दिया कि हमारे यहां पार्क बनाया जाये। इस पार्क में पैसा कम पड़ रहा है, सरकार इस पैसे को दे। बताया जाये हमें। मैं समझता हूं इससे ज्यादा गीमिक्स, मैं एक उदाहरण आपको देना चाहता हूं, आप जानकर आश्चर्य करेंगे इसी सरकार ने अध्यक्ष महोदय, एस.सी., एस.टी. के जो अलोकेशन फण्ड्स हैं, उसमें पूरे पैसे खर्च नहीं किये हैं। अभी मंत्रीजी फिर खड़े

(डा. सी. पी. जोशी)

हो जायेंगे क्योंकि इनको खड़े होने की आदत पड़ी हुई है। खड़े हुए बिना इनका काम चलता नहीं है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): नहीं-नहीं। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इनका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा, 2005-06 का बजट का मैं कोट कर रहा हूं, हैड 33, सोशल सिक्योरिटी एण्ड वैलफेयर, अमाउण्ट सेविंग हुई, कितना है, पता है आपको, बता दें आप, 29.71 करोड़ रुपये सेविंग किया आपने बजट प्रोविजन में। माननीय अध्यक्ष महोदय, स्पेशल स्कीम ऑफ वैलफेयर शिड्यूल्ड कास्ट, 51 हैड, 13.29 सेव किया, माननीय अध्यक्ष महोदय।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): 13 ओनली।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा):जी, 13, प्रोविजन कितना था जो 13 करेंगे, कोई 500 करोड़ था 13 का?

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं और कोट करना चाहता हूं, रेवेन्यू voted 30, ट्रायबल एरिया डवलपमैंट, प्रोविजन था 554.73 करोड़, खर्चा किया 474.76 करोड़ रुपये और सेविंग की 79.97 करोड़। माननीय अध्यक्ष महोदय, नैक्स्ट, 33, सोशल सिक्योरिटी एण्ड वैलफेयर, इसमें प्रोविजन था 125.62 करोड़ और खर्च किया 67.56 करोड़ और सेविंग किया, माननीय अध्यक्ष महोदय, सॉरी, सोशल सिक्योरिटी में 615.20 करोड़ रुपये का प्रोविजन था खर्चा किया 504.11 करोड़ और सेविंग किया 111.09 करोड़। स्पेशल स्कीम ऑफ वैलफेयर ऑफ शिड्यूल्ड कास्ट, प्रोविजन था 139.92 करोड़ रुपये खर्च किया 102.40 करोड़ रुपये और सेविंग किया 37.52 करोड़ रुपये। यह इनका कमिटमैंट है, अम्बेडकरजी का पार्क बना देंगे, अम्बेडकरजी के यह कर देंगे पर अपना जो आउट-ले है उसके अगेंस्ट में आउट कम किया। आउट कम किया, माननीय अध्यक्ष महोदय, इन स्कीम्स में जहां गरीब आदमी का भला हो सकता है वहां पर हमने आउट-ले को कम किया है। कौन जिम्मेदार है, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्रीजी को जिम्मेदार नहीं बना सकता। मंत्रीजी तो बड़े कमिटेड आदमी हैं, मंत्रीजी का तो कमिटमेंट है, मैं मंत्रीजी को नहीं कह सकता कि उनको दोष है। यह प्लान की साइज को कट कौन करता है? माननीय अध्यक्ष महोदय, प्लान की साइज जब कट होती है तो वित्त मत्री इम्पोर्टेंट होता है। कौन हैं वित्त मंत्रीजी, मुख्य मंत्रीजी, मुख्य मंत्रीजी के

(डा. सी. पी. जोशी)

नजदीक कौन है, राठौड़ साहब हैं। राठौड़ साहब के फंड में कट नहीं हुआ है, किसी फंड में कट नहीं हुआ है। पी.डब्ल्यू.डी. में रोड में एक्सेज खर्चा किया है। प्लान, सप्लीमैंट्री, सप्लीमैंट्री के बाद एक्सेज। उठा कर देखें पर वह शिड्यूल्ड कास्ट, ट्राइय का आदमी जिसके मन में है, कांस्टिट्यूशन का प्रोविजन है, प्रोविजन है, माननीय मंत्रीजी भी यह जानते हैं कि सरकार को यह डाइरेक्शन है कि जितनी पापुलेशन है उतना पैसा खर्च किया जाए और मॉनिटरिंग करने का काम समाज कल्याण मंत्रीजी को दिया है। समाज कल्याण मंत्रीजी कोशिश भी करते हैं पर कोशिश करने के बाद यह सरकार जिसमें 40 एस.सी., एस.टी. के एम.एल.एज.जीत कर आये हैं।

**एक माननीय सदस्य:** 45.

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): 45 सरकार और बी.जे.पी. में वह 40 एस.सी., एस.टी. के एम.एल.ए. के वैलफेयर के लिए हम केवल-मात्र अम्बेडकरजी की मूर्ति लगा दें, प्रतापगढ़ जिला बना दें, प्रतापगढ़ जिला बन जायेगा, अम्बेडकरजी की मूर्ति लग जायेगी तो एस.टी. के लिए बहुत बड़ा काम करदिया, 50 साल में इस कांग्रेस ने काम नहीं किया?

माननीय अध्यक्ष महोदय, काम करना है तो मैंने कहा कि 100 करोड़ रुपये जो सोशल सेक्टर में रखा है, एस.टी., एस.सी. के सम्बन्ध में मैं खास तौर से शिक्षा के क्षेत्र में, माननीय मंत्रीजी, आपसे कहना चाहता हूं ईमानदारी से, क्या आपको यह सूचना है कि ऐसे कौनसे ब्लाक हैं जिन ब्लाक के अन्दर आज भी एजुकेशन, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्रीजी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, पंचायत मुख्यालय को छोड़ दीजिए, कुछ राजस्थान में, साउथ राजस्थान में डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर के जो आदिवासी पंचायतें हैं उन पंचायत में केवल-मात्र 30 प्रतिशत पंचायत मुख्यालय पर 20 प्रतिशत पापुलेशन रहती है, 60 टु 70 परसेंट पापुलेशन हेमलेट में रहती है जहां रोड नहीं है, जहां पर आने-जाने के रास्ते नहीं हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां का बच्चा स्कूल में पढ़ने नहीं आ रहा है, वहां की बच्ची पढ़ने के लिए नहीं आ रही है। पंचायत मुख्यालय पर रहने वाला एस.सी., एस.टी. का बच्चा-बच्ची पढ़ने आ रहा है, बिलकुल सही है हेमलेट में रहने वाला जो हमारा एस.टी. का बहुत साधारण बच्चा है वह पढ़ने के लिए नहीं आ रहा है और वहां आप उठा कर देख लें, माननीय अध्यक्ष महोदय, आज आप मानें या ना मानें, मंत्रीजी, मैं आपको फिगर देना चाहता हूं, सबसे ज्यादा राजीव गांधी पाठशाला हमारी

(डा. सी. पी. जोशी)

सरकार ने एस.टी. में खोली हैं, बाड़मेर में खोली हैं। बाड़मेर में, सिंगल बाड़मेर डिस्ट्रिक्ट में हमने 1500 राजीव गांधी पाठशालाएं खोली हैं। डूंगरपुर, बांसवाड़ा में, हमने हर हेमलेट में राजीव गांधी पाठशालाएं खोली हैं जिससे उस बच्चे को यह मिले। आपने उसको प्राइमरी स्कूल किया, सर्व शिक्षा में कमरे बनाये, धन्यवाद पर वह बच्चा पांचवी से आठवीं तक पढ़ने के लिए आये, यह काम कौन करेगा? आप तो दसवीं में साइकल दिला रहे हैं, पांचवी से आठवीं आने की स्थिति भी नहीं है। आपको इन्टरवेन्शन करने की जरूरत है यहां पर कि वो बच्चा जो हेमलेट में और वो बच्ची जो पांचवी क्लास में पढ़ रही है, जिसको आप राजीव गांधी पाठशाला के नाम से नहीं जानना चाहते, प्राथमिक विद्यालय के नाम पर जानना चाहते हैं उस प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाला बच्चा और बच्ची आठवीं क्लास में आये, इस स्टेज पर इन्टरवेन्शन करने की जरूरत है जिस इन्टरवेन्शन की हमारे मन में कल्पना नहीं है। साइकल देकर वहां पर इन्टरवेन्शन नहीं होता।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आप आदर्श मिडल स्कूल बनाएं, उस आदर्श मिडल स्कूल में आप डोरमैटरी बनाएं, बच्चों को रखने की व्यवस्था करें, बच्चे वहां रह सकें और वहां पर जो महिला है, विडो है उनको आप बच्चों को रखने की व्यवस्था दें तो वहां बच्चा रिटेन्शन कर सके। आप होस्टल बनाना चाहते हैं, जयपुर में रहने वाला, वह आदिवासी बच्चा होस्टल में आकर रह ही नहीं सकता। वह कैसे रहेगा? नहीं करेगा। मैं समझता हूं कि पूरे राजनीतिकजीवन में, मैं मुख्य मंत्रीजी को 1985 से जानता हूं, एम.एल.ए. बन कर आयीं, मैं भी आया, मुझे भी सौभाग्य था एम.एल.ए. बनने का और मुख्य मंत्रीजी को तो, अच्छे बैकग्राउण्ड से हैं, उन्हें तो बहुत मौका मिला, चार दिन डूंगरपुर, बांसवाड़ा में कपड़े पहन कर यात्रा करने से डूंगरपुर की जानकारी नहीं हो सकती। आप गये होंगे चार बार यात्रा करने, आप परिवर्तन यात्रा में गये हैं, धन्यवाद देने भी गये, चुनाव में भी गये हैं, आप पर टोटल बीस साल के पालिटिकल टेन्योर में आपका एक्सपोजर पांच बार होगा, चार बार होगा। वहां की समस्या दूसरी है, माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां जरूरत है कि कैसे उस बच्चे के पैरेंट्स को हम इकानामिकल सपोर्ट दें जिससे बच्चे को वहां पढ़ने के लिए भेजें। यह ज्यादा आवश्यकता है इसलिए आपको एक डिफरेंट काइण्ड ऑफ इन्टरवेन्शन, यदि आप सही मायने में गुरु गोलवलकर की शताब्दी मनाना चाहते हैं, तिवाड़ी साहब, अगर आपको पूछा ही नहीं तो आप क्या बताओगे, यह तो आपका

(डा. सी. पी. जोशी)

आइडिया है ही नहीं, यह तो 'मैं' का आइडिया है, 'मैं' में सरकार तो है ही नहीं, सरकार अलग है और 'मैं' अलग है इसलिए जब आपको आईडिया ही नहीं है, माननीय अध्यक्ष महोदय, सरकार का शिक्षा मंत्री, जिसको यह सब काम करना है उसके कुछ आईडिया हो सकते हैं, उस आईडिया को तो इनको करना नहीं, अब इन आईडिया को लागू करना है See the fun. क्योंकि यह मेन्डेट है, सरकार की तरफ से है, हाउस पास करेगा। हाउस पास करने के बाद माननीय शिक्षा मंत्रीजी को, यह जो बजट पास किया है जिसमें 'मैं' सम्मिलित है, उस 'मैं' को लागू कर के सरकार को सशक्त बनाना है। आप मैं को बनना चाहते हैं या भारतीय जनता पार्टी को बनाना चाहते हैं, मुझे जानकारी नहीं है। मुझे तो यह मालूम था कि आप भारतीय जनता पार्टी को मजबूत बनना चाहते हैं। मुझे जानकारी नहीं है।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): Our Chief Minister is number one amongst the equals. यह सिद्धांत है भारतीय प्रजातंत्र का, सब प्रजातंत्रों का।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): But alongwith rider. का भी तो हो। आप खड़े होकर कह दें कि मेरा इनमें पार्टिशिपेट है, मैं बैठ जाऊंगा। (व्यवधान) मुझे खुशी होगी। मुझे कहां तकलीफ है? बात ही नहीं करूंगा मैं। Why should I speak all these things? मैं इतनी बातें क्यों करूं, माननीय अध्यक्ष महोदय? माननीय अध्यक्ष महोदय, कोई बात नहीं है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य ने जब बजट रखा था तो आपने 'मैं' का शब्द इस्तेमाल नहीं किया था? लाऊं आपका बजट स्पीच निकाल करके?

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): हमने गलती की वो गलती करा कर मुख्य मंत्रीजी को डूबाओगे? (व्यवधान) मतलब इससे बड़ा तो एडवाईजर मिल ही नहीं सकता। (व्यवधान) हमने जो काम किये वो काम सब करेंगे यह, बहुत -बहुत धन्यवाद। राठौड़ साहब, आप जैसे एडवाईजर के लिए कोई जरूरत नहीं है हमारी।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): यह एक-दो बार नहीं, आपने सैकड़ों बार इस्तेमाल किया है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): हमें तो बहत खुशी है, सही एडवाईजर

(डा. सी. पी. जोशी)

मिला हुआ है सरकार के पास, हमें कुछ करने की जरूरत ही नहीं है। हमने यह-यह काम किया इसलिए हम इधर बैठे हैं, आप भी यह-यह काम करो, इधर बैठोगे। इससे बड़ी बात क्या होती है?

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं, यह मेरे हाथ में है, जब यह सत्ता में थे ...

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, कुछ कहने को है ही नहीं, यह सामान्य भाषा है 'मैं' का इस्तेमाल करना। 'मैं', 'मेरी सरकार' का इस्तेमाल करना सामान्य भाषा है। (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): जिसमें यह शिक्षा मंत्री थे और जब इनके मंत्रीजी ने, जो इनके मुख्य मंत्रीजी ने पढ़ा इसमें 'मैं' शब्द का प्रयो? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्रीजी को बोलने नहीं दूंगा। बोलने दो हम ? (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): 'मैं' का प्रयोग 18 जगह आया है। यह मेरे हाथ में है। पेज नम्बर 65, आपका 2003-2004 का जो बजट है यह।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मैं मुख्य मंत्रजी को नहीं बोलने दूंगा, यह क्या कदम हुआ? ध्यान रखना, यह आपकी ट्रेनिंग है, मुख्यमंत्री को नहीं बोलने दूंगा। (व्यवधान)

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): माननीय प्रद्युम्न सिंहजी, आप विराजमान ? (व्यवधान) स्थानों पर 'मैं' शब्द का प्रयोग है, 'मैं' यह करता हूं, मैं यह करता हूं।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आप मेरे को पंक्चर नहीं कर सकते, दिमाग से निकाल दो। यों खड़े होकर मेरी बात को रोक नहीं सकते। और किसी को बुला कर खड़ा कर दो। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** सुमेरपुर से आने वाले माननीय सदस्य, कृपया स्थान ग्रहण करें। क्या फायदा ऐसे करने से?

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): इन सब पर 'मैं' का प्रयोग है, यह मैं आपको निवेदन करना चाहता हूं। (व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): मुख्य मंत्री और वित्त मंत्री साथ में हैं, यह मत भूल जाइयेगा।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): वाह, वाह। माननीय अध्यक्ष महोदय, बिलकुल नहीं टोकेंगे जोशीजी साहब को।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): नहीं, और बोलें आप।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): पर इनको कहें हमारी तरफ नहीं देखें। देखते भी आँख निकाल कर यों देखते हैं, फिर, माननीय अध्यक्ष महोदय, यों और हो जाते हैं। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): माननीय अध्यक्ष महोदय, आँख से डरते ही नहीं हैं, मुख्य मंत्रीजी खुद कह रही हैं आँख से डरते ही नहीं हैं। डरते तो खड़े ही नहीं होते यह।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): जरा मुस्करा कर बात करो, तनाव रहित हो।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): नहीं, मैं तो मुस्करा कर करूंगा।

**श्री अध्यक्ष:** आप को चश्में से आँख दिखाई कहां दे रही है? चश्मा लगा रखा है उन्होंने तो।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): तिवाड़ी से पूछो इस बात को, इन्होंने इस अदा से नहीं कहा हो तो।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): यह मुख्य मंत्रीजी की आँख को ही सहन कर सकते हैं, दूसरे की को सहन नहीं करेंगे।

**श्री अध्यक्ष:** कानों से सुनने का काम करेंगे, आंखें से देखने का। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): एक बात तो, माननीय अध्यक्ष महोदय, आप भी स्वीकार करेंगी कि माननीय मुख्य मंत्रीजी ने अच्छा कन्फेशन किया कि यह खाली घोषणाएं नहीं हैं इसलिए, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं 188 पढ़ना चाहता हूं। मैं 188 पढ़ रहा हूं - मैंने आज अनेक नये कार्यक्रमों की घोषणा की है ...

**श्री अध्यक्ष:** 'मैं' और मैंने कई बार कह दिया, इसे क्यों दोहरा रहे हैं बार-बार? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): जिससे असर पड़े, रस्सी आवत जावत

(डा. सी. पी. जोशी)

है, पता है न उसमें निशान पड़ जाते हैं, कोई असर पड़ जाए, फर्क पड़े तो मैं बोल रहा हूं, कोशिश कर रहा हूं। उस पत्थर पर भी निशान पड़ जाते हैं घूमने से, इन पर कोई असर पड़ जाए तो मैं कोशिश कर रहा हूं, नहीं पड़े तो नहीं पड़े। मेरा तो धर्म बनता है कोशिश करने का। 'मैं' लोकतंत्र में नहीं चलता, माननीय अध्यक्ष महोदय, 'मैं' से लोकतंत्र को कमजोर करोगे और अगर आप भी यदि इस विचार के हो तो मैं समझता हूं कि मुझे कष्ट होगा, आप तो उस परिवार से हैं जिसने संघर्ष किया है लोकतंत्र के लिए। 'मैं' के लिए संघर्ष किया है आपने? लोकतंत्र में सामूहिक जिम्मेदारी होती है। हर मंत्री सामूहिक कंट्रिब्यूट करता है उसके बाद सरकार चलती है।

मैं समझता हूं अच्छा है जो घनश्यामजी ने कहा मुख्य मंत्रीजी नम्बर वन होती हैं सब में लेकिन वो बाकी सब को सम्मिलित तो करे उसमें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं कोट करना चाहता हूं 188, मैंने आज अनेक नये कार्यक्रम की घोषणा की है इनकी अनुमानित लागत 1200 करोड़ रुपए है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी गणित ठीक हो तो बारह हजार करोड़ रुपए का एन्युअल प्लान है। बारह हजार करोड़ रुपए का एक हजार करोड़ रुपया कितना परसेंट है, दस परसेंट। दस परसेंट में बेरोजगारों को भत्ता भी, शिड्यूल्ड कास्ट, ट्राइब के बच्चों को साइकिल भी और सब व्यवस्था भी दस परसेंट में, नब्बे परसेंट के सम्बन्ध में नहीं, दस परसेंट में ही सब चीजें करके मैं समझता हूं आप तो हिन्दी के बहुत विद्वान हैं, हथेली में सरसों उगाने की कहावत सुनी थी कि हथेली में सरसों उगाया जा सकता है, या हथेली में हाथी को खड़ा कर सकते हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय,  मैंने तो सुना नहीं पर देखा प्रयास किया गया है कि हथेली में सरसों खड़ी करके बता दी जाए कि बारह सौ करोड़ रुपए जो टोटल आउट ले बारह हजार करोड़ का दस पर्सेण्ट है उस दस पर्सेण्ट में यह सब घोषणाएं हैं। एम्पावरमैंट आफ वुमेन, एस.सी.,एस.टी. के लिए यह व्यवस्था है, विकलांग के लिए यह व्यवस्था है, बेरोजगारी भत्ता मैं समझता हूं कि यह सब व्यवस्था बजट एट ए ग्लांस तक इनका दिमाग अलग चल रहा था फिर भारत सरकार का पता लगा कि एक लाख करोड़ रुपए, वर्ड यूज कर रहा हूं मैं, एक लाख करोड़ एलीमैंट्री एजूकेशन, हैल्थ, भारत निर्माण ऐसे चार पाँच कार्यक्रम के अन्दर एक लाख करोड़ रुपए का डिवोल्यूशन हो रहा है, 34 पर्सेण्ट, 20 पर्सेण्ट, 28 पर्सेण्ट उसमें राजस्थान सरकार पर भी पैसा लगा। उस पैसे का उपयोग करके राजस्थान कीजी.डी.पी. बढ़ाने का काम करते,

(डा. सी. पी. जोशी)

समझ में आता पर उस पैसे का उपयोग करके, गिमिक्स करके काम करना चाहते हैं तो मैं समझता हूं, मैं यह इसलिए कहना चाहता हूं, मैं आपका ध्या? (व्यवधान) 2004, 2005, 2006 का बजट भाषण लेकर आया हूं, मैं राठौड़ साहब कोट कर देता हूं कि आपने क्या यह घोषणा नहीं की थी कि गिएल का बिजली का कब आ जाएगा, 2006 में, आपने कब घोषणा की जून 2000 में पढ़ो इसमें ...

**श्री अध्यक्ष:** आप झूठ की बजाए कहिए असत्य बोले।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): माननीय अध्यक्ष महोदय, असत्य नहीं मैंने स्टार्ट में आपको कहा है आउट ले और आउट कम I said outlays are very impressive. I am saying what about outcomes.

**श्री अध्यक्ष:** ठीक है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मुझे खतरा है मैं बाकी इस बात को नहीं कहता। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जो बजट है 2007-08 का, यह बजट मैं चाहूंगा कि यह जो मैं बता रहा हूं माननीय मंत्रीजी निकालकर देख लें यह बजट 12820 करोड़ का 2007-08 का उसमें आप जानकर आश्चर्य करेंगे सोशल सैक्टर में पिछले बजट में 37.92 पर्सेण्ट आउट ले था उसको रिड्यूस करके 23.12 पर्सेण्ट कर दिया है। वैज्ञानिक उसमें पाइंटजीरो थ्री था उसको पाइंटजीरो टू कर दिया, उद्योग और खनिज में 2.38 था 1.28 कर दिया, सिंचाई और बाढ़ में आउट ले पिछली बार 10.81 पर्सेण्ट था उसको कर दिया 7.18 पर्सेण्ट और विशेष क्षेत्रीय कार्यक्रम में पाइंट फोर सिक्स था उसको पाइंट थ्री वन कर दिया। ग्रामीण विकास का आउट ले था 9.34 पर्सेण्ट उसको इस नये बजट में कर दिया 5.42 पर्सेण्ट। कृषि एवं संबंधित हम तो बहुत चर्चा करते हैं कृषि की, आप भी किसानों के बारे में चिन्तित हैं उसका जो आउट ले था 2.65 उसको रिड्यूस करके कर दिया 1.58, माननीय अध्यक्ष महोदय, अब मंत्रीजी खड़े होकर बता दें कि मैं गलत बोल रहा हूं?

**श्री अध्यक्ष:** तो अब बीच में क्यों खड़े होंगे वह ?

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): अच्छा नहीं होंगे। आपने बहुत अच्छा निर्णय दिया। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह मैं इसलिए कहना चाहता हूं कि इसमें कैच है, वह कैच यह है, मैं आरोप नहीं लगाना चाहता, मैं कैच, कैच यह है कि एनर्जी पर 41.50 पर्सेण्ट का प्रोवीजन किया। क्यों किया माननीय

(डा. सी. पी. जोशी)

अध्यक्ष महोदय, अब मैं आगे बोलूंगा अभी नहीं बोलूंगा, मैंने बताया इनको मालूम है कि गिएल की जो बिजली की योजना थी वह एक साल बाद आया है, धौलपुर की इनकी 2007 में आनी चाहिए वह अभी तक आयी नहीं है। यह बड़े-बड़े ख्वाब और फोटो और अख़बार लगाकर बताना चाहते हैं कि हम 2008 तक राजस्थान को यह कर देंगे 2010 में सरप्लस कर देंगे। यही शिक्षा मंत्रीजी जब शुरू शुरू में असेम्बली हमारी असेम्बल हुई थी पहले साल में तब माननीय शिक्षा मंत्रीजी जवाब दे रहे थे बिजली के संबंध में विद्युत मंत्रीजी के जवाब में, याद कर लें रिकार्ड में है कि तीन साल बाद तत्काल फार्म भरना और बिजली दूंगा। यह आपका भाषण है, मेरा भाषण नहीं ? (व्यवधान) आपका भाषण है।

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): ऐसा किया था आओ और ले जा? (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): आओ और ले जाओ।

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): जब आप इतने पास से कुछ नहीं ले पा रहे तो हम इतनी दूर से क्या ले पायेंगे। जब आप पड़ौस से ही नहीं ले पा रहे।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इसलिए कहना चाहता था विशेष केन्द्रीय सहायता, कुओं का विद्युतीकरण करना था, यह अनुसूचित जाति और जनजाति उत्थान का पढ़ रहा हूं मैं पेज अस्सी पर, उसमें था कि कुओं का विद्युतीकरण एस.सी., एस.टी. के लिए करना था, एक हजार कुओं का किए 377, कूप ब्लास्टिंग करना था 700 किये 165, कुटीर ज्योति योजना में शिड्यूल्ड कास्ट, ट्राइब के आर्थिक समीक्षा के हिसाब से दस हजार लोगों को कनेक्शन देने थे, दिए छह हजार पांच सौ। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह बताना चाहता हूं कि आपका रेवेन्यू जनरेशन बढ़ रहा है, धन्यवाद पर माननीय मंत्रीजी खड़े होकर बताएं आपने एफ आर बी ए? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** मत उन्हें आमंत्रित करो।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): नहीं, नहीं, मुझसे गलती हो गयी। माननीय अध्यक्ष महोदय, एफ आर बी एम एक्ट के अन्तर्गत दो काम करने थे, राजस्व घाटे को कम करना था और फिस्कल डेफिसिट को कम करना था। अब राजस्व घाटे को कम करने के लिए क्या तरीका हो सकता है? राजस्व घाटे को कम करने के लिए रेवेन्यू को बढ़ाया जाए, रेवेन्यू बढ़ाकर राजस्व घाटे को कम किया जाए और फिस्कल डेफिसिट को कम करने के लिए क्या किया

(डा. सी. पी. जोशी)

जाए, फिस्कल डेफिसिट को कम करने के लिएजी.डी.पी. बढ़ाई जाए। सबसे वर्स्ट वर्स्ट राजस्थान का समय था 2002-03, 2002-03 कीजी.डी.पी. उठाकर देख लें उसजी.डी.पी. के बाद आजजी.डी.पी. में इन्होंने क्वांटम जम्प किया है,जी.डी.पी. का कोई रिफलक्शन रेवेन्यू के अन्दर नहीं है औरजी.डी.पी. बढ़ रही है तो फिस्कल डेफिसिट को कम करने की जरुरत कहां पड़ रही है मुझे बता दें आप ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, 1998-99 में फिस्कल डेफिसिट पाँच हजार समथिंग था एक्चुअल्स बोल रहा हूं मैं 2005-06 के पाँच हजार समथिंग हैं, मना कर दें। आपने फिस्कल डेफिसिट को कण्ट्रोल करने के लिए कुछ नहीं किया, आपको करना चाहिए था रेवेन्यू एक्सपैंडिचर को कंट्रोल, अब रेवेन्यू एक्सपैंडिचर को कंट्रोल कर सकते नहीं हैं, करेंगे तो आरोप लगाने की बात करेंगे कि इन्होंने इस पर खर्च कहां किया। अनप्रोडेक्टिव असैट्स पर खर्च किया। अब अनप्रोडेक्टिव असैट्स कौन-कौनसी हैं इनका नाम लूंगा तो फिर प्राब्लम आएगी, अनप्रोडेक्टिव एक्सपैंडिचर करके रेवेन्यू एक्सपैंडिचर को कण्ट्रोल नहीं किया। रेवेन्यू एक्सपैंडिचर को कण्ट्रोल करते तो राजस्व घाटा वैसे ही ठीक हो सकता था पर माननीय अध्यक्ष महोदय, फिस्कल डेफिसिट को कण्ट्रोल करने के लिए अब इस सरकार ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है आउट ले के सामाजिक सुरक्षा के अन्तर्गत, आर्थिक सुरक्षा के अन्तर्गत, 2005-2006 की बी.ई. थी सामाजिक सेवा की बी.ई. का अमाउंट था 10921.17 इन्होंने एक्चुअल्स खर्च किए 9733 शार्ट फाल आफ 1 हजार 188 करोड़ सामाजिक सुरक्षा पर, आर्थिक सेवा में 7256 का बी.ई. थी ए.ई. इन्होंने कर दिया 7125, उसमें शार्ट फाल है 130 करोड़ रुपए का और सामान्य सेवा में जरूर इन्होंने 106 करोड़ रुपए कम किए हैं।

अब माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बताएं फिस्कल डेफिसिट को कण्ट्रोल करने के लिए सामाजिक सुरक्षा का पैसा यदि आप रोक रहे हो तो सामाजिक सुरक्षा का सबसे बड़ा एस.सी., एस.टी. और समाज कल्याण की व्यवस्था के ऊपर होता है जिनके अन्तर्गत न आप पानी की व्यवस्था कर सकते हो न बिजली की व्यवस्था कर सकते हो और न कोई व्यवस्था कर सकते हो। हॉस्टल खोलने की बात कर सकते हो, हॉस्टल बना नहीं सकते हो, आंगनबाड़ी केन्द्र मुझे बहुत आश्चर्य हुआ, यह बजट तो सामूहिक है इसमें तो मैं मुख्य मंत्रीजी को भी नहीं कह सकता कि मुख्य मंत्रीजी ने बनाया, 150

(डा. सी. पी. जोशी)

गवर्नर के एड्रेस के पैरा पर पढ़ रहा हूं मैं, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आधारभूत सुविधा विकसित करने की दृष्टि से राज्य में प्रथम बार विगत दो वर्षो में एक साथ पाँच हजार आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण कराया गया है और मुख्य मंत्री से यह कहलवाया गया है कि एक हजार का ही हुआ है। मुख्य मंत्रीजी का पढ़ लीजिए, मुख्य मंत्रीजी का भाषण है इसमें यहां तो यह कह रहे हैं गवर्नर की स्पीच में पाँच हजार भवनों का निर्माण कर दिया है और बजट के अन्दर यह कह रहे हैं कि हमने केवल मात्र एक हजार का किया है, दो हजार और नये जोड़कर तीन हजार भवनों का निर्माण 2007-08 में करेंगे। यह इस बात का द्योतक है कि जब आप फिस्कल डेफिसिट को कम करने का काम करोगे तो बी.ई. ? (व्यवधान) मैंने पहले भी कहा था माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी तक यह सरकार 2004-05 की बात कर रही है, 2005-06 आ गया, 2006-07 आ गया, 2007-08 की बात कर रही है, 2005 के एक्चुअल्स पर माननीय अध्यक्ष महोदय, इनका एन्युअल प्लान था 8152 करोड़ रुपए का। और अध्यक्ष महोदय, खर्चा हुआ है मैं चाहता हूं कि वह भी देख लें कि 8000 इन्होंने खर्च किये कि नहीं किये ? इसमें 8100 के अगेन्स्ट में इन्होंने खर्चा किया है केवल मात्र 7000, यह 8152 का आउट ले था। खर्चा हुआ है 7699.83 A shortfall of 45…..

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): कितना प्रतिशत हो गया?

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): जितने प्रतिशत आपकी लम्बाई है। मेरे से ज्यादा है उतने प्रतिशत ज्यादा हुआ होगा।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): 92 प्रतिशत, आप अपने आंकड़े उठाकर देख लो 92 प्रतिशत है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मेरे से लम्बाई ज्यादा है आपका प्रतिशत ज्यादा होगा। क्या तकलीफ है ? पर आपने हाउस को यह कमिट किया था कि 8155 करोड़ रुपये की योजना बना रहे हैं और आपने खर्चा किया है केवल मात्र 7699 करोड़ का। यह जो शॉर्टफाल है इसमें 455 करोड़ रुपये का शॉर्टफाल है। शॉर्टफाल मैंने बताया सामाजिक सुरक्षा के अन्दर शॉर्टफाल, आर्थिक सुरक्षा के अन्दर शॉर्टफाल है। खाली घोषणा करके मैं समझता हूं कि यह सरकार जिस ढंग से काम करती है उसको गम्भीरता से सोचना होगा।

माननीय मुख्य मंत्रीजी ने स्कूल 1500, 500, 600 और उसमें जो

प्रोविजन किया है 12,000 टीचर्स की व्यवस्था करेंगे। माननीय शिक्षा मंत्रीजी, 12,000 टीचर्स थर्ड ग्रेड, सैकिण्ड ग्रेड और लैक्चरर्स, यह सरकार जब ... (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): सीनियर और सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खोलेंगे उनके लिये 12,500 की व्यवस्था है। थर्ड ग्रेड की अलग से है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मुझे बहुत खुशी हुई अध्यक्ष महोदय, अब कॅारिलेट कर रहे हैं उससे जितनी पोस्ट खाली हैं बताऊं मैं। आपने बहुत जल्दी बोल दिया। मंत्रीजी मुझे बहुत खुशी है। मुझे पता है कि आप जिस चीज में इन्वाल्व नहीं है तो यह बात बोलने का, मैं बताना चाहता हूं कितनी वेकेन्सी है। वेकेन्सी कितनी है सैकेण्डरी, आपका स्टेटमेंट बता रहा हूं? (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): वेकेन्सी की स्थिति शिक्षा में यह है कि ती? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मैं यह नहीं कह रहा हूं। 12,000 आपके सैकेण्डरी में वेकेन्सी ही नहीं है। आप किसकी भर्ती कर रहे हो ? मैं जो बात ...(व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): पहले की भी हैं। चलें आप बोलिये मैं बाद में बताऊंगा आपको।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): पोस्ट क्रियेट करेंगे नयी के लिये। पोस्ट क्रियेट करनी पड़ेगी।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): अच्छा जो खुले उसके बोल दूं। जो आपने स्कूल खोले 2004-05 में और 2005-06 में सैकेण्डरी स्कूल और सीनियर हायर सैकेण्डरी उनके लैक्चरर्स की भर्ती कर दी ?

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): कर दी। 11,000 व्याख्याताओं की भर्ती कर दी। 5,000 सैकिण्ड ग्रेड के लोगों को, ढाई हजार की डायरेक्ट भर्ती कर दी और ढाई हजार का प्रमोशन कर दिया है। यह काम 1350 सैकेण्डरी और सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खोले थे उनके लिये कर दिया। 900 सैकेण्डरी और सीनियर सैकेण्डरी स्कूल आपके पाँच साल के राज में खुले थे उसकी एक भी पोस्ट क्रियेट नहीं की थी वह सारी की सारी बाकी है। वह अब भरेंगे हम जाकर।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): धन्यवाद। तीन साल तक जो आपको ध्यान नहीं रहा। तीन साल पहले हमने स्कूल खोले उसकी पोस्टें क्रियेट नहीं थी पहले साल में मंत्री क्या कर रहे थे ? दूसरे साल में मंत्री क्या कर रहे थे ? तीन साल का हैंग ओवर कब तक चलाओगे आप ? आप सरकार में आ गये ...(व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): हम यह कर रहे थे कि आपके कारनामों का थोड़ा पता लगे सबको इसलिये तीन साल इंतजार करा दिया अब पूरा कर देंगे।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): आप जाते-जाते करना चाहते हो यह।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): अध्यक्ष महोदय, यह तो बात समझ में आ गयी कि हमारे कारनामों को बताने के लिये कर रहे हैं बाकी इनको यह जरूरत नहीं है कि यहां टीचर की जरूरत है। आपने खुद ने उसमें शिक्षा मित्र में कहा है कि इतने आदमियों को शिक्षा मित्र में लेकर हमने सैकेण्डरी एजुकेशन की पढ़ाई की है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्रीजी से बड़े विनम्र शब्दों में निवेदन करना चाहता हूं कि सर्व शिक्षा अभियान के थर्ड ग्रेड के टीचर जो एम ए, बी एड थे जिनको तनख्वाह सर्व शिक्षा अभियान से चार्ज हो रही थी उनको सैकेण्डरी स्कूल में पढ़ाने का काम किया है which is against the devolution of fund by the Government of India. सर्व शिक्षा अभियान में आपको पैसा दिया है एलीमेंटरी स्कूल का एक्सटेंशन करने के लिये। आप अपनी तरफ से भर्ती नहीं कर सको प्लान के पैसे की नोन प्लान की पोस्ट की भर्ती नहीं कर सको लैक्चरर्स की, सैकिण्ड ग्रेड टीचर्स की भर्ती नहीं कर सको मैं माननीय मंत्रीजी, विनम्र शब्दों में निवेदन करना चाहता हूं आज भी राजस्थान के सैकेण्डरी स्कूलों में साइंस, मैथमेटिक्स और अंग्रेजी के टीचर नहीं ? (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): हां, नहीं हैं।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): और आप जो 1500 खोल रहे हो किसके लिये खोल रहे हो ? आप खोलोगे जिसमें हिन्दी और सिविक्स का टीचर रहेगा। मतलब वहां पर भी अभी भी अंग्रेजी और गणित का टीचर नहीं आयेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि इंटरवेंशन, आप बात कर रहे हैं । मैं इसलिये कहना चाहता था आप? (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): मैं बाद में बोल दूंगा।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आपको तो बोलना ही है। मैं सब बातें इसलिये कह रहा हूं यह इलेवेंथ प्लान का पहला साल है। यह बात इसलिये कहना चाहता हूं जब सरकार बनी थी तब इस सरकार ने हमारी सरकार पर यह आरोप लगाया था कि टैंथ प्लान के दो साल हो गये, ढाई साल हो गये, उस ढाई साल में इनको जितना पैसा खर्च करना था उतना नहीं किया और हमने दो, ढाई साल में खर्च करके जो टैंथ प्लान का टार्गेट था उसको पूरा किया। आज इलेवेंथ प्लान का आपको करने का मौका मिला। सौभाग्य है। सौभाग्य यह है यह मिलने के बाद अगले पाँच साल तक यह आउट ले और आउट कम अगर यही ट्रेंड रहा तो राजस्थान का भविष्य क्या होगा ? रेवेन्यू जनरेट हुआ। भारत सरकार से राजस्थान सरकार को लगभग 8000 करोड़ से ज्यादा मैं फिगर देना चाहता हूं। 8000 करोड़ से ज्यादा पैसा ग्राण्ट इन एड और डिवोल्यूशन में फण्ड से आया है। 8000 करोड़ का हमारा एन्युअल प्लान है। हमारा टोटल एन्युअल प्लान आज की डेट में 8000 करोड़ का है और 8000 करोड़ रुपये हमारा एन्युअल प्लान, ग्राण्ट इन एड है। भारत सरकार के डिवोल्यूशन से इनको पैसा मिल गया और उसके बाद फिस्कल डेफिसिट को हम जो करना चाहते हैं वह छोड़ रखा है हमने भगवान के भरोसे कि बरसात हो जायेगीजी.डी.पी. बढ़ जाये? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): ग्राण्ट इन एड का जो 4174 ? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मैंने पाँच साल का, मेरी सरकार से जाने के बाद का फिगर दिया है आपको। 2002 से दिया है। मैंने फिगर दिया है आपको, मैं आपको आज की डेट में जो फिगर ...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): नहीं-नहीं, आप कह रहे हैं ना...(व्यवधान) आप तो 8000 करोड़ के एन्युअल प्लान की बात कर रहे हो। 8000 करोड़ भारत सरकार से...(व्यवधान) डिटेल आपके पास भी हो? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): फिर रिपीट कर रहा हूं। हमारी 2002...(व्यवधान) आप एफ.आर.बी.एम के अन्तर्गत क्या कर रहे हो?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): एक्चुअल बात की ह? (व्यवधान) आर्थेटिक बोलने वाले आदमी हो क्या चेप रहे हो ?

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मैं गलत बोल रहा हूं ? मैं रिजाइन करता हूं। बोलो I will resign. खड़े होकर बोल दो। मैं रिजाइन कर दूंगा। मैं जो बोल रहा हूं मैं रिजाइन कर दूंगा। 8000 करोड़ रुपये, बोलो फिर रिपीट कर रहा हूं मैं Once again I repeat it.

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): ग्राण्ट इन एड की बात करी ? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): कि राजस्थान सरकार को भारत सरकार के डिवोल्यूशन और ग्राण्ट इन एड में मिलाकर 8000 करोड़ रुपये मिले। मैं रिजाइन कर दूंगा गलत बता दो आ? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, यह बजट एट ए ग्लांस बड़ा आर्थेटिक कागज है। इस बजट एट ए ग्लांस ? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): एक सैकिण्ड, एक मिनट आप राठौड़ साहब I will correct it.

**श्री अध्यक्ष:** आपका समय नहीं है उनको ही बोलने दो।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, इन्होंने ग्राण्ट इन एड की बात कही ? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): कुछ आदमी आदत से लाचार हैं उसका उत्तर नहीं है मेरे पा? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): मैं टेबल करना चाहूंगा ... (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आप मेरे से बो? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): यह बहुत विद्वान हैं। पर ग्राण्ट इन एड का इसमें यह लिख रखा है। ग्राण्ट इन एड यह है राजस्व प्राप्तियां, व्यय। इसमें लिख रखा है 2005-06 में जो एक्चुअल्स आये हैं इसमें 2921, 2006-07 के अन्दर आए हैं 3986 उसके बाद 2006-07 की आर.ई. में आया है 4174 और अब बी.ई. में है 4300, अब कहां 8000-8000 करोड़ का एन्युअल प्लान। हांक रहे हैं बिना मतलब ...(व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आप बिराजो। मैं महोदय, मैं बोल रहा हूं Let me say it.

**श्री अध्यक्ष:** इसलिये आ? (व्यवधान) आस-पास ? (व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): (Interruptions) What about the grant-in-add? This is the share in Central taxes.

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): वह अलग बात है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): तो वह क्या करेंगे?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): ग्राण्ट इन एड किया इस पर बात नहीं है पर ग्राण्ट इन एड कितना ? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): आप आधा सुनते हो क्या ?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): इन्होंने 8000 का फिगर बढ़ा हुआ ? (व्यवधान) 8000 के फिग? (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): मैंने कहा शेयर और दोनों बातें कही हैं। आधा सुनते हो आप? और क्या? मैंने दोनों बात कही हैं शेयर और ग्राण्ट इन एड मिलाकर। आधा सुनते हो आप क्या? (व्यवधान) बातें कर रहे हैं अप? (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अब शेयर की बात आ ग? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** बीच में इसके अन्दर क्या आ गया है? कौनसा हिसाब है इसमें ठीक है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके और वक्ता के बीच में डिस्टर्बेंस नहीं कर रहा हूं। मैं आपकी अनुमति से वक्ता महोदय के ध्यान में यह लाना चाहता हूं कि राज्यपाल के अभिभाषण और बजट भाषण इन दोनों का उत्तर मुख्य मंत्रीजी देंगी। इन्होंने दिया है और देंगी।

**श्री अध्यक्ष:** सही है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आप इनडिवीज्युअल मंत्रियों से किसी भी तरह जवाब के बारे में कृपा करके न उलझें। आपके हर पाइंट का जवाब मुख्य मंत्री? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** बस बिलकुल ठीक बात है और इनडिवीज्युअल मंत्री भी बीच में न बोलें क्योंकि कोई मतलब नहीं है वह देंगी जवाब।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): दें और नहीं दें उनकी मर्जी है। आप कैसे कह सकते हैं देंगी ?

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): देंगी।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): मेरे पाइंट्स के जवाब नहीं दिया ... (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** क्यों ? क्या बात हुई अभी ? यह क्या बात हुई ?

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): उम्मीद की जाती है वह देंगी।

**श्री अध्यक्ष:** वह देंगी।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): हां, देंगी।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आप उम्मीद तो कर सकते हो। मेरे किसी विषय, पाइंट का जवाब नहीं दिया।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): मैं आपके बारे में नहीं कह सकता लेकिन सी.पी. जोशी ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** आपका जवाब तो देंगी। निश्चित तौर से देंगी। देना पड़ेगा आपकी बात का जवाब उन्हें।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): हर आब्जेक्शन का जवाब मुख्य मंत्रीजी देंगी। ठीक है देंगे ...(व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आपको भ्रम है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): तो मेरा भ्रम रहने दो और क्या दिक्कत है?

**श्री अध्यक्ष:** नहीं-नहीं, ठीक बात है। प्रतिपक्ष के नेता ने ठीक बात कही है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रतिपक्ष के नेता की बात उन तक पहुंचाऊंगा और इनका वह बहुत सम्मान करती ? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** बिलकुल।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): एक-एक चीज का जवाब देंगी और हम चाहते हैं इस बार आप भी बोलें और आपकी एक-एक चीज का सदन की नेता जवाब दें। आपका भाषण भी होगा इस बा? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय सी.पी. साहब आप माननीय मंत्रियों में स्पेशली पार्लियामेंटरी अफेयर मिनिस्टर से नजर मत मिलाओ। क्यों आप इनको भड़काते हो? यह रुकते नहीं है। इनका राठौड़ी खून

है और चीफ मिनिस्टर के प्रति वफादारी इनके बीच में उछल पड़ती है तो इनको उठना पड़ता है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): माननीय नेता प्रतिपक्ष, इतनी शिक्षा दे ही दें कि वफादारी चीफ मिनिस्टर या किसी अपने नेता के प्रति नहीं होनी चाहिये? आपने कहा नहीं होनी चाहिय? (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): होनी चाहिये।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): आपके साथ यह कर रहे हैं। जो जख्म आपको दे रहे हैं ना उनका दर्द उबल रहा है यह।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): तो इसीलिये आप री-एक्ट कर रहे हो। इसीलिये आप री-एक्ट करते हो और आपको यह इ? (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): राठौड़ साहब ने शिक्षा के बारे में, मैं एक मिनट ...(व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): अध्यक्ष महोदय, आप तो बड़ी विदुषी हैं यह वफादारी और चमचागिरी में क्या अंतर है यह और बता दें?

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): अभी आपने रामनारायणजी की बात नहीं सुनी? राठौड़ साहब ने आपको कहा आज शिक्षा मुझे दे ही दें आप। इसके लिये तो मुख्य मंत्रीजी से रिकवेस्ट करनी पड़ेगी।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): हां, यह...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं अब आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

आपका ध्यानाकर्षित करना चाहता हूं, 8 मार्च, 2006 के मुख्य मंत्रीजी के भाषण के पैरे 69 में प्राय: यह देखा गया है कि ग्रामीण व गैर संस्थागत रूप अनेक महत्वपूर्ण विषय शेष रहे हैं। अनेक ऐसी उपयोगी तकनीकों को भी विकास हुआ है जिन्हें समुचित पहचान नहीं मिल पायी है। राज्य सरकार द्वारा अन्वेषकों को प्रोत्साहित करने हेतु इसके पूंजीगत प्रयोग एवं प्रोत्साहन में एक विषय, अध्यक्ष महोदय, यह मैं 2006 का बोल रहा हूं।

**श्री अध्यक्ष:** हां, मैं समझ गयी। 2006 का आप पढ़ रहे हैं जिसका कोई मतलब नहीं है।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): इसलिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान दृष्टि योजना लागू की जायेगी। आपको कह रहा हूं, मुझे नहीं बोलना चाहिए। आप सरकार की तरफ से बोल रही हैं कि नहीं बोलना चाहिए।

**श्री अध्यक्ष:** हां, हां, बोलें, बोलें।

**डा. सी. पी. जोशी** (नाथद्वारा): इसमें लिखा है कि प्रोत्साहन में, एक विशेष श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान दृष्टि योजना लागू की जायेगी। इसके अंतर्गत अन्वेषकों को सम्मानित करने के लिए विशेष पुरूस्कार भी प्रारम्भ किये जायेंगे। यह घोषणा है 2006 में और 2007 का बजट यह भी पढ़ देता हूं, पैरा 121, राज्य के 8475 ग्रामीण फीडर में 40 से 60 प्रतिशत के टी.एंड.डी. लोसेस थे, हमने इन फीडर में लोसेस 15 से 20 प्रतिशत तक सीमित करने के उद्देश्य से महत्वाकांक्षी श्यामा प्रसाद मुखर्जी विजय ज्योति फीडर सुधार प्रोग्राम हाथ में लिया है। यह फीडर योजना शुरू हो गयी थी सन् 2004-2005 में और आपको 2007-2008 में यह मालूम पड़ा है कि इसका नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी विजय ज्योति फीडर करना है। यह तो श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रति इनकी निष्ठा कि 2006 में घोषणा करने के बाद एक आदमी को पुरूस्कार नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, आज फीडर ज्योति के नाम से श्यामा प्रसाद मुखर्जी क्या नया देना चाहते हैं?

अध्यक्ष महोदय, जिन नेताओं की निष्ठा पार्टी के प्रति संदिग्ध हो उनको अपनी रायल्टी बतानी पड़ती है, डिंमोस्ट्रेशन करना पड़ता है कि करंट लगे, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से करंट लगना चाहिए, इसलिए अपने आपको साबित करें, इसलिए कहा कि, नहीं, हम इस विज्ञान का पुरूस्कार नहीं करेंगे अब इसको फीडर रिनोवेशन के नाम से, दो साल तक राजस्थान सरकार फीडर रिनोवेशन करती रही तब ध्यान नहीं गया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम रखना है। आज दो साल के बाद मालूम पडा है। यह कहां से मालूम पडा है? क्यों मालूम पडा है? यह फोरगेट और फोरगिव कहां से शुरू हुआ? यह फोरगेट और फोरगिव के बाद यह परंपरा प्रारंभ की गयी कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम ही से ज्योति की व्यवस्था करें, बहुत अच्छा है।

माननीय दीनदयालजी उपाध्याय के नाम से हमने शुरू किया आदर्श गांव, आपने कहा है आदर्श गांव के संबंध में, यहां पर एक भी आदर्श गांव, आपने कब घोषणा की, आपने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर आदर्श गांव में एलोकेशन ऑफ फंड करेंगे, पंचायती राज में करेंगे। दो साल पहले, अध्यक्ष महोदय, दो साल हो गये, एक गांव दीनदयालजी के नाम पर आदर्श गांव नहीं खडा किया है, एक भी और कह दिया गया कि एप्लीकेशन आ गयी है, अब 50 की जगह 150 कर दिया है। संख्या बढ़ा दी है। बाद में मुख्य मंत्रीजी ने बजट में घोषणा की कि दीनदयालजी उपाध्याय के नाम पर

(डा. सी. पी. जोशी)

आदर्श गांव अब 150 करेंगे। दो साल में एक गांव के प्रति आपका कमिटमैंट नहीं है। आपका कमिटमैंट ना गुरु गोलवलकर के प्रति है। जिनका संदिग्ध मन रहा है, आपका कमिटमैंट ना दीनदयालजी उपाध्याय के प्रति है, यह मिड टर्म करेक्शन किसका कर रहे हैं? यह पालिटिकली यह स्थिति बन गयी है जिसमें फोरगेट एवं फोरगिव करना जरूरी है। उसमें मिड टर्म करेक्शन करने के लिए डिमोस्ट्रेशन करना पड़ता है कि मैं, यह सरकार नहीं, सरकार में तो आदमी हैं जो कमिटेड हैं दीनदयालजी उपाध्याय के लिए, गुरूजी गोलवलकर के लिए और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के लिए। जो लोग कमिटेड नहीं हैं, अब नहीं बोलेंगे मंत्रीजी, जो कमिटेड नहीं हैं उन लोगों की निष्ठा को सदन में पास करवायें और यह बतायें कि मैं भी उतनी ही निष्ठावान हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह इसलिए कहना चाहता हूं कि आप जो व्यवस्थाएं कर रहे हैं उनमें बहुत से पॉलिटिकल करेक्शन पार्ट हैं, मिड टर्म करेक्शन, ढाई-तीन साल के बाद यदि राजनीतिक पार्टी की पृष्ठभूमि में करेक्शन नहीं किया जाये तो पोलिटिकल लीडरशिप वलनरेबल हो जाती है और वलनरेबल किया है। वह तो अख़बार में पढ़ा है, मैं तो कहना नहीं चाहता, कलेक्टिव जिम्मेदारी के प्रति संविधान में क्या लिखा हुआ है। चीफ मिनिस्टर के, अमंग दी चीफ मिनिस्टर, उसकी क्या पावर है, हज हाउस बन गया क्या आज की डेट में, इसमें हज हाउस के संबंध में एक भी शब्द नहीं कहा है। सेज दो साल में बन गया क्या। आज सेज के संबंध में एक प्रतिशत काम नहीं किया गया है।

अध्यक्ष महोदय, तेल के संबंध में, रिफाइनरी के संबंध में एक शब्द नहीं कहा गया। स्टेट का सब्जेक्ट है, महंगाई बढ़ रही है, आपने पचास पैसे सेस लगा रखा है डीजल, पेट्रोल में, इस महंगाई को कम करने के संबंध में कुछ काम नहीं कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमारा काम यह है कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संबंध में मैसेज जाना चाहिए। हमारा काम है कि गुरु गोलवलकर के संबंध में जाना चाहिए। हमारा काम है दीनदयालजी उपाध्याय के प्रति जोना चाहिए। लेकिन मैं सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर में गुरु गोलवलकर में जितना पैसा खर्च किया उससे ज्यादा 100 करोड़ का प्रोविजन कर रहे हैं, निष्ठा होती तो 100 करोड़ रुपये गुरु गोलवलकर के नाम पर करने चाहिंए। वह भी जन सहभागिता की स्कीम है, क्या तकलीफ थी। उसमें यह भी जन सहभागिता में लेना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि सरकार ने पंचायती राज उत्तरदायित्व गवर्नमैंट के लिए कंडीशन रखी है उसमें, एक साल गया, आज

(डा. सी. पी. जोशी)

तीन साल हो गये, कटारियाजी की अध्यक्षता में मीटिंग हुई है। आपने सदन में कहा है कि तीन महीने में रिपोर्ट दे देंगे। अपने राज में चुनाव भी हो गये। एक लाख से ज्यादा वार्ड पंच हैं, 237 पंचायत समिति के प्रधान हैं, प्रमुख हैं। पंचायत समिति सदस्य हैं, जिला परिषद के सदस्य हैं। 73,74 अमेंडमैंट हुआ था कि हम सेल्फ गवर्नेस की स्थिति पैदा करें। उन लोगों के लिए फंड, फंक्शन और फंक्शनरी ट्रांसफर करेंगे। यह आपने लिखा है। आपने इस बजट भाषण में यह कहा है कि हमने उनको पट्टा देने का अधिकार दे दिया है। यह अधिकार दिया है तीन साल में। भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख हैं ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी के प्रधान भी नहीं हैं।

अध्यक्ष महोदय, मुझे भी मौका मिला था वैंकैय्या नायडूजी भारत सरकार के रूरल डवलपमैंट मिनिस्टर थे, अटल बिहारीजी वाजपेयी सम्मानित प्रधानमंत्री थे। मैं मंत्री था, हमे भी वहां दिल्ली में जाकर के मीटिंग अटैंड करने का मौका मिला जिसमें सोनियाजी को भी बुलाया। पूरा देश इस बात के लिए कन्सेंप्स था कि दस साल हो गये इसको, हमें नये ढंग से पंचायती राज का स्ट्रेंथन करने के लिए काम करना चाहिए। तब एन.डी.ए. की सरकार थी। आप तो उस सरकार की लीगेंसी के पार्ट हैं। पंचायती राज को एम्पावरमैंट करने के लिए एक शब्द नहीं हैं Elementary education is a part of the Panchayat Raj. एलिमेन्ट्री एजुकेशन में पंचायत का प्रधान, पंचायत समिति में एक ट्रांसफर नहीं कर सकता, जिला परिषद का ट्रांसफर नहीं कर सकता है। जी.ओ. यहां सरकार से निकले। यह पंचायती राज के एक लाख आदमियों का चुनाव हमने क्यों करवाया? क्या हमारा 73वें अमेंडमैंट के प्रति यह कमिटमैंट है। सरकार ने हमें यह एश्योरेंस दिया है, हाउस में यह लिखा है कि 73वें अमेंडमैंट के संबंध में हम फंड, फंक्शन और फंक्शनरी के साथ ट्रांसफर करेंगे। इसमें एक शब्द पंचायती राज को ट्रांसफर करने के लिए नहीं कहा गया है। अध्यक्ष महोदय, हम गुड गवर्नेस की बात करते हैं। गुड गवर्नेस की बात कैसे करेंगे? यह जितनी स्कीम आप लागू करेंगे उन स्कीम का कौन करेगा, आप सुपरवाइज करेंगे या हमारे लोग जो चुने हुए हैं वह सुपरवाइज करेंगे? मैं समझता हूं कि इसमें पंचायती राज के संबंध में एक शब्द नहीं कहा है।

अध्यक्ष महोदय, बहुत बड़ी जनसंख्या एस.टी. की है, जो नॉन ट्राइबल सब प्लान में हैं। कटारियाजी जानते हैं इस बात को कि डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर के अलावा भी गोगुन्दा, नाथद्वारा, कुम्भलगढ़, मावली, वल्लभ नगर

(डा. सी. पी. जोशी)

ऐसी बहुत सी जगह हैं जहां एस.टी. की पापुलेशन रहती है जिसकी जनसंख्या आज 12 लाख से भी ज्यादा है। जिन लोगों का नुकसान होगा उनको सरकार पाँच हजार रुपये देगी जो कि ट्राइबल सब प्लान में आदिवासी रह रहे हैं। जो नॉन ट्राइबल सब प्लान में आदिवासी रह रहे हैं, उसके नुकसान के लिए क्या करेंगे? आप यह दो तरह की व्यवस्था कर रहे हैं। ट्राइब्ल सब प्लान का आदिवासी उसको तो एक तरह की सुविधा मिलेगी और नॉन ट्राइब्ल का आदिवासी उसको दूसरी तरह की सुविधा मिलेगी। क्या कटारियाजी, यह आवश्यकता नहीं है कि वह गरीब आदमी जो वल्लभ नगर में रहता है, वह गरीब आदमी जो गिरवा में रहता है, वह गरीब आदमी जो कुम्भलगढ़ और नाथद्वारा में रहता है, उस गरीब आदमी का जो नुकसान है उसको भी उतना पैसा मिलना चाहिए। उसके बिजली की व्यवस्था होनी चाहिए। क्या हम दो तरह के आदिवासी मेवाड़ में पैदा करना चाहते हैं? मैं समझता हूं कि सरकार को आगे आकर यह फैसला करना चाहिए कि हम एस.टी. के Irrespective of whether they are residing in scheduled tribes areas or non scheduled tribes areas. कहीं भी जो आदिवासी रह रहा है, सब आदिवासी को उसका लाभ मिलेगा। जो उसका नुकसान हुआ है यह सरकार को करना चाहिए। सरकार को यह व्यवस्था करने की बहुत जरूरत है।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और ध्यानाकर्षित करना चाहता हूं, हैल्थ के संबंध ? (व्यवधान) आप जानकर आश्चर्य करेंगे वर्ल्ड बैंक का पैसा आया हुआ है, भारत सरकार का रूरल हैल्थ प्रोग्राम था और यह फिगर देना चाहते हैं। आप जानकर के आश्चर्य करेंगे कि 2006-07 में गैर योजना में 436 करोड़ रुपये का प्रोविजन था, योजना में 194 करोड़ का प्रोविजन था। केन्द्रीय प्रवर्तित योजना में 200 करोड़ समथिंग प्रोविजन था और 2006-07 दिसम्बर तक गैर योजना में कुल मिलाकर 332 करोड़ रुपये खर्च किये जो एस्टेब्लिशमैंट कॉस्ट है। 194 करोड़ की योजना के अगेंस्ट में कुल मिलाकर 35.70 रुपये खर्च किया है।

अध्यक्ष महोदय, आपने केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के 200 करोड़ के अगेंस्ट में कुल मिलाकर 93.76 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। आज हैल्थ मिशन के सिस्टम में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप की बात की है कि इसमें स्कूल खोल देंगे, अस्पताल खोल दें, मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि सरकार बताये कि पिछले बजट के बाद पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप में इतने अस्पताल खुले, इतने स्कूल खुले। क्या नीति बनाई? आज दिन तक नीति नहीं बनायी। पब्लिक

(डा. सी. पी. जोशी)

प्राइवेट पार्टनरशिप, इसमें एक काम हुआ है, मंत्रीजी बतायें। आज दिन तक राजस्थान में इसकी पालिसी नहीं आयी कि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप क्या है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप का एक उदाहरण है रीडको is a public private partnership Rajasthan Bravery is an example of unknown unwritten public private partnership कि फिर क्वालिफाई कर रहे हैं. Unknown- unwritten public private partnership is R.B.C. अध्यक्ष महोदय, मैं फिर मुद्दे पर आना चाहता हूं, यह 41 करोड़ का आउट ले है, यह भी करेक्ट कर लें, इस बजट में तो 45 करोड़ लिखा है, उसको चैक कर लें, 41 करोड़ है। इसमें गलत लिख रखा है। 41 प्रतिशत का जो आउट ले है, जो रफली 5 हजार करोड़ का आउट ले है, परंतु यह 1977-78, यह भी 90-बी में कोई दम नहीं रखा है, आज ब्रेवरीज कॉरपोरेशन में कोई दम नहीं रहा है। आज कोल में दम रहा है। कोल में बिना टेण्डर के कोल मंगवा लिया गया था। कोल एम.एम.टी.सी. से मंगवाया गया और प्राइवेट पार्टी जो सप्लाई करती है उनको बंद कर दिया गया है। आज कोल के हैण्डलिंग का काम हम करना चाहते हैं।

मैं आज नहीं बोलना चाहता। अध्यक्ष महोदय, मेरा एप्रिहेंसन है कि 5 हजार करोड़ रुपए का जो आउट ले है यह राजस्थान सरकार के जब चुनाव होंगे 2008 के तब तक बिजली पैदा नहीं होगी और इसके पहले जो व्यवस्था करनी है उस व्यवस्था को सुदृढ़ करने का काम हो रहा है, उसको भी चैक करने की जरूरत है। यदि यह पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप है तो राजस्थान के लोकतंत्र का भविष्य ठीक नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, मैं विनम्र शब्दों में निवेदन करना चाहता हूं कि यह बजट जिस बजट को लाने के लिए इकोनॉमिक इन्होंने बात की, मैं फिर कहना चाहता हूं कि एफ.आर.बी.एम. एक्ट राजस्थान के हित में नहीं है। समय आ गया है कि एफ.आर.बी.एम. के बारे में हम सोचें। आज केरला ने लीड ली है। अध्यक्ष महोदय, केरला ने यह कहा है कि वैट के सम्बन्ध में यदि फ्लोर रेट को हम मानें और लक्जरी आइटम्स पर हम टैक्स लगावें तो हमें टैक्स ज्यादा मिलेगा। केरला ने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। केरला ने उदाहरण प्रस्तुत करके अपने यहां पर जितने भी लक्जरी आइटम्स हैं उन लक्जरी आइटम्स पर उन्होंने टैक्स लगाया है और अपने रेवेन्यू को जनरेट किया है।

आपने भी यदि ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में भगवान न करे अकाल पड़े, आपकी जी.डी.पी. डिस्टर्ब हो जाए, उसको रोकने के लिए, रेवेन्यू जनरेट

(डा. सी. पी. जोशी)

करने के सम्बन्ध में आपको कुछ व्यवस्था करनी पड़ेगी कि कैसे हम रेवेन्यू ओरिएण्टेड मेजर्स अपनाकर बजट फिस्कल डेफिसिट को कण्ट्रोल करें न कि केवल मात्र हम जी.डी.पी. के भरोसे अपने फिस्कल डेफिसिट को कण्ट्रोल करें। अध्यक्ष महोदय, यह सबसे बड़ी आवश्यकता है, मैं समझता हूं कि इस सम्बन्ध में सरकार को सोचने की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात समाप्त करूं उसके पहले यह जरूर कहना चाहता हूं कि आज सबसे बड़ी तकलीफ एग्रीकल्चर के लोगों की है, किसान की तकलीफ है। केरला का उदाहरण है माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां पर एग्रीकल्चर डेट रिलीफ कमीशन बनाया है। यदि आपके मन में किसान के प्रति कुछ है तो आप मेहरबानी करके एग्रीकल्चर डेट रिलीफ कमीशन बनाएं जिससे कि नुकसान हो तो उसको कम्पनसेट करने के लिए सरकार आगे आ सके। माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां पर फार्मर कमीशन भी बनाया गया है, वह फार्मर कमीशन वहां प्राइस फिक्स करता है। राजस्थान में आपके पानी उपलब्ध नहीं है। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जानने की आवश्यकता है कि कैसे हम पानी का जूडिशस उपयोग करें और पानी का जूडिशस उपयोग करने के बाद हम यह कोशिश करें कि फार्मर को रेमुनरेटिव प्राइस मिले। जो कम पानी से खेती कर रहे हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह भी आवश्यक है कि हम इस बात की कोशिश करें कि टोप लोन है 4 प्रतिशत पर आपको मिले। यह स्थायी व्यवस्था करें। माननीय अध्यक्ष महोदय, पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम का स्ट्रेंथन करना बहुत जरूरी है नहीं तो गरीब आदमी को उसका लाभ नहीं मिलेगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं एक बात पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं जिस पर सरकार को चिंता करने की आवश्यकता है। हमने लगभग 1 लाख से ज्यादा कुओं को एनरजाइज किया है, बिजली के कनेक्शन दिए हैं आपकी सरकार ने। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने 34 महीने में लगभग 2720 करोड़ रुपए खर्च किए हैं सिंचाई के सम्बन्ध में। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने 99 लघु सिंचाई योजनाएं पूरी की हैं, आपने क्लेम किया है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने इन्दिरा गांधी नहर पर 481.93 करोड़ रुपए खर्च करके लगभग 20 हजार हैक्टेयर में सिंचाई का काम किया है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने सिंचाई में प्रथम चरण और द्वितीय चरण में 42 और 61 हजार खालों का निर्माण कराकर 40 करोड़ रुपए और 49

(डा. सी. पी. जोशी)

करोड़ रुपए खर्च किए हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सब होने के बाद भी आपका एग्रीकल्चर का प्रोडक्शन स्टेगनेंट है, पर यूनिट नहीं बढ़ा है। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह गम्भीर समस्या है कि राजस्थान में जी.डी.पी. में सबसे ज्यादा कण्ट्रीब्यूशन एग्रीकल्चर का है और एग्रीकल्चर में इतना सब होने के बाद भी यह सरकार को सोचने की आवश्यकता है कि क्या यह समय आ गया है जिसमें ध्यान रखें कि वह स्ट्रेस में नहीं आवे और यह जो हमने पोटेंशल क्रिएट किया है एग्रीकल्चर और बिजली का कनेक्शन देने के लिए इसकी व्यवस्था की है। उसके बाद राजस्थान का प्रोडक्शन बढ़े, यह यदि हमने नहीं बढ़ाया और माननीय अध्यक्ष महोदय, किसी भी समय में यदि अकाल पड़ गया तो आपकी जी.डी.पी. कम हो जाएगी और जी.डी.पी. कम हो जाएगी तो फिस्कल डेफिसिट के सारे टार्गेट आपके डिस्टर्ब हो जाएंगे। माननीय अध्यक्ष महोदय, इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि राजस्थान सरकार फिस्कल डेफिसिट भगवान के भरोसे, जी.डी.पी. के आधार पर कण्ट्रोल करना चाहती है उसके सम्बन्ध में दुबारा बात करने की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान सरकार रेवेन्यू बढ़ा रही है, रेवेन्यू की बोएंसी तो थ्रू आउट इण्डिया है। आज रेवेन्यू की बोएंसी तो भारत सरकार में भी हो रही है, यह अलग-अलग स्टेट में भी हो रही है। आपने केवल रेवेन्यू बढ़ाया सेल टैक्स में और आपने रेवेन्यू बढ़ाया है स्टाम्प एण्ड ड्यूटी में, आपने रेवेन्यू बढ़ाया है एक्साइज में। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह स्टाम्प एण्ड ड्यूटी का जो बढ़ाया है रेवेन्यू 5 सौ करोड़ से 1 हजार करोड़ रुपए, इससे माननीय अध्यक्ष महोदय, शहर का रहने वाला आदमी स्ट्रेस में आ जाएगा। मैं दूसरी बात कहना चाहता हूं, अभी तो हम एग्रीकल्चर में किसान के स्ट्रेस की बात कर रहे हैं, इसके बाद जयपुर में इस विधान सभा से 20 किलोमीटर राउण्ड में ईस्ट, वेस्ट, नोर्थ और साउथ में कोई गरीब आदमी मकान लेकर रहने की स्थिति में नहीं है। यह इतनी भयंकर समस्या आपने रेवेन्यू जनरेशन करने के नाम पर आर्टिफिशल 90-बी करके, आर्टिफिशल, क्योंकि 90-बी करने के पहले प्लान पास करवाना चाहिए था, उसके बाद 90-बी करते। बड़े लोगों की 90-बी कर दी आपने अब आपने उल्टा काम कर दिया पहले आप अपना प्लान लेकर आओ फिर 90-बी करेंगे, जिनका काम पड़ा है उनका काम तो कर दिया अब आपका कोई काम नहीं हो सकता, अब अरबन आदमी भी स्ट्रेस में आएगा, वह मकान लेने की स्थिति में नहीं रहेगा।

(डा. सी. पी. जोशी)

इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय, समय आ गया है कि हम इस बात को गम्भीरता से सोचें कि हमारा रेवेन्यू बढ़ रहा है, हमारी जी.डी.पी. भगवान की दया से ठीक है तो आज आवश्यक है कि हम सारा जोर रेवेन्यू ओरिएण्टेशन में लगावें, बजाय फिस्कल डेफिसिट को कण्ट्रोल करने का काम करें। यदि हमने यह नहीं किया तो यह ऐतिहासिक अवसर जो इस सरकार को मिला है, जिस बोएंसी से अब रेवेन्यू जनरेशन बढ़ रहा है, सेल टैक्स में पैसा बढ़ रहा है, एक्साइज में बढ़ रहा है, भारत सरकार का डिवोल्यूशन का पैसा बढ़ रहा है, आपके ग्राण्ट इन एड में पैसा बढ़ रहा है, इतना सब होने के बाद माननीय अध्यक्ष महोदय, 2001-2002 से अभी तक लगभग आठ हजार करोड़ से ज्यादा रेवेन्यू का पैसा आया है आपके पास यदि इसके बाद भी राजस्थान सरकार लोंग टर्म पर स्पेक्टिव लेकर राजस्थान के विकास की कल्पना नहीं कर सके तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और कोई नहीं हो सकता।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरा विश्वास है कि यह सरकार लोकतंत्र और संसदीय परम्पराओं का निर्वहन करेगी। लोकतंत्र और संसदीय परम्पराओं में मंत्रियों को वही स्थान मिलेगा जो मंत्री पॉलिटिकल मास्टर के रूप में ब्यूरोक्रेसी से काम कराए। इस बजट में जो प्रोविजन किया है, उसका उपयोग कर सके तब तो मैं समझता हूं कि बजट का जो हम कर रहे हैं वह ठीक है अन्यथा यह बजट की आउट-ले इम्प्रेसिव है, 10 प्रतिशत खर्चा करके हथेली में सरसों बोने का काम किया गया है। इस बजट से राजस्थान की जी.डी.पी. कोई बढ़ी है ऐसा मुझे नहीं लगता है। मैं समझता हूं कि सरकार को गम्भीरता से इस बात के लिए सोचने की जरूरत है कि आज भी राजस्थान सरकार की रेवेन्यू बढ़ने के बाद भी इण्टरेस्ट की लाइबिलिटी उतनी ही है। यह सरकार बताए कि जो भी इण्टरेस्ट लाइबिलिटी 5 हजार करोड़ के आसपास है, आज भी पैसा भारत सरकार से लोन नहीं ले रही है, आज आप पैसा पी.एफ. से और कंसोलिडेट फण्ड से लोन लेकर व्यवस्था कर रहे हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप यह जानकर आश्चर्य करेंगे कि 74 हजार करोड़ रुपए का आज तक राजस्थान सरकार पर ऋण हो गया है और माथुर साहब की स्टडी यह है, माथुर साहब बता रहे थे कि यदि यही ट्रेण्ड रहा तो चुनाव तक 94 हजार करोड़ रुपए का राजस्थान पर टैक्स हो जाएगा और प्रति व्यक्ति टैक्स बढ़ जाएगा। इस सुनहरे अवसर को राजस्थान सरकार के सम्बधितों को सोचना चाहिए और लोंग टर्म में राजस्थान का विकास कैसे करें और मैं समझता हूं

(डा. सी. पी. जोशी)

कि उसमें मुख्य मंत्रीजी की जो व्यक्तिगत क्षमता है, जिस क्षमता के कारण कुछ लोग नाराज हैं, कुछ लोग खुश हैं, उस व्यक्तिगत नाराजगी और खुशी का लाभ राजस्थान की जनता को मिले और राजस्थान की जनता कह सके कि उनके समय में विकास हुआ तब तो यह बजट, धन्यवाद देता हूं, अन्यथा यह समय भी निकल जाएगा और मुख्य मंत्रीजी की 'मैं' के कारण लोकतंत्र यदि कमजोर होता है तो राजस्थान का भला नहीं होगा। इन्हीं शब्दों के साथ आपने समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

**श्री अध्यक्ष:** श्री कालीचरण सर्राफ।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): नाथद्वारा से आने वाले माननीय सदस्य के पौने दो घण्टे लम्बे भाषण के...।

**श्री अध्यक्ष:** एक घण्टा दस मिनट।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): चलिए एक घण्टा दस मिनट। उस भाषण में हम लोग यह अपेक्षा कर रहे थे कि आदरणीय जोशीजी बहुत विद्वान, वित्त विशेषज्ञ हैं, कोई इस प्रकार की नई बात बताएंगे जिससे राजस्थान को एक नई दिशा मिलेगी परन्तु उन्होंने अपने एक घण्टे दस मिनट के सारगर्भित भाषण में केवल 'मैं' की व्याख्या की। केवल 'मैं' की व्याख्या करने में 55 मिनट खराब कर दिए। मैं यह बताना चाहूंगा सदन के माध्यम से माननीय अध्यक्ष महोदय, कि आज तक जितने भी बजट पेश किए गए हैं चाहे वह कांग्रेस के समय हमारे वित्त मंत्रियों के द्वारा पेश किए गए हों, चाहे भारतीय जनता पार्टी के समय हमारे वित्त मंत्रियों द्वारा पेश किए गए हों, सब में 'मैं' का उल्लेख हुआ है। यहां प्रद्युम्न सिंहजी, राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य, अभी तो गए वह, उनका अभी सुमेरपुर से आने वाले माननीय सदस्य ने जिक्र किया और उनके भाषण को भी वह देखें उसमें लगभग पचास-पचपन जगह 'मैं' शब्द का उपयोग हुआ। मैंने ऐसा कर दिया, मैं ऐसा करूंगा, यह तो एक परम्परा है और इस पर सदन का इतना समय इन्होंने जाया किया कि मैं तो इनके प्रति सहानुभूति ही प्रकट कर सकता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हम आपसे यह भी अपेक्षा कर रहे थे कि हमारे विपक्ष के वरिष्ठ सदस्य, आदरणीय जोशीजी, इस बार मुख्य मंत्रीजी ने चौथा बजट पेश किया है, उनके बजट में जिक्र आया था कुशल वित्तीय प्रबन्धन का, उसके बारे में यह जिक्र करेंगे। रेवेन्यू बढ़ाने का जिक्र हुआ उसके

(श्री कालीचरण सर्राफ)

जिक्र के साथ बजट में योजना का आकार बढ़ा है। उसके बारे में कुछ कहेंगे। बेरोजगार नौजवानों के बारे में इन्होंने कहा है उसके बारे में अपने श्रीमुख से कुछ सुनने का मौका मिलेगा। महिला सशक्तीकरण की बात कही गई है, उसके बारे में कुछ कहने का मौका मिलेगा। प्रतापगढ़ को जिला बनाने की बात कही गई है उसके बारे में कुछ कहेंगे।

असंगठित मजदूरों के लिए पेंशन योजना चालू की है उसके बारे में कुछ कहेंगे, पर सी.पी. जोशी साहब ने किसी के बारे में कुछ नहीं कहा। हम उनसे यह अपेक्षा कर रहे थे कि वे राजनीति से ऊपर उठकर वास्तविक रूप से जो काम माननीय मुख्य मंत्रीजी करना चाहती हैं, भारतीय जनता पार्टी की यह सरकार करना चाहती है, उन्होंने जो 16 योजनाएं 1250 करोड़ रुपये के प्रावधान से इस बजट में प्रस्तुत की हैं उसके बारे में कोई जिक्र करेंगे, पर वे राजनीति से ऊपर नहीं उठे और बिना दलीय भावना से ऊपर उठकर उन्होंने केवल विपक्ष में, क्योंकि मैं विपक्ष का सदस्य हूं इसलिए उन्होंने केवल विपक्ष का रोल अदा किया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्रीजी को इस बात के लिए बधाई देना चाहूंगा कि राजस्थान में इतिहास में पहली बार उन्होंने इतना जानदार और शानदार बजट प्रदेश की जनता के सामने प्रस्तुत किया है। आज राजस्थान में चाहे महिलाएं हों, चाहे बेरोजगार नौजवान हो, चाहे गांव में रहने वाला किसान हो, चाहे फैक्ट्री में काम करने वाला मजदूर हो, चाहे शहरी क्षेत्र में रहने वाला छोटा या बड़ा व्यापारी हो, चाहे अनुसूचित जाति का व्यक्ति हो, चाहे जनजाति का व्यक्ति हो, चाहे पिछड़ी जाति का व्यक्ति हो, चाहे सैनिक हो, चाहे विकलांग हो आज ऐसा कोई वर्ग नहीं है जो इस बजट की भूरि-भूरि प्रशंसा नहीं कर रहा हो। आज केवल यदि इस बजट की प्रशंसा नहीं कर रहे हैं तो वे विपक्ष के माननीय सदस्य नहीं कर रहे हैं और वो उनकी राजनैतिक मजबूरी है इसलिए वे इसकी प्रशंसा नहीं कर रहे हैं। यह ऐतिहासक बजट, यह विकासोन्मुखी, यह सुंदर बजट जो माननीय मुख्य मंत्रीजी ने सदन में प्रस्तुत किया है इसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, बिना टैक्स लगाये, बिना टैक्स का भार बढ़ाये हर वर्ग को राहत तो दी गई है, पर किसी वर्ग का अहित इस बजट में नहीं किया गया है। हमारी सरकार के कुशल वित्तीय प्रबंधन का यह परिणाम है

(श्री कालीचरण सर्राफ)

कि इस बार 16 साल के लम्बे समय के बाद पहली बार रेवेन्यू सरप्लस का बजट पेश किया गया है।

मानननीय अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद केवल पाँच दिन ओवरड्राफ्ट लिया गया और फरवरी, 2004 के बाद आज तक एक दिन भी ओवरड्राफ्ट नहीं लिया गया। जब कांग्रेस की सरकार थी, मैं बताना चाहूंगा इनके पाँच साल के कार्यकाल में 704 दिन राज ओवरड्राफ्ट की स्थिति में रहा। यदि मैं गलत कह रहा हूं तो आप इसे चुनौती दे सकते हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह कुशल वित्तीय प्रबंधन का ही कमाल है कि इस वर्ष हमारी जो अनुमोदित वार्षिक योजना है वह 8501 करोड़ रुपये की है। यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि जब-जब राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी योजनाओं का आकार बढ़ा और जब-जब कांग्रेस का राज राजस्थान में आया योजनाओं का आकार घटा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा आपके माध्यम से कि ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना 68422 करोड़ रुपये की बनी है। आठवीं पंचवर्षीय योजना 12051 करोड़ रुपये की बनी थी। नौवीं पंचवर्षीय योजना 22103 करोड़ की और दसवीं पंचवर्षीय योजना 31831 करोड़ की। यानी, कुल मिलाकर तीनों पंचवर्षीय योजनाएं 65985 करोड़ की थी। मैं बधाई देना चाहूंगा, साधुवाद देना चाहूंगा राजस्थान की मुख्य मंत्री को, भारतीय जनता पार्टी की सरकार को कि उन्होंने एक पंचवर्षीय योजना, ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना 68522 करोड़ रुपये की बनायी है जो इन तीनों योजनाओं के योग से 3 हजार करोड़ ज्यादा है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के लोग जब भी भाषण करते हैं, नाथद्वारा से आने वाले माननीय सदस्य ने भी अभी कहा और राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य और बी.डी. कल्ला साहब का अखबारों में स्टेटमैंट भी पढ़ा, उन्होंने एक ही बात कही कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आने के बाद राजस्थान को कर्जे में डुबो दिया। राजस्थान प्रदेश को कंगाल कर दिया। मैं आपको बताना चाहूंगा कि भैरोंसिंह शेखावत राजस्थान के मुख्य मंत्री थे, उस समय वे राजस्थान पर 24 हजार का कर्जा छोड़कर गये थे। जब अशोक गहलोतजी ने यह सत्ता हमको सौंपी उस समय राजस्थान पर 52 हजार करोड़ का कर्जा ये छोड़कर गये। (व्यवधान) यानी, 120 प्रतिशत कर्जे में पाँच साल के दौरान बढ़ोतरी हुई। आज आप कहते हैं राजस्थान को हमने कर्जे में डुबो दिया। मैं बताना चाहूंगा कि हमने तीन साल में, आज कर्जा 72 हजार

(श्री कालीचरण सर्राफ)

करोड़ रुपया हो गया, लेकिन तीन साल में हमने 20 हजार करोड़ का कर्जा लिया, केवल 30.31 प्रतिशत कर्जे में बढ़ोतरी हुई है। उसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहूंगा कि आपके समय में कर्जा आप लोगों ने लिया केवल वेतन और भत्ते चुकाने के लिए, हमने वेतन और भत्ते चुकाने के लिए कर्जा नहीं लिया। हमने उससे परिसम्पत्तियां निर्मित कीं। मैं आकड़ों के माध्यम से आपको बताना चाहूंगा कि आपके समय में जो कर्जा लिया गया उसमें बढ़ोतरी हुई 24 परसेंट और हमारे समय में जो कर्जा लिया गया प्रतिवर्ष हमारे यहां बढ़ोतरी हुई 10 परसेंट। परिसम्पत्तियों के निर्माण का जहां तक सवाल है ..(व्यवधान) वर्तमान सरकार ने स्थायी परिसम्पत्तियों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया। वर्तमान सरकार के समय 2003-04 में 42.48 प्रतिशत, 2004-05 में 51.50 प्रतिशत और 2005-06 में 83.02 प्रतिशत। इस बार हमने प्रावधान रखा है 96.58 प्रतिशत। आपके समय में क्या स्थिति थी? 2001-02 में 29.82 प्रतिशत की परिसम्पत्तियां आपने निर्मित कीं और 2002-03 में 34.36 प्रतिशत। हमने कर्जा लिया तो उससे परिसम्पत्तियों का निर्माण कराया और आपने कर्जा लिया केवल वेतन-भत्ते में चुकारा किया, परिसम्पत्तियों का निर्माण नहीं किया।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, बजट पेश करने के बाद प्रद्युम्न सिंहजी का, राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य पूर्व में वित्त मंत्री भी रहे हैं ..(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** नाम न लें।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): मुझे पत्रकार बता रहे थे, कई नेताओं को फोन किया ..(व्यवधान)..

**श्री अध्यक्ष:** राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य कहें, नाम न लें।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य, पूर्व वित्त मंत्रीजी, इनका अख़बार में स्टेटमैंट छपा, उन्होंने कहा कि मुख्य मंत्रीजी ने बड़ी चतुराई से केन्द्र की योजनाओं पर अपने नाम का लेबल लगा दिया है। केन्द्र सरकार का ही पैसा आ रहा है उससे ही विकास की योजनाओं की घोषणा की गई है। मैं माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा ..(व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** आ गये आपकी बात सुनकर। अब आप ध्यान से सुनिए।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): अध्यक्ष महोदय, हमारे देश में फेडरल स्ट्रक्चर है और गवर्नमैंट आफ इण्डिया, यूनियन गवर्नमैंट है और जो पैसा वे हमें भेजते हैं वह कोई खैरात में नहीं देते, वे कोई मेहरबानी नहीं करते, हमारे राज्य का जो हिस्सा होता है उसको वे हमें देते हैं। (व्यवधान) आप मेरी बात सुनिए। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** क्या बोल रहे हैं आप? (व्यवधान)

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): मैं बताना चाहूंगा कि जब केन्द्र में अटल बिहारी वाजपेयी इस देश के प्रधान मंत्री थे और राजस्थान में जब आपका राज था तो बिना राजनीतिक भेदभाव के जितना पैसा राज्य सरकार के लिए आवश्यक था उतना पैसा उन्होंने वहां से भेजा। राजस्थान जब भीषण अकाल से जूझ रहा था तब लाखों टन गेहूं बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के उन्होंने वहां से भेजा परन्तु आज क्या स्थिति है? बाड़मेर जिले में बाढ़ आई, हमारी राज्य सरकार ने 3250 करोड़ रुपया उनसे मांगा और उन्होंने केवल सौ करोड़ रुपये दिये। सरसों की खरीद की यह स्थिति है कि पिछली बार का 26 करोड़ रुपये आज भी बकाया है, आज भी केन्द्रीय सरकार हमको नहीं दे रही है, इस साल एडवांस देने का तो सवाल ही नहीं और माननीय अध्यक्ष महोदय, इतना ही नहीं, यह कहते हुए अफसोस हो रहा है कि हमारी सरकार की भरपूर कोशिश के बाद भी केन्द्रीय सरकार ने 11वें वित्त आयोग द्वारा शुरू की गई फिस्कल रिफार्म्स फैसिलिटी के तहत हमारे प्रदेश को जो प्रोत्साहन राशि के रूप में 438 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि मिलनी चाहिए था वह भी अभी तक जारी नहीं की। होना तो यह चाहिए कि क्या आप लोग वास्तव में इस प्रदेश का हित चाहते हैं, केन्द्रीय सरकार में यदि आप लोगों की वास्तव में कुछ चलती है, आपकी पार्टी में आपके नेताओं की भी कोई पूछ है तो उन पर दबाव बनाइए कि सरसों की खरीद के लिए हमको पैसा दें, बाढ़ राहत कामों के लिए 3250 करोड़ रुपये हमने मांगा है, सौ करोड़ रुपया दिया है, हमको वह 3250 करोड़ रुपया दे और यह जो फिस्कल रिफार्म्स फैसिलिटी के तहत जो हमें 438 करोड़ रुपये जो मिलने वाला है वह हमको दे।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आप कृपया यह भी बता दें कि हमने भी अकाल राहत के पेटे जब-जब मेमोरेंडम दिया, जितने अमाउंट का भारत सरकार को, क्या हमें उतना पैसा कभी दिया उन्होंने ?

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): आपने जितना मेमोरेंडम दिया, यह भी कभी नहीं हुआ कि आपने मांगा हो 3250 करोड़ रुपये तो सौ करोड़ दिये हों।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): उसका 20 परसेंट भी नहीं दिया कभी, आप निकलवा लें।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): कैसे नहीं दिया ? बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के इतना भीषण अकाल राजस्थान में पड़ा था, यदि बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के केन्द्रीय सरकार आपको गेहूं का आबंटन नहीं करती और राशि नहीं देती तो आप अकाल का मुकाबला ही नहीं कर सकते थे। सब को पता है इस बात का।

माननीय अध्यक्ष महोदय, अब रोजगार के मामले में मैं बात करना चाहूंगा, याद दिलाना चाहूंगा, 1998 में जब विधान सभा के चुनाव हो रहे थे तो कांग्रेस के मित्रों ने हर जगह चुनाव के भाषण में एक ही बात कही कि शेखावत सरकार ने बेरोजगारों के साथ बड़ा अन्याय किया है, बेरोजगार नौजवानों के साथ विश्वासघात किया है, सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 58 साल से 60 साल कर दी, यदि हमारा राज आ गया तो हम उनको 60 साल से 58 साल करेंगे और उससे जो पद रिक्त होंगे उन पर नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने यह वादा किया था प्रदेश की जनता से परन्तु मैं आपको बताना चाहता हूं कि 1998 में इनका राज भी आया प्रचण्ड बहुमत के साथ आया, सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु तो 60 साल से 58 साल कर दी परन्तु उससे जो 28 हजार पद रिक्त हुए उन पदों को ही इन्होंने समाप्त कर दिया, एक भी बेरोजगार नौजवान को इन्होंने रोजगार नहीं दिया। मैं आपको यह बताना चाहता हूं।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): कालीचरणजी, इनका तो नारा यह था कि पानी बचाओ, बिजली बचाओ, सब को पढ़ाओ और नौकरी किसी की मत लगाओ।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आप ऐसा कह रहे हैं तिवाड़ीजी, यह चीज तो मैं नहीं कह रहा हूं।

**श्री अध्यक्ष:** चौथी बात तो आप कह रहे हो उन्होंने तो 3 बातें कही थीं।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आप उस वक्त के फिगर्स निकलवा लें।

**श्री अध्यक्ष:** बिजली बचाओ, पानी बचाओ, सब को पढ़ाओ।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): इतनी कठिन वित्तीय स्थिति के बावजूद भी हमने नौकरी दी लोगों को।

**एक माननीय सदस्य:** नहीं, नहीं, कांट्रेक्ट बेसिस पर।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): मैं आपको कह रहा हूं।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): 7 हजार 5 सौ की निकली थी, वह भी कोर्ट स्टे करा दी।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): जवाब दिया है, अध्यक्ष महोदय, आप निकलवा कर देख लें, आपके पास राज है, सारे फिगर्स हैं उस वक्त के।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): आपने नौकरी नहीं दी।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): सारे फिगर्स आपको दिये, शिक्षा में केवल 7 हजार 5 सौ की वेकेंसी निकाली और कोर्ट से स्टे करा कर आप चले गये।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): कोर्ट से हमने स्टे करवाया ? क्या कह रहे हैं?

**श्री अध्यक्ष:** कहा कि सब को पढ़ाओ, बिजली बचाओ, पानी बचाओ। नारा तो ठीक ही था।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): और माननीय अध्यक्ष महोदय, इतना ही नहीं, राजस्थान में तीन साल पहले जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार वसुंधराजी के नेतृत्व में बनी और पहले बजट भाषण में वित्त मंत्री के रूप में मुख्य मंत्रीजी ने जब यह घोषणा की कि हर वर्ष एक लाख लोगों को रोजगार देंगे तो हमारे राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य खड़े होकर बोले कि हम 5 साल में एक व्यक्ति को रोजगार नहीं दे पाये और आप हर साल एक लाख लोगों को रोजगार देंगे ? यह गलत है, इन्होंने उसका मजाक उड़ाया। मैं आपको बताना चाहता हूं।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): मनगढ़ंत बातें हैं कि हम पांच साल में एक को भी नहीं दे पाये।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): प्रोसिडिंग्स में है।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): प्रोसिडिंग्स अगर निकाल दीजिए, मैं सदन में माफी मांग लूंगा।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): आपने यह कहा था।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): निकलवाओ न।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): निकलवा लेंगे, अभी तो आप मेरे को बोलने दीजिए, आपका समय आये तब बोलना।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): माफी मांगने की तो आपकी आदत है तीन चार बार तो इस बार ही मांग ली। (व्यवधान)

**श्री शांतिलाल चपलोत** (मावली): बार-बार माफी मांग ली, माफी मांग ली, 'क्षमा वीरस्य भूषणम'।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): एक लाख की घोषणा की तो कालीचरणजी बता दो, कितनों को दी आपने।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): हां, मैं अभी बताता हूं।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): बताइए लाख को दी है क्या?

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): एक लाख लोगों को प्रतिवर्ष हम नौकरी देंगे, यह मुख्य मंत्रीजी ने घोषणा की और मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि तीन साल में हमने 3 लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी दे दी। अब आप कहेंगे कि कहां-कहां दे दी? अब सुनिए, एक लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति आर.पी.एस.सी. के माध्यम से, एक लाख 38 हजार 241 बेरोजगारों को विभिन्न औद्योगिक इकाईयों में नियुक्ति, 46 हजार महिलाएं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर सहयोगिनी के रूप में नौकरी, 6 हजार पुलिस में कांस्टेबल की भर्ती, 719 चिकित्सकों की नियुक्ति और 2528 पैरा मेडिकल कर्मचारियों की नियुक्ति, अब बताइए, हुई कि नहीं यह 3 लाख यह जोड़ लो, 3 लाख से ऊपर बैठती हैं। 3 लाख से अधिक लोगों को, बेरोजगार नौजवानों को हमने नौकरी दी और मैं बधाई देना चाहूंगा माननीय मुख्य मंत्रीजी को कि उन्होंने इस बजट में भी यह घोषणा की है कि 12500 शिक्षकों की नियुक्ति दी जाएगी, 7502 ए.एन.एम. और जे.एन.एम. की नियुक्ति की जाएगी, 5200 पुलिस के कांस्टेबल भर्ती किए जाएंगे।

**श्री अध्यक्ष:** 7502 .

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): 7502

**श्री अध्यक्ष:** 5 नहीं 7

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): 7502 ही बोल रहा हूं मैं।

**श्री अध्यक्ष:** अच्छा।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): 8 हजार भूतपूर्व सैनिकों को पुलिस में नौकरी दी जाएगी, 1 हजार फर्स्ट ग्रेड भूतपूर्व सैनिकों में से नियुक्ति की जाएगी और 1 हजार मदरसा शिक्षक सहयोगियों और जल प्रहरियों के पद

(श्री कालीचरण सर्राफ)

पर भी नियुक्ति की जाएगी और यह तो हो गये 28 हजार के लगभग और इसके अलावा सम्पूर्ण ग्रामीण स्वरोजगार कार्यक्रम अभी प्रधान मंत्री रोजगार योजना के माध्यम से इस वर्ष एक लाख युवाओं को और नौकरी दी जाएगी, यह हमारे मुख्य मंत्रीजी ने घोषणा की है पर इतना ही नहीं, आदरणीय प्रतिपक्ष के नेताजी को मैं विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि उन्होंने एक क्रांतिकारी घोषणा की है, ऐसे ग्रेजुएट जिनके माता-पिता की 1 लाख से आय कम है उनको जुलाई, 2007 से 4 सौ रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा और महिलाओं को 5 सौ रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा और जो विकलांग हैं उनको 6 सौ रुपये प्रतिमाह भत्ता दिया जाएगा। आप लोग पांच साल में एक भी नौकरी नहीं दे पाये क्योंकि आपकी नीयत में खोट था, आप पूरे पांच साल तक खजाना खाली है, प्रदेश कंगाल हो गया, इसका रोना रोते रहे, एक भी व्यक्ति को आपने रोजगार नहीं दिया परन्तु हमारे राज में मुख्य मंत्रीजी की दृढ़ इच्छा शक्ति और जैसा कहा जाता है कि भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करती है, जो करती है वह कहती है। हमने एक लाख लोगों को हर साल नौकरी देने का वादा किया और 3 साल में 3 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया। इस साल हम सवा लाख लोगों को नौकरी भी देंगे और जो बेरोजगार नवयुवक हैं उनको 4 सौ रुपये प्रतिमाह, महिलाओं को 5 सौ रुपये प्रति माह और विकलांगों को 6 सौ रुपये प्रतिमाह देंगे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, महिलाओं का जहां तक सवाल है, यदि मैं यह कहूं कि माननीय मुख्य मंत्रीजी ने इस साल का बजट महिलाओं को समर्पित किया है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। पिछले तीन साल के शासनकाल में हमारी सरकार ने महिलाओं को केवल सशक्त बनाने की बात नहीं कही बल्कि प्रदेश में महिलाएं किस प्रकार से स्वावलम्बी बनें और प्रदेश के विकास में महिलाओं की भागीदार किस प्रकार से ज्यादा से ज्यादा हो, इस बात की भी पूरी कोशिश की है।

पिछले तीन साल में सवा लाख स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया और इन समूहों में 18 लाख महिलाएं जुड़ीं, समूह में एक लाख से अधिक महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया। कुल 72 हजार समूहों को 130 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण दिया गया।

एग्रीकल्चर लैण्ड के क्रय दस्तावेज का पंजीयन शुल्क पांच प्रतिशत करने से 3,68,000 महिलाओं को सम्पत्ति का अधिकार प्राप्त हुआ। पिछले

(श्री कालीचरण सर्राफ)

तीन साल में 46 हजार महिलाओं की आंगनबाड़ी केन्द्रों में सहयोगिनियों के रूप में नियुक्ति की गई। राजस्थान के इतिहास में पहली बार बी.एड. महाविद्यालयों में 3500 सीटें विधवा और परित्यक्ता महिलाओं के लिए आरक्षित की गई। कक्षा 9 व 10 की छात्राओं को मुफ्त में कम्प्यूटर शिक्षा दी गई। द्वितीय विश्व युद्ध की सैनिक विधवाओं की पेंशन 600 रुपये से 800 रुपये प्रतिमाह की गई। 5000 आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण किया गया। कक्षा 9 से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत बालिकाओं को घर से स्कूल तक यात्रा करने हेतु नि:शुल्क बस सेवा सुविधा उपलब्ध करवाई गई। एक लाख शिक्षकों की जो नियुक्तियां हुईं उनमें पहली बार विधवा और परित्यक्ता महिलाओं को आरक्षण देकर के हजारों महिलाओं की नियुक्ति की गई। इस साल तो जो मुख्य मंत्रीजी ने बजट पेश किया है, महिलाओं के लिए रोजगार और रियायतों का पिटारा ही खोल दिया। अब आप देखिये, इस वर्ष आर.ए.सी. की महिला सशस्त्र सिपाहियों की एक एक्सक्लुजिव बटालियन हाडीरानी आर्म्ड कोर बनाई जाएगी। पुलिस फोर्स में कांस्टेबल और सब-इंस्पैक्टर स्तर पर नई नियुक्तियों में महिलाओं के लिए आरक्षित 30 प्रतिशत पदों पर नियुक्ति की जाएगी। गांव में आबादी क्षेत्र में 2003 तक के कब्जों का नि:शुल्क नियमन किया जाना और पट्टे केवल महिलाओं के नाम से ही जारी किये जायेंगे। इस वर्ष 1500 नये आंगनबाड़ी केन्द्र खोले जाएंगे।

ई-मित्र कार्यक्रम में 6608 कॉमन सर्विस सेंटर बनेंगे। सभी का आबंटन केवल महिलाओं को ही होगा। डेयरी संगठन और बूथ एवं पार्लर्स का आबंटन केवल महिलाओं को ही किया जाएगा। डेयरी पार्लर स्थापित करने पर डीप-फ्रिजर के लिए पांच हजार प्रति पार्लर की सामान्य सहायता को 10 हजार किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में घर से दो किलोमीटर से ज्यादा दूर सैकण्डरी स्कूल में पढ़ने के लिए जाने वाली नवीं कक्षा में उत्तीर्ण बालिकाओं को 300 रुपये में साइकिल उपलब्ध करवाई जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में घर से पांच किलोमीटर से अधिक दूरी पर सैकण्डरी स्कूल जाने वाली बालिकाओं को पांच रुपये प्रति दिवस की दर से ट्रांसपोर्ट वाउचर दिया जाएगा। महिलाओं के लिए नदियों और तालाबों पर स्नान करने के लिए निर्मल घाट योजना शुरू की जाएगी। तीन साल से हर जिले में एक हजार महिलाओं को रोजगार दिया जाएगा। रोडवेज बसों में ग्रुप में यात्रा करने वाली महिलाओं को 25 प्रतिशत किराये में छूट होगी और आर.टी.डी.सी. की होटलों में अकेले या ग्रुप में ठहरने

(श्री कालीचरण सर्राफ)

पर महिलाओं को 25 प्रतिशत किराये में छूट होगी। पुत्ररहित दम्पत्तियों के एक या दो बेटी के बाद नसबंदी करवाने पर प्रत्येक बालिका को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उसकी एफ.डी. कराई जाएगी और जब 18 साल की होगी तो उसको 10 हजार के 40 हजार दिये जायेंगे।

इतना ही नहीं, माननीय अध्यक्ष महोदय, पांच लाख ए.पी.एल. परिवारों की छात्राओं को दसवीं से बारहवीं की पढ़ाई के दौरान हर वर्ष दो हजार रुपये की एफ.डी. और इस राशि को ग्रेजुएट होने के बाद वह निकाल पायेगी। विधवा और विकलांगों की जो पेंशन 250 रुपये प्रतिमाह थी उसको बढ़ाकर के 400 रुपये कर दिया। पेंशन नियमों की हकदार विधवा अगर शादी करती है तो उसे शादी के अवसर पर 15 हजार रुपये उपहार राशि के रूप में दिया जाएगा। निश्चित रूप से मैं यह कह सकता हूं कि अच्छा होता नाथद्वारा से आने वाले माननीय सदस्य इस बात को एप्रिशिएट करते परन्तु उन्होंने इसको एप्रिशियेट नहीं किया। मैं आज विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इन घोषणाओं से प्रदेश की महिलाएं न केवल सशक्त होंगी बल्कि प्रदेश की महिलाओं में आत्मविश्वास जाग्रत होगा, आत्मविश्वास पैदा होगा, वह स्वावलम्बी बनेंगी और प्रदेश के विकास में भागीदारी निश्चित रूप से वो अपनी करेगी।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इतना ही नहीं, जिस क्षेत्र में भी हम हाथ डालें, मैं सब क्षेत्रों की तो यहां चर्चा नहीं करूंगा परन्तु मुख्य रूप से मैं बताना चाहूंगा कि शिक्षा के क्षेत्र में हर पंचायत समिति में 8वीं कक्षा तक के बच्चों को मिड-डे मील, 1500 मिडिल स्कूल सैकण्डरी में क्रमोन्नत, 600 सैकण्डरी स्कूल सीनियर सैकण्डरी में क्रमोन्नत, सभी जिलों में वेद विद्यालय, निजी संस्थाओं को हर ऐसी तहसील जहां महाविद्यालय नहीं हैं, नि:शुल्क जमीन और भवन, हर जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए निजी संस्थाओं को नि:शुल्क जमीन और भवन, सार्वजनिक क्षेत्र में भीम जिला राजसमंद और उनियारा जिला टोंक में महाविद्यालय, झुन्झुनूं में पी.जी. विज्ञान संकाय में क्रमोन्नयन, भरतपुर में इंजीनियरिंग कॉलेज, लालसोट जिला दौसा में कृषि महाविद्यालय... (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): माननीय कालीचरण साहब, यह तो सारा का सारा रिकार्ड पर आ गया माननीय मुख्य मंत्री बोलीं जो। कोई नई बात बताओ आप।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): नई बात इसलिए है, मैं यह इसलिए बता रहा हूं कि नाथद्वारा से आने वाले माननीय सदस्य इनकी प्रशंसा में दो शब्द भी कह देते तो हमें संतोष हो जाता। परन्तु वो तो अपने एक घंटा 10 मिनट के भाषण में 55 मिनट ''मैं'' की व्याख्या करने में ही लगे रहे। केवल 'मैं' की व्याख्या करने में उन्होंने सदन का समय बर्बाद किया। इसलिए मैं यह बता रहा हूं कि आप लोगों को पता नहीं हो तो सुन लो और जब आप अभी भाषण दो तो कम से कम राजनीति से ऊपर उठकर के जो काम वास्तव में बढ़िया हुए हैं उनके बारे में थोड़े प्रशंसा के शब्द कह दो तो प्रदेश की जनता सुने।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): यह जो आपने अभी बोला है कि महिलाओं को आर.टी.डी.सी. की होटल में अकेले आने पर उनको 25 प्रतिशत सुविधा मिलेगी।

**श्री अध्यक्ष:** अकेले में भी और समूह में भी, दोनों में।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): अकेले या समूह।

**श्री शांतिलाल चपलोत** (मावली): माननीय सदस्य अकेले नहीं ग्रुप में आने पर। ग्रुप में आने पर। पढ़ लो।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): दोनों में, पढ़ लो।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): हां, ग्रुप में या अकेले, आप सुनो तो सही। ग्रुप में या अकेले। अब हम जिस संस्कृति के पुजारी हैं और जिस ढंग से हमारी पत्नियां रहती हैं, मैं बूंदी गया तो जाते ही मेरी श्रीमतीजी ने कहा कि कितनी अच्छी घोषणा की है, घूमने चलो। जब मैंने उसको समझाया कि मैं आपके साथ चलूंगा तो यह सुविधा नहीं मिलेगी। (व्यवधान) पति पत्नी के साथ आयेगा....

**श्री शांतिलाल चपलोत** (मावली): आप तो भाभीजी को लेकर के जाओ, आपके साथ भी वो ही रियायत की जाएगी। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): नहीं मिलेगी, यही मैं कहना चाहता हूं। (व्यवधान)

**श्री शांतिलाल चपलोत** (मावली): लेकर के तो जाओ, उनको घर पर तो मत बिठाओ। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): अगर पति पत्नी के साथ आये तो पत्नी को यह अधिकार नहीं होगा कि वो छूट प्राप्त कर ले। तो मेहरबानी करके... (व्यवधान)

**श्री रामप्रताप कासनिया** (पीलीबंगा): चंगुल से निकालने के लिए ही तो यह व्यवस्था की है।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): अब कोई पति आये तो उसको भी यह छूट मिल जाए। (व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य :** उनके नाम से कमरा बुक कराना और उनके साथ में आप रहो। (व्यवधान)

**श्री रामप्रताप कासनिया** (पीलीबंगा): पतियों के जूते से महिला बाहर निकले इसलिए तो यह व्यवस्था की है और क्या बीमारी है, पतियों वाली ही तो बीमारी है। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): इस राज में अकेली महिला नहीं घूम सकती है। अकेली महिला घूमेगी तो चेन छीन लेंगे, कान की बालियां तोड़ लेंगे इसलिए उसके साथ कम से कम पति के आने में तो छूट दो।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): आदरणीय हरिमोहनजी, आप ईमानदारी से बता दो, भाभीजी ने कहा या नहीं कहा कि मैं अब खुद जाऊंगी, सक्षम हूं, हमारी मुख्य मंत्रीजी ने राजस्थान में यह घोषणा कर दी है। मैं जाऊंगी अकेली, आपकी जरूरत ही नहीं है, यह भाभीजी ने कहा या नहीं कहा? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** ..... विधवा और परित्यक्ता महिलाओं के लिए.... (व्यवधान) उनके लिए है।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): माननीय मुख्य मंत्रीजी ने घोषणा इसलिए की है कि आप कभी भाभीजी को लेकर के जाते नहीं हो।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): हां, इसीलिए घोषणा की है। (व्यवधान)

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): अब वो अकेली जाने में सक्षम हैं आपकी जरूरत नहीं है। कंसेशन मिलेगा। (व्यवधान) अब आप कहोगे कि नहीं जाना है तो भी वो जायेंगी इसलिए यह घोषणा की है।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): हां वो मानेंगी नहीं।

**श्री अध्यक्ष:** यह सदन व्यक्तिगत पैरवी के लिए नहीं है, ये व्यक्तिगत पैरवी की बात कर रहे हैं। व्यक्तिगत लाभ की पैरवी कर रहे हैं इस बात के लिए नहीं है सदन।

**श्री शांतिलाल चपलोत** (मावली): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह महिलाओं की पैरवी है। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): माननीय अध्यक्षजी, मैंने व्यक्तिगत नहीं की है, मैंने कानूनी... (व्यवधान) अगर उनके पति के साथ अधिकार... (व्यवधान) मैं तो यह कह रहा हूं।

**श्री अध्यक्ष:** .... आपने इंस्टांस दिया पत्नी का कि मेरी पत्नी ने यह कहा। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप तो उस समय वनस्थली में पढ़ लीं और हमारी जो पत्नियां हैं वो पांचवीं, चौथी पास हैं, वो घर से निकलने की हिम्मत ही नहीं करतीं। (व्यवधान)

**श्री शांतिलाल चपलोत** (मावली): माननीय अध्यक्षजी, पहले तो इन्होंने कहा हमारी पत्नियां, ये बहुवचन में बोले हैं तो ये ग्रुप में उनको ले जा सकते हैं और एक बात और कहना चाहता हूं माननीय अध्यक्ष महोदय, 50 महिला और 50 पुरूष जायें तो 50 महिलाएं एक साथ ठहरेंगी तो वह ग्रुप हो जायेगा, बाद भी उसके साथ जा सकते हैं, अलग से जाकर धर्मशाला में ठहर जाना, वे 50 महिलाएं एक साथ ठहर सकेंगी। उसके ग्रुप को फायदा होगा। आपको क्या तकलीफ हो रही है?

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): महिला के रूप में? यह कि मैं मेरी पत्नी के साथ जाकर के यह छूट प्राप्त नहीं कर सकता, यह तकलीफ है मुझको।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): आप ले ही नहीं जाते हो, बात तो यही है आज।

**श्री अध्यक्ष:** आप पति-पत्नी की बात छोड़िये, आगे बढ़िये। (व्यवधान) आप पति-पत्नी की बात छोड़कर आगे बढो।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): अब आप तो पति-पत्नी की बात मत करो, आप तो पोते-पोतियों की बात करो। शर्म करो थोड़ी बहुत। आप पोते-पोतियों की बात करो।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप तो भाभीजी को साथ लेकर जाते हो और हमको यह शिक्षा देते हो। आप तो हमेशा साथ लेकर जाते हो। (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): यह तो जवान आदमी का और बूढे आदमी का फर्क है।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): पोते-पोतियों को लेकर जाने की आप शुरूआत करो ना।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): आप अपनी उम्र के लोगों के साथ जाओ।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): अब तो पोते-पोतियों के साथ ही जाना पड़ेगा, हरिमोहनजी। यह क्या हुआ, बुढापा आ गया क्या?

**श्री अध्यक्ष:** बोलिये बोलिये। (व्यवधान) कन्क्लूड करिये। प्लीज कन्टीन्यू।

**श्री रामप्रताप कासनिया** (पीलीबंगा): बाबाजी खुद सांडा मारै और लोगां न प्रमोद सिखावै।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): माननीय अध्यक्ष महोदय, खेलकूद के क्षेत्र में आप देखिये, 5000 से अधिक आबादी वाले गांवों में खेल मैदान हेतु 25,000 रुपये उपलब्ध कराये जायेंगे।

**श्री अध्यक्ष:** यह सब तो पढ़ लिया लोगों ने। आप तो नई बात बोलो। यह तो पढ़ लिया।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): मैं "मैं" की व्याख्या नहीं कर रहा हूं। मैं "मैं" की व्याख्या नहीं कर रहा हूं।

**श्री अध्यक्ष:** आप तो उनका जवाब दो उनकी बातों का।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): मैं उनका क्या जवाब दूं? उन्होंने केवल ''मैं'' की व्याख्या की 55 मिनट में, मैं क्या जवाब दूं, कोई उन्होंने सारगर्भित बात ही नहीं कही।

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्रीजी ने 16 योजनाओं की घोषणा की है इस बजट में, धनलक्ष्मी योजना, विश्वकर्मा अंशदायी पेंशन योजना, मिसिंग लिंक कार्यक्रम, पातंजलि आरोग्य योजना, चरक आपके द्वार, केशवबाड़ी योजना, कामधेनु योजना, बैकुंठ द्वार मुक्ति धाम योजना, यानी इस बजट में, यह पहला बजट है जिसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है और हर वर्ग को राहत देने की कोशिश की गई है। जब यहां पर बजट प्रस्तुत किया गया, उसके बाद मैं घर गया तो "ई" टीवी देख रहा था। प्रतापगढ़ को जिला बनाया गया है, यह घोषणा यहां पर की गई थी। तो "ई" टीवी का संवाददाता पूछ रहा था प्रतापगढ़ के संवाददाता से कि वहां कैसा माहौल है? तो वहां

आदिवासी झूम रहे थे इस घोषणा से, ढोल-मजीरों के साथ वहां पर वे नृत्य कर रहे थे।

**श्री महीपाल यादव** (बानसूर): रात को तो वे वैसे ही झूमते रहते हैं।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): हां, मैंने देखा है "ई" टीवी पर, यही बताना चाहता हूं। अब आप तो कैसे देखते, आप लोगों ने तो अपने फोनों को स्विच-आफ कर रखा था। कोई पत्रकार का फोन आये तो कहीं प्रतिक्रिया पूछ ले कि बजट कैसा था तो हम क्या बोलेंगे? इसलिए आप लोगों ने तो अपने फोन स्विच-आफ कर रखे थे। "ई" टीवी पर यह दृश्य था कि ये आदिवासी माननीय सदस्य हैं, वे भी इस बात की ताइद करेंगे।

**श्री अमराराम** (धोद): प्रतापगढ़ में तो नाच रहे थे लेकिन डीडवाना, नीमकाथाना, बालोतरा, ब्यावर में क्या हुआ? वे तो ले लो।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): वे भी थोड़े दिन बाद में नाचेंगे, आप चिंता मत करो। सबसे पिछड़ा हुआ समाज, हमारा आदिवासी समाज है और उनके जिले को, प्रतापगढ़ को जिला बनाने की घोषणा की है। इससे निश्चित रूप से आदिवासियों में हर्ष की लहर है और इतना ही नहीं माननीय अध्यक्ष महोदय, 1997 में बी.पी.एल. की सेंशस के अनुसार राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में 20 लाख 97 हजार बी.पी.एल. परिवार थे। अब केन्द्रीय सरकार ने तो घोषणा कर दी कि हम केवल 17 लाख 36 हजार लोगों को ही बी.पी.एल. की सुविधाएं देंगे। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा माननीय वसुन्धराजी को कि उन्होंने यह घोषणा की है कि जो 20 लाख 97 हजार परिवार में से 17 लाख की सीमा निर्धारित करने के बाद जो तीन लाख परिवार बचे हैं, उनको राज्य सरकार अपने स्तर पर अपने कोष से उनको बी.पी.एल. की सुविधाएं देंगी।

इसी प्रकार से मेरे ख्याल से हिन्दुस्तान में पहली बार हुआ होगा कि रिक्शा चालक, थड़ी वाले व चर्मकार, इन वर्गों के लिए विश्वकर्मा कंट्रीब्यूट्री पेंशन योजना की घोषणा की गई है। आज सबमें हर्ष की लहर है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं जयपुर शहर से विधायक हूं। जयपुर शहर के बारे में तो मैं यदि यह कहूं कि तीन साल में जयपुर शहर की कायापलट हो गई तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी और इस बारे में यह जयपुर

(श्री कालीचरण सर्राफ)

की घोषणा, जयपुर के बारे में जो घोषणा की गई है कि 469 करोड़ रुपये की बस रेपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम प्रोजेक्ट से जयपुर की ट्रेफिक व्यवस्था में सुधार करेंगे। वाई-फाई तकनीक को जयपुर में लाया जायेगा। बैंगलोर, हैदराबाद, मैसूर, पुना के बाद में जयपुर में इस तकनीक से शहर के विभिन्न हिस्सों से कोई भी व्यक्ति वायरलैस के माध्यम से इंटरनेट से जुड़ सकेगा। सीवरेज सिस्टम पर 200 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बीसलपुर योजना से दिसम्बर, 2008 तक जयपुर के लिए पीने का पानी लाया जायेगा। 13 करोड़ रुपये की लागत से ठोस कचरा प्रबन्धन, 12 करोड़ रुपये से तैयार होने वाले ग्लोबल आर्ट स्क्वायर से पुरातत्व सम्पदा का संरक्षण, अपार्टमैंट एक्ट, स्वामित्व के लिए कई दिनों से मांग थी, उसको लाने की घोषणा, 6 करोड़ 38 लाख रुपये हैरिटेज कंजर्वेशन के नाम पर खर्च किये जायेंगे। यानी, कितनी घोषणाएं की हैं? कम से कम 20-25 घोषणाएं यहां पर की गई हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, जयपुर शहर का जिस तरीके से तेजी से विकास हो रहा है, महानगरीय रूप में जिस प्रकार से जयपुर शहर विकसित हो रहा है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाये, उतनी कम है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात और कहना चाहूंगा कि माननीय मुख्य मंत्रीजी ने यह घोषणा की है कि जिला प्रमुख, प्रधान, सरपंच का मानदेय बढ़ाया जायेगा। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा और मुख्य मंत्रीजी से अनुरोध भी करना चाहूंगा कि जिला प्रमुख, प्रधान, सरपंच का मानदेय आपने बढ़ा दिया, बहुत बढ़िया किया परन्तु नगर निगम, नगर-परिषदों, नगरपालिकाओं के मेयर, सभापति, चेयरमैन, पार्षदों का मानदेय भी उसी समय बढ़ा था, जब पंचायती राज के प्रतिनिधियों का बढ़ा था तो इनका मानदेय बढ़ाने की घोषणा भी निश्चित रूप से आपको करनी चाहिए। इसी प्रकार से जो कृषि उपज मण्डी के निर्वाचित प्रतिनिधि हैं, उनका 1963 का एक्ट है। उसके हिसाब से उनको यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता मिलता है, उनमें संशोधन करके बढ़ोतरी की जानी चाहिए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्रीजी को इस बात के लिए बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने पहली बार वैट यहां पर लागू किया तो सब लोगों को यह लग रहा था कि वैट लागू होने से व्यापारी आन्दोलित होंगे। परन्तु मैं धन्यवाद देना चाहूंगा मुख्य मंत्रीजी को कि सभी व्यापारिक संस्थाओं से बात की, औद्योगिक संस्थाओं से बात की, उनके प्रतिनिधियों से बात की और सबको

कॉंफिडेंस में लेकर प्रदेश में वैट प्रणाली लागू की और उसका यह परिणाम हुआ कि कहीं पर कोई आन्दोलन नहीं हुआ और उसके लिए उन्होंने स्टेटवाइज कमेटी बनाई और जो वैट में विसंगतियां थीं, जो कठिनाइयां आई थीं, उस कमेटी के माध्यम से उनको दूर किया और उसका यह परिणाम है कि कहीं प्रदेश में कोई आन्दोलन नहीं हुआ। मुख्य मंत्रीजी ने अपने बजट भाषण में यह कहा है कि उस कमेटी का कार्यकाल एक साल था। मैं यह कहना चाहूंगा और अनुरोध भी करना चाहूंगा मुख्य मंत्रीजी से कि जो उन्होंने कमेटी बनाई थी एक साल के लिए, उसका पीरियड एक साल के लिए और बढ़ाया जाये क्योंकि अभी भी कई प्रकार की वस्तुएं हैं जिनमें विसंगतियां हैं। कहीं पर वैट 12.5 प्रतिशत लगा हुआ है, उसको चार प्रतिशत होना चाहिए। कहीं पर चार प्रतिशत है, वह एक प्रतिशत होना चाहिए। कहीं कर मुक्त होना चाहिए तो इस कमेटी को आप अभी एग्जिस्टेंस में रखें और उसके सुझाव पर जिस प्रकार इस साल में उन्होंने काम किया, उसके आधार पर ही इस बार भी काम करें तो निश्चित रूप से व्यापारियों को इसमें राहत मिलेगी। मैं ज्यादा लम्बी-चौड़ी बात नहीं कहना चाहता। मैं तो केवल अब इतना ही कहना चाहता हूं कि 60 करोड़ रुपये की राहत बजट में दी गई है। मुख्य मंत्रीजी ने हर वर्ग को कुछ न कुछ राहत देने की कोशिश की है। मैं तो यह कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्रीजी ने राजस्थान को एक विकसित राज्य बनाने का सपना देखा है, वह निश्चित रूप से साकार होगा, हमारा प्रदेश विकास के रास्ते पर अग्रसर होता हुआ देश के अग्रणी राज्यों में खड़ा होगा, यही हम लोगों की अभिलाषा है। आपने समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, जय भारत।

**श्री अध्यक्ष:** श्रीमती राजकुमारी शर्मा।

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): माननीय अध्यक्षजी, आपने मुझे बोलने के लिए कहा, बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं आपको। माननीय अध्यक्षजी, सर्वप्रथम मैं आपको और मुख्य मंत्री साहिबा को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं कि यह जो बजट है, इस बार जो मुख्य मंत्री साहिबा ने बजट प्रस्तुत किया है, वह महिलाओं को समर्पित कर दिया। हिण्डौली से आने वाले माननीय सदस्य चले गये हैं। मैं उसी दिन बस से मेरे क्षेत्र में जा रही थी और चार-पांच महिलाएं आगे बैठी थीं, और मेरी सीट पर भी बैठी थीं जो विधायक सीट होती है। मैंने उनको नहीं कहा उठने के लिए, वह बैठी रहीं, थोड़ी देर बाद में बहस छिड़ गई, ऐसे ही बजट पर बहस हो रही थी। उन्होंने टी.वी. देखा

(श्रीमती राजकुमारी शर्मा)

होगा तो महिलाएं बोल रही थीं, तुम लोग तो निखट्टू हो, उन लड़कों को बोल रही थीं कि मुख्य मंत्री साहिबा ने इतना दे दिया, आप अपनी ममतामयी मां का क्या हार्दिक अभिनंदन नहीं करोगे। तो बोले-आपको ज्यादा दिया है। तो वे बोलीं-इतने दिन तो आप सब को मिल रहा था, आज हमारी ममतामयी मां मुख्यमंत्री ने हमको दे दिया तो आपको लग रहा है, आप भी तो खुशी मनायें, आपको भी तो बहुत सारी नौकरी दी हैं, आप लोग क्यों नहीं खुशी मना रहे। तो ऐसी मुख्य मंत्री तो हमने नहीं देखी है। मैं उनकी चुपचाप बातें सुन रही थी। बहुत-सी पीछे बैठी लड़कियों ने कहा कि हम एक गीत गा देती हैं मुख्य मंत्री के नाम से। वह ताली बजाकर गीत गाने लगी, तो लड़के बोल रहे थे कि हम भी तत्कालीन हमारे गहलोत साहब का गीत गा देते हैं। तो उन्होंने कहा गाकर तो देखिये। जैसी बटालियन मुख्य मंत्री साहिबा ने खड़ी करनी चाही, वैसे वह खड़ी हो गई। तो थोड़ा मुझको हंसी आ गई उलटी। आप कौन हो, मैंने कहा आप गाइये, गाइये, मैंने बच्चियों से कहा आप गाइये, मैं आपका साथ देती हूं, मैं भी थोड़ा गीत गवा देती हूं। तो बोली आप कौन होती हो, मैंने कहा मैं तो कुछ नहीं, मैं भी आपकी कोई बहन, मां कुछ लगती होंगी, मैं ज्यादा कुछ नहीं हूं। तो बोले, नहीं-नहीं, ऐसा है कि अभी हमसे यह बच्चियां बहस कर रही थीं। बहस का कोई मुद्दा नहीं है, मुख्य मंत्री साहिबा का बजट भाषण का आपको अवगत करा रही थीं तो आप उस पर उलझ क्यों रहे हो। जैसे हिण्डौली से आने वाले माननीय सदस्य हमारे मंत्री महोदय से कह रहे थे कि आप उनकी तस्वीर देखकर आरती उतारते हो, आप उनकी पूजा करते हो। मैं उनको बताना चाहती हूं कि पूजा करना कोई बुरी बात नहीं है। नियम तो एक पत्थर का भी लें तो वह भी मूर्ति बनकर बोलता है, तो मुख्य मंत्री साहिबा तो इन्सान हैं, यदि आप नियम किसी का ले लेंगे तो पत्थर भी यहां बोलते हैं और फिर इंसान की क्या पूजा नहीं होती है। हिण्डौली से आने वाले माननीय सदस्य तो चले गये हैं, मैं निवेदन करना चाहती हूं कि विधान सभा में 9 मार्च को जो बजट, प्रशंसनीय बजट हुआ, आमजन को राहत पहुंचाई, महिलाओं को जो उन्होंने एक बटालियन के रूप में खड़ी करने का संदेश दिया है, मैं मुख्य मंत्री साहिबा का बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं कि मैंने तो उसी शाम को क्षेत्र में बस में गई उसी समय देख लिया कि यदि महिला चाहे तो क्या नहीं कर सकती। माननीय मुख्य मंत्री साहिबा कभी दुर्गा बनती हैं, कभी ममतामयी मां बनती हैं और कभी किसी की बहन और कभी भार्या बनकर सब कुछ करती

(श्रीमती राजकुमारी शर्मा)

और सहती है। इसीलिए तो नारी को अष्टभुजा का रूप दिया है। इस बजट में गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाली महिलाओं को, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को और आशा सहयोगिनी जो महिलाएं हैं उनको भी उन्होंने सहयोगिनी के रूप में जोड़कर पांच सौ रुपये दिये हैं और उसके बाद में जो डिलीवरी के गांवों से केस लेकर आती हैं उसमें भी उनको पांच सौ रुपये मिलते हैं, फिर वह घर-घर जाकर सबको बतलाती है कि देखिये तो सही, आपको धात्री माता को यह देना है, बच्चे को यह पिलाना है, यह करना है और जब हमारी यह चेतना रथ यात्रा निकली थी तो नाटकों के माध्यम से हमारे यहां इतने सुंदर-सुंदर नाटक होते थे, उन्होंने कोई अभद्र व्यवहार नहीं किया, बहुत अच्छा बोलते थे, सारा शिक्षा पर बोलते थे या फिर गांवों में जैसे महिलाएं कोई आती है कि भाई आपके इसकी डिलीवरी हास्पिटल में करवानी है, नहीं-नहीं, हास्पिटल में कोनी करावां, म्है तो म्हारा घरां ही करा लेस्यां, इस तरह से उन्होंने एक नाटक के रूप में प्रतिक्रिया जाहिर की और हर महिला को यह समझ में आ गया कि हास्पीटल में करवाने से अच्छे जच्चा और बच्चा दोनों रहेंगे। अभी-अभी जैसे हमारे माननीय सदस्य जयपुर शहर से आने वाले बोल रहे थे कि एक समूह में जाने पर औरतों को आदरणीय मुख्य मंत्री साहिबा ने हमारे परिवहन निगम का जो होगा उसमें ठहरने के लिए व्यवस्था की है और समूह में जाने से, हमारी बहुत दिनों से इच्छा थी कि माननीय मुख्य मंत्री साहिबा इस तरह की घोषणा करें, समूह में जाने से महिलाओं को तीर्थ यात्रा या गंगा स्नान कहीं भी जाती हैं उनको रूकने के लिए स्थान नहीं होता था और उन्होंने तो निर्मल घाट के लिए भी घोषणा की है, पहले इस तरह जो अपने राजे-रजवाड़े होते थे उन्होंने निर्मल घाटों के लिए, महिला घाट अलग होते थे, पुरूष घाट अलग होते थे, ऐसे निर्माण उन्होंने बहुत से करवाये हैं, माननीय मुख्य मंत्री साहिबा को बहुत-बहुत बधाई देना चाहूंगी कि ऐसी घोषणा करके उन्होंने नारी जाति का गौरव बढ़ाया है।

एक तो बच्चियों को उन्होंने साइकिल उपलब्ध करवाई है कि जहां पांच किलोमीटर दूर मुख्यालय से कहीं भी दूर होगा तो उनको तीन सौ रुपये में साइकिल दिलायेंगे और जहां-जहां जिनकी एक लाख से कम आमदनी है उन बेरोजगार बच्चों को भी उन्होंने भत्ता देने के लिए कहा है। विकलांगों के लिए, माननीय अध्यक्षजी, आपके माध्यम से कहना चाहती हूं, माननीय मुख्य मंत्री साहिबा ने विकलांगों के लिए छह सौ रुपये तो कर दिये हैं और विकलांग कहीं-

(श्रीमती राजकुमारी शर्मा)

कहीं ऐसे भी हैं, अभी हाल ही में जो स्वास्थ्य चेतना यात्रा निकाली थी तो मेरे क्षेत्र में चार बच्चे हैं, वे चारों ही विकलांग थे और हम उस समय पहुंचे, माननीय हमारे भरतजी मीणा साहब उसी दिन मेरे क्षेत्र में पहुंचे और कलक्टर साहब भी गये, तुरंत ही उन्होंने एक आस्था कार्ड बनाया और उनका भत्ता बना दिया और तुरंत उनको राहत दिलाई। ऐसे कभी-कभी सब अधिकारी पहुंच जाते हैं तो मिल जाती है राहत लेकिन मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगी माननीय मुख्य मंत्री साहिबा को कि विकलांगों को, जिनके कहीं न कहीं एक बच्चा भी है, उनके बहन पांच-पांच हैं, विकलांगों को नौकरी जरूर दीजिये। विकलांग एक तो प्रकृति की मार से पहले ही उस तरह का विकलांग हो गया, फिर दूसरे वह उपहास का पात्र होता है इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगी कि विकलांगों को नौकरी दिलाने में संशोधन करें। माननीय अध्यक्षजी, पुत्ररहित, जिनके दो बच्चियां हैं उनको हमारी मुख्य मंत्री साहिबा ने जन्म से ही उनके जो एफ.डी. का प्रस्ताव किया है और उनकी जब शादी होगी तो बहुत सा उनको अच्छा रुपया मिल जायेगा, यह भी घोषणा बहुत अच्छी की है। खिलाडियों के लिए भी उन्होंने प्रोत्साहन दिया है और हमारे सीकर जिले में कोठारी में आदरणीय हमारे परिवहन निगम के मंत्रीजी उसी में पढ़े हैं, इन्होंने तो अपनी गुरूभक्ति वहीं से शुरू की तो उस कोठारी को एक नेशनल स्टेडियम बना दिया है।

मैं हमारे माननीय शिक्षा मंत्री से कहना चाहूंगी कि आपका जन्म सीकर में हुआ है और आप सीकर के हैं और मातृ जन्मभूमि, अपनी जन्मभूमि को तो लोग बहुत याद रखते हैं इसलिए सीकर जिले में भी मेरे एक यूनिवर्सिटी स्थापित कीजिये। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगी कि जहां मातृभूमि होती है वहां बहुत आदर होता है।

मैं सार्वजनिक निर्माण मंत्रीजी से कहना चाहती हूं कि मेरे सीकर शहर में पिछली सरकार ने कुछ नहीं बनाया, बहुत कम सड़कें बनाई हैं, आपके माध्यम से मेरे शाकम्भरी में बहुत बड़ी सड़क बन रही है, मैं आपका स्वागत करती हूं और हम कभी-कभी पी.डब्लू.डी. मंत्री साहब, और आपसे सड़कें मांगें तो आप हमको उसी तरह देते रहिये और पी.एच.ई.डी.. मंत्री साहब का तो मैं इतना धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने जब वैल मांगा, ट्यूब वैल मांगा, जितने हैण्ड पम्प मांगे, महिलाएं हमारे कहती हैं कि आगे भी म्हारा तो सिर का, टांट का बाल सारा उड़ग्या हां, लेकिन अभी हमारी मुख्य मंत्री साहिबा, अपने मंत्री

(श्रीमती राजकुमारी शर्मा)

आये हैं तो हमको भी एक बार दर्शन करा दीजिये, तो उन्होंने किस तरह से यह योजना बनाई है, मैं माननीय पी.एच.ई.डी.. मंत्रीजी को, आदरणीय अध्यक्षजी, आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि 12 गांव मेरे ऐसे हैं जहां पर फ्लोराइडयुक्त पानी है। 12 गांवों में पानी है ही नहीं, फ्लोराइड की क्या बात है, वहां पानी मात्र थोड़ा सा रह गया है, उनको किसी भी योजना में लें, कैसे भी लें, एक भगोवा गांव हैं वहां कोई सौ साल पहले एक कुआ बना हुआ है, किसी दानदाता ने बनाया होगा, उसके बाद आज तक बिजली नहीं हुई 58 साल में। इस गांव में बिजली ही नहीं पहुंची है, मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं अध्यक्ष महोदयाजी, कि आजादी के 58 साल बीत गये और एक ऐसा गांव हैं जो शाकम्भरी माता, जिसके सारे लोग दर्शन करने आते हैं, उस शाकम्भरी माता से मात्र सात किलोमीटर दूर है, ऊंचाई पर है और वहां तक आज तक न तो सड़क बनी है, हां, थोड़ा-बहुत आने-जाने का रास्ता जरूर हमारे मंत्री महोदय ने करा दिये हैं। मैं आपको धन्यवाद देना चाहूंगी कि इस पर विचार करेंगे। मैं चाहूंगी कि सीकर शहर में सीवरेज और ड्रेनेज बने। मैंने पहली मांग मुख्य मंत्री साहिबा से एक ही की थी, माननीय मुख्य मंत्री साहिबा ने विधायकों को बुलाया था और अभिनंदन किया उस समय उन्होंने कहा कि दो शब्दों में आप अपनी मांग रख दीजिए। मैंने दो शब्दों में माननीय मुख्य मंत्री साहिबा को कहा था कि मुझे सीवरेज और ड्रेनेज दीजिए, आपका बहुत-बहुत भला होगा। मैं नानी की भीड़ है उसके लिए आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि नानी ग्राम मेरा क्षेत्र पड़ता है, नानी के ग्राम में इतना पानी जाने लगा है सीकर की आबादी बढ़ गई हैं तो वहां पानी जाने से उनकी खेती नष्ट हो गई हैं, वहां के जो रहने वाले हैं वह बेचारे कहते हैं हमारे तो सारे खेत ही नष्ट हो गये हैं और वो हमारे वन विभाग की जगह है। इसलिए वहां कोई प्लांट नहीं लग सकता है। माननीय अध्यक्षजी, ऐसी कोई युक्ति हमारे मंत्रीजी, हमारी मुख्य मंत्री साहिबा निकालें कि वन विभाग की जगह कहीं उनको दूसरी जगह दिला दीजिए और उसी वन विभाग की जगह पर कोई प्लांट लग जाए तो सीकर का भला हो जाता है और मैं आपको एक बात यह भी कहना चाहती हूं कि रिक्शा और थड़ी वालों में भी उत्साह की लहर देखी गयी है। अभी जो हमारे जयपुर से आने वाले माननीय सदस्य बोल रहे थे कि प्रतापगढ़ को जिला बनाने के लिए मिठाइयां बंट रही थी, हमारे सीकर शहर में और श्रीमाधोपुर को मुख्यालय का रूप दिया गया वहां भी खूब मिठाई बटी हैं और

(श्रीमती राजकुमारी शर्मा)

खूब ढोल-पत्तासे उड़े हैं, मुख्य मंत्री को खूब बधाई दे रहे थे। सर्वोपरि तो यह बात है कि सब लोगों को सोचते हुए वृद्धावस्थापेंशन जो बंद हो गई थी, उनको पुन: चालू करके माननीय मुख्य मंत्री साहिबा ने बहुत अच्छा काम किया है और मैं एक आपके माध्यम से एक बहुत छोटा-सा निवेदन है मेरा कि माननीय मुख्य मंत्री साहिबा ने विडो को नौकरी देकर के पचास साल की उम्र में भी एक इतना बड़ा महान कार्य किया है कि आज तक किसी ने सोचा ही नहीं था। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगी कि 12वीं और 10वीं पास तो विडो को नौकरी मिल जाती है मुख्य मंत्री साहिबा कई ऐसी औरतें हैं जो 5वीं और 8वीं तक पढ़ी हैं आपके माध्यम से मैं शिक्षा मंत्रीजी, मुख्य मंत्री साहिबा को कहना चाहूंगी कि उनको भी नौकरी दें। एक तो विधाता ने पहले ही पहाड़ तोड़ दिया दूसरा (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** नेता प्रतिपक्ष अब तो चार ही रह गये हैं, आप तो चार ही रह गये हैं यहां (व्यवधान) नेता प्रतिपक्ष महोदय, मैं आपको कह रही हूं।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): उधर से निंद्रा भंग कर दी आपने (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): पेशेन्स से की सुन रहा हूं।

**श्री अध्यक्ष:** पेशेन्स से तो सुन रहे हो आप लेकिन आपके माननीय सदस्य केवल चार की मात्रा में रह गये हैं।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): नहीं, लाबी में चले गये हैं बुला लेंगे।

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): माननीय मुख्य मंत्री महोदया की तहदील से आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने निर्मल घाट की योजना शुरू कर महिलाओं के अपराध में (व्यवधान) हेतु महिलाओं के लिए आरक्षित पदों पर पुरूषों की नियुक्ति नहीं हो पाये, जैसे नियमों को संशोधित कर प्रस्ताव रखे (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** नेता प्रतिपक्ष इधर नहीं है, आपके सदस्य नहीं है इधर (व्यवधान)

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): महिलाओं के प्रति सम्मान प्रकट किया है माननीय मुख्य मंत्री महोदया ने राज्य की सबसे बड़ी गम्भीर समस्या बेरोजगारी को निपटाने के लिए बेरोजगारों को मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है और विकलांग को, बेरोजगारों को मासिक भत्ते देने की घोषणा की है

(श्रीमती राजकुमारी शर्मा)

और विद्यालयों को क्रमोन्नत के लिए मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगी कि माननीय मुख्य मंत्री साहिबा ने भी कहा कि पक्ष विपक्ष दोनों मिलकर पिछली बार हमको जो हमारे सीनियर सैकण्डरी और हायर सैकण्ड्री तक जो क्रमोन्नत नहीं हो पाये वह इस बार हमको मिल जाएं। जो ये वृद्धावस्था पेंशन है और माननीय अध्यक्षजी जिनके पुत्र हैं चार-चार, पांच-पांच भी हैं, किसी के आठ-आठ-दस-दस बच्चे होते हुए भी आजकल बुर्जुर्गों का सम्मान नहीं हो रहा है। बहुत-सी ऐसी महिलायें हमारे पास आती हैं 70-80 वर्ष की हो गई लेकिन कहती है ''म्हाने तो घर से बाहर निकाल दियो'' उनकी ऐसी दयनीय स्थिति हो जाती है कि हम कहते हैं कि माताजी आपके कितने बच्चे हैं तो कहती हैं ''बच्चा तो घणा ही है'' लेकिन कोई रोटी देने वाला नहीं होता, उनको निकाल देते हैं। माननीय मुख्य मंत्री साहिबा से निवेदन करना चाहूंगी आपके माध्यम से कि जो 70 के पार कर गई हैं या 65 के बराबर हैं, जैसे आपने बसों में, रेलवे में जैसे छूट दी है वहीं जितना जिनके बच्चे नहीं हैं उतना नहीं दे सकते तो कुछ राहत प्रदान करें, चाहे आधा ही दीजिए लेकिन (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** उन बुजुर्गों के लिए तो नेता प्रतिपक्ष झुन्झुनू में एक वृद्धाश्रम खोल रहे हैं इसलिए आप चिंता न करे, बना तो लिया देर खुलने की है।

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): आपका स्वागत है (व्यवधान) वह कह रहे हैं कि आ नहीं रहे हैं आप भिजवा देना, दो चार उनके यहां।

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): कोई पलट न जावें मानस बनाते हुए (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** बना दिया है मैं कह रही हूं ना, बना दिया है।

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): ये कम से कम पक्का तो कहलवा दें कि मानस बना लिया है (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** मैं कह रही हूं कि बना लिया मानस (व्यवधान)

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): हमारी माननीय मुख्य मंत्री साहिबा ने गौ-सेवा (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** (व्यवधान) कहो नेता प्रतिपक्ष।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): बना तो लिया है लेकिन कोई आ नहीं रहा है।

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): तो हम भिजवा देंगे।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): एक दिन आता है दूसरे दिन ले जाते हैं वापिस...

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): कब से चालू किया?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): कल आप चैरिटी बिगन फ्राम होम, अध्यक्ष महोदय तो सबसे पहला प्रवेश प्रतिपक्ष के नेता आप जो वहीं उसको प्रशासनिक दृष्टि से भी (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): एक दिन आता है और दूसरे दिन घर वाले उसको ले जाते हैं वापिस।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): यह कोई षड्यंत्र तो नहीं है आपके खिलाफ, वृद्धाश्रम नहीं चलाने के पीछे षड्यंत्र तो नहीं है (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): मैं सरकार से कोई रुपए थोड़े ही ले रहा हूं, पैसा ही नहीं लिया। (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): नहीं लिया, वह अलग बात है तो अब आप उस होस्टल के कमरे से उस आश्रम में विराजने लग गये थे, पहले तो आप मंडावा में किसान हास्टल के कमरे में विराजते थे अब आप उस छात्रावास को छोड़ करके आश्रम में विराजने लग गये होंगे। अब तो आप (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** उसी को बना दिया है वृद्धाश्रम।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): उसी को बना दिया (व्यवधान)

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): माननीय अध्यक्षजी हमारी मुख्य मंत्रीजी ने बहुत से (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** बना दिये हैं वृद्धाश्रम बस आप कनकलूड करो, काफी समय हो गया आपको (व्यवधान)

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): ग्रेड बनाये हैं तो मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्रीजी साहिबा का ध्यान दिलाना चाहूंगी कि मेरे क्षेत्र विधान सभा सीकर में 132 के.वी. ग्रेड जरूर बनायें क्योंकि मेरे विधान सभा क्षेत्र में अभी तक ग्रेड नहीं बना है और मैं ज्यादा समय नहीं लूंगी आपका बहुत थोड़े से ही कह करके (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** सीकर में अभी तक 132 के.वी.जी.एस.एस. नहीं है?

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** (सीकर): मेरे विधायक बनाने के बाद में अभी तक एक भी नहीं बना है। इसलिए 33 के.वी. 132 के.वी. ग्रेड का, उनकी मांग है, जनता की मांग है इसलिए उन्होंने मुझ से बार-बार निवेदन किया है और जो वैद्य विद्यालय खुले हैं तो सबसे ज्यादा वैद्य विद्यालय लक्ष्मणगढ़ और सीकर के रहवासा में वैद्य पढ़ाने वाले हैं। इसलिए मैं चाहूंगी कि हमारे सीकर में भी वैद्य विद्यालय खुले और मैं एक शेर के माध्यम से आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि ''चलते को गिराना कोई बड़ी बात नहीं है, चलते को गिराना कोई बड़ी बात नहीं है, गिरते को संभालो तो कोई बात बने, जुबान को खंजर तो सब बना लेते हैं, हाथों को हथियार बनाओ तो कोई बात बनें।'' धन्यवाद।

**श्री अध्यक्ष:** बहुत अच्छा। श्री हेमाराम चौधरी।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्रीजी ने 9 तारीख को जो बजट भाषण यहां पढ़ा उसमें उन्होंने अपनी तरफ से तो काफी चतुराई से बहुत सारी बातें बजट भाषण में कही हैं। जनता को लुभाने के लिए, आकर्षित करने के लिए, पर वे कितनी लुभाने वाली हैं, कितनी उसमें सत्यता है? इसके बारे में और उसमें और कुछ बातें जो कही जानी चाहिए थी लेकिन मुख्य मंत्रीजी ने उन बातों को छोड़ दिया है उसकी तरफ मैं मुख्य मंत्रीजी का ध्यान आपके माध्यम से दिलाना चाहूंगा। भाजपा की सरकार, भाजपा आने, पिछले विधान सभा के चुनावों में अध्यक्ष महोदय आपको भी याद होगा किसानों को दस हजार तक के कर्जे माफ करने की बात कही थी और वह बात किसानों को बहुत अच्छी लगी। जिन लोगों के भी दस हजार तक के कर्जे थे उनको लगा कि यह पार्टी सत्ता में आई तो हमारे को कर्जे के पैसे चुकाना नहीं पड़ेगा, हमारे कर्ज माफ हो जाएगा। हर किसी के लिए कोई बात कही जाए और उसमें उसको फायदा भी हो तो वह अच्छी लगती है। यह सोचकर उन्होंने सारे के सारे दस हजार तक के कर्जे जिनके लिए है उन्होंने भाजपा को वोट दे दिये और इनका राज बन गया। राज बने तीन साल हो गये और ये उस बात को भूल गये। इसलिए मैं उस बात को आपको याद दिलाना चाहता हूं, आपके करने की मंशा है या नहीं है क्योंकि बजट भाषण यह चौथा है अभी तक तो आपने चार बजट निकाले, आपने इसके ऊपर कुछ कहा नहीं, अब आगे एक बजट बाकी रहा है फिर नहीं तो दस हजार तक के कर्जे वाले जो पिछली बार आपको वोट दिए थे वो क्या करेंगे आप सोच लेना। ठीक है संक्षेप में। दूसरा अध्यक्ष महोदय, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि अगर

(श्री हेमाराम चौधरी)

ये बात रह गयी हो ध्यान से, हो सकता है चूक गये या आपकी मंशा नहीं हो वो तो आप जानें। मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं अगर आपने ऐसा कहा है, ये तो हमारे कहने से नहीं और आपके कहने से नहीं वो तो जनता को मालूम है कि कहा कि नहीं कहा सत्य बोल रहे हैं या नहीं बोल रहे हैं यह तो जनता सुनेगी।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता प्रतिपक्ष): वो तो वसूल कर लिये।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): वो कह रहे हैं कि वसूल कर लिये, बात सही है। अब वो तो पैसा ही वसूल कर लिया अब किसको माफ करोगे, यह भी बात सही है तो अभी बाकी है पिछले साल अकाल पड़ गया कोई उनका ही माफ कर दो। किसानों को कुछ फायदा तो दें। आपने कहा है नहीं दो तो ठीक है । अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बाड़मेर में रिफाइनरी लगाने की बात के बारे में भी बजट में एक शब्द नहीं बोला। रिफाइनरी का जिक्र नहीं किया, नाम तक नहीं लिया। अब राजस्थान के लिए रिफाइनरी से बड़ा तो कोई प्रोजेक्ट है ही नहीं। अध्यक्ष महोदय, आपको याद हो मेरी आपसे बात हुई थी आपने कहा कि ये मुख्य मंत्रीजी राजस्थान में रिफाइनरी स्थापित कर देंगी। मैंने कहा कि ये नहीं कर सकेंगी। अपनी बात हुई थी। आपको ध्यान है क्योंकि मुझे पता है इसके लिए राजस्थान सरकार को कुछ देना पड़ेगा। रियायतें देनी पड़ेंगी जो ओनजीसी और केयर्न एनर्जी का जो संयुक्त उपक्रम है उन्होंने मांगी है ये रियायतें तो एक धैला ही देना नहीं चाहते । ये घर से तो एक टका एक धैला ही खर्च करना नहीं चाहते । बिना धैला-टका खर्च किये हुए रिफाइनरी लगेगी क्या? राजस्थान में तो इन्होंने धैला-टका खर्च करने की कोई बात कही नहीं। क्या उन्होंने सुविधाएं मांगीं, रियायतें मांगी, ओएनजीसी और केयर्न एनर्जी ने क्या रियायतें मांगी और आपकी क्या डिफीकल्टीज हैं आप उन रियायतों में से कितनी रियायतें देने को आप सहमत हो कुछ तो कहते। आपके तो यह बात दिमाग से ही निकल गयी। लगाने की मंशा नहीं है इसलिए मेरा यह आरोप है कि आप राजस्थान सरकार के हितों के प्रति बिलकुल ही चिंतित नहीं हैं। अगर चिंतित होते तो इतना बड़ा प्रोजेक्ट लगता तो राजस्थान को कितने करोड़ों का राजस्व मिलता। वो राजस्व राजस्थान को आने वाले टाइम में मिलता। अध्यक्ष महोदय, ये मीडिया सुन रहा है बाड़मेर जिले में जितने भी अख़बार निकलते हैं जिले से दूसरी जगह के तो मुझे मालूम नहीं हैं, दो महीने तक तो वो अख़बार भरे पड़े रहते उनमें हमारे को दूसरी कोई खबर मिलती

(श्री हेमाराम चौधरी)

नहीं, जगह ही नहीं मिलती। पढ़ने को कोई छोटी-छोटी खबर ही आती। खबर आती तो एक ही कि बाड़मेर के विधायक अभी मौजूद नहीं हैं एक शिव के विधायक और सांसद महोदय तीनों के गुणगान, वो बधाई संदेश बस रिफाइनरी ले आये बधाई है, बधाई है। दो महीने तक लगातार बधाइयों के अलावा अख़बार में कुछ आया ही नहीं और बाड़मेर के विधायक महोदय तो यहां से जयपुर से बाड़मेर आये तो ट्रेन से नीचे उतरे तो वहां जनता आयी वहां उनका मालाओं और ढोल धमाकों से स्वागत किया और जुलूस के रूप में सर्किट हाउस ले गये फिर उसके बाद में बायतू में खेमा बाबा का मेला लगता है जहां मुख्य मंत्रीजी भी आयीं कितने लोग इकट्ठे होते हैं इूडी साहब को मालूम है। इतने सारे लोगों के बीच में फिर वहां और नागरिक अभिनंदन किया गया बाड़मेर विधायक महोदय का और अब वो बाड़मेर विधायक, शिव के विधायक और वो सांसद महोदय कुछ बोल ही नहीं रहे । अब वो रिफाइनरी ऐसे लेकर आये जैसे मैंने देखा कोई जेब में डालकर ले आये। जेब में लिये हुए घूम रहे हैं रिफाइनरी को अब इस रिफाइनरी का क्या करें वो अभी तक उनकी जेब में है तो जेब से बाहर तो निकालें धरती पर तो लगायें जेब में लिये हुए घूमते रहेंगे क्या? इसलिए मैं उनका भी ध्यान दिलाना चाहूंगा कि जेब में क्या लेकर आये वो आप और जो लेकर आये वो दिखायें तो सही धरती पर।

दूसरा अध्यक्ष महोदय, मैं एक बिजली के बारे में भी निवेदन करना चाहता हूं। बिजली के बारे में इस सरकार ने क्या कहा इस बजट भाषण में मुख्य मंत्रीजी ने कुछ नहीं कहा कितनी बिजली पैदा की कुछ भी नहीं और बिजली पैदा करने के बारे में इन्होंने कुछ नहीं कहा। कितनी बिजली पैदा की और कितने घंटे किसानों को बिजली देंगे आप। आगे रबी का सीजन आएगा उसमें सरकार कितने घंटे किसानों को बिजली देगी, कितने किसानों को कनेक्शन देंगे, एग्रीकल्चर कनेक्शन कुओं पर कनेक्शन कुछ नहीं कहा। इसका मतलब आप जो पहले दे रहे थे 6 घंटे वो ही होगा या उससे भी कम हो सकता है मुझे नहीं मालूम कितना देंगे वो तो आप जानें लेकिन हमने कहा कुछ नहीं अगर आप कुछ कहते तो लोगों को पता लगता कि किसानों को आने वाले सीजन में इतने घंटे बिजली मिलेगी लेकिन यह भी नहीं कहा तो जब आपने बिजली के बारे में कुछ नहीं कहा और पिछले समय में जब हमारी सरकार थी तब बड़े जोर-शोर से जनता के बीच में ये कहा जाता था कि बिजली के बिलों में करंट आता है अब तो वो करंट बंद हो गया क्योंकि अब

(श्री हेमाराम चौधरी)

तो न बिल आता है न कोई बात है और बिल आता है तो बिलों में कुछ नहीं आता है और बहुत कम बिल आते हैं।

अध्यक्ष महोदय, ये बिजली के बिल हैं मैं टेबल कर सकता हूं इसमें इन्होंने मिनिमम चार्जेज लगाये ये उधर तो कहते हैं कि हम मिनिमम चार्जेज नहीं लेते हैं। अब ये मिनिमम चार्जेज नहीं लेते हैं तो ये फिर बिल किस बात के दिये क्यों दिये? ये लोगों से पैसे फिर किस बात के लिये? तो इसलिए यह लिखा है टेरिफ 2001 के अनुसार तदर्थ राशि इन्होंने लिखा है न्यूनतम राशि का 908 रुपये और मिनिमम चार्जेज ये वसूल किया है ये बिल थमाये हैं । इन बिलों में मिनिमम चार्जेज दिया है इन्होंने और दूसरी तरफ किसान बिजली जला भी नहीं रहे क्योंकि किसान को बिजली मिल ही नहीं रही है जलाए तो क्या मिले तो जलायेंगे न। मीटर में रीडिंग नहीं है फिर भी मिनिमम चार्जेज मान करके हमारे वहां चार महीने सीजन के हैं उसके सिवाय बिजली कोई उपयोग नहीं करता, होती नहीं है। चार महीने जो बिजली के बिल आते हैं उसको ही एवरेज मान लिया और उसको एवरेज मान करके ये वसूली के नोटिस थमा दिये बिलों के तो एक तरफ तो आप कह रहे हैं कि पैसा नहीं ले रहे हैं दूसरी तरफ आप इस प्रकार के बिल दे रहे हैं तो इसलिए आप देखें हकीकत में मेरे कहने का मतलब वास्तव में क्या है। आपने कितने मेगावाट बिजली पैदा की कुछ नहीं-नहीं। ऊर्जा के बारे में आपने कुछ नहीं कहा। कितने मेगावाट बिजली पैदा की सिर्फ आपने कहा है कुछ बिजली पैदा की है वो मामूली सी की है ऊर्जा के 516 मेगावाट, पहले एक सौ कुछ थी उसको बढ़ाकर 510 कंवेंशनल पावर किया है । उसके अलावा तो आपने कोई पैदा नहीं की। आपने तीन साल में कितने मेगावाट बिजली पैदा की सिर्फ 416 मेगावाट बिजली पैदा की जो अभी यह गिरल वाला उद्घाटन किया ढाई सौ ये हो गयी और कोई पहले की थी जैसा ये कह रहे हैं लेकिन अब ये आप इस साल कितनी बिजली पैदा कर देंगे? आपने 900 मेगावाट बिजली 2008 तक पैदा करने का कहा है आपने इस भाषण में कहा है कि 2008 तक 918 मेगावाट बिजली पैदा करेंगे। अब 918 और साढ़े सतरह सौ मेगावाट बिजली पैदा की, आप पांच साल में 918 करेंगे आपने कौन सा तीर मार लिया? हमारे को लोगों ने सत्ता से क्यों बाहर किया इसलिए किया कि हम आठ घंटे बिजली देते थे आपको यह सोच कर सत्ता सौंपी कि आठ की जगह आप 9 घंटे या दस घंटे देंगे या यह सोच कर कि आप आठ की जगह 6 घंटे करोगे? इसलिए बैठाया

(श्री हेमाराम चौधरी)

है क्या आप सोच लो। आपको किसलिए बैठाया आपको इसलिए बैठाया कि उससे ज्यादा देवें उसकी जगह आप उससे कम दे रहे हो और बिजली आप पैदा कर नहीं रहे हो। कनेक्शंस के बारे में कुछ कह नहीं रहे हो तो मेरे कहने का मतलब बिजली के बारे में आप कुछ कर नहीं रहे हो तो इसलिए आपको यह देखना चाहिए कि अगर किसानों को बिजली के बारे में हम सुनवाई नहीं करेंगे तो क्या होगा?

अब मैं आपदा प्रबंधन के बारे में थोड़ा सा कहूंगा। आपने आपदा प्रबंधन के बारे में 2006-07 के बारे में तो कहा है लेकिन 2007-08 के बारे में कुछ नहीं कहा। 2007-08 के बारे में आपदा प्रबंधन के बारे में आप क्या करेंगे? वित्तीय वर्ष 2006-07 में आपदा प्रबंधन हेतु राज्य सरकार द्वारा लगभग साढ़े सात सौ करोड़ और व्यय किये जाएंगे। 2006-07 में तो काम हो गया अध्यक्ष महोदय, व्यय हो गया करेंगे क्या? ये तो साढ़े सात सौ करोड़ में हुआ या साढ़े सात सौ करोड़ से कम हुआ तो क्या? ये आंकड़े गलत दिये तो गलत हैं और सही दिये तो सही इससे ज्यादा अब कौन से होंगे? 2007-08 में क्या करेंगे 2007-08 में आपदा प्रबंधन पर आप एक पैसा भी खर्च करेंगे? कुछ भी नहीं करेंगे। कुछ भी नहीं कहा बजट में। एक पैसे का आपने बजट में प्रोविजन नहीं किया। बजट में कुछ भी नहीं बताया कि आपदा प्रबंधन के बारे में इस सरकार की क्या व्यवस्था होगी क्या प्रबंध होगा? इस साल राजस्थान में कितने गांवों में भयंकर अकाल है वहां पर आप कैसे प्रबंध करोगे? आपने बहुत जोर-शोर से कहा बाड़मेर में बाढ़ आ गयी। हमने बहुत अच्छा प्रबंध किया बाड़मेर में। आपने बहुत अच्छा प्रबंध किया। आपने रेलों के टैंकरों से कवास का पानी मणियों पर धोरों पर, लाकर खाली किया। हो गया खाली कस्बा? आज दिन तक पानी निकला है उसमें से? अभी भी बंद है रास्ता और आपने कहा बजट भाषण में कि हमने 109 परिवारों को पचास हजार रुपये प्रत्येक मृतक परिवार को दिये। आप मालूम कर लीजिये अध्यक्ष महोदय, मैं दावे के साथ कहता हूं कि अगर इसमें असत्य बात निकली मेरी तो जो आप कहेंगे मैं सज़ा भुगतने के लिए तैयार हूं नहीं तो ये सरकार इस बात पर सोचे कि दूसरे स्टेटों में दूसरे राज्यों में, जहां भी बाढ़ आयी है, गुजरात में पहले तूफान आया था, समुद्री तूफान उस समय हमारे बाड़मेर जिले के बहुत सारे लोग मारे गये थे। वहां तूफान में मजदूरी करते हैं, आज से कोई 8-9 साल पहले की बात है उस समय उन लोगों को लाख-लाख रुपये दिये थे और इतने वर्षों बाद अब

(श्री हेमाराम चौधरी)

उसकी क्या वैल्यु हो गई । 50 हजार रुपये दिये हैं । यह 50 हजार रुपये तो भारत सरकार से मिलते हैं, 50 हजार आप मिलाते । अभी गुजरात में भी आई है, दूसरे स्टेटों में भी तो बाढ़ आई है । आप मालूम कर लें मैंने मंत्रीजी को बताया जब वह बाडमेर में आये। दूसरे स्टेट में मैंने खबर सुनी है एक लाख रुपये से कम कहीं नहीं दिया है तो फिर आप भी एक लाख रुपये दे देते। आपने 50 हजार रुपये दिये हैं और फिर हम से प्रशंसा कराना चाहते हैं, वाह वाही लेना चाहते हो । एक लाख की जगह 50 दो और प्रशंसा भी कराना चाहो। प्रशंसा करने के लिये तो आपके उधर ही बहुत बैठे हैं । लेकिन ध्यान रखना प्रशंसा एक मीठा जहर है । यह प्रशंसा ही ले डूबेगी और कोई नहीं ले डूबेगा । हमको भी ले डूबी और आपको भी ले डूबेगी । प्रशंसा ही ले डूबेगी । यह हल्ला बिग्रेड हमारे भी थी आपके भी है । हल्ला बिग्रेड में से हमारे कितनेजीत कर आये उतने ही आप के जीत कर आयेंगे । हल्ला करने से या प्रशंसा करने से काम चलने वाला नहीं है । प्रशंसा तो डैडी, एक रुपया दे दो वह भी बहुत करता है । प्रशंसा से ही तो आदमी मर जायेगा । अभी इस प्रशंसा के नशे में ज्यादा मत रहो । अध्यक्ष महोदय, मुझे याद है इस विधान सभा में पहले आपकी सरकार बनी, सरकार बनते ही पहला सत्र हुआ । पहले ही सत्र में यहां मेरे बहुत से सत्ता पक्ष के साथियों ने मुख्य मंत्रीजी के बहुत गुणगान किये ।

**श्री अध्यक्ष:** नहीं, मैं आपको मना नहीं कर रही, मैं बीच में एक बात कह रही हूं जो कोई माननीय सदस्य बोलते हैं खास तौर से प्रतिपक्ष के तो यह सरकार की ड्यूटी है कि सरकार उस बारे में नोट करें और मुख्य मंत्रीजी को वाकिफ करायें उन सब बातों से । अब आप कोई तो वहां गोस्सिपिंग कर रहे हैं कोई वहां गोसेपिंग कर रहे हैं, क्या कर रहे है What are you doing? बैठे हो चुपचाप और कहते हो, बैठे हो, हंसते हो और कुछ नहीं । एक वहां गोस्सिपिंग हो रही है, एक यहां गोस्सिपिंग हो रही है । प्लीज-प्लीज बी सीरियस । देखिए उन्होंने एक ऐसा मुद्दा उठाया है रिफाइनरी का आपको नोट करना चाहिये। वह क्या करेंगे करने वाले तो आप हो । आपको नोट कर के मुख्य मंत्रीजी को बताना चाहिये कि यह बात उठी है और इस बारे में आप जवाब दें । यह क्या बात हुई आप तो गोस्सिपिंग में लगे हुए हैं ।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, निश्चित तौर पर बतायेंगे, अध्यक्ष महोदय, आसन की जो व्यवस्था है उसकी पालना करेंगे । एक-एक चीज को नोट कर रहे हैं ।

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): अध्यक्ष महोदय, आज आपने डांटा है इनको, आज पहली दफा आसन ने डांटा है । आज डांट पड़ी है आपको, आप माफी मांगे यहां पर ।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): गुढामलानी से आने वाले माननीय सदस्य को इंगित करके अपना स्पष्टीकरण देना चाहेंगे। उनका नाम लेकर उन्होंने आरोप जड़ दिया ।

**श्री अध्यक्ष:** आप मंत्री मण्डल के सदस्य नोट करेंगे कि यहां के माननीय सदस्य नोट करेंगे पहले तो आप मुझे यह बताइए?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): हम नोट करेंगे, अध्यक्ष महोदय, हम नोट कर रहे हैं ।

**श्री अध्यक्ष:** आप थोडा सीरियस हो । मैं चाहती हूं कि सदन भी सीरियस चले । कुछ ऐसे मुद्दे हैं कि जिनके ऊपर सरकार को जवाब देना चाहिये और यहां भी संख्या बहुत क्षीण है । आप जाकर बढा देते हो इनकी संख्या । इधर से भी ऐसा लगता है कि जैसे किसी को कोई दिलचस्पी ही नहीं है, बजट पर भाषण देने में किसी को कोई दिलचस्पी ही नहीं है ऐसा महसूस हो रहा है ।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष के पास तो कोई मुद्दा नहीं है और हमारे माननीय सदस्य सजगता से बैठे हैं । आपने आज्ञा दी इसके पहले ही एक-एक चीज जो नोट करने लायक है वह नोट कर रहे हैं, इर्रिलीवेंट बोले तो क्या लिखे, क्या नोट करें और बाकी बाडमेर से आने वाले माननीय सदस्य...

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): आसन ने सरकार की गैर-जिम्मेदारी पर लताड़ लगाई है।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): बाडमेर के विधायक महोदय को लाये हैं पार्लियामेंट्री अफेयर मिनिस्टर साहब, उनकी जेब में जो रिफाइनरी है वह निकाल कर देंगे। (व्यवधान) रिफाइनरी के लिये बुलाकर लाये हैं जेब में से वह निकाल कर देंगे ।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात समाप्त कर दूं उसके बाद वह कुछ कहना चाहें तो कहें।

**श्री अध्यक्ष:** जब माननीय सदस्य अपना भाषण खतम कर दें उसके बाद आपको जो कुछ कहना है वह कहिए ।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): अध्यक्ष महोदय, मैं आपदा प्रबन्धन के बारे में निवेदन कर रहा था कि वर्ष 2007-08 में आपदा प्रबन्धन के बारे में कुछ नहीं कहा । आपको जानकारी होगी अभी फरवरी में और फिर कल और परसों दो दिन राजस्थान में यहां बारिश हुई । इससे रबी की फसलें चौपट हो गई । खासकर पश्चिमी राजस्थान में जीरा और ईसबगोल की फसल पूरी तरह से चौपट हो गई । पिछली बारजीरा चौपट हो गया और अब कल और परसों हुई बारिश से ईसबगोल भी चौपट हो गया। ईसबगोल दोनों चौपट हो गये और गेहूं और रायड़ा थोड़ा बहुत नुकसान तो उसमें भी है लेकिन उस नुकसान को तो हम सहन कर लेते हैं, उसका तो किसान सरकार से कहता ही नहीं । कभी हुआ तो ठीक है, होता रहता है खेती में लेकिन जो ईसबगोल और जीरा की पूरी तरह से नष्ट हो गई जिसमें कुछ भी नहीं रहा काश्तकार ने जितना कुछ लगाया वह सब बर्बाद हो गया तो उसके बारे में सरकार को कुछ सोचना चाहिये, सरकार को कुछ मदद करनी चाहिये । करनी हो तो करें न करें तो आपकी मर्जी हम तो आपके ध्यान में ला देते हैं । आपदा प्रबन्धन के बारे में मैंने आपसे यह निवेदन किया इस पर आप ध्यान दें।

दूसरा अध्यक्ष महोदय, पीने के पानी के बारे में, इन्होंने बाडमेर जिले का नाम तो इस बार बजट में ले लिया । ठीक है इस बार लिया कोई बात नहीं चौथा बजट है, तीन साल के बजटों में तो बाडमेर का नाम नहीं आया लेकिन चौथे वर्ष में बाडमेर का नाम इसमें डाल दिया। अब नाम तो डाल दिया लेकिन दिया क्या ऊंट के मुंह में जीरा। 652 करोड़ की योजना और बजट में प्रावधान 84 करोड़ । अब 84 करोड़ से क्या होगा।

**(समय : 4. 56 बजे)**

**(श्री रामनारायण विश्नोई, उपाध्यक्ष, पदासीन)**

84 करोड़ के तो जो कर्मचारी/अधिकारी वगैरह लगेंगे उनका जो सर्वे वगैरह करेंगे उसमें ही लग जायेगा । पानी का कहीं पता ही नहीं है । 84 करोड़ रुपये ....

**श्री शंकर सिंह राजपुरोहित** (आहोर): आपने आज तक बाड़मेर के लिये क्या किया? हमारे तो तीन साल से बाड़मेर के लिये योजनाएं चल रही हैं । उपाध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से यह आरोप लगा रहे हैं ...

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): इस योजना की स्वीकृति हमारे समय में हुई थी ।

**श्री शंकर सिंह राजपुरोहित** (आहोर): उपाध्यक्ष महोदय, तीन साल से बाड़मेर के लिये योजनाएं चल रही हैं और इस बार स्पेशल पैकेज बाडमेर के लिये दिया है और तगारामजी के निवेदन पर मुख्य मंत्री महोदया ने दिया है।

**श्री उपाध्यक्षः** माननीय सदस्य, बीच में टोका टाकी नहीं ।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, यह योजना हमारे समय में स्वीकृत हुई थी ।

## सदन की कार्यवाही

### विधान सभा की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि

**श्री उपाध्यक्षः** सदन का समय चर्चा समाप्त होने तक बढ़ाया जाता है। (व्यवधान) सब की सहमति से है । प्रस्ताव दे दिया आपने ।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन का समय एक घंटे के लिये बढ़ाया जाये । (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): हेमारामजी की चर्चा समाप्त होने तक बढ़ाया है पहले ।

**श्री उपाध्यक्षः** नहीं, सदन का समय सब माननीय सदस्यों के बोलने तक बढ़ाया जाता है।

## आय-व्ययक अनुमान वर्ष, 2007-08 पर सामान्य वाद-विवाद

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, पेयजल के बारे में यह योजना मोहनगढ बाडमेर वाटर सप्लाई लिफ्ट केनाल जो योजना है यह हमारे समय स्वीकृत हुई थी । तीन साल तक इन्होंने उस योजना को ठंडे बस्तें में डाल दिया । अब इस बजट में खाक झडकाई है, उसकी फाइल के हाथ लगाया है । 84 करोड़ से मुझे नहीं मालूम सत्ता पक्ष के सदस्य संतुष्ट हैं और इससे पीने के पानी की व्यवस्था हो जायेगी तो ठीक है । (व्यवधान) हमने क्या नहीं दिया, क्या दिया उसका जवाब आप दे देना लेकिन यह पर्याप्त नहीं है । (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्षः** माननीय सदस्य आप टोके नहीं ।

**श्री शंकर सिंह राजपुरोहित** (आहोर): रिफाइनरी के मामले में जितना दुष्कर्म केन्द्र में जो सरकार है उन्होंने जो किया है उसको सारा राजस्थान कभी नहीं भुला सकता ।

**श्री उपाध्यक्षः** यह कह रहे हैं हमने कुछ नहीं किया तो आप भी ऐसा मत कीजिए ।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, पीने के पानी के मामले में इसका तो नाम लिया और नर्मदा नहर से गुढामालानी तहसील के सभी गांवों को पीने के पानी के लिये जो योजना बनी है उसका इसमें जिक्र ही नहीं है । नर्मदा नहर को तो यह भूल ही गये । नर्मदा नहर एक प्रोजेक्ट है भी या नहीं, बजट में मैंने नर्मदा नहर का नाम पढ़ा नहीं इसलिए मैं कहना चाहता हूं क्योंकि नर्मदा से मेरे क्षेत्र में सिंचाई होगी । मेरे क्षेत्र गुढामालानी तहसील के सभी गांवों को पीने का पानी मिलेगा इसलिए नर्मदा नहर को छोड़ दिया । जो इतने महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है रिफाइनरी है, नर्मदा है, लिफ्ट ड्रिंकिंग स्कीम है इस पर सरकार का ध्यान बिलकुल नहीं हो तो मैं इसकी तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि सरकार ध्यान दें। कोरा लोक लुभावना पिटारा, अभी माननीय सर्राफ साहब कह रहे थे, पिटारा खोल दिया । वही पिटारा कह रहे थे तो फिर हमको क्या कहना । अभी आप कह रहे थे पिटारा, मैंने कहा ठीक है वर्ल्ड तो यह सही यूज कर रहे हैं 'पिटारा' । तो इस पिटारे से क्या होगा जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा । आज जिला बनाने की बात आई प्रतापगढ़ को जिला बना दिया । बालोतरा जिला बनने लायक नहीं है क्या?

बालोतरा इण्डस्ट्रियल एरिया है। राजस्थान में सबसे ज्यादा इण्डस्ट्री बालोतरा में है। सबसे ज्यादा रेवेन्यू बालोतरा में है। बालोतरा बहुत प्रसिद्ध स्थान है। (व्यवधान)

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): इसके लिए कमेटी बनी हुई है और कमेटी तय करेगी। (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): मुख्य मंत्रीजी ने कहा कि मैं नहीं बना सकती।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): यह कब कहा? (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): विधान सभा की अधिसूचना, परिसीमन की अधिसूचना जारी नहीं हो सकती इसलिए मैं नहीं कर सकती लेकिन फिर भी करती हूं (व्यवधान)

**श्री शंकर सिंह राजपुरोहित** (आहोर): कम से कम उसके बारे में विचार किया जाएगा, ऐसा कहा है। (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): मैं नहीं कर सकती फिर भी प्रतापगढ़ और बालोतरा को...(व्यवधान)

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): आज तक जितने भी नये जिले बनाये है बी.जे.पी. के राज में बने हैं, आपने नहीं बनाये। (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): जनता को जिस तरह का भुलावा देकर (व्यवधान) जो जिला बनना चाहिये वहां की जनता को इस तरह का भुलावा देकर उनको ज्यादा दिन तक गुमराह नहीं कर सकते, उनको अंधेरे में नहीं रख सकते।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): हेमारामजी इनको एक बात... (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): वह लोग सड़कों पर आएंगे, आंदोलन करेंगे, सरकार को घेरेंगे और सरकार को मजबूर होकर अगले बजट में बालोतरा को जिला बनाने की घोषणा करनी पड़ेगी। यह हम करके दिखाएंगे।

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): ऐसा है, जितने भी जिले आज तक बने हैं, वह बीजेपी के राज में बने हैं। कांग्रेस ने एक भी नया जिला नहीं बनाया। (व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): आपने नहीं बनाया। (व्यवधान)

**श्री कालीचरण सर्राफ** (जौहरी बाजार): (धौलपुर हमने बनाया। (व्यवधान)

**श्री प्रद्युम्न सिंह** (राजाखेड़ा): बना दिया आपने?

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): कांग्रेस ने तो देश बनाया है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने घोषणा तो बहुत की लेकिन इस घोषणा का हश्र क्या होता है अगर आप इजाजत दें तो एक-दो मिसाल मैं दूं कि इस तरह से इनकी घोषणा का यह हाल हो रहा है तो सिर्फ घोषणा घोषणा ही रह जाएगी। घोषणा का किसी को लाभ मिले इस बात की शंका मैं नहीं मुख्य मंत्रीजी ने पहले ही अपने बजट में कह दी, आप शंका नहीं करें। आपको क्या पता हम शंका करेंगे। उनको पता है कि मैं इस प्रकार का बजट पेश करूंगी इस पर शंका होनी ही है। बजट में उनको स्वयं को यह लग गया कि यह बजट ऐसा है इस पर शंका तो करेंगे ही। शंका वाला बजट है। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): एक कृषक साथी योजना है, कृषि मण्डियों के द्वारा, किसान की यदि मृत्यु हो जाती है, खेती का काम करते समय तो उसको पचास हजार रुपये देने का कृषक साथी योजना में प्रावधान है। पहले था नहीं, पहले नहीं था...(व्यवधान)

**श्री बद्रीलाल जाट** (कपासन): पहले तीस हजार...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): पहले तीस हजार था, हमारे समय तीस हजार था अब कहां से शुरू हुआ है इतना बैकग्राउण्ड मेरे पास नहीं है। तीस था, तीस को बढ़ाकर आपने पचास किया लेकिन पचास उसको मिले तो सही। पहली बात तो यह इतनी शर्तें, आपत्तियां लगाकर किसी को देते नहीं, खारिज करते हैं, क्लेम खारिज कर देते हैं यह किसी का क्लेम पास करते ही नहीं, अगर भूल से ध्यान चूक जाए, क्लेम पास भी हो जाए तो भी उससे यह वापिस पैसे मांगते हैं। भुगतान हो गया, अब कहते हैं आप पैसे वापिस जमा करा दीजिए क्योंकि हमने गलती से भुगतान कर दिया, यह कृषक साथी योजना से कवर नहीं होता। कारण, मृत्यु कैसे हुई, कब और क्यों नहीं होता, मैं आपको बताना चाहता हूं। मैं आपको बताना चाहता हूं यह प्रकरण है श्रीमती धन्नी देवी पत्नी स्वर्गीय जयराम, जाति जाट, ग्राम पंचायत महलू, तहसील गुढामालानी, मेरे विधान सभा क्षेत्र का है। हो सकता है यह मेरे विधान सभा क्षेत्र का है इसलिए किया हो, मैं नहीं कह सकता।

दूसरा, श्रीमती कमला देवी पत्नी स्वर्गीय राहूराज, जाति जाट, ग्राम पंचायत महलू, तहसील गुढामालानी, यह दो महलू के मामले हैं। यह काश्तकार बिजली के लिए,कुएं पर कनेक्शन के लिए लाइन खींच रहे थे। (व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, एक मिनट आपकी जानकारी में दे दूं। माननीय सदस्य ने नर्मदा परियोजना का बजट में उल्लेख नहीं है यह कहा। इस योजना का जितना पैसा गुजरात को देना था, जितना काम हमको कराना था सारा पैसा हम लगा चुके हैं इसलिए बजट में आने की आवश्यकता नहीं है। वहां पर काम चल रहा है। हमने पर्याप्त पैसा दिया है।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप दो बार यह घोषणा कर चुके गत बजट में, 2004 में और 2005 में (व्यवधान) आपने यह घोषणा कर दी कि इस तारीख तक पानी पहुंच जाएगा, पानी पहुंच गया क्या ?

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): आप बिराजो ना, पानी पहुंचना, ना पहुंचना यह घोषणा करते हैं, उस समय में प्रकृति भी अपना योगदान करती

है, आपको पता नहीं है कि इस बार कितने तूफान और बाढ़ आई है... (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप प्रकृति की कल्पना करके राजस्थान की जो स्थिति है उस हिसाब से घोषणा करो न। (व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): माननीय सदस्य केवल अपनी बात रखने के लिए रख रहे हैं तो मेरे पास कोई इलाज नहीं है। साढ़े छह करोड रुपये एकमुश्त माननीय मुख्य मंत्रीजी ने राज आने के बाद में दिये। आपने कितना पैसा कब-कब दिया एक-एक रुपये का हिसाब बता दूंगा मैं। गुजरात में, नर्मदा के ऊपर काम चल रहा है, अप्रैल में पानी आने की सम्भावना है। अब 5 -10 दिन ऊपर, गुजरात सरकार के पीछे हमने अधिकारियों को भी लगा रखा है कि जहां पर साइफन लगना है वहां नहीं लग सके तो पाइप लाइन के माध्यम से जोडकर हमको पहले पानी उपलब्ध कराया जाए, उस क्षेत्र की आवश्यकता है, इस बात को तो आपको मानना चाहिये।

दूसरा, बाड़मेर लिफ्ट योजना के बारे में आप कह रहे हैं। आपके राज में एक भी योजना राजस्थान में पेयजल हेतु की गयी हो तो बता दीजिए। यह तो मुख्य मंत्रीजी का एहसान मानिये कि साढ़े छह करोड़ रुपये की व्यवस्था इन तीन साल में करके इन योजनाओं को चालू करवाया। एक भी ड्रिंकिंग वाटर योजना के लिए अगर फडिंग की व्यवस्था की हो पांच साल में तो बता दीजिए। हैण्डपम्प लगाने के लिए लोग तरसते थे। (व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): एहसान किस बात का, यह तो कर्तव्य है भई। सरकार का, मुख्य मंत्री का कर्तव्य है।

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): हमारा तो कर्तव्य है...(व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): कोई एहसान थोड़े ही है। राजस्थान के लिए जो कुछ कर रहे हो कोई एहसान थोड़े कर रहे हो । (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप जेब से पैसा खर्च कर रहे हो क्या जो एहसान बता रहे हो? आपको राजीव गांधी मिशन का धन्यवाद देना चाहिये (व्यवधान) आप भी नहीं बना सकते थे अगर राजीव गांधी मिशन का...(व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): पांच साल में (व्यवधान) गेंहू बांटने के अलावा कुछ किया हो तो बता दीजिए।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): राजस्थान पत्रिका के कार्यक्रम में गुजरात के मुख्य मंत्री ने राजस्थान की मुख्य मंत्री की उपस्थिति में कहा था कि 30 जून तक पानी पहुंचा दूंगा, आज नौ महीने तो लेट हो गए, आप यह एडमिट क्यों नहीं करते?

**श्री उपाध्यक्ष:** समय लग जाता है।

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): मैं आपको बता रहा हूं कि अभी भी जब नर्मदा का कार्यक्रम था गुजरात में, मुख्य मंत्रीजी नहीं जा पाईं, मुझे भेजा था वहां। गुजरात के मुख्य मंत्री ने एक लाख लोगों के बीच में कहा कि जो देरी हो गई उससे ढाई गुणा गति से राजस्थान को पानी उपलब्ध करवाइये, राजस्थान को आवश्यकता है पानी की। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बीच में नहीं।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, मंत्रीजी धन्यवाद चाहते हैं। मंत्रीजी ने मेरी बात पर कम से कम अच्छा-बुरा कोग्निजेंस तो लिया, इनको धन्यवाद। इन्होंने महसूस तो किया। यह बात जो कह रहा हूं इसको इन्होंने महसूस तो किया, ठीक किया। (व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): बिलकुल मैं महसूस कर रहा हूं, आपकी पीड़ा है,उस क्षेत्र की आवश्यकता है पर आपको अफसोस है कि आपकी सरकार ने कुछ नहीं किया।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): हमारी सरकार ने कुछ नहीं किया, हमारी सरकार को फांसी पर लटकाती जनता...(व्यवधान) इधर बिठा दिया, जनता से क्या चाहते हैं।

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): साढ़े छह करोड रुपये दिये हमने।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): हमारी सरकार ने नहीं किया, तो जनता आपको भी फांसी पर तो लटका नहीं सकेगी, इधर ही बिठाएगी, इससे ज्यादा...(व्यवधान)

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): इधर बैठाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, काम करा देंगे हम। काम चालू है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं, पानी पहुंचा दोगे तो वह पता लग जाएगा वोट से पहले (व्यवधान) पानी पीकर जाएंगे ना आप इंदिरा गांधी नहर का मोहनगढ़ वाला...(व्यवधान) बाड़मेर के लोगों में (व्यवधान) पिला देना।

**श्री शंकर सिंह राजपुरोहित** (आहोर): अगर यह दस साल पहले पैसा भर दिया होता तो आज बाडमेर और जालौर की जनता को पानी मिल गया होता (व्यवधान) हेमारामजी, कांग्रेस की सरकार ने दस साल पहले पैसा भर दिया होता तो यह पानी मिल गया होता।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, तीन साल हो गए, तीन साल में इनके पास...(व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): काम समय पर ही होते हैं, आप भी बहुत दिन से कोशिश कर रहे होंगे इस सदन में आने की लेकिन अब आये हो, समय पर ही होंगे। (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, तीन साल से ऊपर, चौथा साल चल रहा है थोड़े दिनों में चार साल हो जाएंगे और करते करते पांच साल भी हो जाएंगे। (व्यवधान)

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): बी.जे.पी. का राज बनता है जब ही आपजीतते हो, कांग्रेस का राज बनता है तो हार जाते हो।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): आपने क्या किया ? एक ही बात खड़े होकर (व्यवधान) हम कोई भी बात रखते हैं, कोई समस्या रखते हैं, इनका कोई ध्यान आकर्षित करते हैं किसी समस्या की तरफ दिलाते हैं तो उस तरफ ध्यान न देकर, उसकी समस्या के समाधान का विचार न करके बस एक ही रटा रटाया, एक सीडी बना दीजिए बस आपने क्या किया, आपने क्या किया, इसके सिवाय कोई उत्तर नहीं है। इसकी सीडी बना दीजिए, बटन लगा दो तो बजने लग जाएगी आपने क्या किया, आपने क्या किया। हमने क्या किया और जनता ने क्या किया वह तो हम सब देख रहे हैं, अब आप जनता से क्या चाहते हो वह सोचो।

**श्री सांवर लाल** (सिंचाई मंत्री): माननीय सदस्य, हमने तो किया वह बताया पर थोड़ा बहुत प्रकाश आपने किया आपके राज ने नहीं किया उस पर डाल दिया उसकी तकलीफ अभी भी आ रही है क्या आपको । हमने जो किया वह तो बताया ना, साढ़े छह करोड रुपये दिये, काम पूरा कर दिया, आपके पानी आने वाला है और क्या चाहते हो? (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): हमने सब अच्छा कर दिया होता तो आपको राज कौन सौंपता? हमने कोई गलती (व्यवधान) थोड़ी बहुत कुछ न कुछ गलती रह गई होगी, रही है। गलती किससे नहीं होती, जो कभी गलती

(श्री हेमाराम चौधरी)

नहीं करता वह तो देवता है, देवता कभी गलती नहीं करता। इंसान तो फिर भी करता है लेकिन इंसान गलती करके मानता नहीं है...

**श्री उपाध्यक्ष :** आपको यही कह रहे हैं....(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): गलती मान लेता है वह इंसान है जो गलती करके गलती स्वीकार नहीं करता वह इंसान नहीं हैवान है।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य तो यही कह रहे हैं कि आप और जल्दी कीजिये इसमें।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं, नहीं, उपाध्यक्ष महोदय, यह कह रहे थे पानी नर्मदा का और इन्दिरा गांधी नहर का मीठा पीने का पानी, लोगों को पानी पिला दें पीने का तो फिर हम कहेंगे साहब हमारी सुनो, तो हमारी सुनेंगे कि इनकी सुनेंगे। मीठा पानी पिलायेंगे उसकी सुनेंगे न, हमारी सुनेंगे? लोग तो फिर, इसलिये लोगों को सुनाने के लिये आपको करना हो तो करो, नहीं तो फिर आपकी सुनेंगे कि हमारी सुनेंगे? इसलिये मैं, उपाध्यक्ष महोदय, ठहरिये एक मिनट।

इनकी योजनाओं के बारे में किस प्रकार से क्रियान्विति, क्या नीचे लेवल पर होती है, यह यहां खुश बहुत होते हैं। इतनी योजनाएं। इनका पिटारा यह खोल दिया। इस पिटारे का क्या होगा? इस पिटारे को वापस देखना तो भी पड़ेगा। देखा नहीं तो यह पिटारा फिर पिटारे के अन्दर ही रह जाएगा। जो पिटारे में है वह अंदर ही रह जाएगा। इसको बाहर निकालना पड़ेगा। लोगों तक पहुंचाना पड़ेगा। लोगों को इसको महसूस कराना पड़ेगा। सर्राफ साहब ने कहा पिटारा, मुझे नहीं मालूम पिटारा क्या है। इसलिये उपाध्यक्ष महोदय, यह कृषक साथी योजना, यह कह रहे हैं हमने लागू नहीं की। लागू तो पहले से ही थी, पैसे इन्होंने बढ़ाये। परन्तु दो किसानों का, मैं बताता हूं, इनकी विधवा औरतें हैं, इनको 50-50 हजार रुपये दिये। अब इनको नोटिस दिये हैं कि आप वापस पैसे 50 हजार रुपये जमा कराइये, क्योंकि यह हमारी नीति के अन्तर्गत नहीं है। लिखा है, देखो। प्रकरण में कृषि कुओं पर कनेक्शन हेतु पोल से तार खींचते समय करण्ट लगने से मृत्यु होना अंकित किया गया है। जो योजना के बिन्दु संख्या-2 में वर्णित 1 से 14 तक परिस्थितियों में कवर नहीं माना गया है। अब कुएं पर बिजली के कनेक्शन के लिये तार खींच रहे थे वे और बिजली का करण्ट आ गया, पीछे से बिजली आ गयी, उसका क्या दोष? वह लाया था क्या बिजली का करण्ट? तार के अन्दर करण्ट कैसे आया? करण्ट तो पीछे से

बिजली आयी, तभी आया ना। उसकी क्या गलती? कुएं पर कनेक्शन जब लेगा बिजली का तो तार तो खींचने ही पड़ेंगे। बिना खींचे तार के तो कनेक्शन होगा नहीं। उसकी क्या गलती?

**श्री उपाध्यक्ष:** उसमें शायद बिजली विभाग देगा।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): बिजली विभाग वाले साथ थे। बिजली विभाग वालों के कहने से खींचा है। यूं थोड़े ही, यूं तो कनेक्शन कैसे होता? मन से थोड़े ही कनेक्शन कर रहा था। वह बिजली विभाग वाले ही कनेक्शन कर रहे थे। ये भी साथ थे। आज सारे पोल खुद को ले जाने पड़ते हैं। एग्रीकल्चर कनेक्शन, सबको मालूम है, सारा सामान किसान को ले जाना पड़ता है, सारा काम किसान को, जो मजदूर का है, लेबर का है, वह किसान को करना पड़ता है। बिजली वाले हाथ लगाते हैं? वह तो हुक्म चलाते हैं। क्या बिजली वाले करते हैं और क्या नहीं करते हैं, सबको मालूम है। अब उनसे आप 50 हजार रुपये क्यों वापस मांग रहे हो और आप कह दो यह कृषक साथी योजना, तो फिर किसान किससे मरेगा, उसको मानोगे। बिजली के तार खींचते टाइम उसके करण्ट आ गया और वह मर गया। और उसको 50 हजार रुपये दे दिये, 2 को, विधवाओं को, अब उन विधवाओं को विडोज को नोटिस गया है कि अब आप 50 हजार रुपये वापस जमा कराओ।

**श्री शिवजीराम मीणा** (जहाजपुर): बताओ आप। उपाध्यक्षजी, यह जो गाइड-लाइन, नियम बनाये गये हैं, इनके समय के बनाये गये हैं।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): तो फिर हमारे समय के ही नियम चलेंगे कि आप भी कुछ नियम बनाओगे, कुछ करोगे। उन्हीं नियमों से काम चलता रहेगा, ठीक वैसा ही, उसमें कुछ थोड़ा सा परिवर्तन करो, ठीक वैसा ही करेंगे, आगे-पीछे।

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): राजेन्द्रजी, इसे कहते हैं तुगलकी आदेश। घनश्यामजी, इसी को कहते हैं तुगलकी आदेश कि विधवाओं से कह रहे हैं कि 50 हजार रुपये वापस लाओ। इतनी संवेदनशील सरकार है तो फिर कहना मुश्किल है।

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): अगर आप विधवाओं की बात करते, अभी कह रहे थे विधवाओं को यह कर दिया। विधवाओं को नौकरी दे दी, विधवाओं को पेंशन दे रहे हैं।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): इसमें यह देख लें कि कई बार 2 जगह से जब पैसे मिलते हैं ना।

**श्री उपाध्यक्ष:** ऐसा सम्भव हो सकता है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): सम्भव, बता रहा हूं मैं। बिजली का जो एक्सीडेंट होता है, उनको बिजली कम्पनियों से भी पैसे मिलते हैं। तो जिनको बिजली कम्पनियों से पैसे मिल जाते हैं, उनको आप देख लीजिये, यह केस कोई राजनीतिक केस नहीं है, इसको देख लीजिये आप। अगर वहां से नहीं मिले तो बाद में बता देना। तो इसलिये यह कोई राजनीतिक केस नहीं है, विधवाओं के साथ है तो ऐसे केसों को तो वैसे ही आपको मंत्रीजी को ध्यान में लाना चाहिए।

**एक माननीय सदस्य :** नहीं, नहीं, वह बिजली कम्पनियों से मिलता है तो वह तो बिजली कम्पनी की लापरवाही है।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): दो का एक साथ नहीं मिलता है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): आप अभी तो कह रहे थे कि बिजली वाले करते हैं। इन्होंने किया, वह तो उन्होंने उनकी लापरवाही का दिया है।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): वाह-वाह दो जगह से, दोहरा नहीं मिलता है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): क्या, क्या बात है?

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): दोहरा नहीं मिलता है, एक जगह से ही मिलता है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): नहीं, नहीं, यह लिखा है। यह लिखा होना चाहिए कि आपको बिजली से, यह पढ़ लो आप। अगर इसमें कहीं हो, ना। इसमें लिखा है?

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): मैंने आपको यही तो कहा, हेमारामजी, मैंने आपको यही तो कहा है कि इसको आप जरा देख लीजिये। और फिर नहीं होता है तो मंत्रीजी से बात कर लीजिये। इसका समाधान हो जायेगा। इसमें राजनीतिक पाइण्ट नहीं है। बिजली कम्पनी से नहीं मिला हो तो।

**श्री उपाध्यक्ष:** मंत्रीजी को अगर आप पाइण्ट आउट करेंगे तो he will consider it.

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालनी) : नहीं, नहीं, राजनीतिक नहीं, वह ठीक है।

दूसरा, अध्यक्ष महोदय, माननीय राजस्व मंत्रीजी का एक ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। आपने इन्दिरा गांधी नहर के ऊपर विशेष और सामान्य आबंटियों की किश्तें बढ़ाई। सामान्य की 20 की 25 की और दूसरी 15 की। 8 थीं, 8 की 12 कीं। 12 की फिर 15 कीं आपने, इस तरह कीं।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): 10 से 15 कीं।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): चलो, 10 से 15 कीं। इसमें 12 लिखा है। 12 किश्तों को 15 किश्तों में वसूल किया जाए। यह लिखा है। लिखा तो 12 से 15 किया जाए, है।

**श्री उपाध्यक्ष:** 12 से 15 है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): 12 से 15, अब इसमें साफ लिखा है, दिनांक 01.01.1997 के बाद एवं 28.11.2004 से पूर्व के सामान्य आबंटन के आबंटियों से देय बकाया राशि, देय बकाया राशि मतलब, ड्यू इंस्टालमेंट्स, का पुनर्निधार्रण करते हुए 20 किश्तों के स्थान में 25 किश्तों में एवं विशेष आबंटन के आबंटियों से शेष बकाया राशि का पुनिर्निर्धारण, जो 12 किश्तों की जगह 15 किश्तों में वसूल की जाए। यह स्पष्ट आदेश है। इसमें नीचे और लिखा है। उक्त लाभ 01.01.1997 के बाद एवं दिनांक 28.11.2004 से पूर्व के समस्त द्वितीय चरण के आबंटियों के सम्बन्ध में लागू होगा। अत: तदनुसार कार्यवाही की जाए। यह आदेश माननीय मुख्य मंत्री महोदया की सहमति से जारी किये गये हैं। यह माननीय मुख्य मंत्री महोदया की सहमति से आदेश जारी हुआ है। यह हुआ है 27.06.2005 को, राजस्व उपनिवेशन विभाग। इसके बाद में दूसरा एक आदेश जारी हुआ है वह हुआ है 15.10.2005। इसमें मुख्य मंत्रीजी का कहीं हवाला नहीं है। मुख्य मंत्रीजी की सहमति का नहीं बताया है। यह मुख्य मंत्रीजी की सहमति के विपरीत और यह जो पूर्व में आदेश हुआ 27.06.2005 को, इसके बिलकुल विपरीत एक दूसरा आदेश जारी कर दिया। उस आदेश को ही इन्होंने बदल दिया, उलट दिया। और वह आदेश क्या जारी किया। वह आदेश जारी किया, उसमें लिखा है। 25 एवं 15 वर्षों में से आबंटी आबंटन के पश्चात, दिनांक 31.03.2005 तक के वर्षों की संख्या को कम करने के पश्चात शेष रहे वर्षों की संख्या में बराबर बांटा जाकर किश्तों का पुनर्निर्धारण किया जाए। यह इन्होंने क्या किया, जैसे 01.01.1997 को अलाट हुआ और उसको कितने वर्ष हो गये, यह इन्होंने आदेश निकाला 2005,

(श्री हेमाराम चौधरी)

2005 से पूर्व के जो वर्ष हैं, उनको नहीं गिनेंगे, यह कह रहे हैं। बाद वाले गिनेंगे। तो जैसे 31.03.2005 को यह इन्होंने लिख रखा है कि पैसे जमा करा दो, लास्ट डेट दी, पैसे जमा कराने की, after rescheduling of instalments, तो 01.03.1997 को अलाट हुआ। तो यह 8 वर्ष हो गये। तो यह 8 वर्ष यह कह रहे हैं, हम बाद में दे देंगे। अब बाकी के वर्षों में उनका रि-शिड्यूलिंग करेंगे। तो फिर 7 वर्ष ही हुए। 8 इंस्टालमैंट्स कहां हुए, यह तो 7 इंस्टालमैंट्स ही हुए। 8 वर्ष आप माइनस कर देंगे तो 15 इंस्टालमैंट्स कहां हुए। इंस्टालमैंट्स तो 7 ही हुए। 7 इंस्टालमैंट्स के हिसाब से उसका रिशिड्यूलिंग कर रहे हैं। हमारे कहने का यह है कि जिस दिन अलाटमैंट हुआ है उसी दिन से लेकर आज दिन तक जो किश्तें हैं, उसका 15 वर्ष में रिशिड्यूलिंग करिये आप। जो भी बकाया पैसा है उसका 15 सालों में रिशिड्डुलिंग करिये। जो पहले वाला आदेश है, यह बिलकुल स्पष्ट है। आप विधि मंत्रीजी बैठे हैं, विधि मंत्रीजी के सामने मैं रख दूं, आप लॉ सेक्रेटरी से राय ले लीजिये कि यह पहला आदेश कहता है, यह दूसरा है, इसके विपरीत है कि नहीं। इसकी मंशा क्या है और उसकी मंशा बिलकुल उलटी। तो फिर यह आदेश अधिकारियों ने निकाला है, यह मुख्य मंत्रीजी के ध्यान में नहीं लाये। पहले वाले में लिखा है, मुख्य मंत्रीजी की सहमति से यह आदेश जारी किये जाते हैं। तो दूसरे में भी लिख देते कि यह आदेश मुख्य मंत्रीजी की सहमति से जारी किया गया है। दूसरा आदेश निकाला, वह मुख्य मंत्रीजी की जानकारी में नहीं लाया गया है। नालेज में नहीं है। अंधेरे में रखते हैं अधिकारी। अंधेरे में रखते हैं। बड़े-बड़े खुशामद करते हैं। हुक्म सर, यस सर, दूसरा कोई शब्द नहीं होता है उनके पास। यह हुक्म सर, हुक्म सर, हां, ना। यह सबसे खतरनाक है। यस सर, हुक्म सर, यस सर। उसमें काम चलने वाला नहीं है। उससे पता करो कि आपने ऐसा आदेश क्यों जारी किया। किसने कहा, यह फाइल मुख्य मंत्रीजी के पास गयी है कि जो दुबारा इन्होंने व्याख्या की है। राजस्व मंत्रीजी, आप बैठे हैं। आपसे भी प्रतिनिधि मिले हैं। मुख्य मंत्रीजी वहां जैसलमेर गयीं। मुख्य मंत्रीजी से भी किसान मिले हैं। इसलिये आप गौर करें। किसानों की वाजिब बात है, वाजिब मांग है। तो उस पर आपको गौर करना चाहिए, सुनना चाहिए। आप सत्ता में बैठे हैं। आपके हाथ में है। आप फैसला कर सकते हो। आपके हाथ में है फैसला। आप करोगे तो होगा, नहीं करोगे तो नहीं होगा।

अब आप सिर्फ एक ही दुआ देते रहोगे। मैंने सोचा अब तीन साल हो गये, अब तो कुछ भाषा बदलेगी। एक तो भाषा आपकी बदली थोड़ी सी। वह

तो मैंने देखी। पहली बार जब सत्र हुआ, चुनावजीतकर आये, आपकी सरकार बनी, यहां सत्ता पक्ष के माननीय सदस्य जोर-जोर से बोलते थे, बहुत जोर से हमको बोलने ही नहीं देते थे। वसुन्धरा आयीं वर्षा लायीं। बोलते थे न? माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वसुन्धराजी आयीं, वर्षा आयी। वसुन्धरा आयीं, वर्षा लायीं, कर दिया निहाल? मर गये हम किसान।जीरा गया। यह सब गया। अब तो बंद करो। वसुन्धरा आयीं, वर्षा लायीं, यह माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है ? ...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): तगारामजी की तरफ इशारा कर रहे हो।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं-नहीं, आप उनको उकसाने का काम कर रहे हैं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, नहीं, यह ज्यादा अनहोती प्रशंसा, इन्द्र देवता नाराज हो गये मुख्य मंत्रीजी से। ...(व्यवधान)

**डा. सुरेश चौधरी** (भादरा): तगारामजी, यह अकाल चाहते हैं। (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): इन्द्र देवता नाराज हो गये कि यह मुख्य मंत्रीजी ही वर्षा करवा रही हैं तो फिर मेरे पास क्या रहा? मैं तो खाली हाथ हो गया। अब वर्षा तो मुख्य मंत्रीजी ही करवाएंगी इसलिए मेरे को तो अब ठीक है, मेरे हिसाब से ही काम करना है। आज काम कोई करे और गुण किसी के गाओ तो काम करने वाला नाराज नहीं होगा? काम करे राजेन्द्रजी राठौड़, गीत गाऊं घनश्यामजी तिवाड़ी के तो राजेन्द्रजी नाराज नहीं होंगे क्या? तो बरसात तो इन्द्र देवता करते हैं न तो इन्द्र देवता को याद करो। ...(व्यवधान) सुनो, यह नहीं, यह कोई आपका नहीं, यह सब की है। यह एक परिपाटी हो गयी जो आदमी फायदा उठाना चाहता है, किसी न किसी से तो उसको खुश रखकर खुशामद करके खुश रखने का यह नुस्खा है। इस तरह की प्रशंसा करो। (व्यवधान) एक मिनट आप विराजिये, प्लीज। (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): आपकी इन्द्र देवता से कब बात हुई? आपकी इन्द्र देवता से बात कब हुई? कब बात हुई इन्द्र देवता से? आपकी इन्द्र देवता से बात कब हुई? उनकी नाराजगी के बारे में आपको क्या कब पता लगा? ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): मेरी इन्द्र देवता से बात कल ही हुई है। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): जब वर्षा नहीं हुई तब भी हुई। जब आपने घोषणा की ? ...(व्यवधान) वसुन्धराजी ने बरसात लायी हैं उस समय ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): मेरी इन्द्र देवता से बात कल ही हुई। कल ही हुई, परसों भी हुई। यह आप ठीक कह रहे हैं। आपकी इन्द्र देवता से बात कब हुई? मेरी इन्द्र देवता की बात फरवरी में ही हुई। मेरी इन्द्र देवता की बात गत वर्ष फरवरी में, मार्च में भी हुई। मुख्य मंत्रीजी बाड़मेर आयीं, उस समय भी हुई। मेरी इन्द्र देवता की बात अभी कल और परसों भी हुई है। ...(व्यवधान) मैंने इन्द्र देवता से कहा कि हे इन्द्र देव, आप ऐसे किसानों पर क्यों रूठे हुए हैं? (व्यवधान) गरीबों को आखिर क्या करेंगे? क्यों उनके प्राणों के पीछे आप पड़े हो? तो इन्द्र देवता ने कहा कि यह तो आपके मुख्य मंत्रीजी जानें, वसुन्धराजी जानें, मुझे पता नहीं, उन्होंने कहा इस तरह से इसलिए इसका जवाब तो मुख्य मंत्रीजी ही देंगी। मैंने कहा कि मुख्य मंत्रीजी तो अब हमको मिलती नहीं हैं। आपको विनती करते हैं। मिलते तो आप भी नहीं हो पर ऐसा हम मानकर चलते हैं कि ईश्वर है। इन्द्र देवता है तो इन्द्र देवता को ही याद करते हैं। इन्द्र देवता को याद करने के लिए, खुश करने के लिए, वर्षा बरसाने के लिए कितने अनुष्ठान करते हैं। कितने गीत गाते हैं। औरतें गाती हैं। दूसरे गाते हैं। अब आज के आगे तो इन्द्र देवता के गीत गाने बंद हो जाएंगे। अब तो गीत वसुन्धराजी के ही गाये जाएंगे तो माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इसलिए ...(व्यवधान) नहीं-नहीं, यह ज्यादा गुणगान खराब है। ऐसी बात नहीं है। हमारे भी करते थे लोग ऐसा। हमारी पार्टी के भी लोग कई हमारे जिनके हाथ में होता है, उसके ही गुणगान करें, बाकी तो कौन गुणगान क्या करें? अब आज आपके हाथ में है तो आपके ही करें। हमारे कौन भूलकर करें। हम कभी सत्ता में आये तो हमारे भी पीछे गुणगान करने वाले घणे ही घूमेंगे। कोई कमी थोड़े ही रहेगी। आज कोई नहीं है हमारे पीछे। तो यह तो होता है। सत्ता में होता है न तो गुणगान बहुत होता है। राठौड़ साहब, आप राठौड़ हो, ठीक है, राठौड़ी चलाते रहो, कोई बात नहीं, चलाओ। ...(व्यवधान) हमारे भी खेतसिंहजी राठौड़ थे, वे भी बहुत गुणगान करते थे। खेतसिंहजी राठौड़ के मुकाबले हमारी पार्टी में गुणगान करने वाला कोई व्यक्ति नहीं था और आपकी पार्टी में आप जैसा गुणगान करने वाला कोई व्यक्ति नहीं है। अब दोनों ही राठौड़, दोनों पार्टियों में गुणगान करने वाले तो हैं पर खेतसिंहजी राठौड़ के गुणगान तो काम नहीं आये। खेतसिंहजी राठौड़ के गुणगान तो काम

नहीं आये। मुझे ध्यान है, खेतसिंहजी क्या कहते थे, क्या नहीं कहते थे, मैं सुनता था लेकिन अब कहते थे वह उनकी मर्जी है, उनकी इच्छा थी। (व्यवधान)

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): बता दो। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** क्यों बता दो?

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): वह बुजुर्ग हैं, अब बाबूसिंहजी के दादाजी हैं इसलिए मैं उनके बारे में नहीं कहूंगा। ...(व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य :** अभी भी हैं, गुजर कहां गये, बैठे हैं न। ...(व्यवधान)

**श्री बाबूसिंह राठौड़** (शेरगढ़): मैं नहीं सुनूंगा उनके बारे में कुछ भी। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष :** नहीं-नहीं, वे हैं भी नहीं, वह क्यों बताएंगे? ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं-नहीं, बाबूसिंहजी के दादाजी हैं। उनके दादाजी हैं। दादाजी के बारे में ज्यादा कहना ठीक नहीं है। तो कहने का मतलब यह है कि करो खुशामद, करनी चाहिए, प्रशंसा करनी चाहिए। अब यह कह रहे थे सांवरलालजी कि हमारी प्रशंसा करो, क्या करो? धन्यवाद। धन्यवाद दे दो। धन्यवाद के बहुत भूखे हैं। ठीक है, धन्यवाद। आप धन्यवाद के ही भूखे हो, सुनो। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** हेमारामजी, आप मुद्दे पर आइये।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): और धन्यवाद नहीं देने की वजह से, आपको नहीं मिलने से ही काम में कमी हो रही है तो और जनता परेशान है तो आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। ढेर धन्यवाद। खूब युगों-युगों तकजीओ। युगों-युगों तक आप फलो-फूलो। अब तो खुश हो? ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** अब आप और क्या चाहते हो? और क्या चाहते हो? ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): आपने पढ़ा। यहां पर राज्यपाल अभिभाषण पर हमको कहा कि मनमोहन सिंहजी ने प्रशंसा की हमारी। केन्द्रीय मंत्रियों ने खूब प्रशंसा की तो हमारे केन्द्र में प्रधान मंत्री से ऊपर तो हमारे तो कोई है नहीं, जिसने आपकी प्रशंसा कर दी। मंत्रियों ने सारों ने प्रशंसा कर दी। फिर भी आपका पेट नहीं भरा प्रशंसा से। अब आप सबसे ही प्रशंसा करवाना चाहते हो तो हेमाराम तो मर जाए तो नहीं करे झूठी प्रशंसा। अब मेरे से आप

करवाना चाहो, उम्मीद करो, मेरे जैसे आदमी से तो मैं तो हमारी पार्टी वालों की, हमारे नेताओं की भी तो नहीं करता तो आपकी तो मैं कैसे कर सकता हूं? तो आप थोड़ा सोचो। करो तो कोई ठीक है पर आप हरेक से ही यह उम्मीद करो कि प्रशंसा करो और वह भी झूठी सही प्रशंसा तो? ...(व्यवधान) आपने सारे मंत्रियों से प्रशंसा करा ली। वह आपके यहां पर गेस्ट थे। (व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): टोपिक बदलो। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): गेस्ट, होस्ट की भी प्रशंसा करता है।

**श्री उपाध्यक्ष:** नहीं बदलने पर यह नाराज हो रहे हैं, चौधरी साहब, आप कह रहे हो कि हमारे नेताओं की भी हम तो प्रशंसा नहीं करते। आपके विपक्ष के नेता बैठे हैं। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): चलो, यह कह रहे हैं कि टोपिक बदलो। टोपिक बदल देता हूं। पर एक सैकण्ड, खतम कर रहा हूं, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इसलिए प्रशंसा आपको करवानी है तो आपकी प्रशंसा जनता करे। जनता से प्रशंसा प्राप्त करो। आपका काम बनेगा। नेताओं की प्रशंसा से, हमारी प्रशंसा आपके कुछ काम आने वाली नहीं है। यह आप ध्यान रख लेना। ...(व्यवधान)

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): प्रतिपक्ष के नेता ने आपको टोक दिया है। आपको तीन बार टोक दिया है। आप विषय बदलो। इनका ख्याल करो आप।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): मेरे को प्रतिपक्ष के नेता ने टोक दिया तो यह जानें और मैं जानूं, आपको तकलीफ कहां हो रही है? ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बदल रहे हैं-बदल रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री शंकर सिंह राजपुरोहित** (आहोर): हेमारामजी, आप एक बार तगारामजी की प्रशंसा कर दो, बस। तगारामजी की प्रशंसा कर दो आप तो आज। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): यह तो मेरी लड़की के ससुर हैं इसलिए मैं तो इनका दास हूं। ...(व्यवधान)

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप केन्द्र के बारे में बहुत कह रहे हैं। केन्द्र की जितनी सारी योजनाएं हैं, उन योजनाओं का मैं उल्लेख करूं, इतना वक्त नहीं है। जितनी योजनाओं से अलग-अलग योजनाओं से जितना सारा पैसा है, वह सारा करीब-करीब पैसा तो केन्द्र से ही आता है। इनके पास तो

(श्री हेमाराम चौधरी)

क्या है? इनके घर से लगाने को कुछ नहीं है। न हींग और न कोई फिटकरी, पैसा सारा केन्द्र का और वाहवाही, धन्यवाद यह लेना चाहे, खैर कोई बात नहीं। ...(व्यवधान) माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनका ध्यान, अब यह संसदीय कार्य मंत्रीजी बैठे हैं। मैं इनका ध्यान, संसदीय कार्य मंत्रीजी की... (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** अब बहुत हो गया। आपने कोई बाकी तो छोड़ा नहीं । आपकी बात ? ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं, दो मिनट। सड़क का कह दूं थोड़ा। यह शिक्षा पर, फिर शिक्षा पर बोलेंगे। सड़क पर कह दूं, यह राजेन्द्रजी बहुत बोल रहे थे। इनको धन्यवाद दे दूं, इनका बखान कर दूं।

**श्री उपाध्यक्ष:** आप कनक्लूड करें।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): यह राठौड़ साहब, आपको मैं धन्यवाद दूं। यह प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना है इसकी गाइड लाइन्स है। मिनिस्टरी आफ रूरल डवलपमैंट, गवर्नमैंट आफ इंडिया, इसके पैरा 3(5) की ओर मैं ध्यान दिलाना चाहता हूं अगर आप ध्यान दें तो ठीक है, नहीं दें तो आपकी मर्जी। पैरा 3(5) आपको पढ़कर सुनाता हूं। "The unit for this programme is a habitation and not a revenue village or a panchayat". ठीक है "A habitation is a cluster of population living in an area the location of which does not change over type". वह बदलती रहनी, स्थाई होनी चाहिए लोकेशन। The some Dhanis, Tollas, Magras, hemlets, etc. are commonly used chronology to describe the habitations. अब हेबिटेशन किसे कहा गया है? यह इसमें स्पष्ट बताया गया है। आप कह देना जवाब इसीलिए तो मैं कहना चाहता हूं। आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। A revenue village, gram panchayat may comprise of one or several habitations. यह जरूरी नहीं है कि एक गांव में एक ही हेबिटेशन हो। कई ढाणियां हो सकती हैं। Many habitations or a group of habitations. The population of all habitations may be clubbed together for the purpose of determining the population size. तो माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा? ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** वह तो वैसे? ...(व्यवधान) इस आधार पर ही हो रहा है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं हुआ, यही तो है।

**श्री उपाध्यक्ष:** इसी आधार पर ही हो रहा है। बताओ कैसे नहीं हुआ? (व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): अब आप सुनो तो सही, क्या हुआ इसके आगे। नहीं हुआ, मैं यही तो कह रहा हूं। मैं यही तो ध्यान दिलाना चाहता हूं।

**श्री उपाध्यक्ष:** बताओ?

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): मत करना, साहब सुन तो लो, एक मिनट। यह नहीं हुआ है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं। ...(व्यवधान) मैं वही तो बोल रहा हूं, एक मिनट का कहा, एक मिनट में ही बात, आप नाराज हो तो बैठ जाऊं, नहीं तो इसको एक्सप्लेन कर दूं? आपको ही फायदा होगा। आपको ही फायदा होगा। स्टेट को फायदा होगा। पब्लिक को फायदा होगा। आपको तो क्या करना है? ...(व्यवधान)

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): सही-सही, हेमारामजी बताओ। सही है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): आपको तो कुछ नहीं करना है न। आपको तो पैसा एक रुपया ही प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना में लगाना नहीं है। आपको तो सिर्फ प्रस्ताव बनाकर भारत सरकार को भेजना है। ...(व्यवधान)

**डा. ओ. पी. महेन्द्रा** (सरकारी उप मुख्य सचेतक): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यहां से जो समय निर्धारित अपना हुआ है 4 घंटे 24 मिनट। अगर दो ही माननीय सदस्य कांग्रेस के 4 घंटे 24 मिनट बोलना चाहते हैं तो हमें तो कोई एतराज नहीं है। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** वह उनको कन्सर्न है।

**एक माननीय सदस्य:** किसी को क्या एतराज है? ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): आपको तो प्रस्ताव भेजने हैं कि ये ये हैबिटेशन हैं, इनकी ये ये पापुलेशन और ये सड़कों से जुड़े हुए नहीं हैं इसलिए यह प्रपोजल भेजे जाते हैं। भारत सरकार अपने आप सैंक्शन देगी, नहीं देगी तो लौटा देगी तो आपके पाले में से तो बाल केन्द्र सरकार के पाले में चली गयी, आप तो बरी। आप प्रस्ताव भेजो नहीं भारत सरकार को तो फिर भारत सरकार कहां से स्वीकृत करेगी ? अब मैं आपको बताता हूं, उदाहरण देकर बाड़मेर जिले में चार सड़कें हैं, बाड़मेर रूरल पापुलेशन है, उसकी चार सड़कें स्वीकृत हुई हैं ढाणी के हिसाब से, रेवेन्यू विलेज नहीं है। चार सड़कों का आप कहो तो मैं नाम पढ़कर बता दूं। वह चार सड़कें कैसी हुई ? वह चार सड़कें हमारी गवर्नमैंट थी स्टेट में, उस समय प्रस्ताव भेजे थे भारत सरकार को और वहां से चारों की चारों जैसी थी, वैसे एज इट इज सैंक्शन होकर आई

हैं। कोई रेवेन्यू विलेज नहीं है। आप कहो तो मैं सड़कों के नाम बता दूं, लैंथ बता दूं, अमाउंट बता दूं। ..(व्यवधान) बता दूं । इन्होंने कहा बता दो। इंदिरा नगर बस्ती, यह रेवेन्यू विलेज नहीं है। तीन किलोमीटर खर्चा 26 लाख 94 हजार, बल्देव नगर तीन किलोमीटर, खर्चा 26 लाख 11 हजार ...

**श्री उपाध्यक्ष:** आबादी? (व्यवधान) खर्चा होगा।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं-नहीं, लम्बाई और अमाउंट है। एस.सी., एसटी बस्ती पुराना का स्वीकृत मार्ग 5.7 किलोमीटर, 56.54 हजार मथुरावाला की ढाणी बाड़मेर गादान पांच किलोमीटर 57.68 लाख कुल है 16.7 किलोमीटर सड़क बन चुकी है और इस पर एक करोड़ और लगभग 40 लाख खर्च भी हो चुके हैं। यह कोई रेवेन्यू विलेज नहीं है। अब आप कहोगे हैबिटेशन की बात । जैसे मैंने व्याख्या कर दी, हैबिटेशन की बात बताई। पी.एच.ई.डी.. में, सांवर लालजी आपके पास बैठे हैं, पी.एच.ई.डी.. में आइडेंटिफाई ढाणियां हैं, चिन्हित ढाणियां हैं। इनको हैबिटेशन कहा गया। जो मूल कहा है उसको तो कहा है मैन हैबिटेशन और जो 15 कि.मी. लम्बा है वहां से 5 कि.मी. दूर आबादी है 300 की, 500 की, जो कुछ भी उसको कहा है अदर हैबिटेशन और वहां पीने के लिये पानी की लाइनें डाली हैं।जी एल आर गांव के अलावा उन ढाणियों में जी एल आर बनाये हैं, पाइप लाइन डाली है, योजनाएं स्वीकृत हुई हैं और उन ढाणियों को आइडेंटिफाई करने के लिये यहां से भारत सरकार के पास सूची गयी थी। भारत सरकार ने उस सूची को अप्रूव किया है। अप्रूव करने के बाद में वह जितनी भी पानी की योजनाएं स्वीकृत होती हैं, आइडेंटिफाई ढाणी के अलावा अगर पानी योजना कोई पी.एच.ई.डी. बनाकर भेजे, न तो उसकी सैंक्शन होती है बल्कि उसको रिजक्ट कर देते हैं, लेकिन आइडेंटिफाई ढाणियां जब पी.एच.ई.डी. विभाग के पास 1996 की पड़ी है, 2001 की जनगणना तो उसके बाद आई। उसके बाद तो जनसंख्या बढ़ी होगी, घटने का तो सवाल ही नहीं। वह ढाणियां आप देख लें। कितनी ऐसी ढाणियां हैं जिनकी आबादी 250 से ऊपर है हालांकि वह 1996 की हैं, उसके बाद में 2001 में कुछ न कुछ तो बढ़ी होगी। लेकिन फिर भी कहने का मतलब यह है कि आप पालती मारकर मत बैठो।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, आज सुबह भी प्रश्न काल के अंदर यह बात आई थी प्रधान मंत्री सड़क योजना की गाइड लाइन भारत सरकार ने जारी की है। निश्चित तौर पर सही बात है उसमें

(श्री राजेन्द्र राठौड़)

हेमलेट की व्यवस्था की बात की है। हैबिटेशन की बात भी कही है पर इसमें एक बात उन्होंने साथ-साथ यह जोड़ दी, जो यह पढ़कर नहीं सुना रहे हैं । उन्होंने कहा है सेन्सस 2001 की जनगणना में जो कोई भी ढाणियां, मजरे गांव के सम्मिलित हैं उन्हीं को सम्मिलित किया जा सकता है। अगर 2001 की जनगणना और राइडर्स में नहीं हो तो हम उनको दूसरा बनाकर भेज सकते हैं पर चूंकि उसमें 2001 का मेंडेटरी लगा रखा है इसलिए इसमें दिक्कत आ रही है। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, 2001 की जो जनगणना हुई वह तो रेवेन्यू विलेज के हिसाब से हुई । रेवेन्यू विलेज के लिये ... (व्यवधान)

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): माननीय मंत्री महोदय, जो इन्होंने कोट की है वह चारों ढाणियां, जो अनुसूचित की बस्तियां हैं उस लैटर को लेकर उसके आधार पर आप कार्यवाही कीजिये।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): यह आप चैक कीजिये, यह कैसे हुई ?

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): मैं दिखवा लूंगा पर यह जो इन्होंने चार नाम बताये हैं, इन चारों का 2001 की जनगणना में जो पुस्तिका भारत सरकार ने छपवाकर सब राज्यों में भेजी है, जिसके आधार पर यह सारी स्कीम बनी है, उसमें उल्लेख होगी, तभी बनी है वरना थोड़ी होती। फिर भी मैं दिखवा लूंगा अगर गाइड लाइन के अंदर कहीं भी किसी तरह की बात है और इस राजस्थान के अंदर तो केवल हम बात करेंगे हैबिटेशन की तो जगह-जगह बिखरे हुए हैं, फिर तो हमारी जनजाति क्षेत्र में तो गांवों की संख्या कहीं बनेगी ही नहीं।

**श्री उपाध्यक्ष:** वह स्टेज आयेगी तब भी वह आ जायेगी।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, 2001 की जनगणना में ढाणियों की जनसंख्या मूल गांव के साथ सम्मिलित की है। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** वह स्टेज आ जायेगी तब उनको भी लाभ मिल जायेगा। पुराने गांव ...(व्यवधान) रेवेन्यू विलेज हो रहे हैं। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, मैंने यह निवेदन किया ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** हेमारामजी, अभी तो जो रेवेन्यू विलेज आलरेडी डिक्लियर्ड हैं वह कवर हो रहे हैं। 250 से ऊपर की आबादी वाले, उसके बाद यह हैबिटेशन का भी नम्बर आ जायेगा।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): बाद में नहीं आयेगा, यही तो बात है। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** सब आ जायेगा। चेंज होते रहते हैं। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): यह बाद में आ जायेगा, ऐसा कहीं नहीं है। ...(व्यवधान) वह तो पापुलेशन के हिसाब से चल रहे हैं, 500 तक की क्लियर हो गयी, 500 से 250 वाली अब इस साल होगी। ...(व्यवधान) नहीं-नहीं, ऐसा नहीं है।

**श्री उपाध्यक्ष:** केन्द्र सरकार चेंज कर सकती है उसमें, कि अब हैबिटेशन को भी ले लो आप। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): केन्द्र सरकार के पास यह प्रपोजल बनाकर भेजें तो सही, क्या आब्जेक्शन लगाते हैं, क्या नहीं लगाते हैं ? यह तो पता पड़े। यह मैंने जो पैरा 3.5 का उल्लेख किया और आगे यह चार प्रस्ताव भेजे, इस तरह से आप आइडेंटिफाई ढाणियों की आबादी की कह रहे हैं 1996 में पी.एच.ई.डी. ने ढाणी आइडेंटिफाई की, आइडेंटिफाई करने का मतलब क्या है ? चिह्नित की ।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): योजना भारत सरकार की है। भारत सरकार की गाइड लाइन की पालना करना हमारी मजबूरी है। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): आपने क्या भारत सरकार को इस तरह के प्रस्ताव भेजे और वहां से आब्जेक्शन लगकर आया, नहीं आया।

**श्री जोगाराम पटेल** (लूणी): माननीय मंत्रीजी, प्रस्ताव भेजने में कहां मना है ? प्रस्ताव भेजो, देखा जायेगा। प्रस्ताव भेजने में कहां मनाही है? ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): उपाध्यक्ष महोदय, अगर इस तरह के आप प्रस्ताव बनाकर भेजते हो तो राजस्थान को बहुत ज्यादा सड़कें मिलेंगी, बहुत ज्यादा राजस्थान को फायदा होगा। मेरा उसमें कुछ लेना-देना नहीं है।

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): आपके पास हेमारामजी, जो ढाणियों वाला है, यह टेबल कर दीजिये। इसका सारा लेकर प्रस्ताव बनाकर भेजेंगे। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): पी.एच.ई.डी. की आइडेंटिफाई ढाणियों की सूची है। सभी जिलों की है, मेरे जिले की भी है, मेरी कांस्टीट्यूएंसी की भी है, मेरी तहसील की भी है।

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): यह तो बहुत अच्छी बात है, पूरे राजस्थान को फायदा मिलेगा। आप मंत्रीजी को यह दे दो और टेबल कर दो। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): पी.एच.ई.डी. की जो ढाणियां हैं, यह ढाणियां किसने आइडेंटिफाई कीं ? आबादी किसने बतायी ? गवर्नमैंट की बताई हुई है न, तो उसको पी.एच.ई.डी. विभाग मानता है, सैंट्रल गवर्नमैंट मानती है तो पी.डब्ल्यू.डी. वाले क्यों नहीं मानते ? पी.डब्ल्यू.डी. वालों को भी उन्हें मान लेना चाहिये। नये सिरे से सर्वे करवाना, आइडेंटिफाई करना कठिन है। उन ढाणियों में से जो जनसंख्या के हिसाब से कवर होती हों, सारी नहीं होंगी आइडेंटिफाई ढाणियां । ...(व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): नहीं, एक बात मैं और निवेदन करूं । जो ढाणियां राजस्व गांव घोषित कर दिया रेवेन्यू विभाग ने और उनकी पापुलेशन 500 से अधिक है और वह 2001 की आबादी के बाद राज्य सरकार ने उनको राजस्व गांव घोषित किया है और उनकी आबादी 500 से अधिक है तो उनके प्रस्ताव तो अपना अभी भी भेज सकते हैं, उसमें नहीं आये यह अलग है और उनकी 500 की आबादी है और यह राजस्व गांव है। ...(व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): माननीय मंत्रीजी ने इसमें साफ लिखा है The unit of this programme is a habitation and not a revenue village. अगर कहीं ढाणियों में 500 से ज्यादा की आबादी रह रही है। आप सर्वे करवाकर भेजने में कहां दिक्कत है, राजस्थान को फायदा मिलेगा। ...(व्यवधान) अगर किसी हैबिटेशन की जनसंख्या 500 से अधिक की है तो वह पटवारी वगैरह से रिपोर्ट लेकर भेजेंगे तो आपको फायदा ही मिलेगा। ...(व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): आप प्रस्ताव तो भेजें, नहीं मानेंगे और क्या होगा?

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): क्योंकि इस आधार पर तो सही कह रहे हैं

(श्री जुबेर खान)

गुढामालानी से आने वाले सदस्य कि हैबिटेशन को माना है, उस हैबिटेशन में चाहे विलेज नहीं हो, 500 की आबादी होनी चाहिये। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं, स्पष्ट लिखा है एक विलेज में 4-5 ढाणियां हो सकती हैं।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): मैं खुद स्वीकार कर रहा हूं हैबिटेशन की बात उसमें है, पर उसके साथ यह शर्त लगा दी कि 2001 की जनसंख्या में वह हैबिटेशन होना चाहिये। अब 2001 की जनसंख्या की जो शर्त है उसके कारण इनके प्रस्ताव भेजने में दिक्कत आ रही है। फिर भी इस गाइड लाइन को मैंने पढ़ा है, जितना मैं समझा हूं, मैं उसको दुबारा देख लूंगा। अगर इस तरह कोई रास्ता निकलता है तो प्रस्ताव भेज देंगे, कहां दिक्कत है?

**श्री उपाध्यक्ष:** इसमें राज्य सरकार का कोई नुकसान होने वाला नहीं है। आपकी ठीक बात है, सुझाव है। ...(व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): बहुत अच्छा सुझाव है आपका। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): 2001 की जो जनगणना हुई, वह गांव की हुई । पांच-पांच हजार के गांव हैं रेवेन्यू विलेज और उसमें ढाणियां एक जगह बसे, आबादी एक जगह नहीं है। आबादी चार-पांच जगह अलग अलग हैं। कोई 500 की हैबिटेशन है, कोई 200 की हैबिटेशन है, कोई 50 की होगी तो सैन्सस है वह एक यूनिट मानकर की तो अलग से उसकी सैन्सस बुक में नहीं मिलेगी। उसमें हमारा क्या दोष है ? सैन्सस तो आप मूल गांव की, सब की दोनों की जोड़ है, वह 2001 को एक्सीड नहीं करनी चाहिये। एक गांव की आबादी मान लो 1500 की एक हैबिटेशन है, उसकी 500 है तो 1000 उसकी 500 उसकी, एक्सीड नहीं होनी चाहिये।

**श्री उपाध्यक्ष:** हेमारामजी, समाप्त करें। श्री देवीशंकर भूतड़ा ।

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): धन्यवाद तो दे दो।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): एक मिनट। अच्छा, धन्यवाद की जरूरत है? उपाध्यक्ष महोदय, एक आपके ध्यान में लेकर आऊं । एक मैंने आपसे निवेदन किया, लिखकर दिया 5.12 को, उसमें आपने फोन भी किया है एस.ई. को और उम्मीद है कि हो जायेगा। पक्का धन्यवाद तो होने पर दूंगा, अभी कच्चा धन्यवाद। एक गांव है बूड़जेतमाल ।

(श्री हेमाराम चौधरी)

इसकी आबादी हजार से अधिक है और उस गांव की रेवेन्यू बाउंड्री है न उसके अन्दर अगर सड़क कहीं थी, थोड़ीसी भी, एक मीटर ही निकल गयी हो, उस रेवेन्यू बाउंड्री की सीमा को टच भी कर दिया हो न, छू भी लिया हो तब ही मान लें, अब उस रेवेन्यू बाउंड्री के अन्दर तो कोई सड़क है नहीं, दूसरी कोई सड़क जा रही है दूसरे रेवेन्यू विलेज से होकर के, पास के कोई रेवेन्यू विलेज से तो उससे उसका क्या लेना, वह कैसे कनेक्ट हुई? उसको सड़क से जोड़ा हुआ बता दिया। मैं नहीं मानता कोई पी.डब्ल्यू.डी. वालों ने या सरकार ने जानबूझकर किया।

**श्री उपाध्यक्ष:** कई - कई जगह है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): पर उसमें हुआ यों वो भूल हो गयी। भूल क्या हुई कि नये राजस्व गांव बने तो नये राजस्व गांव की सीमा और वो पुराने गांव जो मैं कह रहा हूं, उसकी सीमा कहां है, वो उनको ध्यान नहीं था। उन्होंने यह समझ लिया कि यह इसी पुराने गांव की सड़क है जबकि वो पुराने गांव में सड़क नहीं वह तो नया राजस्व गांव बना पांचणियों की ढाणी उसमें से जा रही है। पांचणियों की ढाणी में तो फिर दूसरी हो गयी प्रधान मंत्री की और बूड़जैतमल ऐसे ही वंचित रह गया। पंचायत हैडक्वार्टर, तीन प्राइमरी स्कूल, एक मिडल स्कूल, चारों स्कूल अलग-अलग जगह 15 किलोमीटर लम्बा है, एक भी स्कूल सड़क से जुडी हुई नहीं है, तीन प्राइमरी एक मिडल तो इसलिए उस पर आप ध्यान देंगे तो आपको धन्यवाद दूंगा। यह राकेशजी कह रहे हैं धन्यवाद दे दें, ठीक है, आपने कुछ आश्वासन दिया है उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्ष:** इनके चूरू जिले के अन्दर भी यह आप जो समस्या बता रहे हो, यह इनके जिले में भी वो की वो ही समस्या है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बस मैं खतम कर रहा हूं। घनश्यामजी, एक मैं थोड़ासा शिक्षा के बारे में कह दूं दो मिनट। दो मिनट, आपकी इजाजत हो तो।

शिक्षा के बारे में मुख्य मंत्रीजी ने बजट भाषण में 1500 स्कूल सैकण्डरी और सीनियर सैकण्डरी की घोषणा की तो राठौड़ साहब ने कहा एक बार और पढ़ो साहब और दोबारा पढ़ा। ठीक है, वह तो एक बार पढ़ा तो भी 1500 रहेगी और 600 रहेगी और दस बार पढ़ोगे तो इतनी ही रहेगी, बढ़नी है नहीं।

**एक माननीय सदस्य:** बढ़ जायेगी।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): बढ़ जायेगी, अच्छा।

पर, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, स्कूल तो खोल रहे हो अध्यापक लगा नहीं रहे हो।

**श्री उपाध्यक्ष:** लगेंगे, लगेंगे।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): लगेंगे, लगेंगे कहते-कहते हम भी चले गये और यह भी चले जायेंगे फिर कौन करेगा व्यवस्था? यह व्यवस्था कोई नहीं कर रहा है, इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यह कमजोरी हमारी है, जनता की है कि हम स्कूल खोलने पर खुश होते हैं।

**श्री लक्ष्मीनारायण दवे** (वन एवं पर्यावरण मंत्री): यह कमजोरी आपकी है कि आप झूठ बोलते हो इसलिए आप चले जाओगे।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): हां, सांच बोलने का तो आपके पास ही है। कोई बात नहीं, आपने तो सर्टिफिकेट लिया हुआ है सत्य का।

हमारी सरकार थी, डा. सी.पी. जोशीजी शिक्षा मंत्री थे, एक बार बजट में सीनियर सैकण्डरी स्कूल खोलने का प्रावधान नहीं रखा, मैंने सी.पी. जोशीजी को धन्यवाद दिया कि आपने स्कूल खोलने का अब के प्रावधान नहीं किया इसके लिए धन्यवाद। अब उन्होंने कहा कि किस बात का धन्यवाद? क्योंकि स्कूलें खोल रहे हो, मास्टर लगाते नहीं हो, खाली स्कूलें खोल दीं। इससे तो और ज्यादा बरबादी है, बच्चा कहीं जाकर, जिसके पास पांच रुपये खर्चे के हैं तो दूसरी जगह जाकर पढ़ता, वहां भी नहीं गया और वहां एडमिशन लेता। गांव में स्कूल खुलनी तो स्वाभाविक है।

**श्री उपाध्यक्ष:** इसका भी साथ का साथ कर रहे हैं। कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

**श्री लक्ष्मीनारायण दवे** (वन एवं पर्यावरण मंत्री): तगारामजी बतायेंगे।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): दवे साहब ने मुझे छेड़ दिया नहीं तो मैं नहीं कहता। ...(व्यवधान) मैं यह नहीं कहना चाहता था सरकार के बारे में, मंत्रीजी के बारे में पर इन्होंने मुझे छेड़ दिया।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (सार्वजनिक निर्माण मंत्री): छेड़ने की बात नहीं, आपने तगारामजी के लैटर हैड पर लिखवा कर इनकी अभिशंसा से से घनश्यामजी से कितनी स्कूल अपने निर्वाचन क्षेत्र में खुलवायी, जरा बता तो वरना तगारामजी बता देंगे। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपकी इच्छा है, आपकी इच्छा ही काम आयेगी हमारी इच्छा इस समय कोई काम नहीं आयेगी। हम तो अपनी ...

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं जितनी हमारे क्षेत्र में खुली उतनी की उतनी इनके विधान सभा क्षेत्र में खुली हैं।

**श्री उपाध्यक्ष:** यह शिकायत थोड़े ही कर रहे हैं।

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): इनके टाइम में पूरा अन्याय हुआ है। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** इस बात की तो यह तारीफ कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): विधान सभा क्षेत्र में खुली है। ...(व्यवधान) सात तो हमारे एम.एल.एज. हैं, एक मात्र कांग्रेस के माननीय सदस्य हैं, इनके साथ कोई पक्षपात नहीं किया है जबकि पिछले पांच सालों में इन्होंने हमारे साथ पूरा पक्षपात किया है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो इनके इस बारे में कुछ कहता नहीं हूं अब यह मेरे बारे में कहते हैं तो इनकी महानता है। मंत्रीजी ने स्कूल खोलने में क्या राजनीति नहीं की? गुणावगुण ...(व्यवधान)

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): आपके क्षेत्र की बताओ। ...(व्यवधान)

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): गुण, यह क्या भाजपा का विधायक है तो यह गुण है और कांग्रेस का विधायक है तो यह अवगुण है? तो कांग्रेस का विधायक है उसके लिए विधायक को सज़ा देने के लिए आपके पास अगर कोई कानून-कायदा कुछ हो तो आप जितनी मर्जी आये सज़ा दें, हम उसको भुगतने को तैयार हैं लेकिन आप जनता को सज़ा क्यों दे रहे हैं? गुढामालानी की जनता को स्कूल चाहिए, उसने क्या गुनाह किया? उनको पहले पता पड़ता नहीं है कि राज कांग्रेस का बनेगा या बी.जे.पी. का बनेगा। इतनी पूरे राजस्थान की हवा तो उनको पता लगी नहीं इसलिए गलती कर दी।

**श्री उपाध्यक्ष:** वहां आपने पहले ज्यादा खुलवा लिये होंगे। वो गलती जो आप कर रहे हो, कहीं-कहीं हमारे से भी हो जाती है।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): पहले हमने खुलायी कि नहीं खुलायी, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अब यह ठीक कर रहे हो तो करो, कोई बात नहीं ...(व्यवधान)सब पिछले ही हिसाब में लगे हो तो पिछला हिसाब करो। ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आसन से निवेदन करूंगा कि हेमारामजी साहब का भाषण समाप्त हो तब मेरे को पूरा समय दिया जाय।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्रीजी से निवेदन करना चाहता हूं, निवेदन ही कर सकता हूं इसके अलावा तो हमारे पास जोर और अब कोई रहा नहीं। ताकत हमारे पास रही नहीं, ताकत जनता ने आपको दे दी पर आप ठीक करोगे, न्याय करोगे तो ठीक रहेगा नहीं करोगे तो फिर आखरी न्याय ...

**श्री उपाध्यक्ष:** बस, बस।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): नहीं, आज न्याय करना, आप तो ब्राह्मण हो, किसी के बारे में कुछ कह सकते हो, श्राप भी दे सकते हो, मेरे पास देने को, कहने को कुछ नहीं लेकिन मैं इतना कह सकता हूं अगर आपने किया अन्याय, न्याय नहीं किया तो फिर आपके भी खराब हैं।

यह राठौड़ साहब बैठे हैं, मैंने इनसे कहा अभी मिसिंग लिंक पिछली बार 15-15 किलोमीटर दी थी, आपने दस दी, कौनसा तीर मार दिया? अब दस किलोमीटर बी.जे.पी. वालों के तो सब एम.एल.ए. के कहने से, हमारे कहने से अगर नहीं दोगे हमारे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला ज्यादा लेकिन अगर आप ऐसा पक्षपात करोगे न तो यह ठीक नहीं है। पक्षपात करोगे तो ...

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): आपने पिछली बार पूरा पक्षपात किया है। ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** कन्क्लूड कीजिए।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामालानी): करो, करो पक्षपात करो। मर्जी आये जैसा करो मैं तो कहता हूं थोड़ा पक्षपात कम करो। आप समझते हो न कि यह हमारे हैं इसलिए इनको खुश करने में लगे हो न, वो तो हमारे साथ आ

(श्री हेमाराम चौधरी)

जायेंगे, हमारे साथ थे वो आपके साथ आ गये, आपके साथ हैं वो थोड़े दिनों में हमारे साथ आयेंगे। यह कुछ लोग देख रहे हैं, हवा देख रहे हैं।

आपने एम.एल.ए. कोटे के कितने पैस बढ़ाये? हमने 10 लाख के 60 लाख तो किये, आपने 60 लाख के कितने किये? 60 लाख के 61 किये? तो थोड़ा एम.एल.ए. कोटे के पैसे बढ़ा देते। मैं एम.एल.ए. की सुविधा के लिए नहीं कह रहा हूं, एल.एल.ए. की सुविधा के लिए कोई बढ़ाने की जरूरत नहीं। ठीक है न। पहले भी कहता था एम.एल.ए. की सुविधा बढ़ाने की जरूरत नहीं फिर भी बढ़ायी, एक्स की बढ़ाओ। यह बात जरूर कहता था, जो अपने आगे काम आयेगा। यह बात समझ में नहीं आती किसी को। पहले भी बात कहता था, किसी के समझ में नहीं आयी, अब रो रहे हैं, रोओ। तो एक्स की बढ़ाओ तो अभी भी बढ़ा सकते हैं। वर्तमान की बढ़ाने की जरूरत नहीं पर यह एम.एल.ए. कोटा है यह तो विकास में ही पैसा लगता है। एम.एल.ए. कौनसा घर ले जाता है? आप 60 के 60, पांच साल यों ही बैठे रहोगे क्या? अगले साल तो क्या बढ़ाओगे? अगली साल तो फिर वापस चुनाव आ रहे हैं, वो किस के काम आयेंगे? बढ़ाओगे तो भी किसी के काम आने हैं नहीं इसलिए आप एक-एक करोड़ कर दो। माननीय मंत्रीजी, करो तो ठीक है  नहीं करो तो मर्जी आपकी। हाथ में तो आपके है, हमारे हाथ में होता तो कर लेते। चौथा बजट पेश हुआ है लेकिन एम.एल.ए. कोटा बढ़ाने की कोई बात है नहीं। 10 के 60 किये, कुछ तो आप भी करते न, कुछ भी नहीं करोगे। फिर भी ठीक है, मर्जी आपकी। इसका मतलब आप एम.एल.ए. को बेइमान समझते हो कि एम.एल.ए. बेइमान है। इसको 60 लाख ही बहुत है, यह भी छीन लें वापस, यह भी खतम कर दो या तो या फिर जिस हिसाब से महंगाई बढ़ गयी। 60 लाख के काम होते थे उस समय में, आज आधे काम होते हैं 60 लाख में उसके आधे काम होते हैं। आज बी.एस.आर. कितनी बढ़ गयी, रेटें कितनी बढ़ गयीं। आप बढ़ा नहीं रहे हैं या फिर यह खतम कर दो। अगर आपको यह लगे कि एम.एल.ए. इन पैसों का दुरुपयोग करता है, कोई करता भी होगा, मैं नहीं कहता, अगर कुछ आपको लगे तो इस हैड को ही खतम कर दीजिए। धन्यवाद।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का समय दिया, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और मंत्रीजी ने मेरी बात सुनी, थोड़ी-बहुत दिमाग में मेरे

(श्री हेमाराम चौधरी)

ख्याल से इनके बैठी, बैठी है तो निश्चित रूप से कुछ हम को भी फायदा होगा, हम से तो ज्यादा इनको फायदा होगा। फायदा लेना है तो लें, नहीं लेना है तो इनकी मर्जी आये जैसे करें।

**डा. दिगम्बर सिंह** (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): हेमारामजी, तगारामजी को सुन कर जाना।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री देवीशंकर भूतड़ा।

**श्री हेमाराम चौधरी** (गुढ़ामालानी): तगारामजी हमारे बाड़मेर जिले से हैं। यह एक ही विधायक हैं जो दौड़भाग करते हैं, जिले के विकास में लगे हुए हैं बाकी और ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** तगारामजी, आपको कल बुलवाएंगे सबसे पहले, आज नहीं। आज नहीं, तगारामजी को आज क्या बुलवायें?

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मेरे को आज्ञा है?

**श्री उपाध्यक्ष:** अच्छा बोलिये।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले आपके माध्यम से मेरे रिश्तेदार गुढ़ामालानी से आने वाले माननीय सदस्य से यह उम्मीद करूंगा कि आपके भाषण के समय मैंने एक शब्द नहीं बोला। मेरे से यह सब हमेशा झेंपते हैं, सारे के सारे झेंपते हैं, मैं कह रहा हूं और झेंपा के बता दूंगा आपको मुझे मौका पड़े लेकिन बीच में मैं नहीं बोला इसलिए नहीं बोला कि मैं यहां था ही नहीं और मेरे प्रति इन्होंने पता नहीं क्या कह दिया। वो मेरे भी समझ में नहीं आया कि क्या कह रहे हैं आप। अभी-अभी जानकारी दे रहे थे गुढ़ामालानी से आने वाले माननीय सदस्य कि जनता तारीफ करे तो तारीफ होती है। तो मैं आपके माध्यम से आपसे यह जानना चाहता हूं ढोल किसने, मैंने बजाया था, मेरा स्वागत मैंने किया था क्या, मैंने क्या मालाएं ले लेकर अपने गले में डाली थीं क्या ? जनता करती है, जनता करेगी। आपको इस बात से कष्ट जरूर हुआ होगा कि मेरेजीतने के बाद में बाड़मेर विधान सभा में अथाह तेल निकला है और ओ.एन.जी.सी. के बड़े अधिकारी का मैंने अख़बार में वक्तव्य पढ़ा, उसमें कहा विश्व का सबसे बड़ा तेल का भण्डार, यह ओ.एन.जी.सी. के बड़े अधिका? ...(व्यवधान) का मेरे पास है ।

**श्री उपाध्यक्ष:** धारा प्रवाह को रोको मत।

**श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर): मैं तगारामजी के बारे में जानकारी दूं इन्होंने 54 चुनाव लड़े हैं उसमें से पचासजीते हैं। तगारामजी कोई कम आदमी नहीं हैं यह वह व्यक्ति हैं इनसे क्या घुटने टेकने वाले ? ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मेरे को आप बोलने दो।

**श्री उपाध्यक्ष:** बीच में कोई नहीं बोले।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): तो मान्यवर, मैं निवेदन करूं कि मैंने क्योंकि मैं पहली बार सदन में आया हूं और पहली बार बैठे-बैठे मैं सोचता हूं, सुनता हूं उस पर विचार कर रहा हूं क्योंकि मेरे भी सफेद बाल आ गये तो मैं तो जिंदगी में ही सीखा हूं और अभी भी सीख रहा हूं तो दो शब्द मेरे को सुनने को मिलते हैं । एक तो यह कि हमने खोटा किया इसलिए फिर आप मत करना, यह आपकी सीख स्वीकार है कि हमसे खोटा न तो भगवान करवाए और न पक्षपात करवाए ईश्वर और न हम खोटा करें और आप अपना स्वीकार करते ही हो दिन भर जैसे स्नान करते हैं ना पानी से वैसे आप स्नान कर ही रहे हो कि हमने खोटा किया, किया, पांच साल किया अब बात करते हैं पद खाली की।

**श्री उपाध्यक्ष:** आपकी सिफारिश करने के लिए बाबूसिंहजी यहां आ गए हैं।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): फिर मैंने दूसरा क्या सुना कि यह तो भारत सरकार ने दिया, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि अटलजी के टाइम में जितने गेहूं आए थे क्या भारत सरकार ने उतने गेहूं दिए हैं इन वर्षों में? मैं आपसे जानना चाहता हूं आपने यह भी कहा कि बाढ़ में पचास हजार ही दिए, बाढ़ में सोनियाजी पधारी थीं अशोकजी साथ में थे, मुखर्जी साथ में थे, पत्रकार बंधु यह सुनना चाहते थे और पत्रकार सम्मेलन भी तैयार किया हुआ था उसमें सुनना चाहते थे कि कोई पैकेज देकर के पधारेंगी, वह पैकेज कहां गया? पानी आ गया, पानी से आप दु:खी हैं, वास्तव में दु:खी हैं । मैं तो ताज्जुब करता हूं कि कांग्रेसी भाइयों ने खेती ही नहीं की वहां पर उस पानी से। पानी आ गया क्योंकि आज तक यह कहकर के प्यासे मर रहे हैं कि पानी लाएंगे, पानी लाएंगे। चुनाव जब आता है तो यह प्रवचन देकर के वोट लेकर के छू मंतर इसी तरह से, अब आप कहते हैं हमने स्वीकृति की है। स्वीकृति नहीं की थी वह की थी, प्रशासनिक स्वीकृति, वित्तीय नहीं की थी। की है तो बता दें और पत्थर लगा दिया क्योंकि चुनाव आ रहा था।

**श्री बाबूसिंह राठौड़** (शेरगढ़): आप इनको बता? ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मेरे को बोलने तो आप भी नहीं दे रहे हो क्योंकि इनकी छाया पड़ गई। जब मैं इस बात के लिए भी आश्चर्य करता हूं कि प्रतिपक्ष के नेता महोदय जब कभी भी खड़े होते हैं हम बिलकुल बोलते नहीं लेकिन कितने ही पीछे से खड़े हो जाते हैं कितने ही, पता नहीं क्यों होते हैं।

**श्री उपाध्यक्ष:** आपके बीच में नहीं होंगे।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मैं तो यह सोच पाया हूं कि यह मेरी तरह किसान हैं इतना ही कहूंगा बाकी गवारा नहीं होगा तो मैं यह निवेदन कर रहा ? ...(व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): यह बजट में नहीं है ।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): यह बजट में नहीं है तो बिजली, दूसरा, तीसरा सारा जितना जो हेमारामजी बोले थे वह सारा बजट में था क्या।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): अफीम की कीमत कम करने की मांग करो ताकि पता लगे सरकार क्या कर रही है।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): काहे की ?

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): अफीम की कीमत कम करवाओ ताकि आराम हो जाएगा, तबीयत से लेओगे और अच्छा बोलोगे।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): जब आप बोलते हो जब मैं बोलता हूं क्या बीच में?

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): माननीय तगारामजी के बीच में कोई नहीं बोलेंगे।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): और यह मोल ले रहे हो आप तो मैं तो बोलूंगा कल से, मैंने यह सोचा कि बीच में टोका टोकी अच्छी नहीं है। यह पवित्र सदन है, मर्यादाओं से बंधा हुआ सदन है और इस सदन ? ...(व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): बहुत प्रसन्न्ता हुई कि आपको इस बात की अनुभूति है । अब इतने सालों बाद पचास चुनाव लड़ने के बाद यह अनुभूति हुई कि यह पवित्र सदन है।

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य बीच में खड़े हो रहे हैं।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मैं बोला था क्या मैंने इतने लड़े, दूसरे बोलते हैं तो बोलते हैं उनको रोको आप। पर मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि अब गेहूं का भण्डार भारत सरकार के पास कितना है एफ सी आई में और पहले कितना था? आप कहते हो तारीफ मत करो, मैं यह निवेदन करूं आपसे मैंने देखा है जब शास्त्रीजी थे प्रधान मंत्री उस समय हमको उपवास करना पड़ता था परन्तु माननीय अटल बिहारीजी थे प्रधान मंत्री उस समय देश अनाज के मामले में आत्मनिर्भर था। कारण क्या है, कारण यह है कि किसी का तो पगफेरा है जिसके पगफेरे से होता है वह भी, अब कहूं कि कर्महीन खेती करे, हल भागे या बैल मरे, वह ठीक नहीं है, निकल गया होगा तो पता नहीं है। तो फिर वसुन्धराजी और वर्षा एक शब्द है और कांग्रेस और काल एक शब्द है उसको कैसे मिटा दोगे आप? अब भण्डार खाली है इसलिए मंहगाई बढ़ी है उसको आप स्वीकार करो ना। आप कहते हो भारत सरकार ने दिया, भारत सरकार भारत है और राजस्थान-राजस्थान है इसलिए क्या वह बात आप सुनते हो। वसुन्धराजी देती हैं तो भी आप कहते हो नहीं दिया और वह नहीं देते हैं और आपका तो यह प्रयत्न है जैसे बाढ़ के बारे में था वह प्रयत्न है कि वहां से कुछ दिया नहीं जाए तो फिर कहां से बजट लाएगी, फिर भी ले आए।

**डा. ओ. पी. महेन्द्रा** (उप मुख्य सचेतक): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन का समय सात बजे तक बढ़ाया जाए।

**श्री उपाध्यक्ष:** पहले कर दिया है प्रस्ताव, बढ़ गया है समय।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): अब आप यह कह दें कि ए.पी.एल. गेहूं की कटौती भारत सरकार ने नहीं की है, कह दीजिए आप यदि हम यूं ही कह रहे हैं तो और फिर आप जनता में जाकर कहते हो कि हमने गेहूं दिए हैं और अब कम हो गए, कैसे होगा। यह सत्य नहीं है कि भारत सरकार के पास कितने गेहूं हैं और गेहूं के भाव क्या हैं, ए.पी.एल. को आप दोगे नहीं, बंद करोगे, भारत सरकार बंद करेगी तो भाव स्वत: ही बढ़ेगा। गेहूं खाने वाला तो गेहूं ही खाएगा किसने बढ़ाया है भाव? आप स्वीकार करोगे, मैं तो कहूंगा कि वसुन्धराजी का पगफेरा है इसलिए वर्षा भी आती है, पैसा भी आता है कभी नहीं कहा कि पैसा नहीं है और बड़े-बड़े नेताओं ने भारत के नेताओं ने, विशेषज्ञों ने यह कहा है कि बहुत अच्छा कुशल वित्तीय प्रबन्धन है और बजट का कहो तो बजट घाटे के ऊपर चला गया, क्या करोगे? इसके बावजूद भी अब

आप कहते हो पक्षपात नहीं करते हैं, पक्षपात नहीं करते हो, रिफाइनरी पहले शुरु-शुरु में जब मंगला-1 का लोकार्पण किया था रामनाइकजी और वसुन्धराजी ने उस समय मेरे माननीय रिश्तेदार, अजीज गुढामालानी से पधारने वाले सज्जन अच्छी तरह से जानते हैं कि उस समय तो तेल का भण्डार कितना था वह बात आ गई और रिफाइनरी की बात भी जोर पकड़ती गयी और बड़े ताज्जुब की बात है कि मेरा ढोल क्यों बजा दिया, मेरे को क्या कह दिया कि रिफाइनरी लाया है फलानां कि लाएगा।

इससे जलन हुई और जलन होकर के राजनीति करने वाले कुछ सज्जन थे उन्होंने घुमा फिराकर रिफाइनरी का स्थान ले जाकर जिन ढाणियों में जंचाया था, मेरे को पता ही नहीं पड़ने दिया और मामले को उलझा कर वहां गये तो वह कह रहे हैं रिफाइनरी नहीं खुलनी चाहिये। रिफाइनरी नहीं खुलनी चाहिये। यह क्या मैं गया था ? क्या टीवी पर मैं आ रहा था कि रिफाइनरी नहीं होनी चाहिये। आपके जो कार्यकर्ता कह दूं, मर्जीदान कह दूं, उनको आपने भेजा और यह हुआ। इतना ही नहीं हमेशा वहां माननीय सदस्य पधारते हैं और कहते हैं कार्यवाही करते हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है। यह भी किसान हैं, मैं भी किसान हूं। आप भी वहां के प्रतिनिधि हो। वर्षों से जीतते आये हो तो उसमें तो आप कहते हैं कि यह होना चाहिये, वह होना चाहिये लेकिन ओ.एन.जी.सी. भारत सरकार की है। ओ.एन.जी.सी. ने हरी झण्डी दी थी पहले रिफाइनरी लगाने की भारत सरकार ने वह कहां गयी। अब कहां से यह आ गयी कि इतनी रियायत दे दो तो यह रिफाइनरी खुलेगी। तेल कम है तो फिर तेल कहां गया ? जमीन के नीचे उतर गया ? यह कौन कर रहा है? मैं तो यही कहूंगा सीधा मैं यहां नहीं था और मेरे ऊपर आरोप लगाया कि तगाराम के पास है रिफाइनरी तो। इसका सीधा सा अपने आप में सिद्ध होता है कि आपके दिल में खोट है और आप जितना कर सको उतना यह करना चाहते हो। अब आप बोल रहे हैं वह कौन कहने वाले ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाया ? ...(व्यवधान)

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): लगाया था। लगाया था।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): यह राठौड़ साहब ने आपको गलत खबर दी है। आपके ऊपर किसी ने कोई आरोप नहीं लगाया। हेमारामजी ने नहीं लगाय? ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): तो यह प्रश्न कैसे पैदा हुआ मेरा?

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): इनके माननीय सदस्य कह रहे हैं ना लगाया।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): नहीं-नहीं, बताता हूं आप? ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): आपको इन्होंने भड़का दिया।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): माननीय, आप खड़े हो मैं नीचे बैठ जाता हूं।

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): यह कोई नयी बात नहीं है। जाटों को यह हमेशा भड़काते रहे हैं पहले भी। इसलिये यह कोई नयी बात नहीं है लेकिन आपके खिलाफ तो कोई नहीं बोले।

**श्री कालूलाल गुर्जर** (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): यह तो जाटों को भड़काते हैं पर जाट भड़कते क्यों हैं ?

**श्री रामनारायण चौधरी** (नेता, प्रतिपक्ष): भोले हैं।

**श्री कालूलाल गुर्जर** (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): जाट भोले हैं ? अनपढ़ जाट पढ़ा बराबर ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): इधर क्यों भड़का दिये ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बोलो। आपको छुट्टी है।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): आप खड़े हो तो मैं कैसे खड़ा होऊं?

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): आप कह दो। आप बिराजो तो खड़ा होऊंगा।

**श्री उपाध्यक्ष:** आपको कहने के लिये खड़े हुए हैं यह तो। बोलो आप।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): माननीय, जो हरी झण्डी दी थी उस हरी झण्डी के बाद किसने विरोध किया ? मैं सीधा कहूंगा कि कांग्रेस पार्टी के जो इस वक्त मुंह धो रहे हैं कि हम कुछ बनें, उन्होंने किया है। उन्होंने वहां के क्षेत्र का विकास रोकने का पूरा प्रयत्न किया ? ...(व्यवधान)

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): अशोकजी गहलो? ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): अब सभी साथ बोल रहा हूं तो कांग्रेस में गिनती होती है। अशोकजी और दूसरों के बीच में आप यह प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों की मदद कर रहे हो कि उनमें प्रतिपक्ष के नेता महोदय भी खड़े हों तो सारे खड़े हो जाते हैं तो आप ही बोलो न, खड़े हो आप। अप्रत्यक्ष रूप से उनका पक्ष। मैं तो कह रहा हूं हेमारामजी हरगिज नहीं बैठते लेकिन मैंने पूरी चुप्पी रखी और अब मैंने पहले यही निवेदन किया है कि मेरे बीच में नहीं बोलें। नहीं तो पचास बार उठ जाते अभी ...(व्यवधान)

**श्री रामनारायण डूडी** (राजस्व मंत्री): आज तो विधान सभा को दोनों की कुश्ती बना दी आपने। सगा-सगा री दोनों री लड़ाई बाड़मेर वालां री विधान सभा आयी।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): अब लिफ्ट योजना की बात। लिफ्ट योजना कौनसी ? एक लिफ्ट योजना वसुन्धराजी के राज में स्वीकृत हुई है। या एक का काम चलना शुरू हुआ ? ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बहुत आ गया। आपने अपने मन की बात कर दी, तगारामजी।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): सिंचाई मंत्री महोदय ने बता दिया ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री देवीशंकर भूतड़ा।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मैं निवेदन करूं आपसे। मेरे अजीज ने मेरा स्वागत किया वह मैं बताऊं आपको। मैं कहूंगा अब ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** वह जरूरी नहीं है। वह मत बताना।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मैं कहूंगा। मैं पहले ही पहले वह व्यक्ति हूं मेरे जीने का कोई पता ही नहीं था। इतना बीमार था हार्ट की वजह से और मेरे भाई का स्वर्गवास हो गया था। उस दिन मुझे चोट पहुंची ... (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** अब वह घरेलू बात ? ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): आयेगी यह बात।

**श्री उपाध्यक्ष:** कोई जरूरी नहीं है।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): तो भी बात जो करनी है वह मेरा स्वागत किया उस बात पर चली है। आरोप किस प्रकार हुआ। आरोप हम जानते हैं किस तरह से हेमारामजी लगाते हैं और किस तरह से तगाराम लगाता है। हम एक दूसरे की पूरी बात जानते है ... (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** नहीं, यहां सदन में नहीं ... (व्यवधान) यह सदन में नहीं बाहर करना ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): इन्होंने मेरा स्वागत किया है वह बता रहा हूं। मेरी बात सुनिये आप। पक्षपात की बात आती है वह कह रहा हूं। मैंने सबसे पहले अब कोई जाति की बात या उसको अन्यथा नहीं लिया जाए। मैं इनके भाई बंधु जो बिरादरी के थे जिनके सात बच्चियां छोड़ करके वह नदी में स्वर्गवास हो गया था। सबसे पहले पचास हजार रुपये सरकार के ले करके जो वसुन्धराजी ने भेजे थे वह लेकर उन्हीं के वहां गया इसलिये ऐसा नहीं हो ऐसी त्रासदी में कोई यह बात लग जाए कि यह पक्षपात करते हैं। इस बात को लेकर सारा सामान, वह पैसे सारे मेरे हाथ में एक ही दी है उस जगह जिसका नाम है बालारा ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** धन्यवाद। धन्यवाद।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): लेकिन क्या ?

**श्री उपाध्यक्ष:** अब तगारामजी आप स्थान ग्रहण कीजिये।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): फिर क्या हुआ। मैं जगह-जगह दौड़ता रहा और चंदा करके सरकार के बजट से भी जो वस्तुएं बंटती थीं उनमें कोई हजारों को जा-जाकर के बांट रहा था लेकिन कवास में आपके पुजारी थे और आप वहां बिराजमान थे। शेखावत साहब और जगदेव साहब पधारे थे उस समय मेरा कैसा स्वागत किया यह बता दें वह? ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बस अब ज्यादा नहीं। धन्यवाद तगारामजी।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मुझे धन्यवाद मत दो। हेमारामजी को वह बैठे ...(व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): हेमारामजी ने तो अपने आपको कह दिया कि आपके दास हैं यह। यह तो यूं कहा कि मैं तो दास हूं तगारामजी का तब भी आप इनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं।

**श्री उपाध्यक्ष:** छोड़ दिया पीछा। अब स्थान ग्रहण कीजिये। अब दूसरे सदस्यों का नाम पुकार लिया मैंने।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): कवास की बाढ़ कवास में आयी थी तो मेरे वहां भी आयी थी। कवास में घर डूबे थे तो मेरा घर भी समुद्र बना हुआ था लेकिन उसके उपरान्त भी किस तरह से लोग-बागों को तैयार किया गया। क्या किया आज वह सारा एक बेमिसाल है और इस वक्त भारत सरकार से

सहायता नहीं मिलने देना हर मामले में रिफाइनरी नहीं आने देना, ओ.एन.जी.सी. को बाड़मेर नहीं आने देना यह सारी बातें हैं वह पाप है। जनता के साथ में अन्याय है और वह फैसला अभी आप तो कह रहो कि हमने खोटा किया फिर आप खोटा कर रहे हो और आओगे नहीं लेकिन आप यह खोटा कर रहे हो वह खोटा आप ही भुगतोगे। मैं इन्हीं शब्दों के साथ मेरी बात को समाप्त करता हूं... (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** धन्यवाद।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): और वसुन्धराजी की प्रशंसा तो करनी ही पड़ेगी। पानी के बारे में कहते हैं कि वर्षा ला? ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री देवीशंकर भूतड़ा। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करूं यह आज की बात नहीं है वर्षा जब कभी भी नहीं होती थी पूर्वजों की बात है तब हवन करते थे। इन्द्र देवता को प्रसन्न करते थे और तब बरसात आती थी। हमने किया। वसुन्धराजी और सांवरलालजी ने जल चेतना अभियान चलाया और मैं यह कहूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं है। मेरे उसमें दस्तखत हैं सभी रजिस्टरों में। मैंने ज्यादा से ज्यादा उस लू में, आंधियों में रात-दिन जाकर सभी से जप करवाया भगवान बरसात करो। भगवान बरसात करो। यह किया है और इन्द्र देवता ने सुना ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** हो गया तगारामजी।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह वास्तव में बाड़मेर से आने वाले माननीय सदस्य नाराज इसलिये हो गये कि वहां उनकी...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): तेल निकला है। तेल निकला है मेरे टाइम में...(व्यवधान)

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): गुढामालानी से आने वाले माननीय सदस्य ने यह कहा है कि रिफाइनरी उनकी जेब में है और जेब में से निकालकर के यहां रख दें। इनको एक तरह से उत्तेजित किया गया है इसलिए यह सारी बात कहने के लिए मजबूर होना पडा ? ...(व्यवधान) अब मेरी राय से इनकी उत्तेजना शांत हो गयी है।

**श्री उपाध्यक्ष:** उत्तेजना शांत हो गयी, समाप्त कर दी उत्तेजना... (व्यवधान) तगारामजी, आपने कह दिया।

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): कनक्लूड करने ? ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** अब आपने उत्तेजना अपने मन से समाप्त कर दी ...(व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): मैं यह निवेदन करूं कि इन्द्र देवता प्रसन्न होते हैं हो गये ज्यादा ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बस हो गया। अब आपने आखिरी बात कह दी (व्यवधान) कह दी आपने, कोई कसर नहीं छोड़ी ...(व्यवधान)

**डा. जालम सिंह रावलोत** (शिव): कनक्लूड करनें दे।

**श्री उपाध्यक्ष:** बैठिये आप।

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): उपाध्यक्ष महोदय, हेमारामजी को मेरे को भेजा, लेकिन आपसे तो मुझे बहुत उम्मीद थी ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बस बहुत है इतना ...(व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, इतने वरिष्ठ माननीय सदस्य तगारामजी को संसदीय कार्य मंत्रीजी ऐसा कर रहे हैं, यह गलत बात है। इतने वरिष्ठ आदमी हैं, बुजुर्ग आदमी हैं ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बोलने के लिए कह रहे हैं वह ?... (व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): पूरा सदन इनको सुनना चाहता है और संसदीय कार्य मंत्रीजी उनको जबरदस्ती बैठा रहे ?... (व्यवधान)

**श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर): कांग्रेस के कारण ही रूका हुआ है, भारत सरकार से मिलकर के यह आने नहीं देंगे। इनका इरादा है कि अगले चुनाव आवें उसके बाद ही आये तो हम उसका श्रेय ले लेंगे। लेकिन जनता इतनी भोली नहीं है। इसलिए फैसला होने दीजिये, क्या होता है फैसला, जनता करेगी। धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्ष:** बिराजें माननीय सदस्य...(व्यवधान) श्री देवीशंकर भूतड़ा।

## सूचना

### तहसील आमेर में ओलावृष्टि

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, पाइंट ऑफ इन्फार्मेशन। मैं निवेदन यह करना चाह रहा हूं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि आमेर तहसील में बरना में, रायथल की तरफ आधे-आधे किलो के ओले पड़े हैं, बहुत नुकसान हो गया है, जन-धन की भी हानि हुई है।

**श्री उपाध्यक्ष:** इस पर चर्चा हो? ...(व्यवधान) इस पर चर्चा होगी ...(व्यवधान)

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): आज की तारीख में लोगों को अस्पताल भी भेजा गया है ...(व्यवधान)

**श्री रामचन्द्र जारोड़ा** (मेड़ता): क्षेत्रीय विधायक का फोन आया है मेरे पास अभी ...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** कल भी हो सकती है। अभी कोई मामला भी नहीं हुआ है। सीजन ऐसा ही चल रहा है। इस पर चर्चा होगी हाउस के अंदर ...(व्यवधान)

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): कब की बात कर रहे ? ...(व्यवधान)

**श्री रामचन्द्र जारोड़ा** (मेड़ता): अभी की बात है, अभी फोन आया है उनका (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): यह तो अभी फोन आया है इनके पास, आधे-आधे किलो के ओले गिर गये और आदमी घायल हो गये, उनको अस्पताल ले जा रहे हैं। यह सूचना दे रहे हैं आपको।

**श्री रामचन्द्र जारोड़ा** (मेड़ता): उनका फोन आया है कि मेरे क्षेत्र में...(व्यवधान)

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): उपाध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से माननीय मंत्री जायें वहां पर... (व्यवधान)

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): भगवान की मर्जी है...(व्यवधान)

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): बरसात भी इनकी ही कृपा है और ओले भी इनकी ही कृपा है, इसलिए मौके पर सरकार के मंत्री को भिजवायें ताकि जन-धन की जो हानि हुई है उसका जायजा लिया जा सके... (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): माननीय सदस्य ने सूचना दी है, अभी जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। अधिकारियों को भी कह देते हैं। पास में ही है कोई दूर नहीं है, जाकर के सारी बात कर लेंगे... (व्यवधान)

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): बरसात भी आपने ही की और ओले भी आपने ही किये... (व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): जो भी मदद करनी होगी वह करेंगे, बात कर लेते हैं ...(व्यवधान)

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): धन्यवाद आपको।

**श्री उपाध्यक्ष:** राजस्व अधिकारियों को इंस्ट्रक्शंस दिये हुए हैं, गिरदावरी कर रहे है ...(व्यवधान)

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): ओले भी आपके ही हैं। यह बरसात के बाद ओले जो गिर रहे हैं यह भी आपके ही हैं ...(व्यवधान) हम तो बता रहे हैं कि ओले गिर रहे हैं आपके राज में ...(व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): कहां बताया है, रामचन्द्रजी कहां बताया है, एक मिनट ...(व्यवधान)

**श्री रामचन्द्र जारोड़ा** (मेड़ता): आमेर में।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): आमेर में कहा?

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): रायथल में।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): हां, रायथल।

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): रायथल में, जाहौता ...(व्यवधान) वहां पर एम.एल.ए. मौजूद है ...(व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): ठीक है।

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): उन्होंने सूचना दी है।

**श्री रामचन्द्र जारोड़ा** (मेड़ता): अभी-अभी मेरे पास में फोन आया ... (व्यवधान) कि सरकार को यह सूचना दीजिये...(व्यवधान) अस्पताल में गये है ...(व्यवधान) लालचन्द कटारिया वहां मौजूद है ...(व्यवधान)

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): रायथल में बताया है, जाहौता में, बात कर लेते हैं अभी।

**श्री रामचन्द्र सराधना** (जमवारामगढ़): ठीक है, धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्ष:** देवीशंकर भूतड़ा।

## आय-व्ययक अनुमान वर्ष, 2007-08 पर सामान्य वाद-विवाद

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजेजी ने राजस्थान सरकार का जो 2007-08 का बजट

(श्री देवीशंकर भूतड़ा)

रखा है उस पर चर्चा हो रही ? ...(व्यवधान) मैं आपसे पंगा ले सकता हूं क्या? मैंने तो बुलवाया है मेरे बीच में। जो राजस्थान सरकार ने बजट पेश किया है। आज इस बजट चर्चा के अंदर हमारे जो प्रतिपक्ष के साथी हैं, गुढामालानी से आये हुए माननीय सदस्य और नाथद्वारा से आये हुए माननीय वरिष्ठ सदस्य ने जो चर्चा की है, उसको सुनने के बाद ऐसा लगता है कि विपक्ष को बोलने के लिए कोई मुद्दा बचा नहीं है। जब मुद्दा नहीं होता है तो फिर छोटी-मोटी बातों पर चर्चा करके, जैसा अभी बाड़मेर से आये माननीय सदस्य के बारे में, रिफाइनरी के बारे में बोला तो उन्होंने वापस आकर के जवाब दे दिया। वैसे ही जो अन्य बाते हैं कि नौकरियों में भर्ती नहीं हुई, रिफाइनरी नहीं आयी या रोजगार के साधन नहीं मिले। यदि इस बजट भाषण को पूरी गहराई से अध्ययन करके देखें तो मैं समझता हूं कि हमारे प्रतिपक्ष के साथियों के भी समझ में आ जाता है कि सरकार ने क्या किया है। इस सरकार के कार्यकाल में ही जो कांग्रेस के, प्रतिपक्ष के साथी जो भर्तियों की बात करते हैं, नौकरियों की बात करते हैं इनके कार्यकाल में कौनसी नौकरियां दी गयीं? इनके कार्यकाल में यदि यह मन में सोचे तो किस विधवा, परित्यक्ता के बारे में सोचा गयी? किस विकलांग, वृद्धावस्था के बारे में सोचा गया। किसी के बारे में अपने पांच साल के कार्यकाल में सोचा हो तो आज यह बोल सकते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे में जब यह सत्ता में थे तब तो इन्होंने सोचा नहीं, लेकिन जो 2007-08 का बजट पेश किया गया है और उसमें माननीय मुख्य मंत्रीजी ने जो कल्याणकारी योजनाएं जनता के सामने रखी हैं। उसकी राजस्थान में ही नहीं अपितु सभी जगह भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। यह बजट वास्तव में गरीब के आंसू पोंछने वाला है। यह बजट विकलांगों के, विधवाओं के, वृद्धजनों के, परित्यक्ता के और विशेषकर अनुसूचित जाति और जनजाति के बंधुओं के लिए, समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों के लिए खुशी का पैगाम लेकर के आया है।

उपाध्यक्ष महोदय, यह बजट महिलाओं के समर्पित है। लेकिन यह हमारे प्रतिपक्ष के साथियों ने भी नहीं सोचा होगा। माननीय मुख्य मंत्रीजी ने इस बजट में हमारे प्राचीन इतिहास को याद किया, हमारी वीरांगनाओं की याद ताजा की, उनकी राष्ट्र भक्ति और शक्ति की याद ताजा की। इस बजट में

(श्री देवीशंकर भूतड़ा)

महिलाओं की भागीदारी प्रत्येक क्षेत्र में सुनिश्चित करके और जो महिलाओं को आगे लाने का जो बीड़ा उठाया है, वह मैं समझता हूं कि बहुत ही सराहनीय कार्य किया है क्योंकि हमारी संस्कृति में कहा जाता है कि महिला और पुरूष दोनों एक गाड़ी के पहिये की तरह हैं जो बिना एक-दूसरे के नहीं चल सकते हैं। लेकिन आजादी के बाद से ही यदि इस मातृ शक्ति को कोई सम्मान दिया तो हमारे पूर्व मुख्य मंत्री महामहिम शेखावत साहब के समय मिला था। उसके बाद माननीय मुख्य मंत्रीजी ने अपने कार्यकाल के शुरूआत में ही मातृ शक्ति को केन्द्रित करके किया और जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। अभी मेरे से पूर्व वक्ता जयपुर से आये माननीय सदस्य बहुत विस्तार से आंकड़ों के सहित बात कह रहे थे कि कितनी महिलाओं को माननीय मुख्य मंत्री वसुंधरा राजे के आने के बाद नौकरियां मिलीं और पूर्व की सरकार में कितना प्रतिशत था। मैं उन आंकड़ों में नहीं जाना चाहता। लेकिन महिलाओं को आगे लाने का जो बीड़ा उठाया है वह माननीय वसुंधरा राजे के नेतृत्व में ही सम्भव हुआ है।

उपाध्यक्ष महोदय, यह बजट उस समय आया जब महंगाई की मार झेल रही इस जनता की कमर सम्पूर्ण हिन्दुस्तान में टूट गयी है। उसके परिणाम भी सामने आये कि उत्तरांचल और पंजाब के जो चुनाव हुए हैं और उसके बाद जो परिणाम आये हैं वह साफ झलकाता है कि जनता यू.पी.ए. सरकार के बारे में, हमारे प्रतिपक्ष के साथियों के बारे में क्या सोचती है।

अभी मेरे पूर्व वक्ता ने मेड़ता का उदाहरण दिया, मैं भी वही उदाहरण बता रहा हूं, आप जिन दो उप चुनावों की बात कर रहे हैं डूंगरपुर और मेड़ता की, आपकी तो दो प्रदेशों में सरकारें ही हिल गई, अभी भी आपके समझ में नहीं आया और आप उन उप चुनावों को लेकर बैठे रहे तो बाद में आपकी समझ में विस्तार से आ जाएगा। जनता चाहती है कि आपकी इस केन्द्र की यू.पी.ए सरकार की समझ में आ जाएगा लेकिन वह परिणाम आने के बाद भी और आज तक की स्थिति में भी ऐसा लगता है कि उनकी कोई बात समझ में नहीं आई और महंगाई अपने परवान पर चढ़ रही है।

माननीय सदस्य अभी कह रहे थे कि बहुत तारीफ कर रहे हो, क्या तारीफ नहीं करनी चाहिए किसी की? जब अच्छा काम करे तो तारीफ तो करनी चाहिए लेकिन जो हमारे बारे में कह रहे हैं कि यह नहीं हुआ, वह नहीं हुआ लेकिन मैं समझता हूं कि सबसे बड़ा कोई मुद्दा है तो वह मुद्दा महंगाई का है और महंगाई के बारे में हमारे प्रधान मंत्रीजी तो बहुत गहरी निद्रा में

(श्री देवीशंकर भूतड़ा)

सोए हुए हैं। दो प्रदेशों के चुनाव परिणाम आ गए फिर भी आज तक राहत नहीं मिली। दूसरी तरफ हमारी मुख्य मंत्री वसुन्धरा राजे हैं जिन्होंने चौथा बजट पेश किया है उसमें उनके कार्य के परिणामों को देखते हैं तो राजस्थान जो कंगाली की ओर जा रहा था, जिसकी पहचान कंगाल राज्य के रूप में कर रहे थे, आज उसको विकसित राज्यों की श्रेणी में लाकर माननीय वसुन्धरा राजेजी ने खड़ा कर दिया फिर भी हमारे प्रतिपक्ष के सदस्य कहते हैं कि यह बजट तो केवल लोक लुभावना है, देखने में अच्छा लगता है। हमारे तीन साल कम्प्लीट हो गए, यह चौथा साल है, इसमें कीर्तिमान पर कीर्तिमान हम बनाते जा रहे हैं और आंकड़ों सहित हम बताते जा रहे हैं और इस बजट में भी बता दिया है। चौथा बजट देखकर यह साफ प्रतीत होता है कि यह राजस्थान की खुशहाली में मील का पत्थर साबित होगा।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मुझे यह समझ में नहीं आता कि जो काम हमने किए हैं उन सफलताओं को आप तो गिना नहीं सकते, आप तो कह नहीं सकते हो, हम आंकड़े सहित जब कहते हैं और माननीय मुख्य मंत्रीजी की हम तारीफ करते हैं, हम तो कहते हैं कि आप महंगाई कम कर दें तो हम आपके प्रधान मंत्री मनमोहन सिंहजी की भी तारीफ कर दें, जब वास्तव में अच्छे काम किए हैं और हम मुख्य मंत्रीजी की तारीफ कर रहे हैं तो हमारे प्रतिपक्ष के साथियों के पेट में मरोड़े उठने लग जाते हैं कि आप तारीफ मत करो, तारीफ करो तो हमें तकलीफ ज्यादा होगी लेकिन माननीय उपाध्यक्ष महोदय, कसूर इनका भी मैं नहीं मानता क्योंकि परिपाटी ही यही रही है, इनको सफलता तो एक दूसरे की ही नहीं सुहाए तो माननीय मुख्य मंत्रीजी की सफलता इनको कहां सुहाएगी क्योंकि इनकी कल्पना में जिस वक्त राज हमारे को सौंपा था, माननीय वसुन्धरा राजेजी के नेतृत्व में जिस स्थिति में इन्होंने सौंपा था, इन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि राजस्थान इस स्थिति में आकर खड़ा हो जाएगा तो कहते हैं कि जब कल्पना नहीं की होती है और जब कल्पना करते हैं कि यह काम किया इसका यह परिणाम आएगा तब तो आदमी को खुशी होती है लेकिन जब कल्पना के विपरीत परिणाम आता है तो तकलीफ हो जाती है। अब इनकी कल्पना में कोई इन्होंने तो यह सोचा कि हम जिस स्थिति में छोड़कर जा रहे हैं, इनके मन में कल्पना यही रही कि कोई मुख्य मंत्री आ जाओ, कोई कुछ कर नहीं पाएगा, जब हम नहीं कर पाए तो वह दूसरा क्या कर पाएगा इसलिए जब सफलता की बात करते हैं तो इनको दिक्कत हो जाती है।

(श्री देवीशंकर भूतड़ा)

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के बारे में पहले से ही यह कहा जाता है और हमारे बाड़मेर से आने वाले माननीय सदस्य तो बहुत बार कहते रहते हैं कि कांग्रेस और काल का चोली दामन का साथ रहा है। आप कह रहे थे कि बरसात नहीं होगी, वसुन्धरा राजे आई, हमारे साथ वर्षा का जोग है और आपके साथ काल का जोग है। अब कसूर आपका नहीं है लेकिन आजकल धीरे-धीरे काल के साथ-साथ और भी कई बातें जुड़ती जा रही हैं। पहले तो कांग्रेस और काल ही था आजकल कांग्रेस और काल के साथ कंगाली भी जुड़ गई, उसके साथ-साथ कालाबाजारी भी जुड़ गई, यह बिलकुल कटु सत्य है। मैं यह इसलिए कह रहा हूं कि जब केन्द्र में माननीय अटल बिहारी वाजपेयीजी का राज था तो उस वक्त की स्थिति को देख लो, पहले जो राज था आपका और अब जो राज है उसके बीच की तुलना कर लो या 1977 को आप याद कर लो। जब-जब दूसरों का राज आया तब-तब कंगाली भग गई और महंगाई दूर हो गई लाइन लोग भूल गए। केरोसिन खुला मिलता, गैस खुली मिलती, टेलीफोन खुला मिलता, हर चीज, दाल, चीनी, शक्कर, सारी चीजें ठेलों पर मिलती हैं। जब-जब आपका राज आया तो वह सारी कालाबाजारी शुरू, सारे गोदाम भर गए और त्राहिमाम्-त्राहिमाम् होना शुरू हो गया। यह आंकड़े कह रहे हैं, यह मैं नहीं कह रहा हूं इसलिए आजकल लोग कहते हैं इनके साथ-साथ यह भी जुड़ गया। आज महंगाई चरम सीमा पर है और ऐसे समय में जबकि आज लोगों में एक आम चर्चा है कि आटा जो रोज खाने की चीज है, दाल, चावल, घी, शक्कर और तो और गरीब आदमी के मकान बनाने की ईंट, चाहे सीमेंट हो, चाहे लोहा हो, चाहे दूध हो, हर चीज, ऐसा लगता है कि केरोसिन और डीजल या तो ये खा गए या पी गए, कोई चीज नहीं छोड़ी।

ऐसी परिस्थितियों में यदि राजस्थान की जनता को कोई मन में आस थी तो वह आस थी माननीय वसुन्धरा राजेजी से क्योंकि उनको पता था कि यदि एक महिला का बजट होता है वह उसके बारे में विस्तार से जान सकती है, माननीय वसुन्धरा राजेजी जो राजस्थान का नेतृत्व कर रही हैं वह तो कम से कम राहत देंगी जरूर, उनके मन में एक कल्पना थी और एक आस थी उस कल्पना और आस को पूरा किया मुख्य मंत्रीजी ने और जो बजट सामने आया उसको देखने के बाद आम जनता ने राहत की सांस ली है।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, जल्दी कनक्लूड कीजिए।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो बोलता ही बहुत कम हूं, जब आज बोला हूं, हमारे बाड़मेर से आने वाले माननीय सदस्य भी बोले हैं इसलिए मैंने तो अभी शुरुआत ही की है। मैं बहुत कम शब्दों में अपनी बात कहकर वास्तव में वैसे ही विराम लगा दूंगा।

इसमें कसूर किसका भी नहीं है क्योंकि राजस्थान सरकार की जो नीति बनती है वह नीति उद्देश्य को सामने रखकर बनती है, वह पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धान्तों के आधार पर बनती है तो इनकी नीति बनती है वह जगह से और वहीं जाकर खतम हो जाती है और हमारी नीति जो बनती है उसका उद्देश्य होता है कि हमारा जो पिछली पंक्ति, अंतिम पंक्ति में खड़ा आदमी है जो निचले स्तर का है, उसको इस राज का सुख पहुंचे तो हमारा राज में रहना ठीक है और वहां तक नहीं पहुंचे तो हमारा राज में रहना बेकार है। इसलिए जब यह बजट आया तो इस बजट के अंदर गरीब तबके के घरों में रोशनी के दीपक जल गए।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, 8 दिसम्बर, 2003 को माननीय मुख्य मंत्रीजी ने शपथ ली और शपथ लेने के बाद सचिवालय में पग फेरे के साथ ही राजस्थान पर जो कंगाली का दाग लगा हुआ था वह मिटने लगा और विकास की गंगा बहने लगी और आज राजस्थान देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है जहां राजस्व प्राप्तियां ज्यादा हैं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्र की नीतियों से महंगाई झेल रही राजस्थान की जनता को एक बहुत बड़ी राहत मिली है। मुख्य मंत्रीजी ने फिर अपने कुशल वित्तीय प्रबन्धन की अमिट छाप सम्पूर्ण देश पर छोड़ी है। सरकार ने भी न केवल ओवर ड्राफ्ट शून्य बनाया अपितु राजस्व वसूली में कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रदेश की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ होने के कारण राजस्व घाटे में जो कमी आयी है राजस्व सरप्लस दर्शा रहा है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह स्थिति भी तब है जब सेवानिवृत्ति पुन: आरम्भ होने से पेंशन का भार लगभग 700 करोड़ रुपये बढ़ गया है और वेतन में 11 प्रतिशत महंगाई भत्ता समाहित करने के साथ ही महंगाई भत्ते की सभी किश्तें जारी करने से हुई 600 करोड़ रुपये से अधिक वृद्धि के बावजूद भी बजट सरप्लस है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बजट भाषण में माननीय मुख्य मंत्रीजी ने यह सही कहा था कि याद आता है तीन साल पहले का समय जब कर्मचारियों को अपनी बेटी की शादी करने के लिए भी जी.पी.एफ. खाते से राशि निकालने

(श्री देवीशंकर भूतड़ा)

हेतु वित्त विभाग के चक्कर लगाने पड़ते थे। इसके साथ-साथ चाहे कर्मचारियों का बोनस हो, चाहे अन्य कोई भी सुविधा हो एक भी सुविधा का पता नहीं था और पूर्व मुख्य मंत्री गहलोत साहब जब कोई बात कहते थे, कोई विकास की बात हो या पैसे की हो तो एक ही बात थी कि हमारे पास खजाना खाली है, लेकिन आज वसुंधरा राजेजी के नेतृत्व में, भारतीय जनता पार्टी की सरकार के नेतृत्व में प्रदेश तीव्र गति से विकास की ओर बढ़ रहा है। आज राजस्थान का नाम देश में ही नहीं बल्कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर आदर से लिया जाता है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, चौथी बार लगातार फिर मुख्य मंत्रीजी ने राजस्थान के गरीब को गणेश मानकर पूजा की है और इस बजट में प्रत्येक वर्ग का आदर और सम्मान किया है और सभी वर्गों को समान रूप से देखा है।

किसी भी सरकार का यह पहला दायित्व होता है कि वह प्रदेश की जनता को आधारभूत सुविधाएं, पानी, बिजली, सड़क, चिकित्सा, सिंचाई उपलब्ध कराए। इन सुविधाओं का लाभ निचले स्तर तक पहुंचे इसकी समुचित व्यवस्था की जाए। इस बजट को देखने के बाद यह लगता है कि माननीय मुख्य मंत्रीजी ने सबसे ज्यादा चिन्ता की है तो इस गरीब तबके और निचले स्तर पर की है कि इनको सुदृढ़ कैसे किया जाए।

राजस्थान में महिलाओं व बच्चों की समाजिक व आर्थिक, शैक्षणिक स्थिति को सुधारने का इस बजट में पर्याप्त व्यवस्था की है। इस बजट में गांव में रहने वाले उस गरीब परिवार की भी चिन्ता की गई है जिसके पास रहने के लिए कोई भूखण्ड या मकान नहीं है और 1996 के बाद उसका कब्जा निरन्तर चल रहा है उसको भी नि:शुल्क नियमित करने की घोषणा कर एक सराहनीय कार्य किया है।

शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ 1500 नये आंगनबाड़ी केन्द्र मुख्य मंत्री बालिका सम्बल योजना, मैं बहुत विस्तार से नहीं जाना चाहता क्योंकि पूर्व में जयपुर से आने वाले माननीय सदस्य ने बताया, निर्मल घाट जैसे अनेक सराहनीय कार्य हाथ में लिये हैं और बजट में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 20 करोड़ रुपये का कार्यक्रम हाथ में लिया है। शिक्षित बेरोजगारों की वर्षों पुराने उनके भत्ते की मांग पूरी की गई है। गैर संगठित कामगारों की चिन्ता माननीय मुख्य मंत्रीजी ने की है। कंट्रीब्यूटरी पेंशन योजना लागू कर सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आर्थिक रूप से समाज के पिछड़े हुए लोगों का चिन्हीकरण कर आवश्यकताओं का आकलन

(श्री देवीशंकर भूतड़ा)

कर आर्थिक, पिछड़ा आयोग गठित करने की भी बात कही है। माननीय मुख्य मंत्रीजी ने शिक्षा को एक बार फिर विशेष महत्व दिया है जो कि पिछले तीन बजट से देते आ रहे हैं। केन्द्र सरकार ने भले ही मिड डे मील की योजना को उच्च प्राथमिकता देने की बात कही है, लेकिन उन्होंने साथ-साथ एक बात यह भी कही है यह पिछड़े ब्लाक तक ले जाएंगे, लेकिन माननीय मुख्य मंत्रीजी उनसे एक कदम आगे बढ़ी हैं और उन्होंने कहा जो बाकी बच जाएंगे उनके लिए मिड डे मील की राजस्थान सरकार उसकी पूर्ति करेगी, मैं समझता हूं इससे बढ़िया सराहनीय कार्य हो नहीं सकता। विद्यालयों को क्रमोन्नत करने की भरपूर व्यवस्था राजस्थान सरकार के बजट में पिछले तीन साल से चल रही है, इसको निरन्तर जारी रखा है। संस्कृत शिक्षा पर भी ध्यान दिया है। अल्पसंख्यकों के बारे में भी इस बजट में शैक्षणिक उत्थान पर पूरी चिन्ता की गई है। इसके साथ ही सरकार ने शिक्षा के प्रति गंभीर होते हुए अनुदानित शिक्षण संस्थाओं की भी वर्षों पुरानी समस्याओं पर गौर करने के लिए एक विधेयक लाने की घोषणा माननीय मुख्य मंत्रीजी ने इसी बजट में की है।

युवाओं के सर्वांगीण विकास की बात खेलकूद को विशेष महत्व देते हुए की है। किशोर, युवा नीति बनाने की घोषणा की। हर पंचायत स्तर पर खेल का मैदान हो, खेल के साधन हो यह चिन्ता की है। तहसील स्तर पर स्टेडियम हो, पंचायत स्तर पर ग्रामीण युवा केन्द्र खोलने की बात कही है। ये सारे कार्य ऐसे हैं जो खिलाडियों को प्रोत्साहित करने की बात है। इसके साथ साथ राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर जो प्रतियोगी राजस्थान के नाम को गौरवान्वित करते थे उनको भी प्रोत्साहित किया है और जो पहले नाममात्र की राशि दी जाती थी मैं समझता हूं पर्याप्त राशि बढ़ाकर खिलाड़ियों को आगे लाने का प्रयास किया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हर क्षेत्र में, चिकित्सा के क्षेत्र में भी माननीय मुख्य मंत्रीजी ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था हेतु कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की शुरुआत की है जिसमें विशेषकर राज्य में हर जगह चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो इस हेतु बजट में पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इस सुविधा को निचले स्तर तक ले जाने का प्रयास किया है और जहां तक नहीं पहुंच सके वहां डाक्टर आपके द्वार और संभागीय मुख्यालयों पर मेडिकल सर्जिकल यूनिट की स्थापना कर निचले स्तर तक ग्रामीण क्षेत्र में ये सेवाएं पहुंचे इसकी चिन्ता की। इसके साथ ही 238 अस्पतालों में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करना,

(श्री देवीशंकर भूतड़ा)

आवश्यक औषधियों को नवीन आधुनिक उपकरण हेतु भी 60 करोड़ की व्यवस्था कर बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसके साथ पांच जिला अस्पतालों, 23 रेफरल चिकित्सालयों, 58 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के पुनरुद्धार औरजीर्णोद्धार और मरम्मत हेतु भी 60 करोड़ की व्यवस्था की है।

पेयजल, विद्युत, सिंचाई के अंतर्गत राज्य सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किया है और आगे भी मैं समझता हूं कि पेयजल व सिंचाई के अंदर इतना ऐतिहासिक कार्य हुआ है कि पेयजल में वर्षों पुरानी योजनाएं लंबित पड़ी थीं उनको आगे बढ़ाया है और चाहे जयपुर हो, बाड़मेर हो, चाहे नागौर हो हर क्षेत्र का ध्यान रखते हुए यहां पर पीने का पानी तो कम से कम मिलना चाहिए और सिंचाई की भी वर्षों पुरानी योजनाएं थीं उन योजनाओं की क्रियान्विति की जा रही है और उसके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं। सिंचाई के क्षेत्र में तो 70 के दशक से 135 परियोजनाएं लंबित थीं उसमें से 106 को पूर्ण कर दिया और जो 29 बचे हुए हैं उनको भी इस बजट में आने वाले समय में पूर्ण करने की बात माननीय मुख्य मंत्रीजी ने की है। सड़क के क्षेत्र में तो मैं समझता हूं कि इस बजट में बहुत विस्तार से बताया गया है, लेकिन मैं बहुत कम शब्दों में कहूंगा क्योंकि किसी भी प्रदेश का विकास सड़क पर बहुत निर्भर करता है। सड़क के अंदर नई-नई सड़कें, पक्की सड़कों से जोड़ना, उनके उन्नयनीकरण, बाइंडिंग, जिले में आदर्श सड़क, उपमार्ग और आर.ओ.बी. तथा उसके साथ-साथ जो वर्षों से शहर के लोग पीड़ित थे कि जब पानी भर जाता था वहां पर सी.सी. रोड बनाकर एक अनुकरणीय कार्य किया है। उसके साथ साथ अभी मिसिंग लिंक की भी 2000 किलोमीटर की घोषणा करके आम विधायकों की आवाज थी कि यह काम शुरू होना चाहिए वह शुरू करके एक ऐतिहासिक कार्य किया है।

समाज कल्याण के अंदर निर्बल और निर्धन वर्गों को संबल देना माननीय मुख्य मंत्रीजी की प्राथमिकता रही है और केन्द्र से सहयोग चाहे कम मिले, लेकिन माननीय मुख्य मंत्रीजी की यह प्राथमिकता है कि इन वर्गों के लोगों पर कोई कटौती नहीं होनी चाहिए इसलिए बी.पी.एल. परिवारों को सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बजट में पूरी व्यवस्था की गई है। विधवाओं और विकलांगों की 250 रुपये की पेंशन थी उसको 400 रुपये करके, पालनहार योजना को आगे बढ़ाते हुए 600 रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की। विधवा महिला की शादी में 15 हजार रुपये पेंशन थी उसको एकमुश्त 26 हजार रुपये देने की बात की

गई है। प्राप्त करने वाली महिला को एकमुश्त मिलेंगे। विकलांग व्यक्ति भी यदि स्वावलम्बी बनना चाहे तो उसको एकमुश्त 15 हजार रुपये देने की बात की है। अनुसूचित जाति और जनजाति के क्षेत्र में जो पिछले तीन साल से पहले के पांच सालों का जो बैकलाग पड़ा था उसको भरने में तीव्रता लायी गई है। अनुसूचित जाति की समस्याओं का समाधन करके डा. भीमराव अम्बेडकर के सपने को माननीय मुख्यमंत्री वसुंधरा राजेजी ने साकार किया है। शहरी हो, चाहे ग्रामीण क्षेत्र हो, हर क्षेत्र में मैं समझता हूं अनेक योजनाओं का समावेश किया गया है। गांवों के समग्र विकास हेतु पिछले वर्ष दीनदयाल उपाध्याय आदर्श योजना प्रारंभ की थी उसमें 100 गांवों को और सम्मिलित किया गया है।

केरल के बाद राजस्थान दूसरा प्रदेश है जहां जन भागीदारी जिला प्लान तैयार किया गया। जिला प्लान में चिन्हित किये गये स्थानीय प्राथमिकता के स्थायी सम्पत्ति के कार्य करने के लिए प्रावधान कर प्रत्येक जिले को एक करोड़ देने की इस बजट में बात कही है।

पर्यटन, कला व संस्कृति, प्रशासनिक सुधार इसमें हर क्षेत्र में कार्य किया है। चाहे पुलिस का क्षेत्र हो, काफी समय से पुलिस के बारे में जो हालत थी...

**श्री उपाध्यक्ष:** समाप्त करें। करीब-करीब सब बातें आ गईं।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): चोरी और बलात्कार होते हैं यह पुलिस की अपर्याप्त व्यवस्था की वजह से था। राजस्थान सरकार ने इस बात को समझा और पुलिस में जब भर्ती की जो प्रक्रिया शुरू की गई थी, इसको भी आगे बढ़ाया। अब माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण बात कहने जा रहा हूं। दो मिनट लूंगा, मैं ज्यादा नहीं लूंगा। राज्य में नये जिले बनाने की एक बात कही गई है उसमें माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने अपने बजट में जनजाति की विशेष आवश्यकताओं व आकांक्षाओं का ध्यान रखते हुए प्रतापगढ़ को जिला बनाने की घोषणा की, निश्चित तौर पर वह स्वागत योग्य कदम है और मैं उनको धन्यवाद देता हूं कि इस आदिवासी एरिया में जहां वास्तव में आवश्यकता थी, जिला बनाया, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, लेकिन मैं आपके माध्यम से एक निवेदन करना चाहता हूं कि जो ब्यावर क्षेत्र है वह जिला बनाने की मांग पिछले 50 वर्षों से चली आ रही है और नवम्बर, 1956 में, मैं माननीय मुख्य मंत्रीजी को ध्यान दिलाना चाहता हूं।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): ब्यावर जिला नहीं बनना चाहिए, अकेले ब्यावर से क्या होता है आप रायपुर और जैतारण को मिलाना चाहते हैं, हम आपके साथ करने को तैयार नहीं हैं।

**श्री उपाध्यक्ष:** आपके कहने से थोड़े ही रूकेंगे वह।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): ये विरोध मेरा नहीं करते, यह अपने पूर्व साथी का कर रहे हैं क्योंकि वह जिला बनाने की कमान अकेले ने संभाल रखी है इसलिए कर रहे हैं। (व्यवधान) माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण बात कहने जा रहा हूं। नवम्बर, 1956 में जब अजमेर मेरवाड़ा को राजस्थान प्रदेश में मिलाया गया था तो इस आशय से विलिनीकरण किया गया था, यह आश्वासन दिया गया था कि अजमेर को प्रदेश की उप राजधानी बनाया जाएगा और ब्यावर को जिला बनाया जाएगा। उसको जिला बना दिया और उसको उप खण्ड बना दिया और यह उस समय के लोगों ने तो ब्यावर के साथ अन्याय किया ही, आप चाहे उस वक्त राज में थे, उन्होंने किया लेकिन मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्रीजी को जरूर ध्यान दिलाना चाहता हूं कि चुनाव के ठीक पहले परिवर्तन यात्रा और पिछले तीन साल में माननीय मुख्य मंत्रीजी का तीन बार ब्यावर आगमन हुआ। ब्यावर आगमन पर जो उनसे स्नेह मिला और जो प्यार मिला, जो ममतामयी रूप ब्यावर की जनता ने देखा तो ब्यावर की जनता के मन में यह आस लगी कि पिछले 50 साल से जरूर अन्याय हो रहा है लेकिन इस बार ब्यावर जिला बन जाएगा लेकिन बजट में जब ब्यावर जिला नहीं बना और घोषणा नहीं हुई तो भी ब्यावर की जनता निराश नहीं हुई है, न ब्यावर की जनता की आस टूटी है। ब्यावर की जनता के मन में अभी भी यही है कि यदि जिला बन सकता है, यदि ब्यावर के साथ हुए अन्याय को कोई न्याय दिला सकता है तो वसुंधराजी ही हैं।

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): आप तो एक ही बात पूरी करा लो, ब्यावर को जिला बनवा लो, आपका बजट सफल हो जाएगा।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): मैं देख लूंगा।

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): आपका बजट सफल हो जाएगा, आप तो ब्यावर को जिला बनवा लो।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): माननीय सदस्य महोदय, मैं कह दूंगा।

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): मौके की बात है ले लो। (व्यवधान)

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): इसलिए आज भी विश्वास है कि यदि ब्यावर जिला बनेगा तो वह जिला माननीय मुख्य मंत्री वसुंधरा राजेजी ही

बनाएंगी क्योंकि आपका तो मैंने 50 साल का और बीच का इतिहास बता ही दिया और जो अभी माननीय रायपुर से आने वाले सदस्य वह भी ब्यावर में मिलने के लिए लालायित हैं। वह उनके मन में नहीं है।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): आप गलत कहते हो, हम तो कहते हैं ब्यावर को रायपुर में मिलाया जाए या सोजत को जिला बनाया जाए क्योंकि यह दोनों जगह बीच की हैं, आप अकेले ब्यावर के हो आपका भीम क्षेत्र चला गया, केकड़ी आप में आ नहीं सकता फिर ब्यावर क्यों ?

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): यह सोजत के लिए इनसे कहलवा रहे ? (व्यवधान)

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं इसलिए कह रहा हूं कि अजमेर जिला शैक्षणिक, व्यावसायिक, मैं डिटेल में जाऊं, प्राकृतिक दृष्टि से एक अनूठा नगर है और ब्यावर एक अरावली पर्वतमालाओं, मगरांचल में बसा हुआ औद्योगिक नगर है और इसका आधा हिस्सा ग्रामीण व आधा शहरी है जो विशेष परिस्थितियों का हवाला प्रतापगढ़ के लिए कहा है। मैं इस बात की ओर विशेष रूप से ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इसका जो आधा हिस्सा है वह पहाड़ी है मगरांचल है, जो एरिया है उसके जो गांव हैं वह माउंट आबू से करीबन दो फीट नीचे ही मतलब इतनी ऊंचाई पर भी गांव बसे हुए हैं, वहां के जो लोग हैं उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं है वह जो लोग हैं उनकी एक बीघा भी मुश्किल से औसतन जमीन कोई मिल जाए तो मुश्किल है। बाकी उनके प्रत्येक परिवार का एक व्यक्ति सेना के अन्दर इस देश की रक्षा कर रहा है और उनके लिए जो भरणपोषण की व्यवस्था है वह केवल मजदूरी करते हैं। इसके अलावा, उनके पास में कोई साधन नहीं है और अभी जो कर रहे थे विरोध, यही ब्यावर, भीलवाड़ा, राजसमंद, पाली, नागौर जहां से आसपास इनकी सीमाएं मिलती हैं ब्यावर से, जहां के अधिकांश लोगों की रोजी-रोटी का साधन है और जो काम है वह सारा ब्यावर पड़ता है, वह ब्यावर ही आता है।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): सवाल ही नहीं।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): इसलिए मेरा आपसे विनम्र आग्रह है कि ब्यावर एक अत्यन्त पिछड़ा और गरीब क्षेत्र है जो औसतन जमीन एक बीघा से ज्यादा नहीं है और इस क्षेत्र का इन लोगों को जो कि माननीय मुख्य मंत्रीजी की मंशा है कि पिछड़ों को, गरीबों को न्याय मिलना चाहिए।

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): माननीय सदस्य, बनवाओगे किससे ? न मुख्य मंत्रीजी हैं, न राजेन्द्रजी राठौड़ हैं, किससे बनवाओगे जिला आप? (व्यवधान) आप मांग किससे रहे हो जिला ? बताओ। यहां दिगम्बरजी तो खुद ही जिला मांग रहे हैं डीग के लिए ...(व्यवधान)

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): मैं यह कह रहा हूं कि जब ब्यावर की जनता के टैंशन नहीं है तो आप क्यों टैंशन में हो।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): ब्यावर में गरीबों का क्या काम है ? माननीय सदस्य महोदय, ब्यावर में तो सारे धनाढ्य लोग रहते हैं, सेठों की नगरी है। (व्यवधान).

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): सक्षम कोई भी नहीं है जिला बनाने के लिए। (व्यवधान)

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): आप भी राज में पीछे रहोगे इनके। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य। (व्यवधान)

**डा. ओ. पी. महेन्द्रा** (उप मुख्य सचेतक): माननीय सदस्य महोदय, ये उपाध्यक्षजी के माध्यम से मांग रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): एक बात मैं और कहना चाहता हूं। (व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): फलौदी के चक्कर में बहुत पैसे लगे हुए हैं। आज तक सफलता नहीं मिली है। (व्यवधान)

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनका बिलकुल भी कसूर नहीं मानता हूं क्योंकि इनको पता है, न तो ये अपने प्रतिपक्ष के नेता की मानते हैं, न कुछ कहेंगे तो वह कुछ कहेंगे तो वह इनकी नहीं मानते हैं।

**श्री उपाध्यक्ष:** उसको छोड़ो आप।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): लेकिन हमारी यह परम्परा नहीं है।

**श्री उपाध्यक्ष:** समाप्त कीजिए।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): हमें विश्वास है कि हमारी बात ठीक जगह पहुंच रही है और हमें पूरा विश्वास है जब हमारे को विश्वास है, आप क्यों टैंशन में आओ हंडरेड परसेंट होगा। (व्यवधान) यदि ब्यावर जिला घोषित भी हो जाए, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, तो इन गरीबों का उत्थान हो सकता

है, इन पहाड़ी लोगों का उत्थान हो सकता है इसलिए यह ब्यावर जिला यदि बनता है तो केवल वह ही नहीं प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण और सुविधाजनक हो सकता है, प्रशासनिक दृष्टि से मैं कह रहा हूं।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): भूतड़ा साहब, आप तो मुख्य मंत्रीजी की मौजूदगी में कहना यह, ढाई मंत्री तो उनकी चरण पादुकाएं लेकर बैठे हैं।

**श्री उपाध्यक्ष:** सब नोट हो रहा है।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): माननीय सुमेरपुर से आने वाले माननीय सदस्य, क्या लेकर बैठे हैं, उनकी चिंता आप छोड़ो। जिला बनाने से मैं एक और निवेदन करना चाहता हूं माननीय उपाध्यक्ष महोदय से कि जो जिला बनेगा उसे जिला बनाने से क्योंकि सरकार के ऊपर बहुत ज्यादा अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ेगा, वहां अधिकांशत: सभी कार्यालय हैं।

**श्री उपाध्यक्ष:** आ गई बात आपकी, कन्क्लूड कीजिए।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि जिला बनाने से औद्योगिक क्षेत्र का भी विकास होगा और औद्योगिक दृष्टि से मैं समझता हूं सीमेंट के अन्दर यह राजस्थान में ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान में इस ब्यावर क्षेत्र का क्योंकि जो भी आसपास के लगे हुए हैं वह डवलप जब हो सकते हैं कि जब ब्यावर जिला बन जाए और उसका राजस्व राजस्थान सरकार को प्राप्त होगा।

**श्री उपाध्यक्ष:** कृपया समाप्त कीजिए। आपको दो मिनट का समय दूंगा, 5-7 मिनट का समय और ले लिया आपने।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): वसुंधरा राजेजी के नेतृत्व में जब राजस्थान में सरकार बनी।

**श्री उपाध्यक्ष:** आपकी मुख्य मांग आ गई।

**श्री देवीशंकर भूतड़ा** (ब्यावर): दो मिनट के अन्दर ही खतम कर रहा हूं। राजस्थान प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है तो मैं ब्यावर के लिए केवल दो बात कह कर अपनी बात को विराम देता हूं। (व्यवधान) कि ब्यावर में ऊन मण्डी को विकसित करने की प्रबल संभावना है, वहां 25 यूनिटें लगी हुई हैं, 50 यूनिटें और आ सकती हैं इसलिए नये रीको को करने का प्रस्तावित भी है लेकिन वह किसी कारण से रूका हुआ है उसको मैं समझता हूं विशेष सुविधाएं देकर वहां पर खनिज और सीमेंट उद्योग विकसित हो सकता है इसलिए मेरा

(श्री देवीशंकर भूतड़ा)

आपके माध्यम से निवेदन है कि इस बारे में विशेष ध्यान दिलाने का कष्ट करें और एक पेयजल की भारी किल्लत रहती है लेकिन पिछले तीन साल के अन्दर बहुत पेयजल का वहां आराम मिला है लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के अन्दर बीसलपुर का पानी पहुंचे इसलिए इस कार्य को तीव्र गति से कराने की बात समयबद्ध कार्यक्रम पूरा हो जाए और ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल पहुंच जाए और शहर में व्यवस्था हो क्योंकि वर्षों पुरानी, 50 साल से पाइप लाइनें डली हुई हैं और सब पुरानी हो गई उनको ठीक कराने की एक योजना यहां भेजी हुई है 11.63 करोड़ की वह स्वीकृत हो जाए, यही मेरा आपसे आग्रह है और केवल एक लास्ट में बात कह कर अपनी बात को विराम कर रहा हूं।

इसके साथ ही एक ब्यावर के अन्दर तिलपट्टी के लिए भी निवेदन करना चाह रहा हूं। पिछली बार साढ़े 12 परसेंट उसमें कर लगा दिया गया था लेकिन उसके अन्दर माननीय मुख्य मंत्रीजी के ध्यान में जब लाया तो सिद्धांत: उन्होंने स्वीकार कर लिया, वह गजक रेवड़ी में एक साथ था तो उसमें तिलपट्टी रह गई, उनके ऊपर टैक्स लग गया, 20-25 परिवार काम करते हैं, जो पूरी गरीब जाति है इसलिए तिलपट्टी के ऊपर से टैक्स हटाने का जो ध्यान से रह गया है कहीं, इसको तुरन्त करमुक्त किया जाए और महोदय, मैं एक बात और करके अपनी बात को खतम करना चाहूंगा। अंत में, मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि परिवार में तकलीफें जो होती हैं। यदि परिवार में सबसे ज्यादा नजदीक से उस तकलीफ को समझ सकता है तो वह हमारी मातृशक्ति है, इसके अलावा, चाहे पुरूष होंगे, वह सारी व्यवस्थाएं करते होंगे लेकिन वह समझ नहीं पाते हैं, समझ पाती है केवल एक मातृशक्ति के नाते हमारे घर में जो भी महिला है वह। राजस्थान का पहली बार एक मातृशक्ति ने नेतृत्व किया और उस नेतृत्व करने के परिवार सामने आये कि जनता को एक परिवार की तरह माना, चाहे वह किसी भी धर्म का हो या जाति का हो या गरीब है, अमीर है, अनुसूचित जाति हो, पिछड़ी जाति हो, कोई भी धर्म हो उसको मुख्य मंत्री ने एक परिवार के मुखिया की तरह से उनकी समस्याओं का निदान किया। उसी का नतीजा हुआ कि कितने भी संकट आये, कैसे भी संकट आये लेकिन उनको झेलते हुए खुशहाल और आत्मनिर्भर राजस्थान बने इस सपने को साकार करने में हमारी मुख्य मंत्री लगी हुई हैं। माननीय मुख्य मंत्रीजी का एक ही सपना है और हम सबका एक ही सपना है। इस आशा और विश्वास के साथ कि नई सुबह का नया सूरज सबके लिए सुख और समृद्धि लाये। धन्यवाद। आपने जो समय दिया उसके लिए धन्यवाद।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री जयराम जाटव।

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): 10 मिनट में। माननीय उपाध्यक्षजी, बहुत-बहुत धन्यवाद। 9 मार्च, 2007 को राजस्थान के इस पवित्र सदन में हमारे प्रदेश की मुख्य मंत्री माननीय वसुधराजी ने...

**श्री उपाध्यक्ष:** समय ज्यादा है इनका।

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): जो बजट प्रस्तुत किया उस बजट को सत्ता पक्ष और विरोधी पक्ष के सब माननीय सदस्यों ने देखा है। इस बजट में 2007-08 का जो आय-व्ययक का ब्यौरा है उसको हमारे लोगों के साथ-साथ विरोधी पक्ष के लोगों ने विस्तार से पढ़ा है और ये देख रहे हैं कई दिन से कि इसमें सत्ता पक्ष की, सरकार की कहां खामियां मिले। मैं, माननीय उपाध्यक्षजी, आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्रीजी को धन्यवाद प्रस्तुत इसलिए करना चाहता हूं कि यह जो आय-व्ययक का बजट है यह 101 पेज का है और इसमें जो विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जो राजस्थान को और राजस्थान के शिक्षित बेरोजगार को, राजस्थान की महिलाओं को, राजस्थान के अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के जो शिक्षित बेरोजगार हैं उन सबके लिए कहां किस तरीके का स्थान हो, कैसा उनका रोजगार हो, इस सब को जो 334 पैरा के माध्यम से कहीं न कहीं जो 11638 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया है, इस बजट को देखकर के हमारे प्रतिपक्ष के कुछ जो माननीय सदस्य थे उनकी चिंताएं जाग्रत हो गईं कि यह बजट हर वर्ष बढ़ता जा रहा है इस बजट को कैसे खर्च किया जाएगा। जो गत वर्ष का बजट था उस बजट को हमारी राजस्थान सरकार में जो माननीय मंत्री थे चाहे वह चिकित्सा मंत्री था, चाहे वह शिक्षा मंत्री था, चाहे पी.डब्ल्यू.डी. मंत्री था, उन सभी मंत्रियों ने इतनी तीव्र गति से, इतनी मुस्तैदी से खर्च किया कि उसको खर्च करने से हमारे राजस्थान की जो 6 करोड़ की जनता है उसको उसका लाभ मिला। मैं गर्व के साथ कह सकता हूं, मैं बार-बार उन मंत्रियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, माननीय मुख्य मंत्रीजी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि जब मैं सदन में नहीं आया था तो हमारे यहां कांग्रेस के माननीय सदस्य अनुसूचित जाति और जनजाति की दुहाई दे रहे थे, बैक-लाग की बात कर रहे थे। जब कांग्रेस का राज था, हमने देखा था, हमारे यहां नहीं पूरे राजस्थान में बिजली और पानी के लिए आंदोलन होते थे। क्यों होते थे? राजस्थान की आजादी के 57 साल के बाद तक भी जो जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए थीं वो नहीं कराई। ये लोग भाषण जरूर देना जानते हैं कि हम अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों के

(श्री जयराम जाटव)

हितैषी हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं कि अलवर जिले के उस क्षेत्र का मैं रहने वाला व्यक्ति हूं जहां माननीय जुबेर भाई जानते हैं कि वह मेवात क्षेत्र है जहां 30-30 किलोमीटर दूर तक कोई सड़क नहीं थी, कोई प्राथमिक शाला से बड़ा स्कूल नहीं था। हमारी सरकार की नीतियों के माध्यम से वहां 30-30 किलोमीटर दूर तक प्रधानमंत्री सड़क योजना की जो सड़कें गईं, अगर नीतियां लागू हो जातीं, केन्द्र की जो निर्धारित नीतियों को हम लोग यहां लागू करते हैं उनकी हम क्रियान्विति नहीं कर पाते तो राजस्थान को न सड़क मिलती, न स्कूल मिलता। राजस्थान में अनुसूचित जाति की बात नहीं है, शिक्षित बेरोजगारों के लिए तृतीय श्रेणी की लोक सेवा आयोग के द्वारा ईमानदारी से जो भर्तियां की गईं इसकी प्रशंसा पूरा देश करता है, इसकी प्रशंसा सभी वर्ग के लोग करते हैं।

माननीय उपाध्यक्षजी, आज जो यह चर्चा हुई, मैं इस चर्चा में ज्यादा लम्बी बात नहीं कहूंगा, एक तो मैं माननीय मुख्य मंत्रीजी को धन्यवाद इसलिए देना चाहता हूं कि जो गांव का व्यक्ति है, जो सम्पन्न व्यक्ति है वह गांव से निकलकर के शहरों में पलायन कर गया पूरे राजस्थान का चाहे वह किसी जाति, धर्म का है। गांव में गरीब व्यक्ति कौन बचा है चाहे वो किसी जाति का हो, छोटा किसान और अनुसूचित जाति, जनजाति का व्यक्ति बचा है। अगर राजस्थान की इस धरती पर राजस्थान की 6 करोड़ की जनता में जो गांवों में 75 प्रतिशत से अधिक लोग रहते हैं उन गरीबों की अगर चिंता की है, किसान की चिंता की है तो हमारे प्रदेश की मुख्य मंत्री और हमारी सरकार ने की है और आज वहां चाहे उच्च प्राथमिक विद्यालय खोले, चाहे उप स्वास्थ्य केन्द्र खोले, चाहे पीने के पानी की व्यवस्था की। अब मैं इस बात को सदन में ईमानदारी से कह रहा हूं कि जब मैं जीतकर के आया था, मेरे विधान सभा क्षेत्र में लगभग 200 गांव थे उन 200 गांवों में लगभग 60 गांव ऐसे थे जिनमें अधिकांश अनुसूचित जाति के लोग हैं या दूसरी जाति के जो लोग बहुत गरीब हैं वो रहते हैं और वहां पीने के पानी की व्यवस्था नहीं थी, मैं धन्यवाद देना चाहता हूं हमारे पी.एच.ई.डी. मंत्री, सिंचाई मंत्री श्री सांवर लालजी जाट को कि पिछले दो साल के बजट के माध्यम से हमारे 70 गांवों में पी.एच.ई.डी. की स्कीम बनाकर के उस गरीब के दरवाजे पर पानी पहुंचाया। इसके साथ-साथ मैं शिक्षा मंत्रीजी को इसलिए धन्यवाद देना चाहता हूं, मैं अनुसूचित जाति का व्यक्ति हूं, माननीय उपाध्यक्षजी, हम उद्योगपति नहीं हैं, हम बहुत बड़े किसान

(श्री जयराम जाटव)

नहीं हैं, हम सोचते हैं कि अपने भाई को, अपने बेटे को पढ़ाकर के बी.ए. कराकर, बी.एड. कराकर के एक मास्टर की नौकरी लग जाएगी, तनख्वाह दिला देंगे। कांग्रेस के राज में अनुसूचित जाति और जनजाति के जो छात्र थे उन्होंने पढ़ना बंद कर दिया था और एक मानसिकता बदल गई थी कि अब नौकरी नहीं मिलेगी। आज हमारी सरकार जो चौथा बजट विधान सभा में पेश कर रही है, इसकी हम ही प्रशंसा नहीं कर रहे हैं, इसकी आम जनता प्रशंसा कर रही है कि योजनाओं के माध्यम से अगर इस प्रदेश को सही दिशा देने वाली सरकार आई है आजादी के बाद तो वसुंधराजी के नेतृत्व में सरकार राजस्थान में चल रही है वह आई है। मैं अनुसूचित जाति की बात कर रहा हूं, अगर 60 हजार अध्यापकों में लगभग 33 प्रतिशत, 30 प्रतिशत अनुसूचित जाति, जनजाति के छात्र होंगे और उन लोगों के दरवाजे पर जिनके दरवाजे में, जिन घर में शिक्षा का नहीं, किसी भी तरह का दीपक नहीं जलता, रोशनी का दीपक अगर जलाया है, अगर रोशनी दी है तो हमारी सरकार ने दी है, हमारे मुख्य मंत्रीजी ने दी है। शिक्षा मंत्रीजी के नेतृत्व में जो केन्द्र में सर्व शिक्षा अभियान के माध्यम से जो यहां के सुझाव गये हैं, इतने अच्छे योग्य मंत्री थे, यहां के सुझाव गये, वहां कई प्रदेशों की बात थी, वहां मिलकर के इस बात को एक्सैप्ट किया, स्वीकार किया कि ये योग्य मंत्री हैं। इसी तरह से मैं आपको कहना चाहता हूं कि आज जो बजट पर चर्चा चली, कई लोगों ने कहा कि हमारे यहां बजट में यह नहीं है, जो आदमी घूमता है, जो आदमी भ्रमण करता है उस आदमी को पता चलता है कि गरीबी क्या है और अमीरी क्या है? मैं व्यापारियों के बीच में भी जाता हूं, जब हमारे यहां चौथा बजट प्रस्तुत किया, हर वर्ग के लोगों ने इस बात को सराहा है। व्यापारियों ने कहा कि अगर कोई राज करना जानता है तो भारतीय जनता पार्टी जो राजस्थान में राज कर रही है वह जानती है। अगर किसी का टैक्स घटाया, उसके सरलीकरण से टैक्स की हमारे पास आमद हुई, हमारा राजस्व बढ़ा और इसका परिणाम रहा। कुशल प्रबन्धन उसको कहते हैं। कुशल प्रबन्धन के माध्यम से जो हमारे राजस्थान में कर्मचारी हैं, जो पूरे प्रदेश की सेवा करते हैं, जो समय पर जाता है आफिस में और जो क्रियान्विति करता है उसको समय पर तनख्वाह मिली। तनख्वाह के साथ-साथ उनको महंगाई भत्ता दिया। माननीय उपाध्यक्षजी, मैं इस मंच के माध्यम से आपके द्वारा कुछ मांग जरूर करना चाहता हूं। चूंकि, यह चौथे साल का बजट है, हमारे यहां शिक्षा के माध्यम से शिक्षा में अभी इतना आमूल-चूल

परिवर्तन किया। माननीय मुख्य मंत्रीजी जब यहां विधान सभा में भाषण दे रहे थे, मैं ताज्जुब कर गया, बाहर जब मैं गया तो चर्चा थी कि माननीय मुख्य मंत्रीजी ने दो घंटा और 19 मिनट में जो भाषण पढ़ा उसमें पानी नहीं पिया। कुछ लोग यह चर्चा भी कर रहे थे और मैं कह भी रहा हूं कि मुख्य मंत्रीजी ने पानी नहीं पिया, विरोधियों को पानी पिला दिया।

इस चार साल के शासन में हमारी नीयत ठीक थी। हमारी कथनी और करनी में फर्क नहीं था। अगर कथनी और करनी में फर्क है तो कांग्रेस के माननीय सदस्यों में है।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): वहां पानी के अलावा कुछ और भी पिलाया है। पानी के अलावा कुछ और भी पिलाया है। (व्यवधान)

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): मैं यह कह रहा था कि हमारी कथनी और करनी में फर्क नहीं है, इस बात को जनता स्वीकार करती है। जब-जब भी हमारे राजस्थान में चुनाव आये, आपने देखा होगा कि हमारे नगरपरिषदों के चुनाव हम जीते, हमारे उप चुनावों में हमजीते और हम कहां नहीं जीते? जब यहां पर केन्द्र की जो बेरोजगारी की बात आई, महंगाई की बात आई, उसके परिणाम आये पंजाब और उत्तरांचल में तो ऐसा नहीं है, जनता जानती है। जनता यह जानती है कि जो कहते हैं, वह करने के लिए हम मानस रखते हैं। इसलिए मैं धन्यवाद प्रस्तुत करना चाहता हूं हमारे राजस्थान की सरकार को और माननीय मुख्य मंत्रीजी को कि योजनाओं के माध्यम से हम विकास करना चाहते हैं। बाहर जब मैं निकला था तो कुछ लोग कह रहे थे कि यह योजनाओं के आकार का बजट है, भाषण है, बहुत लम्बा इस तरह का बजट है। इसमें मूलभूत जो सुविधाएं किसानों को मिलनी चाहिए, जब-जब भी राजस्थान में इनका राज था, बिजली की दरें बढ़ाईं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि किसानों के लिए एक पैसा कीमत नहीं बढ़ाई। कुछ दरें नहीं बढ़ाई। राजस्थान में चार साल से हमारी सरकार है और चार साल से किसानों की जो दर थी, वह कम थी और ऐसा ही नहीं किया, राजस्थान में जो हमारे किसानों को पहली बार खम्भा 12,000 रुपये की दर पर उनको कनेक्शन दिया जाता था कांग्रेस के राज में, हमने क्या किया, कोई एस्टीमेट नहीं, 23,000 रुपये भरो और प्रायोरिटी पर कनेक्शन ले जाइये। जो इनके पांच साल के राज में कनेक्शन नहीं हुए, हमने हमारे दो साल के राज में करके दिखा दिया। मैं इस बात को इसलिए कह रहा हूं कि जनता इतनी भोली नहीं है जो हमारे भाषणों

(श्री जयराम जाटव)

से और आपके भाषणों से बदल जायेगी। प्रेक्टिकल में जानने लग गई जनता तो इसलिए माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान में हमारी सरकार का यह चौथा बजट है और जो नौ मार्च को प्रस्तुत किया गया है, मैं इसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं और मैं सही बात कह रहा हूं कि आज भी जो हमारे राजस्थान में गांवों के बीच में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय खुलेंगे, चाहे उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलेंगे, उनके माध्यम से, पहले आपने हमारे राजस्थान में शिक्षा को कमजोर किया था। राजीव गांधी पाठशालाएं क्या थीं? वह क्या थीं? 1200 रुपये में कोई पढ़ाने वाला मिलता था? मजबूरी में जाते थे। आज वे लोग इस बात को कहते हैं कि कांग्रेस के लोगों ने हमको गलत तरीके से गुमराह करके मास्टर का रूप दिया है इसलिए राजस्थान में जितने स्कूल खुले, उनमें हमने जो थर्ड श्रेणी कर्मचारी की भर्ती करके वे अस्थाई नहीं दिये, स्थाई के रूप में नौकरी दी तो इन सबके लिए राजस्थान के गांव-गरीब जनता को सहारा मिलेगा, शिक्षा मिलेगी। मैं बार-बार इस बात का धन्यवाद कर रहा हूं कि राजस्थान में कितने बेरोजगार हैं? गरीब के घर में जिसके 100 रुपये जेब में आ जाते हैं तो शाम को उनको पता चलता है कि तुम्हारे घर में 100 रुपये आये हैं। अगर किसी ने कुछ चिंता की है गरीब की तो राजस्थान की मुख्य मंत्रीजी, वसुन्धराजी ने पहली बार की है। शिक्षित बेरोजगारों को 400 रुपये दे रहे हैं, उस गरीब को दे रहे हैं जो गरीबी की रेखा के नीचे हैं। आप ताज्जुब करते हैं। हम ताज्जुब कर गये कि इस बजट को सुनकर के 170 बार मेजें थपथपाई गई थी। यहां पत्रकार बैठे थे और दर्शक भी बैठे थे, देखकर ताज्जुब कर गये कि यह हुआ क्या है। एक नया ताज्जुब भी हुआ था। 500 रुपये लड़कियों को दिये जायें।

मैं आपको एक बात और कहना चाहता हूं, आपकी एस.सी. की लड़कियां हैं। आज मैं गरीब समाज से हूं। एस.सी. के समाज की व्यक्तियों पर बात आ गई...(व्यवधान) माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात कह रहा था कि एस.सी. की बेटी है और उसकी शादी के लिए जब जाते हैं और पढ़े-लिखे परिवार में ढूंढते हैं लड़का, कि वह शिक्षित हो, पढ़ा-लिखा हो या नौकरी करने वाला हो। हमारे तीन गौत्र बचते हैं। उसमें चौथा गौत्र बचने लग गया कि लड़की शिक्षित होनी चाहिए। आज शिक्षा की तरफ ध्यान और गरीब की तरफ ध्यान दिया है तो माननीय मुख्य मंत्रीजी ने दिया है, माननीय वसुन्धराजी ने दिया है इसलिए मैं धन्यवाद दे रहा हूं। आज हम चिंता करते हैं कि कई

(श्री जयराम जाटव)

आदमी जाते हैं। गरीब जोहड़ों में नहाते हैं, तालाबों में नहाते हैं पर महिलाएं नंगी नहीं नहा सकतीं, कच्छा पहनकर नहीं नहा सकतीं। आदमी तो कच्छा पहनकर, तौलिया पहनकर नहा लेता है। उनके लिए यह सौगात दी है। महिलाओं की किसको चिंता थी? गरीब की किसको चिंता थी और यहां पर जो मुसलमानों की चिंता की। कांग्रेस के भाइयों ने मुसलमानों की चिंता नहीं की है। उनको तो मुट्ठी भर मुसलमान जो हैं, जो आज तक आतंकवादियों को छोड़ नहीं पाये, उनकी चिंता है। मैं इसलिए इस बात को कह रहा हूं, आज देश में सबसे बड़ा जो आक्रमण है और सबसे बड़ी चिंता की लकीरें हैं, वह आतंकवाद है। मैं गलत नहीं कह रहा हूं भाई, स्वीकार करना पड़ेगा।

**श्री वीरेन्द्र बेनीवाल** (लूणकरणसर): आपके एकमात्र जो अल्पसंख्यक मंत्री हैं, उनके साथ क्या कर रहे हो, वह तो बताओ।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, माननीय सदस्य, बीच में नहीं।

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): अल्पसंख्यकों की हमने चिंता की है। आज देहात में जो मदरसे के रूप में चल रहा था, जो आज से नहीं चल रहे हैं। मदरसे के रूप में लगभग, आजादी के 50 साल से वह मदरसे चल रहे थे, किसने अध्यापक लगाये, किसने चिंता की? अगर चिंता की है तो वह हमने की है, इसलिए स्वीकार करना पड़ेगा आज भी इस बात को, इसलिए कह रहा हूं कि आज जो राजस्थान में बजट पेश हुआ है, यह बजट सराहनीय बजट है और इस सराहनीय बजट के साथ-साथ इसमें सारे बिन्दुओं को छुआ है चाहे शिक्षा हो, चिकित्सा हो, बिजली हो, पानी हो, सड़क हो....

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): खैरथल से आने वाले माननीय सदस्य, अलवर को तो छुआ ही नहीं इस बजट में।

**श्री उपाध्यक्ष:** सब कुछ हुआ है, सदस्य संतुष्ट हैं।

**श्री कालूलाल गुर्जर** (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): माननीय सदस्य, मेवात क्षेत्र विकास योजना में बहुत पैसा बढ़ा दिया। दो करोड़ ही थे, पांच करोड़ रुपये कर दिये।

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): माननीय सदस्य कह रहे हैं, माननीय सदस्य बोल रहे हैं कि इसमें सबको छुआ है। मैंने कहा कि अलवर जिले को छुआ ही नहीं अलवर जिले को।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, समाप्त कीजिये। सबको छुआ है।

**श्री कालूलाल गुर्जर** (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): वह अलवर की भी योजना बता दी मैंने आपको।

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): पिछले साल, पिछले बजट में माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपको ध्यान होगा कि चार करोड़ रुपये के जो आवासीय विद्यालय लड़कियों के लिए दिये थे, वे कहां दिये थे? अलवर में दिये थे। पहली बार चिंता की हमने। चार करोड़ रुपये पहली बार दिये आवासीय विद्यालयों को। इसके बाद जमीन मिल गई, वहां बिल्डिंग बनेगी और आवासीय विद्यालय खुलेंगे इसलिए माननीय मुख्य मंत्रीजी के पिछली बार के जो काम हैं, वह सब जनता जानती है और मेवात भी जानता है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मुझे विश्वास भी है, हमारी सरकार ऐसी नहीं है। आप जो सुझाव देंगे, उस पर हम लोग गौर करेंगे, विचार करेंगे और हो सकता है, कुछ और इस बजट में कर लें इसलिए आप लोगों की जो चिंता है, वह ठीक नहीं है। हमने बदले की भावना से काम नहीं किया।

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): माननीय सदस्य, अलवर के अलवर में दे दिया, यहां आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात कहना चाहता हूं, मैं इस बजट के समर्थन में खड़ा हुआ हूं।

**श्री कालूलाल गुर्जर** (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): आप देंगे तो इनके एम.एल.ए. के कोटे का पैसा भी आपको दे देंगे।

**श्री जयराम जाटव** (खैरथल): मैं आपके माध्यम से दो-तीन बातें मेरे क्षेत्र की, मेरे जिले की बात कहना चाहता हूं। एक तो मेरे यहां 33 के.वी. का बिजली का सब-स्टेशन खोलें। रामगढ़ से आने वाले माननीय सदस्य जुबेर खानजी जानते हैं, मेवात के हैं। बागोड़ा की आज तक वहां कोई किसी ने चिंता नहीं की है। वहां 33 के.वी. का बिजली का सब-स्टेशन हम चाहते हैं। आप अभी मंत्रीजी नोट कर लें। दूसरा, मेवात में पड़ता है जगदा सबई, मेरे विधान सभा क्षेत्र में है। मैं धन्यवाद दूंगा, हमारे यहां पिछले वर्ष दो 33 के.वी. के सब स्टेशन खुले हैं, उससे बिजली की व्यवस्था ठीक हुई है। तीसरी बात यह है कि मैं आई.टी.आई. कालेज की मांग इसलिए कर रहा हूं और वह भी मैं मेवात में मांग कर रहा हूं कि वहां पर बेरोजगार मेवों के लड़के हैं, वह आई.टी.आई. करें तो उनको कोई रोजगार का पता चलेगा। इसलिए मेरी छोटी-छोटी दो मांगें हैं और अंत में मैं इस बजट के समर्थन में बोलता हुआ उपाध्यक्ष महोदय को

(श्री जयराम जाटव)

धन्यवाद देता हूं और हमारी सरकार के सारे मंत्रियों को, माननीय मुख्य मंत्री को उनका लाख-लाख शुक्रिया करना चाहता हूं इस बजट के माध्यम से कि सब वर्गों को छूकर सबको संतुष्ट किया है। बहुत-बहुत धन्यवाद, जय भारत, जय हिन्द।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री बत्ती लाल मीणा।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, जब देश आजाद हुआ, उस समय विश्व आर्थिक दृष्टि से दो विचारधाराओं में बंटा हुआ था से, एक था पूंजीवाद, जिसका नेतृत्व कर रहा था अमेरिका और दूसरा था रशिया मार्क्सवाद का नेतृत्व कर रहा था। हमारे पंचशील और तटस्थता के आधार पर हमने समाजवादी समाज को स्वीकार किया और पंचवर्षीय योजनाओं के आधार पर तत्कालीन हमारे नीति निर्माताओं ने रूस की तर्ज पर देश का विकास करना तय किया। मान्यवर, सार्वजनिक लागत पर व्यक्तिगत हाथों में उद्योगों का विकास किया गया और इसका रिजल्ट यह हुआ कि लाभ चला गया व्यक्तिगत जेब में और हानि लिखी गई राष्ट्र के नाम पर। क्योंकि पूंजी लगी थी उसमें राष्ट्र की सार्वजनिक, यह एक मिलीभगत का कारण था और इसका रिजल्ट यह हुआ कि देश, गरीब-गरीब होता गया और अमीर अमीर होता गया। पूंजी, नब्बे प्रतिशत पूंजी देश की दस प्रतिशत अमीरों के हाथ में चली गई और गरीब जो लोग थे, नब्बे प्रतिशत के हाथ में दस प्रतिशत रह गई। यह था नीतियों का परिणाम। एक हम। उसी तर्ज पर वह पंचवर्षीय योजना के अंदर हमको विकास करना था, अब मैं ज्यादा लम्बा-चौड़ा नहीं जाकर के बजट के मेन मुद्दे पर आऊं, उससे पहले कहूंगा कि हमारा जो बजट है, यह चौथा बजट वसुंधराजी, हमारी लोकप्रिय यशस्वी मुख्य मंत्रीजी ने जो पेश किया है, इनके सामने साधन सीमित थे, बहुत कठिनाइयां थीं लेकिन उन्होंने इस राज्य के माथे से जो बीमारू का कलंक था वह हटाकर के विकास का, चंदन का जो टीका लगाया है उससे वास्तव में हमारे पूरे हिन्दुस्तान में गर्व से सिर ऊँचा हो जाता है। यह कोई मामूली बात नहीं है। मान्यवर, बीमारू नहीं था यह राज्य, इसको कैंसर हो चुका था, कैंसर क्या हो चुका था, इसके लेबल पर लग चुका था कि यह दिवालिया राज्य है। यह माननीय सर्राफ साहब जानते हैं कि यदि कोई सेठ या बनिया अपनी दुकान पर लगा दे कि मेरी दुकान दीवाला आउट हो चुकी है तो मान्यवर, न तो वहां कोई ग्राहक आयेगा, न ही उसको कोई उधार मिलेगा। यही साख, यही घिनौनी हरकत

(श्री बत्तीलाल मीणा)

हमारे तत्कालीन शासकों ने या जिनके हाथ में यह प्रांत था उन्होंने कर दी थी। हमको पूरे विश्व के अंदर दिवालिया राज घोषित कर दिया, इसका विकास होने की तो बात ही क्या। परंतु यह तो मैं तत्कालीन प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी महोदय को धन्यवाद दूंगा जो उन्होंने, आप तो बहुत बड़े बैरिस्टर रहे हैं, मैं तो मामूली सा डिग्री प्राप्त कानून का ज्ञाता हूं, लेकिन 256 धारा नहीं की वरना तीन कारण जो होते हैं कि या तो कोई देश पर आक्रमण हो जाय या फिर कोई ऐसा आंतरिक कलह हो जाय या फिर प्रांत दिवालिया हो जाय तो 256 धारा लागू करनी चाहिए थी, तो वह उनकी मेहरबानी थी जो नहीं करी वरना अशोकजी ने तो यह हालत कर दी थी कि इस प्रांत में 256 लागू हो। कोई विकास की कल्पना ही नहीं कर सकता था। मान्यवर, शिक्षा....

**श्री कालूलाल गुर्जर** : 356 ।

**श्री बत्तीलाल मीणा** : हां, 356 । मान्यवर, शिक्षा उस टाइम ऐसी दी जाती थी कि केवल वोटों की दुकान, अपने आका को राज़ी करने के लिए कितने हजार वह खोल दी राजीव गांधी पाठशालाएं, उनमें आठवीं फेल आदमी पढ़ा रहा, अब बताइये अनट्रेंड आदमी पढ़ाये और उसका पारिश्रमिक क्या था, बारह सौ रुपये का, अब यह क्या था, यह था कि गरीब को वहीं चाले लगा दो और इनका जो बजट है न महानुभाव, इनके जो बजट थे अब, इनकी जो प्लानिंग थी, इनका बजट अनपढ़ आदमी को समझ में आता है, पढ़े-लिखे को नहीं आता है। यह बड़े भारी क्या कर रहे कि हमने देश का विकास किया, अब मैं यह पूछना चाहता हूं कि इनकी सबसे ज्यादा सरकार रही, इनका मुखिया सरकार का रहा है बांसवाड़ा में, आज सबसे कोई अशिक्षा है तो बांसवाड़ा में या भुखमरी है तो बांसवाड़ा में, यह जो कुछ है बांसवाड़ा में। यह सबसे ज्यादा कहां रहे, उदयपुर में रहे, तो वहां के आदिवासी और गरीब की हालत देखिये, इनका एक नारा था, क्या था, कि हमको देखना है गरीबों की तरफ, एस.टी.एस.सी. और विशेषकर महिलाओं की तरफ और सबसे ज्यादा दुर्दशा हुई तो इन्हीं लोगों की हुई। मान्यवर, जो लोग इनके साथ रहे, इन्होंने केवल राज किस बात पर किया, भय के आधार पर। यह तो इनकी आर्थिक नीति थी और राजनीति और सुन लीजिये। कश्मीर का झगड़ा ही पैदा कर गये और कश्मीर में लड़ाई होती रहे ताकि मुसलमान हमारे भाई हैं जो हिन्दुस्तान की दांई-बांई आँख है, गंगा-यमुना के समान है उनको लड़ाते रहें,

(श्री बत्तीलाल मीणा)

कहते रहें कि यदि तुमने हमें वोट नहीं दिया, दूसरी पार्टी आ गई तो तुमको पाकिस्तान देखना पड़ेगा, तो बेचारों को टेरेराइज कर दिया, वो लोग इनके साथ लगे रहे। आज गंदगी का, आतंकवाद का, गरीबी का पर्यायवाची रहे तो कौन है, मुसलमान, जो इनके साथ रहा। वहीं एस.सी., एस.टी. की हालत देखिये। एस.सी., एस.टी., अब वह एस.सी. छोड़ गये इनको। अब जो लोग पूरे हिन्दुस्तान पर राज करते थे, आज चश्मा लगाकर इनको कहीं देखे तो वह कुछ नजर नहीं आ रहे। मान्यवर, इनके हिन्दुस्तान के नक्शे में देखिये आप, कि कश्मीर में ये बड़े एक बहुत सीनियर भागीदार के रूप में हैं और वहां से आगे चलिये, तो इनकी नीतियों को लेकर गये कि हम बहुत बड़ा, इनके वह नीति विशेषज्ञ, उदार नीति वाला वह प्रधानमंत्री ला रहे हैं, अब यह कह रहे थे कि आप 'मैं' क्यों कहते हो, अब मैं एम.एल.ए. हूं तो मैं ही कहूंगा, अब 'मैं' कोई दूसरा, हमें-हमारा थोड़े ही कहेंगे, हमारे मुख्य मंत्री के भाषण के बारे में बतला रहे थे माननीय सदस्य कि इन्होंने 'मैं' लिखा है। अब मान्यवर, यह बतायें कि कोई हमारा मुख्य मंत्री ऐसा कमजोर मुख्य मंत्री तो है नहीं कि ड्राइवर की सीट पर प्रधानमंत्री के ऊपर कोई और बैठा हो, स्टियरिंग किसी और के हाथ में हो और ब्रेक किसी और के हाथ में हो, यह सब तो है नहीं। हमारा हर मंत्री, हमारा मुख्य मंत्री, हमारे एम.एल.ए. अपने आप में स्वतंत्र हैं, सक्षम हैं और अपना-अपना सबको पावर है। मान्यवर, हमारी पार्टी के अंदर, हमारी सरकार के अंदर विचारों की वैमनस्यता या विचारों की अलग-अलगता यह एक सामान्य चीज है कि हमारे विचार व्यक्त करने के लिए हम स्वतंत्र हैं। यह नहीं कि विचारों के मतभेद इनकी पार्टी की तरह कोई हमारे वह हों, बेवफाई हो। यदि इन्होंने थोड़ा यह कह दिया, यह कोई पार्टी की परिभाषा नहीं दे सकते मान्यवर, हम इस पार्टी जो इनकी चल रही है, मैं किसी की आलोचना नहीं कर रहा, वह कम्पनी है एक व्यक्ति की और जिस तरह औद्योगिक घराने हैं, किन्हीं व्यक्तियों के हाथ में पूंजी सिमट कर रह गई, ऐसे ही पार्टी भी कुछ घरानों की रह गई। अब इसमें आदमी कोई बोले, मैं किसी को दोष नहीं दूंगा, क्यों बोला वो, भाई कम्पनी जचे जिसको निकाल दे, जचे जिसको रख ले, जचे जिसको टिकट दे, यह कम्पनी ही तो है एक व्यक्ति की। मैं पूछना चाह रहा हूं मान्यवर, कि जो आज तक महात्मा गांधी के नाम पर....

**श्री अशोक बैरवा** (खण्डार): अपना स्टियरिंग तो अपने हाथ में है न?

पूछना मुख्य मंत्रीजी से कि स्टियरिंग उनके हाथ में नहीं है, कोई और ही ब्रेक दबा रहा है। कोई और ही ब्रेक दबा रहा है। (व्यवधान) कोई और ही ब्रेक दबा रहा है।

**श्री बत्तीलाल मीणा:** आप भाई साहब, बतायें, मैं आ जाता हूं मुद्दे पर, आप बैठिये। आप बहुत विद्वान हैं। (व्यवधान) खण्डार से आने वाले माननीय सदस्य, आप बहुत विद्वान हैं, आप मेरी बात सुन लीजिये। अब मैं यह पूछना चाहता हूं कि जब इन्होंने चालीस साल राज किया और यहां भी राज इनका और ऊपर भी राज इनका तो यह राज्य अविकसित कैसे रह गया, यह राज्य पिछड़ेपन में कैसे रह गया? यह केवल यह था कि यह लोग राज करने के लिए इनकी प्रीप्लान नीति थी कि इस तरह की शिक्षा दी जाये ताकि लोग अनपढ़ रहें और दो तरह के वर्ग पैदा करना चाहते थे यह। एक वर्ग पैदा करना चाहते थे राज करने वालों का, एक वर्ग पैदा करना चाह रहे थे गरीबों का और सबसे जो कमजोर तबका था उनको आसानी से बैक में लिया। आज मुझसे कोई कहे मान्यवर, या हम पूर्वी राजस्थान के एस.टी. से कोई कहे कि भाई तुमको रोटी-रोजी की सुविधा कर देंगे, कपड़ों की सुविधा कर देंगे तो हम बातों में आने वाले नहीं हैं। हमको तो राज में हिस्सा चाहिए, पूंजी में हिस्सा चाहिए, कारखानों में हिस्सा चाहिए। और कोई बांसवाड़ा वाले से कहे कि भाई, तेरी चार हाजिरी फ्री लगा देंगे, तू हमको वोट डाल दे, तो वह आसानी से वोट डाल देंगे, और वहां यह लोग इस तरह सेजीतते हैं तो इनकी प्री-प्लानिंग थी। अब आज यह कांग्रेस, आज क्यों सक्सेस हुई, यह इसलिए सक्सेस हुई बांसवाड़ा में कि वहां लोग अनपढ़ हैं, इनके बजट को समझते ही नहीं, भाषा को समझते ही नहीं। वह जानते ही नहीं कि इनके विचार क्या हैं। मान्यवर, अब मैं....(व्यवधान) मैं मेन मुद्दे पर आऊं अपने भाषण के, टाइम वैसे ही निकल जायेगा लेकिन हमारे....

**श्री मुरारीलाल मीणा:** उपाध्यक्ष महोदय, प्वाइंट आफ इनफोर्मेशन।

**श्री बत्तीलाल मीणा:** आप घंटी बजा देंगे उपाध्यक्ष महोदय, एक मिनट भाई साहब।

## सूचना

### बांदीकुई (दौसा) में ओलावृष्टि

**श्री मुरारी लाल मीणा:** उपाध्यक्ष महोदय, प्वाइंट आफ इनफोर्मेशन। उपाध्यक्ष महोदय, जिला दौसा के अंदर अभी एक घंटा पहले विशेषकर विधान

(श्री मुरारी लाल मीणा)

सभा क्षेत्र बांदीकुई में इतने तगड़े ओले पड़े हैं जिनका वेट 250 ग्राम से 500 ग्राम और पूरे का पूरा क्षेत्र, फसलें नष्ट हो गई और हजारों की संख्या में, लाखों की संख्या में पक्षी सारे मर चुके और जानवर अधिकतर घायल हो गये, जो खेतों में थे, यह थे और आधा-आधा फीट के पूरे के पूरे क्षेत्र में फैल गये। विधान सभा क्षेत्र उसमें बांदीकुई पूरा है और उसके अलावा आधा सिकराय क्षेत्र, आधा दौसा क्षेत्र, राजगढ़ का भी एरिया है और महुवा का क्षेत्र। मेरा आपसे निवेदन है कि बिलकुल पूरे क्षेत्र में कम से कम इतने टेलीफोन आये हैं, मैं समझता हूं कि शायद हो सकता है राहत मंत्री महोदय के पास में भी आये होंगे, तुरंत ही ऐसे यहां से दिशा-निर्देश जारी करें कि वहां का तुरंत सर्वेक्षण किया जाय, या तो अभी और या सुबह जल्दी, मैं निवेदन करूंगा आपको कि स्वयं राहत मंत्री वहां पर जाकर क्षेत्र का दौरा करें। ऐसी स्थिति हो रही है कि पूरा मार्केट, वहां छप्परें उड़ गये, झोंपड़िया उड़ गईं, बिलकुल त्राहि-त्राहि वहां पर मच रही है।

**श्री संयम लोढ़ा:** उपाध्यक्ष महोदय, सिरोही जिले में भी बहुत नुकसान हुआ है, तो आपसे निवेदन है, मंत्रीजी इस बारे में कुछ फरमाना चाहें तो...

**श्री मुरारी लाल मीणा:** आधा-आधा किलो वेट के ऐसे ओले हैं, फसल का दाना नहीं रहा, पक्षी, मोर और गायें, जानवर हैं, बिलकुल...(व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** मंत्रीजी के ध्यान में है।

**श्री वीरेन्द्र बेनीवाल:** लूणकरणसर का भी हाल खराब है, निरंतर बरसात हो रही है मंत्री महोदय। (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा:** पूरी फसल बरबाद हो गई है, एक घंटे बारिश हुई है उपाध्यक्ष महोदय। (व्यवधान)

**श्री वीरेन्द्र बेनीवाल:** वहां की फसलें भी नष्ट हो रही हैं, अत्यधिक बरसात के कारण लूणकरणसर के क्षेत्र में भी फसलें खराब हो रही हैं। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** मंत्रीजी के ध्यान में है।

**श्री अशोक बैरवा:** अब बहुत हो गया साहब, बरसात पर ब्रेक लगाओ आप तो। बरसात पर ब्रेक लगाओ। बरसात बहुत हो गई, अब तो ओले पड़ने लगे। (व्यवधान)

**श्री जुबेर खान:** मुख्य मंत्रीजी को कहिये। अब तो...(व्यवधान) अब तो आपकी वसुंधरा से, वर्षा से भी नहीं काम चल रहा, ओले पड़ रहे हैं उनको रूकवा दीजिये। (व्यवधान)

**श्री मुरारी लाल मीणा:** मैं सारे सदन की भावनाओं से...(व्यवधान) और माननीय, शायद हो सकता है कि...(व्यवधान)

**श्री अशोक बैरवा:** वसुंधराजी से ब्रेक लगवाओ, बरसात बहुत हो गई, अब ओले पड़ रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री कालूलाल गुर्जर:** जुबेर साहब, आपकी पार्टी की ओर से यज्ञ करवाओ। (व्यवधान) हमने तो बरसात करने का यज्ञ करवाया, आप इसको बंद कराने के लिए यज्ञ करवायें।

**श्री संयम लोढ़ा:** उपाध्यक्ष महोदय, सरकार क्या कर रही है, क्या निर्देश जिला कलक्टरों को दिये हैं, आप फरमा दें। (व्यवधान)

**श्री मुरारी लाल मीणा:** सारे पक्षी मर गये, जानवर घायल हो गये... (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बता रहे हैं, बता रहे हैं, आप विराजिये।

**श्री खुशवीर सिंह:** मंत्री महोदय, हमारे पाली जिले में भी यही हालत हुई है। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा:** सरकार की उदासीनता तो इस बात से ही लगती है कि लगातार दस और पन्द्रह दिन पहले से ही स्थान-स्थान पर ओले पड़े हैं, बरसात हुई है, फसल नष्ट हुई है, इस सरकार ने अपने स्तर पर आज तक वक्तव्य देने की नहीं सोची और सरकार मूकदर्शक बैठ करके इस समस्या पर एक अक्षर भी नहीं बोली विधान सभा में, आज तो फिर भी आस-पास के जिलों में गम्भीर स्थिति हुई है लेकिन यह ओले पड़ने की घटना तो लगातार बीस दिन से है, सरकार कतई किसानों के मामले में चिंतित नहीं है। (व्यवधान)

**श्री अशोक बैरवा:** उपाध्यक्ष महोदय, सवाई माधोपुर में भयंकर बरसात से काफी नुकसान हुआ है माननीय मंत्री महोदय। (व्यवधान) फिर आ गये, आप सवाई माधोपुर के बारे में चिंता करके कोई कार्यवाही करवायेंगे। (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा:** सरकार को वक्तव्य देना चाहिए न अब तक। अब तक यह कोटा, हमारे संभागीय इंचार्ज बैठे हैं ओम बिरला साहब, सब जानते हैं, चारों तरफ कोटा में क्या हाल है और सारी स्थिति के बावजूद सरकार मूकदर्शक बनकर के इस ओलावृष्टि को देख रही है। आपको वक्तव्य दिलाना चाहिए था सुओमोटो ही। (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** बिराजें अब, मंत्रीजी वक्तव्य दे रहे हैं। विराजें अब।

**श्री खुशवीर सिंह:** पूरे राज्य के जिलों में पूरा जायजा लिया जाय। (व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य:** पूरी रात जोधपुर में भी यही ओले पड़े हैं, बरसात हुई है।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय मंत्रीजी। माननीय सदस्य।

**डा. किरोड़ी लाल मीणा** (खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, कल तक के बारे में मेरे पास जानकारी है माननीय सदस्य चाहते हैं तो मैं स्टेटमैंट दे दूं लेकिन हाल में ही जो ओलावृष्टि हुई है इसकी जानकारी पूरी विस्तृत हमारे पास नहीं आई है। बांदीकुई में भी हुई और जगह भी हुई हैं। उसकी पूरी, हां सिरोही में भी माननीय सदस्य बता रहे हैं वहां पर भी हुई हैं (व्यवधान) इनके भी हुई है, यहां भी हुई है (व्यवधान) जोधपुर में भी हुई है चहु तरफ हुई है उसकी जानकारी हम प्राप्त कर लेंगे।

**श्री उपाध्यक्ष:** सभी जगह की रिपोर्ट आ जाएगी।

**डा. किरोड़ी लाल मीणा** (खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री): और कल मैं इस बारे में वक्तव्य दे दूंगा। वैसे हमने पैकेज आपने अख़बार में पढ़ा होगा हमने पैकेज डिक्लीयर कर दिया है, वह भी मैं कल वक्तव्य दे दूंगा (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** आ गई बात, बराबर आ जाएगी रिपोर्ट (व्यवधान)

**श्री मुरारी लाल मीणा** (बांदीकुई): जिस हिसाब से हमारे पास सूचना अभी आई है वहां हम तुरन्त प्रभाव से अभी निरीक्षण राहत मंत्री स्वयं जाकर करें, हजारों की संख्या में पक्षी मर गये, बिलकुल जहां आधा-आधा किलो मतलब आधा-आधा फीट एक-एक फीट पूरी पर्त जम गई है जमीन के ऊपर (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** रिपोर्ट मंगा लेंगे (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): बड़े आश्चर्य की बात है कि सरकार को उसको सुओमोटो अब तक जानकारी ही नहीं है (व्यवधान) अगर ये विधान सभा के सदस्य यहां नहीं कहें तो सरकार तो इतनी गैर जिम्मेदार सरकार है कि खुद को उसको जानकारी ही नहीं है। इतना लम्बा-चौड़ा एडमिनिस्ट्रेशन है सब जगह पर एडमिनिस्ट्रेशन काम कर रहा है, कलक्टर है, एस.पी. है (व्यवधान) उनको पता ही नहीं है कि ओले पड़ गये।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): और मंत्रीजी यह कह रहे हैं कि मैं सूचना मंगा लूंगा अब तक आप हाउस में बैठे-बैठे सरकारी टेलीफोन फ्री है आपको सूचना मंगा लेनी चाहिए थी (व्यवधान) यह ड्यूटी आपकी है बताओ सूचना (व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): दौसा जिले के कलक्टर ने क्या किया? दूसरी जगह के कलक्टर्स ने क्या किया? (व्यवधान)

**डा. किरोड़ी लाल मीणा** (खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री): बताऊं सूचना आप कुर्सी से व्यवस्था दिला दो (व्यवधान)

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): उपाध्यक्ष महोदय, इससे (व्यवधान) इस बजट भाषण से इनका जो नुकसान हुआ है वह बताओ (व्यवधान)

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): आपकी बात आ गई (व्यवधान) हमारी बात नहीं सुनते।

**श्री सी. डी. देवल** (रायपुर): यह कह रहे हैं कि मैं बताने को तैयार हूं, बताओ ना (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** कह दिया मंत्री महोदय ने मैं आपको कल बताउंगा जो भी सूचना मिलेगी।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, जब माननीय मंत्री महोदय ने कह दिया है कि कल वह सारी सूचनाएं प्राप्त करके वो वक्तव्य देंगे और जब वक्तव्य आएगा तो राहत भी साथ-साथ आएगी। अभी सूचना से क्या मतलब है? उन्होंने सारी व्यवस्था की है सब कह दिया है तो आ ही रहा है कल।

## आय-व्ययक अनुमान वर्ष, 2007-08 पर सामान्य वाद-विवाद

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): उपाध्यक्ष महोदय, हमारे बजट के बारे में मैं यही कहना चाहूंगा कि ''जो नहीं देखा, न ही सुना और सौमन ऊन समाय और सौसब अदभूत कीनम वर्ण कोन विध जाय'' चार साल में वो कर दिया जो न आदमी कल्पना कर सकता था, न सोच सकता था। यह बिलकुल गरीब के हृदय में आत्म-विश्वास पैदा करने वाला है। राम और राज को आप जानते हैं माननीय उपाध्यक्ष महोदय राम राज की जरूरत गरीब के लिए होती है, कोई अमीर के लिए राम और राज की जरूरत नहीं है, यह इन चीजों का आविष्कार, इन चीजों की खोज निर्बल के लिए की गई है। वसुंधरा राजे ने,

(श्री बत्तीलाल मीणा)

हमारे मंत्रिमण्डल ने पूरा यह निर्णय लिया है कि हम गरीब का संबल बनकर के जीना चाहते हैं और सारी योजनाएं हमारी इसी लक्ष्य की ओर जाती हैं। मान्यवर, मैं आपको शिक्षा के बारे में निवेदन करना चाहूंगा कि शिक्षा कोई भी राज्य के विकास के लिए, मैं इकानोमिक्स का विद्यार्थी रहा हूं इसलिए मैं निवेदन करना चाहूंगा कि कोई भी राज्य के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवाएं ये तीन चीज बहुत अति-आवश्यक हैं। हम राज्य की ग्रोथ नापते हैं, बड़े-बड़े विद्वान बैठे हुए हैं मुझ से तो सभी ज्यादा जानते हैं मैं तो अपने आपको मूर्ख मानता हूं लेकिन जो पैरामीटर किसी प्रांत, देश के विकास को नापने के लिए वह क्या है? जी.डी.पी. में वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हमारी ये दोनों चीजों में लगातार वृद्धि हो रही है। एक हमारी जी.डी.पी. 2002 और 2003 में 74 हजार 775 थी, अब वह बढ़कर के इस टाइम में हो गई है एक लाख पच्चीस हजार छह सौ छह करोड़, अब आप बताइये कि प्रति व्यक्ति आय 13 हजार से बढ़कर के करीब 17 हजार ज्यादा हो गई। अब इससे हम अंदाजा लगा सकते हैं कि लगातार हमारा प्रांत विकास की ओर जा रहा है। मान्यवर, अब शिक्षा के अंदर ले लीजिए, आप शिक्षा जो मृत प्राय: हो गई थी, विकास का पहला ही साधन है देश को सुदृढ़ करने का, वह इस तरह का हो गया था कि गरीब के लड़के जो अपनी जमीन बेच-बेच के न पढ़ते हैं वो बेचारे वापिस चले गये थे कमरे खाली करके क्योंकि जब सर्विस नहीं लगेगी, जो गाय दूध नहीं देती है उसको कौन रखना चाहता है? इन्होंने शिक्षा को चाले लगाने का साधन रखा था और आज क्या हुआ? माननीय घनश्याम तिवाड़ीजी की मेहरबानी की वजह से आप कहते हो यह पार्टी क्या है? मैं यह कहता हूं हमारे सारे मंत्रिमण्डल की बात को छोडिए, एक घनश्याम तिवाड़ीजी की बात ही ले लें। आप शिक्षा मंत्रीजी को तो वहीं दुबारा आने के लिए बहुत है। किस कारण से गई है कांग्रेस, बेरोजगारी की वजह से गई है ...(व्यवधान)

**श्री हरिमोहन शर्मा** (हिण्डौली): घनश्याम तिवाड़ीजी को (व्यवधान) कर रहे हो मुख्य मंत्रीजी के लिए नहीं कह रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): आप सुनिये, आप विद्वान हैं ईमानदारी से सुनिये, आपने एक आदमी भर्ती नहीं किया और हमने एक लाख टीचर लगा दिये हैं, बताइए हम से कौनसा वर्ग असंतुष्ट है? हम से विद्यार्थी वर्ग संतुष्ट है, हम से कर्मचारी वर्ग संतुष्ट है, हमारे किसान संतुष्ट हैं (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): यह सारा घनश्यामजी का दिमाग है (व्यवधान)

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): मेरी आप सुने जाए मान्यवर, और हमने कितने स्कूल खोले? (व्यवधान) आप सुनिये मैं सब पर रहा हूं।

**श्री राकेश मेघवाल** (परबतसर): प्यार से सुनो, सुनने का माद्दा रखो (व्यवधान)

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): आपने 21812 जो गोद देने की दुकान खोल रखी थी उनको हमने प्राथमिक शालाओं में पाटकर के बिलकुल उनको विद्यालयों का दर्जा दिया गया, आपने गरीब किसानों के लिए, गरीब परिवारों के लिए जो खिलौना बना रखा था ना, अपने कार्यकर्ताओं को चाले लगाएंगे और वोटों की दुकान खोलेंगे उसको समाप्त किया। आपने प्राथमिक विद्यालय खोले पांच साल में पांच सौ, साढ़े पाँच सौ और उपाध्यक्ष महोदय हमारी सरकार ने चार साल में खोले 4162, अब कितनी गुणी ज्यादा रफ्तार है हमारी, इनसे आठ गुणा ज्यादा हम तेज चल रहे हैं विकास में और जनता क्या कह कर के हम से मना करेगी? हम ईमानदार हैं, पारदर्शी सरकार है, प्रगतिशील सरकार है, सारी चीजों में हम इनसे आगे हैं। मान्यवर, इन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालय चार साल में, तीन साल में क्रमोन्नत किये दस हजार सौलह और इन्होंने किए एक हजार सौलह, हमने तीन हजार उन्यासी और हमने दस हजार एक सौ पचहत्तर, अब आप अंदाजा लगायें कि शिक्षा के क्षेत्र में इन्होंने एक टीचर नहीं लगाया और हमने लाखों की भर्ती कर दी, अब आप अंदाजा लगायें कि हमको कौन क्या कह कर के हम से विद्यार्थी जिनके साथ में है, राज तो हमेशा युवा ही पलटता है, युवा और बुद्धिजीवी (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** जब तक आप बैठे हैं।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): बुद्धिजीवी और युवाओं का हमने पहले भी ध्यान रखा है अब भी हम 12 हजार और मास्टर भर्ती करेंगे और करीब 600 सीनियर सैकण्डरी खोलेंगे, 1500 सैकण्डरी खोलेंगे। हमारे मंत्री महोदय का और मुख्य मंत्रीजी महोदया का यह इरादा है कि कोई भी आदमी अशिक्षित नहीं हो, अशिक्षित का मतलब यह नहीं है कि केवल आपने दस्तखत करना सिखा दिया, साक्षरता अभियान नहीं, उनको हाई-क्वालिफाइड शिक्षा में गुणवत्ता, विद्वता, हमारे जो मंत्री महोदय का लक्ष्य है, मैं भी इनके साथ-साथ कई बार गया गांव में तो वो कहते हैं अध्यापकों से और अध्यापकों के

(श्री बत्तीलाल मीणा)

सम्मेलन में कहते हैं, मुझे शिक्षा समिति में ले रखा है, कि मुझे ऐसे विद्यार्थी चाहिए जिनके शरीर में ताकत हो, भुजाओं में बल हो, शरीर चेहरे पर आभा हो, प्रचण्ड जिनमें बुद्धि हो और अखण्ड इच्छाशक्ति हो और जिनके हृदय में शिवा और प्रताप की गाथाएं अंकित हो, मैं ऐसे विद्यार्थी का निर्माण देखना चाहता हूं (व्यवधान) जिनका कोई लक्ष्य नहीं था आप ऐसे विद्यार्थी चाहते हैं जो बेचारा गाय के पीछे ढोलता ढोले (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष:** धन्यवाद, बत्तीलालजी।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): मान्यवर, मैं आता हूं सड़कों के ऊपर, अब आप सड़कों के बारे में देख लीजिए, जैसा मंत्री महोदय का, हमारे संसदीय कार्य मंत्री का जिस तरह का यह ऊबड़-खाबड़ रास्ते में चलने का अभ्यास है यहां सदन में, ऐसा ही मानकर पहाड़ों को चीर कर सड़कें बनाने का अभ्यास है (व्यवधान) उन पर चाहे कितना ही आरोप लगे, सीता माता पर रावण ने आरोप लगा दिया था और एक धोबी ने लगा दिया था, तो वह वहां रह आई लेकिन सारा संसार जानता है कि वह पवित्र थी, पूजनीय है। अब यह संसदीय मंत्री है हाथो-हाथ ही बात सुनकर के करते हैं लेकिन नाराज भी होते हैं, हम जैसे ज्यादा बोल गये तो नाराज, इन्हें कुछ कह दिया तो नाराज लेकिन आप सड़कों के बारे में इनका देखिए (व्यवधान) मान्यवर, सुनिये इन्होंने केवल सड़कों के समग्र विकास के ऊपर 1905 करोड़ रूपए खर्च किए, कितने पांच वर्ष में और हमारे मंत्री महोदय ने कितने कर दिये 455 करोड़ रूपए, प्रधान मंत्री सड़क योजना के बारे में हमारा पूरे हिन्दुस्तान में पहला नम्बर है। जबकि इनका कोई कहीं नम्बर ही नहीं था और मान्यवर, अब आप सुनिये सड़क निर्माण में इन्होंने केवल जोड़े पांच साल में 918 गांव, कितने जोड़े 918, हमारे मंत्रीजी ने 4620 गांव जोड़ दिये। इनकी रफ्तार क्या थी कि यह रोज एक गांव जोड़ते थे हम रोज चार गांव जोड़ते हैं, यह कितने बनाते थे चार किलोमीटर सड़क, हम बनाते है रोज 12 किलोमीटर सड़क, अब आप सुन लीजिए नई बात, कई गांव ऐसे सड़ गये थे मैं बिलकुल सदन (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): इनका तो नागपुर की लिस्ट में ही पहला नम्बर है (व्यवधान)

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): भगवान को साक्षी मानकर के मैं कहता हूं कि कई गांव इसलिए बीमार होकर सड़ गये थे गंगापुर, हिण्डौन 200

किलोमीटर इन्होंने वहां ऐसी सड़क बनाई जिसका कोई भी सपना नहीं देख सकते थे ऐसी वास्तव में ...।

**श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही): नागपुर वालों की लिस्ट में पहला नाम है।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): ...या तो पेरिस में मिलती है या जो हमारे उन गांवों में है जो कल्पना ही नहीं कर सकते थे (व्यवधान) मेरे नांगल, महसवा, टोडाभीम, टोडाभीम के तो मैं शक्ल भूल गया मेरे गांव की मैं बात बताता हूं मैंने कभी सपने में कल्पना यह नहीं की थी कि यहां ऐसे सड़कें बन जाएंगी। एक घंटे में चार किलोमीटर आगे आदमी चले जाते हैं ऐसे-ऐसे चौराहे जो गांवों में कभी कल्पना नहीं हो सकती थी कि वैसी सड़कें बनेंगी। पहले एक भी सड़क का डामरीकरण नहीं हुआ और अब इन पाँच सालों में साढ़े चार हजार किलोमीटर सड़कों पर डामरीकरण, सुदृढ़ीकरण कर दिया और 181 करोड़ रुपये गांवों पर खर्च कर दिये। रिहायशी इलाकों में हमेशा मच्छर पनपते थे उनसे बीमारियां बढ़ती थीं और ये लोग ये कहते थे कि खजाना खाली है अब हमारे मंत्रियों का कोई खजाना खाली है ही नहीं । मैं यह हकीकत बताता हूं 42 सड़कें तो मैं ईमानदारी से कह रहा हूं कि मेरे क्षेत्र में बनी हैं और अब केवल पाँच किलोमीटर और सड़क बना देंगे तलयरा से उजीर्णा तक तो मैं सड़कों की मांग ही बंद कर दूंगा क्योंकि सड़क बनाने की कहीं जगह ही नहीं रहेगी और यही हाल पूरे राजस्थान का है। अब बहुत से मांग कर रहे हैं तो कहां कर रहे हैं, 10 झौंपड़े बने हुए हैं पचास किलोमीटर वहां जाइये रेतों में वहां मांग कर रहे हैं वरना सड़कों के क्षेत्र में हमारा रिकार्ड है।

**श्री उपाध्यक्ष:** बत्तीलालजी, समाप्त कीजिये।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): हां कर रहा हूं, साहब। अब आप आइये शिक्षा के क्षेत्र में। हमने इतने औषधालय खोले, इतने अस्पताल खोले...।

**श्री उपाध्यक्ष:** कर दिया वो तो आपने।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): मान्यवर, हमारे स्वास्थ्य मंत्रीजी हम नहीं चाहते लेकिन वो कर देते हैं क्योंकि वो खुद एक्सपर्ट हैं और साक्षात धन्वंतरि हैं। इस तरह के आदमी हैं मेरे टोडाभीम में इन्होंने सी.एच.सी. से जिला लेवल का जो औषधालय होता है उसका दर्जा दे दिया वो डिस्पेंसरी खोल दी।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, समाप्त कीजिये। माननीय श्री हीरालाल रैगर।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): माननीय, खाली एक मिनट। नहीं मान्यवर, एक मिनट। मेरी बात तो कहना ही भूल गया मान्यवर। हमारे साथी मंत्री ऐसे हैं एक-एक के बारे में जैसे हमारा आपदा प्रबन्धन देख लीजिये। बाड़मेर के अन्दर एक आदमी टस से मस नहीं हुआ वरना सारे यहां डेरा डालकर आ जाते। हमारा आपदा प्रबंधन देखिये हम कितने योग्य हैं, कितने श्रेष्ठ हैं इसको सेन्टर ने माना और उन्होंने एक करोड़ रुपये हमको दिये। हमने 233 करोड़ रुपये वहां खर्च कर दिये जेब से और उनके पास बात के अलावा कुछ नहीं देने को। अब मैं सदन के माध्यम से एक मांग करूंगा मेरे क्षेत्र के लिए मुझे सारी चीज कर दी पानी के बारे में आप चंबल को यहां ला रहे हैं जो कोई कल्पना ही नहीं कर सकता। 495 करोड़ रुपये की जो योजना मेरे क्षेत्र में चल रही है और ऐसे चल रही है कि विपक्षी बंधु देखना चाहें तो उनके सारे परिवार को लेकर गाड़ी सहित यात्रा कर सकते हैं पाइपों के अन्दर यह हालत हो रही है। मान्यवर, अब मैं केवल एक निवेदन करना चाहूंगा सदन के माध्यम से यहां सारे महारथी बैठे हुए हैं कि मेरे कालेज हो जाए आधा सा तो कर दिया आपने वो पोषित तो कर दिया उसको पूरा सरकारी कर दें तो वहां की जनता हमेशा-हमेशा आपका गुणगान करेगी और मान्यवर, यह तो मैं दावे से कह सकता हूं हमारी सरकार को दुबारा आने से कोई नहीं रोक सकता है क्योंकि हमारी सरकार पारदर्शी है, हम ईमानदार हैं और यह सब कौन मानता है? जनता और हमारे कारनामें सही हैं हम गरीब के लिए काम करते हैं बाकी इनके जो मामले हैं न वो तो जिसके पीछे ''दरा'' लग गया न ''दरा'' मान्यवर, एक बात और कहता हूं जिसके ''दरा'' लग गया न ...।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री हीरालाल रैगर। माननीय सदस्य, बहुत कह दिया।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): जैसे इन्दरा और वसुन्धरा वो पैंतीस साल से कम राज नहीं सकता। हमारी मुख्य मंत्रीजी भी इतने ही दिन राज करेंगी। यह हम इस सदन के माध्यम से घोषणा करते हैं। कुशल वित्तीय प्रबंध के बारे में एक मिनट और बताना चाहूंगा। कुशल वित्तीय प्रबंधन का आप देखिये कि हमने कोई वित्तीय भार कर नये नहीं लगाये और वो जो हमारा डेफिसिट फाइनैंस था न और राजस्व राजकोषीय घाटे को उसको हम बिलकुल एफ.आर.बी.एम. एक्ट के अनुसार हमको 2009 में करना चाहिए वो समाप्त वो हम 2008 में ही करके बैठ गये लेकिन इनकी बेईमानी देखिये कि हमारे 381 करोड़ रुपये का इनको करना चाहिए था वो नहीं किया।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री हीरालाल रैगर। माननीय सदस्य, अब कह दिया न। बस स्थान ग्रहण कीजिये।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): मान्यवर, मैं तो सारा भूल जाता हूं मैं एक मिनट आपसे और निवेदन करना चाहूंगा। पंचायती राज की बात करते हैं ये ग्रामीण विकास की बात करते हैं इन्होंने सोलह साल तक चुनाव नहीं कराये, मान्यवर।

**श्री उपाध्यक्ष:** हो गया बस।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): पंचायती राज का इन्होंने कतई डब्बा ही गोल कर दिया और सोलह साल बाद हमने चुनाव कराये। ये क्या देते थे प्रति व्यक्ति अनुदान केवल 25 रुपये देते थे।

**श्री उपाध्यक्ष:** वो बाद में पंचायती राज के समय आपको दे देंगे समय।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): और इनका इरादा था कि सेन्टर में इनकी सरकार रहे और यहां पर गवर्नमेंट की व्यवस्था बिलकुल ढंग से हो जाए, इन्होंने किया ही क्या है मान्यवर, जो बता दीजिये। हमने जो किया है उसका मैं पांच मिनट में बता सकता हूं क्या? लेकिन पूरा हिन्दुस्तान यदि अपने विकास की बात चलेगी तो हमारे से बाहरी प्रदेश प्रेरणा लेंगे कि देश का विकास...।

**डा. किरोड़ी लाल मीणा** (खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री): उपाध्यक्षजी, हमको माननीय सदस्य का भाषण आकर्षित कर रहा है दस मिनट तो ज्यादा दो। पूरा सदन तैयार है । इनके लिए स्पेशल टाइम बढ़ा दो।

**श्री उपाध्यक्ष:** आज नहीं शिक्षा विभाग पर होगा तब इनको समय देंगे। श्री हीरालाल रैगर। माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण कीजिये।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): हमने चुनाव लड़ा है पढ़ाई की है अब इतनी सी देर में कैसे कह सकते हैं सारी बातें? बताइये । हमें तो बोलना नहीं आता है लेकिन पांच मिनट में कैसे कहें इतनी बातें?

**श्री उपाध्यक्ष:** बहुत कह दिया आपने।

**श्री कालूलाल गुर्जर** (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): उपाध्यक्ष महोदय, आज के सदन के सितारे बोल रहे हैं इनको बोलने दीजिये।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): अब मान्यवर, विकास के बारे में इन्होंने क्या किया? मान्यवर, सेठ इनके थे, हमारी जो 1998 में सरकार गयी

(श्री बत्तीलाल मीणा)

उसका कारण क्या था कि प्याज, आलू और तेल, प्याज महंगे हो गये किस बात की सरकार और ये तो हम जानते हैं कि रावण की तरह मायावी हैं कि काम करने पर भी हम पर कोई राज़ी नहीं होता है और ये बातों में ऐसी माया कर देते हैं कि वास्तव में सारी जनता को भड़का दिया लेकिन 6 महीने बाद चुनाव हुए एम.पी. के तो ये हमसे बहुत पीछे रह गये। हमारी आयीं 16 सीट 6 महीने बाद और इनकी आयीं 6-7 सीट और हमारी देखिये मान्यवर, हमारी नीतियों को कितना एप्रिशियेट किया लोगों ने हमारे जो-जो भी चुनाव हुए हैं वो ही हमारे 6 महीने बाद हमारे चुनाव हुए ...।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय सदस्य, अब समाप्त कीजिये।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): हमारी 21 सीटें आयीं। नगर पालिकाओं में हमजीते, हर बार्ड में हम जीते।

**श्री उपाध्यक्ष:** श्री हीरालाल रैगर।

**श्री बत्तीलाल मीणा** (टोडाभीम): और मान्यवर, सुन लीजिये। ये प्रधानमंत्री लेकर आये..।

**श्री उपाध्यक्ष:** मैंने नाम पुकार लिया अब समाप्त कीजिये। आपका अंकित नहीं होगा अब। अब अंकित नहीं होगा। श्री हीरालाल रैगर। हीरालालजी, बिलकुल...

**श्री हीरालाल** (निवाई): मेरा टाइम तो इन्होंने ले लिया मैं कम ही बोलूंगा। माननीय उपाध्यक्षजी, 9 मार्च को माननीय मुख्य मंत्री ने विकासोन्मुखी जो बजट प्रस्तुत किया उसका मैं पुरजोर शब्दों में समर्थन करता हूं और जो बजट माननीय मुख्य मंत्रीजी ने पेश किया सभी वर्गों, सभी व्यापारियों, विद्यार्थियों, कृषकों, सभी पदाधिकारियों से विचार-विमर्श कर और उसका एक विकासोन्मुख बजट तैयार करके इस पवित्र सदन में प्रस्तुत किया। मैं आंकड़ों में ज्यादा नहीं जाना चाहूंगा क्योंकि हमारे पूर्ववर्ती विद्वान सदस्य आदरणीय कालीचरणजी सर्राफ ने अभी बताया कि हमने तीन साल में तीन लाख बेरोजगारों को रोजगार दिया जो इस सरकार के लिए एक ऐतिहासिक बात है क्योंकि राजस्थान के इतिहास में इतने लोगों को रोजगार हिन्दुस्तान आजाद होने के बाद भी नहीं मिला और माननीय शिक्षा मंत्रीजी के नेतृत्व में एक लाख शिक्षकों की भर्ती पारदर्शी तरीके से की गई तो भारत के प्रधान मंत्री आदरणीय मनमोहन सिंहजी ने भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की कि ये पहला अवसर

(श्री हीरालाल)

है कि राजस्थान ने भारत आजाद होने के बाद एक लाख बेरोजगार युवकों की भर्ती करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है और माननीय वसुन्धराजी और माननीय यशस्वी शिक्षा मंत्रीजी के मार्गदर्शन में भर्ती की युवाओं की जो ओवर -एज हो गये थे जो 1999 में जिनकी आयु थी वो ही आयु मान करके हमारी सरकार ने बेरोजगार युवकों को रोजगार दिया। पांच साल में खजाना खाली है जेब फाड़ कर बस बिलकुल बाहर लटका दी, कह दिया कि खजाना खाली है खजाना खाली है कहते रहे। आज माननीय मुख्य मंत्रीजी ने जो राजस्थान का चहुंमुखी विकास किया वो राजस्थान की जनता और भारत की जनता के सामने ? (व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्ष**: माननीय सदस्य।

**श्री हीरालाल** (निवाई): सड़कों के मामले में मैं निवेदन करना चाहूंगा कि मेरे यहां कृषि मंत्रीजी ने एक करोड़ रुपये की सड़कें दीं। मैं सार्वजनिक निर्माण मंत्रीजी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि इतनी सड़कें जो आजादी के बाद साठ साल में नहीं मिलीं इतनी सड़कें मेरे विधान सभा क्षेत्र में इन्होंने दीं और गांव-गांव, ढाणी-ढाणी को सड़कों से जोड़ दिया। चिकित्सा के क्षेत्र में मैं चिकित्सा मंत्रीजी को बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा कि जहां तीन डाक्टर बैठते थे आज की तारीख में मेरे यहां सी.एच.सी. में 11 डॉक्टर बैठते हैं जे.एस. भी है, ई.एन.टी. भी है, आंखों का भी है सभी प्रकार के हैं तो हमारी सरकार पारदर्शी सरकार है गरीबों के लिए विकास की बात करती है। इसके साथ-साथ सिंचाई के मामले में एनीकट निवाई विधान सभा क्षेत्र में कोई तालाब नहीं है, नहर नहीं है, बांध नहीं है तो माननीय सिंचाई मंत्री महोदय ने 56 एनीकट मेरे यहां दिये क्योंकि निवाई का कृषक वर्षाजनित...

उस साधन पर ही आधारित है । 56 एनीकट देकर जो भी विकास किया है वह भी सराहनीय है ।

मैं इसके अतिरिक्त ग्रामीण विकास मंत्रीजी का भी बहुत आभारी हूं। मेरे क्षेत्र में उन्होंने ग्रामीण विकास में बहुत महत्वपूर्ण डी.पी.आई.पी. के माध्यम से इन्होंने गरीबों को रोजगार दिलवाया । साथ ही विद्वान माननीय सदस्य श्री सी.पी. जोशी साहब ने कहा है कि मुख्य मंत्रीजी ने अंबेडकरजी के लिये कोई पैसे की बात नहीं की । यह तो सरकार अंबेडकरजी के लिये समर्पित भावना से कटिबद्ध है । मैं कांग्रेस के भाइयों को बताना चाहता हूं कि सन

(श्री हीरालाल)

1952 में जब अंबेडकरजी ने चुनाव लड़ा और आप लोगों ने उन्हें हरवा दिया और आपने राज्य सभा में मनोनीत किया । आज राज्य सभा में नाचने गाने वाले, कूदने वाले एक्टर लोग आ रहे हैं । उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं कि डाक्टर अंबेडकरजी राज्य सभा में मनोनीत होने लायक नहीं है और बात करते हैं अंबेडकरजी की । क्या आपको इतना सा रहम भी नहीं आया कि जिसने भारत का संविधान बनाया उसको राज्य सभा में मनोनीत कर रहे हैं । आपको क्या हक है कि आप अंबेडकरजी के लिये बात कर रहे हैं ।

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): उनको विधि मंत्री किसने बनाया था आपने बनाया था या वसुंधराजी ने बनाया था ।

**श्री हीरालाल** (निवाई): उस जमाने में वह निर्दलीय थे, वसुंधराजी ने नहीं बनाया निर्दलीय थे । श्यामाप्रसादजी.... (व्यवधान)

**श्री जुबेर खान** (रामगढ़): केन्द्र में मंत्री किसने बनाया था, पंडित जवाहर लालजी नेहरू ने बनाया था । (व्यवधान)

**श्री हीरालाल** (निवाई): आपने नहीं बनाया । (व्यवधान) एक बात और सुन लो जिस दिन से एस.सी. और एस.टी. ने आपकी तरफ से आंख फेरी है आपको रोड पर आना पड़ा है और आप अगर समय रहते नहीं चेतोगे और इस तरह के आपके कृत्य रहेंगे तो आप बिलकुल रोड पर ही घूमते रहोगे ।

मैं ज्यादा नहीं कहूंगा आपकी कथनी और करनी में अंतर है । भारतीय जनता पार्टी और माननीय वसुन्धराजी की कथनी और करनी में अंतर नहीं है । भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करती है और जो करती है वह कहती है । मैं पुन: माननीय वसुन्धराजी का, हमारे मंत्री मंडल का जिनके विभागों में इन तीन सालों में काम हुए हैं और जो 2007-08 का माननीय मुख्य मंत्रीजी ने बजट पेश किया है मैं उनको पुन: धन्यवाद देता हूं और इस बजट का पुरज़ोर शब्दों में समर्थन करता हूं, जय हिन्द ।

**श्री उपाध्यक्ष:** सदन की बैठक मंगलवार, दिनांक 13 मार्च, 2007 के प्रात: 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है ।

**(तदनन्तर सदन की बैठक 19.43 बजे मंगलवार, 13 मार्च, 2007 के 11.00 बजे तक के लिये स्थगित हुई)**

---

# अनुपस्थित सदस्य का तारांकित प्रश्नोत्तर

## गंगरार में कार्यरत स्वास्थ्य केन्द्र

**116. श्री अर्जुन लाल जीनगर** (गंगारार) : क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) विधान सभा क्षेत्र गंगरार में मानदण्डों के अनुरूप किस-किस स्थान पर किस-किस स्तर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सब सेन्टर व चिकित्सालय हैं एवं कहां-कहां पर किस-किस स्तर के पदों पर कौन-कौन कार्यरत है तथा कितने पद कब-कब से रिक्त रहे हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार रिक्त पदों को भरने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(3) क्या सरकार ग्राम रूद व ग्राम बूठ में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(4) क्या सरकार विधान सभा क्षेत्र गंगरार में 500 की आबादी वाले गांवों में सब सेन्टर खोलने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र गंगरार के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 53 उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है। उक्त विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की संख्या तथा पदस्थापित अधिकारी/कर्मचारियों के नाम रिक्त अवधि सहित चिकित्सा संस्थानवार विवरण परिशिष्ट-अ पर उपलब्ध है।

(2) जी हां। कनिष्ठ विशेषज्ञ, महिला स्वास्थ्य दर्शिका, एवं बीएचएस (मेल, फिमेल) के रिक्त पदों को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित होने के उपरांत भरा जाना सम्भव हो सकेगा।

चिकित्सा अधिकारी के रिक्त पद को जिला स्तर पर समेकित वेतन पर भरने के प्रयास किए जा रहे हैं। नर्स श्रेणी द्वितीय के रिक्त पदों को राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर के माध्यम से भरने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। सहायक रेडियोग्राफर, लैब टैक्नीशियन एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पद सीधी भर्ती के हैं जिन्हें भरने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

कनिष्ठ लेखाकार के रिक्त पद को भरने की व्यवस्था शीघ्र की जावेगी।

(चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री)

(3) जी नहीं। भारत सरकार के द्वारा निर्धारित ग्रामीण जनसंख्या आधारित मापदण्ड के अनुसार पंचायत समिति राशमी एवं गंगरार में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है।

(4) जी नहीं। विधान सभा क्षेत्र गंगरार में भारत सरकार के द्वारा निर्धारित ग्रामीण जनसंख्या आधारित मापदण्ड से अधिक उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है।

परिशिष्ट-अ

**विधान सभा क्षेत्र गंगरार के अन्तर्गत आने वाले चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का रिक्त अवधि सहित विवरण निम्न प्रकार है**

| चिकित्सा संस्थान का नाम | पदनाम | स्वीकृत पदों की संख्या | कार्यरत पदों की संख्या | रिक्त पदों की संख्या | पदस्थापित अधिकारी कर्मचारियों के नाम/रिक्त अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगरार | कनिष्ठ विशेषज्ञ (शल्य) | 1 | 1 | 0 | डा. विनोद कुमारजीनगर |
| | कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडि.) | 1 | 1 | 0 | डा. सुजानमल जैन |
| | वरिष्ठ चिकि. अधिकारी | 1 | 1 | 0 | डा. एस. एल. मुंदडा-कोर्ट स्टे से |
| | चिकित्सा अधिकारी | 2 | 1 | 1 | 1. डा. कल्पना श्रीवास्तव<br>2. 07/06 से रिक्त |
| | नर्स श्रेणी प्रथम | 1 | 1 | 0 | श्री कन्हैया लाल |
| | नर्स श्रेणी द्वितीय | 5 | 5 | 0 | श्री कालूराम गाडरी, श्री कालूराम जाट, श्री गंगासिंह, श्रीमती ब्रह्मा कुमारी, श्री उदयवीर सिंह |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | 1 | 0 | श्रीमति मरियम्मा व्यास |
| | महिला स्वा. कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमति सुमित्रा |
| | लेब टेक्नीशियन | 2 | 2 | 0 | श्री मांगीलाल, श्री नवीनकुमार |
| | स. रेडियोग्राफर | 1 | 0 | 1 | 9/04 |
| | कनिष्ठ लेखाकार | 1 | 0 | 1 | 9/04 |
| | वरिष्ठ लिपिक | 1 | 1 | 0 | श्री भैरूलालजीनगर |
| | कनिष्ठ लिपिक | 1 | 1 | 0 | श्री रामस्वरूप शर्मा |
| | एमपीडब्ल्यू | 1 | 1 | 0 | श्री नन्द लाल शर्मा |
| | वार्ड बॉय | 2 | 2 | 0 | श्री श्यामलाल,<br>श्री चुन्नीलाल |
| सामु. स्वास्थ्य केन्द्र राशमी | कनिष्ठ विशेषज्ञ (शल्य) | 1 | 1 | 0 | डा. अशोक सरूपरिया |
| | कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसन) | 1 | 0 | 1 | 2/07 |
| | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 1 | 1 | 0 | डा. के.पी. खान्डल |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| | चिकित्सा अधिकारी | 1 | 1 | 0 | डा. राकेश मुन्दडा |
| | नर्स श्रेणी प्रथम | 1 | 1 | 0 | श्री मोहनलाल रेगर |
| | नर्स श्रेणी द्वितीय | 5 | 4 | 1 | श्री बच्चुसिंह<br>श्री कैलाशचन्द<br>श्री श्यामलाल<br>श्री नवीन कुमार<br>09/06 |
| | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सुशीला जैन |
| | लेब टेक्नीशियन | 1 | 1 | 0 | श्री लेहरूलाल रेगर |
| | रेडियोग्राफर | 1 | 1 | 0 | श्री शिव कुमार |
| | स्वास्थ्य निरीक्षक | 1 | 1 | 0 | श्री पुनमसिंह |
| | वाहन चालक | 1 | 1 | 0 | श्री सुरेश चन्द्र |
| | चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी | 9 | 9 | 0 | श्रीमती संतोष कुमारी<br>श्री रामनिवास<br>श्री रामेश्वर लाल |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | श्रीमती मायादेवी<br>श्री सुरेश चन्द<br>श्री मानसिंह<br>श्री रामसिंह<br>श्री प्रहलादसिंह<br>श्री भेरूलाल हरिजन |
| प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पूठोली | चिकित्सा अधिकारी | 1 | 1 | 0 | डा. आनन्द देरासी |
| | नर्स श्रेणी द्वितीय | 1 | 1 | 0 | श्री चमन खां |
| | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | 1 | 0 | श्रीमति सन्तोष कुमारी |
| | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमति शेरली जोन |
| | लैब टेक्निशियन | 1 | 0 | 1 | 09/05 |
| | एम.पी.डब्ल्यू. | 1 | 1 | 0 | श्री राधेश्याम मेनारिया |
| प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, साडास | चिकित्सा अधिकारी | 1 | 1 | 0 | डा. शिवकुमार गारू |
| | नर्स श्रेणी द्वितीय | 1 | 1 | 0 | श्रीमती जुलियाना फिल्ड |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | 0 | 1 | 09/05 |
| | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सुन्दर देवी |
| | लैब टेक्निशियन | 1 | 1 | 0 | श्री माजिद अली खान |
| | एम.पी.डब्ल्यू. | 1 | 1 | 0 | श्री लादूराम शर्मा |
| | चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी | 2 | 2 | 0 | श्री उच्छव लाल, श्री गोपीलाल |
| प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बस्सी | चिकित्सा अधिकारी | 2 | 2 | 0 | डा. पुनिताशर्मा, डा. हरिओम लड्डा |
| | नर्स श्रेणी प्रथम | 1 | 1 | 0 | श्री लोचन दास |
| | नर्स श्रेणी द्वितीय | 5 | 4 | 1 | श्री मांगीलाल धाकड़, श्री सोहनलाल, श्री मुनीर अहमद, श्रीमती राजु सोनी 11/05 |
| | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | 1 | 0 | श्रीमती मरिअम्मा पी.यु. |
| | लैब टेक्नीशियन | 1 | 1 | 0 | श्री खुशालसिंह |
| | चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी | 4 | 4 | 0 | श्री छगनलाल, श्री कैलाश चन्द, श्री मांगीलाल, श्री भगवानदास |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहूंना | चिकित्सा अधिकारी | 1 | 1 | 0 | डा. कमलेश जैन |
| | नर्स श्रेणी द्वितीय | 1 | 1 | 0 | श्री ओमप्रकाशजीनगर |
| | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती विजया ओझा |
| | लैब टेक्नीशियन | 1 | 1 | 0 | श्री राधेश्याम शर्मा |
| | बी.एच.एस. मेल | 1 | 0 | 1 | 06/02 |
| | बी.एच.एस. फिमेल | 1 | 0 | 1 | 06/02 |
| | संगणक | 1 | 0 | 1 | 06/02 |
| | वरिष्ठ लिपिक | 1 | 1 | 0 | श्री लादुलाल सोनी |
| | एमपीडब्ल्यू | 1 | 1 | 0 | श्री रामगोपाल शर्मा |
| | चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी | 2 | 2 | 0 | श्री सम्पत नाई, श्री डालचन्द |
| प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हिण्डौली | चिकित्सा अधिकारी | 1 | 1 | 0 | डा. नरेन्द्र हाडा |
| | नर्स श्रेणी द्वितीय | 1 | 1 | 0 | श्री कन्हैयालाल |
| | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती मधुलता भट्ट |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| | लैब टैक्नीशियन | 1 | 1 | 0 | श्री सोहनलाल |
| | चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी | 3 | 3 | 0 | श्री प्रभुलाल, श्री जब्बर सिंह श्री धरमसिंह |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सुन्दरी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती लीला शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र इन्दौरा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती गीता राठौड |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र खारखन्दा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती गीता खटीक |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र बुढ | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती द्रोपदी शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र देवदा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सीतारा बेगम |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र उडंवा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता<br>एमपीडब्ल्यू | 1<br>1 | 1<br>1 | 0<br>0 | श्रीमती चन्द्रकांता<br>श्री मांगीलाल अहीर |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सोनियाणा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती गुडडी खोईवाल |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सादी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती शारदा पी.जे. |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र कोजुन्दा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती कमला छीपा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| उप स्वास्थ्य केन्द्र गोवलिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती मंजु शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सुवानिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती अनिता चौधरी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र आजौलियाकाखेडा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती शामला पी.के. |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र लालास | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती रतन पुरबिया |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सेमलिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती शारदा पूर्बिया |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र कांटी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती जोली जोर्ज |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र बोरदा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता<br>एमपीडब्ल्यू | 1<br>1 | 1<br>1 | 0<br>0 | श्रीमती प्रसन्ना के.सी.<br>श्री हजारी सिंह |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र बोलो का सांवता | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती बीला एण्ड्रूज |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र बडोदिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती मंजू सिंधी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र मण्डफिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती छोटी शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र जवासिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती मोली पी. जार्ज |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र फलोदी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सजाता टी |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| उप स्वास्थ्य केन्द्र कुवालिया रघुनाथपुरा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 4 | 1 | 04/04 |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र तुम्बडिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती कमलेश देवी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र घोसुण्डी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती अनिता शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सोनगर | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती राधा मणी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र पालका | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती रीटा पाल |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र नगरी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती ज्योति देवी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र आंवलहेडा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती हेमलता शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र रेवाडा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती रूकमडी सेन |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र रूद | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सुमति सी. के. |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र बावलास | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती पार्वती शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सिहाना | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता<br>एमपीडब्यलू | 1<br>1 | 1<br>1 | 0<br>0 | श्रीमती आशा सोनपुरा<br>श्री अजीज मोहम्मद |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| उप स्वास्थ्य केन्द्र मरमी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती घीसी देवी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र मुरोली | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती शारदा के.के. |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सांखली | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती शामला कुमारी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र भीमगढ़ | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती लीला मंत्री |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र आरनी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती शहनान बानु |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र चटावटी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सुशीला नायर |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र गोपालपुरा कलां | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता<br>एमपीडब्ल्यू | 1<br>1 | 1<br>1 | 0<br>0 | श्रीमती रतनदेवी व्यास<br>श्री लक्ष्मी लाल माली |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र भालोटाकीखेडी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती चमेली देवी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र पड़ूली | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती हेमा चौहान |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र बारू | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती निर्मला शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र उपरेडा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती लता कंवर |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र पावली | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सरोज शर्मा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| उप स्वास्थ्य केन्द्र ऊंचा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती पुष्पा शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सोमी | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 0 | 1 | 1/2007 |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र सोमरवालों का खेडा | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 0 | 1 | 1/2007 |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र गुरजनिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती लिल्लम्मा देवी |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र लसाडिया खुर्द | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती कान्ता शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र चित्तौडिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती रामकन्या शर्मा |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र अडाना | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सुरैखा पारिख |
| उप स्वास्थ्य केन्द्र नेवरिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती मन्जु पारिख |
| उच्चीकृत उप स्वास्थ्य केन्द्र लासाडिया | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | 1 | 0 | श्रीमती सारम्मा |

# समयाभाव के कारण सदन में नहीं लिये जा सके तारांकित प्रश्न एवं उनके उत्तर

## अलवर जिले के उद्योगों से बकाया विद्युत राशि की वसूली

**118. श्री एमादुद्दीन अहमद खान** (तिजारा) : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि जिला अलवर की तिजारा तहसील क्षेत्र में भिवाडी व अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत की काफी राशि बकाया है? यदि हां, तो उद्योगवार व कब से कितनी राशि बकाया है व बकाया राशि में कब-कब वृद्धि हुई? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त क्षेत्र में विद्युत चोरी रोकने हेतु कार्यरत सतर्कता समिति द्वारा विद्युत चोरी के कुल कितने मामले गत 5 वर्षों में पकड़े गये? उन मामलों में अब तक क्या क्या कार्यवाही की गई है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह सही है कि रीको द्वारा औद्योगिक इकाइयों से बकाया राशि का निस्तारण कर निस्तारित राशि का अनुपातिक भुगतान ऊर्जा विभाग स्वीकार करता है? यदि हां, तो किस नियम के तहत?

(4) क्या यह सही है कि विद्युत कर की राशि का भी निस्तारण कर लिया जाता है? यदि हां, तो किस नियम के तहत?

## उत्तर

(1) जी हां। अलवर जिले की तिजारा तहसील क्षेत्र में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में विभिन्न उद्योगों पर राशि बकाया है, का उद्योगवार विवरण परिशिष्ट "अ" पर उपलब्ध है।

(2) तिजारा तहसील में सतर्कता दलों द्वारा उक्त औद्योगिक क्षेत्रों में गत 5 वर्षों में विद्युत चोरी के 16 मामले पकड़े गये, जिनमें से 14 मामलों में समझौता राशि जमा कराई गई व 2 मामलों में कनेक्शन काटे गये व एफ.आई.आर. दर्ज करवायी गयी। विवरण परिशिष्ट "ब" पर उपलब्ध है।

(3)जी हां। राज्य के आदेश क्रमांक एफ4(10)एफडी/टैक्स/2002 दिनांक 5.4.2002 के तहत रीको एवं राजस्थान वित्त निगम द्वारा अधिगृहित इकाइयों की परिसम्पत्तियों के बेचान से प्राप्त शुद्ध राशि को 70:30 के अनुपात में आर.एफ.सी. व रीको एवं दूसरे यथा विद्युत वितरण निगमों समेत वाणिज्य कर, यातायात, भूमि एवं भवन कर, एक्साइज, जलदाय, उद्योग इत्यादि में वितरित की जावेगी। आदेश की प्रति परिशिष्ट "स" पर उपलब्ध है।

(ऊर्जा मंत्री)

(4) विद्युत सप्लाई की शर्तें 2004 नियम 36 के अनुसार विद्युत कर की राशि का भी समायोजन कर लिया जाता है।

**(विवरण/प्रति विधान सभा पुस्तकालय में रखी गयी)**

## सुमेरपुर की मिसिंग लिंक सड़कें

**119. श्री मदन राठौड़** (सुमेरपुर) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या सरकार विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर में आरएमयूपी फेज III योजना के तहत सड़कों का निर्माण करवाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कितने किलोमीटर व कब तक?

(2) क्या सरकार विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर में लिंक रोड़ जैसे गुडा प्रतापसिंह से साली 3 कि.मी., गोदावस से भावरी 4 कि.मी., कूरणा से गिरवर 4 कि.मी., जाखोड़ा से कोलीवाड़ा 3 कि.मी., बाबागांव से बसंत 4 कि.मी., आकदडा से देवतरा 3 कि.मी., मणिहारी से गुडा प्रतापसिंह 4 कि.मी., गुंदोज से डेण्डा 6 कि.मी., एनएच-14 से तोगावास 1 कि.मी., कूरणा से कानेलाव 3 कि.मी., मोरडू से पोमावा 3.5 कि.मी., तखतगढ़ से पावटा सीमा तक 2 कि.मी., पोमावा से पुराड़ा 1.5 कि.मी., भारून्दा से कोरटा 2 कि.मी., बिरामी से वेनपुरा 4.6 कि.मी., भांवरी बस स्टेण्ड से मणिहारी लिंक रोड 1 कि.मी., नोवी से बांकली सम्पर्क सड़क 1 कि.मी., नौवी गांव से सिरोही जिले की सीमा तक 1 कि.मी., बामनेरा से कोरटा रोड तक 0.6 कि.मी., बांगडी से खिमाडा 2.4 कि.मी., बिठुडा से नवागुडा 4 कि.मी., अनोपपुरा से भाचुंदा 3.4 कि.मी., बीठिया से रसियावास 2.7 कि.मी., नया बलुपुरा से पलासिया 6 कि.मी., नेहरू नगर से धनापुरा 1 कि.मी., भांचुदा से पेणावा 1 कि.मी., जाणा रूपनगर वाया नौवी 2.5 कि.मी., पराखिया से बिरोलिया 5 कि.मी., बांकली से भारून्दा 5 कि.मी. व बामनेरा से पोयणा 3 कि.मी., लिंक रोड आगामी एक वर्ष में डामरयुक्त बनवाने का विचार रखती है? यदि नहीं, तो कौन-कौन सी सड़कें बनवाई जावेंगी? विवरण सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) जी हां। विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर में आर.एम.यू.पी.-III (TFC) योजनान्तर्गत 19.00 कि.मी. में डामरीकरण कार्य स्वीकृत है, जिसमें से 8.0 कि.मी. लम्बाई में डामरीकरण कर दिया गया है। शेष कार्य प्रगति पर है, जिनका डामरीकरण माह मई, 2007 तक पूर्ण कर दिया जायेगा। सूची परिशिष्ट "क" पर संलग्न है।

(2)जी हां। मिसिंग लिंक निर्माण की योजना वर्तमान में विचाराधीन है।

प्रश्न में उल्लेखित लिंक रोड सडकों का निर्माण राज्य के उपलब्ध वित्तीय संसाधनों एवं पारस्परिक प्राथमिकताओं पर निर्भर करेगा।

जो सड़कें बनायी जायेगी उनका विवरण परिशिष्ट "ख" पर संलग्न है।

**परिशिष्ट "क"**

**विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर में आर.एम.यू.पी.-III (TFC) के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की सूची**

**परिशिष्ट "ख"**

| क्र. सं. | कार्य का नाम | स्वीकृत राशि (लाखों में) | स्वीकृत लम्बाई (कि.मी. में) | विशेष विवरण |
|---|---|---|---|---|
| 1. | केनपुरा कोशेलाव सड़क कि.मी. 5/0 से 10/0 | 59.00 | 5.00 | कार्य प्रगति पर |
| 2. | सम्पर्क सड़क कोशेलाव कि.मी. 0/0 से 1/0 | 14.50 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |
| 3. | रामासिया भांवरी मणिहारी सड़क कि. मी. 22/0 से 24/0 | 23.50 | 2.00 | कार्य प्रगति पर |
| 4. | रामासिया भांवरी मणिहारी सड़क कि. मी. 24/0 से 29/0 | 24.00 | 5.00 | कार्य प्रगति पर |
| 5. | मण्डली गिरवर सड़क कि.मी. 15/0 से 17/0 | 10.75 | 2.00 | कार्य प्रगति पर |
| 6. | किरवा से गुडा एन्दला सड़क कि.मी. 0/0 से 4/0 | 14.00 | 4.00 | कार्य प्रगति पर |
| | **योग :-** | **145.75** | **19.00** | |

**विधान सभा क्षेत्र सुमेरपुर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की सूची**

| क्र. सं. | सड़क का नाम |
|---|---|
| 1. | चाणोद सांडेराव सडक 2 से साली वाया भावनगर, सुंदेलाव |
| 2. | साकदडा से पैनावा सड़क |
| 3. | सम्पर्क सड़क हाथलाई |

## किशोरी शक्ति योजनान्तर्गत केन्द्र सरकार से प्राप्त राशि

**120. डा. चन्द्रशेखर बैद** (तारानगर) : क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) किशोरी शक्ति योजनान्तर्गत वर्ष 2004 से अब तक कितनी राशि व्यय कर कितनी बालिकाओं को लाभान्वित किया गया? जिलेवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त योजनान्तर्गत व्यय की गई राशि में केन्द्र व राज्य सरकार का हिस्सा कितना-कितना था? वर्षवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त योजनान्तर्गत केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को वर्ष 2004-05, 2005-06 व 2006 से अब तक कितनी राशि आबंटित की गई तथा राज्य सरकार द्वारा उक्त राशि में से कितनी राशि व्यय की गई? वर्षवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या यह सही है कि आबंटित राशि का यथासमय समुचित उपयोग नहीं किया गया? यदि हां, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

### उत्तर

(1) किशोरी शक्ति योजनान्तर्गत अप्रैल, 2004 से जनवरी, 2007 तक 1,70,85,731/- रुपये की राशि व्यय की गई है। इस अवधि में इस योजना के अन्तर्गत कुल 3 लाख 15 हजार 670 किशोरी बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है। जिलेवार विवरण परिशिष्ट “अ” एवं “ब” पर संलग्न है।

(2) किशोरी शक्ति योजना शत-प्रतिशत केन्द्रीय प्रवर्तित योजना है। अत: इस योजना में राज्य सरकार का हिस्सा शून्य है।

(3) किशोरी शक्ति योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2004-05 से 2006-07 तक आबंटित एवं व्यय राशि का विवरण निम्नानुसार है :-

**(राशि करोड़ों में)**

| क्र. सं. | वर्ष | आबंटित राशि | व्यय |
|---|---|---|---|
| 1. | 2004-05 | 1.81 | 0.87 |
| 2. | 2005-06 | 2.83 | 0.56 |
| 3. | 2006-07 (1/2007 तक) | 1.51 | 0.27 |

(महिला एवं बाल विकास मंत्री)

(4) जी हां।

1. भारत सरकार से समय पर अनुदान की किस्त प्राप्त नहीं होने के कारण आबंटित राशि का यथासमय समुचित उपयोग नहीं हो सका।
2. भारत सरकार द्वारा इस योजना के संचालन के लिए पृथक से आधारभूत संरचना तथा स्टाफ उपलब्ध नहीं करवाया गया है। योजना का क्रियान्वयन आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आई.सी.डी.एस. स्टाफ से करवाया जा रहा है।
3. प्रशिक्षण गतिविधियों तथा एक्सपोजर विजिट हेतु परिजन बालिकाओं को गांव से बाहर ले जाने में आनाकानी करते हैं।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरी बालिकाओं के कृषि तथा घरेलू कार्यों में व्यवस्तता के कारण प्रशिक्षण, भ्रमण तथा अन्य गतिविधियों हेतु समूह में पर्याप्त बालिकाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण गतिविधियों को स्थगित करना पड़ता है। इसका प्रभाव राशि के व्यय पर पड़ा है।

**परिशिष्ट “अ”**

**वर्षवार किशोरी शक्ति योजना की वित्तीय प्रगति**

| क्र. सं. | जिले का नाम | व्यय राशि वर्ष 2004-05 | व्यय राशि वर्ष 2005-06 | व्यय राशि वर्ष 2006-07 (1/07) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | अजमेर | 292870 | 146931 | 136096 |
| 2. | अलवर | 393721 | 67741 | 235619 |
| 3. | बांसवाड़ा | 570314 | 457504 | 76699 |
| 4. | बारां | 0 | 27520 | 47220 |
| 5. | भरतपुर | 463508 | 340042 | 144632 |
| 6. | बाडमेर | 404701 | 255760 | 131265 |
| 7. | भीलवाड़ा | 297181 | 18271 | 131780 |
| 8. | बीकानेर | 254189 | 102027 | 55000 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 9. | बूंदी | 0 | 0 | 14657 |
| 10. | चित्तौड़गढ़ | 341381 | 274785 | 55879 |
| 11. | चूरू | 80000 | 55000 | 90317 |
| 12. | दौसा | 0 | 0 | 0 |
| 13. | धौलपुर | 48721 | 15257 | 0 |
| 14. | डूंगरपुर | 358613 | 233901 | 108763 |
| 15. | श्रीगंगानगर | 0 | 0 | 29864 |
| 16. | हनुमानगढ़ | 0 | 0 | 64735 |
| 17. | जयपुर | 805396 | 618799 | 213536 |
| 18. | जैसलमेर | 42894 | 94879 | 7600 |
| 19. | जालौर | 496103 | 218077 | 92816 |
| 20. | झालावाड़ | 194985 | 98104 | 33522 |
| 21. | झुन्झुनूं | 500 | 30825 | 26047 |
| 22. | जोधपुर | 250191 | 293673 | 96003 |
| 23. | करौली | 324884 | 115858 | 87163 |
| 24. | कोटा | 268787 | 123146 | 29267 |
| 25. | नागौर | 698308 | 646034 | 191383 |
| 26. | पाली | 124266 | 145166 | 123014 |
| 27. | राजसमन्द | 0 | 0 | 29535 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 28. | सवाईमाधोपुर | 270051 | 85870 | 84042 |
| 29. | सीकर | 0 | 9024 | 79267 |
| 30. | सिरोही | 414336 | 272725 | 72433 |
| 31. | टोंक | 611859 | 500622 | 109158 |
| 32. | उदयपुर | 738667 | 391238 | 103214 |
| | **योग :-** | **8746426** | **5638779** | **2700526** |

नोट :- 1. विश्व बैंक संपोषित आई.सी.डी.एस. तृतीय की 66 परियोजनाओं में एक पृथक योजना किशोरी बालिका योजना विश्व बैंक के सहयोग से चलाई गई। उसका व्यय सूचना में शामिल नहीं है।

2. राज्य के बारां, श्रीगंगानगर, दौसा, बूंदी, राजसमन्द एवं हनुमानगढ़ जिलों में किशोरी शक्ति योजना के संचालन की वित्तीय स्वीकृति भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2005-06 में दिनांक 14.12.2006 को प्रदान की गई।

इन जिलों में योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2006-07 में प्रारम्भ हो पाया।

**परिशिष्ट "ब"**

**वर्षवार किशोरी शक्ति योजना की भौतिक प्रगति**

| क्र. सं. | जिले का नाम | लाभान्तिवों की संख्या वर्ष 2004-05 | लाभान्तिवों की संख्या वर्ष 2005-06 | लाभान्तिवों की संख्या वर्ष 2006-07 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | अजमेर | 3600 | 3600 | 3000 |
| 2. | अलवर | 3600 | 3600 | 9000 |
| 3. | बांसवाड़ा | 4800 | 4800 | 5400 |
| 4. | बारां | 0 | 553 | 2235 |
| 5. | भरतपुर | 6000 | 6000 | 6200 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 6. | बाड़मेर | 4800 | 4800 | 2236 |
| 7. | भीलवाड़ा | 5500 | 5400 | 2400 |
| 8. | बीकानेर | 3600 | 3000 | 1940 |
| 9. | बूंदी | 0 | 0 | 3000 |
| 10. | चित्तौड़गढ़ | 3600 | 3600 | 8030 |
| 11. | चुरू | 580 | 595 | 1534 |
| 12. | दौसा | 0 | 0 | 3000 |
| 13. | धौलपुर | 2400 | 2400 | 3000 |
| 14. | डूंगरपुर | 3000 | 3000 | 2892 |
| 15. | श्रीगंगानगर | 0 | 0 | 3000 |
| 16. | हनुमानगढ़ | 0 | 0 | 1800 |
| 17. | जयपुर | 9000 | 9000 | 9600 |
| 18. | जैसलमेर | 600 | 600 | 1800 |
| 19. | जालौर | 4155 | 3584 | 3224 |
| 20. | झालावाड़ | 2400 | 2400 | 3000 |
| 21. | झुन्झुनूं | 0 | 600 | 5000 |
| 22. | जोधपुर | 4200 | 4200 | 6000 |
| 23. | करौली | 2400 | 2400 | 3000 |
| 24. | कोटा | 2400 | 2400 | 1200 |
| 25. | नागौर | 5400 | 5400 | 4882 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 26. | पाली | 3580 | 3580 | 6600 |
| 27. | राजसमन्द | 0 | 0 | 3600 |
| 28. | सवाईमाधोपुर | 3600 | 3600 | 3000 |
| 29. | सीकर | 0 | 600 | 4800 |
| 30. | सिरोही | 3000 | 3000 | 3600 |
| 31. | टोंक | 4200 | 4200 | 4200 |
| 32. | उदयपुर | 6486 | 6484 | 7200 |
| | **योग :-** | **92901** | **93396** | **129373** |

## नगर परिषद् बोर्ड पाली द्वारा नियम विरुद्ध पारित प्रस्ताव

**121. श्री ज्ञानचन्द पारख** (पाली) : क्या स्वायत्त शासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) दिसम्बर, 2004 से अब तक नगर परिषद् पाली की साधारण सभा की बैठकों में कितने प्रस्ताव पारित किये गये? बैठकवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) पारित प्रस्तावों में कौन-कौन से प्रस्ताव ऐसे थे, जिन्हें नगर परिषद् बोर्ड नियमानुसार पारित नहीं कर सकता था, फिर भी उन्हें पारित कर दिया गया? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) नगर परिषद् द्वारा तय एजेंडे के अतिरिक्त कितने अन्य प्रस्ताव भी लिये गये जिन्हें पारित कर दिया गया? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या यह सही है कि नियम विरुद्ध प्रस्ताव के सम्बन्ध में आयुक्त द्वारा कोई आपत्ति कार्यवाही रजिस्टर में दर्ज की गई? यदि नहीं, तो क्यों?

(5) नगर परिषद् द्वारा तय एजेंडे के अतिरिक्त जो प्रस्ताव लिये गये एवं पारित भी कर दिये गये क्या वे नियमानुसार लाये गये? कौन-कौनसा प्रस्ताव किस-किस नियम के तहत किस-किस प्रक्रिया से लाया गया? विवरण सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) माह दिसम्बर, 2004 से अब तक नगर परिषद्, पाली में साधारण सभा की कुल 8 बैठकें आयोजित हुई हैं, जिनमें पारित प्रस्तावों का विवरण निम्नानुसार है :-

| बैठक दिनांक | पारित प्रस्तावों की संख्या |
|---|---|
| 5.3.2005 | 2 |
| 7.5.2005 | 16 |
| 23.9.2005 | 9 |
| 24.12.2005 | 4 |
| 25.2.2005 | 3 |
| 15.7.2006 | 11 |
| 23.12.2006 | 9 |
| 27.2.2007 | 2 |
| **योग** | **56** |

(2) सभी प्रस्ताव बहुमत के आधार पर पारित किये गए हैं तथा किसी भी निर्णय पर आयुक्त द्वारा आपत्ति दर्ज नहीं की गई है। प्रथम दृष्टया कुछ निर्णय नियमानुसार प्रतीत नहीं होते हैं। लिये गए निर्णयों के बारे में विस्तृत परीक्षण करवाया जावेगा।

(3) नगर परिषद्, पाली में बैठक दिनांक 24.12.2005 में ऐजेंडे के अतिरिक्त प्रस्ताव संख्या 4 लिया व पारित किया गया तथा दिनांक 15.7.2006 की बैठक में भी कार्य सूची संख्या 6 में कुछ बिन्दुओं पर बिना एजेंडे विचार हुआ। दिनांक 24.12.2005 व दिनांक 15.7.2006 का कार्यवाही विवरण परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है।

(4)जी नहीं। आयुक्त द्वारा निर्णयों पर कोई आपत्ति दर्ज करना कार्यवाही विवरण में अंकित नहीं है। गलत पाए गए निर्णयों के बारे में आयुक्त द्वारा आपत्ति दर्ज नहीं करने के बारे में जांच करवाई जावेगी।

(5) राजस्थान नगर पालिका (कार्य संचालन) नियम, 1974 के नियम 19 के अनुसार अध्यक्ष अत्यावश्यक लोकहित के मामलों में तीन-चौथाई उपस्थित सदस्यों की सहमति से कोई प्रस्ताव बोर्ड के विचारार्थ व निर्णयार्थ रख सकता है। नियम व अपनाई गई प्रक्रिया का कार्यवाही विवरण में उल्लेख नहीं है। नियम की प्रति परिशिष्ट "ब" पर संलग्न है। शेष भाग का उत्तर प्रश्न 2 के उत्तर में निहित है।

**(विवरण विस्तृत होने के कारण पुस्तकालय में रखा गया)**

## सवाई मानसिंह चिकित्सालय, जयपुर में मूक बधिर इकाई की स्थापना

**122. डा. सुरेश चौधरी** (भादरा) : क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या सरकार मूक बधिर रोगियों के कल्याणार्थ सवाई मानसिंह मेडिकल कालेज, जयपुर में मूक बधिर इकाई खोलने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(2) क्या सरकार राज्य के प्रत्येक मेडिकल कालेज में फिजिकल मेडिसिन एवं रिहेबिलिटेशन इकाई खोलने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) जी नहीं। मूक बधिर संस्थान खोलने का प्रस्ताव नहीं है। परन्तु एस.एम.एस. चिकित्सालय में पृथक यूनिट हेतु स्वीकृति पत्र संख्या प.18(4) एमई/ग्रुप-1/2005 दिनांक 6.1.2006 द्वारा आचार्य, ई.एन.टी. का एक पद सृजित किया गया है तथा इस पद पर डा. एस.डी. शर्मा को पदोन्नति प्रदान करते हुए पदस्थापित कर दिया गया है। शेष आधारभूत सुविधाओं का विकास वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

(2) मेडिकल कालेज जयपुर एवं बीकानेर में फिजिकल मेडिसिन एवं रिहेबिलिटेशन विभाग कार्यरत हैं। अन्य चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालयों में यह विभाग खोलना वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

## रूपवास तहसीलदार द्वारा जारी जाति प्रमाण-पत्र

**123. श्री निर्भय लाल** (रूपवास) एवं **श्री बाबू लाल नागर** (दूदू) : क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) वर्तमान में कार्यरत तहसीलदार रूपवास द्वारा जनवरी, 2004 से अब तक कुल कितने जाति प्रमाण-पत्र बनाये गये तथा कितने निवास स्थान प्रमाण-पत्रों की अनुशंषा की गई? वर्षवार संख्या सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि रूपवास में कार्यरत उक्त तहसीलदार के विरुद्ध फर्जी जाति प्रमाण-पत्र एवं निवास प्रमाण-पत्र बनाने की अनुशंषा के बारे में एस.डी.एम. रूपवास, जिला कलक्टर भरतपुर एवं अध्यक्ष राजस्व मण्डल, अजमेर को शिकायतें की गई हैं? यदि हां, तो क्या उक्त की जांच कराई गई? यदि हां, तो किसके द्वारा और कब-कब? जांच रिपोर्ट की प्रति सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह सही है कि उक्त तहसीलदार रूपवास द्वारा जिन व्यक्तियों को जाति प्रमाण-पत्र व निवास प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं, क्या वे वर्तमान में राजकीय सेवा में हैं? यदि

(श्री निर्भय लाल)

हां, तो क्या तहसीलदार ने जाति-प्रमाण पत्र और निवास स्थान प्रमाण पत्र के लिए वार्ड पंच, सरपंच, सचिव, राशन कार्ड की प्रतिलिपि पटवार हल्का की रिपोर्ट तथा 10 वर्ष पुरानी मतदाता नामावली के नाम दर्ज, तथा दो राजपत्रित अधिकारियों की अनुशंषा आदि संलग्न की है? यदि हां, तो किस-किस की? प्रति सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या सरकार उक्त तहसीलदार के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(5) क्या यह सही है कि उक्त तहसीलदार रूपवास के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भरतपुर में मुकदमा दर्ज हुआ है? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गई?

## उत्तर

(1) वर्तमान में तहसीलदार रूपवास के पद पर कार्यरत तहसीलदार दिनांक 25.7.2005 से कार्यरत है। इनके कार्यकाल के दौरान निम्नानुसार जाति प्रमाण-पत्र जारी किये गये व मूल निवास प्रमाण-पत्र बनाने की अनुशंषा की गई :-

| क्र. सं. | किस्म प्रमाण-पत्र | वर्ष 2005 | वर्ष 2006 | वर्ष 2007 | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अन्य पिछड़ा वर्ग | 653 | 1158 | 20 | 1831 |
| 2. | एस.सी./एस.टी. | 475 | 861 | 34 | 1370 |
| 3. | निवास स्थान प्रमाण-पत्र | 543 | 871 | — | 1414 |
| | **योग :-** | **1671** | **2890** | **54** | **4615** |

(2) जी नहीं। अपितु जाति प्रमाण-पत्रों के सत्यापन के सम्बन्ध में विरोधाभाषी रिपोर्ट करने तथा अन्य विषयक शिकायत प्राप्त होने पर जांच उपखण्ड अधिकारी, रूपवास द्वारा की गई। जांच रिपोर्ट की प्रति सदन के पटल पर रख दी गई है।

(3) इसका उत्तर दिया जाना सम्भव नहीं है।

(4) तहसीलदार रूपवास के विरूद्ध जाति प्रमाण-पत्र एवं निवास प्रमाण-पत्र के सम्बन्ध में विरोधाभाषी रिपोर्ट प्रस्तुत करने संबंधी एवं अन्य विषयक शिकायत की जांच उपखण्ड अधिकारी, रूपवास द्वारा प्रस्तुत की गई जांच रिपोर्ट के आधार पर श्री नरेन्द्रपाल सिंह, तहसीलदार, रूपवास के विरुद्ध विभागीय जांच शुरू कर दी गई है तथा उन्हें निलम्बित किया जा चुका है।

(5) जी नहीं।

**(जांच रिपोर्ट की प्रति विस्तृत होने के कारण पुस्तकालय में रखी गयी)**

## पदस्थापन प्रतीक्षारत अधिकारियों पर व्यय

**124. श्री लालचन्द कटारिया** (आमेर) : क्या कार्मिक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा एवं अन्य सेवाओं के राजपत्रित अधिकारी वर्तमान में पदस्थापन की प्रतीक्षा में (ए.पी.ओ.) में चल रहे हैं? यदि हां, तो किस-किस सेवा के कौन-कौनसे अधिकारी एवं कब से? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) इन अधिकारियों के पदस्थापन की प्रतीक्षा (ए.पी.ओ.) में रखे जाने से राज्य कोष पर कितना वित्तीय भार पड़ रहा है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार पदस्थापन की प्रतीक्षा (ए.पी.ओ.) करने की नीति में कोई संशोधन/परिवर्तन करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) वर्तमान में ए.पी.ओ. में राजस्थान प्रशासनिक सेवा व अन्य सेवाओं के राजपत्रित अधिकारियों की सूची परिशिष्ट "क" संलग्न है।

(2) राजस्थान प्रशासनिक सेवा एवं अन्य सेवाओं के राजपत्रित अधिकारियों को ए.पी.ओ. में रखे जाने पर राज कोष पर पड़े वित्तीय भार परिशिष्ट "क" अंकित अनुसार रहा है।

(3) राज्य कर्मचारी/अधिकारी को पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा (ए.पी.ओ.) में रखे जाने को नियंत्रित करने हेतु राजस्थान सेवा नियमों के नियम 25ए में प्रावधान है। ए.पी.ओ. करने के सम्बन्ध में वर्तमान में कोई नीति निर्धारित नहीं है। अत: इसमें संशोधन परिवर्तन करने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता है।

परिशिष्ट "क"

**दिनांक 16.3.2007 तक की स्थिति में ए.पी.ओ. में चल रहे राजस्थान प्रशासनिक सेवा एवं अन्य सेवाओं के राजपत्रित अधिकारियों की सूची**

**राजस्थान प्रशासनिक सेवा**

| क्र. सं. | नाम (सर्वश्री) | एपीओ अवधि | किन कारणों से एपीओ किया गया | एपीओ अवधि में भुगतान की गई राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | एस.एस. चौधरी | 2.8.2006 से लगातार | शिकायत पर | 137340/- |
| 2. | श्याम सिंह राजपुरोहित | 18.1.07 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | |
| 3. | ओमप्रकाश शर्मा | 12.5.06 से लगातार | शिकायत पर | 186794/- |
| 4. | अम्बरीश मेहता | 15.5.06 से लगातार | शिकायतन | 186909/- |
| 5. | एस. एन. शर्मा | 1.9.06 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | 94280/- |
| 6. | जे.सी. देसाई | 12.10.06 से लगातार | निलम्बन से बहाली | 89354/- |
| 7. | राजेन्द्र कुमार वर्मा | 29.6.06 से लगातार | शिकायत पर | |
| 8. | करणसिंह-I | 30.6.06 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | 124258/- |
| 9. | मांगीलाल जांगिड | 11.7.06 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | 185931/- |
| 10. | ताराचन्द खत्री | 3.7.06 से लगातार | पदोन्नति पर | 22940/- प्र. माह |
| 11. | गिरीराज कुमार वर्मा | 19.7.06 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | 141699/- |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 12. | टीकम चन्द बोहरा | 19.7.2006 से लगातार | शिकायत पर | 146937/- |
| 13. | दिनेश कुमार पारीक | 13.7.06 से लगातार | कोर्ट निर्देश पर | 146397/- |
| 14. | राकेश शर्मा | 7.8.06 से लगातार | आईएएस पदस्थापित | 18500/- प्रतिमाह |
| 15. | असलम शेर खान | 10.8.06 से लगातार | आईएएस पदस्थापित | 124919/- |
| 16. | महिपाल सिंह | 11.8.06 से लगातार | आईएएस पदस्थापित | 50946/- |
| 17. | हुन्दल विधानी | 19.8.06 से लगातार | कार्यग्रहण नहीं कराया | 182746/- |
| 18. | संजय जैन | 13.11.06 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | 51604/- |
| 19. | घनेन्द्र भान चतुर्वेदी | 13.11.06 से लगातार | अन्य सेवा का अधिकारी पदस्थापित | 70524/- |
| 20. | पुरूषोत्तम शर्मा | 18.12.06 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | 50945/- |
| 21. | भवानी सिंह पालावत | 21.12.06 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | |
| 22. | सत्यनारायण लाठी | 24.12.06 से लगातार | एसीबी प्रकरण | |
| 23. | दिलसुख लाल खींची | 9.10.06 से लगातार | निलम्बन से बहाली पर | 58965/- |
| 24. | बिन्दु करूणाकर | 13.11.06 से लगातार | प्रशिक्षण समाप्ति पर | 41590/- |
| 25. | प्रतापसिंह राजावत | 14.9.06 से लगातार | निलम्बन से बहाली पर | 98410/- |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 26. | राजेश कुमार चौहान | 4.11.2006 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | 34048/- |
| 27. | विक्रम सिंह चौहान | 23.10.06 से लगातार | आईएएस पदस्थापित | 106293/- |
| 28. | लाल चन्द पारीक | 5.6.06 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | 135503/- |
| 29. | वी.एम. कपूर | 19.1.07 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | |
| 30. | संग्राम सिंह | 12.1.07 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | |
| 31. | श्रीमती सीमा कुमार | 1.9.06 से लगातार | एपीओ में अवकाश पर | 58720/- |
| 32. | रामलाल देवत | 21.2.07 से लगातार | निलम्बन से बहाली पर | 3265/- |
| 33. | गिरीश पाराशर | 27.2.07 से लगातार | अन्य सेवा के अधिकारी का पदस्थापन होने के कारण | |
| 34. | राधाकृष्ण मीणा | 27.2.07 से लगातार | अन्य सेवा के अधिकारी का पदस्थापन होने के कारण | |
| 35. | हिम्मत सिंह भाटी | 27.2.07 से लगातार | अन्य सेवा के अधिकारी का पदस्थापन होने के कारण | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 36. | बनवारी लाल भगत | 27.2.2007 से लगातार | अन्य सेवा के अधिकारी का पदस्थापन होने के कारण | |
| 37. | रामावतार मीणा | 16.3.07 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | |
| 38. | किशन सिंह वर्मा | 15.3.07 से लगातार | प्रशासनिक कारणों से | |

**अन्य राजपत्रित अधिकारियों की सूचना**

| क्र. सं. | नाम (सर्वश्री) | एपीओ अवधि | किन कारणों से एपीओ किया गया | एपीओ अवधि में भुगतान की गई राशि (रु.) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | श्रीमती नेहा शर्मा, उप निदेशक, सांख्यिकी विभाग, जयपुर | 5.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 2400/- प्रतिमाह |
| 2. | अभय कुमार वाजपेई, समाज कल्याण अधिकारी, जयपुर | 4.1.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 47712/- प्रतिमाह (क्र. सं. 2 से 4 तक) |
| 3. | अरविन्द कुमार माथुर, परीवीक्षा अधिकारी | 1.3.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | |
| 4. | रामनिवास यादव, परीवीक्षा अधिकारी | 1.3.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | |
| 5. | रमेश कुमार बोहरा, सहायक लेखाधिकारी | 17.1.07 से लगातार | कार्यभार ग्रहण नहीं कराया गया | उक्त सातों अधिकारियों को 1.33 लाख रुपए प्रतिमाह के वेतन भत्तों का वित्तीय भार है। |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 6. | अशोक कुमार शर्मा, सहायक लेखाधिकारी | 17.1.2007 से लगातार | कार्यमुक्त कर दिये जाने के कारण | वास्तविक वित्तीय भार की गणना इनके पदस्थापन के पश्चात् उपलब्ध कराई जा सकेगी। |
| 7. | राधेश्याम गुप्ता, सहायक लेखाधिकारी | 5.2.07 से लगातार | कार्यमुक्त कर दिये जाने के कारण | |
| 8. | हरिराम गुप्ता, सहायक लेखाधिकारी | 22.2.07 से लगातार | कार्यमुक्त कर दिये जाने के कारण | |
| 9. | सुरेश बाबू जैन, सहायक लेखाधिकारी | 24.2.07 से लगातार | कार्यमुक्त कर दिये जाने के कारण | |
| 10. | सुवालाल, सहायक लेखाधिकारी | 1.3.07 से लगातार | पद समाप्त होने के कारण कार्यमुक्त | |
| 11. | कालूराम माली, सहायक लेखाधिकारी | 1.3.07 से लगातार | कार्यमुक्त कर दिये जाने के कारण | |
| 12. | पी.एन. भारद्वाज, उप निदेशक, उद्योग | 30.8.05 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 17737/- रु. प्रतिमाह |
| 13. | ईश्वर लाल यादव, सहायक निदेशक, कृषि | 27.9.06 से लगातार | प्रतिनियुक्ति से वापसी | लगभग 1.94 लाख रुपये का वित्तीय भार पड़ा है। |
| 14. | बाल स्वरूप मीणा, सहायक निदेशक | 20.12.06 से लगातार | प्रतिनियुक्ति से वापसी | |
| 15. | डूंगाराम जाट, उपनिदेशक | 20.1.07 से लगातार | प्रतिनियुक्ति से वापसी | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 16. | दुलीचन्द पलसानिया, सहायक निदेशक | 3.2.2007 से लगातार | प्रतिनियुक्ति से वापसी | |
| 17. | पुखराज मेंशन, संयुक्त निदेशक | 13.2.07 से लगातार | प्रतिनियुक्ति से वापसी | |
| 18. | पी. के. गुप्ता, उपनिदेशक, कृषि | 14.2.07 से लगातार | प्रतिनियुक्ति से वापसी | |
| 19. | घनश्याम मीणा, उपनिदेशक | 5.3.07 से लगातार | प्रतिनियुक्ति से वापसी | |
| 20. | रामलाल वर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी | 1.3.04 से लगातारी | ट्रिब्यूनल के स्थगन आदेश के कारण | वर्ष 04-05 में 191389/- वर्ष 05-06 में 192034/- एवं वर्ष 06-07 में 210718/- |
| 21. | पी. के. मीणा | 7.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 23568/- रु. |
| 22. | महेन्द्र सिंह जावला, संयुक्त रजिस्ट्रार | 31.10.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 29000/- प्रतिमाह |
| 23. | राजेन्द्र सिंह गार्डन, उप रजिस्ट्रार | 31.10.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 19500/- प्रतिमाह |
| 24. | सुरेश चन्द पारीक, उप रजिस्ट्रार | 15.7.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 24000/- प्रतिमाह |
| 25. | महावीर प्रसाद यादव उप रजिस्ट्रार | 12.12.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 23400/- प्रतिमाह |
| 26. | योगेश पाठक, उप रजिस्ट्रार | 18.1.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 24600/- प्रतिमाह |
| 27. | सुभाष चौधरी, सहायक रजिस्ट्रार | 26.12.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 19800/- प्रतिमाह |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 28. | पूर्णाराम बेनीवाल, सहायक नगर नियोजक | 24.2.2007 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 25000/- प्रतिमाह |
| 29. | गुलजारी लाल शर्मा, लेखाधिकारी | 22.1.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | 0.50 लाख प्रतिमाह (क्र. सं. 29 व 30) |
| 30. | अनिता चतुर्वेदी, वित्तीय सलाहकार | 3.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण से | |
| 31. | श्री हरिपाल सिंह कावट, सहायक अभि. | 30.1.07 से लगातार | अपग्रेडेशन के कारण | 17520/- प्रतिमाह (चारों अधिकारियों का) |
| 32. | श्री ओ. पी. वर्मा, सहायक अभि. | 21.2.07 से लगातार | अपग्रेडेशन के कारण | |
| 33. | रूप चन्द, सहायक अभि. | 21.2.07 से लगातार | अपग्रेडेशन के कारण | |
| 34. | मोहन लाल अग्रवाल सहायक अभियन्ता | 1.2.07 से लगातार | अपग्रेडेशन के कारण | |
| 35. | एस. के. श्रीवास्तव भारतीय वन सेवा | 11.12.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण | 1,17,604/- रुपये प्रतिमाह क्र. सं. 35 से 38 तक शामिल है। |
| 36. | के.सी.ए. अरूण प्रसाद भारतीय वन सेवा | 3.1.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण | |
| 37. | अरूण कान्त सक्सैना राजस्थान वन सेवा | 21.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण | |
| 38. | अमर सिंह इडी राजस्थान वन सेवा | 17.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण | |
| 39. | हरि प्रसाद शर्मा अपर पुलिस अधिकारी | 9.10.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण | 2,40,835/- रु. फरवरी, 07 तक क्र.सं. 39 से 43 तक |
| 40. | सवाई सिंह चौधरी अपर पुलिस अधिकारी | 18.12.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 41. | हेमन्त कुमार शर्मा अपर पुलिस अधिकारी | 15.2.2007 से लगातार | प्रशासनिक कारण | |
| 42. | शंकर दत्त शर्मा उप पुलिस अधिकारी | 18.12.06 से लगातार | प्रशासनिक कारण | |
| 43. | हर्ष कोठारी उप पुलिस अधिकारी | 19.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण | |
| 44. | सुख लाल शर्मा, सहा. अभियन्ता, जल संसाधन विभाग | 17.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण | 700/- प्रतिदिन |
| 45. | आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव, सहा. अभियन्ता, जल संसाधन विभाग | 8.3.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण | 700/- प्रतिदिन |
| 46. | मुकेश कुमार कायथवाल तहसीलदार | 23.2.07 से लगातार | शिकायत के कारण | 15,000/- प्रतिमाह |
| 47. | श्रीमती खुर्शीदा खान, सी.डी.पी.ओ. | 21.7.04 से लगातार | जांच प्रकरण लम्बित | 19,196/- प्रतिमाह |
| 48. | श्रीमती रमा गौतम, सी.डी.पी.ओ. | 2.8.04 से लगातार | जांच प्रकरण लम्बित | 18,292/- प्रतिमाह |
| 49. | श्रीमती उषा जोशी, सी.डी.पी.ओ. | 24.9.04 से लगातार | जांच प्रकरण लम्बित | 18,292/- प्रतिमाह |
| 50. | श्रीमती ममता यादव, सी.डी.पी.ओ. | 21.7.04 से लगातार | जांच प्रकरण लम्बित | 16,176/- प्रतिमाह |
| 51. | श्रीमती कृष्णा तिवाड़ी, सी.डी.पी.ओ. | 10.1.07 से लगातार | शिकायत के कारण | 18,844/- प्रतिमाह |
| 52. | संजय करोलीवाल, चिकित्सा अधिकारी | 12.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण | 9200/- |
| 53. | मुन्नवर अली अन्सारी चिकित्सा अधिकारी | 12.2.07 से लगातार | प्रशासनिक कारण | 16177/- |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 54. | संगीत चौधरी,<br>चिकित्सा अधिकारी | 1.3.2007 से<br>लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 10320/- |
| 55. | मोहम्मद हुसैन,<br>चिकित्सा अधिकारी | 5.3.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 4932/- |
| 56. | रितु अग्रवाल,<br>चिकित्सा अधिकारी | 6.3.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 4150/- |
| 57. | सुधीर गोस्वामी,<br>चिकित्सा अधिकारी | 7.3.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 4373/- |
| 58. | शशि कुमारी,<br>चिकित्सा अधिकारी | 9.3.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 2905/- |
| 59. | वीना शर्मा,<br>चिकित्सा अधिकारी,<br>फिक्स्ड) | 9.3.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 2240/- |
| 60. | अजय महावर,<br>चिकित्सा अधिकारी | 13.3.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 1387/- |
| 61. | पी.सी. मीणा<br>वरि. चिकित्सा<br>अधिकारी | 19.2.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 25000/- |
| 62. | क्रान्ति कुमारी वरि.<br>चिकित्सा अधिकारी | 24.2.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 24000/- |
| 63. | मनोज कुमार,<br>चिकित्सा अधिकारी | 28.2.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 19000/- |
| 64. | एस.सी. जैन,<br>कनिष्ट विशेषज्ञ | 8.3.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 27000/- |
| 65. | लक्ष्मण सिंह सोरल,<br>उप निदेशक | 14.3.07 से लगातार | प्रशासनिक<br>कारण | 27000/- |
| 66. | डा. डी. के. जिन्दल,<br>आचार्य, सर्जरी, मेडिकल<br>कालेज, जयपुर | 15.1.07 से 15.3.07 | प्रशासनिक<br>कारण | 77,780/- |

## सुरनाणा ग्राम (लूणकरणसर) हेतु डामरीकृत सड़क

**125. श्री वीरेन्द्र बेनीवाल** (लूणकरणसर) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि राज्य में विभिन्न योजनाओं के तहत पक्की सड़क से वंचित गांवों को जोड़ा जा रहा है? यदि हां, तो किन-किन योजनाओं के तहत तथा जोड़े जाने का आधार/मानदण्ड क्या है?

(2) क्या यह सही है कि राज्य में 750 की जनसंख्या से ऊपर के सभी गांव पक्की सड़क से जुड गए हैं? यदि नहीं, तो कौन-कौनसे व क्यों? क्या सरकार 750 से अधिक की जनसंख्या से वंचित गांवों को पक्की सड़क से जोड़ने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(3) जिला बीकानेर की तहसील लूणकरणसर के गांव सुरनाणा की जनसंख्या कितनी है? क्या उक्त गांव वर्तमान में पक्की सड़क से जुड़ा हुआ है? यदि हां, तो कब से तथा इस सड़क का निर्माण कितनी लागत से व किस योजना के तहत करवाया गया? यदि नहीं, तो क्या सरकार इसे पक्की सड़क से जोड़ने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व किस योजना के तहत व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

(1)जी हां। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना व नाबार्ड पोषित आर.आई.डी.एफ. योजना के अन्तर्गत सड़क से वंचित गांवों को पक्की सड़क से जोड़ा जा रहा है तथा जोड़े जाने का आधार/मापदण्ड परिशिष्ट "अ" पर उपलब्ध है।

(2)जी नहीं। वर्ष 2001 की जनगणनानुसार 750 जनसंख्या से ऊपर के गांवों की वर्तमान स्थिति जो पक्की सड़कों से जुड़े हुए नहीं हैं परिशिष्ट "ब" पर उपलब्ध हैं। 750 से अधिक जनसंख्या के वंचित 43 गांवों को जो ग्रेवल सड़क से जुड़े हैं को पक्की सड़कों से जोड़ा जाना राज्य सरकार के वितीय संसाधनों एवं पारस्परिक प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है।

(3) जिला बीकानेर की तहसील लूणकरणसर के गांव सुरनाणा की जनसंख्या 2001 की जनगणनानुसार 2742 है। यह गांव वर्तमान में पक्की सड़क से जुड़ा हुआ है। सड़क का निर्माण वर्ष 1990-91 में कृषि उपज समिति लूणकरणसर द्वारा मण्डी कोष से 2.50 लाख रुपये की लागत से करवाया गया था।

**(आधार/मापदण्ड/विवरण विस्तृत होने के कारण पुस्तकालय में रखे गये)**

## सलूम्बर विधान सभा क्षेत्र की अविद्युतीकृत आदिवासी बस्तियां

**126. श्री अर्जुन लाल मीणा** (सलूम्बर) : क्या जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) विधान सभा क्षेत्र सलूम्बर के अन्तर्गत कितने आदिवासी बस्तियों एवं

(श्री अर्जुन लाल मीणा)

गांवों को वर्ष 2005-06 व 2006-07 में विद्युतीकृत किया गया? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि विधान सभा क्षेत्र सलूम्बर की तुलना में अन्य विधान सभा क्षेत्रों में अधिक गांवों का विद्युतीकृत किया गया है? यदि हां, तो कितना? तुलनात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र सलूम्बर के अन्तर्गत वर्ष 2005-06 एवं 2006-07 में किसी गांव का विद्युतिकरण नहीं किया गया। वर्ष 2005-06 में सलूम्बर विधान सभा क्षेत्र में 3 आदिवासी बस्तियों क्रमशः 1-आदिवासी बस्ती मिथुडी, 2-बिजणीया बस्ती, ग्राम बस्सी सामचोत एवं 3-राजपुरा मीणा बस्ती, ग्राम समोडा का विद्युतिकरण किया गया है।

(2)जी नहीं। ग्रामों का विद्युतिकरण विधान सभा क्षेत्रवार न कर पंचायत समितिवार किया जाता है। जनजाति उपयोजना (अनुसूचित) क्षेत्र में पंचायत समितिवार विद्युतिकरण का तुलनात्मक विवरण (प्रतिशत) निम्नानुसार है :-

| क्र.सं. | नाम पंचायात समिति | .विद्युतीकरण का प्रतिशत |
|---|---|---|
| | **जिला बांसवाड़ा** | |
| 1 | घाटोल | 96.8 |
| 2 | गढ़ी | 100.0 |
| 3 | तलवाड़ा | 93.7 |
| 4 | बागीदौरा | 100.0 |
| 5 | सज्जनगढ़ | 89.8 |
| 6 | कुशलगढ़ | 99.5 |
| 7 | पीपलखूंट | 76.1 |
| 8 | आनन्दपुरी | 100.0 |
| | **जिला उदयपुर** | |
| 1 | गिर्वा | 100.0 |
| 2 | कोटड़ा | 76.0 |
| 3 | धरियावाद | 95.1 |
| 4 | झाडौल | 91.4 |
| 5 | खेरवाड़ा | 98.8 |
| 6 | सराड़ा | 100.0 |
| 7 | सलूम्बर | 98.1 |

| क्र.सं. | नाम पंचायात समिति | .विद्युतीकरण का प्रतिशत |
|---|---|---|
| | **जिला डूंगरपुर** | |
| 1 | डूंगरपुर | 100.0 |
| 2 | सीमलवाड़ा | 100.0 |
| 3 | सागवाड़ा | 100.0 |
| 4 | आसपुर | 100.0 |
| 5 | बिच्छीवाड़ा | 100.0 |
| | **जिला चित्तौड़गढ़** | |
| 1 | प्रतापगढ़ | 92.8 |
| 2 | अरनोद | 99.4 |
| | **जिला सिरोही** | |
| 1 | आबूरोड़ | 100.0 |

## बाड़मेर में आवासन मण्डल द्वारा प्रस्तावित आवासीय कालोनी

**127. श्री तगाराम चौधरी** (बाड़मेर) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि विधान क्षेत्र बाड़मेर के बाड़मेर नगर में आवासन मण्डल द्वारा वर्ष 2001 में आवासीय कालोनी का निर्माण करने हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित किये गये थे? यदि हां, तो कितने आवेदन-पत्र जमा हुए व आवेदन पत्रों के साथ कितनी राशि जमा हुई? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार अब बाड़मेर में आवासीय कालोनी बनाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1)जी नहीं। बाड़मेर नगर में राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा वर्ष 2001 में आवासीय कालोनी के निर्माण हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित नहीं किये गये।

(2)जी हां। बाड़मेर शहर में भूमि अवाप्ति की कार्यवाही प्रगति पर है। भूमि प्राप्त होते ही निर्माण कार्य आरम्भ किया जायेगा।

## प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता

**128. श्री राव राजेन्द्र सिंह** (बैराठ) : क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि सरकार राज्य के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 24 घण्टे आपातकालीन सेवाएं प्रारम्भ करने का विचार

(राव राजेन्द्र सिंह)

रखती है? यदि हां, तो सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में अब तक क्या-क्या प्रयास किये गये? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह भी सही है कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 24 घण्टे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार को अतिरिक्त चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों के पदों का सृजन करना पड़ेगा? यदि हां, तो कितने-कितने पदों का सृजन करना पड़ेगा? विवरण सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) जी हां। राज्य सरकार सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चरणबद्ध तरीके से 24 घण्टे आपातकालीन सेवाएं प्रारम्भ करने का विचार रखती है।

प्रथम चरण में सरकार द्वारा 365 चिकित्सा संस्थानों पर 24 घण्टे आपातकालीन सेवाओं के लिए सुदृढ़ीकरण की कार्यवाही आरम्भ की गई है।

365 संस्थानों के चयन में यह ध्यान रखा गया हैं कि हर पंचायत समिति क्षेत्र में एक 24 घण्टे कार्यशील चिकित्सा संस्थान की व्यवस्था हो सके।

इन संस्थानों में 43 जिला एवं उप जिला अस्पताल, 219 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व 103 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं।

उक्त 365 चिकित्सा संस्थानों के संचालन हेतु निम्न प्रयास किये जा रहे हैं-

सभी 43 जिला एवं उप जिला स्तर के अस्पतालों में मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी को 5-5 लाख रुपयों की राशि देने का प्रावधान किया गया है।

सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रोगी कल्याण समिति के अन्तर्गत 1-1 लाख रुपयों की वार्षिक अनुदान राशि दी गयी हैं।

सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 25000 प्रति केन्द्र अनटाइड फण्ड की राशि तथा 50000 रुपयों की प्रति केन्द्र वार्षिक अनुदान राशि दी जा रही है।

134 केन्द्रों पर रक्त संधारण केन्द्र बनाये गये है। जहां के चिकित्सक एवं लेब टैक्निशियन को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

365 संस्थानों पर फेसिलिटी सर्वे करवा कर आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य, उपकरण/औजार, एम्बुलेंस उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

(2) सभी 365 संस्थानों पर 24 घण्टे आपातकालीन सेवायें उपलब्ध करवाने के लिये चरणबद्ध रूप से अतिरिक्त चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ के पदों का सृजन करने हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

## जयपुर जिला कलक्टर द्वारा अनुमोदित आवासीय योजनाएं

**129. श्री रामचन्द्र सराधना** (जमुआरामगढ़) : क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) कृषि भूमि को आवासीय भूमि में रूपान्तरण के क्या नियम निर्धारित हैं? नियमों की प्रति सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) दिनांक 01 जनवरी, 2006 से 28 फरवरी, 2007 तक जिला कलक्टर जयपुर द्वारा कहां-कहां कितनी जमीन का लैंडयूज कृषि से बदलकर आवासीय किया गया? तहसीलवार व ग्रामवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह सही है कि नेशनल लैंडयूज पालिसी के तहत शहरों का विस्तार कृषि उत्पादक क्षेत्रों को छोड़कर करने का प्रावधान है? यदि हां, तो क्या जिला कलक्टर जयपुर द्वारा किये गये भूमि रूपान्तरण में इस प्रावधान का ध्यान रखा गया है? यदि हां, तो किस प्रकार व नहीं, तो क्यों?

(4) क्या यह सही है कि भूमि रूपान्तरण के बाद जिला कलक्टर जयपुर द्वारा कुछ आवासीय योजनाओं का भी अनुमोदन किया गया है? यदि हां, तो उक्त अवधि में जिला कलक्टर जयपुर को किन-किन योजनाओं के अनुमोदन के प्रस्ताव प्राप्त हुए और उनमें से किन-किन योजनाओं का अनुमोदन किया गया? जिन योजनाओं का अनुमोदन नहीं किया गया, उसके क्या कारण रहे? विवरण सदन की मेज पर रखें।

### उत्तर

(1)जी हां। नगरीय क्षेत्रों में स्थित कृषि भूमि को अकृषिक प्रयोजनों के लिए संपरिवर्तन हेतु राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-बी में प्रावधान है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनों के लिए संपरिवर्तन हेतु राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का अकृषिक प्रयोजनों के लिए संपरिवर्तन) नियम, 1992 में प्रावधान है।

(2) दिनांक 01 जनवरी, 2006 से 28 फरवरी, 2007 तक जिला कलक्टर, जयपुर द्वारा जिले की तहसीलों के विभिन्न ग्रामों में कुल रकबा 707.4996 हैक्टर भूमि का कृषि भूमि से आवासीय में परिवर्तन किया गया है, जिसका विवरण परिशिष्ट "अ" संलग्न है।

(3) कृषि भूमि को अकृषिक प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन करने के सम्बन्ध में नेशनल लैण्ड यूज पालिसी जानकारी में होना नहीं पाया जाता है।

(4) जी हां। इस अवधि में कुल 44 आवासीय योजनाओं के अनुमोदन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उनमें से 36 योजनाओं के नक्शे अनुमोदित किये जा चुके हैं एवं 8 योजनाओं के नक्शे विचाराधीन हैं। इसका विवरण परिशिष्ट "ब" एवं "स" पर संलग्न है।

**परिशिष्ट "अ"**

**दिनांक 1 जनवरी, 2006 से 28 फरवरी, 2007 तक आवासीय उपयोग हेतु संपरिवर्तन की गई भूमि का तहसीलवार एवं ग्रामवार विवरण**

| क्र. सं. | नाम तहसील | नाम ग्राम | कुल संपरिवर्तन किया गया क्षेत्रफल वर्गमीटर में |
|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** |
| 1. | आमेर | 1. मुण्डोता | 185800 |
| | | 2. जुगलपुरा | 13100 |
| | | 3. बिलौंची | 215700 |
| | | 4. बगवाडा | 20200 |
| | | 5. मानपुरा माचेडी | 8924 |
| | | 6. चिताणुकला | 5000 |
| | | 7. बीलपुर | 55200 |
| | | 8. डीसा | 1390 |
| | | **कुल योग** | **517824** |
| | | | |
| 2. | बस्सी | 1. झर | 9200 |
| 3. | चौमूं | 1. स्याउ | 12500 |
| | | 2. भोपावास | 4100 |
| | | 3. मोरीजा | 5400 |
| | | **कुल योग** | **22000** |
| 4. | चाकसू | 1. जयसिंहपुरा | 185100 |
| | | 2. रामपुरा बुजुर्ग | 58700 |
| | | 3. बडली | 38000 |
| | | 4. बाडा पदमपुरा | 96500 |
| | | 5. चतुर्भुजपुरा | 68300 |
| | | **कुल योग** | **446600** |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 5 | कोटपूतली | 1. रामसिंहपुरा | 29500 |
| | | 2. बालावास | 31303 |
| | | 3. बडावास | 98947 |
| | | 4. सुन्दरपुरा | 13600 |
| | | 5. महरामपुरा नवाब | 21472 |
| | | 6. पूतली | 9050 |
| | | **कुल योग** | **203872** |
| 6. | जयपुर | 1. माचवा | 586353 |
| | | 2. कालवाड | 326185 |
| | | 3. बेगस | 18450 |
| | | 4. नारी का बास | 84223 |
| | | 5. गजाधरपुरा | 75372 |
| | | 6. जयसिंहपुरा | 35789 |
| | | 7. बीचपडी | 303513 |
| | | 8. धानक्या | 9000 |
| | | **कुल योग** | **143885** |
| 7. | मौजमाबाद | 1. दूदू | 4679 |
| | | 2. उगरियावास | 180708 |
| | | 3. झरना | 276573 |
| | | 4. नासनोता | 242531 |
| | | 5. महला | 79942 |
| | | 6. कापडियावास | 179057 |
| | | 7. गिरधारीपुरा | 191087 |
| | | 8. गाडोता | 105218 |
| | | 9. मोजमाबाद | 141387 |
| | | 10. खटवाडा | 123125 |
| | | 11. पालूकला | 169587 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 8. | | 12. रायथल | 162471 |
| | | 13. अमरपुरा | 1896 |
| | | **कुल योग** | **1858311** |
| | सांगानेर | 1. रामपुरा डंती | 153600 |
| | | 2. पृथ्वीसिंहपुरा उर्फ नईवाला | 355500 |
| | | 3. कपूरावाला | 5100 |
| | | **कुल योग** | **514200** |
| 9. | जमवारामगढ़ | 1. गोडियाना | 36309 |
| 10. | फागी | 1. बुकनी | 394318 |
| | | 2. गोविन्दपुरा उर्फ बासडा | 1031230 |
| | | 3. हिंगोनिया | 139736 |
| | | 4. नन्दलालपुरा | 94535 |
| | | 5. फागी | 45954 |
| | | 6. हरसूलिया | 155550 |
| | | 7. सांवा का बास | 51600 |
| | | 8. गोपाल नगर | 84604 |
| | | 9. आमरपुरा | 126573 |
| | | 10. देवनगर | 83119 |
| | | 11. नवलकिशोरपुरा | 47424 |
| | | 12. कीरतपुरा | 44009 |
| | | 13. रायथल | 141102 |
| | | 14. गोहन्दी | 160208 |
| | | 15. जानकीनाथपुरा | 104618 |
| | | 16. चकगुलाबपुरा | 606201 |
| | | 17. जाबड | 12014 |
| | | **कुल योग** | **3322795** |

**परिशिष्ट "ब"**

**अनुमोदित की गई आवासीय योजनाओं का विवरण  दिनांक 1.1.2006 से 28.2.2007 तक**

| क्र. सं. | नाम प्रार्थी | योजना का नाम | तहसील का नाम | ग्राम का नाम | अनुमोदन दिनांक |
|---|---|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** |
| 1. | श्री शरद कुमार मोयलका एवं अन्य | गणपति पेराडाईज | जयपुर | कालवाड | 8.2.2006 |
| 2. | मैसर्स अंसल टाउनशिंप एण्ड लेण्ड डवलपमेंट लि. | सुशान्त सिटी | जयपुर | माचवा | 8.2.2006 |
| 3. | मै. देहली टावर्स एण्ड एस्टेट प्रा. लि. | —"— | —"— | नारी का बास | 8.2.2006 |
| 4. | श्री प्रभूदयाल वर्मा | सुकीर्ति आवासीय कालोनी | आमेर | बगवाडा | 7.10.2006 |
| 5. | श्री सुभाष सैनी | —"— | —"— | —"— | —"— |
| 6. | श्रीमती राजकुमार गर्ग एवं अन्य | मंगलम आशियाना | जयपुर | माचवा | —"— |
| 7. | श्री नाथुलाल, भैरूलाल व अन्य | अजय एन्कलेव | जयपुर | गजाधरपुरा | —"— |
| 8. | श्री संजय बाफना | अजय विहार | —"— | माचवा | —"— |
| 9. | श्री नेमीचन्द | रूक्मणि विहार | फागी | हरसूलिया | —"— |
| 10. | मै. ग्रारसफिल्ड फार्मस एण्ड रिसोट्स लि. | | मौजमाबाद | नासनोता | —"— |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 11. | श्री दीनानाथ पुत्र श्यारतन | | —"— | —"— | —"— |
| 12. | श्री मुकेश अग्रवाल | | जयपुर | गजाधरपुरा | —"— |
| 13. | मै. ग्रारसफिल्ड फार्म एण्ड रिसोर्ट प्रा. लि. | | फागी | गोविन्दपुरा उर्फ बासडा | —"— |
| 14. | युवराज एण्ड कम्पनी प्रा. लि. | | जयपुर | नारी का बास | —"— |
| 15. | श्री राधा गोविन्द फार्मस प्रा. लि. | गार्डन सिटी | मौजमाबाद | मौजमाबाद | 6.1.2007 |
| 16. | सिल्वरपार्क बिल्डहोम प्रा. लि. | चन्दनविहार | फागी | गोविन्दपुरा उर्फ बासडा | —"— |
| 17. | सान्या लेण्ड डवलपर्स प्रा. लि. | —"— | —"— | —"— | —"— |
| 18. | सिल्वर लाइन बिल्डहोम प्रा. लि. | —"— | —"— | —"— | —"— |
| 19. | मोती बिल्डकान प्रा. लि. | | मौजमाबाद | पालूकला | —"— |
| 20. | मुकेश पुत्र जोहरी | | —"— | गोपालनगर | 20.1.2007 |
| 21. | जीवन लाल पुत्र रामदास | वाटिका सिटी | सांगानेर | पृथ्वीसिंहपुरा उर्फ नाईवाला | 20.1.2007 |
| 22. | नक्षत्र बिल्डकान प्रा. लि. | —"— | —"— | —"— | —"— |
| 23. | घेवर राम पुत्र चुन्ना लाल | —"— | —"— | —"— | —"— |
| 24. | काशीराम पुत्र मनीराम | —"— | —"— | —"— | —"— |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 25. | श्री प्रदीप कुमार चौधरी एवं अन्य | —”— | —”— | —”— | —”— |
| 26. | श्री महेश जैन पुत्र सरदारमल | सुशांत सिटी | जयपुर | माचवा | —”— |
| 27. | श्री रतनलाल शर्मा पुत्र गोपीलाल | —”— | —”— | —”— | —”— |
| 28. | बजरंग रियेल्टर्स प्रा. लि. | —”— | —”— | —”— | —”— |
| 29. | आर.पी.फिनकेप कम्पनी लि. | —”— | —”— | —”— | —”— |
| 30. | इण्डियन रियलिटी लि. | | —”— | —”— | —”— |
| 31. | सचिन होम्स प्रा. लि. | —”— | —”— | —”— | —”— |
| 32. | आर.पी. फिनकेप कम्पनी लि. एवं मै. बजरंग रियेल्टर्स प्रा. लि. | —”— | —”— | —”— | —”— |
| 33. | नेहा लीजिंग एण्ड होल्डिंग्स | आनन्दलोक | जयपुर | कालवाड | —”— |
| 34. | ग्यारसी पत्नि पदमा | | आमेर | मुण्डोता | 3.2.07 |
| 35. | मगनी देवी पत्नि गंगाराम | हिल व्यू कालोनी | —”— | —”— | —”— |
| 36. | मदन लाल पुत्र भगवान सहाय एवं देवी लाल सुवा लाल | अरावली सिटी | —”— | —”— | —”— |

**परिशिष्ट "स"**

**आवासीय योजना हेतु प्राप्त प्रस्ताव जिनका अनुमोदन नहीं हुआ**

| क्र. सं. | नाम प्रार्थी | नाम तहसील | नाम ग्राम | अनुमोदित नहीं होने का कारण |
|---|---|---|---|---|
| 1. | श्री मुकेश कुमार अग्रवाल | जयपुर | माचवा | नक्शा निर्धारित नोर्म्स में नहीं होने से संशोधित नक्शा चाहा गया। आगामी बैठक में रखा जावेगा। |
| 2. | श्री मनोज कुमार अग्रवाल | जयपुर | कालवाड | नक्शे में खसरा सीमाएं मेल नहीं खाने से संशोधित नक्शा चाहा गया। आगामी बैठक में रखा जावेगा। |
| 3. | मैसर्स नेहा लीजिंग एण्ड होल्डिंग्स लि. एवं अन्य | जयपुर | कालवाड | —"— |
| 4. | मै. देहली टावर एण्ड एस्टेट प्रा. लि. एवं अन्य | जयपुर | माचवा | निर्धारित नोर्म्स के अनुसार संशोधित नक्शा चाहा गया। |
| 5. | श्री मदन लाल पुत्र भगवान सहाय | आमेर | मुण्डोता | —"— |
| 6. | मै. गोयल बिल्डकान प्रा. लि. | चाकसू | रामपुरा बुजुर्ग | —"— |
| 7. | मै. वास्तुकार टाउनशिप प्रा. लि. | —"— | —"— | —"— |
| 8. | श्रीमती भारती भाटी | सांगानेर | रामपुरा ऊंती | आगामी बैठक में रखा जावेगा |

जिला कलक्टर
जयपुर

## राजगढ़ (चूरू) विद्युत ट्रान्सफार्मर

**130. श्री नन्दलाल पूनियां** (सार्दुलपुर) : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) कृषि कुओं के जले हुए ट्रान्सफार्मर कितने दिन में बदलने के आदेश हैं? क्या आदेश के अनुसार समय सीमा में ट्रान्सफार्मर बदले जाते हैं?

(2) क्या यह सही है कि तहसील राजगढ़ में ट्रान्सफार्मर 15-20 दिनों में बदले जाते हैं? यदि हां, तो सरकार उन अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है?

(3) क्या जले हुए ट्रान्सफार्मर काश्तकार के कुओं तक पहुंचाने का कार्य सरकार द्वारा किया जाता है? यदि हां, तो तहसील राजगढ़ में ट्रान्सफार्मर नहीं भिजवाने के क्या कारण हैं?

## उत्तर

(1) कृषि कुओं के जले हुए ट्रान्सफार्मर को 72 घण्टे की अवधि में बदले जाने के आदेश हैं। सामान्यत: जले हुए ट्रान्सफार्मरों को 72 घण्टे की अवधि में बदल दिया जाता है।

(2)जी नहीं।

(3) संसाधन की उपलब्धता होने पर निगम अपने स्तर पर ट्रान्सफार्मर कुए पर पहुंचाता है।

# अतारांकित प्रश्नोत्तर

## भीलवाड़ा जिला कलक्टर द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित किए जाने हेतु अभिशंसा

**187. डा. चन्द्रशेखर बैद** (तारानगर) : क्या सामान्य प्रशासन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) दिनांक 26 जनवरी, 2007 को जिला भीलवाड़ा में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में किन व्यक्तियों/संस्थाओं को सम्मानित किया गया?

(2) क्या यह सही है कि किसी थाने को सम्मानित करने का प्रस्ताव भेजा गया था? यदि हां, तो किस आधार पर उसे निरस्त किया गया?

(3) क्या उक्त प्रकरण बाबत कोई रिपोर्ट जिलाधीश द्वारा उच्च अधिकारियों को प्रस्तुत की गई? यदि हां, तो प्रति सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) दिनांक 26 जनवरी, 2007 को जिला भीलवाड़ा में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में जिन व्यक्तियों/संस्थाओं को सम्मानित किया गया था की सूची परिशिष्ट "क" पर संलग्न है।

(2) जी हां। सम्बन्धित थाने में अश्लील सी. डी. प्रकरण के चलते जिला स्तरीय समिति द्वारा विचारोपरान्त सम्बन्धित थाने को सम्मानित करने का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया गया।

(3) जी नहीं। जिला स्तरीय समिति द्वारा थाने को सम्मानित किए जाने वाले प्रस्ताव को अस्वीकार किए जाने बाबत कोई रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को नहीं भिजवाई गई।

**परिशिष्ट "क"**

**26 जनवरी, 2007 को जिला भीलवाड़ा में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में जिन व्यक्तियों/संस्थाओं को सम्मानित किया गया उनकी सूची निम्न प्रकार से है :-**

1. मानव सेवा संस्थान, भीलवाडा-स्वयं सेवी संस्था।
2. योगगुरू श्री सुरजकरण शर्मा, ऊॅं योग साधना संस्थान-योग साधना संस्थान।
3. श्री भैरूलाल जाट।
4. श्री ह्रिरेन जोशी, विभागाध्यक्ष, आई.टी. व इलेक्ट्रोनिक्स मा.ला.व. टेक्सटाइल व इंजिनियरिंग कालेज, तकनीकी शिक्षा विभाग, भीलवाड़ा।

5. बेबी प्रणिता नौलखा, छात्रा कक्षा 8/भंवाई नृत्यांगना।
6. श्री शंकर लाल पि. उदा जाट, निवासी देवपुरा थाना शाहपुरा-साहसिक कार्य।
7. श्री जगदीश पि. बद्रीलाल जाट, नि. देवपुरा थाना शाहपुरा-साहसिक कार्य।
8. श्री गोपाल कृष्ण विश्नोई रा.उ.मा.वि. पुर-विद्यार्थी/खिलाड़ी।
9. श्री आदित्य गुर्जर, रा.उ.मा.वि. प्रतापनगर-विद्यार्थी/खिलाड़ी।
10. निकिता चौपड़ा, विद्यार्थी।
11. श्री एन.आर. गुप्ता, वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक बड़ोदा राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा जहाजपुर-बैंक अधिकारी।
12. श्री लियाकत अली खान, जिला राजस्व लेखाकार राजस्व विभाग जिला कलक्टर भीलवाड़ा।
13. डा. प्रकाश चन्द्र शर्मा, चिकित्सा अधिकारी लेप्रोस्कोपिक मोबाइल यूनिट।
14. श्री रूपचन्द सुवालका, प्रगति प्रसार अधिकारी-पंचायती राज विभाग।
15. श्री राजेन्द्र कुमार पोरवाल, कम्प्यूटर आपरेटर, जिला परिषद, भीलवाड़ा।
16. श्री दिनेश चन्द्र जैन, कनिष्ठ लिपिक-महिला एवं बाल विकास विभाग।
17. श्री रामेश्वर लाल तिवाडी, सांख्यिकी सहायक-सांख्यिकी विभाग।
18. श्री जय प्रकाश पुरोहित, कनिष्ठ लिपिक-उद्योग विभाग।
19. श्री नारायण लाल गुर्जर, वरिष्ठ अध्यापक, रा.उ.मा.वि. आसीन्द, शिक्षा विभाग।
20. मोहम्मद उमर-रहीम, सामाजिक कार्यकर्ता राम-रहीम सेवादल समाज सेवा।
21. श्री गोपालराम जाट, सामाजिक कार्यकर्ता राम-रहीम सेवादल समाज सेवा।
22. बड़ोदा राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा-बडा महुआ।
23. श्री के.जी. कदम, चित्रकार।
24. फाउण्डेशन फोर इकोलोजिकल सिक्युरिटी भीलवाड़ा-स्वयं सेवी संस्था।
25. श्री नितिन कुमार शर्मा, पटवारी, राजस्व विभाग तहसील भीलवाड़ा।
26. श्री राधेश्याम शर्मा, वाहन चालक-राजस्व विभाग।
27. श्री देवी लाल सैन, सहायक कर्मचारी, राजस्व विभाग, कलेक्ट्रेट।
28. श्री ओगड सिंह, गनमैन, (कलेक्ट्रेट) पुलिस विभाग।
29. श्री मोहन लाल सुथार, कारपेन्टर, सा.नि.वि.।
30. श्री रामकृष्ण मीणा, पटवारी शक्करगढ़ राजस्व विभाग, तहसील, जहाजपुर।

31. श्री नितिन शर्मा, कनिष्ठ लिपिक राजस्व विभाग, कलेक्ट्रेट, भीलवाड़ा।

32. श्री गिरधारी सिंह, सहायक कर्मचारी-राजस्व विभाग।

33. श्री हरनाथ सिंह कोठारी, सेवानिवृत सहायक श्रमायुक्त-पेन्शनर्स।

34. श्री प्रशान्त मेवाडा, सामाजिक कार्यकर्ता।

35. श्री विनय शर्मा, पत्रकार दैनिक भास्कर, भीलवाड़ा संस्करण।

36. श्री रत्नेश दमामी, पत्रकार, राजस्थान पत्रिका भीलवाड़ा संस्करण।

37. श्री दिनेश चौहान, पत्रकार, दैनिक नवज्योति गंगापुर।

## माचेड़ा ग्राम (आमेर) की आवासीय कालोनी का नियमन

**188. श्री प्रभूलाल वर्मा** (पीपल्दा) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि ग्राम माचेड़ा, तहसील आमेर, जिला जयपुर के पुराना खसरा नं. 405 नया खसरा नं. 987, 1062, 925/1245, 986/1250 स्थित आवासीय कालोनियों का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अभी तक नियमन नहीं किया गया है? यदि हां, तो क्यों?

(2) क्या यह भी सही है कि उक्त भूमि में से 21 बीघा भूमि कृषि उपज मण्डी समिति हेतु अवाप्त की गई थी? यदि हां, तो कब?

(3) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा उक्त अवाप्त की गई भूमि को अवाप्ति से मुक्त कर दिया गया है? यदि हां, तो कब? आदेश की प्रति सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या सरकार अब उक्त खसरा नम्बरान की भूमि की 90-बी की कार्यवाही कर नियमित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) जी हां। ग्राम माचेड़ा तहसील आमेर के पुराना खसरा नं. 405 नया खसरा नं. 987, 1062, 925/1245, 986/1250 में बसी आवासीय कालोनियों का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अभी तक नियमन नहीं किया गया है क्योंकि उक्त खसरे की भूमि कृषि उपज मण्डी में अवाप्त की गई भूमि में सम्मिलित थी।

(2) जी हां। खसरा नं. 405 जिसका रकबा 46 बीघा 12 बिस्वा है, में से 21 बीघा 17 बिस्वा भूमि की अवाप्ति कृषि उपज मण्डी द्वारा की गई है। उक्त अवाप्ति की कार्यवाही भूमि अर्जन अधिकारी ए.डी.एम. द्वितीय जयपुर द्वारा की गई, जिसकी अवार्ड दिनांक 1.7.2000 को जारी किया जा चुका है, तथा नामान्तरण कृषि उपज मण्डी के नाम हो गया है।

(नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री)

(3)जी नहीं। खसरा नं. 405 ग्राम माचेडा तहसील आमेर की अवाप्त भूमि को अभी तक अवाप्ती से मुक्त नहीं किया गया है।

(4) उक्त खसरा नम्बर में अवाप्त भूमि का नामान्तरण संख्या 242 दिनांक 31.3.2006 को दर्ज किया जाकर खसरा नक्शे में अवाप्त भूमि की तरमीम तहसीलदार आमेर द्वारा की जा चुकी है। नामान्तरण व तरमीमी नक्शे के अनुसार पुराना खसरा नं. 405 के नया खसरा नं. 987/2 रकबा 4.88 हैक्टेयर 1062/2 रकबा 0.65 हैक्टेयर कुल किता 2 रकबा 5.53 हैक्टेयर भूमि कृषि उपज मण्डी जयपुर के नाम खातेदारी दर्ज हो गई है। पुराना खसरा नं. 405 का शेष रकबा खातेदारों के नाम दर्ज है। इस शेष रकबे की 90-बी सभी सहखातेदारों द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण के पक्ष में समर्पणनामा प्रस्तुत करने के बाद व इस भूमि का भू-उपयोग (भू-उपान्तरण) आवासीय करने के उपरान्त राज. भू-राजस्व अधिनियम की धारा 90-बी की कार्यवाही कर नियमानुसार ही नियमन की कार्यवाही सम्भव है।

## मानसरोवर जयपुर के ई.डब्ल्यू.एस. आवासियों के लम्बित अदेयता प्रमाण-पत्र

**189. श्री दाताराम गुर्जर** (खेतडी) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि वर्ष 2005-06 में आवासन मण्डल द्वारा मानसरोवर जयपुर में स्थित ई.डब्ल्यू.एस. आवासों की बकाया किस्तें देय छूट अवधि में जमा कराने के पश्चात् भी अदेयता प्रमाण-पत्र जारी नहीं किए गए? यदि हां, तो किन-किन आवेदकों को व क्यों? सरकार शेष रहे आवेदकों को अब कब तक अदेयता प्रमाण-पत्र जारी करने का विचार रखती है? व नहीं, तो क्यों?

(2) आवासन मण्डल के भवनों के अदेयता प्रमाण-पत्र जारी करने सम्बन्धी नियमों की प्रति सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) जी नहीं। प्रश्नानुसार वर्ष 2005-06 में राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा मानसरोवर जयपुर में ई.डब्ल्यू.एस. आवासों को बकाया किस्त जमा कराने में कोई छूट प्रदान नहीं की गई।

(2) मण्डल द्वारा अदेयता प्रमाण-पत्र जारी करने के सम्बन्ध में जारी कार्यालय आदेश की प्रति परिशिष्ट “अ” पर संलग्न है।

**परिशिष्ट ''अ''**

**राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर**

क्रमांक :-प1(6)सा.प्र./जनआदेश/90-91/348 दिनांक 23.3.1990

**कार्यालय-आदेश**

"अदेय प्रमाण-पत्र" जारी करने के बारे में परिपत्र क्रमांक 3632, दिनांक 15.3.1990 के द्वारा कुछ निर्देश दिये गये थे। इस सम्बन्ध में मुख्यालय के ध्यान में लाया गया है कि कुछ कार्यालयों में आबंटियों से "अदेय प्रमाण-पत्र" के प्रार्थना पत्र के साथ आबंटी द्वारा जमा की गई राशियों के समस्त चालानों की छाया प्रतियां मांगी जा रही हैं, जबकि निर्देश यह थे कि आबंटी द्वारा प्रस्तुत विवरण के आधार पर कार्यालय लेखों एवं उपलब्ध रिकार्ड यथा-कैशबुक, बैंक द्वारा प्राप्त चालान, बैंक स्क्रोल, कम्प्यूटर द्वारा तैयार किये गये लेखों, इत्यादि से सत्यापन कर लिया जाए एवं जिन राशियों का रिकार्ड से सत्यापन नहीं हो सके केवल उनकी छाया प्रति राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित करके प्राप्त कर ली जाए एवं उसकी पुष्टि में "शपथ-पत्र" व वचनबद्धता पत्र प्राप्त कर लिया जाए। अत: समस्त चालानों की छाया प्रतियां मांगने का कोई औचित्य नहीं है।

इसी प्रकार ऐसी भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि चालान की छायाप्रति मांगने के साथ-साथ कुछ आबंटियों से यह भी कहा गया है कि वे सम्बन्धित बैंक से बैंक प्रमाण-पत्र भी प्राप्त कर प्रस्तुत करें, जबकि अधिकांश मामलों में बैंक से इस प्रकार के प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आबंटियों के लिये कठिनाईपूर्ण कार्य होता है। अत: बैंक चालान की फोटो प्रति प्रस्तुत करने पर बैंक प्रमाण-पत्र नहीं मांगा जावे।

अत: यह निर्धारित किया जाता है कि "अदेय प्रमाण-पत्र" के सम्बन्ध में निम्न प्रक्रिया अपनाई जाए :-

(1) आबंटी द्वारा "अदेय प्रमाण-पत्र" जारी करने के लिये प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करते समय उनसे एक तालिका ले ली जाए जिसमें जमा कराई गई प्रत्येक राशि का विवरण हो। इसके लिए एक प्रपत्र के प्रारूप की प्रतियां पहले से ही तैयार करके रखें, जिसमें आबंटी से आवश्यक प्रविष्टियां करवा ली जाए। सर्वप्रथम कार्यालय स्तर पर तालिका में दी हुई प्रविष्टियों का सत्यापन कार्यालय में उपलब्ध रिकार्ड से शीघ्र करें। (कार्यालय रिकार्ड से तात्पर्य कम्प्यूटर के माध्यम से तैयार किये गये बैंकों, केशबुक, बैंक से प्राप्त चालान, बैंक स्क्रोल से है)।

(2) जिन प्रविष्टियों का सत्यापन नहीं हो सके उसकी सूचना आबंटी को डाक द्वारा

भिजवाई जाए एवं स्वयं उपस्थित होकर मांगने पर भी दे दी जावे। इस सूचना में प्रविष्टियों का विवरण दिया जाए जिसकी उसे चालान की छायाप्रति उपलब्ध करानी है। साथ ही एक-एक प्रति शपथ पत्र एवं वचनबद्धता पत्र की भी भिजवा दी जाए।

(3) उपरोक्त सत्यापन के पश्चात् शेष बची प्रविष्टियों से सम्बन्धित आबंटी के पास उपलब्ध चालान की छाया प्रति राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित करवा कर और इसकी पुष्टि में एक शपथपत्र एवं वचनबद्धता पत्र प्राप्त कर लिये जाए जिसके प्रारूप आपके पास पूर्व में भेजे जा चुके हैं। इन प्रारूपों की पूर्व में ही अतिरिक्त प्रतियां तैयार कर रखें ताकि आवेदक से छाया प्रति मांगने के समय ही उनकी प्रतियां उनको दी जा सकें।

(4) यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसे आबंटी जो स्वयं बैंक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करते हैं तो उन प्रविष्टियों के मामलों में सम्बन्धित चालानों की छायाप्रति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन ऐसे बैंक प्रमाण-पत्रों की पुष्टि में "शपथपत्र" एवं "वचनबद्धता पत्र" तो प्राप्त कर ही लिया जाए।

(5) इस प्रकार जिन प्रविष्टियों के सम्बन्ध में चालान की छाया प्रतियां एवं उसकी पुष्टि में "शपथ-पत्र" व वचनबद्धता पत्र प्राप्त किये जाते हैं उन मामलों में आबंटी से बैंक प्रमाण-पत्र नहीं मांगा जाए।

(6) चालान की छाया प्रतियां कितनी राशि तक कौन स्वीकार कर सकने के लिये सक्षम है पूर्व परिपत्र में निर्धारित किया जा चुका है।

(7) यह स्पष्ट किया जाता है कि इस (छाया प्रतियों के) आधार पर जो राशियां मांगी जावेगी उन्हें "अधिक जमा वापसी" का आधार नहीं माना जावेगा। यह केवल आबंटी प्रमाण-पत्र के लिये ही मान्य होगा।

**ह./-**
**(बी.एन. पुरोहित)**
**सचिव**

## आनन्द विहार, जगतपुरा, जयपुर की आवासीय योजना हेतु अवाप्त भूमि का मुआवजा

**190. प्रो. बीरूसिंह राठौड़** (बनीपार्क) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि रेलवे मैन्स कापरेटिव सोसायटी आनन्द विहार के

(प्रो. बीरू सिंह राठौड़)

नाम से ग्राम जगतपुरा जयपुर में आवासीय योजना है? यदि हां, तो उक्त सोसायटी द्वारा इस योजना में पुराना खसरा नं. 156 एवं नया खसरा नं. 240, 241/1, 244/1, 245, 246/1, 241/2, 243, 244/2 240/1, 241/4, 247/2, 241/3, 246/2 एवं 247/1 की कितनी भूमि क्रय की गई थी? क्रय की गई भूमि पर सोसायटी द्वारा कितने भूखण्ड किस-किस माप के तथा किसके नाम काटे गये? पूर्ण विवरण मय मानचित्र के सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त योजना में रोड हेतु कितनी भूमि ली गई तथा सुविधा क्षेत्र हेतु कितनी भूमि छोड़ी गई? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह सही है कि जयपुर विकास प्राधिकरण के नाम उक्त जमीन का नामान्तरण खुल जाने के पश्चात् काश्तकार जमीन की पैमाइश (नाप) करवाने का अधिकार रखता है? यदि हां, तो किस नियम के तहत व नहीं, तो क्यों?

(4) क्या यह सही है कि अभी हाल में जगतपुरा महल रोड़ 200 फीट का कार्य प्रगति पर है? यदि हां, तो उक्त वर्णित योजना में से रोड निर्माण हेतु अधिग्रहण की गई भूमि का नापवार मय काश्तकार का नाम तथा खसरा नम्बर के विवरण सदन की मेज पर रखें।

(5) क्या यह भी सही है कि अधिग्रहीत भूमि का मुआवजा काश्तकारों को दिया गया है? यदि हां, तो कितनी-कितना, किस-किस काश्तकार को व नहीं, तो क्यों तथा अब कब तक मुआवजा राशि का भुगतान कर दिया जायेगा? विवरण सहित सदन की मेज पर रखें।

(6) क्या यह सही है कि काश्तकार की जमीन बिना बेचान किये जयुपर विकास प्राधिकरण द्वारा बिना मुआवजा दिये 90-बी की कार्यवाही तथा अधिग्रहण की कार्यवाही की जा सकती है? यदि हां, तो किस नियम/आदेश के तहत? नियमों/आदेशों की प्रति सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) जी हां। यह सही है कि रेलवे मेन्स कापरेटिव सोसायटी आनन्द विहार के नाम से ग्राम जगतपुरा में आवासीय योजना है। उक्त योजना में गत खसरा नं. 156 से बने नए खसरा नं. 240, 241/1, 244/1, 245, 246/1, 241/2, 243, 244/2 240/1, 241/4, 247/2, 241/3, 246/2 एवं 247/1, 5 बीघा 8 बिस्वा भूमि को सोसायटी ने जरिये इकरारनामा दिनांक 20 मार्च, 1986 का क्रय किया था परन्तु मौके पर 5 बीघा 8 बिस्वा के स्थान पर 4 बीघा 4 बिस्वा भूमि ही उपलब्ध थी, जिसका इकरारनामें में अंकन है।

(नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री)

उक्त खसरा नम्बरान की भूमि का प्राधिकृत अधिकारी जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा भू-राजस्व अधिनियम की धारा 90-बी के अन्तर्गत निर्णय किये जाने पर उक्त भूमि जयपुर विकास प्राधिकरण के खाते में आ गयी। इस निर्णय के विरुद्ध सम्भागीय आयुक्त न्यायालय में अपील प्रस्तुत होने पर माननीय सम्भागीय आयुक्त द्वारा प्राधिकृत अधिकारी जयपुर विकास प्राधिकरण के निर्णय को खारिज करते हुए प्रकरण गुण अवगुण के आधार निर्णय करने हेतु प्राधिकृत अधिकारी को पुन: प्रेषित किया गया है जिसका पुन: निर्णय होना अभी शेष है। इन खसरा नम्बरों की भूमि की योजना का अभी जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदन नहीं किया गया है। सोसायटी द्वारा प्रस्तुत सदस्यता सूची में उपरोक्त क्रय की गई भूमि पर सोसायटी द्वारा कुल 14 भूखण्ड काटे गये हैं। जिनका विवरण परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है तथा सोसायटी द्वारा प्रस्तुत मानचित्र परिशिष्ट "ब" पर संलग्न है।

(2) उक्त खसरा नम्बरान से सम्बन्धित योजना का नक्शा जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है अत: सुविधा क्षेत्र में छोड़ी गयी भूमि का विवरण दिया जाना सम्भव नहीं है।

(3)जी हां। यह सही है कि जयपुर विकास प्राधिकरण के नाम उक्त जमीन का नामान्तरण खुला हुआ है किन्तु खातेदार द्वारा उक्त भूमि के 90-बी के प्राधिकृत अधिकारी के निर्णय के खिलाफ माननीय न्यायालय सम्भागीय आयुक्त में अपील करने तथा अपील में माननीय न्यायालय सम्भागीय आयुक्त ने उक्त प्राधिकृत अधिकारी के 90-बी निर्णय को खारिज करते हुए प्राधिकृत अधिकारी को पुन: सुनवाई करने हेतु आदेश दिया है। इस प्रकार अब इस प्रकरण में 90-बी की कार्यवाही होनी है। इस भूमि की पैमाइश के लिए भू-राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत काश्तकार द्वारा पैमाइश हेतु व्यवस्था है।

(4) जी हां। यह सही है कि अभी हाल में जगतपुरा महल रोड़ 200 फीट का कार्य प्रगति पर है। उक्त वर्णित योजना में से रोड निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण नहीं की गई है।

(5) भूमि अधिग्रहण नहीं की गई है। अत: अधिग्रहण की एवज में कोई मुआवजा दिये जाने का प्रश्न ही नहीं है।

(6) सामान्य रूप से किसी काश्तकार की जमीन का अधिग्रहण मुआवजा दिये जाने के आधार पर किया जाता है। धारा 90-बी की कार्यवाही पृथक कार्यवाही है जिसमें खातेदारी भूमि को खातेदार द्वारा कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरण के उद्देश्य से

जयपुर विकास प्राधिकरण को समर्पित किया जाता है। धारा 90-बी के प्रावधान की प्रति परिशिष्ट "स" पर संलग्न है।

**(विवरण/प्रति विस्तृत होने के कारण विधान सभा पुस्तकालय में रखी गयी)**

## जयपुर शहर में संचालित डेयरियों का स्थानान्तरण

**191. श्री नरेन्द्र नागर** (खानपुर) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि जयपुर शहर में संचालित पशु डेयरियों से आम जनता व नागरिकों में भारी रोष व्याप्त है? यदि हां, तो शहर में चल रही डेयरियों को शहर के बाहर कब तक स्थानान्तरित कर दिया जावेगा?

(2) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा पूर्व में कुछ डेयरी संचालकों को जयपुर शहर से बाहर डेयरी स्थानान्तरित किए जाने हेतु भू-खण्डों का आबंटन किया गया था? यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा वहां पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं? यदि नहीं, तो क्या-क्या सुविधाएं उपलब्ध करवाया जाना शेष है एवं वे कब तक उपलब्ध करवा दी जावेगी?

(3) जिन पशुपालकों द्वारा भूमि प्राप्त कर लेने के पश्चात् भी अपनी डेयरी को जयपुर शहर से बाहर स्थानान्तरित नहीं किया गया है, क्या सरकार उनके विरुद्ध कार्यवाही करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक क्या व नहीं, तो क्यों?

(4) क्या यह भी सही है कि कुछ पशुपालकों द्वारा डेयरियां बाहर स्थानान्तरित नहीं किये जाने हेतु न्यायालय से लिया गया स्थगन आदेश निरस्त हो चुका है? यदि हां, तो आदेश की प्रति सदन की मेज पर रखें।

(5) क्या सरकार पशु डेयरियों को शीघ्र जयपुर शहर से बाहर स्थानान्तरित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

(1) जयपुर शहर में संचालित पशु डेयरियों से आम जनता और नागरिकों को परेशानी होती है। दिनांक 7.2.2007 को राजस्थान उच्च न्यायाल द्वारा किये गये निर्णय की पालना करते हुए निगम द्वारा 17.2.2007 को डेयरियां स्थानान्तरण हेतु नोटिस जारी किये गये थे लेकिन जयपुर भैंस, गाय, दुग्ध उत्पादक समिति द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 23.2.2007 को दिनांक 7.3.2007 तक यथास्थिति बनाये रखने के निर्देश दिये गये थे। दिनांक 27.3.2007 का माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दो सप्ताह तक यथास्थिति रखने के निर्देश दिए हैं।

(नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री)

(2) जी हां। यह सही है कि सरकार द्वारा पूर्व में कुछ डेयरी संचालकों को जयपुर शहर से बाहर डेयरी स्थानान्तरित किए जाने हेतु आगरा रोड पर ग्राम हरचन्दपुरा उर्फ बाल्यावाला एवं सीकर रोड पर ग्राम रमल्यावाला तथा टोंक रोड पर ग्राम सूरजपुरा भाटावाला में भूखण्डों का आबंटन किया गया था।

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा उक्त योजनाओं में सड़क निर्माण, मुख्य नाले, पेयजल एवं विद्युतीकरण की सुविधायें उपलब्ध करायी जानी थी। रमल्यावाला डेयरी योजना, हरचन्दपुरा डेयरी योजना एवं सूरजपुरा भाटावाला डेयरी योजना में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सड़क, मुख्य नाले, पेयजल व्यवस्था एवं विद्युतीकरण की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। नगर निगम, जयपुर द्वारा भी 130 नग ट्यूब लाइट लगाई गई है।

(3) प्रकरण माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण प्रकरण की सुनवाई के पश्चात् जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही की जाना सम्भव होगा।

(4) माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 7.2.2007 को दिये निर्णय में जयपुर नगर निगम को पशु डेयरियों के स्थानान्तरित किये जाने के निर्देश दिये हैं। लेकिन जयपुर भैंस, गाय दुग्ध उत्पादक समिति द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया है, जिसमें तारीख पेशी 7.3.2007 को दो सप्ताह तक यथास्थिति बनाये रखने के निर्देश दिये हैं।

(5) प्रकरण माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण प्रकरण की सुनवाई के पश्चात् जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही की जाना सम्भव होगा।

## जयपुर में शूटिंग रेंज आयोजित प्रतियोगिताओं पर व्यय

**192. श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित शूटिंग रेंज का कार्य पूर्ण हो चुका है? यदि हां, तो इस पर अब तक कुल कितनी राशि व्यय की जा चुकी है?

(2) क्या यह सही है कि शूटिंग रेंज पर कोई प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है? यदि हां, तो किसके द्वारा तथा उक्त प्रतियोगिता का समस्त खर्च किस विभाग द्वारा वहन किया जा रहा है व इस पर कुल कितना खर्च होना प्रस्तावित है?

(श्री संयम लोढ़ा)

(3) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा किस-किस मद में प्रतियोगिता का खर्च वहन किया जा रहा है व अब तक कुल कितना खर्च किस-किस मद में किया जा चुका है? क्या उक्त कार्य जयपुर विकास प्राधिकरण क्षेत्राधिकार में हैं?

(4) क्या यह सही है कि उक्त सभी खर्चों हेतु सरकार द्वारा आदेश प्रदान कर दिये गये हैं? यदि हां, तो आदेश की प्रति सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) जी नहीं। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माणाधीन शूटिंग रेंज का कार्य प्रगति पर है एवं इस पर अब तक अभियांत्रिकी शाखा द्वारा रु. 556.71 लाख व्यय किये जा चुके हैं। परियोजना के लिए आवश्यक भूमि में आने वाली वन विभाग की भूमि एवं निजिखातेदारों की भूमि प्राप्त करने की प्रक्रिया में लगे समय के कारण कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है।

(2)जी हां। शूटिंग रेंज (जयपुर ओएसिस) के प्रथम चरण के कार्यों का उदघाटन एवं शूटिंग के मास्टर्स टूर्नामेन्ट का शुभारम्भ दिनांक 24.2.2007 को किया गया। मास्टर टूर्नामेन्ट प्रतियोगिता (दिनांक 24 से 28 फरवरी) का आयोजन जयपुर विकास प्राधिकरण, पर्यटन विभाग और खेलकूद एवं युवा मामलात विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। जिसमें तीनों विभागों द्वारा 10-10 लाख रुपये कुल 30 लाख रुपये का व्यय वहन किया जाना है।

(3) प्रतियोगिता आयोजन का व्यय मात्र जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा न किया जाकर बिन्दु संख्या 2 के अनुसार पर्यटन विभाग, खेल-कूद एवं युवा मामलात विभाग तथा जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना है। इस आयोजन पर किये गये व्यय का मदवार विवरण तैयार किया जा रहा है।

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अन्तरराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग रेंज (Jaipur OASES-Organised Archery Shooting Equestrian Sports) का निर्माण करवाया गया है जिससे राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन जयपुर में किया जा सके और अन्तरराष्ट्रीय खेल जगत में राजस्थान की पहचान बन सके।

जयपुर में स्थित इस खेल सुविधा का प्रचार होकर इसे ख्याति मिले तथा खिलाड़ी इस ओर आकर्षित हो सके इस उद्देश्य से इस प्रतियोगिता के आयोजन में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सहभागिता की गई है।

(4) जी हां। उक्त प्रतियोगिता के आयोजन हेतु बिन्दु संख्या 2 के अनुसार रुपये 30.00 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है। इस सम्बन्ध में राजस्थान सरकार युवा मामले एवं खेल विभाग का पत्र क्रमांक प.13(22) खेल/2006 दिनांक 1.2.2007 प्राप्त हुआ। जिसकी प्रति परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है।

**परिशिष्ट-अ**

**राजस्थान सरकार**

**युवा मामले एवं खेल विभाग**

प्रेषिति :-

1. श्री डी.पी. गुप्ता,
आयुक्त,
जयपुर विकास प्राधिकरण,
जयपुर।

2. श्री अजीत कुमार सिंह,
आयुक्त,
पर्यटन विभाग,
राजस्थान जयपुर।

3. श्री सुशील चौधरी,
अध्यक्ष,
राजस्थान रायफल संघ,
7/126, मालवीय नगर,
जयपुर।

क्रमांक:-प.13(22) खेल/2006			जयपुर, दिनांक 1 फरवरी, 2007

**विषय :-** बैठक का कार्यवाही विवरण।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निदेशानुसार दिनांक 21.1.2007 को प्रमुख शासन सचिव, माननीय मुख्यमंत्री महोदया की अध्यक्षता में जयपुर में नवनिर्मित शूटिंग रेंज जगतपुरा में राष्ट्रीय स्तर की "पांचवी सरदार सज्जन सिंह सेठी मेमोरियल मास्टर्स शूटिंग प्रतियोगिता (शाटगन) स्पर्धा 2007" के आयोजन के सम्बन्ध में आयोजित बैठक का कार्यवाही विवरण संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

**भवदीय,**

**ह./-**

**शासन सहायक सचिव**

**संलग्न :** उपरोक्तानुसार।

## Minutes of the Meeting

A meeting was held under the chairmanship of Shri Sunil Arora, Principal Secretary to C.M. on 21-1-2007 in his chamber regarding the planning and organizing of the Masters Meet 2007 at Jaipur "O.A.S.E.S." (Organised, Archery, Shooting, Equestrian, Sports) from 24th to 28th February, 2007 where the JDA has built the shooting ranges. The following officers were also present in the meeting :-

1. Shri D.B. Gupta, Commissioner, JDA
2. Shri Ajit Kumar Singh, Commissioner Tourism
3. Shri Manohar Kant, Secretary Sports and Youth Affairs
4. Shri Sushil Chowdhary, President Rajasthan Rifle Association

After detailed discussions the following recommendations were proposed/decisions taken :-

1. It was decided to recommend for the formation of an Organizing Committee with CM as Chief Patron and with the following composition :

| | | | |
|---|---|---|---|
| i) | Chief Patron | - | Hon'ble Chief Minister of Rajasthan |
| ii) | Chairman | - | Hon'ble Sports Minister |
| iii) | Member | - | Hon'ble State Minister, UDH |
| iv) | " | - | Mayor, Jaipur Municipal Corpn. |
| v) | " | - | Commissioner JDA |
| vi) | " | - | Commissioner Tourism |
| vii) | " | - | Collector, Jaipur |
| viii) | " | - | Director, I & PR |

Shri Shushil Chowdhary, President Rajasthan Rifle Association shall be the Secretary, Organizing Committee.

2. It was also decided to expedite the developmental works of the three activities namely-Archery, Equestrian & Shooting. Beautification and landscaping should also be done accordingly to world-class level. Four members i.e. Commissioner JDA, Commissioner Tourism, Secretary Sports & Youth Affairs, President Rajasthan Rifle Association, all will co-ordinate with each other and meet twice a week at the site and monitor the progress of various civil works as wells as the other aspects related to the upgradation of shooting range in the context of forthcoming Masters Meet.
3. It was also decided that the three departments namely-JDA, Tourism and Sports Department will contribute 10.00 lacs towards the expenditure on this World-class event. To begin with, JDA will spent the money in advance which will later on be provided by the respected department to JDA.

4. The necessary stationary for the event will also be got printed by the Sports Department. A quality brochure will be got prepared on this occasion by the Tourism Department. It was decided that a good quality souvenir in sync with the profile of the programme shall be published and circulated to a target audience internationally. It was also decided that RTDC will look after the catering etc. on site.
5. President, Rajasthan Rifle Association will prepare the list of invitees, coaches, judges, referees etc. and will also arrange to send invitations.
6. Next meeting will be held on 28.1.2007 at 6.00 P.M. in the chamber of Principal Secretary to CM.

The meeting ended with thanks to the chair.

## जयपुर विकास प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मी

**193. श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) जयपुर विकास प्राधिकरण में जोनल अभियन्ताओं के कितने पद स्वीकृत हैं उक्त पदों के विरुद्ध वर्तमान में कितने जोनल अभियन्ता कार्यरत हैं?

(2) प्रतिनियुक्त पर कितने जोनल अभियन्ता किस-किस दिनांक से कार्यरत हैं?

(3) ऐसे कितने जोनल अभियन्ता, साइट अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता एवं कनिष्ठ लेखाकार, डी.टी.पी., ए.टी.पी. है जो पांच वर्ष से भी अधिक समय से जयपुर विकास प्राधिकरण में कार्यरत है अथवा पूर्व में ही पांच वर्ष रहने के उपरान्त पुन: जयपुर विकास प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर है? सूची सदन की मेज पर रखें।

(4) जयपुर विकास प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति हेतु क्या नियम है? क्या वर्ष 2006-07 में नियमों में कोई संशोधन किया गया है? यदि हां, तो क्या व किसके द्वारा? प्रति सदन की मेज पर रखें।

(5) स्वीकृत पदों से अधिक संख्या में अधिकारियों/कर्मचारियों को रखने के क्या कारण हैं? क्या इस हेतु सरकार से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है? यदि नहीं, तो उक्त व्यक्तियों को भुगतान किस मद से किया जा रहा है?

## उत्तर

(1) जयपुर विकास प्राधिकरण में वर्तमान में जोनल अभियन्ताओं के 19 पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में 31 जोनल अभियन्ता कार्यरत हैं।

(2) जयपुर विकास प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर निम्नानुसार 5 जोनल अभियन्ता कार्यरत हैं :-

(नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री)

| क्र. सं. | नाम | प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत दिनांक |
|---|---|---|
| 1. | श्री उमेश कुमार ढींगरा | 18.6.2005 |
| 2. | श्री सुनील सिंघल | 1.3.2004 |
| 3. | श्री के.के. आहुजा | 9.11.2005 |
| 4. | श्री गोपाल लाल माथुर | 1.2.2006 |
| 5. | श्री ओ.पी. गुप्ता | 21.6.2006 |

(3) पांच वर्ष से अधिक समय से जयपुर विकास प्राधिकरण में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या निम्नानुसार है :-

1. साइट अभियन्ता-3
2. कनिष्ठ लेखाकार-3

पूर्व में पांच वर्ष रहने के उपरान्त पुन: जयपुर विकास प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर कोई कार्यरत नहीं है।

(4) जयपुर विकास प्राधिकरण के पृथक से कोई प्रतिनियुक्ति के सम्बन्ध में नियम नहीं है। अत: नियमों में कोई संशोधन नहीं किया गया है, किन्तु जयपुर विकास प्राधिकरण की कार्यकारी समिति की बैठक दिनांक 22.12.2006 में प्रतिनियुक्ति अवधि के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया है। जिसकी प्रति परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है।

(5) जयपुर विकास प्राधिकरण के कार्य क्षेत्र के विस्तार एवं शहर के त्वरित एवं सुनियोजित विकास की महत्वता को दृष्टिगत रखते हुए स्वीकृत पदों से अधिक संख्या में अधिकारी/कर्मचारी कार्यरत हैं। जिसके लिए राज्य सरकार को अतिरिक्त पद स्वीकृति हेतु लिखा गया है। राज्य सरकार की स्वीकृति अपेक्षित है। जयपुर विकास प्राधिकरण में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी का वेतन जयपुर विकास प्राधिकरण के बजट मद राजस्व व्यय, संस्थापन तथा वेतन एवं भत्ते से किया जाता है।

**परिशिष्ट-अ**

**जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**

क्रमांक:-प-1(88)जविप्रा/संस्था/05                                        दिनांक 18.1.2007

**कार्यालय आदेश**

कार्यकारी समिति की 110वीं बैठक दिनांक 22.12.2006 के एजेंडे आइटम 110.22 में लिये गये निर्णयानुसार कार्यकारी समिति की 65वीं बैठक दिनांक 25.10.1997 के एजेंडे आइटम 65.7(8) में लिये गये निर्णय पर विचार विमर्श पश्चात् निम्न प्रकार निर्णय लिया गया :-

प्राधिकरण में कनिष्ठ अभियन्ता/अमीन/पटवारी/सहायक नगर नियोजकों के पद रिक्त हैं और इन पदों को सीधी भर्ती से जविप्रा में निकट भविष्य में भरा जाना सम्भव नहीं है। ऐसे में दिन प्रतिदिन के कार्यो एवं विकास कार्यो एवं जविप्रा की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में व्यवधान होता है। अत: निर्णय लिया है कि उक्त तीनों सेवाओं हेतु उक्त दिनांक 25.10.1997 का निर्णय लागू नहीं किया जाकर निम्न प्रकार प्रतिनियुक्ति हेतु प्रक्रिया अपनाई जावे।

(अ) प्रतिनियुक्ति पर आने वाले अधिकारी/कर्मचारी की प्रतिनियुक्ति की अधिकतम अवधि सम्पूर्ण सेवाकाल में 10 वर्ष रहेगी परन्तु प्रथम बार में अधिकतम 4 वर्ष, इसी के अनुमोदन से 5 वर्ष व राज्य सरकार की स्वीकृति से 6 वर्ष।

(ब) प्रथम प्रतिनियुक्ति व द्वितीय प्रतिनियुक्ति के मध्य अन्तराल दो वर्ष का रहेगा।

**ह./-**

**सचिव**

## आवासीय क्षेत्र रामनगर शास्त्रीनगर, जयपुर में संचालित अवैध बस कारखाना

**194. श्री जयराम जाटव** (खैरथल) : क्या स्वायत्त शासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि आवासीय कालोनी में बस बाड़ी का कारखाना नियमानुसार स्थापित नहीं किया जा सकता?

(2) क्या यह सही है कि रामनगर, शापिंग सेन्टर, शास्त्री नगर, जयपुर के पास दुकान नं. 2 के सामने रिक्त राजकीय भूमि पर मालिक द्वारा बस बाड़ी रिपेयरिंग का वर्कशाप चलाया जा रहा है? यदि हां, तो क्यों?

(3) क्या यह सही है कि जयपुर नगर निगम द्वारा दिनांक 12 जुलाई, 2006,

(श्री जयराम जाटव)

11 अगस्त, 2006 एवं 26 सितम्बर, 2006 के द्वारा उक्त अतिक्रमण को हटाया गया है? यदि हां, तो इसके विरूद्ध कितनी-कितनी राशि जुर्माने की वसूल की गई? वसूल की गई राशि की रसीदों की प्रतियों सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या यह सही है कि उक्त कारखाने का अतिक्रमण हटाने के बाद भी वर्तमान में कारखाना चालू है? यदि हां, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(5) क्या सरकार महिला महाविद्यालय की छात्राओं की सुविधा एवं वहां पर निवास कर रहे कालोनीवासियों को हो रही असुविधा को दूर करने के लिये उक्त कारखाने को स्थायी रूप से हटाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1)जी हां। परन्तु सम्बन्धित भूमि के रूपान्तरण के बाद कारखाना स्थापित किया जा सकता है।

(2) यह सही है कि दुकान नं. 2 के सामने रिक्त पड़ी सरकारी जमीन पर खराब गाडियों को खड़ा कर रिपेयरिंग की जाती है।

(3)जी हां। नगर निगम, जयपुर द्वारा किसी तरह की कोई जुर्माना राशि वसूल नहीं की गई।

(4) उक्त दुकान नं. 2 के सामने पड़ी रिक्त भूमि पर कई बार बसें रिपेयर हेतु खडी रहती हैं। इस बाबत दिनांक 13.11.2006 को चालान किया गया है।

(5) उक्त दुकान नं. 2 के सामने सरकारी भूमि पर मरम्मत हेतु खड़ी गाड़ियों को समय-समय पर हटाया गया है। पुलिस अधीक्षक (यातायात), जयपुर शहर को रोड पर खड़ी गाड़ियां जब्त करने हेतु पत्र लिखा है।

## पत्रकार कालोनी, मानसरोवर जयपुर में प्रस्तावित सैक्टर रोड

**195. श्री पूंजीलाल** (डूंगरपुर) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा मानसरोवर, ग्राम धौलाई के पास पत्रकार कालोनी के नाम से पत्रकारों को भू-खण्ड आबंटित किये गये हैं? यदि हां, तो इस कालोनी में कितने भू-खण्डों का आबंटन किया गया है?

(2) क्या यह सही है कि पत्रकार कालोनी के पास विधान सभा नगर के नाम से भी कालोनी बनी हुई है? यदि हां, तो क्या सरकार इस कालोनी का नियमन किये जाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक और नहीं, तो क्यों?

(श्री पूंजीलाल)

(3) क्या यह सही है कि पत्रकार कालोनी एवं विधान सभा नगर को न्यू-सांगानेर रोड से जोड़ने हेतु सेक्टर रोड निकाले जाने का प्रस्ताव है? यदि हां, तो कितनी और कहां-कहां? नक्शे सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या सरकार वीर तेजाजी रोड मानसरोवर से पत्रकार कालोनी तक मुख्य मार्ग पर रोड लाइट की व्यवस्था करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) जी हां। पत्रकारों को पत्रकार कालोनी ग्राम धौलाई में 376 भूखण्डों का आबंटन किया गया है।

(2) जी हां। पत्रकार कालोनी के पास संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना विधान सभा नगर कालोनी बनी हुई है। परन्तु इस कालोनी का कुछ भाग पृथ्वीराज नगर की अवाप्त में है जिस पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किया हुआ है। इस योजना में समिति द्वारा संशोधित मानचित्र पेश किया जाना है जो आज तक पेश नहीं किया गया है। अत: संशोधित मानचित्र पेश होने पर, उक्त कालोनी के पृथ्वीराज नगर में आने वाले भाग को छोडकर, शेष का नियमन करने पर नियमानुसार विचार किया जा सकता है।

(3) विधान सभा नगर व पत्रकार कालोनी इस क्षेत्र के सेक्टर प्लान के सेक्टर एस-5 व एस-6 के मध्य में स्थित है। न्यू सांगानेर रोड के पूर्व में मानसरोवर योजना है। इस योजना में वीटी रोड के सामने ग्राम गोलियावास में वृन्दावन विहार, महावीर नगर, बाहु बली नगर योजना के उत्तर में 200‘-0 चौडी सडक प्रस्तावित है जो इस सेक्टर के मध्य में प्रस्तावित 200‘-0 चौडी सड़क को क्रोस करती है इस चौराहे के दक्षिण की ओर 200‘-0 चौडी विधान सभा नगर योजना में से गुजरती है। विधान सभा नगर के पहले इस सडक पर एक 100‘-0 चौडी सड़क पश्चिम में प्रस्तावित है जो विधान सभा नगर और पत्रकार कालोनी के मध्य में से गुजरती है। सेक्टर मानचित्र की प्रति परिशिष्ट “अ” संलग्न है।

(4) वीर तेजाजी रोड मानसरोवर से पत्रकार कालोनी तक मुख्य मार्ग पृथ्वीराज नगर योजना में आता है। जहां वर्तमान में माननीय न्यायालय का स्थगन आदेश है स्थगन आदेश के निर्णय के पश्चात् एवं भूमि उपलब्ध हो जाने पर चरणबद्ध कार्यक्रम के अन्तर्गत सेक्टर सड़क का निर्माण व इस पर विद्युतीकरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

**(मानचित्र पुस्तकालय में रखा गया)**

## बीकानेर के सूर्यनगर आवासीय योजना में आवेदकों को भू-खण्ड

**196. श्री बनवारी लाल** (धौलपुर) : क्या नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि नगर विकास न्यास, बीकानेर द्वारा वर्ष 1997 में सूर्यनगर आवासीय योजना बनाई गई थी? यदि हां, तो कितनी-कितनी साइज के किस-किस श्रेणी के (यथा विकलांग भूतपूर्व सैनिक आदि के लिए) कितने भू-खण्ड की योजना प्रस्तावित थी?

(2) क्या यह सही है कि उक्त योजना के अन्तर्गत भूखण्डों की लाटरी निकाली जाकर आवेदकों को भूखण्ड आबंटित कर सम्पूर्ण राशि जमा कराये जाने हेतु पत्र भी जारी कर दिये गये थे? यदि हां, तो श्रेणीवार आवेदकों की सूची मय प्राप्त राशि के सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त योजना में भूखण्ड आबंटियों द्वारा सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् किन-किन आवेदकों को भूखण्डों का कब्जा दिया गया तथा जिन आबंटियों को कब्जा नहीं दिया गया उनकी सूची कब्जा नहीं दिये जाने के कारणों सहित सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या सरकार नगर विकास न्यास, बीकानेर की सूर्यनगर आवासीय योजना के अन्तर्गत विगत 10 वर्षों से भूखण्ड की सम्पूर्ण राशि जमा कराने वाले भूखण्ड आवासीय योजना में अथवा अन्य योजना में भूखण्डों को उपलब्ध करवाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

(1) हां। यह सही है कि नगर विकास न्यास, बीकानेर द्वारा वर्ष 1997 में सूर्य नगर आवासीय योजना बनाई गई थी। योजना के प्रथम चरण में 60 भूखण्ड भिन्न-भिन्न माप के थे। जिसमें 30X60 के 12, 30X64 के 20, 25X49 के 24 भूमि निष्पादन नियम 1974 के नियम 17 के तहत 70 प्रतिशत भूखण्ड भिन्न-भिन्न श्रेणियों के लिये थे जिसमें विकलांग एवं भूतपूर्व सैनिक भी शामिल थे। श्रेणीवार सूची संलग्न है जो परिशिष्ट "क" पर है।

(2) हां। यह सही है कि इस योजना में लाटरी द्वारा 56 भूखण्ड आबंटन किये गये। आबंटन के पश्चात् राशि जमा करवाने हेतु मांग पत्र जारी कर दिये गये थे। जारी किये गये मांग पत्रों की सूची श्रेणीवार प्राप्त राशि सहित परिशिष्ट "ख" पर संलग्न है।

(3) इस योजना में जिन आबंटियों द्वारा राशि जमा करवा दी गई थी उनको कब्जा नोटिस जारी कर दिये गये थे। उनमें से जिन आबंटियों ने कब्जा प्राप्त कर लिया है एवं जिन आबंटियों द्वारा कब्जा प्राप्त नहीं किया गया, उनकी सूची मय कारण सहित परिशिष्ट "ग" पर संलग्न है।

(4) भूमि निष्पादन नियम 1974 में बदले में भूखण्ड दिये जाने का प्रावधान नहीं है।

**परिशिष्ट ''क''**

**कार्यालय नगर विकास न्यास बीकानेर**

क्रमांक :-न्यास/वि.से./07/1624                                                  दिनांक:-8.7.2007

**सूची "क"**

| क्र. सं. | आवेदक का नाम/पिता का नाम | भूखण्ड संख्या | माप | श्रेणी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | श्री स्वरूप चन्द पुत्र श्री मंगतू राम | D-04 | 30X60 | अनु. जाति |
| 2. | श्री कालू राम पुत्र श्री देव करण | E-09 | 25X49 | अनु. जाति |
| 3. | श्री गजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कुन्दन लाल | E-14 | 25X49 | अनु. जाति |
| 4. | श्री खेमचन्द पुत्र श्री पनीराम | C-04 | 30X64 | सैनिक |
| 5. | ले. राहुल द्विवेदी पुत्र श्री बी.एस. द्विवेदी | C-15 | 30X64 | सैनिक |
| 6. | श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गुलाब चन्द | D-08 | 30X60 | विकलांग |
| 7. | श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल | E-12 | 25X49 | विकलांग |
| 8. | श्री राकेश कुमार श्री शान्ति लाल | C-01 | 30X64 | सामान्य |
| 9. | श्री तनसुख पुत्र श्री ताराचन्द | C-02 | 30X64 | सामान्य |
| 10. | कु. ऋितु पुत्री श्री अखेचन्द गोदारा | C-03 | 30X64 | सामान्य |
| 11. | श्री लिखमीचन्द पुत्र श्री आसकरण | C-05 | 30X64 | सामान्य |
| 12. | श्री मुकेश सोनी पुत्र स्व. श्री मोहनलाल | C-08 | 30X64 | सामान्य |
| 13. | श्रीमती अलका माथुर पत्नी श्री निरंजन माथुर | C-09 | 30X64 | सामान्य |
| 14. | श्रीमती मंजू देवी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार | C-10 | 30X64 | सामान्य |
| 15. | श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री मोहनलाल | C-12 | 30X64 | सामान्य |
| 16. | श्री पुखराज सोनी पुत्र श्री ताराचन्द | C-13 | 30X64 | सामान्य |
| 17. | श्री दिनेश शुक्ला पुत्र श्री पवन कुमार | C-14 | 30X64 | सामान्य |
| 18. | श्रीमती गीता वाधवानी पत्नी श्री गोविन्द लाल | C-16 | 30X64 | सामान्य |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 19. | श्री रणजीत कुमार पुत्र श्री शांति लाल | C-19 | 30X64 | सामान्य |
| 20. | श्री महेश कुमार पुत्र श्री लादूराम | C-20 | 30X64 | सामान्य |
| 21. | श्री हीरालाल जैन पुत्र श्री सांवरलाल | D-01 | 30X60 | सामान्य |
| 22. | श्री कुशाल चन्द पुत्र श्री माणकचन्द | D-02 | 30X60 | सामान्य |
| 23. | श्री प्रमोद कुमार पुत्र श्री श्यामलाल | D-03 | 30X60 | सामान्य |
| 24. | श्री नरेश पुत्र श्री सुगनचन्द | D-05 | 30X60 | सामान्य |
| 25. | श्री अशोक कुमार पुत्र श्री सम्पतराम | D-06 | 30X60 | सामान्य |
| 26. | श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री बजरंग लाल | D-07 | 30X60 | सामान्य |
| 27. | श्री रमेश कुमार पुत्र श्री बजरंग लाल | D-09 | 30X60 | सामान्य |
| 28. | श्री शेख लियाकत अली पुत्र श्री युसुफ अली | D-10 | 30X60 | सामान्य |
| 29. | श्रीमती विमलेश पत्नी श्री ओमप्रकाश | D-11 | 30X60 | सामान्य |
| 30. | श्री रामनिवास कुमावत पुत्र श्री लादूराम | D-12 | 30X60 | सामान्य |
| 31. | श्री किशनलाल पुत्र श्री रामचन्द्र | E-01 | 25X49 | सामान्य |
| 32. | श्रीमती कल्पना तंवर पत्नी श्री मधुसूदन | E-02 | 25X49 | सामान्य |
| 33. | श्रीमती सुमनदेवी पत्नी श्री देवरतन | E-04 | 25X49 | सामान्य |
| 34. | श्री श्यामसुन्दर पुत्र श्री रेखाराम | E-06 | 25X49 | सामान्य |
| 35. | श्री केशव कुमार पुत्र श्री महेशदत्त | E-08 | 25X49 | सामान्य |
| 36. | श्री मूलचंद पुत्र श्री पीराराम | E-13 | 25X49 | सामान्य |
| 37. | श्री महेश कुमार पुत्र श्री प्रभुदयाल | E-15 | 25X49 | सामान्य |
| 38. | श्री राधेश्याम पुत्र श्री भंवर लाल | E-16 | 25X49 | सामान्य |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 39. | श्री नथमल पुत्र श्री सुमेर मल | E-17 | 25X49 | सामान्य |
| 40. | श्री इन्द्रचन्द पुत्र श्री आसकरण | E-18 | 25X49 | सामान्य |
| 41. | श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री गोपीराम | E-19 | 25X49 | सामान्य |
| 42. | श्री छोटूलाल पुत्र श्री आसकरण | E-20 | 25X49 | सामान्य |
| 43. | श्री नरेन्द्र श्रीमाली पुत्र श्री मदनलाल | E-23 | 25X49 | सामान्य |
| 44. | श्रीमती माया देवी पत्नी श्री रामश्वेवर लाल ओझा | E-25 | 25X49 | सामान्य |
| 45. | श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री प्रभुदयाल | E-27 | 25X49 | सामान्य |
| 46. | श्री नवनीत कुमार पुत्र श्री जेठमल वर्मा | C-06 | 30X64 | राज्य कर्मचारी |
| 47. | श्री प्रसन्न कुमार पुत्र स्व. मालचन्द | C-07 | 30X64 | राज्य कर्मचारी |
| 48. | श्री हरिराम पुत्र श्री बुद्धाराम | C-11 | 30X64 | राज्य कर्मचारी |
| 49. | श्री मगराज पुत्र श्री फूसराज | E-03 | 25X49 | राज्य कर्मचारी |
| 50. | श्री प्रवीण सैनी पुत्र श्री मूलचन्द | E-05 | 25X49 | राज्य कर्मचारी |
| 51. | श्री भंवर लाल पुत्र श्री मूलचन्द | E-10 | 25X49 | राज्य कर्मचारी |
| 52. | श्रीमती सुबोधमाला पत्नी श्री इन्द्रजीत सिंह | E-11 | 25X49 | राज्य कर्मचारी |
| 53. | श्रीमती कमलेश पत्नी श्री हरिराम | E-21 | 25X49 | राज्य कर्मचारी |
| 54. | श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सुगनसिंह | E-22 | 25X49 | राज्य कर्मचारी |
| 55. | श्री रामेश्वर लाल पुत्र श्री सोहनलाल | E-26 | 25X49 | राज्य कर्मचारी |
| 56. | श्री नृसिंह मूंथा पुत्र श्री बल्लभ | E-28 | 25X49 | राज्य कर्मचारी |

**ह./-**
**सचिव**
**नगर विकास न्यास**
**बीकानेर**

**परिशिष्ट-''ख''**

| सूची ख | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **क्र. सं.** | **आवेदक का नाम/पिता का नाम** | **भूखण्ड संख्या** | **माप** | **श्रेणी** | **जमा राशि** |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** |
| 1. | श्री स्वरूप चन्द पुत्र श्री मंगतू राम | D-04 | 30X60 | अनु. जाति | जमा है |
| 2. | श्री कालू राम पुत्र श्री देव करण | E-09 | 25X49 | अनु. जाति | जमा है |
| 3. | श्री गजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कुन्दन लाल | E-14 | 25X49 | अनु. जाति | जमा है |
| 4. | श्री खेमचन्द पुत्र श्री पनीराम | C-04 | 30X64 | सैनिक | जमा है |
| 5. | ले. राहुल द्विवेदी पुत्र श्री बी.एस. द्विवेदी | C15 | 30X64 | सैनिक | जमा है |
| 6. | श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गुलाब चन्द | D-08 | 30X64 | विकलांग | जमा है |
| 7. | श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल | E-12 | 25X49 | विकलांग | जमा है |
| 8. | श्री राकेश कुमार श्री शान्ति लाल | C-01 | 30X64 | सामान्य | जमा नहीं |
| 9. | श्री तनसुख पुत्र श्री ताराचन्द | C-02 | 30X64 | सामान्य | जमा नहीं |
| 10. | कु. ऋितु पुत्री श्री अखेचन्द गोदारा | C-03 | 30X64 | सामान्य | जमा है |
| 11. | श्री लिखमीचन्द पुत्र श्री आसकरण | C-05 | 30X64 | सामान्य | जमा नहीं |
| 12. | श्री मुकेश सोनी पुत्र स्व. श्री मोहनलाल | C-08 | 30X60 | सामान्य | जमा है |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 13. | श्री स्वरूप चन्द पुत्र श्री मंगतू राम | C-09 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 14. | श्री कालू राम पुत्र श्री देव करण | C-10 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 15. | श्री गजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कुन्दन लाल | C-12 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 16. | श्री खेमचन्द पुत्र श्री पनीराम | C-13 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 17. | ले. राहुल द्विवेदी पुत्र श्री बी.एस. द्विवेदी | C-14 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 18. | श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गुलाब चन्द | C-16 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 19. | श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल | C-19 | 30X60 | सामान्य | जमा नहीं |
| 20. | श्री राकेश कुमार श्री शान्ति लाल | C-20 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 21. | श्री तनसुख पुत्र श्री ताराचन्द | D-01 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 22. | कु. ऋितु पुत्री श्री अखेचन्द गोदारा | D-02 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 23. | श्री लिखमीचन्द पुत्र श्री आसकरण | D-03 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 24. | श्री मुकेश सोनी पुत्र स्व. श्री मोहनलाल | D-05 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 25. | श्री अशोक कुमार पुत्र श्री सम्पतराम | D-06 | 30X60 | सामान्य | जमा नहीं |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
|---|---|---|---|---|---|
| 26. | श्री स्वरूप चन्द पुत्र श्री मंगतू राम | D-07 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 27. | श्री कालू राम पुत्र श्री देव करण | D-09 | 30X60 | सामान्य | जमा नहीं |
| 28. | श्री गजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कुन्दन लाल | D-10 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 29. | श्री खेमचन्द पुत्र श्री पनीराम | D-11 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 30. | ले. राहुल द्विवेदी पुत्र श्री बी.एस. द्विवेदी | D-12 | 30X60 | सामान्य | जमा है |
| 31. | श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गुलाब चन्द | E-01 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 32. | श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल | E-02 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 33. | श्री राकेश कुमार श्री शान्ति लाल | E-04 | 25X49 | सामान्य | जमा नहीं |
| 34. | श्री तनसुख पुत्र श्री ताराचन्द | E-06 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 35. | कु. ऋितु पुत्री श्री अखेचन्द गोदारा | E-08 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 36. | श्री लिखमीचन्द पुत्र श्री आसकरण | E-13 | 25X49 | सामान्य | जमा नहीं |
| 37. | श्री मुकेश सोनी पुत्र स्व. श्री मोहनलाल | E-15 | 25X49 | सामान्य | जमा नहीं |
| 38. | श्री राधेश्याम पुत्र श्री प्रभुदयाल | E-16 | 25X49 | सामान्य | जमा है |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 39. | श्री स्वरूप चन्द पुत्र श्री मंगतू राम | E-17 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 40. | श्री कालू राम पुत्र श्री देव करण | E-18 | 25X49 | सामान्य | जमा नहीं |
| 41. | श्री गजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कुन्दन लाल | E-19 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 42. | श्री खेमचन्द पुत्र श्री पनीराम | E-20 | 25X49 | सामान्य | जमा नहीं |
| 43. | ले. राहुल द्विवेदी पुत्र श्री बी.एस. द्विवेदी | E-23 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 44. | श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गुलाब चन्द | E-25 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 45. | श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल | E-27 | 25X49 | सामान्य | जमा है |
| 46. | श्री राकेश कुमार श्री शान्ति लाल | C-06 | 30X64 | राज्य कर्मचारी | जमा है |
| 47. | श्री तनसुख पुत्र श्री ताराचन्द | C-07 | 30X64 | राज्य कर्मचारी | जमा है |
| 48. | कु. ऋितु पुत्री श्री अखेचन्द गोदारा | C-11 | 30X64 | राज्य कर्मचारी | जमा है |
| 49. | श्री लिखमीचन्द पुत्र श्री आसकरण | E-03 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा नहीं |
| 50. | श्री मुकेश सोनी पुत्र स्व. श्री मोहनलाल | E-05 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा है |
| 51. | | E-10 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा नहीं |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 52. | श्री स्वरूप चन्द पुत्र श्री मंगतू राम | E-11 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा नहीं |
| 53. | श्री कालू राम पुत्र श्री देव करण | E-21 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा है |
| 54. | श्री गजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कुन्दन लाल | E-22 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा नहीं |
| 55. | श्री खेमचन्द पुत्र श्री पनीराम | E-26 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा है |
| 56. | ले. राहुल द्विवेदी पुत्र श्री बी.एस. द्विवेदी | E-28 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा नहीं |

**ह./-**
**सचिव**
**नगर विकास न्यास**
**बीकानेर**

**परिशिष्ट ''ग''**

| क्र. सं. | आवेदक का नाम/पिता का नाम | भुखण्ड संख्या | माप | श्रेणी | जमा राशि | कब्जा दिया | कब्जा न देने का कारण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | श्री स्वरूप चन्द पुत्रश्री मंगतूराम | D-04 | 30X60 | अनु. जाति | जमा है | नहीं | राशि पुनः लौटाई |
| 2. | श्री कालू राम पुत्रश्री देव करण | E-09 | 25X49 | अनु. जाति | जमा है | नहीं | राशि पुनः लौटाई |
| 3. | श्री गजेन्द्रकुमार पुत्रश्री कुन्दन लाल | E-14 | 25X49 | अनु. जाति | जमा है | नहीं | राशि पुनः लौटाई |
| 4. | श्री खेमचन्द पुत्रश्री पनीराम | C-04 | 30X64 | सैनिक | जमा है | हां | |
| 5. | ले. राहुल द्विवेदी पुत्रश्री बी. एस. द्विवेदी | C-15 | 30X64 | सैनिक | जमा है | हां | |
| 6. | श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गुलाब चन्द | D-08 | 25X49 | विकलांग | जमा है | नहीं | अवैध निर्माण |
| 7. | श्री दिलीप कुमार पुत्रश्री कन्हैयालाल | E-12 | 30X64 | विकलांग | जमा है | नहीं | अवैध निर्माण |
| 8. | कु. ऋितु पुत्रीश्री अखेचन्दगोदारा | C-03 | 30X64 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुनः लौटाई |
| 9. | श्री मुकेशपसोनी पुत्रस्व. श्री मोहनलाल | C-08 | 30X64 | सामान्य | जमा है | हां | |
| 10. | श्रीमती अलका माथुर पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार | C-09 | 30X64 | सामान्य | जमा है | हां | |
| 11. | श्री कृष्ण कुमार पुत्रश्री मोहनलाल | C-10 | 30X64 | सामान्य | जमा है | हां | |
| 12. | श्री कृष्ण कुमार पुत्रश्री ताराचंद | C-12 | 30X64 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुनः लौटाई |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 13. | श्री पुखराजसोनी पुत्र श्रीताराचंद | C-13 | 30X64 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 14. | श्री दिनेशशुक्लापुत्रश्री पवन कुमार | C-14 | 30X64 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 15. | श्रीमती गीता वाधवानी पत्नी श्री गोविन्द लाल | C-16 | 30X64 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 16. | श्री महेश कुमार पुत्रश्री लादूराम | C-20 | 30X60 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 17. | श्री हीरालाल जैनपुत्रश्री सांवरलाल | D-01 | 30X60 | सामान्य | जमा है | नहीं | अवैध निर्माण |
| 18. | श्री कुशाल चन्द पुत्रश्री माणकचन्द | D-02 | 30X60 | सामान्य | जमा है | नहीं | अवैध निर्माण |
| 19. | श्री प्रमोद कुमार पुत्रश्री श्यामलाल | D-03 | 30X60 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 20. | श्री नरेश पुत्रश्री सुगनचन्द | D-05 | 30X60 | सामान्य | जमा है | हां | |
| 21; | श्री महेन्द्र कुमार पुत्रस्व. श्री टीकमचंद | D-07 | 30X60 | सामान्य | जमा है | हां | |
| 22. | श्री शेख लियाकत अली पुत्रश्री युसुफ अली | D-10 | 30X60 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 23. | श्रीमती विमलेशपत्नी श्री ओमप्रकाश | D-11 | 30X60 | सामान्य | जमा है | नहीं | अवैध निर्माण |
| 24. | श्री रामनिवास कुमावत पुत्रश्री लादूराम | D-12 | 30X60 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 25. | श्री किशनलाल पुत्रश्री रामचन्द्र | E-01 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 26. | श्रीमती कल्पना तंवर पत्नी श्री मधुसूदन | E-02 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 27. | श्री श्यामसुन्दर पुत्र श्री रेखाराम | E-06 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | अवैध निर्माण |
| 28. | श्री केशव कुमार पुत्र श्री महेशदत्त | E-08 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 29. | श्री राधेश्याम पुत्र श्री भंवरलाल | E-16 | 25X49 | सामान्य | जमा है | हां | |
| 30. | श्री नथमल पुत्र श्री सुमेर मल | E-17 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 31. | श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री गोपीराम | E-19 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 32. | श्री नरेन्द्र श्रीमाली पुत्र श्री मदनलाल | E-23 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 33. | श्रीमती माया देवी पत्नी श्री रामेश्वर लाल | E-25 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 34. | श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री जेठमल वर्मा | E-27 | 25X49 | सामान्य | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 35. | श्री नवीनत कुमार पुत्र श्री स्व. मालचन्द | C-06 | 30X64 | राज्य कर्मचारी | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 36. | श्री प्रसन्न कुमार पुत्र स्व. मालचन्द | C-07 | 30X64 | राज्य कर्मचारी | जमा है | हां | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 37. | श्री हरीराम पुत्र श्री बुद्धाराम | C-11 | 30X64 | राज्य कर्मचारी | जमा है | हां | |
| 38. | श्री मगराज पुत्र श्री फूसराज | E-03 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 39. | श्री प्रवीण सैनी पुत्र श्री पवन | E-05 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |
| 40. | श्री भंवर लाल पुत्र श्री मूलचन्द | E-10 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा है | नहीं | अवैध निर्माण |
| 41. | श्रीमती कमलेश पत्नी श्री हरीराम | E-21 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा है | नहीं | अवैध निर्माण |
| 42. | श्री रामेश्वर लाल पुत्र श्री सोहनलाल | E-26 | 25X49 | राज्य कर्मचारी | जमा है | नहीं | राशि पुन: लौटाई |

**सचिव**
**नगर विकास न्यास**
**बीकानेर**

## दोषी अधिकारियों के विरूद्ध चालान हेतु लम्बित प्रकरण

**197. श्री संयम लोढ़ा** (सिरोही) : क्या भ्रष्टाचार निरोधक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

राज्य में कितने मामलों में वर्ष 2004, 2005, 2006 व 2007 में अब तक रिश्वत लेते पकड़े गए अधिकारियों के खिलाफ चालान पेश करने के लिए पत्रावली सरकार को भ्रष्टाचार निरोधक विभाग द्वारा भेजी गई लेकिन सम्बन्धित विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान न करने से चालान पेश नहीं किया जा सका? वर्षवार मय सूची के प्रत्येक वर्ष का अलग-अलग विवरण सदन की मेज पर रखें। किस-किस प्रकरण में सम्बन्धित विभाग की स्वीकृति न मिलने से एफ.आर. लगा दी गई?

### उत्तर

ऐसे प्रकरण जिसमें सक्षम अधिकारी द्वारा अभियोजन स्वीकृति देने से अस्वीकार करने या अभियोजन स्वीकृति बाबत निर्णय लम्बित होने के कारण चालान पेश नहीं किया गया है का वर्षवार विवरण निम्नानुसार है :-

| **वर्ष** | **अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलने से** | **अभियोजन स्वीकृति लम्बित होने से** | **योग** |
|---|---|---|---|
| 2004 | 1 | 7 | 8 |
| 2005 | 1 | 5 | 6 |
| 2006 | — | 5 | 5 |
| 2007 | — | — | — |

दो प्रकरणों (अपराध संख्या 29/2004 एवं 140/2005) में जिसमें सक्षम अधिकारी द्वारा अभियोजन स्वीकृति प्रदान नहीं की गयी उनमें अन्तिम प्रतिवेदन पेश किया गया। दोनों प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति कार्मिक विभाग से अपेक्षित थी।

## जयपुर जिले में निजी वन विकास योजना को प्रोत्साहन

**198. श्री हेमाराम चौधरी** (गुढामलानी) : क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि जिलाधीश, जयपुर द्वारा निजी वन विकास योजना के तहत आबंटित भूमि पर कृषि होने, फार्म हाउस बनाने एवं गैर वानिकी उपयोग होने पर जांच के आदेश दिये गये हैं? यदि हां, तो जांच रिपोर्ट की प्रति सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह भी सही है कि जयपुर जिले के 2475 आबंटियों में से 2320

(श्री हेमाराम चौधरी)

प्रकरण निरस्त किये गये हैं? यदि हां, तो शेष 155 आबंटियों के नाम, ग्राम का नाम, खसरा नं. एवं रकबा की तहसीलवार सूची सदन की मेज पर रखें।

(3) आबंटित भूमि पर वृक्षारोपण किस-किस आबंटी द्वारा करवाया गया तथा गैर-वानिकी उपयोग किस-किस आबंटी द्वारा किया जा रहा है? पृथक-पृथक नाम पता सहित सूची सदन की मेज पर रखें।

(4) सरकार उक्त सम्बन्ध में वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने हेतु क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है?

## उत्तर

(1)जी हां। जिला कलक्टर, जयपुर द्वारा तथ्यात्मक सूचना भेजने हेतु समस्त तहसीलदारों को लिखे गये पत्र दिनांक 6.2.2007 की प्रति परिशिष्ट "अ" तथा इसकी अनुपालना में प्राप्त रिपोर्ट का विवरण परिशिष्ट "ब" पर सलंग्न है।

(2)जी नहीं। यह सही है कि जिला जयपुर में निजी वन विकास हेतु कुल 2475 व्यक्तियों/संस्थाओं को आबंटन किया गया था परन्तु यह सही नहीं है कि 2320 आवंटन निरस्त किये गये हैं जबकि सही यह है कि उनमें से 2359 आबंटन निरस्त किये जा चुके हैं शेष रहे 116 आबंटियों की सूची परिशिष्ट "ब" सलंग्न है।

(3) आबंटन निरस्त से शेष रहे आबंटियों में से आबंटित भूमि पर वृक्षारोपण करने एवं गैर वानिकी उपयोग करने वाले आबंटियों का विवरण परिशिष्ट "स" एवं "द" सलंग्न है।

(4) राजस्थान भू-राजस्व (निजी जंगलात विकसित करने हेतु अकृषि योग्य बंजर भूमि का आबंटन) नियम, 1986 के तहत ऐसे मामलों में जहां भूमि का आबंटन राज्यहित में किया जाना है उसमें राज्य सरकार के स्तर से भूमि का आबंटन किये जाने का प्रावधान है।

**परिशिष्ट ''अ''**

**कार्यालय जिला कलक्टर, जयपुर**

क्रमांक:-राजस्व-6(विविध)2007/1443 दिनांक 6.2.2007

तहसीलदार,

समस्त तहसीलदार (शाहपुरा, चौमूं, विराटनगर, कोटपूतली को छोड़कर)

जिला-जयपुर

**विषय :**-निजी वन विकास के नाम पर आबंटित भूमि के सम्बन्ध में।

महोदय,

विषयान्तर्गत इस पत्र के पृष्ठ भाग पर अंकित दिनांक 31.1.2007 को राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित खबर का अवलोकन करें। प्रकाशित खबर में आपकी तहसील में से संस्थाओं को निजी वन विकास के नाम से आबंटित भूमि का आबंटन निरस्त नहीं होना बताया है तथा आबंटित भूमि पर संस्था/ट्रस्टों द्वारा आबंटन की शर्तों की पालना नहीं होना बताया है।

अत: तत्काल ही ऐसी भूमियों/संस्थाओं/ट्रस्टों को चिन्हित करें। किन संस्थाओं के आबंटन निरस्त नहीं किए गए हैं किन संस्थाओं द्वारा आबंटन की शर्तों की पालना नहीं की जा रही है। आबंटन की शर्तों की पालना नहीं करने वाली संस्थाओं की तथ्यात्मक सूचना अविलम्ब भिजवायें। कृपया इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देवें।

**भवदीय,**

**ह./-**

**कलक्टर (राजस्व)**

**जयपुर**

परिशिष्ट "ब"

**निजी वन विकास हेतु आबंटन भूमि के आबंटियों का विवरण जिनका आबंटन निरस्त नहीं हुआ है**

| क्र. सं. | नाम तहसील | नाम ग्राम | आबंटी का नाम | आबंटित भूमि का विवरण | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | खा. नं. | रकबा |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** |
| 1. | फुलेरा | रूपसिंह का बारा | गोपालसिंह पुत्र बोदूराम जाट निवासी रूपसिंह का बास | 21/1 | 9 बीघा 01 बिस्वा |
| 2. | | बस्सी नागा | वीरमा पुत्र हुकमा जाट | 254 | 3 बीघा 10 बिस्वा |
| 3. | | महेशवास | अध्यक्ष महेशवास वृक्ष उत्पादक सहकारी समिति लीज 25 वर्ष सम्वत 2058 से 2083 | 454/1/2 | 123 बीघा 02 बिस्वा |
| 4. | आमेर | अरनिया | दामोदर लाल पुत्र बालमुकुन्द जाति वैश्य नि. गोपालपुरा बाई पास जयपुर | 44/1255 | 2.50 हेक्टेयर |
| 5. | | —"— | रविकान्त मित्तल पुत्र माधोराम मित्तल नि. वैशाली नगर जयपुर | 537/1256 | 2.50 हेक्टेयर |
| 6. | | सीगवाना | विकास बांस एवं केन ग्रामोद्योग सहकारी समिति लि. अम्बाबाडी | किता 12 | 14.89 हेक्टेयर |
| 7. | फागी | मण्डोर | सहकारी समिति मण्डोर | 256/1<br>812/1 मिन | 40.00 हेक्टेयर |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 8. | जमवारामगढ़ | खेडावास नेवर | अध्यक्ष, खेडावास नेवर वृक्ष उत्पादक सह. समिति लि. | 378/529<br>189<br>233/2 | 70 बीघा<br>2 बीघा 11 बिस्वा<br>13 बीघा 12 बिस्वा |
| 9. | | जगमालपुरा | जगमालपुरा वृक्ष उत्पादक सह. समिति लि. जगमालपुरा लीज 25 वर्ष | 270/1 | 59 बीघा 06 बिस्वा |
| 10. | | दौलतपुरा | महादेव पुत्र सुखा मीणा लीज होल्डर 25 वर्ष | 55 मिन | 20 बीघा |
| 11. | | चावण्डिया | बाबू लाल पुत्र प्रताप मीणा लीज 25 वर्ष 1986 | 568/1/1 | 4 बीघा |
| 12. | | ताला | इस्लामुद्दीन पुत्र सकूर मोहम्मद आबंटन लीज वन विकास हेतु 19.12.1988 | 391/3<br>391/1/3<br>391/3/2 | 5 बीघा<br>5 बीघा<br>5 बीघा |
| 13. | | माथासूला | काना पुत्र नन्दा मीणा | 85/945<br>242/955 | 10 बिस्वा<br>1 बीघा |
| 14. | | माथासूला | गोपाल पुत्र गंगाराम | 309/961 | 3 बिस्वा |
| 15. | | माथासूला | गुल्ला पुत्र कल्याण मीणा | 843/981 | 1 बीघा 4 बिस्वा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 16. | | माथासूला | प्रभाती लाल पुत्र भोरा मीना | 242/958 | 1 बीघा 10 बिस्वा |
| 17. | | माथासूला | भागीरथ पुत्र नीरसिंह मीणा | 80/18/939 | 1 बीघा 05 बिस्वा |
| 18. | | माथासूला | महादेव पुत्र तेजा मीणा | 309/973 | 2 बिस्वा |
| 19. | | माथासूला | रघुनाथ पुत्र सागर सिंह मीणा | 309/975 | 2 बिस्वा |
| 20. | | माथासूला | श्रवण लाल पुत्र धन्ना मीणा | 309/976 | 2 बिस्वा |
| 21. | | माथासूला | लाला पुत्र धन्ना मीणा | 309/974 | 2 बिस्वा |
| 22. | | टोडालडी | श्रीमती मधु अग्रवाल पत्नि लक्ष्मीनारायण अग्रवाल सा. देह | 277 | 17 बीघा 15 बिस्वा |
| 23. | | टोडालडी | थली ग्राम भारती समिति निजी वन विकास हेतु 25 वर्ष हेतु लीज पर | 337/1 | 98 |
| 24. | बस्सी | कानोता | सुरेश पुत्र जगदीश ब्रा. सा. जोजवाडी | 1 | 3 बीघा |
| 25. | | कानोता | महेन्द्र कुमार पुत्र जगदीश ब्रा. सा. जयपुर | 1 | 5 बीघा |
| 26. | | कानोता | नन्द किशोर पुत्र प्रेम चन्द कोली सा. देह | 354 | 3 बीघा |
| 27. | | कानोता | अतुल कुमार पुत्र रमेश चन्द सिन्हा सा. जयपुर | 354 | 3 बीघा |
| 28. | | कानोता | मुन्नी देवी पत्नि नारायण शर्मा सा. जयपुर | 354 | 3 बीघा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 29. | | कानोता | वन विभाग | 830 | 10 बीघा |
| 30. | | रलावता | सीताराम पुत्र ठादुराम कुम्हार फालियावास | 93 | 5 बीघा |
| 31. | | बाला का नांगल | लक्ष्मी देवी पत्नि शान्तनु कुमार | 83 | 5 बीघा |
| 32. | | बाला का नांगल | धन्ना पुत्र प्यारे लाल शर्मा | 11 | 3 बीघा |
| 33. | | सिन्दोली | नारायण पुत्र नाथू माली | 21 | 3 बीघा |
| 34. | | सिन्दोली | रमा देवी पत्नि मदन लाल शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 35. | | सिन्दोली | गुलाब/छीतर नाई | 21 | 3 बीघा |
| 36. | | सिन्दोली | अशोक/नन्द किशोर शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 37. | | सिन्दोली | जगदीश नारायण/गजानन्द शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 38. | | सिन्दोली | मुन्ना लाल/नैनू लाल | 21 | 3 बीघा |
| 39. | | सिन्दोली | मुन्नी देवी/जगदीश कुम्हार | 21 | 3 बीघा |
| 40. | | सिन्दोली | दयालराम/मूल चन्द बैरवा | 21 | 3 बीघा |
| 41. | | सिन्दोली | निर्भय सिंह/हरिराम यादव | 21 | 3 बीघा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 42. | | सिन्दोली | रामफूल/भौरी लाल मीणा | 21 | 3 बीघा |
| 43. | | सिन्दोली | जुगल किशोर/सुरजमल महेश्वरी | 21 | 3 बीघा |
| 44. | | सिन्दोली | गोपाल/भोरी लाल | 21 | 3 बीघा |
| 45. | | सिन्दोली | सुधीर/हनुमान सहाय शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 46. | | सिन्दोली | राधाकृष्ण/पांचूराम | 21 | 3 बीघा |
| 47. | | सिन्दोली | भोरी लाल/लादुराम कुम्हार | 21 | 3 बीघा |
| 48. | | सिन्दोली | भोलाराम/रामसहाय फालियावास | 21 | 3 बीघा |
| 49. | | सिन्दोली | मूलचन्द/नानगराम धोबी | 21 | 3 बीघा |
| 50. | | सिन्दोली | धन्ना लाल/गुल्लाराम | 21 | 3 बीघा |
| 51. | | सिन्दोली | सुरेश चन्द/जगदीश शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 52. | | सिन्दोली | रतन लाल/कल्याण सहाय शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 53. | | सिन्दोली | निहाल चन्द/विष्णु प्रसाद शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 54. | | सिन्दोली | परमानन्द | 21 | 3 बीघा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 55. | | सिन्दोली | अरूण/प्रेम नारायण शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 56. | | सिन्दोली | प्रभूदयाल/रेवड़राम शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 57. | | सिन्दोली | ग्यारसी लाल/मूलचन्द शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 58. | | सिन्दोली | नानगराम/मूलचन्द शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 59. | | सिन्दोली | नाथू लाल/श्याम लाल शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 60. | | सिन्दोली | शान्ता/काना बैरवा | 21 | 3 बीघा |
| 61. | | सिन्दोली | सीताराम/नारायण | 21 | 3 बीघा |
| 62. | | सिन्दोली | बलदेव/गोविन्दा | 21 | 3 बीघा |
| 63. | | सिन्दोली | मदन लाल/नेहनू लाल शर्मा | 21 | 3 बीघा |
| 64. | | सिन्दोली | कल्याण सहाय/भुवाना | 21 | 3 बीघा |
| 65. | | सिन्दोली | प्रहलाद/गोरू मीना | 21 | 3 बीघा |
| 66. | | सिन्दोली | दुर्गालाल/हरदेव मीना | 21 | 3 बीघा |
| 67. | | सिन्दोली | अवध/ओम प्रकाश मीना | 21 | 3 बीघा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 68. | | सिन्दोली | तारा प्रकाश/प्रभुनारायण | 21 | 3 बीघा |
| 69. | | रामरतनपुरा | रतनसिंह/ रामसिंह राजपूत | 1 | 3 बीघा |
| 70. | | रामरतनपुरा | किशोर सिंह/रामसिंह राजपूत | 1 | 3 बीघा |
| 71. | | रामरतनपुरा | कानाराम/रामदेव कुम्हार | 1 | 3 बीघा |
| 72. | | रामरतनपुरा | सियाराम/नृसिंह मीना | 1 | 3 बीघा |
| 73. | | रामरतनपुरा | कालूराम/किशन लाल शर्मा | 1 | 3 बीघा |
| 74. | | रामरतनपुरा | जगदीश/गणेश कुम्हार | 1 | 6 बीघा |
| 75. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | चन्द्रसेन/श्याम लाल जैन | 73 | 5 बीघा |
| 76. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | तीजा देवी/गोपीराम मीणा | 90 | 3 बीघा |
| 77. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | मोतीलाल/कानाराम मीणा | 90 | 3 बीघा |
| 78. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | रमेश कुमार/मोहन लाल | 90 | 3 बीघा |
| 79. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | शिवनाथ/काना मीणा | 90 | 3 बीघा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 80. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | वीरेन्द्र/केदारनाथ शर्मा | 90 | 3 बीघा |
| 81. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | हाजी निजामुद्दीन/अब्दुल गनी | 90 | 3 बीघा |
| 82. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | मोहमुदीन/अब्दुल गनी | 90 | 3 बीघा |
| 83. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | वन्दना/श्यामसुन्दर शर्मा | 90 | 3 बीघा |
| 84. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | शरीफ अहमद/नत्थीखान | 90 | 3 बीघा |
| 85. | | हरदत्तपुरा बाल्यावाला | हंसा देवी/विशम्भर दयाल | 90 | 3 बीघा |
| 86. | | गुढामीना | शंकर/रेवड मीना | 385 | 7 बीघा |
| 87. | | गुढामीना | छीतर/जगन्नाथ मीणा | 385 | 7 बीघा 06 बिस्वा |
| 88. | | गुढामीना | जगदीश/सुखपाल मीणा | 385 | 7 बीघा |
| 89. | | गुढामीना | जगदीश/काना मीणा | 385 | 7 बीघा |
| 90. | | सियाकाबास | नन्दलाल/गोविन्दनारायण मीणा | 44/1 | 5 बीघा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 91. | | सियाकाबास | फैलीराम/गणेश मीणा | 44/1 | 5 बीघा |
| 92. | | धोली | ग्राम पंचायत माधोगढ़ | 69 | 5 बीघा 12 बिस्वा |
| 93. | | चपडिया | मूलचन्द/भोरी लाल मीणा | 2/1/1 | 4 बीघा |
| 94. | | चपडिया | सीताराम/कालूराम मीणा | 2/1/1 | 4 बीघा |
| 95. | | चपडिया | किशन लाल/रामनाथ मीणा | 2/1/1 | 4 बीघा |
| 96. | | चपडिया | रामगोपाल/रामदेव मीणा | 2/1/1 | 4 बीघा |
| 97. | | चपडिया | घासीलाल/रामकुंवार मीणा | 2/1/1 | 4 बीघा |
| 98. | | चपडिया | जयनारायण/जगन्नाथ मीणा | 2/1/1 | 4 बीघा |
| 99. | | चपडिया | नन्दा/घासी मीणा | 2/1/1 | 4 बीघा |
| 100. | | चपडिया | नानगा/चान्दमल धोबी | 2/1/1 | 8 बीघा |
| 101. | | पीपलाबाई | सूरजमल/भागीरथ शर्मा जयपुर | 133 | 5 बीघा |
| 102. | | पीपलाबाई | नवनीत चिकित्सालय ट्रस्ट | 159 | 10 बीघा |
| 103. | | सांभरिया | देवीसिंह/अभय सिंह | 506 | 5 बीघा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 104. | | सांभरिया | प्रेमनारायण/दामोदर शर्मा | 506 | 5 बीघा |
| 105. | | सांभरिया | मोहन लाल/रामगोपाल शर्मा | 506 | 5 बीघा |
| 106. | | जगदीशपुरा | अशोक/हरिनारायण कूलवाल | 506 | 5 बीघा |
| 107. | | बसेडी | मोहम्मद खान/मोहम्मद युनुस खान | 96 | 5 बीघा |
| 108. | जयपुर | कालवाड़ | श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव/ईश्वर चन्द्र श्रीवास्तव सा. जयपुर 25 वर्षीय लीज दि. 8.4.2015 तक | 788/4<br>1031/2 मिन | 2 बीघा 12 बिस्वा<br>7 बीघा 08 बिस्वा |
| 109. | | कालवाड़ | उमा अग्रवाल पुत्री गोविन्दराम बजाज सा. जयपुर 25 वर्षीय लीज दिनांक 8.4.2015 | 788/3<br>652/6<br>1031/1 मिन | 2 बीघा 07 बिस्वा<br>2 बीघा 10 बिस्वा<br>5 बीघा 03 बिस्वा |
| 110. | | कालवाड़ | मेजर जे.पी. शर्मा पुत्र बाबू लाल शर्मा निवासी जयपुर 25 वर्षीय लीज दिनांक 14.3.2014 तक | 952/2 | 10 बीघा |
| 111. | | कालवाड़ | कर्नल धर्मचन्द ओझा पुत्र रामजी लाल ओझा सा. जयपुर 25 वर्षीय लीज दिनांक 14.3.2014 तक | 952/1 | 10 बीघा |
| 112. | | कालवाड़ | मेजर डी.डी. चारण पुत्र बेजदान चारण 25 वर्षीय लीज होल्डर दि. 14.3.2014 तक | 952/5 | 10 बीघा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 113. | | कालवाड़ | श्रीमती प्रमीला देवी पत्नि शान्तनु कुमार जाट सा. झोटवाडा 25 वर्षीय लीज होल्डर 17.4.2015 तक | 1031 मिन | 4 बीघा |
| 114. | | कालवाड़ | एम. जे. जेकब पुत्र एम.जे. जेकब सा. जयपुर 25 वर्षीय लीज होल्डर दिनांक 14.3.2014 तक | 952/3 | 10 बीघा |
| 115. | | कालवाड़ | राजीव पुत्र कृष्ण कुमार नि. चौमू हाउस जयपुर 25 वर्षीय लीज होल्डर दिनांक 14.4.2015 तक | 1031 मिन | 4 बीघा |
| 116. | | कालवाड़ | एल.एन. जैफ पुत्र बी.एम. जैफ नि. जयपुर 25 वर्षीय लीज होल्डर दिनांक 14.3.2014 तक | 952/4 | 10 बीघा |

**जिला कलक्टर**
**जयपुर**

**परिशिष्ट "स"**

**निजी वन विकास हेतु आबंटित भूमि के आबंटियों का विवरण जिनके द्वारा आवंटित भूमि पर वृक्षारोपण किया गया है।**

| क्र. सं. | नाम तहसील | नाम ग्राम | आबंटी का नाम | आबंटित भूमि का विवरण | | विशेष विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | खा. नं. | रकबा | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1. | | बस्सी नागा | वीरमा पुत्र झुकमा जाट | 254 | 3 बीघा 10 बिस्वा | आबंटन शर्तो की पालना हो रही है मौके पर सफेदे के पौधे लगे हुए हैं। |
| 2. | | महेशवास | अध्यक्ष महेशवास वृक्ष उत्पादक सहकारी समिति लीज 25 वर्ष सम्वत 2058 से 2083 | 454/1/2 | 123 बीघा 02 बिस्वा | आबंटन शर्तो की पालना हो रही है मौके पर बबूल के पेड़ लगे हुए हैं। |
| 3. | फागी | मण्डोर | सहकारी समिति मण्डोर | 256/1<br>812/1 मिन | 40.00 हेक्टेयर | मौके पर वृक्षारोपण किया गया है। |
| 4. | जमवारामगढ़ | खेडावास नेवर | अध्यक्ष, खेडावास नेवर वृक्ष उत्पादक सह. समिति लि. | 378/529<br>189<br>233/2 | 70 बीघा<br>2 बीघा 11 बिस्वा<br>13 बीघा 12 बिस्वा | मौके पर 70 बीघा भूमि पर वृक्षारोपण है। |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 5. | | जगमालपुरा | जगमालपुरा वृक्ष उत्पादक सह. समिति लि. जगमालपुरा लीज 25 वर्ष | 270/1 | 59 बीघा 06 बिस्वा | आबंटन शर्तों की पालना अनुसार वृक्षारोपण किया गया। |
| 6. | | जगमालपुरा | थली ग्राम भारती समिति निजी वन विकास हेतु 25 वर्ष हेतु लीज पर | 337/1 | 98 | वृक्षारोपण हो रहा है। |
| 7. | जयपुर | कालवाड | श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव/ईश्वर चन्द्र श्रीवास्तव सा. जयपुर<br>25 वर्षीय लीज दि. 8.4.2015 तक | 788/4<br>1031/2 मिन | 2 बीघा 12 बिस्वा<br>7 बीघा 08 बिस्वा | मौके पर अरडू, सफेदा, शीशम के पेड लगे हैं। |
| 8. | | कालवाड | उमा अग्रवाल पुत्री गोविन्दराम बजाज सा. जयपुर<br>25 वर्षीय लीज दिनांक 8.4.2015 | 788/3<br>652/6<br>1031/1 मिन | 2 बीघा 07 बिस्वा<br>2 बीघा 10 बिस्वा<br>5 बीघा 03 बिस्वा | मौके पर अरडू, सफेदा, शीशम के पेड लगे हैं। |
| 9. | | कालवाड | मेजर जे.पी. शर्मा पुत्र बाबू लाल शर्मा निवासी जयपुर 25 वर्षीय लीज दिनांक 14.3.2014 तक | 952/2 | 10 बीघा | मौके पर अरडू, सफेदा, शीशम के पेड लगे हैं। |
| 10. | | कालवाड | कर्नल धर्मचन्द ओझा पुत्र रामजी लाल ओझा सा. जयपुर 25 वर्षीय लीज दिनांक 14.3.2014 तक | 952/1 | 10 बीघा | मौके पर अरडू, सफेदा, शीशम के पेड लगे हैं तथा खाली भूमि पर काश्त की जा रही है। |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 11. | | कालवाड़ | मेजर डी.डी. चारण पुत्र बेजदान चारण 25 वर्षीय लीज होल्डर दि. 14.3.2014 तक | 952/5 | 10 बीघा | मौके पर पेड लगे हुए है। |
| 12. | | कालवाड़ | श्रीमती प्रमीला देवी पत्नि शान्तनु कुमार जाट सा. झोटवाडा 25 वर्षीय लीज होल्डर 17.4.2015 तक | 1031 मिन | 4 बीघा | पेड शीशम, बबूल, बोरडी सफेदा के लगे हुए हैं। |
| 13. | | कालवाड़ | एम. जे. जेकब पुत्र एम.जे. जेकब सा. जयपुर 25 वर्षीय लीज होल्डर दिनांक 14.3.2014 तक | 952/3 | 10 बीघा | सफेदा व अरडू के पेड लगे हैं। |
| 14. | | कालवाड़ | राजीव पुत्र कृष्ण कुमार नि. चौमू हाउस जयपुर 25 वर्षीय लीज होल्डर दिनांक 14.4.2015 तक | 1031 मिन | 4 बीघा | पेड लगे हुए हैं। |
| 15. | | कालवाड़ | एल.एन. जैफ पुत्र बी.एम. जैफ नि. जयपुर 25 वर्षीय लीज होल्डर दिनांक 14.3.2014 तक | 952/4 | 10 बीघा | मौके पर शीशम, बबूल, अरडू आदि के पेड लगे हैं। खाली भूमि पर काश्त की जा रही है। |

**जिला कलक्टर**
**जयपुर**

**परिशिष्ट "द"**

**निजी वन विकास हेतु आबंटित भूमि के आबंटियों का विवरण जिनके द्वारा आबंटित भूमि का आंशिक रूप से गैर वानिकी उपयोग किया जा रहा है।**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | जयपुर | कालवाड़ | कर्नल धर्मचन्द ओझा पुत्र रामजी लाल ओझा सा. जयपुर 25 वर्षीय लीज दिनांक 14.3.2014 तक | 952/1 | 10 बीघा | मौके पर अरडू, सफेदा, शीशम के पेड लगे हैं तथा खाली भूमि पर काश्त की जा रही है। |
| 2. | | कालवाड़ | एल.एन. जैफ पुत्र बी.एम. जैफ नि. जयपुर 25 वर्षीय लीज होल्डर दिनांक 14.3.2014 तक | 952/4 | 10 बीघा | मौके पर शीशम, बबूल, अरडू आदि के पेड लगे हैं। खाली भूमि पर काश्त की जा रही है। |

**जिला कलक्टर**
**जयपुर**

## गंगरार के राजस्व ग्राम योग्य ढाणी/मजरे

**199. श्री अर्जुन लालजीनगर** (गंगरार) : क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) विधान सभा क्षेत्र गंगरार में कितने मजरे हैं? आबादीवार सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार 250 की आबादी वाले सभी मजरों को राजस्व ग्राम घोषित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र गंगरार में 100 मजरे हैं। आबादीवार सूची परिशिष्ट "क" संलग्न है।

(2) जी हां। जो भी मजरें पूर्ण परीक्षणोपरान्त निर्धारित मानदण्ड पूर्ण करते हैं उन्हें नवीन राजस्व ग्राम घोषित किया जाता है।

**परिशिष्ट "क"**

**विधान सभा क्षेत्र गंगरार (जिला-चित्तौड़गढ़) के मजरों की सूची**

| क्र. सं. | नाम तहसील | मूल ग्राम का नाम | मजरे का नाम | मजरे की जनसंख्या सन 2001 अनुसार |
|---|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** |
| 1. | चित्तौड़गढ़ | बस्सी | भोइयों की झोपडियां फाटक के पास | 200 |
| 2. | | | भोइयों की झोपडियां | 170 |
| 3. | | | कन्जर बस्ती सोनगर रोड | 140 |
| 4. | | | भोइयों की झोपडियां प्रतापपुरा | 60 |
| 5. | | आवलाहेड़ा | दल्ला का खेड़ा | 150 |
| 6. | | | मीणों की झोपड़िया | 60 |
| 7. | | नगरी | गुजरखेड़ी (रूण्डीया) | 475 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 8. | | | घोरडिया | 508 |
| 9. | | | भोइखेडा (पीपलीपाल) | 60 |
| 10. | | | गुसाइखेडा | 150 |
| 11. | | भील्याखेडा | होकमपुरा | 130 |
| 12. | | पालका | नया पालका | 90 |
| 13. | | सियालिया | रेगरों का सियालिया | 91 |
| 14. | | | धाकड़ों का सियालिया | 75 |
| 15. | | भूचरतों की खेडी | भोई का झोपड़ा | 30 |
| 16. | | दुवावा | मालियों का झोपड़ा | 32 |
| 17. | | सोक्यों | कालबेलियों का झोंपडा | 32 |
| 18. | | नेगडियाखुर्द | भोई का झोंपडा | 80 |
| 19. | | | धाकड़ों का झोंपडा | 90 |
| 20. | | घोसुन्डी | चमारों का झोंपडा | 76 |
| 21. | | | पालरोड पर | 35 |
| 22. | | | लालपुरा | 27 |
| 23. | | बिहारीपुरा | बलाइयों का झुपड़ा | 40 |
| 24. | गंगरार | गंगरार | रंगा स्वामी बस्ती | 200 |
| 25. | | | इन्द्रा कालोनी | 150 |
| 26. | | | सज्जन सिंहजी की चोकी | 70 |
| 27. | | | मारवाडा की चोकीया | 60 |
| 28. | | | पैनसिंहजी की चौकी | 60 |
| 29. | | | मन्दारा माता बस्ती | 120 |
| 30. | | | भील बस्ती | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 31. | | | नायकों का खेडा | 70 |
| 32. | | | कालबेलिया बस्ती | 200 |
| 33. | | पुठोली | मीणों की चौकियां | 160 |
| 34. | | | गणेशपुरा | 150 |
| 35. | | कांटी | कालीछांट | 125 |
| 36. | | सांकडों का खेडा | भीलबस्ती | 70 |
| 37. | | बोरदा | इन्द्रा आवास | 150 |
| 38. | | | डंगवाडा | 120 |
| 39. | | भटवाडा कलां | नई बस्ती | 120 |
| 40. | | उण्डवा | नई बस्ती | 200 |
| 41. | | कांसेडी | नयाखेडा | 200 |
| 42. | | सिंगोला | नई बस्ती | 50 |
| 43. | | बुढ | गाडरियावास | 200 |
| 44. | | | चमारों की बस्ती | 200 |
| 45. | | बोलो का सांवता | नई बस्ती | 200 |
| 46. | | ऐरा | भील कालोनी | 200 |
| 47. | | कुंवालिया | बंजारों की बस्ती | 70 |
| 48. | | लालास | तितरड़ी | 120 |
| 49. | | | लालास का खेडा | 70 |
| 50. | | पीपलिया कलां | जंगलात बंजारों की | 80 |
| 51. | | | कंजरबस्ती | 100 |
| 52. | | सारण | बालद नई | 90 |
| 53. | | | बालद पुरानी | 100 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 54. | | चौगावडी | भीलों की झोंपडिया | 60 |
| 55. | | सेमलिया | नई आबादी | 110 |
| 56. | | मुरलिया | नई आबादी | 160 |
| 57. | | किशनपुरा | बंजारों की बस्ती | 60 |
| 58. | | | चमारों की बस्ती | 50 |
| 59. | | जवासिया | माताजी का खेड़ा | 250 |
| 60. | | | बंजारों का झोंपड़ा | 80 |
| 61. | | | भडाना का खेड़ा | 60 |
| 62. | | बड़लिया | भीलों की झोंपड़िया | 80 |
| 63. | | मण्डफिया | गाडरियावास | 120 |
| 64. | | सुवानिया | नई बस्ती | 160 |
| 65. | | | गाडरियों की बस्ती | 200 |
| 66. | | खुटिया | भीलों की झोंपड़ियों | 160 |
| 67. | | तुम्बड़िया | भीलों की बस्ती | 50 |
| 68. | | | कागसो की धातोल | 130 |
| 69. | | | नोहरों की धातोल | 110 |
| 70. | | धोली | रूपाखेड़ा | 250 |
| 71. | | सालरिया | बंजारों की झोपड़िया | 60 |
| 72. | | | रड़ा की बालद | 250 |
| 73. | | धातोल | बालाजी की धातोल | 45 |
| 74. | | | राजपूतों की धातोल | 80 |
| 75. | | बादन वाड़ा | भीलों की बस्ती | 150 |
| 76. | | फलोदी | भीलों की बस्ती | 100 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 77. | | राज्यास | राजपूतों की ढाणी | 60 |
| 78. | | मुण का खेड़ा | भीलों की बस्ती | 70 |
| 79. | | सोनीयाणा | गणेशपुरा | 200 |
| 80. | | | देवगिरी का खेड़ा | 60 |
| 81. | | | दोलाबा का खेड़ा | 200 |
| 82. | | | बलाइयों की झोपड़िया | 120 |
| 83. | | | नाल का खेड़ा | 100 |
| 84. | | | रंगसपुरिया | 150 |
| 85. | | त्रैष्टा | धोली दाता | 50 |
| 86. | | शादी | जाटों की खेड़िया | 180 |
| 87. | | रूपपुरा | नयाखेडा | 200 |
| 88. | | ललसिंहजी का खेड़ा | गुजरों की बस्ती | 150 |
| 89. | | कोजुन्दा | जाटो की झूपड़िया | 120 |
| 90. | | साडास | इन्द्रा कालोनी | 100 |
| 91. | | | कंजर बस्ती | 100 |
| 92. | | भाणजी | कंजर बस्ती | 125 |
| 93. | | लिरड़ी खेड़ा | भीलो की झूपड़िया | 100 |
| 94. | | इन्दौरा | चमारो की झूपड़िया | 100 |
| 95. | राशमी | गुरजनिया | मात्रीकुण्ड़िया | 300 |
| 96. | | देवीपुरा | देवीपुरा बी | 400 |
| 97. | | लसाड़ीया कलां | शंभुपुरा | 600 |
| 98. | | बस्सी | भैरूखेड़ा | 260 |
| 99. | | पहुना | गणेशपुरा | 350 |
| 100. | | पहुना | नन्दपुरा | 300 |

## अतारांकित प्रश्न संख्या-200

## (स्थगित)

## झुन्झुनूं जिले के राजस्व ग्राम योग्य ढाणी/मजरे

**201. श्रीमती प्रतिभा सिंह** (नवलगढ़) : क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) झुन्झुनूं जिले में 250 या इससे अधिक आबादी वाले कौन-कौनसी ढाणियां/मजरे हैं जिन्हें अब तक राजस्व ग्राम घोषित नहीं किया गया? सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार उक्त ढाणियों/मजरों को राजस्व ग्राम घोषित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो किस-किस को तथा नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) जिला झुन्झुनूं में 250 या इससे अधिक आबादी के 32 मजरें/ढाणियां हैं जिन्हें अब तक राजस्व ग्राम घोषित नहीं किया गया है। सूची परिशिष्ट "क" संलग्न है।

(2) जी हां। पूर्ण परीक्षणोपरान्त निर्धारित मानदण्ड पूर्ण करने वाले मजरें/ढाणियों के प्रस्ताव प्राप्त होने पर नवीन राजस्व ग्राम घोषित किया जाता है।

**परिशिष्ट ''क''**

**झुन्झुनूं जिले में 250 या इससे अधिक आबादी के ढाणियां/मजरों की सूची**

| क्र. सं | नाम तहसील | मूल राजस्व ग्राम का नाम | 250 या इससे अधिक की आबादी के ढाणी/मजरे का नाम | वि. वि. |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | झुन्झुनूं | चुडेला | चुडेला का बास | |
| 2. | चिड़ावा | जखोड़ा | भवानीपुरा | |
| 3. | बुहाना | बुहाना | गोपालपुरा | |
| 4. | | लाम्बी अहीर | ढाणी मल्लूकपुरिया | |
| 5. | | पचेरी कला | श्योसिंहपुरा | |
| 6. | | पचेरी कला | ढाणी नीमवाली | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 7. | | पचेरी कला | ढाणा | |
| 8. | | पचेरी कला | ढाणी निहालोठ | |
| 9. | | पचेरी कला | ढाणी हरिजनान | |
| 10. | | पचेरी खुर्द | अलीपुर | |
| 11. | | पचेरी खुर्द | ढाणी रामसर | |
| 12. | | बामनवास | ढाणी खेरानिया | |
| 13. | | रायपुर अहीरान | रायपुर की ढाणी | |
| 14. | | हीरवा | ढाणी डांगियान | |
| 15. | खेतडी | दलेलपुरा | सांवाली ढाणी | |
| 16. | | कालोटा | कोल्याली ढाणी | |
| 17. | | बाडलवास | बढ़ाना की ढाणी | |
| 18. | | तातीजा | रोडा की ढाणी | |
| 19. | | पपूरना | लालोढा की ढाणी | |
| 20. | | माधोगढ़ | गुणीनीचा की ढाणी | |
| 21. | | चारावास | ढाणी पुरोहितान | |
| 22. | | संजयनगर | चाचावाली | |
| 23. | उदयपुरवाटी | भौड़की | गिलों का बास | |
| 24. | | भौड़की | इूडीनगर | |
| 25. | | भौड़की | गढवालों का बास | |
| 26. | | भौड़की | गोदरों का बास | |
| 27. | | पचलंगी | झडाया नगर | |
| 28. | नवलगढ़ | गिरधपुरा शाहपुरा | ढेवा की ढाणी | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 29. | | मोहनवाड़ी | चैनगढ़ | |
| 30. | | कारी | धायलों का बास | |
| 31. | | सैनीपुरा | कंवरपुरा बालाजी | |
| 32. | | देवीपुरा | अम्बेडकर नगर | |

## मल्लिकपुर (श्रीमाधोपुर) ग्राम पंचायत के काश्तकारों को खातेदारी अधिकार

**202. श्री मांगीलाल गरासिया** (गोगुन्दा) : क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा वर्ष 1999 में ग्राम पंचायत मल्लिकपुर पंचायत समिति श्रीमाधोपुर में भूमिहीन काश्तकारों को भूमि आबंटन की गई थी? यदि हां, तो किन-किन को? सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त में से किन-किन काश्तकारों को अब तक गैर-खातेदारी से खातेदारी अधिकार दे दिये गये? यदि नहीं, तो अब तक खातेदारी नहीं देने के क्या कारण रहे?

(3) क्या यह सही है कि उक्त सम्बन्ध में जिला कलक्टर सीकर को शिकायती पत्र दिये गये हैं? यदि हां, तो किस-किस के द्वारा कब-कब? उक्त प्रार्थना पत्रों पर तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा क्या-क्या कार्यवाही की गई?

(4) क्या सरकार अब ग्राम मल्लिकपुर तहसील श्रीमाधोपुर की तन में आबंटित भूमि खसरा नम्बर 927/442 एवं 928/442 पर खातेदारी अधिकार देने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

(1) जी हां। ग्राम पंचायत मल्लिकपुर में कुल 6 काश्तकारों को 8.51 हैक्टेयर भूमि आबंटित की गयी थी। सूची परिशिष्ट "अ" संलग्न है।

(2) कजोड पुत्र पाबू नट, मूलचन्द पुत्र गोपीराम बलाई, रणजीत पुत्र लालूराम जाट को खातेदारी अधिकार दिये गये हैं। श्योपाल भागीरथ पुत्र लालूराम के विरुद्ध राजस्थान भू-राजस्व (कृषि प्रयोजनार्थ भूमि आबंटन) नियम 1970 के नियम 14(4) के अन्तर्गत कार्यवाही लम्बित है, रामदेव पुत्र मालाराम द्वारा आवेदन नहीं देने के कारण खातेदारी अधिकार नहीं दिये जा सके हैं जगन्नाथ प्रसाद पुत्र रामनारायण को आबंटित भूमि पटवारी हल्का द्वारा कब्जा रिपोर्ट में खसरा नम्बर 819 के स्थान पर 619 सहवन से लिखे जाने के कारण पुन: जांच करवाई गयी। सही स्थिति स्पष्ट होने पर दिनांक 1.3.2007 को गैर खातेदारी दी गयी है।

(राजस्व मंत्री)

(3) खातेदारी अधिकारों हेतु आबंटियों द्वारा जिला कलक्टर कार्यालय, सीकर को कजोड पुत्र बाबू नट द्वारा दिनांक 1.7.2006 एवं 26.8.2006 मूलचन्द पुत्र गोपीराम बलाई व रणजीत पुत्र लालू जाट द्वारा दिनांक 24.7.2006, 27.7.2006, 14.9.2006 व 8.12.2006 तथा जगन्नाथ प्रसाद पुत्र रामनारायण द्वारा दिनांक 29.9.2006 को जन सुनवाई के दौरान आवेदन पत्र पेश करने पर तहसीलदार, श्री माधोपुर द्वारा बाद जांच रिकार्ड एवं मौका जांच कर कजोड़ पुत्र पाबू, मूलचन्द पुत्र गोपी व रणजीत पुत्र लालू को खातेदारी दी गयी है।

(4) ख. न. 927/442 एवं 928/442 में खातेदारी अधिकार क्रमश: मूलचन्द पुत्र गोपीराम बलाई एवं रणजीत पुत्र लालूराम को नियमानुसार दे दिये जा चुके है।

**परिशिष्ट-अ**

**कैम्प जाजोद 28.6.90**

**आबंटन सूची ग्राम पंचायत मलिकपुरा**

| **क्र. सं.** | **नाम आबंटी** | **आबंटित भूमि का वर्गीकरण** | | **वि.वि** |
|---|---|---|---|---|
| | | **ख. न.** | **रकबा हैक्टेयर** | |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** |
| **ग्राम पंचायत मलिकपुर** | | | | |
| **ग्राम मलिकपुर** | | | | |
| 1. | कजोड S/o पाबू नट निवासी मलिकपुर | 422<br>443 | 1.00<br>1.94<br>**2.94** | |
| 2. | रामदेव S/o मानाराम जाट निवासी मलिकपुर | 266 | 0.32 | |
| 3. | मूलचन्द S/o गोपीराम बलाई निवासी ज्ञानपुरा | 442 | 2.00 | वर्तमान ख. नं. 927/442 |
| 4. | रणजीत S/o लालूराम जाट निवासी ज्ञानपुरा | 442 | 2.00 | वर्तमान ख. नं. 928/442 |
| **ग्राम ज्ञानपुरा** | | | | |
| 1. | जगन्नाथ प्रसाद S/o रामनारायण जाट निवासी मलिकपुर | 819 | 0.73 | |
| 2. | श्योपाल भागीरथ S/o लालूराम जाट निवासी ज्ञानपुरा | 595 | 0.50 | |

## विशिष्ट आपातकालीन प्रसूति चिकित्सा इकाइयों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पद

**203. डा. चन्द्रशेखर बैद** (तारानगर) : क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि राज्य में संचालित अनेक विशिष्ट आपातकालीन प्रसूति चिकित्सा इकाइयों में स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा निश्चेतन विशेषज्ञ के पद रिक्त हैं? यदि हां, तो कहां-कहां व कब से? जिलेवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) सरकार उक्त रिक्त पदों को भरने हेतु क्या विचार रखती है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) राज्य में उपस्वास्थ्य केन्द्रों पर सौर ऊर्जा से संचालित सोलर लाइटिंग सिस्टम एवं हीटर स्थापित किये जाने की स्वीकृति कब-कब जारी की गई? उक्त कितने केन्द्रों पर यह कार्य पूर्ण कर लिया गया? जिलेवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

### उत्तर

(1)जी हां। विशिष्ट आपातकालीन प्रसूति चिकित्सा इकाइयों में स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं निश्चेतन विशेषज्ञ के रिक्त पदों का जिलेवार विवरण रिक्त अवधि सहित परिशिष्ट "अ" पर उपलब्ध है।

(2) जी हां। वरिष्ठ विशेषज्ञों एवं कनिष्ठ विशेषज्ञों के रिक्त पदों को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित होने के उपरान्त एवं चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) के रिक्त पदों को चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) उपलब्ध होने पर भरने के प्रयास किये जायेंगे।

(3) राज्य में 200 उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर सौर ऊर्जा से संचालित सौलर लाइटिंग सिस्टम/सौर ऊर्जा से संचालित हीटर स्थापित करने के सम्बन्ध में राज्य सरकार के आदेश दिनांक 21.2.2006 के द्वारा स्वीकृति जारी की गई, सभी 200 उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर यह कार्य पूर्ण कर लिया है। जिलेवार संख्या विवरण परिशिष्ट "ब" पर उपलब्ध है।

**परिशिष्ट ''अ''**

**विशिष्ठ आपातकालीन प्रसूति चिकित्सा इकाइयों में स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा निश्चेतन विशेषज्ञों के रिक्त पदों की रिक्त अवधि सहित जिलेवार सूची निम्न प्रकार हैं**

| क्र. सं. | जिले का नाम | विशिष्ठ आपातकालीन प्रसूति चिकित्सा इकाई का नाम | पदनाम | रिक्त पदों की संख्या | रिक्ति अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | अजमेर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जवाजा | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 21.2.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केकडी | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 21.2.07 |
| 2. | भीलवाड़ा | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र माण्डलगढ़ | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 21.2.07 |
| | | सैटेलाइट चिकित्सालय शाहपुरा | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 31.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगापुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 29.11.05 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिजोलिया | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 31.10.05 |
| 3. | नागौर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडतासिटी | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 14.7.05 |
| 4. | श्रीगंगानगर | जिला चिकित्सालय गंगानगर | वरिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) | 1 | 23.2.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रायसिंहनगर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 21.2.07 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 5. | बारां | जिला चिकित्सालय बारां | कनिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) | 1 | 31.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहबाद | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 31.1.07 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 29.10.04 |
| 6. | बूंदी | जिला चिकित्सालय बूंदी | वरिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 3/06 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नैनवा | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 12/04 |
| 7. | कोटा | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामगंजमण्डी | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 31.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छबड़ा | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 31.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केलवाड़ा | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 27.10.05 |
| 8. | झालावाड़ | जिला चिकित्सालय झालावाड़ | वरिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) | 1 | 6.5.06 |
| | | | वरिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 8/06 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 6.5.06 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवानीमण्डी | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 14.7.05 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खानपुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 21.2.07 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 8. | झालावाड़ | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मनोहरथाना थाना | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 31.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अकलेरा | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 18.9.06 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झालरापाटन | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 23.2.06 |
| 9. | सवाई माधोपुर | जिला चिकित्सालय सवाई माधोपुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) | 1 | 31.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खण्डार | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 14.7.05 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 29.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगापुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) | 1 | 14.8.06 |
| 10. | बांसवाड़ा | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुशलगढ़ | कनिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) | 1 | 14.8.06 |
| 11. | चित्तौड़गढ़ | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कपासन | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 3.9.05 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेगूं | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 21.2.07 |
| | | सामान्य चिकित्सालय प्रतापगढ़ | कनिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) | 1 | 29.1.07 |
| 12 | हनुमानगढ़ | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सागरिया | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 14.8.06 |
| 13. | डूंगरपुर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिमलवाडा | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 14.7.05 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 14. | उदयपुर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ऋषभदेवजी | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 21.2.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सलूम्बर | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 17.11.05 |
| 15. | बाड़मेर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुढामालानी | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 14.7.05 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 31.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चौहटन | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 14.7.05 |
| 16. | जैसलमेर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामगढ़ | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 31.1.05 |
| | | जिला चिकित्सालय जैसलमेर | वरिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 31.1.07 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 18.1.07 |
| 17. | जालौर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सांचोर | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 14.7.05 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 30.9.04 |
| 18. | जोधपुर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिलाडा | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 21.2.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फलौदी | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 29.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बालेश्वर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 31.1.07 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 19. | राजसमन्द | राजकीय चिकित्सालय नाथद्वारा | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 20.1.07 |
| 20. | करोली | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सपोटरा | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 31.1.07 |
| 21. | चूरू | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरदार शहर | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 30.1.07 |
| 22. | पाली | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाली | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 22.2.07 |
| | | राजकीय चिकित्सालय सोजत | वरिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 22.2.07 |
| 23. | सिरोही | जिला चिकित्सालय सिरोही | वरिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 31.1.07 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (निश्चेतन) | 1 | 31.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आबूरोड | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 21.2.07 |
| 24. | धौलपुर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बसेडी | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 23.1.07 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 30.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजाखेडा | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 9.1.07 |
| | | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 23.2.07 |
| 25. | अलवर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजगढ़ | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 22.2.07 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| | अलवर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र किशनगढवास | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 29.1.07 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तिजारा | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 14.7.05 |
| | | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहरोड | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 22.2.07 |
| 26. | भरतपुर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुम्हेर | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 4.1.07 |
| 27. | जयपुर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फागी | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 22.2.07 |
| 28. | सीकर | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नीमकाथाना | चिकित्सा अधिकारी (पी.जी. निश्चेतन) | 1 | 5.9.06 |
| 29. | झुन्झुनू | सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिड़ावा | कनिष्ठ विशेषज्ञ (स्त्री रोग) | 1 | 22.2.07 |

**परिशिष्ट "ब"**

**राज्य में सौर ऊर्जा से संचालित लाइटिंग सिस्टम/सौर ऊर्जा से संचालित हीटर स्थापित किये गये हैं उनका जिलेवार संख्या विवरण निम्न प्रकार है**

| **क्र. सं.** | **जिले का नाम** | **उप स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या** |
|---|---|---|
| 1. | बारां | 10 |
| 2. | बांसवाड़ा | 15 |
| 3. | बाड़मेर | 15 |
| 4. | भरतपुर | 10 |
| 5. | बीकानेर | 15 |
| 6. | चित्तौड़गढ़ | 10 |
| 7. | डूंगरपुर | 15 |
| 8. | जैसलमेर | 15 |
| 9. | जालौर | 15 |
| 10. | झालावाड़ | 10 |
| 11. | जोधपुर | 15 |
| 12. | नागौर | 15 |
| 13. | पाली | 15 |
| 14. | सिरोही | 15 |
| 15. | उदयपुर | 10 |
| | **योग** | **200** |

## मेडिकल कालेज (कोटा) में दवा खरीद में व्याप्त अनियमितता

**204. श्री भरत सिंह** (दीगोद) : क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि कोटा मेडिकल कालेज में दवाइयों की खरीद में अनियमितताओं की शिकायतें सरकार को प्राप्त हुई हैं? यदि हां, तो कुल कितने प्रकरण इस प्रकार के हैं जिनमें अनियमितताएं हुई? जांच में किन अधिकारियों व कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया गया तथा उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई?

(2) क्या यह सही है कि जिला जन अभाव अभियोग सतर्कता समिति, कोटा में भी इस प्रकार की शिकायतें दर्ज करवाई गई थी जिसकी जांच प्रशिक्षु आई.ए.एस. अधिकारी द्वारा की गई थी? यदि हां, तो जांच रिपोर्ट की प्रति सदन की मेज पर रखें तथा इस सम्बन्ध में प्रशासनिक स्तर पर किसको दोषी पाया गया तथा दोषी व्यक्ति के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई?

### उत्तर

(1) जी हां। विवरण निम्नानुसार है :-

1. वर्ष 2006-07 में खरीद की टेण्डर प्रक्रिया के सम्बन्ध में जिला कलक्टर सतर्कता कोटा द्वारा संयुक्त निदेशक, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र हरीश चन्द्र माथुर राजकीय लोक प्रशासन संस्थान कोटा की अध्यक्षता वाली एक समिति से जांच कराई गई जिसमें कुछ प्रक्रियात्मक खामियां पायी गई, किन्तु जांच समिति में किसी व्यक्ति विशेष को दोषी नहीं पाया है। इस जांच समिति द्वारा दिनांक 27.7.2006 को प्रस्तुत की गई रिपोर्ट के आधार पर मेडिकल कालेज कोटा की विभागीय क्रय समिति की दिनांक 12.9.2006 को सम्पन्न हुई बैठक में प्रकरण की समीक्षा के बाद पुन: निविदायें आमंत्रित करने का निर्णय विभागीय क्रय समिति द्वारा लिया गया। श्री हरिकरण मीणा संयुक्त निदेशक द्वारा दिनांक 27.7.2006 को प्रस्तुत की गई रिपोर्ट की प्रति परिशिष्ट "अ" के रूप में तथा इस रिपोर्ट के आधार पर विभागीय क्रय समिति द्वारा दिनांक 12.9.2006 लिये गये निर्णय की प्रति परिशिष्ट "ब" के रूप में सदन के पटल पर रख दी गई हैं।
2. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा दिनांक 30.6.2006 को इस संस्थान के स्टोर एवं रिकार्ड की सर्वे व सर्च की कार्यवाही की गई। इस सम्बन्ध में जांच किया जाना ब्यूरो के प्रक्रियाधीन हैं।

(चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री)

3. स्थानीय समाचार पत्रों में छपी खबर "बिना टेण्डर दवाइयां खरीदी" के सम्बन्ध में चिकित्सालय अधीक्षक/सहायक लेखाधिकारी के विरूद्ध अनियमित खरीद के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त होने पर जांच समिति का गठन कर जांच कार्यवाही की जा रही हैं।

(2) जी हां। जांच रिपोर्ट में टेण्डर प्रक्रिया में कुछ तकनीकी खामियां पाई गई। तथा प्रस्तुत निविदाओं में कांट-छांट एवं ओवरराइटिंग को अनियमित माना गया। किन्तु किसी अधिकारी/कर्मचारी को सीधे तौर पर दोषी नहीं पाया गया है। जांच रिपोर्ट की प्रति परिशिष्ट "स" के रूप में सदन के पटल पर रख दी गई है।

**(प्रति विस्तृत होने के कारण पुस्तकालय में रखी गयी)**

## बाड़मेर जिले एवं जैसलमेर के चिकित्सा कर्मियों के स्थानान्तरण पर रोक

**205. श्री अर्जुन लाल मीणा** (सलूम्बर) : क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) प्रदेश में मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ की स्थानान्तरण नीति क्या है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि प्रदेश में बाड़मेर व जैसलमेर जिलों से मेडिकल व पैरामेडिकल स्टाफ के स्थानान्तरण पर प्रतिबन्ध है? यदि हां, तो क्या सरकार उन जिलों में सेवाएं देने वाले कर्मचारियों के स्थानान्तरण से प्रतिबन्ध हटाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(3) क्या यह सही है कि सरकार प्रदेश में संविदा पर लगे कर्मचारियों को स्थाई करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक?

## उत्तर

(1) स्थानान्तरण हेतु नीति तैयार करने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

(2) जी हां। वर्तमान में स्थानान्तरण पर इन जिलों सहित राज्य के सभी जिलों में प्रतिबन्ध है। स्थानान्तरण से प्रतिबन्ध हटाने के बारे में उचित समय पर निर्णय किया जावेगा।

(3) संविदा पर कार्यरत चिकित्साकर्मियों को नियमित करने के सम्बन्ध में प्रकरण अतिरिक्त मुख्य सचिव (विकास) की अध्यक्षता में गठित कमेटी के समक्ष विचाराधीन है।

## बीकानेर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्रों में रिक्त पद

**206. श्री गोविन्दराम मेघवाल** (नोखा) : क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) बीकानेर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में ए.एन.एम. के कितने पद रिक्त हैं? क्या सरकार इन पदों को भरने के विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(2) क्या सरकार बीकानेर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का विचार रखती है? यदि नहीं, तो क्यों व हां, तो कितने व कब तक?

### उत्तर

(1) बीकानेर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में वर्तमान में ए.एन.एम. के 66 पद रिक्त हैं।

जी हां। ए.एन.एम. का पद सीधी भर्ती का है, जिन्हें भरने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

(2)जी हां। आगामी वर्षो में समुचित वित्तीय प्रावधान उपलब्ध होने पर आवश्यकतानुसार नए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने पर विचार किया जायेगा।

## जोधपुर शहर के चिकित्सालयों में चिकित्सकों के रिक्त पद

**207. श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास** (जोधपुर) : क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) जोधपुर शहर के किन-किन चिकित्सालयों में चिकित्सकों एवं नर्सिंग कर्मियों के कितने पद स्वीकृत हैं एवं इनमें से कितने पद रिक्त हैं?

(2) सरकार उक्त रिक्त पदों को कब तक भरने का विचार रखती है?

### उत्तर

(1) जोधपुर शहर में चिकित्सा विभाग के अधीन आने वाले चिकित्सालय, डिस्पेंन्सरी, शहरी परिवार कल्याण केन्द्र एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों एवं नर्सिंग कर्मचारियों के स्वीकृत एवं रिक्त पदों का विवरण परिशिष्ट "अ" पर उपलब्ध है।

(2) आचार्य/सहआचार्य/सहायक आचार्य/कनिष्ठ विशेषज्ञों एवं नर्सिंग अधीक्षक द्वितीय के रिक्त पदों को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित होने के उपरान्त भरा जाना सम्भव हो सकेगा।

सीधी भर्ती से भरे जाने वाले रिक्त पदों को भरा जाना राजस्थान लोक सेवा आयोग के प्रक्रियाधीन है।

जिला स्तर पर समेकित वेतन पर भी भरने के प्रयास किए जा रहे हैं।

**परिशिष्ट "अ"**

**जोधपुर शहर में राजकीय चिकित्सालय, डिस्पेंन्सरी, शहरी परिवार कल्याण केन्द्र एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों एवं नर्सिंग कर्मचारियों के स्वीकृत एवं रिक्त पदों का विवरण निम्न प्रकार है**

| क्र. सं. | चिकित्सा संस्थान का नाम | पद नाम | स्वीकृत पदों की संख्या | रिक्त पदों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | डा. सम्पूर्णानन्द आयुर्विज्ञान महाविद्यालय जोधपुर के अधीन चिकित्सालय | आचार्य | 37 | 7 |
| | | सहआचार्य | 62 | 9 |
| | | सहायक आचार्य | 110 | 36 |
| | | वरिष्ठ प्रदर्शक | 32 | 12 |
| 2. | राजकीय चौपासनी चिकित्सालय, जोधपुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसिन) | 1 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी प्रथम | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 4 | — |
| 3. | सिटी डिस्पेन्सरी चौपासनी (हाउसिंग बोर्ड), जयपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 4. | सिटी डिस्पेन्सरी चांदपोल, जोधपुर | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 3 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 5. | सिटी डिस्पेन्सरी उच्च न्यायालय परिसर, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 6. | सिटी डिस्पेन्सरी जसवन्त फिमेल, जोधपुर<br>शहरी परिवार कल्याण केन्द्र जसवन्त फिमेल, जोधपुर | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 2 | — |
| 7. | सिटी डिस्पेन्सरी लक्ष्मीनगर, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | 1 |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| 8. | राजकीय चिकित्सालय महिलाबाग, जोधपुर | वरिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसिन, सर्जरी) | 2 | — |
| | | कनिष्ठ विशेषज्ञ (शिशु, नेत्र, स्त्री रोग) | 3 | 1 |
| | | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 5 | 1 |
| | | चिकित्सा अधिकारी (दन्त) | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी प्रथम | 2 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 14 | 8 |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 9. | शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र महामन्दिर, जोधपुर<br>शहरी परिवार कल्याण केन्द्र महामन्दिर, जोधपुर | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 2 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 10. | सिटी डिस्पेन्सरी नवचौकिया, जोधपुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (सर्जरी, शिशु, स्त्री रोग) | 3 | — |
| | | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी (दन्त) | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 5 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 11. | सिटी डिस्पेन्सरी नागौरीगेट, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 12. | सिटी डिस्पेन्सरी प्रतापनगर, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 13. | पुलिस लाइन डिस्पेन्सरी, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 14. | सिटी डिस्पेन्सरी रेजीडेन्सी, जोधपुर शहरी परिवार कल्याण केन्द्र रेजीडेन्सी, जोधपुर | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 1 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 2 | — |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 15. | सिटी डिस्पेन्सरी सूरसागर, जोधपुर शहरी परिवार कल्याण केन्द्र, सूरसागर, जोधपुर | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 2 | — |
| 16. | सिटी डिस्पेन्सरी उदयमन्दिर जोधपुर शहरी परिवार कल्याण केन्द्र, उदयमन्दिर, जोधपुर | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 1 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 2 | — |
| 17. | कुष्ठ रोग चिकित्सालय, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 3 | — |
| 18. | टी.बी. क्लिनिक, जोधपुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (टी.बी.) | 2 | — |
| | | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 1 | — |
| 19. | सैटेलाइट चिकित्सालय महिलाबाग, जोधपुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसिन, सजर्री, शिशु, नेत्र, स्त्री रोग, ऐनेथिसिया | 6 | — |
| | | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी (दन्त) | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी प्रथम | 4 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 15 | — |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| 20. | सेटेलाइट चिकित्सालय मण्डोर, जोधपुर | कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसन, सर्जरी, शिशु, नेत्र, स्त्री रोग, अस्थी, ऐनेथिसिया, पैथेलोजी, ई.एन.टी.) | 9 | 2 (ऐनेथिसिया, पैथेलोजी) |
| | | उप नियंत्रक | 1 | — |
| | | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | चिकित्सा अधिकारी | 7 | 2 |
| | | चिकित्सा अधिकारी (दन्त) | 1 | — |
| | | नर्सिग अधीक्षक प्रथम | 1 | — |
| | | नर्सिग अधीक्षक द्वितीय | 1 | 1 |
| | | नर्स श्रेणी प्रथम | 5 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 18 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| 21. | शहरी स्वास्थ्य केन्द्र बी.जे.एस. कालोनी, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |
| 22. | शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रातानाडा, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 2 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 2 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य दर्शिका | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 23. | शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मधुबन हाउसिंग बोर्ड कालोनी, सरस्वती नगर, जोधपुर | चिकित्सा अधिकारी | 1 | — |
| | | नर्स श्रेणी द्वितीय | 1 | — |
| | | महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता | 1 | — |

## किशनगढ़-रेनवाल (फुलेरा) का बाइपास निर्माण

**208. श्री नवरतन राजोरिया** (फुलेरा) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि विधान सभा क्षेत्र फुलेरा के किशनगढ़-रेनवाल कस्बे में बाइपास निर्माण का कार्य स्वीकृत किया गया था? यदि हां, तो कब एवं कितनी लागत का?

(2) उक्त कार्य के लिए निविदा कब आमंत्रित की गई व किन-किन ठेकेदारों द्वारा निविदाऐं भरी गई? निविदा दरों का तुलनात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त कार्य का कार्यादेश किस ठेकेदार को किन शर्तों पर जारी किया गया व कार्य कब तक पूर्ण किया जाना था?

(4) क्या यह सही है कि ठेकेदार द्वारा कार्य नहीं किये जाने के कारण बाइपास निर्माण में विलम्ब हुआ है? यदि हां, तो ठेकेदार के विरुद्ध सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है? अब कब तक उक्त कार्य प्रारम्भ कर पूर्ण कर दिया जाएगा?

## उत्तर

(1) जी हां। विधान सभा क्षेत्र फुलेरा के किशनगढ़-रेनवाल कस्बे के बाइपास में डामर एवं पुलिया निर्माण का कार्य भारत सरकार के पोत परिवहन एवं राष्ट्रीय राज्य मार्ग मंत्रालय के पत्र क्रमांक आर.डब्ल्यू./एन.एच./12030/5/2005-एन.एच.-4 दिनांक 20.3.2006 के द्वारा राशि रुपये 113.75 लाख का केन्द्रीय सड़क निधि योजनान्तर्गत स्वीकृत किया गया है।

(2) उक्त कार्य की निविदा दिनांक 22.3.2006 को आमंत्रित की जाकर दिनांक 28.4.2006 को प्राप्त की गई। उक्त निविदा में निम्न संवेदकों द्वारा निविदाऐं भरी गई। (1) मैसर्स भगवाना राम (2) मैसर्स नारायण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (3) मैसर्स श्याम एन्टरप्राईजेज एवं (4) मैसर्स जय विजय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। निविदा दरों का तुलनात्मक विवरण परिशिष्ट “अ” पर संलग्न है।

(सार्वजनिक निर्माण मंत्री)

(3) उक्त कार्य का कार्यादेश मैसर्स भगवाना राम, संवेदक को कार्यादेश क्रमांक 815-825 दिनांक 24.5.2006 द्वाराजी अनुसूची से 4.98 प्रतिशत अधिक दर पर मानक अनुबन्ध की शर्तो पर दिया गया। उक्त कार्य दिनांक 1.10.2006 को पूर्ण किया जाना प्रस्तावित था।

(4) जी हां। संवेदक के खिलाफ अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सा.नि. विभाग सम्भाग-प्रथम, जयपुर के आदेश क्रमांक 2371 दिनांक 10.10.2006 द्वारा अनुबन्ध की धारा 2 के तहत 10 प्रतिशत की शास्ति आरोपित की गई एवं धारा 3 के तहत शेष कार्य संवेदक की जोखिम एवं लागत पर रिसाइण्ड कर लिया गया तथा आदेश क्रमांक 2617 दिनांक 6.11.2006 द्वारा संवेदक को 6 माह के लिए आगामी निविदा प्रक्रियाओं में भाग लेने से वंचित कर दिया गया। उक्त कार्य पुन: प्रारम्भ कर दिया गया है, जो जुलाई 2007 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

परिशिष्ट- "अ"

**OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, P.W.D. RURAL CIRCLE-I, JAIPUR**

**COMPARATIVE STATEMENT OF TENDER**

U.S.Q.No. 857/...

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, P.W.D. RURAL CIRCLE-I, JAIPUR.

Annexure 'अ'
परिशिष्ट -'अ'

COMPARATIVE STATEMENT OF TENDER

Job No. CRF /462/Raj./2006

Name of work : Strengthening of Renwal Byepass on SH-3A (Km. 0/0 to 7/600)

Amount alloted during year Rs. 109.00 Lacs

Adm. Sanction for Rs 113.75 Lacs vide letter No. RW/NH/2030/2005-NH-4 Dated 20.03.06
Financial Sanction for Rs 113.75 Lacs vide letter No. ...........
Date
Technical Sanction for Rs. 113.75 Lacs Vide letter No. 145 dated 10.04.06

1- Estimated cost of work Rs. 109.00 Lacs
2- Amount of tender Recommended Rs 11754704.00
3- Estatement cost of items not included in the Tender Rs... 1,11,97,089.00
4- Contengencies & other provisions includec in the Estimate Rs...336213.00+112071 = 448284.00
5- Cost of work as per recommended tender Rs 1,22,02,088.00
6- Percentage of Excess over the sanctioned estimate Excess Rs. 11.95% Excess
7- Amount of 'G' Schedule Rs 11197089.00

Due on : 28.04.2006
Date of Notice calling for Tender
Estimated cost for item in NIT : 109.00 Lacs
Date of salling of tender:
Date of Receipt of tender:
Nos. of tenders sold : 8 Nos
Nos. of tenders received : 4 Nos
Date of opening of Potentional bids : —
Date of opening of Financial bids : 28/04/2006

| (A) Name of contractor (Class of contractor is to be given) | 1/4 M/s Bhagawen Ram | 2/4 M/s Shree Naraian Const. Co. | 3/4 M/s Shyam Enterprises | 4/4 M/s Jai Vijay Const. Co. | |
|---|---|---|---|---|---|
| Tender premium | 4.98% above | 4.99% above | 13.71% above | 13.51% above | |
| Cost of work as per Schedule-'G' | 11197089.00 | 11197089.00 | 11197089.00 | 11197089.00 | |
| Tender premium amount | 557515.03 | 558734.74 | 1535120.90 | 1512726.72 | |
| Aggregate amount | 11754704.03 | 11755823.74 | 12732209.90 | 12709815.72 | |
| | LOWEST | | | | |

Prepared by

A.A.O.

Auditor Circle-.........

Forwarded to the Addl. Chief Engineer, PWD, Zone-I, Jaipur for necessary action as per forwarded letter.

Superintending Engineer
PWD, Rural Circle-I, Jaipur

## रायपुर की सड़कों की चौड़ाई में वृद्धि

**209. श्री सी. डी. देवल** (रायपुर) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) जनवरी, 2004 से 31 जनवरी, 2007 तक विधान सभा क्षेत्र रायपुर में किन-किन नई सड़कों का निर्माण किया गया? सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कितनी आबादी तक के गांव जोड़े गये और प्रत्येक सड़क की कितनी दूरी है तथा प्रत्येक सड़क के लिए कितनी राशि स्वीकृत की गई? जनवरी, 2004 से 31 जनवरी, 2007 तक की सूची सदन की मेज पर रखें।

(3) विधान सभा क्षेत्र रायपुर में किन-किन सड़कों को सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत की गई? स्वीकृत की गई सड़क की लम्बाई और उस पर व्यय की गई राशि का विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या यह सही है कि सरकार ने डब्ल्यू.बी.एम. से पूर्व में बनी हुई सड़कों के डामरीकरण की कार्यवाही की है? यदि हां, तो उन पर व्यय की गई राशि एवं उनकी लम्बाई का विवरण सदन की मेज पर रखें।

(5) क्या यह भी सही है कि सरकार द्वारा विधान सभा क्षेत्र रायपुर में कुछ पुलियाओं की मरम्मत एवं कुछ नये पुल व रपटें बनाने की स्वीकृति दी गई है? यदि हां, तो प्रत्येक कार्य का नाम एवं उस पर स्वीकृत राशि का विवरण सदन की मेज पर रखें।

(6) क्या यह भी सही है कि गुडाबिंजा से रायराकलां के बीच सड़क पर एक पुल/रपट बनाने की मांग लम्बे अर्से से की जा रही है? यदि हां, तो अब तक इसकी स्वीकृति नहीं जारी करने के क्या कारण हैं और अब कब तक उक्त स्वीकृति जारी कर दी जावेगी?

(7) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा विधान सभा क्षेत्र रायपुर की सड़कों की चौड़ाई 3 मीटर की बजाय 3.75 मीटर करने की स्वीकृतियां जारी की गई हैं? यदि हां, तो किस-किस सड़क की? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(8) क्या यह भी सही है कि निम्न सड़कों की पूरी लम्बाई तक 3.75 मीटर करने की विभाग को अभिशंषा भेजी गई है :-

(श्री सी. डी. देवल)

(क) बर से गिरी तक की सड़क को चौड़ा करने की स्वीकृति जारी हुई है उसको बढ़ाकर ब्यावर सीमा तक चौड़ी की जाये।

(ख) लिलाम्बा से आकेली होकर रायपुर सीमा तक की सड़क को रायपुर गांव से लिलाम्बा, आकेली व निमाज तक 3.75 मीटर तक चौड़ा किया जाये।

(ग) रायपुर से जस्साखेडा तक की सड़क को पाली जिले की सीमा से आगे लगभग तीन किलोमीटर तक जस्सा खेडा तक चौड़ा किया जाय चाहे इसके लिए राजसमन्द के अधिकारी कार्य करें अथवा पाली जिले से कार्य करवाया जाय।

(घ) चण्डावल से देवलीकलां, रामपुरा, चावण्डिया, आगैवा व जैतारण तक की सड़क को भी 3.75 मीटर की जाय?

(9) क्या सरकार उक्त सड़कों की लम्बाई बढ़ाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक और नहीं, तो क्यों?

(10) क्या यह सही है कि निम्न सड़कों की चौड़ाई कम है और आवागमन का इन सड़कों पर ज्यादा भार है, इसलिए क्या सरकार इनकी चौड़ाई भी 3.75 मीटर करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक और नहीं, तो क्यों :-

(क) देवलीकलां से अटबडा 7 कि.मी.।

(ख) बिराटियाकलां से हाजीवास मेसिया बुटिवास गिरी तक की सड़क।

(ग) लिलाम्बा से कुशालपुरा तक 5 कि.मी.।

(घ) राष्ट्रीय राजमार्ग 14 से अमरपुरा चांग रातडिया भंवरिया तक की सड़क।

(ड.) पीपलिया से दोरनडी मुरडावा सड़क।

## उत्तर

(1) जनवरी, 2004 से 31.1.2007 तक विधान सभा क्षेत्र रायपुर में जिन नई सड़कों का निर्माण किया गया उनकी सूची परिशिष्ट "क" पर संलग्न है।

(2) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र रायपुर में 500 तक की आबादी के ऐसे गांव जो किसी भी प्रकार की सड़क से नहीं जुडे हैं, स्वीकृत हैं व अब तक भिन्न-भिन्न आबादी के गांव बारहमासी सड़क से जोड़े गये हैं। जनवरी, 2004 से 31 जनवरी, 2007 तक जोड़े गये गांवों की स्वीकृत राशि व लम्बाई सहित सूची परिशिष्ट "ख" पर संलग्न है।

(सार्वजनिक निर्माण मंत्री)

(3) विधान सभा क्षेत्र रायपुर में जिन सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत के लिये राशि स्वीकृत की गई उनकी लम्बाई और उस पर व्यय की गई धनराशि का विवरण परिशिष्ट "ग" पर संलग्न है।

(4) जी हां। विधान सभा रायपुर में डब्ल्यू.बी.एम. से बनी हुई सड़कों पर डामरीकरण की कार्यवाही की है। विधान सभा रायपुर में बनी सड़कों पर व्यय राशि एवं उनकी लम्बाई का विवरण परिशिष्ट "घ" पर संलग्न है।

(5) जी हां। विधान सभा क्षेत्र रायपुर में कुछ पुलियों एवं रपटों की मरम्मत नई रपटें बनाने की स्वीकृति दी है। कार्यों की स्वीकृति/व्यय राशि का विवरण परिशिष्ट "ड" पर संलग्न है।

(6) जी हां। यह सही है कि गुडाबिंजा से रायरा कलां के बीच सड़क पर एक पुल बनाने की मांग लम्बे अरसे से चल रही है व इस पुल को बनाने के लिये विधान सभा में एक याचिका दायर की गई। इसकी स्वीकृति राज्य सरकार के वित्तीय संसाधनों एवं प्राथमिकता पर निर्भर करता है।

(7)जी नहीं।

(8)जी नहीं।

(9)जी नहीं।

(10) इन सड़कों को चौड़ा करना राज्य सरकार के वित्तीय संसाधनों एवं प्राथमिकता पर निर्भर करता है।

परिशिष्ट "क"

**विधान सभा क्षेत्र रायपुर में दिनांक 1.1.04 से 31.1.07 तक**
**नई सड़कों के निर्माण की सूची**

| क्र. सं. | योजना का नाम | विशेष विवरण |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | **मिसिंग लिंक** | |
| 1. | बिलाडा ब्यावर वाया हाथी भाटा | कार्य पूर्ण |
| 2. | गिरी से बूटीवास | कार्य पूर्ण |
| 3. | कालब कलां से खोडिया | कार्य पूर्ण |
| 4. | बगडी से कलालिया | कार्य पूर्ण |
| 5. | रामगढ़ शेरतान से जिला सीमा | कार्य पूर्ण |
| | **डब्ल्यू.बी.एम. से बी.टी. फेज द्वितीय** | |
| 1. | हरिपुर से चण्डावल वाया करमावास (रामपुरा चण्डावल) | कार्य पूर्ण |
| 2. | कुशालपुरा से चाण्डिया | कार्य पूर्ण |
| 3. | मोहरा से झूठा | कार्य पूर्ण |
| 4. | झूठा से रायपुर | कार्य पूर्ण |
| 5. | कीमा की बेरी से बेलपना | कार्य पूर्ण |
| 6. | मेगदडा से दीपावास | कार्य पूर्ण |
| 7. | अमरपुरा से सेन्दडा | कार्य पूर्ण |
| 8. | सम्पर्क सड़क धोलीधेड | कार्य पूर्ण |
| 9. | सम्पर्क सड़क जैतपुरा | कार्य पूर्ण |
| 10. | सम्पर्क सड़क रेलवे स्टेशन बर | कार्य पूर्ण |
| 11. | बर धूलकोट हाजीवास | कार्य पूर्ण |
| 12. | सम्पर्क सड़क धोलिया | कार्य पूर्ण |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 13. | बगडी पीपलाद केलवाद | कार्य पूर्ण |
| 14. | खोखरा देवली वाया बासनी | कार्य पूर्ण |
| 15. | बिजा गुडा से गफा सड़क (बिजागुडा से गजनाई) | कार्य पूर्ण |
| 16. | सम्पर्क सड़क सोढपुरा | कार्य पूर्ण |
| 17. | झाला की चौकी से कलालिया | कार्य पूर्ण |
| 18. | सेन्दडा से कन्या बावडी वाया चितार | कार्य पूर्ण |
| | **डब्ल्यू.बी.एम. से बी.टी. फेज तृतीय** | |
| 1. | सम्पर्क सड़क सेन्दडा गांव से धामाता का वाडिया | कार्य प्रगति पर |
| 2. | सम्पर्क सड़क खिवल | कार्य प्रगति पर |
| 3. | सम्पर्क सड़क महादेव मन्दिर (दीपावास) | कार्य प्रगति पर |
| 4. | कानुजा से गारद जिला सीमा तक | कार्य प्रगति पर |
| 5. | कानुजा से बलुपुरा | कार्य प्रगति पर |
| 6. | देवली बिलाडा सड़क वाया हर्षा | कार्य प्रगति पर |
| 7. | बलाडा ब्यावर सड़क कि.मी. 29 से शैलपुरा | कार्य पूर्ण |
| 8. | सम्पर्क सड़क खोडिया | कार्य प्रगति पर |
| | **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना** | |
| 1. | अटबडा देवली से छितरिया | कार्य पूर्ण |
| 2. | रामगढ़ सड़क से झाड़ली मानपुरा | कार्य पूर्ण |
| 3. | सम्पर्क सड़क केसरपुरा | कार्य पूर्ण |
| 4. | बूटीवास से रामावास | कार्य पूर्ण |
| 5. | बिराठिया खुर्द से झीतडा | कार्य पूर्ण |
| 6. | सम्पर्क सड़क चावण्डिया खुर्द (ग्रेवल) | कार्य पूर्ण |
| 7. | मेगड़दा से मालनी | कार्य पूर्ण |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 8. | बडी पोल से जगमालपुरा | कार्य प्रगति पर |
| 9. | सम्पर्क सड़क रामगढ़ चांग | कार्य पूर्ण |
| 10. | पचानपुरा से पीपलिया बाडिया | कार्य प्रगति पर |
| 11. | सम्पर्क सड़क नोख | कार्य प्रगति पर |
| 12. | सम्पर्क सड़क चैनपुरा | कार्य प्रगति पर |
| 13. | मेगडदा से फतेहखेड़ा | कार्य प्रगति पर |
| 14. | साण्डिया से गुडा बच्छराज | कार्य प्रगति पर |
| 15. | खोडिया से खरनी खेड़ा | कार्य प्रगति पर |

**परिशिष्ट "ख"**

**विधान सभा क्षेत्र रायपुर में दिनांक 1.1.04 से 31.1.07 प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जोड़े गये गांवों का विवरण**

| क्र. सं. | गांव का नाम | आबादी | स्वीकृत राशि (लाखों में) | स्वीकृत लम्बाई (कि.मी. में) | विशेष विवरण |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | छितरिया | 1109 | 27.97 | 3.25 | कार्य पूर्ण |
| 2. | झाडलीमानपुरा | 813 | 26.41 | 1.50 | कार्य पूर्ण |
| 3. | केसरपुरा | 980 | 5.92 | 0.70 | कार्य पूर्ण |
| 4. | रामावास | 987 | 92.40 | 3.03 | कार्य पूर्ण |
| 5. | झीतड़ा | 1000 | 138.46 | 6.83 | कार्य पूर्ण |
| 6. | चावण्डिया खुर्द (ग्रेवल) | 844 | 15.65 | 1.85 | कार्य पूर्ण |
| 7. | मालनी | 824 | 61.24 | 3.28 | कार्य पूर्ण |
| 8. | रामगढ़ चांग | 669 | 14.52 | 0.80 | कार्य पूर्ण |

परिशिष्ट "ग"

विधान सभा क्षेत्र रायपुर में दिनांक 1.1.04 से 31.1.07 तक सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत के लिए स्वीकृत लम्बाई एवं व्यय धनराशि की सूची

| क्र. सं. | योजना/सड़क का नाम | स्वीकृत राशि (लाखों में) | स्वीकृत लम्बाई (कि.मी. में) | व्यय राशि (लाखों में) | वास्तविक लम्बाई (कि.मी. में) | विशेष विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | **आर.एम.यू.पी. प्रथम** | | | | | |
| 1. | रामपुरा से निमाज | 29.52 | 8.00 | 34.42 | 8.00 | कार्य पूर्ण |
| 2. | रायपुर बस स्टेण्ड से हरिपुर रेलवे स्टेशन | 9.53 | 2.00 | 7.82 | 2.00 | कार्य पूर्ण |
| | **योग** | **39.05** | **10.00** | **42.24** | **10.00** | |
| | **आर.एम.यू.पी. द्वितीय** | | | | | |
| 1. | चण्डावल जैतारण सड़क | 12.00 | 4.00 | 9.91 | 4.00 | कार्य पूर्ण |
| 2. | सम्पर्क सड़क बिराठिया खुर्द | 3.75 | 1.00 | 2.89 | 1.00 | कार्य पूर्ण |
| 3. | सम्पर्क सड़क रेलवे स्टेशन बर | 3.75 | 1.00 | 2.37 | 1.00 | कार्य पूर्ण |
| 4. | सम्पर्क सड़क कुशालपुरा | 7.50 | 2.00 | 4.55 | 2.00 | कार्य पूर्ण |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 5. | बस स्टेण्ड पीपलिया से दोरनाडी | 15.00 | 4.00 | 11.17 | 4.00 | कार्य पूर्ण |
| 6. | सांडिया से बागडी कि.मी. | 18.75 | 5.00 | 16.78 | 5.00 | कार्य पूर्ण |
| | **योग** | **60.75** | **17.00** | **47.67** | **17.00** | |
| | **आर.एम.यू.पी. तृतीय** | | | | | |
| 1. | देवली बर लाटोति सड़क | 10.50 | 3.00 | 0.00 | 3.00 | कार्य प्रगति पर |
| 2. | रायपुर जस्सा खेडा सड़क | 18.00 | 7.00 | 9.93 | 5.00 | कार्य प्रगति पर |
| 3. | पीपलिया दोरनाडी | 20.50 | 1.00 | 2.78 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |
| 4. | रायपुर बस स्टेण्ड से हरिपुर | 19.25 | 2.00 | 4.38 | 2.00 | कार्य प्रगति पर |
| 5. | बिराठिया खुर्द से झाला की चौकी | 18.00 | 2.00 | 2.57 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |
| 6. | झाला की चौकी से कलालिया | 18.00 | 6.00 | 7.53 | 4.00 | कार्य प्रगति पर |
| 7. | सम्पर्क सड़क ग्राम झूठा | 10.50 | 1.00 | 0.00 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |
| 8. | सम्पर्क सड़क ग्राम बांसिया | 10.50 | 1.00 | 2.71 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |
| 9. | सम्पर्क सड़क ग्राम करमावास | 3.50 | 1.00 | 0.00 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 10. | चण्डावल बिजागुडा खोडिया | 7.80 | 1.00 | 0.00 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |
| | **योग** | **136.55** | **25.00** | **29.90** | **20.00** | |
| | **3054 विशेष मरम्मत** | | | | | |
| 1. | 20 एम.एम. पी.एम.सी. से नवीनीकरण कार्य चण्डावल जैतारण सड़क किमी 10/0 से 13/0 | 7.00 | 3.00 | 6.96 | 3.00 | कार्य पूर्ण |
| | **योग** | **7.00** | **3.00** | **6.96** | **3.00** | |

**डब्ल्यू.बी.एम. से बी.टी. योजना के तहत जनवरी, 04 से 31.1.07 तक स्वीकृत कार्य एवं व्यय की सूची**

**परिशिष्ट "घ"**

| क्र. सं. | योजना/सड़क का नाम | स्वीकृत राशि (लाखों में) | स्वीकृत लम्बाई (कि.मी. में) | व्यय राशि (लाखों में) | वास्तविक लम्बाई (कि.मी. में) | विशेष विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | **डब्ल्यू.बी.एम. से बी.टी. फेज द्वितीय** | | | | | |
| 1. | हरिपुर से चण्डावल वाया करमावास (रामपुरा चण्डावल) | 65.00 | 7.00 | 50.65 | 6.800 | कार्य पूर्ण |
| 2. | कुशालपुरा से चाण्डिया | 69.00 | 7.00 | 50.46 | 5.800 | कार्य पूर्ण |
| 3. | मोहरा से झूठा | 38.00 | 4.00 | 26.71 | 4.00 | कार्य पूर्ण |
| 4. | झूठा से रायपुर | 18.00 | 2.00 | 17.30 | 2.40 | कार्य पूर्ण |
| 5. | कीमा की बेरी से बेलपना | 17.00 | 1.00 | 12.89 | 1.00 | कार्य पूर्ण |
| 6. | मेगड़दा से दीपावास | 30.00 | 3.00 | 20.73 | 3.00 | कार्य पूर्ण |
| 7. | अमरपुरा से सेन्दडा | 27.00 | 3.00 | 17.51 | 3.00 | कार्य पूर्ण |
| 8. | सम्पर्क सड़क धोलीधेड | 28.00 | 2.50 | 16.84 | 2.50 | कार्य पूर्ण |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9. | सम्पर्क सड़क जैतपुरा | 40.00 | 4.00 | 25.22 | 3.00 | कार्य पूर्ण |
| 10. | सम्पर्क सड़क रेलवे स्टेशन बर | 15.00 | 1.00 | 10.56 | 1.00 | कार्य पूर्ण |
| 11. | बर धूलकोट हाजीवास | 10.00 | 1.00 | 7.77 | 1.00 | कार्य पूर्ण |
| 12. | सम्पर्क सड़क धोतिया | 10.00 | 1.00 | 5.29 | 1.00 | कार्य पूर्ण |
| 13. | बगडी पीपलाद केलवाद | 24.00 | 3.00 | 18.49 | 3.00 | कार्य पूर्ण |
| 14. | खोखरा देवली वाया बासनी | 45.00 | 5.00 | 36.62 | 5.00 | कार्य पूर्ण |
| 15. | बिजा गुडा से गफा सड़क (बिजागुडा से गजनाई) | 50.00 | 5.00 | 30.54 | 5.00 | कार्य पूर्ण |
| 16. | सम्पर्क सड़क सोढपुरा | 52.00 | 5.00 | 38.67 | 5.00 | कार्य पूर्ण |
| 17. | झाला की चौकी से कलालिया | 40.00 | 4.00 | 18.89 | 4.00 | कार्य पूर्ण |
| 18. | सेन्दड़ा से कन्या बावड़ी वाया चितार | 44.00 | 4.00 | 21.23 | 4.00 | कार्य पूर्ण |
| | **योग** | **622.00** | **62.50** | **426.37** | **60.50** | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | **डब्ल्यू. बी.एम. से बी.टी. फेज तृतीय** | | | | | |
| 1. | सम्पर्क सड़क सेन्दड़ा गांव से धामाता का वाडिया | 33.40 | 1.60 | 6.44 | 1.60 | कार्य प्रगति पर |
| 2. | सम्पर्क सड़क खिवल | 17.66 | 1.00 | 5.98 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |
| 3. | सम्पर्क सड़क महादेव मन्दिर (दीपावास) | 8.21 | 1.00 | 0.00 | 1.00 | कार्य प्रगति पर |
| 4. | कानुजा से गारद जिला सीमा तक | 49.29 | 5.00 | 10.42 | 5.00 | कार्य प्रगति पर |
| 5. | कानुजा से बलुपुरा | 43.08 | 4.00 | 8.95 | 4.00 | कार्य प्रगति पर |
| 6. | देवली बिलाडा सड़क वाया हर्षा | 49.45 | 4.00 | 4.18 | 4.00 | कार्य प्रगति पर |
| 7. | बलाडा ब्यावर सड़क किमी 29 से शैलपुरा | 30.75 | 3.00 | 14.65 | 3.00 | कार्य पूर्ण |
| 8. | सम्पर्क सड़क खोडिया | 13.30 | 0.70 | 2.12 | 0.70 | कार्य प्रगति पर |
| | **योग** | **278.16** | **20.30** | **52.74** | **20.30** | |

परिशिष्ट "ङ"

**विधान सभा क्षेत्र रायपुर में दिनांक 1.1.04 से 31.1.07 तक पुलिया मरम्मत/रपट मरम्मत कार्यों की सूची**

| क्र. सं. | योजना/ सड़क का नाम | स्वीकृत राशि (लाखों में) | स्वीकृत लम्बाई (कि.मी. में) | व्यय राशि (लाखों में) | वास्तविक लम्बाई (कि.मी. में) | विशेष विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** |
| | **बाढ़ मरम्मत (वर्ष 2004-05)** | | | | | |
| 1. | सेन्दडा चितार सड़क | 3.00 | 1 CD | 2.33 | 1 CD | मरम्मत कार्य पूर्ण |
| | **योग** | **3.00** | | **2.33** | | |
| | **3054 बाढ़ मरम्मत विभागीय मद** | | | | | |
| 1. | विशेष मरम्मत कार्य झाला की चौकी से कलालिया सड़क पर एवं सी.डी. कार्य ओ.डी.आर. कि.मी. 6, 9, 11, 12 | 20.00 | 2 CD | 2.87 | 2 CD | मरम्मत कार्य प्रगति पर |
| | **योग** | **20.00** | | **2.87** | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | **2245 प्राकृतिक आपदा** | | | | | |
| 1. | भैरू का नाका से कानुजा सड़क पर सी.डी. मरम्मत कार्य | 6.00 | 1 CD | — | 1 CD | मरम्मत कार्य प्रगति पर |
| 2. | सी.डी. निर्माण कार्य देवली अटबडा सड़क | 6.00 | CD | 2.05 | CD | नया कार्य प्रगति पर |
| 3. | फ्लश काजवे निर्माण कार्य बिलाडा देसुरी सड़क कि.मी. 15, 16, 18 एवं 20 में | 12.00 | 5 CD | 7.20 | 5 CD | नया कार्य प्रगति पर |
| | **योग** | **24.00** | | **9.25** | | |

## बीकानेर जिले में मिट्टी से अवरूद्ध सड़क मार्गों की सफाई पर व्यय

**210. श्री वीरेन्द्र बेनीवाल** (लूणकरणसर) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि मिट्टी आ जाने के कारण अवरूद्ध रास्तों पर यातायात व्यवस्था सुचारू करने हेतु सरकार द्वारा मिट्टी हटाये जाने का कार्य किया जाता है? यदि हां, तो किन नियमों/दिशा निर्देशों के अन्तर्गत?

(2) क्या ऐसे स्थानों से मिट्टी हटाए जाने हेतु सम्बन्धित उपखण्डों के अधिकारी द्वारा अपने उच्च अधिकारियों से अनुमति लेना अनिवार्य है? यदि हां, तो किस से?

(3) क्या उक्त मिट्टी को सड़क सीमा से हटाकर दूरी तक डाला जाता है? यदि हां, तो कितनी दूरी तक?

(4) जिला बीकानेर में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा दिनांक 1 जनवरी, 2004 से 28 फरवरी, 2007 तक सड़क से मिट्टी हटाने हेतु प्रतिवर्ष कितनी राशि व्यय की गई? तहसीलवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

### उत्तर

(1) जी हां। सार्वजनिक निर्माण विभाग मेनुअल भाग-II के पैरा 31.3.1 के तहत सड़क पर यातायात सुचारू रखने हेतु सड़कों की साधारण मरम्मत मद में उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के आधार पर मिट्टी हटाने का कार्य किया जाता है।

(2)जी हां। सम्बन्धित खण्डीय अभियन्ता से मिट्टी हटाये जाने हेतु अनुमति लेना आवश्यक है।

(3) मिट्टी हटाने का कार्य सड़क सीमा में एवं सड़क सीमा के बाहर स्थान की उपलब्धता के आधार पर 50 मीटर की दूरी तक करवाया जाता है।

(4) बीकानेर जिले में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 1.1.2004 से 28.2.07 तक सड़क से मिट्टी हटाने हेतु प्रतिवर्ष व्यय की गई तहसीलवार राशि की सूचना परिशिष्ट "अ" में संलग्न है।

परिशिष्ट "अ"

## वर्षवार व तहसीलवार खर्च

| क्र. सं. | तहसील | वर्ष | | | | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1.1.04 से 31.3.04 | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 (28.2.2007 तक) | |
| 1. | बीकानेर | 4553.00 | 477198.00 | 143697.00 | 199235.00 | 824683.00 |
| 2. | कोलायत | 0.00 | 856656.00 | 186125.00 | 668582.00 | 1711363.00 |
| 3. | नोखा | 0.00 | 290282.00 | 169463.00 | 270452.00 | 730197.00 |
| 4. | छत्तरगढ़ | 54434.00 | 76033.00 | 32779.00 | 26597.00 | 189843.00 |
| 5. | पूगल | 0.00 | 255306.00 | 59845.00 | 264876.00 | 580027.00 |
| 6. | लूणकरणसर | 9864.00 | 272910.00 | 250598.00 | 191019.00 | 7204391.00 |
| 7. | श्रीडूंगरगढ़ | 0.00 | 125254.00 | 26699.00 | 32723.00 | 184676.00 |
| 8. | खाजूवाला | 0.00 | 466000.00 | 10754.00 | 243000.00 | 719754.00 |
| | **योग** | **68851.00** | **2819639.00** | **879960.00** | **1896484.00** | **5664934.00** |

## खारची में सड़क सीमाओं पर अतिक्रमण

**211. श्री खुशवीर सिंह जोजावर** (खारची) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की चौड़ाई के सम्बन्ध में नियम बने हुये हैं? यदि हां, तो क्या? नियमों की प्रति सदन की मेज पर रखें।

(2) विधान सभा क्षेत्र खारची जिला पाली में एम.डी.आर./ओ.डी.आर./वी.आर. व राज्य मार्ग आदि की चौड़ाई कितनी-कितनी निर्धारित की हुई है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह सही है कि निर्धारित चौड़ाई की सीमा पर अतिक्रमण हो गये हैं? यदि हां, तो इन्हें हटाने के लिये सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है?

## उत्तर

(1) जी हां। नियम एवं नोर्मस आई.आर.सी. 73-1980 के तहत बने हुए हैं। जिसकी प्रति परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है।

(2) एम.डी.आर./ओ.डी.आर./वी.आर./राज्य मार्ग की चौड़ाई आई.आर.सी. 73-1980 के तहत निर्धारित की हुई है। जिसकी प्रति परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है। जो सभी क्षेत्रों पर लागू होती है जिसमें विधान सभा क्षेत्र खारची भी सम्मिलित है।

(3)जी हां। इन्हें हटाने के लिये सरकार लेण्ड रेवेन्यू एक्ट 1956 की धारा-91 के तहत कार्यवाही करती है।

U.S.Q. No. 1372 (2)

## 6. CROSS-SECTIONAL ELEMENTS

**6.1. Road Land, Building Lines and Control Lines**

6.1.1. Road land width (also termed the right-of-way) is the land acquired for road purposes. Desirable land width for different classes of roads is indicated in Table 3.

TABLE 3. RECOMMENDED LAND WIDTH FOR DIFFERENT CLASSES OF ROAD

(metres)

| S. No. | Road classification | Plain and rolling terrain | | | | Mountainous and steep terrain | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Open areas | | Built-up areas | | Open areas | Built-up areas |
| | | Normal | Range | Normal | Range | Normal | Normal |
| 1. | National and State Highways | 45 | 30-60 | 30 | 30-60 | 24 | 20 |
| 2. | Major District Roads | 25 | 25-30 | 20 | 15-25 | 18 | 15 |
| 3. | Other District Roads | 15 | 15-25 | 15 | 15-20 | 15 | 12 |
| 4. | Village Roads | 12 | 12-18 | 10 | 10-15 | 9 | 9 |

6.1.2. In high banks or deep cuts, the land width should be suitably increased. Similarly, a higher value should be adopted in unstable or landslide-prone areas. The need for a wider right-of-way at important road intersections should also be kept in view.

परिशिष्ट-अ

IRC : 73-1980

# GEOMETRIC DESIGN STANDARDS FOR RURAL (NON-URBAN) HIGHWAYS

Published by
THE INDIAN ROADS CONGRESS
Jamnagar House, Shahjahan Road,
New Delhi-110011
1990

(Plus Packing & Postage)

## मेड़ता की मिसिंग लिंक सड़कें

**212. श्री रामचन्द्र जारोड़ा** (नागौर) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या सरकार विधान सभा क्षेत्र मेड़ता की मिसिंग लिंक सड़कें बनाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(2) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा विधान सभा क्षेत्र मेड़ता में मिसिंग लिंक सड़कों को चिन्हित किया गया है? यदि नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) जी नहीं। विधान सभा क्षेत्र मेड़ता की मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण राज्य के उपलब्ध वित्तीय संसाधनों एवं प्राथमिकता पर निर्भर करता है।

(2) जी नहीं। विधान सभा क्षेत्र मेड़ता की मिसिंग लिंक सड़कों के निर्माण की कोई भी योजना विचाराधीन नहीं है। अत: सड़कें चिन्हित नहीं की गई हैं।

## बैराठ की प्रस्तावित सड़कें

**213. श्री राव राजेन्द्र सिंह** (बैराठ) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि विधान सभा क्षेत्र बैराठ में पिछले दो वर्षों में कई नई सड़कों के निर्माण कार्य प्रस्तावित किए गए हैं? यदि हां, तो किन-किन सड़कों के? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह भी सही है कि उक्त सड़कों में से कुछ सड़कों के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं एवं कुछ सड़कों के निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किये गये? यदि हां, तो किन किन सड़कों का कार्य प्रगति पर है एवं किन-किन के कार्य प्रारम्भ नहीं किये जा सके? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह भी सही है कि सरकार उक्त प्रस्तावित सड़कों के कार्यों को शीघ्र ही प्रारम्भ करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक और नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) जी हां। विधान सभा क्षेत्र बैराठ में विगत दो वर्षों में प्रस्तावित की गई नई सड़कों की सूची परिशिष्ट “अ” पर संलग्न है।

(2) जी हां। उक्त सड़कों में से वर्तमान में जो कार्य प्रगति में हैं उनकी सूची परिशिष्ट “ब” पर संलग्न है, तथा वे कार्य जो प्रारम्भ नहीं किये जा सके, उनकी सूची परिशिष्ट “स” पर संलग्न है।

(सार्वजनिक निर्माण मंत्री)

(3) जी हां। उक्त सभी प्रस्तावित कार्यों में से सिवाय परिशिष्ट “स” के सभी कार्य पूर्ण/प्रगति पर हैं। परिशिष्ट “स” के दो प्रस्तावित कार्यों की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति अपेक्षित है। स्वीकृति प्राप्त होते ही एक वर्ष में कार्य पूर्ण होने की सम्भावना है।

**परिशिष्ट “अ”**

**विगत दो वर्षों में प्रस्तावित की गई नई सड़कों की सूची**

| क्र. सं. | सड़क का नाम |
|---|---|
| 1 | 2 |
| | **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत कार्य** |
| 1. | कुहाड़ा से बन्द मुजफ्फरपुर |
| 2. | विराटनगर पावटा सड़क से रुघनाथपुरा उर्फ तालू का बास |
| 3. | एन.एच.-8 जयसिंहपुरा सड़क से तालियारा |
| 4. | एन.एच.-8 जयसिंहपुरा सड़क से भगतपुरा |
| 5. | अलवर शाहपुरा सड़क कि.मी. 221/400 से महासिंह का बास |
| 6. | एन.एच.-8 से लीलों का बास |
| 7. | एन.एच.-8 से लीलका |
| 8. | रामपुरा से गौतम नगर |
| 9. | बिलांदरपुर से चक धानोता |
| 10. | कुहाड़ा से काकराना |
| 11. | नीझर सड़क (टटेरा) से बासड़ी गणेशपुरा |
| 12. | नयाबास से गोनपुर उर्फ डांगावाली |
| 13. | देवन से लोबड़ावास |
| 14. | एस-13 कि.मी. 218/200 से इस्माइलपुर |
| 15. | सोठाना देवली सड़क से बादशाहपुर |

| 1 | 2 |
|---|---|
| | **डब्ल्यू.बी.एम. से बी.टी. योजनान्तर्गत डामर सड़क कार्य** |
| 1. | लुहाकना से धूलकोट सड़क पर डामरीकरण का कार्य |
| 2. | शाहपुरा देवन बडोदिया सड़क पर खरंजा निर्माण का कार्य |
| 3. | जवानपुरा से भाबरू सड़क निर्माण कार्य |
| | **एस.आर.एफ. योजनान्तर्गत कार्य** |
| 1. | अमरसर से कालीमाता मन्दिर सड़क निर्माण कार्य |
| 2. | भीमसेन गुफा से पंचखण्ड पीठ हनुमान मन्दिर तक सीमेन्ट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य |
| | **सी.आई.डी.एफ. योजनान्तर्गत माइन्स सम्पर्क सड़क कार्य** |
| 1. | धवली से सेपटपुरा पहाड़ी तक सड़क निर्माण कार्य |

**परिशिष्ट "ब"**

**वर्तमान में प्रगति पर कार्यों की सूची**

| **क्र. सं.** | **सड़क का नाम** |
|---|---|
| **1** | **2** |
| | **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत कार्य** |
| 1. | एन.एच.-8 जयसिंहपुरा सड़क से तालियारा |
| 2. | एन.एच.-8 से लीलों का बास |
| 3. | एन.एच.-8 से लीलका |
| 4. | रामपुरा से गौतम नगर |
| 5. | बिलांदरपुर से चक धानोता |
| 6. | कुहाड़ा से काकराना |
| 7. | नीझर सड़क (टटेरा) से बासड़ी गणेशपुरा |
| 8. | नयाबास से गोनपुर उर्फ डांगावाली |

| 1 | 2 |
|---|---|
| 9. | देवन से लोबड़ावास |
| 10. | एस-13 कि.मी. 218/200 से इस्माइलपुर |
| 11. | सोठाना देवली सड़क से बादशाहपुर |
| | **डब्ल्यू.बी.एम. से बी.टी. योजनान्तर्गत डामर सड़क कार्य** |
| 1. | शाहपुरा देवन बड़ोदिया सड़क पर खरंजा निर्माण कार्य |
| | **एस.आर.एफ. योजनान्तर्गत कार्य** |
| 1. | अमरसर से कालीमाता मन्दिर सड़क निर्माण कार्य |

**परिशिष्ट "स"**

| क्र. सं. | सड़क का नाम | अनुमानित लम्बाई (कि.मी. में) | अनुमानित लागत (लाखों में) | वर्तमान स्थिति |
|---|---|---|---|---|
| **डब्ल्यू.बी.एम. से बी.टी. योजनान्तर्गत डामर सड़क का कार्य** | | | | |
| 1. | जवानपुरा से भाबरू सड़क निर्माण कार्य | 3.700 | 51.91 | प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। |
| **सी.आई.डी.एफ. योजनान्तर्गत माइन्स सम्पर्क सड़क का कार्य** | | | | |
| 2. | धवली से सेपटपुरा पहाड़ी तक सड़क निर्माण कार्य | 2.72 | 126.13 | प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। |

## चारभुजा-नाथद्वारा-प्रतापगढ़ सड़क मार्ग को राज्य उच्च मार्ग का दर्जा

**214. श्री रणधीर सिंह भीण्डर** (बल्लभनगर) : क्या सार्वजनिक निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

क्या सरकार चारभुजा व नाथद्वारा से प्रतापगढ़ रोड जिसका ट्राफिक राज्य मार्ग के मानदण्ड पूरे करता है एवं दो राष्ट्रीय राज मार्गों को जोड़ता है एवं मावली इण्डस्ट्रीयल एरिया व रेलवे डिपो कन्टेनर को भी जोड़ता है, को राज्य मार्ग (स्टेट हाइवे) घोषित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

चारभुजा-नाथद्वारा-प्रतापगढ़ सड़क की कुल लम्बाई 270 कि.मी. है जिसमें चारभुजा से नाथद्वारा मावली वर्तमान में राज्य उच्च मार्ग संख्या-49 का हिस्सा है, जिसकी लम्बाई 123 कि.मी. है। शेष सड़क मुख्य जिला सड़क एवं अन्य जिला सड़क का हिस्सा है जिसकी लम्बाई क्रमश: 40 कि.मी. व 107 कि.मी. है।

उक्त सड़क को राज्य उच्च मार्ग घोषित करना यातायात गणना एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता पर निर्भर करता है।

## बारां जिले की पुरासम्पदाओं का स्थानान्तरण

**215. श्री प्रमोद जैन "भाया"** (बारां) : क्या पुरातत्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) बारां जिले के किस-किस प्राचीन पर्यटक, ऐतिहासिक व धार्मिक स्थान की कितनी-कितनी मूर्तिया बारां जिले से बाहर किस-किस संग्रहालय या स्थान पर माह फरवरी, 2007 तक स्थानान्तरित की जा चुकी हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त मूर्तियों का स्थानान्तरण किस सक्षम अधिकारी के आदेश से हुआ? आदेश की प्रति सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त हस्तान्तरित मूर्तियों की संख्या कितनी है एवं मूर्तियां किस-किस रूप की हैं? मूर्तिवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) मूर्तियों के अलावा बारां जिले से किन-किन पुरासम्पदाओं का हस्तान्तरण किस-किस तारीख को अन्य जिलों को हुआ? विवरण सदन की मेज पर रखें।

### उत्तर

(1) बारां जिला बनने के बाद बारां, अटरू, केलवाडा, काकूनी, शाहबाद, छबडा

(पुरातत्व मंत्री)

आदि स्थानों से राजकीय संग्रहालय, कोटा में 28 मूर्तियां, राजकीय संग्रहालय झालावाड में 59 मूर्तियां, माह फरवरी, 2007 तक स्थानान्तरित की गई हैं।

(2) उक्त मूर्तियां का स्थानान्तरण निदेशक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, जयपुर, जिला कलक्टर कोटा, सिविल न्यायाधीश बारां, थानाधिकारी थाना कोतवाली, बारां के आदेश/निर्देशों से हुआ है। प्रतियां संलग्न है।

(3) उक्त स्थानान्तरित मूर्तियों की संख्या 87 है। ये मूर्तियां शैव, वैष्णव, जैन, शाक्त सम्प्रदाय से सम्बन्धित है जिनमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश, कार्तिकेय, इन्द्र, वरूण, दिग्पाल, अष्ठमातृकाएं, नवग्रह, दशावतार, महिषासुर-मर्दिनी, भैरव आदि प्रमुख हैं।

(4) मूर्तियों के अलावा बारां जिला बनने के बाद दिनांक 18.3.2005 को 136 सिक्के, दिनांक 24.3.2005 को 606 सिक्के, 19.1.2006 को 403 सिक्के, राजकीय संग्रहालय कोटा में स्थानान्तरित हुए हैं।

**(आदेशों की प्रतियां विस्तृत होने के कारण पुस्तकालय में रखी गयीं)**

## कोटपूतली (जयपुर) में लम्बित कृषि कनेक्शन

**216. श्री सुभाष चन्द्र शर्मा** (कोटपूतली) : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) कार्यालय सहायक अभियन्ता, कोटपूतली तथा सहायक अभियन्ता, पावटा द्वारा दिसम्बर, 2003 से अब तक कितने कृषि कनेक्शन जारी किये गये? नाम सहित श्रेणीवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि काश्तकारों द्वारा डिमाण्ड राशि व सिक्यूरिटी राशि जमा करवाने के उपरान्त भी कृषि कनेक्शन नहीं दिये जा रहे हैं? यदि हां, तो क्यों?

(3) क्या सरकार उक्त कृषकों को कृषि कनेक्शन जारी करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक?

## उत्तर

(1) कार्यालय सहायक अभियन्ता, कोटपूतली एवं पावटा द्वारा माह दिसम्बर, 2003 से फरवरी, 2007 तक निम्न श्रेणीवार कृषि कनेक्शन जारी किये गये। नामवार सूची परिशिष्ट "अ" पर उपलब्ध है एवं श्रेणीवार संख्या विवरण निम्नानुसार हैं :-

(ऊर्जा मंत्री)

| उपखण्ड | स्पेशल | सामान्य | अनु. जनजाति | फार्म हाउस | नर्सरी | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कोटपूतली | 263 | 414 | 75 | 97 | — | 849 |
| पावटा | 153 | 223 | 46 | 46 | 2 | 538 |

(2) यह सही नहीं है कि डिमाण्ड राशि व सिक्यूरिटी राशि जमा करवाये जाने के उपरान्त भी काश्तकारों को कृषि कनेक्शन नहीं दिये जा रहे हैं। काश्तकारों के आपस में विवादित मामलों के अलावा सभी जमा मांग पत्रों वाले कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं। विवादित मामलों का संख्या विवरण निम्न है :-

| उपखण्ड | स्पेशल | सामान्य | अनु. जनजाति | फार्म हाउस | कुल |
|---|---|---|---|---|---|
| कोटपूतली | 1 | 18 | 9 | 1 | 29 |
| पावटा | 3 | 16 | 14 | — | 33 |

(3) उक्त आपसी विवादों के निस्तारण के लिये उचित एवं भरसक प्रयास किये जा रहे हैं एवं उनका निस्तारण होते ही विद्युत सम्बन्ध जारी कर दिये जावेंगे हैं।

**(सूची विस्तृत होने के कारण पुस्तकालय में रखी गयी)**

## जयपुर शहर में हाइटेंशन लाइनों से दुर्घटना प्रभावितों को मुआवजा

**217. श्री बृजकिशोर शर्मा** (जयपुर ग्रामीण) : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) जयपुर शहर में हाइटेंशन लाइनों से कितने व्यक्ति गत 2 वर्षों में दुर्घटनाग्रस्त हुए? नाम पते सहित सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि उक्त दुर्घटना में मरे व्यक्तियों को सरकार द्वारा मुआवजा दिया गया है? यदि हां, तो कितना व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

(1) जयपुर नगर वृत में गत दो वर्षों में हाइटेंशन लाइनों से छह घातक हादसे हुये हैं जिनका विवरण परिशिष्ट "अ" पर उपलब्ध है।

(2)जी हां। उक्त दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों को दिये गये मुआवजे/अनुग्रह राशि का विवरण उपरोक्त परिशिष्ट "अ" में दर्शाया गया है।

परिशिष्ट ''अ''

**हाईटेंशन लाइनों से जयपुर शहर में गत दो वर्षों में हुये हादसों सम्बन्धी विवरण**

| क्र. सं. | व्यक्ति का नाम व पता | विभागीय या अविभागीय | दुर्घटना की तिथि | दुर्घटना का स्थान | घातक/ अघातक | दिया गया मुआवजा/ अनुग्रह राशि (रुपये) | दुर्घटना विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | श्री सिराजउल हक, टीला नं. 7 बी, शिव मन्दिर के पास, जवाहरनगर बाइपास। | अविभागीय | 26.6.04 | जवाहर नगर | घातक | — | विभागीय जांच के अनुसार दुर्घटना विभागीय लापरवाही के कारण नहीं हुई है। अत: मुआवजा नहीं दिया गया। |
| 2. | श्री सुरेश, गांधी कच्ची बस्ती, विद्यानगर, जगतपुरा | अविभागीय | 5.7.04 | गोनेर रोड | घातक | — | मृतक एक दुकान की छत पर खाली बोतल के ढक्कन लेने गया तथा ऊपर जा रही हाइटेंशन लाइन के सम्पर्क में आ गया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। चूंकि विभागीय जांच के अनुसार दुर्घटना विभागीय लापरवाही के कारण नहीं हुई है। अत: मुआवजा नहीं दिया गया। |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3. | श्री हुक्कुम चन्द, 42 राजेन्द्र नगर, अजमेर रोड, गजसिंहपुरा, जयपुर | विभागीय सहायक-I | 30.4.04 | हीरापुरा | घातक | 3,45,040/- | विभागीय कर्मचारी श्री हुक्कुम चन्द, सहायकजीवन विहार कालोनी में कार्य करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया उसे सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध थे। परिजनों को मुआवजा राशि दी जा चुकी है। |
| 4. | श्री के.के. राजू, 482 जगदम्बा विहार, जयपुर | अविभागीय | 22.3.05 | हीरापुरा | घातक | — | श्री के.के. राजू ने अपना मकान 11 के.वी. लाइन के नीचे बना रखा है जहां छत के उपर पानी की टंकी साफ करने के दौरान वह ऊपर जा रही 11 के.वी. लाइन को छू गया जिससे उसकी मौत हो गयी। इसमें किसी भी प्रकार की विभागीय लापरवाही नहीं पायी गयी। |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5. | श्री सुधड़ सिंह द्वारा मै. ज्योति इलैक्ट्रोनिक सूरजपोल बाजार, जयपुर | अविभागीय | 9.12.05 | जगतपुरा | घातक | — | श्री सुधड़ सिंह ठेकेदार का कार्य सम्पादित कर रहा था। ठेकेदार के अन्य आदमी ने टीलावाला फीडर का शट डाउन न लेकर नगरियावला फीडर का शट डाउन लिया जबकि श्री सुधड़ सिंह टीलावाला फीडर पर कार्य कर रहा था। अत: दुर्घटना घट गई। इस प्रकरण में सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा मुआवजा दिया जाना है। मुआवजे के लिए मृतक के आछितों ने जिला न्यायालय में दावा दायर कर रखा है जो माननीय न्यायालय के विचाराधीन है। |
| 6. | सुश्री ऊषा खण्डेलवाल, दुकान नं. 182 महाकरणी नगर, आम्रपाली रोड ए जयपुर | अविभागीय | 27.8.05 | जयपुर | घातक | — | कोई मुआवजा नहीं दिया गया क्योंकि लड़की की मृत्यु उसकी स्वयं की गलती से हुई थी। |

## सरदारशहर उपखण्ड में अभियन्ताओं के रिक्त पद

**218. श्री भंवर लाल शर्मा** (सरदारशहर) : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) सरदारशहर तहसील में शहरी और ग्रामीण विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या कितनी-कितनी है?

(2) कितने उपभोक्ताओं पर सहायक अभियन्ता व कनिष्ठ अभियन्ता के पद सृजित करने का नियम है? नियमों की प्रति सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त मानदण्डों के अनुसार क्या सरदारशहर तहसील में सहायक अभियन्ता व कनिष्ठ अभियन्ता कार्यरत हैं? यदि नहीं, तो क्यों?

(4) क्या सरकार सरदारशहर तहसील में उपभोक्ताओं की संख्या एवं जनहित को देखते हुये कनिष्ठ अभियन्ता व सहायक अभियन्ता के नये पद सृजित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

(5) क्या यह भी सही है कि सरदारशहर उपखण्ड में कनिष्ठ अभियन्ता का पद रिक्त है? यदि हां, तो कब से? क्या सरकार इस रिक्त पद को भरने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

(1) सरदारशहर तहसील में 12424 शहरी एवं 9081 ग्रामीण विद्युत उपभोक्ता माह जनवरी, 2007 तक नियमित थे।

(2) विद्युत विवरण निगम में सहायक/कनिष्ठ अभियन्ता के पद सृजित करने हेतु कोई स्वीकृत मापदण्ड/नियम नहीं हैं अपितु कार्यभार का आंकलन कर नये पद सृजित किये जाते हैं।

(3) सरदारशहर तहसील में एक सहायक अभियन्ता व दो कनिष्ठ अभियन्ता के पद स्वीकृत हैं। इन पर एक सहायक अभियन्ता व दो कनिष्ठ अभियन्ता 31.1.2007 तक कार्यरत थे। इनमें से एक कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा स्वैच्छिक सेवानिवृति के कारण रिक्त हुए पद को भरने की कार्यवाही की जा रही है।

(4) जोधपुर निगम गठन के पश्चात विभिन्न कार्यों का आंकलन कर नये कार्यालय सृजित करना एवं अनुपयोगी कार्यालयों को समाप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। जिसके तहत प्रशासनिक आवश्यकतानुसार कार्यालय बनाये या स्थानान्तरित किये जाते हैं। सरदारशहर तहसील में सहायक/कनिष्ठ अभियन्ता पद का सृजन पूरे चूरू जिले में समग्र रूप से कार्यभार की समीक्षा/आंकलन अनुसार एवं इस हेतु संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

(ऊर्जा मंत्री)

(5) सरदारशहर उप खण्ड में दो कनिष्ठ अभियन्ता के पद स्वीकृत हैं। दिनांक 31.1.2007 तक दोनों पदों पर कनिष्ठ अभियन्ता कार्यरत थे परन्तु एक कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा दिनांक 1.2.2007 से स्वैच्छिक सेवानिवृति लेने से एक पद रिक्त हुआ है। निगम में कनिष्ठ अभियन्ताओं की नई भर्ती की प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात उपलब्ध कनिष्ठ अभियन्ताओं में से उक्त रिक्त पद को भरने की कार्यवाही की जावेगी।

## श्रीडूंगरगढ़ के लम्बित विद्युत कनेक्शन

**219. श्री मंगलाराम गोदारा** (डूंगरगढ़) : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

क्या यह सही है कि विधान सभा क्षेत्र श्रीडूंगरगढ़ में सहायक अभियन्ता कार्यालयों में बड़ी संख्या में कृषि कनेक्शन, सामान्य, स्पेशल, शहीद बेवा व कुटीर ज्योति श्रेणी के आवेदन पत्र लम्बित हैं? यदि हां, तो क्या सरकार लम्बित कृषि कनेक्शन जारी करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

विधान सभा क्षेत्र श्रीडूंगरगढ़ के अन्तर्गत लम्बित कृषि आवेदन पत्रावलियों का श्रेणीवार विवरण परिशिष्ट "अ" पर उपलब्ध है। कुटीर ज्योति के कनेक्शन हेतु आवेदन प्राप्त कर उनका निस्तारण तत्काल किया जाता है। विशेष श्रेणी को छोड़कर अन्य समस्त श्रेणियों में लम्बित आवेदनों का निस्तारण उनके वरीयता क्रम में उपलब्ध संसाधनानुसार किया जा रहा है।

परिशिष्ट "अ"

**जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जोधपुर**

**राजस्थान विधान सभा**

**जोधपुर डिस्काम क्षेत्रान्तर्गत श्रीडूंगरगढ़ विधान सभा क्षेत्र में कृषि की विभिन्न श्रेणियों के लम्बित आवेदनों का विवरण माह फरवरी, 2007 तक निम्न है**

| क्र. सं. | प. समिति/कनेक्शन की श्रेणी | लम्बित कनेक्शनों की वर्तमान स्थिति | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | डिमाण्ड नोटिस राशि जमा | डिमाण्ड नोटिस जारी किन्तु राशि जमा नहीं | आवेदनों को मांग पत्र जारी करना लम्बित | कुल |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | सामान्य श्रेणी | | | | |
| | 1) पं.स. श्रीडूंगरगढ़ जिला-बीकानेर | 31 | 21 | 925 | 977 |
| | 2) बीदासर उपखण्ड पं.सं. सुजानगढ़ जिला-चूरू | — | — | 264 | 264 |
| | **कुल** | **31** | **21** | **1189** | **1241** |
| 2. | सामान्य श्रेणी | | | | |
| | 1) पं.स. श्रीडूंगरगढ़ जिला-बीकानेर | — | — | 750 | 750 |
| | 2) बीदासर उपखण्ड पं.सं. सुजानगढ़ जिला-चूरू | — | — | 116 | 116 |
| | **कुल** | **—** | **—** | **866** | **866** |
| 3. | शहीद श्रेणी | | | | |
| 3. 3. | 1) पं.स. श्रीडूंगरगढ़ जिला-बीकानेर | — | — | 122 | 122 |
| | 2) बीदासर उपखण्ड पं.सं. सुजानगढ़ जिला चूरू | — | — | 17 | 17 |
| | **कुल** | **—** | **—** | **139** | **139** |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 4. | अनुसूचित जाति श्रेणी | | | | |
| | 1) पं.स. श्रीडूंगरगढ़ जिला-बीकानेर | 65 | 58 | 13 | 136 |
| | 2) बीदासर उपखण्ड पं.सं. सुजानगढ़ जिला चूरू | — | — | — | — |
| | **कुल** | **65** | **58** | **13** | **136** |
| | **कुल श्रेणी का योग :-** | **96** | **79** | **2207** | **2382** |

**ह./-**
**(एन. एल. त्रिपाठी)**
**अधीक्षण अभियन्ता (पी.पी. एण्ड एम.)**
**जोधपुर डिस्काम, जोधपुर**

## बाल विकास परियोजना अधिकारी, डेगाना के विरूद्ध कार्यवाही

**220. श्री रिछपाल सिंह मिर्धा** (डेगाना) : क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) तहसील डेगाना जिला नागौर में वर्तमान में कुल कितने आंगनबाड़ी केन्द्र कार्यरत हैं? सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या पिछले 2 वर्षो से बाल विकास परियोजना अधिकारी, डेगाना द्वारा उक्त संचालित केन्द्रों का निरीक्षण किया जाता रहा है? यदि हां, तो क्या निरीक्षण प्रतिवेदन कार्यालय में उपलब्ध है? यदि नहीं, तो क्यों?

(3) क्या निरीक्षण प्रतिवेदन कार्यालय में उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में उक्त अधिकारी के विरूद्ध किसी प्रकार की कार्यवाही की गई? यदि हां, तो क्या व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

## उत्तर

(1) तहसील डेगाना, जिला नागौर में वर्तमान में 263 आंगनबाडी केन्द्र कार्यरत हैं। सूची परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है।

(2) जी हां। निरीक्षण प्रतिवेदन बाल विकास परियोजना कार्यालय, डेगाना एवं रियां में उपलब्ध है।

(3) जी नहीं। क्योंकि निरीक्षण प्रतिवेदन बाल विकास परियोजना कार्यालय में उपलब्ध है।

**परिशिष्ट "अ"**

**संचालित आंगनबाडी केन्द्रों की सूची**

| **क्र. सं.** | **तहसील** | **पंचायत समिति** | **परियोजना का नाम** | **आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम** |
|---|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** |
| 1. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जालसू कलां |
| 2. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जालसू कलां |
| 3. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जालसू खुर्द |
| 4. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जालसू नानक |
| 5. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जालसू नानक |
| 6. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चांदारूण |
| 7. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चांदारूण |
| 8. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चांदारूण |
| 9. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मिण्डकिया |
| 10. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मांझी |
| 11. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मांझी |
| 12. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मांझी |
| 13. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | किरोदा |
| 14. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | कुत्यासनी खुर्द |
| 15. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | भंवरिया |
| 16. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जाखेड़ा |
| 17. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जाखेड़ा |
| 18. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जाखेड़ा |
| 19. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पुन्दलोता |
| 20. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पुन्दलोता |
| 21. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | आंतरोली खुर्द |
| 22. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | आंतरोली कलां |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 23. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | आंतरोली कलां |
| 24. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | डावोली खारी |
| 25. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | डावोली मीठी |
| 26. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | डेगाना जंक्शन |
| 27. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सुखवासनी |
| 28. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | राजापुरा |
| 29. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | कवाल |
| 30. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | डेगाना गांव |
| 31. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | डेगाना गांव |
| 32. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | डेगाना गांव |
| 33. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | कितलसर |
| 34. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | कितलसर |
| 35. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | कितलसर |
| 36. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | किरठ |
| 37. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जावा |
| 38. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | रावलियास |
| 39. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | तिलानेस |
| 40. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | तिलानेस |
| 41. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | किम्मतनगर |
| 42. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | रामसरी |
| 43. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | रामसरी |
| 44. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गोरेडी चाचा |
| 45. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गोरेडी चाचा |
| 46. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गोरेडी चाचा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 47. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गोरेडी कलां |
| 48. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | राईका ढाणी |
| 49. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | रेगर बस्ती |
| 50. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | टंकीपुरा |
| 51. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | झगडवास |
| 52. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | झगडवास |
| 53. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | झगडवास |
| 54. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | लंगोड |
| 55. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | रेंवत |
| 56. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | तामडोली |
| 57. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गेमलियास |
| 58. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | नूंड |
| 59. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चारणावास |
| 60. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बामणा कलां |
| 61. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बामणा खुर्द |
| 62. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खुडी कलां |
| 63. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खुडी कलां |
| 64. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खुडी खुर्द |
| 65. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पण्ठवाला |
| 66. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | अलवास |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 67. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चूड़ीयास |
| 68. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | भारली |
| 69. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बरना |
| 70. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बुटाटी |
| 71. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बुटाटी |
| 72. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | राजोद |
| 73. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चोलीयास |
| 74. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खारीया कलां |
| 75. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ईग्यासनी |
| 76. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खिंयास |
| 77. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | निम्बड़ी चांदावता |
| 78. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | निम्बड़ी चांदावता |
| 79. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ढाढरियाकलां |
| 80. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बच्छवास |
| 81. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | निम्बोला कलां |
| 82. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | दूधड़ास |
| 83. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पूनास |
| 84. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | आकेली बी |
| 85. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बच्छवारी |
| 86. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बच्छवारी |
| 87. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सिंघलास |
| 88. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चकढाणी |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 89. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | डूंगरावास |
| 90. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | दुगौर अचला |
| 91. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | दुगौर दासा |
| 92. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | निम्बोला पूरेहितान |
| 93. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पोलास विश्नोईया |
| 94. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बिचपुडी |
| 95. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | हरसौर |
| 96. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | हरसौर |
| 97. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | हरसौर |
| 98. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | हरसौर |
| 99. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | हरसौर |
| 100. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | थाटा |
| 101. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | लूणीयास |
| 102. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सूरीयास |
| 103. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मेहराणा |
| 104. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गोठड़ा |
| 105. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | राजलौता |
| 106. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | रलियावता |
| 107. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ईटावड़ा भोजा |
| 108. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ईटावड़ा लाडखानी |
| 109. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बिखनिया कलां |
| 110. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बिखनियां खुर्द |
| 111. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | निमड़ी कलां |
| 112. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | निम्बड़ी कोढारिया |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 113. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | माण्डल देवी |
| 114. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | माण्डल जोधा |
| 115. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खारोल बास |
| 116. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गोनरडा |
| 117. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पालड़ी |
| 118. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पालड़ी |
| 119. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पालड़ी |
| 120. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मेवड़ा |
| 121. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मेवड़ा |
| 122. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | नथावड़ी |
| 123. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | नथावड़ा |
| 124. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गुलाबपुरा |
| 125. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | लबाडरू |
| 126. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पंचरण्डा कलां |
| 127. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मुण्डेलपुरा |
| 128. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सुरपुरा |
| 129. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | भंवाल चारणा |
| 130. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सांजू |
| 131. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सांजू |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 132. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सांजू |
| 133. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सांजू |
| 134. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जेतपुरा खुर्द |
| 135. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ह्रिरणी ढाणी |
| 136. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | दागड़ी |
| 137. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | दागड़ा |
| 138. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चारड़ास |
| 139. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | हबचर |
| 140. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खैरवा |
| 141. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चांदनी |
| 142. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चुई |
| 143. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चुई |
| 144. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चुवा |
| 145. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चुवा |
| 146. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खिवताणा |
| 147. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | भादवासी |
| 148. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ईड़वा |
| 149. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ईड़वा |
| 150. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ईड़वा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 151. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | डेरकी ढाणी |
| 152. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पालीयास |
| 153. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पालीयास |
| 154. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पालीयास |
| 155. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | केरिया रांवा |
| 156. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | केरिया रांवा |
| 157. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पूनीयास |
| 158. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चम्पा खेड़ी |
| 159. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | देवला |
| 160. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सिरासना |
| 161. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सिरासना |
| 162. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | उदीयास |
| 163. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सारसण्डा |
| 164. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सारसण्डा |
| 165. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खिन्दस |
| 166. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मोगास |
| 167. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बंवरला |
| 168. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बंवरला |
| 169. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मोडरिया |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 170. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सुदरी |
| 171. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चांचीयास |
| 172. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | जोदडास |
| 173. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मुण्डीसर |
| 174. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | आच्छोजाई |
| 175. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खातोलाई |
| 176. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | महियास |
| 177. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | गुर्जरों की ढाणी |
| 178. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | कुत्सायनी कलां |
| 179. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बरना |
| 180. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बुटाटी |
| 181. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बुटाटी |
| 182. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | आकेली बी |
| 183. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | निम्बड़ी कोढारिया |
| 184. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | मेवड़ा |
| 185. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पंचरण्डा खुर्द |
| 186. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | चौसली |
| 187. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | खिवताणा |
| 188. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ईड़वा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 189. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | ईड़वा |
| 190. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सिरासना |
| 191. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सोहनपुरा |
| 192. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | बेडास कलां |
| 193. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | रामगढ़ |
| 194. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | करासोडा |
| 195. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | पालड़ी कला |
| 196. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | सांजू |
| 197. | डेगाना | डेगाना | डेगाना | हरसौर |
| 198. | डेगाना | रिंया | रिंया | सयाना |
| 199. | डेगाना | रिंया | रिंया | सयाना |
| 200. | डेगाना | रिंया | रिंया | सयानी |
| 201. | डेगाना | रिंया | रिंया | डोडियाना |
| 202. | डेगाना | रिंया | रिंया | डोडियाना |
| 203. | डेगाना | रिंया | रिंया | डोडियाना |
| 204. | डेगाना | रिंया | रिंया | डोडियाना |
| 205. | डेगाना | रिंया | रिंया | डोडियाना |
| 206. | डेगाना | रिंया | रिंया | डोडियाना |
| 207. | डेगाना | रिंया | रिंया | रोहिसड़ा |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 208. | डेगाना | रिंया | रिंया | भैरून्दा |
| 209. | डेगाना | रिंया | रिंया | भैरून्दा |
| 210. | डेगाना | रिंया | रिया | भैरून्दा |
| 211. | डेगाना | रिंया | रिंया | भैरून्दा |
| 212. | डेगाना | रिंया | रिंया | भैरून्दा |
| 213. | डेगाना | रिंया | रिंया | भैरून्दा |
| 214. | डेगाना | रिंया | रिंया | मोरियाना |
| 215. | डेगाना | रिंया | रिंया | मोरियाना |
| 216. | डेगाना | रिंया | रिंया | मोरियाना |
| 217. | डेगाना | रिंया | रिंया | गुढा जोधा |
| 218. | डेगाना | रिंया | रिंया | मोड़ीकलां |
| 219. | डेगाना | रिंया | रिंया | मोड़ीकलां |
| 220. | डेगाना | रिंया | रिंया | थांवला |
| 221. | डेगाना | रिंया | रिंया | थांवला |
| 222. | डेगाना | रिंया | रिंया | थांवला |
| 223. | डेगाना | रिंया | रिंया | थांवला |
| 224. | डेगाना | रिंया | रिंया | थांवला |
| 225. | डेगाना | रिंया | रिंया | थांवला |
| 226. | डेगाना | रिंया | रिंया | थांवला |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 227. | डेगाना | रिंया | रिंया | थांवला |
| 228. | डेगाना | रिंया | रिंया | ढाणिपुरा |
| 229. | डेगाना | रिंया | रिंया | कल्याणपुरा |
| 230. | डेगाना | रिंया | रिंया | रानाहुण्डा |
| 231. | डेगाना | रिंया | रिंया | आसन |
| 232. | डेगाना | रिंया | रिंया | बडिघाटी |
| 233. | डेगाना | रिंया | रिंया | किल्ला |
| 234. | डेगाना | रिंया | रिंया | किल्ला |
| 235. | डेगाना | रिंया | रिंया | निम्बोला |
| 236. | डेगाना | रिंया | रिंया | निम्बोला |
| 237. | डेगाना | रिंया | रिंया | बनवाडा |
| 238. | डेगाना | रिंया | रिंया | बनवाडा |
| 239. | डेगाना | रिंया | रिंया | सनेडिया |
| 240. | डेगाना | रिंया | रिंया | सुदवाड |
| 241. | डेगाना | रिंया | रिंया | शाहपुरा |
| 242. | डेगाना | रिंया | रिंया | शेखपुरा |
| 243. | डेगाना | रिंया | रिंया | जसवंतपुरा |
| 244. | डेगाना | रिंया | रिंया | टेहला |
| 245. | डेगाना | रिंया | रिंया | गुढा जंग |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 246. | डेगाना | रिंया | रिंया | देवगढ़ |
| 247. | डेगाना | रिंया | रिंया | आलनियावास |
| 248. | डेगाना | रिंया | रिंया | आलनियावास |
| 249. | डेगाना | रिंया | रिंया | आलनियावास |
| 250. | डेगाना | रिंया | रिंया | आलनियावास |
| 251. | डेगाना | रिंया | रिंया | आलनियावास |
| 252. | डेगाना | रिंया | रिंया | सूरजगढ़ |
| 253. | डेगाना | रिंया | रिंया | कोड |
| 254. | डेगाना | रिंया | रिंया | कोड |
| 255. | डेगाना | रिंया | रिंया | दौलतपुरा |
| 256. | डेगाना | रिंया | रिंया | लाडपुरा |
| 257. | डेगाना | रिंया | रिंया | लाडपुरा |
| 258. | डेगाना | रिंया | रिंया | पिपलियां |
| 259. | डेगाना | रिंया | रिंया | रावतखेडा |
| 260. | डेगाना | रिंया | रिंया | नृहसिंह बासनी |
| 261. | डेगाना | रिंया | रिंया | गुजरों की ढाणी |
| 262. | डेगाना | रिंया | रिंया | बासनी जम्मा |
| 263. | डेगाना | रिंया | रिंया | बोफली |

## झोथरी (डूंगरपुर) ग्राम पंचायत में प्रस्तावित छात्रावास

**221. श्री सुशील कटारा** (चौरासी) : क्या जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

क्या यह सही है कि ग्राम पंचायत झोथरी पंचायत समिति डूंगरपुर में जनजाति बालक छात्रावास प्रस्तावित है? यदि हां, तो कब तक स्वीकृत कर दिया जावेगा व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

जी हां। ग्राम पंचायत झोथरी, पंचायत समिति डूंगरपुर से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रस्ताव का परीक्षण कर केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के अन्तर्गत प्रस्ताव स्वीकृति हेतु भारत सरकार को प्रेषित करने की कार्यवाही की जायेगी।

## स्टेट मोटर गैरेज के अवधिपार वाहन

**222. श्री लालचन्द कटारिया** (आमेर) : क्या मोटर गैराज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) स्टेट मोटर गैरेज में वर्तमान में कुल कितनी गाड़ियां हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि अनेक गाड़िया ऐसी हैं जो निर्धारित मानदण्डों के अनुसार अवधि पार कर चुकी हैं? यदि हां, तो अवधिपार गाड़ियों की सूची सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार अवधिपार गाड़ियों को नीलामी आदि के जरिये निस्तारित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

### उत्तर

(1) स्टेट मोटर गैराज, जयपुर में सेन्ट्रल पूल सहित वर्तमान में कुल 175 गाड़ियां हैं। वाहनों का प्रकार, वाहन संख्या, माडल एवं किलोमीटर रिडिंग का विवरण संलग्न है। (परिशिष्ट "क")

(2)जी हां। विभाग में 44 गाडियां ऐसी हैं जो निर्धारित मापदण्डों के अनुसार अवधिपार कर चुकी हैं, सूची संलग्न है। (परिशिष्ट "ख")

(3)जी हां। अवधिपार गाड़ियों का समय-समय पर नीलामी द्वारा निस्तारित किया जाता है, लेकिन वाहनों की कमी होने के कारण अवधिपार गाड़ियों का तब तक उपयोग किया जाता है, जब तक कि नये वाहन प्राप्त नहीं होते।

**(विवरण विस्तृत होने के कारण पुस्तकालय में रखा गया)**

## राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय, लोगियां (अजमेर) में आवश्यक सुविधाएं

**223. डा. श्रीगोपाल बाहेती** (पुष्कर) : क्या आयुर्वेद मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय, लोंगिया (अजमेर) में कितना स्टाफ व कितनी अन्त:रोगी शैया हैं? वर्गवार सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या औषधालय का भवन स्वयं का है? यदि हां, तो वर्तमान में उक्त भवन की स्थिति क्या है?

(3) क्या सरकार भवन के रख-रखाव व मरम्मत के लिये विशेष बजट देने का विचार रखती है? यदि हां, तो कितना व कब तक तथा नहीं, तो क्यों?

(4) क्या औषधालय में प्रसूति व पैथोलोजी लेब की भी सुविधा है?

(5) औषधालय में गत तीन वर्षों का आउटडोर कितना है? संख्या विवरण सदन की मेज पर रखें तथा यह भी बतायें कि वर्ष 1976 से 78 में आउटडोर की संख्या क्या थी? सरकार द्वारा इसमें और सुधार के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

### उत्तर

(1) राजकीय "अ" श्रेणी आयुर्वेद चिकित्सालय, लोगियां-अजमेर में वर्तमान में 70 शैयायें स्वीकृत हैं। इस चिकित्सालय में आयुर्वेद चिकित्सकों के 6 पद, नर्स/कम्पाउण्डर के 31 पद, परिचारक के 11 पद तथा वरिष्ठ लिपिक का एक पद स्वीकृत है।

(2) उक्त चिकित्सालय का भवन नगर परिषद का है तथा आयुर्वेद विभाग को टोकन रैन्ट पर मिला हुआ है। भवन चिकित्सालय संचालन हेतु उपयुक्त है।

(3)जी नहीं। मांग व उपलब्ध बजट प्रावधान को ध्यान में रखते हुये, राशि स्वीकृत करना सम्भव हो सकेगा।

(4) इस चिकित्सालय में प्रसूति की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में पैथोलोजी लैब की सुविधा नहीं है।

(5) इस चिकित्सालय की गत तीन वर्षो की बहिरंग रोगी संख्या निम्न प्रकार है :-

(आयुर्वेद मंत्री)

| **वर्ष** | **नवीन रोगी संख्या** |
|---|---|
| 2003-04 | 13813 |
| 2004-05 | 10227 |
| 2005-06 | 11043 |

इस चिकित्सालय की वर्ष 1976-77 से 1978-79 तक की बहिरंग रोगी संख्या निम्न प्रकार थी :-

| **वर्ष** | **नवीन रोगी संख्या** |
|---|---|
| 1976-77 | 57629 |
| 1977-78 | 55482 |
| 1978-79 | 54590 |

रोगी संख्या कम होने का मुख्य कारण चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होना है।

इसमें सुधार हेतु उक्त चिकित्सालय में पंचकर्म व क्षारसूत्र की स्पेशलिटी सेवायें उपलब्ध करायी जा रही हैं।

## जैरोली (अलवर) यूनानी चिकित्सालय का क्षतिग्रस्त भवन

**224. श्री एमादुद्दीन अहमद खान** (तिजारा) : क्या आयुर्वेद मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि अलवर जिले की तहसील तिजारा के गांव जैरोली में यूनानी दवाखाना खण्डहर इमारत में चल रहा है? यदि हां, तो वहां मरम्मत कार्य करवाने या नया भवन न बनवाने के क्या कारण हैं?

(2) सरकार अब कब तक उक्त भवन की मरम्मत करवाने या नया भवन बनवाने का विचार रखती है? यदि नहीं, तो क्यों?

## उत्तर

(1) यह सही है कि राजकीय यूनानी औषधालय, जैरोली जिला अलवर के भवन की स्थिति ठीक नहीं है। बजट प्रावधान के अभाव में नवीन भवन का निर्माण सम्भव नहीं हो पा रहा है। आवश्यक भवन मरम्मत हेतु शीघ्र कार्यवाही करायी जावेगी।

(2) नवीन भवन निर्माण हेतु बजट प्रावधान उपलब्ध होने पर नवीन भवन का निर्माण करवाना सम्भव हो सकेगा। वर्तमान औषधालय भवन की मरम्मत हेतु शीघ्र ही कार्यवाही की जावेगी।

## कोलायत उपनिवेशन तहसील में अवैध काश्त की नीलामी

**225. श्री देवीसिंह भाटी** (कोलायत) : क्या उपनिवेशन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि वर्ष 2005-06 की रबी फसल में बीकानेर की उपनिवेशन तहसील कोलायत नम्बर 3 में अवैध काश्त की नीलामी में करीब 30 लाख रुपये की वसूली की गई? यदि नहीं, तो कितनी राशि वसूल की गई?

(2) जिला बीकानेर की उपनिवेशन तहसील कोलायत नम्बर 1 से 3 तथा जिला जैसलमेर की किस-किस तहसील में वर्ष 2005-06 की रबी में कितनी-कितनी राशि अवैध काश्त की वसूल की गई? विवरण सदन की मेज पर रखें।

### उत्तर

(1)जी नहीं। वर्ष 2005-06 रबी फसल की अवैध काश्त की नीलामी से रुपये 4.14 लाख की वसूली की गयी।

(2) जिला बीकानेर की उपनिवेशन तहसील, कोलायत-1 से 3 तथा जिला जैसलमेर में वर्ष 2005-06 की रबी में अवैध काश्त की नीलामी से वसूली निम्नानुसार की गयी है :-

| नाम जिला | उपनिवेशन तहसील | वसूली की गयी राशि (रुपये) |
|---|---|---|
| बीकानेर | कोलायत-1 | 2,56,843 |
| | कोलायत-2 | 21,07,865 |
| | कोलायत-3 | 4,14,000 |
| जैसलमेर | नाचना-1 | 50,265 |
| | नाचना-2 | 25,595 |
| | मोहनगढ़-1 | 76,150 |
| | मोहनगढ़-2 | 2,34,388 |
| | रामगढ़-1 | 3,47,404 |
| | रामगढ़-2 | 1,58,620 |
| | जैसलमेर | 4,99,544 |
| | **योग** | **41,70,674** |

## एकल बालिका योजनान्तर्गत जारी यू.टी.आई बाण्ड

**226. श्री बृजकिशोर शर्मा** (जयपुर ग्रामीण) : क्या परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :-

(1) क्या यह सही है कि राज्य में लड़की के जन्म पर यू.टी.आई. का बाड तोहफे के रूप में दिया जाता है? यदि हां, तो कितनी राशि का? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) वर्ष 2005-2006 व 2006-2007 में कितने बाण्ड किन-किन को जारी किए गए? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह सही है कि बहुत से बाण्ड अभी तक भी निर्धारित लोगों तक नहीं पहुंचे हैं? यदि हां, तो क्यों?

### उत्तर

(1) वर्ष 1992 से राजलक्ष्मी योजना चालू की गई। इस योजना के तहत दो संतानों जिसमें दोनों लड़की हो या एक लड़का व एक लड़की हो तथा दम्पत्ति ने नसबन्दी आपरेशन करा लिया हो तो राज्य सरकार उस लड़की के नाम राजलक्ष्मी योजना के अन्तर्गत यूटीआई में राशि निवेश करती है। वर्ष 1992-93 में सामान्य वर्ग एवं एस.सी./एस.टी. के लाभार्थियों हेतु 1000/- रुपये की राशि जमा कराई जाती थी। वर्ष 1993-94 से एस.सी./एस.टी. के लाभार्थियों के लिए 1500/- रुपये व सामान्य वर्ग के लिए 1000/- रुपये की राशि जमा कराई जाती थी। वर्ष 1994-95 से सामान्य वर्ग के लिए 1500/- रुपये एवं एस.सी./एस.टी. के लाभार्थियों के लिए 2000/- रुपये की राशि यूटीआई में निवेश की जाती थी। दिनांक 27 मई, 1996 से योजना में सरलीकरण कर दिया गया, इसके तहत सभी वर्गों के लिए 1500/- रुपये की राशि के निवेश का प्रावधान किया गया। दिनांक 26.6.2000 से यूटीआई द्वारा राजलक्ष्मी योजना को स्थगित कर दिया गया है।

(2) दिनांक 26.6.2000 को राजलक्ष्मी योजना स्थगित कर दी गई, इसलिए वर्ष 2005-06 व 2006-07 के कोई भी प्रस्ताव राज्य सरकार की ओर से यूटीआई को नहीं भिजवाये गये।

(3) अपूर्ण पते के कारण यूटीआई द्वारा कुछ बाण्ड लाभार्थी को नहीं भिजवाए गए। इनका यूटीआई के पास रिकार्ड है। जिन लाभार्थियों को बाण्ड प्राप्त नहीं होते, इसकी निदेशालय को सूचना प्राप्त होते ही निदेशालय द्वारा यूटीआई को डुप्लीकेट बॉण्ड जारी करने हेतु तत्काल निर्देशित किया जाता है।

# परिशिष्ट-1

## (तारांकित प्रश्न संख्या-114 का विवरण)

परिशिष्ट "अ"

| क्र. सं. | स्थान का नाम | पंचायत समिति का नाम |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | हरिपुरा | शाहाबाद |
| 2. | ढिकोनिया | शाहाबाद |
| 3. | छतरगंज | किशनगंज |
| 4. | घट्टी | किशनगंज |
| 5. | तलावडा | किशनगंज |
| 6. | सुवांस | किशनगंज |
| 7. | खाण्डा सहरोल | शाहाबाद |
| 8. | खटका | शाहाबाद |
| 9. | अजरोंडा | शाहाबाद |
| 10. | रातई कलां | शाहाबाद |
| 11. | भांवतीपुरा | शाहाबाद |
| 12. | सिरसोदकलां | शाहाबाद |
| 13. | महोदरा | शाहाबाद |
| 14. | पहाडी | शाहाबाद |
| 15. | बेंटा | शाहाबाद |
| 16. | बाल्दा | शाहाबाद |
| 17. | हाटडी | शाहाबाद |
| 18. | खिरिया | शाहाबाद |
| 19. | सेमरा | शाहाबाद |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 20. | कामठा | किशनगंज |
| 21. | खैरूना | किशनगंज |
| 22. | खैरपुर | किशनगंज |
| 23. | बरखेडा | किशनगंज |
| 24. | माधोपुरा | किशनगंज |
| 25. | जैतपुरा | किशनगंज |
| 26. | सिमलोद | किशनगंज |
| 27. | सेवनी | किशनगंज |
| 28. | सूखासेमली | शाहाबाद |
| 29. | महोदरी | किशनगंज |
| 30. | किशनाईपुरा | किशनगंज |
| 31. | मामोनी | शाहाबाद |

**परिशिष्ट "ब"**

| क्र. सं. | स्थान का नाम | पंचायत समिति का नाम | व्यय राशि |
|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** |
| 1. | हरिपुरा | शाहाबाद | 186103 |
| 2. | ढिकोनिया | शाहाबाद | 176805 |
| 3. | छतरगंज | किशनगंज | 185241 |
| 4. | घट्‌टी | किशनगंज | 197940 |
| 5. | तलावडा | किशनगंज | 196185 |
| 6. | सुवांस | किशनगंज | 200000 |
| 7. | खाण्डा सहरोल | शाहाबाद | 167273 |
| 8. | खटका | शाहाबाद | 168375 |
| 9. | अजरोंडा | शाहाबाद | 195107 |
| 10. | रातई कलां | शाहाबाद | 197282 |
| 11. | भांवतीपुरा | शाहाबाद | 196210 |
| 12. | सिरसोदकलां | शाहाबाद | 175561 |
| 13. | महोदरा | शाहाबाद | 178585 |
| 14. | पहाडी | शाहाबाद | 156325 |
| 15. | बेंटा | शाहाबाद | 200000 |
| 16. | बाल्दा | शाहाबाद | 145310 |
| 17. | हाटडी | शाहाबाद | 200000 |
| 18. | खिरिया | शाहाबाद | 100000 |
| 19. | सेमरा | शाहाबाद | 193700 |
| 20. | कामठा | किशनगंज | 139500 |
| 21. | खैरूना | किशनगंज | 130423 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 22. | खैरपुर | किशनगंज | 151274 |
| 23. | बरखेडा | किशनगंज | 137780 |
| 24. | माधोपुरा | किशनगंज | 133394 |
| 25. | जेतपुरा | किशनगंज | 148895 |
| 26. | सिमलोद | किशनगंज | 131576 |
| 27. | सेवनी | किशनगंज | 159800 |
| 28. | सूखासेमली | शाहाबाद | 159824 |
| 29. | महोदरी | किशनगंज | 124704 |
| 30. | किशनाईपुरा | किशनगंज | 147653 |
| 31. | मामोनी | शाहाबाद | 168747 |